

# Hरत की राजपश्र The Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित १७६८।ऽमहक्ष्र ४०१म० १८१ 1:55/ng No 2.

• 27] • 27] नई दिस्ती, शनिवार, जुलाई 6, 1985 (आषाढ़ 15, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, JULY 6, 1985A (SADHA 15, 1907)

इस भाग में भिन्न कृष्ठ संस्था दी जाती है जिसम्रे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

साब III--**य•उ** 1

MISSINGNO,28

[PART III—SECTION 1]

न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेबापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग नई विल्ली-110011, दिनांक 21 मई 1985

सं० ए० 35014/1/84 प्रशा० II-इस कार्याश्रय की मसंख्यक अधिसूचना दिनांक 18 फरवरी, 1985 के अनुक्रम सचित्र, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के अनुभाग अधिकारी श्री करन सिंह को 1-5-1985 से 15-6-1985 तक की अग्रेतर अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्ग

वाह्य पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

2. लेखा अधिकारी के पद पर श्री करन सिंह की नियुक्ति प्रतिनियुक्ति की शर्ती पर होगी ग्रीर उनका वेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का० ज्ञा० सं० एफ 1 (II) ई० III (ख्) 75 दिनांक 7-11-1975 में सिन्निह्त अनुदेशों के अनुसार विनियमित होगा।

विजय भल्ला, अनुभाग अधिकारी प्रशा० संघ लोक सेवा आयोग

ं कार्मिक एवं -प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1985 नं०ए० 31016/14/80 प्रशा० 1 वि० प्रो०स० भूखण्ड-4--प्राय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण, एवं अपील)

अ सं नाम तथा जन्मतिथि

के० अ० ब्यूरों में प्रति-नियुक्त पुलिस उपाधी-क्षक के रूप में नियुक्ति की तिथि नियमावली, 1965 के नियम 9(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति निम्नलिखित पुलिस उपाधीक्षक को दिनांक 27-3-1984 से, मूल रूप में पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं

राज्य पुलिस विभाग जहां ते वर्तमान पद पर प्रतिनियक्ति पर हैं के० अ० ब्यूरो में तैनाती का वर्तमान स्थान

1. श्री बी० एम० पाटिल

19-2-70

महाराष्ट्र

आ० अ० स्कन्ध, बम्बई

पुलिस उपाधीक्षक

5-12-1927

(21891)

2 निदेशक, के० अ० ब्यूरो, ने गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० एफ० 44/1/59 स्था० (ए०) दिनांक 15 अप्रैल, 1959 द्वारा प्रदत्त शिक्तियों के अनुसार उपर्युक्त पुलिस उपाधीक्षक को परिवीक्षा अविधि में छूट दे दी है।

#### दिनांक 13 जून 1980

सं० ए०-19021/5/81-प्रणा० 5-प्रत्यावर्तन होने पर, श्री एस० के० शर्मा, भा० पु० सेवा (राजस्थान एस० पी० एस०), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी, विशेष पुलिस स्थापना, जयपुर शाखा की सेवायें दिनांक 3 जून, 1985 के अपराह्म से राजस्थान सरकार को सौंपी जाती हैं।

आर० एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण व्यरो

## महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रीचोगिक सुरक्षा वल नई दिल्ली-110003, दिनांक 12 जुन 1985

सं र ई०-16014(2)/1/85-कार्मिक-1-प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, सीमा सुरक्षा बल के उप कमाडेंट, श्री बी० एस० गरचा ने 17 मई, 1985 के पूर्वाहा से के० श्रो० सु० ब० यूनिट, के० एस० टी० पी० पी०, कोरबा के कमाडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> हु० भ्रपठतीय महानिदेशक, के० स्रो० सु० ब०

#### कार्यालय महालेखाकार (ले० प०)

बम्बई-20, दिनांक 29 मई 1985,

कः सं प्रशासन 1/ले पः /सामान्य/सः ले पः पः पः पः ।/2— महालेखाकार महोवय ने निम्निलिखिक अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी गई तिथियों से प्रभावी, पुनः आदेश जारी होने तक, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (वर्ग समूह "ब"-राजपवित) पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है।

क्रम सं० नाम हे		र कार्यालय जिसमें की निथुक्त हुए हैं
1	(पूर्वाह्र)	
1. श्री जी० एच० पठाण	8-5-85	निदेशक (लेखा । परीक्षा) केन्द्रीय, बम्बई
2. श्री सी० आर० सिवदांसन	18-4-85	· * * * * * * * * * * * * * * * * * * *
<ol> <li>श्रीमती आर० भाग्यलक्ष्मी</li> </ol>	18-4-85	
4. श्र्री डी० व्ही० सुले	16-5-85	महालेखाकार (ले० प०), बम्बई
Andrew Control of the		·

पी० के० रामचन्द्रन, वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशा० महालेखाकार (ले० व० ह०) का कार्यालय

निरूबनन्तपुरम-695039, दिनांक 9 मई 1985

सं० स्थापना/प्र०/5/9/86 खण्ड/2/60—श्री एस० चन्द्रशेखर नायर (नं० 1) अनुभाग अधिकारी को 22-5-1985 पूर्वाह्र से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारी के पद में स्थानापन्न होने के लिये नियुक्त करने को महानेखाकार (लं० व० ह०) सन्तुष्ट हुए हैं।

यह नियुक्ति, सिविल विविध अर्जी संर्व ग्री० पीछ 750/84-के० में-1749/84-के-पर केरल के माननीय उड़व न्यायालय द्वारा जो आदेण जारी किया जाए उस के अध्यक्षीन अगले, आदेश तक अस्थाई है।

> एस० ग्रोपालकृष्णन, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निय्युत का कार्यालय नई दिल्ली, विनाक 10 जून 1985 आयात तथा निर्यात ब्यापार नियंद्यण

#### (स्थापना)

सं० 1/16/83-प्रशासन (राज)/2988--राष्ट्रपति, श्रीमती पी० स्वामीनाथन (केन्द्रीय सचिवालय) सेवा, ग्रेड चयन सूची 1983 को के बीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में श्रीर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बस्बई में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के स्था में 21 मई, 1985 से 3 मास की श्रीर अवधि के लिये तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्रीइन्द्र स्त्रिपाटी, मुख्य नियंतक, श्रायत एवं नियंति

उद्योगः श्रोरं कम्पनी काय मैद्रालय श्रौद्योगिक विकास विभाग आधिक सलाहकार का कार्याल्य नई दिल्ली, दिनांक ,7 जूने 1985

सं० ए०-32013(1)/81-आ० स०--राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक सेवा के श्रेणी 4 के एक अधिकारी, श्री रमा कृपाल मीना की आर्थिक सलाहकार के कार्यालय, उद्योग श्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय में दिनांक 7 मई, 1985 की पूर्वाह से अनुसन्धान अधिकारी के पद पर नियुक्ति करते हैं।

मनमोहन सिंह अपर आर्थिक सलाहकार विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1985

सं० ए० 19018(109)/73-प्रशा० (राज०) — शैलैक्ट्रोनिकी विभाग, नई दिल्ली में वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० कैंठ्रें0" के रूप में नियुक्ति होने पर, श्री वी० के० आर० प्रभु ने विकास आयुक्त (तम् उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड—II (इलैक्ट्रोनिकी) के पद का कार्यभार 12 मई, 1985 के पूर्वाह्म से छोड़ दिया।

#### दिनांक 17 जून 1985

सं० 12(684)/71-प्रणा० (राज०)-खण्ड-हो-प्र-श्री
मि० के० पुरकायस्य उप निदेशक (सा० प्रणा० प्रभाग) के
14 मई, 1985 से छुट्टी पर जाने के कारण राष्ट्रपति, विकास
आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय के सहायक निदेशक,
ग्रेड-1 (सामान्य प्रणासन प्रभाग), श्री राधारमण फौजदार
को उनके स्थान पर वि० आ० (ल० उ०) के कार्यालय में
कार्यालय में 14 मई, 1985 से 29 जून, 1985 तक के
लिये उप निदेशक (सा० प्रणा० प्रभाग) के रूप में तदर्थ
आधार पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग प्र-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 मई 1985

सं० ए० 17011/85/75 प्र-6---राष्ट्रपति, सहायक तिरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री एच० एन० चक्रवर्ती को, 6 महीने की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण तवा का ग्रेड-III) (वस्त्र शाखा) नियुक्त करते हैं।

2. श्री एच० एन० चक्रवर्सी ने 25 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से सहायक निरोक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और उसी तारीख को निरीक्षण मण्डल बम्बई में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) बम्बई के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

सोहन लाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रीर ख़ान मन्नालय (इस्पात विभाग) लोहा श्रीर इस्पात नियन्नण

कलकत्ता--20, दिनांक 12 जून 1985

सं० ई० I-12(64)/84(.)-श्री एस० पी० चक्रवर्ती, सहायक भुगतान आयुक्त ने अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-5-1985 के अपराह्म से अपने पद का का भार छोड़ दिया।

> सनत कुमार सिन्हा उप लोहा श्रौर इस्पात क्रियंदक

## (खानं विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकर्ती 200016, दिनांक 30 मई 1985

सं० 5 कि कि बी/ए-19012(1-टी॰ एन॰ आर॰)/
83-19 ए कि टी॰ नागेश्वर राव को सहायक
भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण 650 रु॰ प्रतिमास के प्रारम्भिक वेतन
पर 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-401000-द॰ रो॰-40-1200 रु॰ के वेतनमान पर स्थानापनन
क्षमण्डिमें, आगामी आदेश होने तक 15-2-1985 के
पुवारक्ति नियुक्त किया जा रहा है।

#### दिनांक 4 जून 1985

सं० 5687बी/ए-19012(1-आर० के० एस०)/81-19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री राजेश कुमार सन्वाल को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवा से 30 जून, 1983 के अपराह्म से मुक्त किया गया, ताकि वे 2 वर्ष की अवधि के लिये लियन पर, लोक निर्माण विभाग, शोध संस्थान, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार संभाल सके।

#### दिनांक 5 जून 1985

सं० 5711 बी/ए 19012(1-ए० एस०)/84-19 एभारतीय भूवेंज्ञानिश सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवेंज्ञानिक
सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) कुमारी
अभिय सरकार को सहायक भूवेंज्ञानिक के रूप में उसी विभाग
में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35880-40-1000-द० रो-40-1200 रु० के
वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश
होने तक 27 मार्च, 1985 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त
कर रहे हैं।

अमित कुशारी निदेशंक (कार्मिक) भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण

## भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 जून 1985

फा॰ सं॰ 11/3/85-स्मा॰—प्राचीन संस्मारक, पुरातित्वक स्थल एवं अवशंष नियमावली के नियम 6 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, मुनीश चन्द्र जोशी, निदेशक (अन्वेषण) यह निदेश जारी करता हूं कि राजगिरी पर्वत दुर्ग, जिजी, दक्षिण आरकोट जिला, तिमल नाडु के संस्मारकों में दिनांक 29 अप्रैल में 8 मई, 1985 तक देवी कमला-कान्ति अम्मन के वाषिक उत्सव के उपलक्ष में प्रवेश निग्रुक होगा।

> मुनीण चन्द्र जोशी निदेशक (अन्वेषण)

#### स्वास्थ्य नेवा महानिदेणालः

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 🎎 🐉

सं० ए० 12026/1/84-एम० ई क्येस्ट्रिय सेवा महानिदेशक ने श्री आर० पी० अहीर को 17 मई, 1985 (पूर्वाह्म) मे आगामी आदेशों तक लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया है।

पी,० के किंदि उप निदेशक प्रशासन /(मी एण्ड किं)

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय ग्राँर भण्डार निदेशालय .

बम्बई-400001, दिनांक 6 जून 1985

सं० डीं० पीं० एसं०/41/12/85-प्रशां० 1463-प्रमाणु उर्जी विभाग, क्य श्रांप्र भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई सहायक लेखापाल श्री वीरन्द्र कुमार को इसी निदेशालय में दिनांक 8-4-1985 (पूर्वाह्म) से 10-5-1985 (अपराह्म) तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 ६० के वेतनमान में सहायक लेखा श्रीधकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानायन रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री जे० पीं० शर्मी के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है।

### · दिनांक 7 जुन 1985

सं० डी॰ पी॰ एस॰ 41/15/85 प्रशा०/1469-परमाणु ऊर्जी विभाग, ऋष और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी कनिष्ठ भण्डारी एवं स्थानापन्न भण्डारी श्री ई॰ गोबिन्द नायर को इसी निदेशालय में दिनांक 4-1~1985 (पूर्वाह्न) से 26-4-1985 (अपराह्न) तक रुपये 650-30-740-35-810 द॰ रो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰-40-1200 के वेतनमान में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर तद्यं आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भण्डार अधिकारी (मांग) श्री अर्यबन्द पाण्डा के स्थान पर की गई है, जिन्हें उक्त अवधि के लिये छूटो प्रदान की गई है।

पी० गोपालन प्र<mark>मासन</mark> अधिकारी परमाण् ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईधन सम्मिश्च हैदराबाद-500 762, दिनाक 9 मई 1985

#### श्रादेश

संदर्भ ना० ६० स०/का प्र० 5/2606/4175/2015—
जबिक यह ग्रारोपित किया गया था कि "नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के जर्नेलाय गढ़न संयंत्र में मददगार "क" के रूप में सेबारत श्री सी० एच० नरहरि राथु दिनांक 25—6—84 के बाद से (ग्रवकार्ण के प्रनुभोदन के बिना) कार्य से प्रश्नाधिकृत ग्रनुपस्थित रह रहे हैं तथा इस प्रकार से (उन्होंने) केन्द्रीय नागरिक सेवा (ग्राचरण) नियम, 1964 के नियम 3 (1)(ii) तथा 3(1)(iii) के ग्रनुसार कदाचरण का कार्य किया :"

और जब कि उक्त श्री नरहरि रावु की, ज्ञापन संख्या नाठ कैंठ सठ/का अठ 5/2606/4175/1482, दिनांक 9-11-84 के ब्रारा उनके विरुद्ध-ग्रारोप तथा उन पर की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना की गयी ;

और जब कि उक्त श्री नरहरि रावु को गृह-संख्या 12-8-275/6/4, मेट्टुगुडा, सिकन्दराबाद-500 017 स्थित उनके श्रावासीय पते पर पंजीकृत डाक बारा श्रीषत कापन बिना वितरित किए हुए डाकीय अभ्युक्ति " 7 दिन से व्यक्ति निरन्तर श्रनुपस्थित है, श्रत: श्रेषक को नौटाया जाता है" के साथ वापस श्रा गया;

और जब कि उकत श्री नरहर राबु को इस ज्ञापन की एक प्रति गृह संख्या 12-8-275/6/4, मट्टुगुडा, सिकन्दराबाद 500 017-स्थित उनके प्रावासीय पते पर डाक-प्रमाण पत्र क्रिस्तर्भत् प्रेषित की गयी;

और जब कि उक्त श्री नरहरि रावु ने प्रपने बचाव का कोई भी लिखित बक्तव्य नहीं प्रस्तुत किया;

और जब कि यह विचार किया गया कि म्रारोप की जांच करवाई जाए तथा तदनुसार भादेश संख्या ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/4175/1762, दिनांक 4-2-85 के म्रनुसार एक जांच भ्रधिकारी नियुक्त किया गया;

और जब कि जांच अधिकारी ने श्री नरहरि राबु के बिरुद्ध लगाए गए द्यारोप को उचित संदेह से परे सिद्ध हुआ मानते हुए अपनी दिनांक 11-4-85 की रपट प्रस्तुत कर वी ;

और जब कि जांच रपट, दिनांक 11-4-85 (प्रति संलग्न है)-सह मामले के ग्राभिलेखों का सावधानी पूर्वक मनन करने के पक्चात ग्रधोहस्ताक्षरी ग्रारोप को सिद्ध हुन्ना मानते हैं तथा इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि श्री नरहरि रावु सेवा में बनाए रखने के योग्य एक उपयुक्त व्यक्ति नहीं है तथा उक्त श्री नरहरि रावु पर सेवा से निष्कासन का दण्ड ग्रधिरोपित किया जाए;

म्रतः ग्रव, केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण

हुए ग्रधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्व के जकेंलाय गढ़न संगत में मददगार "क" उनत श्री नर्द्धार रावुको सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

> जी० जी० कुलकर्णी प्रबन्धक, कामिक व प्रणासन

अनुलग्नक : यथोपरि श्री्सी० एच० नरहरि राबु 12-8-257/6/4, मेट्ट्गुडा, सिकन्दशबाद--500 017

#### परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 14 जून 1985

सं० प० ६० प्र०-4/1/85 भर्ती, जिल्द 1—निदेशक, परमाणु छनिज प्रभाग, परमाणु छर्जा विभाग एतद्वारा परमाणु प्रभाग के स्थायी ओवरमैन तथा स्थानापन्न फोरमैन "ए" श्री बी० के० सिह्ना को उसी प्रभाग में 1 फरवरी 1985 के पूर्वाह्म से लेकर ग्रावेश होने तक स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक श्रक्षित्रारी/इंजीनियर ग्रेड "एस० बी" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ७० प०-16/9/85-भर्ती---निदेशक, परमाणु छनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतक्क्षारा प० ७० प० के स्थानी सहायक, श्री के० एम० कोशिक को उसी प्रभाग में सहायक स्थानी सहायक प्रक्रिक प्रधिकारी श्री के० ए० पिल्लई को छुट्टी प्रदान किए जाने पर 27 मई 1985 के पूर्वाह्न से लेकर 28 जून, 1985 तक. तदथ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रीध्वारी नियुक्त करते हैं।

एस० पदमनाभन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

विज्ञान एवम प्रौद्योगिकी महालय भारत मौसम विज्ञान विभाग मई दिल्ली-3, दिनांक 12 जून 1985

सं० ई (I) 05954—मौसम विज्ञान के महानिदेशक खेद सहित श्री जे० श्राप्त बेनर्जी भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह "ख" राजपन्नित के एक श्रधिकारी की दिनांक 17 मई 1985 को हुई मृत्यु की ग्रधिसूचना जारी करते हैं। श्री बेनर्जी क्रियक मौसम विज्ञानी के पद पर निदेशक, कृषि मौसम के का स्तिय, पुणे में तैनात थे।

> के० मुखर्जी भौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते भौसम विज्ञान के महानिदेशक

## महातिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

सं० ए० 32014/1/84 ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन श्री बी० सी० मूधरे, तदर्थ सहायक विमान केल श्रीधकारी की 1-6-85 से इस थेड में नियमित श्राधार पर नियमत करते हैं।

श्री बी॰ सी॰ मूधरे को बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई में तैनात किया जाता है ।

> एम० भट्टाचार्जी सहायक निदेशक श्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1985

सं० ए० 31014/1/85-ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानल निम्नलिखित श्रिक्षिकारियों को अत्येक के सामने दी गयी तारीख से नागर विमानन विभाग के बैमानिकी संचार संगठन में सहायक संचार श्राधकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में निधुक्त करते हैं:--

कै० सं० नाम	ं स्थायी रूप में नियुक्ति
	की तारीख
सर्वश्री	
1. एल० एस० गोविला	24-1-84
2. डी० के० चौधरी	24-1-84
<ol> <li>बी० आई० रामामूति</li> </ol>	24-1-84
4. पी० श्रार० गांगुली	24-1-84
ं इ. ग्रार० एस० भगीरथ	24-2-84
6. एस <i>०</i> के० पाल	24-1-84
7. जे० सी० डे० सरकार	24-1-84
8. एस० एल० सरदाना	24-1-84
<ol> <li>एस० ग्रार० देशपांडे</li> </ol>	24-1-84
10. गज राम सिंह	24-1-84
11. ग्रार० एस० नागर	24-1-84
12. डी० एन० सुने	24-1-84
13. फ्रार० के० मोदक	24-1-84
14. एस० एम० कुलकर्णी	24-1-84
15. एस० एस० एन० मूर्ति	23-4-84
16- बी० सी० घोष	23-4-84
17. तीरथ सिंह रेखी	23-4-84
18. भ्रार० गोविन्दाराजालू	23-4-84
19. सुबु मार चन्दा	23-4-84
20. के० एस० मृति	23-4-84
21. एस० के० चटर्जी	23-4-84
22. स्नार० टी० सिंह	3-5-84

जै० सी० गर्ग उपनिबेशक प्रशासन नई दिल्ली, विनांक 10 मई 1985

सं० ए०-31014/83-ई० सी०-इस कार्यालय के दिनांक 5 फरवरी, 1985 की समसंख्यक अधिसूचना में आणिक संगोधन करते हुए कम सं० 53'पर अधिकारी का नाम "श्री एस० एस० कंग" के स्थान पर "श्री सिरिन्दरजीत सिंह" पढ़ा जाए।

> वी० जयचन्द्रन सहायक निदेशक प्रशासन

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 13 जून 1985

सं० ए-19012/1101/85-स्थापना पाच-विभागीय पदोन्नित सिमिति (समूह ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री सुरेश कुमार मुतरेजा, अभिकल्प सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक /सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 18-5-1985 की पूर्वाह्म से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अति-रिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख स दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

सं ए-19012/1105/85-स्थापना पांच-विभागीय पदो-न्नित समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, श्री अर्जुन सिंह, अभिकल्प सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-दं री०-35-880-40-1000-दं रो०-40-1200 के वेतनमान में 20-5-1985 पूर्वाह्म से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

- (2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।
- सं० ए-19012/1106/85-स्थापना पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री सत्येन्द्र कुमार चतुर्वेदी, अभिकल्प सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेंड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन-मान में 18-5-1985 की पूर्वाह्न से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।
- (2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेश म/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिकीक्षा पर रहेंगे ।

दिनांक 17 जून 1985

सं० ए-19012/1979/85-स्थापना पांच-विभागीय पदोन्नित समिति (समूह-ख) की सिफारिगों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री प्राजीर कुमार बर्मन पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 8-3-1985 की पूर्वाह्न से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियम्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेश-/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से वो वर्ष की भवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

> मीनाक्षी अरोड़ा अवर सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल आयोग

#### केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान भाला

पुण-24, दिनांक 13 जून 1985

सं० 608/194/84-प्रणासन-संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली से लिए गए जयन के कारण निदेशक, केन्द्रीय जल और विश्वत अनुसंधान शाला, खडकवासला, पुण-111024, श्री मुधामल्ले माणिक्य राव को सहायक प्रलेखीकरण अधिकारी के पद पर रुपए 740/-प्रति माह वेतनभान रुपए 650-30-746-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40 -1200 पर दिनांक 3 जून 1985 के पूर्वाह्न से नियुक्ति के करते हैं।

श्री मु॰ मा॰ राव के लिए 3-6-1985 से दी साल परि-वीक्षाविध होगी ।

> भा० ग० पटवर्धन प्रशासन अधिकारी

### राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 13 जून 1985

सं जी जी जिल्ही एस जो जिल्हा निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, मद्रास के विशान सहायक (विद्युत) श्ली बाला विजय राजु को राष्ट्रीय परीक्षण गृह के मद्रास गार्खाओं विशान अधिकारी (विद्युत) के रूप से अस्थायी आधार पर किता करते हैं जो कि 24-4-85 (अपराह्म) से किसी अगले आदेश के जारी न होने तक प्रभावी होगा।

जे० एम० भट्टाचार्या उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

## उद्योग भीर कम्पनी कार्य मंजालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी, अधिनियम, 1956 ग्रीर लक्ष्मी जिपसम फांडस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिमांक 7 जून 1985

\* सं० 4926/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की

"धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
लक्ष्मी जिपसम फांडस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल
कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और
उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम , 1956 और दि बरमा टिम्बर ट्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 जून 1985

सं० 203/560/85— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्शारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि बरमा टिम्बर ट्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विषय न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त क्रम्यनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 195**6 श्रौ**ए दि मद्रास स्प्रीट्स प्राइवेट । ं लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 जून 1985

सं० 1442/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि मद्राप्त स्प्रोट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

(ह०) श्रपठनीय कम्पनियों का महायक रजिस्ट्रार इमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्राँर आर० जी० रबड़ एण्ड फाइनान्स प्राष्ट्रवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 12 जून 1985

सं० स्टेट/3983/2631—कम्पनी अधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आर० जी० रबड़ एण्ड फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशांत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उकत कम्पनी विधटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिंगला सीमेंट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 12 जून 1985

सं० स्टेट/5027/2629—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्शारा यह भूचना दी जाती है कि सिंगला सीमेंट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है

वी०ंएम० जैन कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़ मक्न. बार्ड. टी. एन. एस. -----

## नायकर विभिन्नित्त्र, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-न (1) के अभीन स्वता

#### भारत उडकार

काबीलय, सहायक भायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर दिनां रु 5 जून 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०मी०/एमपू०/8/19/85-86~~ग्रतः महो, एम० सी० जोशी,

बावकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विवनस करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका दिच्छ नाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए-1, है, जो धरमपेठ नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से चर्णित है). ग्रधिकारी कार्यालय. नागपर रजिस्दीकर्ता (डाक् मेंड सं० 39/15/84-85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन 30-10-1984 की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार बुक्य से कम के उपनान प्रतिकास को लिए बंतरित की नई है और बुओ यह विश्वास कारने करूने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचितः बाजार मन्त्र, उसके क्लामान प्रतिकार से, एसे क्लामान प्रतिकास का भंबह प्रतिकत से अभिक ही और अंतरक (बंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिवित उद्योग्य से उन्त नन्तरन सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धरण से हुइ किसी बाब की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व को असी बाइने या उसके उक्त में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (व) एसी किसी नाव वा किसी भन या अन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाम-कर विभिन्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विभिन्तियम, या भन-कर विभिन्तियम, या भन-कर विभिन्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में त्विभा से निए?

(1) डा० टी०एन० चनुजकर, डिपार्टमेंट आफ मोसलोजी पूना यूनिवर्सटी, पूना।

(अन्तरक्)

(2) सी० ज्यंत्त्रना सुभाव मंहिरील, पट्टेचार कालोनी, लातुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवॉक्त सम्परित के वर्धन की लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप ३---

- (क) इस कुचना के राज्यमा में प्रकारक की तररीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कुचना की तामील से 30 दिन की अनिध, को भी क्यटिंग नक्द में समान्त होती हो, को मीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की दारीबा से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा वभोइस्ताकारी की पात सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो अनुतु विधिनका, वो अध्याय 20-क में परिभाविते ही, कही कर्य होगा, जो उस अध्याय में विका यदा ही।

#### क्रम्

ण्लौट सं० ए-1, जो, कांचन को०-श्रापरेटिय सोसाइटी के कांचनबेन नाम से बिल्डिंग परिचित है और धरमपेठ, नागपुर में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, नागपुर

वतः तथ, उक्त विधितियम की भारा 269-य क वनुसर्थ में, में, अक्त अधितियम की भारा 269-थ की विषधारा (1) के अभीन, निम्निविधित व्यक्तिकों, वर्षाद

नारीब: 5-6-1985

मोहर

प्रकथ बार्ड. टी. एन. एस.

'बायकंड बॅभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के बंधीन संबना

#### गाउँच चंडकाड

#### कार्यमन, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरेंज, कलकसा

कलकत्ता दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश मं० ए० सीं० रेंज-II/कलकत्ता/84-85--- श्रतः भक्षे, एस० के० बनर्जी.

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् (उनत अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. विसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जमकी सं० 10/1/इ० है तथा जो डाइमण्ड हारबार रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध स्नम्भूती में और पूर्णस्थ्य से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख 20-10-1984.

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नसिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में सिवित बास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) समारण वं शुद्ध किनी नाम की नामत उच्छे अधिनियम में नधीन कर्ड को में सम्बद्ध के समिरण में कमी करने या उसने नथने में सुनिया के निष्; बीर्/मा
- (च) ऐसी किसी जाय, या किसी भन का जन्य बास्सिकी क्यो, जिन्हों आरतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिरती द्वारा प्रकृष्ट नहीं विषय गमा का या किया अन्तरि वाहिए था, क्रियान में स्विका के निए;

( ) ग्रीनउइच होलंडिम प्रा० लि०।

(श्रुत्तर्कः)

(2) श्री शिव ण्वर श्रागरओयाला।

(अन्तरितीं)

की यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इसं सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविष्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की ब्रविध, या शीं जविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्थान के राजपन के प्रकाशन की तारीज के 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बक्ष वित्री कन न्यक्ति द्वारा बभोहस्ताकरी के गांच सिवित में दिए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः प्रसमें प्रमुक्त कन्दों और पदों का, जो उनस् अभिनियम के अध्याय 20 के में परिभावित है, नहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया तथा है।

#### वगुसूची

जमी न :--2450 वर्गफट प्लाट ।

पता --10/1/इ, डाइमण्ड हारवार रोड, प्लाट नं० 2ए, याना-ग्रालिपुर, कलकत्ता-27 सक्षम प्राधिकारी के दोर्यालय में 20-10-1984 तारीख में रिजस्दी हुन्ना। रिजस्दी का कमिक संख्या-30।

> एस० के० वर्तर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (नरीक्षण) श्राजैत रेंक-II कलकता

तारीख: 1-3-1985

मोहर

### प्रकम् नाइ ् हो । एव ् प्राः

भाषकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एरणाकुलाम कोचिन-16 कोचिन, दिनांक 3 मई 985

निवेण सं० एल०सी० 748/85-86--- श्रतः मझे, संनी चौधरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की अस्त १८०-व्य के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विक्वास करने का करने का करने का करने का करने के का करने का करने के का करने का

अीर निकास मंग्रित के अनुसार है एरणाकुलम गांच में स्थत है (और इस्ते उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिल्ह्रिं इती प्रिया से का प्रिया एरणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीं एण प्रिवित्ताम 1908 (1908 ता 16) के अधील, 5-10-1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य इतिफल के लिए वंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाएवाँक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का क्ल्य अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निवित्त के सारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनयम के अभीन कर दोने के बन्तरक के खबित्व में कमी करने या उससे क्वने में बृतिका के फिछ; बरि/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उत्तस अधिनियम आ भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खियाने अं सुविधा के निए;

वतः वव, उक्त विधिनयम् की धारा 269-म सै वन्सरम् में, में, उक्त अधिनियम् की धारां/269-म की उपधारा (1) में वधीन्, निम्निसिक्त व्यक्तियों, क्षयांह् क्र--- (1) के० सी० नारायणमेनान ।

(भ्रन्तरकः)

(2) राई मास्यू ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वनित सम्पत्ति की नर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन की सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारांख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगे।

स्पाद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया हूँ।

#### नन्स्ची

तारीख 5-10-1984, उपरिजस्ट्री कार्यालय, एरणाकुलम के दस्तादेज सं० 3219 में सलंग्न श्रनुसुधी के श्रनुसार एरणा-कुलम गांव सर्वे सं० 711/1, 2 में 6.250 सेन्ट भूमि के साथ, एक मकान।

> सची चौधरी/ सक्षम प्राधिशारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, एरणाकुलम कोचिन

तारीब: 31-5-1985

मोह्द 🖁

#### प्रकृत कार्या, द्वी , एव , एवं , १००० व्यापन

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के म्पीन मुख्या

#### ब्राह्म ब्रह्मार

#### कार्यास्य, सङ्कारक बायकार बाबुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणामुलम कोचिन, दिनांक 1 जून 1985

निदेश स० एल० सी०/749/84 85--- श्रतः मझे, सची चौधरी,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देखनें इसनें दूसनें परभात् 'चनत विभिनियम' कहा नयर हैं), की पाय 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चितका स्वित वाकार सूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कौर जि उकी सं ० एरणाकु लम गांच, में स्थित है (और इससे उपाध अ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णि उ है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या तथ ए रणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 18-10-1984 को पूर्व कर सम्मत्ति के विवत बाबार मृस्य वे कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्व कि सम्मत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशव से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखित उप्रचेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तुविक रूप से किवत नहीं किया गया है उन्त

- (क) नन्तरण संहुई किसी बाव की कावत , कक्त ब्रिशियम के भूषीन कर दने के ब्रुटरक के वावत्य में कमी करने वा उत्तसं मृत्युन में सुनिवा के सिए: ब्रोट/बा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवत् अधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट मुद्दी किया गया जा या किया जाना काहिए था, कियाने में सृत्या के लिए;

शतः त्रव, अवत विभिनियम की वाडा 269-ए के अनुसरक मों, मों उक्त अभिनियम की बारा 269-व की उपभारा (1) क राजीब, निम्निजिकिक व्यक्तियमें, वर्षात् क्रे— (1) ए० माधवन ।

(ग्रन्तरक)

(2) के० सी० नारायण मेनन।

(भन्तरिती)-

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हैं।

#### कामब् संपर्देश के नर्जन के संबंध में कोई भी वासोद :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की नवींच मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर चूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

#### अनुसूची

तारीख 18-10-1984, उपरिजस्ट्री कार्यालय एरणा-कुलम के दस्तावेज सं० 3276 में सलंग्न श्रनुसूची के श्रनुसार एरणाकुजम गांव सर्वे सं० 535/13 में 5.5 सेन्ट भूमि।

> सवी चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम कुमार

तारीख 1-6-1985 मोह्र : प्र**क्ष्य आह**े<sub>ड</sub> टी व एन व एस*्व*न्नवस्थ्य

## नायकर निर्भातियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वता

#### भारत सरकार

#### कार्वालय, सहायक नायकर बाब्यूक्त (निर्दाक्षक)

ग्रजन रंज, एरणाकुलम

कोचिन दिनां ह 1 जून 1985

निदेश सं एल सी । | 750 | 84-85 - अतः मझे, सबी वौधरी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अनुसूची के श्रनुसार है । जीर जो बालीकट टाँण में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारीं के कार्या लय कलकता में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रिजीं तारीख 24-10-1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिसात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के 'लए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उदत बन्तरण किसात में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है है

- हुँक) कल्लाइक से हुन्दें किन्दी जाग कर्त वामतः उनस् विधिनियम के कभीन कर्द्र सेचे के सन्तर्क की वादित्व में कभी कर्ष्य मा उससे मणने में सुनिधा के लिए; बॉर्/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाकः ---

(1) श्री मान्यू पोल, फानसिस और श्रन्तम्मा।

(अन्तरक)

(2) सीं एस हमा।

(ग्रन्तरि 🕆)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुई ।

#### जनत संपत्ति के कर्षान के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंपरित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के पास लिखिस में किए जा सकर्ग।

स्पष्टिकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

तारीख 24-19-1984 उपरिजस्ट्री कार्यालय कार्लःकट के दस्तावेज सं० 951 में सलंग्न अनुसूची के अनुसार जाली कट टीन आर० एस० सं० 6-8-10 में 3 2/12 सेन्ट भूमि के साथ पांच दुकान कमरे।

> सवी चौधरीः मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, एरणाकुनम, कोलिन

तारीख ् 1+6-1985 मोहुद्ध अ प्रकप वाह ेटी. एनं. एस. १-----

अरायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जाम्बत (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणाकृत्म

कोचीन दिशांक । जुन 1985

निर्देण सं० एतर० सी० 751/85-86-- श्रतः मधे, सची चाधरी.

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिप्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रङ. से अधिक हैं

और जिसकी सं श्रन्सची के अनुसार ं को भंगतम गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रतस्वी में और पूर्णस्य सेविणितहीं) रिक्स्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यात्य की त्रवंग तथ में भारतीय रिजरेड़ी रूपा अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबी ततारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतियात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🚁

- (क) बन्तरण से हुई किसी मान की बाबत , उच्च अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए।

क्राप्तः भव, अवत जिलियम की भारा 269-ग के नामुसरण में, मैं, जनत निधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बाजीन, निम्नलिखित व्यक्तिगर्भ, अर्थात् :---

श्री मीरान ।

(श्रन्तररू)

(2) श्री मी०के० जोसा

(अन्तरिती)

को यह त्यना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यनाहियाँ शुरू करता हुई ।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रम ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी . जबभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स्र दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पच्छोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उद्धत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख 8-10-1984 उपरिजस्दी कार्यालय कोनमंगलम के दस्तावेज सं० 4653 में सलंग्त अनुसूची के अनुसार कोनमंगलम गाँव मर्वे सं० 759/1सीं 0/1 में 20 सेन्ट भूमि के साथ एक "िस्तिमा थियेटर"

> सुची चीवरी सक्षम प्राधिकारी सहायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकृतम, कोचिन

नारीख 1-6-1985 मोहत्र 🖁

प्रकण वार्ष<sub>ः</sub> ही<sub>ल</sub> एन<sub>ः</sub> एन<sub>ः "======</sub>

आब्दाइ दिश्तिका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अभीन कुलता

#### नाइत चडकार

#### कार्यालयः सहायक कायकर कायक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज, पूना

पुना, दिनाउ 28 मई 1985

निदेश मं० 37ईई/399/84 85-~प्रतः मझे, ग्रनित युनाए,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम धूर्मिकारों को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित वाकार मृख्य :

1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी मं० फैक्टरी बिल्डिंग, प्लाट नं० डी/74 पर एफ० आई० डी० सी० सातपूर, ना िक 7 है तथा जो ना िक में स्थित है (और इसने उपायद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिक्टिंग ति अक्षिणरी के वार्यात्य महायश आयश्य आयुष्त निरीक्षण अर्थन रेज में, रिक्ट्रिंशरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) वे अधीत, नारीख अक्तूबर, 1984,

को पूर्वो जल सम्पोल के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान धीतफन्न के निए अन्तरित की गई है, और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपीत्त का उपित शाचार ब्रुस्य, उसके क्यान प्रतिकन से ऐसे श्रममान प्रतिफन का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिशितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया ब्रिक्टन, निस्नीनियत उद्योग से स्थल बन्तरण सिदिद में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मन्यरम ने हुई किशी मान की नावध उक्स मुचि-पित्रक के अमीन कर बोने के अन्तरक के दावित्य में कामी कारने या उससे बचने में मुविभा के लिए; नीक्श्रीना
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या धनकार ब्रॉफिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अम्तरिसी ब्राय प्रकट यहीं किया ग्या या या किया बानी शाहिए था, कियाने में सुविका के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीत्र निम्निचित अधिक्यमें, अधीत क्ष (1) मैं सर्स यूनियस्त इन्डस्ट्रीज और ट्रेड, कारपोरेशन, हरो भवन. 64,पेडार रोड, वस्बई-26

(भ्रन्तरक)

(2) इण्डियन स्टील एण्ड मलाइड, इन्डस्ट्रीज, 1213, मेफर चेम्बर-5, 221, नरिमन पोइन्ट बम्बई 21

(भ्रन्तरिती)

की यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के तिए कार्यनाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप हन्ने

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या असमनेथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीरर उठत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिष्ठाः—इसमें प्रयुक्त वाट्यों सीर पर्यों कां, को उक्त जीभनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हु<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हु<sup>3</sup>!

#### arrest.

जैसा कि रजिस्ट्री इत कर मंत्र 37ईई/399/84-85 जो अक्तूबर, 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में निखा गया है।

> श्रनित कुमार सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

नारीख: 28 5-1985

माहर 🛍

#### प्ररूप आई. धी. एन. एस. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना पूना, दिनां ह 28 मई, 1985

निदेश सं० 37ईई/6631/84-85 - प्रतः मुझे, भनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नी मं० प्लाट नं० 106, तारा बाग में, प्लाट नं० 285 (पार्ट) कोरेगांव रोड, पूना में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अवि गरी के आर्यात्व, सहायक आयकर आयुक्त िरीक्षण अर्जन रेंग में रिजिट्रीकर्रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अन्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल के पंद्रह द्वारात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लित में अस्तिगक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुड़ै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के कम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरणु में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं उसं मेहता एण्ड कम्पनी,
 22, अपोलो स्ट्रीट,
 फोर्ट, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एच० डोमडिया, रिखाव ट्रस्ट, यडालाल, बम्बई ४था मंजला 21/1, श्रार० एफ श्विबई रोड, बडालिया, बम्बई-31

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में सभाप्त हानेती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

जैसा कि रिजिस्ट्री हरण कि 37ईई | 6631 | 84-85 जो श्रक्तूबर, 84 को सहायभ श्राय हर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजैन रेंज, पूना के दफ्तर में जिखा गया है।

अतिल कुमार चक्षत प्राधिशरी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (तिरीक्षण) सर्वत रेंज, पूना

तारीख: 28-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय,, सहायक जायकर आमृक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 18 मई, 1985

निर्देण सं० 37ईई/7453/84-85--- ग्रनः मुझे, ग्रनिल कुमार,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिनकी सं० फ्लैंट नं० 2. सामली अपार्टमेंट में, प्लाट नं० 71, सर्वे नं० 121, 122, रामधाग कालोती कोयरूड, पूना-29 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), रिजिस्ट्रीकृती अधिकारी के हार्यालय सहायक आयक्षर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर, 1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाक्सिक इप हो कथित नहीं किया गया है

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तिसम्बद्धे, स्थित् :---  (1) मेश्वर्स रेक्यान एस्टरप्राईजेज, 361/62: बुधवार पेठ, पुना-2

(अन्तरक)

(2) श्री शांती साल देवजी चौधरी, 427, नया मंगलवार पेठ पूना-11

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अगिध, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित में हितबब्ध किसी अन्य अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उसत आयकर श्रीभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री हस क 37ईई/7453/84-85 जो नथम्बर, 84 को सहायक भाषकर भ्रायुक्त निरीक्षण भर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रीतल कुमार सक्षम प्राधिकारी भहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-5-1985

मोहर:

प्रस्प आहे.टो.एन.एस.,-----

भावकार जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की कार्यकार अर्थ 269-थ (1) के कार्यन सूचना

#### भारत संद्रकार

#### कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें क, पूना

पूना, दिनां ह 18 मई 1985

निदेश सं० 37ईई/9111/84-85-- ग्रतः **मुझे**,

ल्**ग्र**निल कुमारः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परितः, जिसका उचित बोचाद मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनशी पं कि प्लैट मं कि 8, पड़ला मंजरा, मंजूका, कुग्राप-रेटिव हाउनिय संपाडटी, धनीराम, गुप्ता रोड. डोम्बीवली (डब्स्यू) है तथा जो डोम्बीवली में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में और पूर्णकत से बर्णित हैं), रुचिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारीं के कार्यात्रय सहायक आयक्तर आयुक्त तिरीक्षण अर्जन रेंग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के अध्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की भई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि स्थाप्याँक्त तंपरित का सचित बाजार भूक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एते स्थ्यमान प्रतिफल सा च्यह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) जर बंतरित कि कि एसे अंतरण के सिए तमें पामा नवा प्रतिक्त कि सिक्ति कि निक्ति उद्वेष्य से उच्त अंतरण निवित्त में पास्तिक क्या से कि पान नहीं किया गया है हु--

- (क) अन्तरणामें हुई किसी आय की बाबता, उक्त कियानियस की अधीन कर दोने के अध्यारक खें दासित्त में कर्ना करने या उससे अधीन खें सुविचा के सिल्; और/भा
- (क्ष्ण) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मनसं क्रष्णा बिस्टर्स, तीसरा मंजला, हरेश निवास, माणिक लाल इस्टेट, एल०बी०एस० मार्ग, घाटकापर, बम्बई-४६

(अन्तरक्)

(2) श्री सखाराम बिट्टल लाड और अन्य 2, बैशाली, जम हिन्द कालोती, गुप्ता रोड, चिष्णु नगर, डोम्बीचली ।

(अन्तरिती)

को सह सूचना बारो करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के जिल्क कार्यवाहियां करता हूं।

सनत सम्महित के वर्षन के संबंध में क्रोड़ भी बाकंप ह

- (क) इस सूचना के हायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सनीय या तत्सम्बन्धी स्पन्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सनीय, जो भी बन्धि बाद में हमान्द्र हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ड स्वित्वयों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस जुमना के राजपुष् में प्रकादन की तारीष्ट के 45 दिन को मीतुर उक्त स्थान्य सुम्मस्ति में हिटबब्ध फिटी जुन्म स्थानित द्वारा अभाहस्ताक्षरी के वास निश्चत में किए वा स्थाने।

स्पत्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त पश्चों और पक्षे का, को उक्के विभाव 20-क में परिभाषिक है, बहु अर्थ क्षेत्रा, जो उस जन्याय में दिया गया है।

#### अनस पर्वे

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/9111/84 85 जो अनतुबर, 1984 को सङ्ग्यक आयक्ष आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना, के दक्षर में लिखा गया है।

श्रतिल **कुमार** सक्षम प्राधिकारी -सहामक श्रायक्त (निर्रीक्षण) अर्जल रेज, पूना

तारी**क**: 18-5-1985

मोक्स्र 🕹

#### प्ररूप आहो , डौ , एन , एस्, त तरकार सम्बद्ध

## नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

#### ज़ारत परकार

## कार्नासम् सहायक नायकर बायुक्त ((नर्दाक्रक)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 मई 1985

निदेश सं० 37ईई/71,55/84 85--- श्रतः मुझे, श्रीनल कुमार,

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को कह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं ० पलैंट नं ० ७, सर्वे नं ० ० ६४४, सालिसवरी पार्क मीजे गुलटे उड़ी, हवेली जिला-पूना (क्षेत्रफण: 11505 नी ० फिट) है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाचड अनमूबी में और पूर्यक्ष से वणित है). रिजिन्ट्रीकर्ता अबि ारी के कार्यात्रय सहाय प्रस्तर स्थापक स्थापक कार्यक अर्थात नारीख, अपनुत्रर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास इत्या उसके दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास इत्या उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल के लिए तथा पन्तर प्रतिफल से अर्थ कन्तर के लिए तथा पन्तर प्रतिफल से विद्या पन्तर के लिए तथा पन्तर पन्तर से विद्या पन्तर स

- (क) असरण से हुई किसी भाष की आवस, क्षणक अभिनियम के सभीत कर दोने की अन्तरक को दाधित्व में कमी कारने या अससे स्थान की को कांक्या के लिए। बार बा/
- (स) ऐसी किसी बाब या किसी बन वा बन्य बास्तियाँ वर्ड, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा भया था या किया जानाः चाहिए था, खिपाने में सूबिभा के लिए;

भतः भवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग में अन्तरण में, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ नहीं उपधारा (1) के अधीन, निस्मसिखित व्यक्तियों, अधित :---- (1) श्रीं बीरबल नवबतराय मोहिन्दर 1ए, रामभ्रमाद बिल्डिंग, डायसेट रोड, बम्बई-7

(ग्रन्त्रक्)

(2) राजेन्द्र शिवाजीराव ढेरे और श्रन्य 36/3, मीरा को-श्रापरेटिव सोसाइटी लि० शंकर रोड,

(अन्तरिती)

क्षा यह बुजना हाड़ी कारचे पूर्वोक्स संपरित में बर्बन के सिसं कार्यवाहियां करता हुं।

#### उन्त सम्पत्ति से नर्पन के संसंध में कोई भी नाशरे :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविधि, को भी व्यक्तियों नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा जयहिस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकति।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धां बीर पढ़ों का, को उक्त विधिनियम के जभ्याव 20-क में परिभूतिक्ति है, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्यास में दिशा-गया है।

#### यगचर्या

जैभा कि रजिस्ट्रीकृत के सं० 37ईई। 7155। 84-85 जो अक्तूबर, 1984 को सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल बुमारु सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18🍇-1985

मोहणः

#### THE RIE LE LEWIS CONTRACTOR

नायकात् विभिन्नियमः, 1961 (1961 को 43) की भारा 2**69-व (1) के क्यीन क्**यूना

#### बारत बरकार

#### कार्याचन , बहानक बायकर मानुष्ठ (निर्देशका)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं० 37ग्रईई/6878/84-85--ग्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उन्ता अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स में बाधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निवनाय करने का कारन हैं कि स्थानर सम्मित, जिसका जीनत नामार मूरक 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं ७ प्लाट वं० 5, सी० टी० एस० वं० 1533, सदाशिव पेठ तिलक रोड, पूना—30 है तथा जो पून। में स्थित है और इससे उपाबक प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्दा प्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर प्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिथिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंथीन, तारीख ग्रक्तूवर 1984

कारे पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के स्थवनाय प्रतिफल के लिए करतिरत की गर्च हैं बार मुक्ते यह जिल्लास कर्की का कारण हैं कि मथाप्नोंकत संपत्ति का उपित बाकार बुस्स, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे स्थवभान प्रतिफल का पंजा प्रतिशत से जिथक ही बीद जन्तरक (जन्तरकों) और करविश्ती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तस पाया जया प्रति-फल निक्किनियत उद्वेष्य से उक्त जन्मरण विवित में वास्तियक रूप से किंकत नहीं किया जवा हैं इ—

- (क) बाक्यपन व हुई फिकी बाब की बाबध, उच्छ वीधीनवृत के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्व में क्यी करने या जससे वचने में शृश्चिभा के जिल्हा बार/मा
- (क) एकी किसी बाब या किसी धन या वर्ध बास्टियों की, विन्ही भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनाथ जन्तरियों द्वारा प्रकट की किया मुगा भा वा किया जाना चाहिए, भा, दिख्याने की ब्राह्मधा के विह:

बतः वय उक्त विभिनियम की बारा 269-स अर्थ अनुसूर्ध हो, मी, उक्त विभिनियम की बारा 269-स की उपधाद्ध (1) के बधीन, निम्मृतिकित स्मित्यों, अर्थत :---

मैंससँ धरकुल बिल्डर्स,
 1535, सदाभिव पेठ, पूना-30।

(भ्रन्तरक)

2 मैं० रंगीना स्पोर्टस इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, एस० डब्ल्यू एम० ग्राई० डी० सी० भोसरी, पूना-26।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूं।

#### बन्स बम्परिस के अर्थन के बम्बन्ध में कोई भारतेंप :----

- (क) इस मुझना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं।
  45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पढ़े
  सूचना की सामीस से 30 दिन की अविध, को भी
  अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर होति है।
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितकबुष किसी बन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए या सकरें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ज़िंधिनयम के अध्याय 20 के में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिमा अका है।

#### अन्स्यी

दैसा कि अजिस्क्रीकृत २० 37ईई/6878/84-85 की अक्तूबर 84 को सहायक आगक्तर यापुक्त विशिष्ण, अर्जन रेज, पूना के अपनर में लिखा गया है।

> प्रसित कृमार सक्षम प्रादिकारी सहायक स्रायकर स्राक्ष्य (निरीक्षण) ग्रजन रिंज, पुना

वारीष्य : 13-5-1985

माहर

#### ं प्र<del>रूप बार्<u>ष</u>्टी..पुन..पुस्.------</del>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० 37ग्राईई/12281/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रानिल कुमार,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ु प्लाट मं ु 37, सर्वे सं ु 26, कोथरुड गांव इहाणुकर कालोनी, पूना 29 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्गमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विस्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उषित बाजार बृत्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से एसे दृदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उष्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बृतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीय, निम्निविद्यत व्यक्तियों, अधित न्यान 1. श्री कमल पांडरंग जोग,

122/1, एरन्डवना बलबंत आश्रम, पूना-4। (श्रन्तरक)

2 मैंसमं धरकुल बिल्डसं, 1535, सदाभिय पठ, तिलक रोबं, पूना-30। (मन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अर्जाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रया हैं।

#### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के० 37ग्रर्डई/12281/84~85 जो मार्च 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेज, पूना के दर्पतर से लिखा गया है।

> श्रनिल कुमारी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-5-1985

भोहर 🖫

श्रक्ष बाहर ही. एन एस ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ः अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांकं 13 मई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/6326/84-85---- प्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पलेट नं 14-ए, चौथा मंजला, 1494, सदामित पेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान असिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्या का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरित (अंतरित) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दन्न

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उस्त बिधिनयम के जधीन कर दोने के अनुतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में प्रविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

1. मै० ग्रक्षय कंस्ट्रवशन कम्पनी, 1-2 'सी०', शांति भवन, डाँ० ग्रार० पी० रोड, बम्बई-80।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती हेमा वसन्त दातार, 478, नारायणपेठ, पूना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के सिष्टुं कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्चना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास तिनिवत में किए जा स्कर्म।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्या वशा है।

#### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37ग्रईई 6326 84-85 को सितम्बर 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायकत निरीक्षण ग्रर्जन रेज. पना के दफ्तर में लिखा गया है।

> कुमार ।का<del>री</del> सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-5-1985

मोहर 🖫

#### प्रकृत बार्ष : टी. एम् : एस् : -----

बायकाः विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन रूपना

#### भारत सरकार

कार्येनिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . श्रर्अन रेज, पुना

पूना, विनाक 14 म<sup>ु</sup> 1985 निर्देश सं० 37ईई/10325/84-85--श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

सहायक आयेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव वर्षट वंच 5, धूसरा विजिता, ग्रांगलस 84 ग्रंपार्टमेंट्स, प्लॉट वंच 6, पार्ट 1, नई वंच 30, कोयहड, पूना-29 है तथा जो पूना में स्थित है (जोर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में) और पूर्ण रूप से बिकत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के बार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंजें में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 की 16) के ग्रंधीन, तारीख परवरी, 1985

को पूर्वीकत सम्प्रतित के जीवत बाजार मूल्प से कम के दश्यमान प्रतिफल के निगए अंतरित को गई हैं और मुभ यह विस्वास करने का कारण हैं कि यथाण्वोंक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- कि) किसारण के हुई किसी भाव की बाबत स्वयं विभिनियम के वर्षीन कार दोन के बन्दरक वें बीयिटन में कमी कारने यें सससे वाहने में सुविष्क से निस्: ब्लीट/वा
- (क) श्री किसी बाध या किसी मह या अन्य आस्तियाँ की चिन्हें भारतीय अध्यक्त अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या कस्त अभिनियम, वा अन-क्षेर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया श्री या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा विद्या

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

- श्री रिवन्द्र जोशी एन्ड कम्पनी,
   425/25, ठी० एम० वी० कालोनी, पूना-37।
   (म्रन्तरक)
- 2. भी एन० बीठ टोरासकर, 7, यणवंत नगर, गणेश खिंड, पूना-7। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्चन के संबंध में बगोर्ड भी आक्षरेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक थें।
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्र्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
  व्यक्तियों में से किसी किवित द्वाराः
- (का) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन को शानी सं सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा उकाँगे।

स्वष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उसता अध्याय 20-व में परिभाष्टि कि हैं, वही अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ब्नुस्पी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कु० 37ईई/10325/84-85 जो कि परवरी 85 को सहायत श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रुतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकार श्राप्युदस् (निरीक्षण) स्रजीन रेज, पूना

तारीख: 14-5-1985

मोहरु 🖫

#### प्रकृप शाइ टी. एन्. एस :-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत सरकार

### कार्याजय, तहायक गायकर आयुक्त (निरीक्ण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 14 मई 1985 निर्देश सं० 37-ईई/10573/84-85--श्चतः मुझे, ग्रनिल

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु, से जिधक है

और जिसकी सं० प्लाँट नं० 132, डहानुकर कालोनी, सर्वे नं० 26, कोथस्ड गांव, तां० हवेली, जिं० पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिज्योकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्रुकत कि. अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 190 1908 का 16) के अधीन, तारीख परवरी 1985

की पूर्वोकत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के द्रश्मान द्रित्तिक के निष् अन्तिरित की गई है और मुक्के यह विश्वास कि का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाबार कृत्ये, उसके द्रश्मान प्रतिक न से एसे द्रश्मान प्रतिक न का वन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया पता प्रतिकत, निम्ना बिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया वैवा है ।

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिह्मित्रक के दशीन कर केने के बन्तरण क राजिक ने कभी करने वा उसके बचने के बुक्थि।
- (स) एसी किसी बाद या विष्ठी पन वा बन्य वारिस्वां का, विन्हें भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या पनकर विधिनयम, या पनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिल्ह;

अतः सबः रायत अधिभिषम की धारा 269-व के वनुबरण में नमें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निवित व्यक्तियों है अधीन के

- श्रीमती लिलियन जाँन नोगुर,
   रोनी वीला, कान्तवाडी स्कीम, वान्द्रा, बम्बई -50।
   (ग्रन्तरक)
- श्री संजीव भालचंद्र मराठे और ग्रन्य, प्लॉट नं० 27न्ए, हनुमान पागर, पूनप्र-16। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस से \$5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाज हमेती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकी।

स्यष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो शक्त बिधिनियम, के लध्याब 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृ

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई/10573/84-85 जो फरवरी 85 को सहायक आयकर आयुर्वत निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल उत्तर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पना

तारीब: 14-5-1985

मोहर 🗯

प्रस्प आइ.टी.६...एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-च (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० 37ईई/7125/84-85-प्रतः मुझे, मनिल

मुमार,

कावकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राविकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उकति वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से कि भिक्त हैं

और जिसकी संव सीव टीव एसव नंव 96-डीव/2बीव एफा पीव नंव 1005/ए/बी, टीव पीव एसव आईव, नवी पेठ, पूना (क्षेत्रफल: 7260 चौव पूट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, प्रजन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से क्य के स्थामान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अरने का नारण है कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पन्नाइ प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक (अन्तरिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिकत, निकालिबित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में काल्यिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई किसी बाय की, बावता, उकत अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/सा
- (क) एकी किसी बाव वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ करो जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधो कीलए;

अत: अब, उक्त अबिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण दी, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :— 1 डाँ० अविनाण वालकृष्ण दीक्षित, ओर अन्य, 280, नारायण गठ, पुता-30। (अन्तरक)

 मैंसर्भ जीवा कृत्स्ट्रवशस्य घा० लि०, 836, सदाशिव पेठ, पुना-30 t

( अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

- (क) इत सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्मजंबी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शव में अमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपने मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अना व्यक्ति द्वारा अध्यक्ष्मताक्षरी के पास जिल्ला में किस जा सकरि।

स्पक्किरण: - इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पंदों का, को उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही अ

#### बर स की

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/7125/84-85 जो ग्रस्तूबर 1984 की सहायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दपतर में लिखा गया है।

> श्रनित कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवन (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, पुना

तारीख: 14-5-1985

मोहर 🛭

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस.

## बायकर जिथनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत 260 ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

## कार्यान्य, बहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज, पूना

्यूना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/6378/84-85---ग्रतः मुझे, म्ननिल

कुमार, नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. स अधिक हैं
और जिसकी सं पलैट नं 3, जो बांछना है, सी टी एस नं 49/1, प्लॉट नं 14, प्वंती, पूना (क्षेत्रफल: 450 ची मूहिस) है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1984 को प्रवाकत सम्मत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इत्ये का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिकृत के लेए क्षेत्र का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिकृत के क्षेत्र क

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रियत्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर नार्थ अन्तिरती द्वारा अक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
4—136GN85

मैसर्स बी० पी० कन्स्ट्रवशन्स,
 34, बुधवार पेठ, पूना-2 ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री सुधाकर श्रभाकर धोलप, 2629-बी, मंगलवार पेठ, कोल्हापुर। (मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के तिष्

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अनिध बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी, व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किए जा सकोंने ।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों सा, जो उक्क निधिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं नधें होगा जो उस नध्याय में दिवा गवा है है

#### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई/6378/84-85 जो कि सितम्बर 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुैमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-5-1985

मो हरः

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 15 मई 1985 🕆

निर्देश मं० 37-ईई/7394/84-85---- ग्रतः मुझे, ग्रनिल सुमार,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

और जिसकी सं० 'ए०' ग्रापार्टमेंट, पहला मंजिला, सी० एस० नं० 3576 बी०, डा० वसन्तराब पाटिल पथ, आँध रोड किकी पूना है नथा जो पूना में स्थित है (और इसमे उपावक धनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्राजन रेंज में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर 1984 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपात बाजार मृत्य से क्स के अस्वमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह फिक्सास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके छ्यमान प्रतिकल से, एसे छ्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कीथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के खिक्स के कमी करने वा जबसे वचने में शुक्तिक के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात

- मैसर्स कैलास बिल्डर्स 47/41, इसाजी स्ट्रीट, बम्बई-3 (ग्रन्तरक)
- 2. पीं॰ रामचंद्रन एण्ड ग्रन्थ वास्ते दि इंडियन कार्ड क्लो-दिन कम्पनी लिमिटेड बम्बई पूना रोड, पिण्टी पूना । (ग्रन्तरिती)

को यह सङ्घना जारी करके पृथांक्स सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुन्।

उसत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त लेवा कियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

#### वनस्पी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/7394/84-85 जो कि नवम्बर 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त तिरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, पूना के दक्तर सें लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रेष्ठीत रेज, पूना

नारीख: 15-5-1985

मोहरः

#### प्ररूप बाई . दी . एत . एस . -----

#### आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 8 मई 1985

निवेश सं० 37-ईई, 1969/84-85--अतः मुझे, अनिल

कुमार,। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकः अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- 🗤 से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० अध्विरी प्लाट नं० 216-1-ए०; पहला मंजिल पूर्व भाग दूसरा मंजला (क्षेत्रफल : 1632 ची० फुट) है तथा जो पनवेल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारा के कार्यालय सहायक आयकैर अध्युक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम ,1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984 को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रेक्टिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖫 —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, में, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध—

- श्री वलीराम आनंदास जेसवानी, एम० जी० रीड, पनवेल जि० रायगढ़ (अन्तरक)
- श्रीमती आर० एम०, राजपूत
  के०/आ० ह्वी० ए० जाधवानी एम० जी० रोड
  पनवेल, जि० रायगढ़।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर उपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सकोंगे।

श्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-जी०/969/84-85 जो कि दिसम्बेर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

तारीब: 8-5-1985

मोहर:

प्रकृप काइं. टी. एत. एस. ----

#### बार्क्ड स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म् (1) से स्थीन सूचना

#### शास्त परकार

#### कार्यानम्, सहायक नामकटु माधुक्त (निश्लीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 8 मई 1985

निवेश सं० 37-जी०/950/84-85--अतः मुझे, अनिल कुमार,

प्रायकार सिधिनमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रशाद 'जन्त मिधिनमा' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ध्रौर जिसकी सं० प्लाट आफ लैण्ड, वालिव गांव, ता० बासिन, जि० थाना प्लाट नं० ए० सर्वे नं० 62 हाउस नं० 1 ए० क्षेत्रफल : 21,000 चौ० मीटर्स है तथा जो थाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उच्चित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्तः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मम्मिक्ती (अन्वरितियों) के बीच पूर्वे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बुल्डरन के हुन्ने किकी बाब की बावता, उकत् जीविनियम के बर्धीन कर दोने के बन्दरक के बायित्व में कनी करने वा उससे ब्लाने में सुनिधा के लिए; जीर/बा
- (क) एसी किसी बाब मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आस्तीय जायकत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा में किए।

कतः वन, उन्त विभिनियम की भाषा 269-ग की अनुसरण को, मी, उन्त अभिनियम की भाषा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मैं० एलमाँट इंजीनियरिंग कर प्रार्व (लिरु 118, आन्थोनी स्ट्रीट शांद कूज (पूर्व) बम्बई । (अन्तरक)
- 2. मैं० एलमॉट काम्यूटेटर मोटसं प्रा० लि० 118 अन्थोनी स्ट्रीट शांताकृज बम्बई, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्लेक्ट संकरित के अर्जन के निष् कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

वन्य सम्पत्ति के अर्थन का सरहान में आहे औं धार्काएं:---

- (क) इस सुणना के राजपण में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त हाती हो, के मीतर पूर्वोंकर व्यक्तिसों में में विक्ती व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतार उक्त स्थापन सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य काशित इताप अधीहर क्यों है पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पर्काकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चें का, को जनक अधिनियम के अध्याध 20-क में परिभागित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया हैं:

#### अन्स्ची

जैसा कि राजस्ट्रीकृत करु 37-जीरु/950/84-85 जो कि नवम्बर 84 को सह।यक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पून

तारीख: 8-5-1985

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुना,

पुना दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० 37-जी०/1975/84-85--अत : मुझे, अनिल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं लेण्ड, मौजे वालिय ता० बासीन जि॰ थाना सर्वे नं० 31 हिस्सा नं० 3 (भाग) -(क्षेत्रफल: 6413 गज चौरस) है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयं सहायक आयकर अत्युक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रे¥त्तफ़ल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उबदेश्य से उनत जन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा वायित्व के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के भिष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ध---

प्ररूप आई..टी..एन..एस...चन-चन- 1. मैं० एलमांट इंजीनियरिंग कं० प्राठ लि० 118 सेंट अन्थोनी स्ट्रीट शांताऋज (पूर्व) मन्बई--55।

(अन्तरक)

2. मैं एलमांट काम्युटेटर प्रा० लि० 118 सेंट आन्योनी स्ट्रीट गांताऋज (पूर्व) बम्बई-44 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- " (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-जी/975/84-85 जी कि दिसम्बर 84 की सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

तारी:ख 8-5-1985 मोहर :

#### प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना पूना दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० 37-जी०/1011/84-85--अतः मुझे, अनिल कुम।र,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हर के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आएण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

त्रीर जिसकी सं सर्वे नं 34 हिस्सा नं 13, कटरप, ता उन्हासनगर, (क्षेत्रफल: 3630 ची । गज) है तथा जो कटरप में स्जित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची शीर पूर्ण कप में विणित है) रेजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी कार्यालय सहायक अधिकार अध्युक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख जनवरी 1985

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) जन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६ श्री सदाशिव रामा पाटिल, कटरप, ता० उल्हासनगर, जि० थाना ।

(अन्तरक)

2 मेसर्स साई सम्प्राट कांअ।परेटिव हाउसिंग सोसायटी मालक: शर्पाकांत एक० महाकाल श्रीर अन्य कटरप, ता० उल्हामनगर जि० थाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप ः---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

**भन्**स्ची

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत कः 37-जीं०/1011,84-85 जी कि जनवरी 85 की सहीयक अध्यकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना

तारीख: 8-5-1985

मोहर:

प्रप् लाल् . टी. एन. एस. .....

## भारकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

राष्ट्राच्या भ्राप्टरहरू

#### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 8 मटी 1985

निवेश मे० 37जी०/974/84--85---अतः मुझे, अनिल क्मार,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन वालिय गांव में, ता० बासीन जि० थाना सर्वे नं० 62, हिस्सा नं० 1/ए, एक बंगले के साथ(क्षेत्रफल: 8397 ची० गज) है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर्म के दर्शमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास कर्फ़ का कारण है कि यथापूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधिक हमा गया है

- (क) अन्तरण से हुक्दें किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, अवत अधिनियम की बारा 269-ध की उपधारा (१) को अधीन, निम्निविकित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. मैं० एलमोट डायरेक्ट मैन्यूफ्रैचरसं प्रा० (ल०, 118, आन्थनी स्ट्रीट, शांताकुज (पूर्व), बस्बई। (फ्रातरफ)
- 2. मैं० एलमांट काम्यृटेटमं मीटमं प्रा० लि० 118, मेंट आन्यनी स्ट्रीट, णांताकृत (पूर्व) वम्बई-55।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकेंगे।

स्मक्टीकरूण: -- इसमें प्राथत सन्दों और पदों का, जो उसन अधिनियम, के कथ्याय 20 क में परिकाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

#### **मन्**स्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कः 3जीः /974/84-85 जो कि दिसम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

नारीख: 8-5-1985

मोहर् :

अक्य जाहा, टी. एन. एस.-----

थायकर ब्रोभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्रभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर**क्षिण**) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 8 मई 1985

निदेश मं० 37 ईई/6632/84-85-अत: मुझे, अनिल क्मार,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गना है कि कारा 260 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका, उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सी० टी० एस० नं० 315/316, भोरपडे पेठ, पूना-2 (क्षेत्रफल: 2685 गज) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अक्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पणि के जिलत बाजार मृत्य से कन के अध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गह और विश्वास करन का कारण कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके द्वरयसान प्रतिकल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उर्वेदय सं उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से काणित नहीं किया गया 📽 :---

- (का) अन्तरण से हुक् िकिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य शास्तियों की, चिन्हां भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की ११) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की किस्

बतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को जधीन, जिल्लामिसिस व्यक्तिरहों, अधीत क्  श्री यूसुफ उस्मान रंगारी श्रोर अन्य 315, घोरपडे पेठ, पूना-2।

na e e e e en el contratacion de la celegia de la celegia

(ग्रन्तरक)

श्री शेख इसाख शेख गफूर
 408/6, गुलटेकडी रोड़, पूना--37।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

#### उन्ह सम्पत्ति को बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप रू-

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्मा की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मादीकरणः इसमें प्रयुक्त कर्मों और पर्वो का, जो अङ्कल अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभौषित है, वहीं अर्थ होगा, जो लम अध्याय में दिया जया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कः 37 ईई/6632/84-85 जो अक्तूबर 84 को सह।यक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-5-1985

मोइए :

#### प्रकृष बाह् .टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पून। पूना, दिनांक 9 मई 1985 निदेश सं० 37-ईई/526/84-85-अनः मुझे,अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 2'69-श के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 40, प्लाट नं 3, एरव्डवना, पूना—4 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति को एसे क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमीन प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित ध्रुदेश्य से उक्त अन्तरण सिक्तित में वास्तिविक स्प से किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुवाँ किसी भाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उनत जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, में, उनत अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथितः :— 5—136GI|85

1 श्री रमेण गणेश परांजपे, 40/2, एरत्डवना, पूना-4।

(अन्तरक)

मेसर्स कुलकर्णी एण्ड कुलकर्णी;
 2153, सदाणिवपेठ, विजयनगर कालोनी,
 पूना-30।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्चन के तिष्ट् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

· उक्त संपत्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकाँगे।

स्याबिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, मो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### धन्स्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत, कि 37 ईई, 526, 85-86 जो कि मई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण. अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 9-5-1985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2,69(व) (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं $^{\circ}$  37—ईई/6357/84—85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर गिंधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० शो रूम नं० 3, भक्ती अपार्टमेंट में 402, घोरपड़े पेठ, पूना (क्षत्रफल 3073 ची० फुट) पूना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफले के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वेदिय से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

- (क) सन्तरण सं हुई किसी बाय की वाबता, उक्त स्थितियम की बच्चित कर दोने की बन्तरक की दायित्व में कभी करने वा उनसे बचने में स्विधा की लिए; सरि/या
- (क) एसे किसी जाय वा किसी भन वा अस्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त विभिनियम, वा धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, जधींत् झ—-

- मंसर्स मकवाना कन्स्ट्रक्यस कपनी, (पुरानी), तृष्ती अपाटमेंट, 241/1, रास्ता पेठ, पूना-11। (अन्तरक)
- मै० पारमार कटारिया असोसिएटस
  525/26, महात्मा फुले पेठ, पूना-2।
  (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राज्यम में प्रकाशन की दारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्यं
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास
  लिक्षित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उनस बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा है।

#### वन्सची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत के 37-ईई/6357/84-85 जो कि सितंम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है। अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

सारीख: 13-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाह्र .टी .एन .एस . -----

बाबकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकाह

कार्यां सम्रो, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

स्रर्जन रेंज, पूना

्पूना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश स्| 37-ईई/6359/84-85---ग्रतः मुझे, ग्रनिल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् अवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रोनरसिप फ्लैट 795, भंडारकर इंस्टीट्युट रोड, पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण, श्रजन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर्ण का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंश्यमान प्रतिफल से, एसे द्श्यमान प्रतिफल के पंद्रश्रीतशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल को, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त-विक रूप से का श्री करा नहीं किया गया है :—

क) बनारण वे हुई किसी बाब की बाबत, डक्ट किसी किसी कर देने के बनारक वे बारित में कभी करने या डचसे बचने ये सुविधा के निष्: बरि/या

(क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की विन्हें भारतीय बाय-कर ब्रिधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिन्यम, या धन कर ब्रिधिन्यम, या धन कर ब्रिधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यदा चा या किया बाना आहिए था, कियाने में सुनिधा से किया

जतः नव, उनते निर्मित्यम की पारा 269-न के जन्तरण मं, मंं, उनते निर्मित्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नधीन, निर्मितियम जनिस्तां, नर्भात् के— मेसर्स डिलक्स बिल्डर्स,
120, रिववार पेठ, पूना-2।
श्री संजय चितामण कुलकर्णी ग्रौर ग्रन्य,
199, स्मृति को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, ब्लाक
नं० 2-सी०, माहिम, बम्बई-16।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की अविधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों की, जो उक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/6359/84-8\$ जो कि सितम्बर 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-5-1985

मोहर 🛭

#### प्ररूप बाई .टी .एन .एस-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/15959/84-85---म्रतः मुझे, म्रानिल

कुमार,
वायकर बौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत बिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट नं 3, शैलेश इन्डस्ट्रीज इस्टेट नं 1, पलैट नं 15-16 वसई (ई०) थाना (क्षेत्रफल: 64.18 चौ० मी०) है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख गई 1985 को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के उरुयमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उरुयमान प्रतिफल से, एमे उरुयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नीवित उद्वेषम से उक्त अन्तरेण किवित को सस्तिक रूप से कथिते नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय आयर्कर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या धन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-में के कंनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के बधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन मेसर्स श्री कन्सट्रकशन्स ,
 106, के० टी० चेम्बर्स, वसई (डब्ल्यू०),
 जि० थाना ।

(ग्रन्तरक)

 मेसर्स निक्की प्ला इंजीनियरिंग प्रा० लि० की/7 क्विनस कार्नर तिसरा मंजला, सितालदेवी टेम्पल रोड, माहिम (डब्ल्यू०) बम्बई-16। (अन्तरिती)

को बहु बुखना <u>जाती करने पृत्ती कर कम्पतिक से कर्मन के क्रिय</u> कार्यवाहिया शुरू करता हो।

#### रंक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रवृक्त शब्दों और दवों का, औ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

#### अन्त्जी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि ,37-ईई/15959/84-85 जो कि मई 85 की सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रजैन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-5-1985

मोहर ः

### प्रस्त्व बाहै. टी. एन 🕫 एसे . 😁

बार्यकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना े पूना, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/6739/84-85--- ग्रतः मुझे, ग्रनिल

नामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है ग्रीर जिसकी संव पलॉट नंव 2; तल मंजिला, सर्वे नंव 82 1-बी०/4, पर्वती, पूना-9 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण त्र्रधिनियम, 1908 (1908 का 6) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अविकल के लिए बन्तरित की गई है और सुअहे यह विश्वास करने का कारण है कि अधार्योक्त सम्पत्ति का उचित बाधार पूर्व, उसके दश्यमान प्रतिफास क्षे एसे दश्यमान प्रतिफास के प्निक् प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (बनारकों) और क्लिरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के शिए तय गया गया प्रतिकत, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निक्षित में बास्तविक रूप से कवितः नहीं विका नवा है । —

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बादरी विकास मिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा नै लिए। नरिया
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) यो उ 🛊 विधिनयमे, वा अन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया, बुबा था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने विष्

बतः वव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण मं मं , उक्त अधिनियम की धारी 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह्---

ा. मेसर्स कुलकर्णी एण्ड कुलकर्णी, 2153, सदाशिव पेठ, विजयनगर, कॉलनी, पुना-30 ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीकांत यशवंत देवल राउत बॉग, धनकवडी गांव रोड, गुलाब नगर पूना-37 के सामने। (भ्रन्तरिती) '

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

### राक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नासीप है-

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (सं) इस सूर्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्वक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त कि धिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वेवां हैं ।

जैसा कि रजिस्द्रीकृत के० सं० 37-ईई/67**39/84**-85 पुणे जो कि जुलाई 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायकत निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: .3-5-1985

मोह द 🖁

प्रक्ष कहा.टी.एन.एस. -----

बावकड बोधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### THE STREET

### कार्यांन्य, सहायमा जायकार जायुक्त (विरुप्तिका)

भ्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं 37-ईई/6741/84-85--- अतः मुझे, अनिल कुमार, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाता उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सवें नं० 121 श्रीर 122 प्लॉट नं० 87 कोथसंड पूना—29 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रीष्ठकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रीष्ठिकारी के श्रीकरण श्रिष्ठित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीप्रीन तारीख सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त के प्रचित्त बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के विष् रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल के पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतर्ण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) किन्तरण से हुए किसी जान की नावज़, रिक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तस्क के दाविस्व में कभी करने या उससे वचने में सुविशा के लिए; बीड़/वा
- (क) हैं सी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की किया;

कतः नका, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ह— श्री सी० पी० जोशी.
 188/2, शनिवार पेठ, पूना-30।
 (ग्रन्तरक)

 मेसर्स ग्रिबिवनी कन्स्ट्रक्शन्स, मिलक: सुभाष मास्कर वैद्य, सर्वे नं० 52, कोथरूड, पुना—29।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत् अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया स्वाही।

#### वन्स्ची

जसा कि रजिस्ट्रीकृत सं 37-ईई/6741/84-85 जो कि सितम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना में दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज. पना

तारीख: 1-5-1985

मोहरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन क्चना

भारत सरकार

### कार्याक्षय , सहावक आवकर बाब्क्स (निर्काण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 मई 1985

निर्वेश सं० 37—ईई/6418/84—85─—ग्रतः मुझे,ग्रनिल कुमार,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित वाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 2, सल मंजिला, कार्पेट एरिया 260 स्क० फिट, 1552, सवाधिव पेठ, पूना-30 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त. निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के क्यमान प्रतिपत्त के लिए जन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित कालार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त से, एसे स्वयमान प्रतिपत्त के बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरित्त्याँ) के बीच एसे अन्तरण के निष्य तम पामा वना प्रतिपत्न, निम्निसिचित उत्वरित्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया भना है हम्म

- (का) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उनका अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक थे वासित्त में कनी करने वा उत्तसे बचने में सृविधा के विष्णु, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय जायकर जीभिनियम, 1922, (1922 का 11) या उपल जीभिनियम, या भनकर सभिनियम, 1957 के 27) के प्रमोचनार्य अन्तरिती ब्नॉरा प्रकट नहीं किया नया था मा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निक:

अतः व्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1). के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- मेसर्स डी० ए० केलॅकर एण्ड एसोसियेट्स, 1478, सवाशिव पेठ, तिलंक रोड, पूना-30। (श्रन्तरक)
- श्री रामचन्द्र धनंत धलसासी,
   80 संगम सोसायटी, बिबवेवाडी, पूना-37।
   (श्रन्तरिती)

को वह सूचना कारी काउके पूर्वोद्धात सम्पर्धित के अर्थन के सिए कार्यवादिया करता हो।

उक्त संपर्क के वर्षन के संबंध में कोई भी वासपे :---

- (क) इंड स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब के 45 जिन की विष्ठित या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सुपना की तामीज से 30 दिन की जबकि, जो भी जबिप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इत बुचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्यारा वशहस्ताकरों के पास सिचित यो किए वा सकीचे।

#### क्षांत्रक

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत के 37-ईई/6418/84-85 जो कि सितम्बर 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष**क)** श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-5-1985

मोहर: 🔻

### प्रकप आइ. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूमना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं 37-ईई/6499/84-85--श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 169-स है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट्ट, से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, प्रभाव को-आपरेटिव सोसा-यटी ,सालिसबरी पार्क, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख सितम्बर,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास परने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्रीमती निर्मलाबाई जे० लुल्ला, प्लॉट नं० 11, प्रभाव को-श्रापरेटिव सोसायटी, 469-ए, सालिसबरी पार्क, पूना-1। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्यानचंद जेठानन्द लुल्ला, पलैट नं० 11, प्रभाव को-ग्रापरेटिव सोसायटी, 469-ए, मॉलिसबरी पार्क, पूना-1। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीरत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कर 37-ईई/6499/84-85 जो कि सितम्बर 84 को महायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> म्रनिल कुमारे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीखा: 3-5-1985

मोहर :

### प्रकृष बाद्"्र द्वी.. एन्.. एक्.. - = = - == बायफड बरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-ए (1) के नभीन सुप्ता

भारत सरकार

### कार्यासय, बहायक जायकार नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश मं० 37-ईई/10438/84-85-- प्रतः मुझे, प्रनिल कुमार,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक 🗗

भ्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 2, दूसरा मंजिला, ''बिल्डींग श्राखिरी प्लाट नं० 137, हजूरी दुर्गा रोड, थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसुधी में ग्रौर रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज पुना में, र्जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मृत्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्इ है और मुक्ते यह विद्वास का भारण है कि यमान्वींक्ष सम्मत्ति का उचित वाचार मुख्य, इसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रिकृषत से विभिक्त है और बन्तरक (बन्त्रकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया कवा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तुबिक रूप से कथित नहीं किया गया है ट---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उच<del>त</del> क्रीभविषय के क्थीन कर देने के बनारक के श्रीयस्व वें कवी करने वा उससे बचने में शुविभा के ज़िए; দ্বাদ্/কা
- '(च) हेवी किसी बाव या किसी भन वा जन्य जास्तिकों का, जिल्हें भाउतीय थायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिक्षी दुशास प्रकट नृष्टी किया गया भाका किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनियन के जिए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियाँ, अर्थात् :---6--136GI85

 मेसर्स अनुपम एन्टरप्राईजेस, ... 24/ए, खटांव विल्डिंग, पहला मंजिला, मरीन स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई--23।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नरोत्तम देसराज चौपड़ा ग्रीप ग्रन्य, ,  $\nabla/4$ , जीवन को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी रवी इण्डस्ट्री, थाना (पश्चिम)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति से सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेत्र া 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हो . 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों धर सूचया की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यॉक्त म्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीच 🕏 🔻 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पूलि में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सि**चित वंकि**ए का सकों गे।

स्यम्बरीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, आर्थे उपत जिभिनियम् के अभ्याय 20-क में प्रिजापि है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय के दिया नका है।

### अवृश्ची

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/10438/84-85 जो नवम्बर 84 को महायक भागकर भ्रायकत निरीक्षण, भर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

तारीख: 6-5-1985

मतेहर 🛭

प्र**कष् बार्ड**्य टी., एस., एस<sub>.,,2</sub>---<sub>प्रकटभ</sub>

### जासकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### मारत सरकार

### कार्यासयः, अहायक शायकरः वायकरः (गिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1985

निर्वेश सं० 37-ईई/12620/84-85—-मतः मृझे, मनिल $^{\dagger}$ कुमार,

कायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसकें इसकें परकात, 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका अचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट मं० 8, 768/9 16, पी० वाय सी० कालोनी, शिवाजी नगर, पूना—4 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबस श्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्तिलित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- '(क) अन्तर्ण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के ज्थीन कर दोने के अन्तरक के बाबिस्य में कमी करने ना उत्तरे क्यने, में सुविधा के लिए; बार/या
- एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 19% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ६ धनकर अधिनियम, ६ धनकर अधिनियम, १ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियों था, छिपाने में सुविधा औ सिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-गंक अनुसरण में, में दक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :——  मै० वास्तुशिल्प", विध्या, 93/2ए, एरन्डवना, पुणै–4।

(मन्तरक)

2. श्रीमती भवणा भिनाश गांधी, कमलप्रभा अपार्टमेंट्स, ब्लाक नं० 2, श्रादिनाथ मोसायटी, पूना-37।

(मन्तरिती)

को बहु सुचना चाड़ी करके पूर्वोक्क सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि का तत्त्वस्वन्थीं अविकाशों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्विकाशों में से किसी स्विक्त हवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशय को तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी वन्म व्यक्ति द्वारा वभोड्स्टाक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकते।

स्पब्तीकरण : इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पर्यों का, वां उपत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित-ही, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया ही।

#### श्चनु**सूनी** ।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/12620/84-85 जो मई 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रुतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज, पूना

तारी**च**: 6-5-1985

मोहर :

### **ाक्ष्म बाह**े **ट**ि. पुन*ु* पु**स**्रामण्डामण्डाम

जायकर अ<u>पै</u>धनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### नारव सडकार

कार्वालय, बहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० 37ईई/10762/84-85--म्रतः, मुझे, भनिल भुमार

वायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसवें इसकें पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थानर संपत्ति, चित्रका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी संव प्लाट नंव 5, श्री प्रपार्टमेंट स, सीव टीव एसव नव 1097/2, एफव पीव नव 478/2, सब प्लॉट नंव 3, माडल कालोनी को जुड़ा हुआ, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ध्रायकर आयुक्त निरीक्षण प्रचंन रेंज नें राजस्ट्रीकरण प्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के प्रस्यमान पूरिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करेले का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षश से बिधक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतिस्तियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिक्ति उद्दोष्य से उच्त अंतरण मिकित में निस्तिक हम से क्षित नहीं किया गया है —

- (क) जैसरण के हुन्दें किसी आय की बाबस, उक्त जिमित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्य में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ह जरि/बा
- (क) ऐसी किसी बाग का किसी भन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहें? किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविभा के लिए।

नतः जवा, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त निधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन : न्युन्निविद्यत व्यक्तियों , वर्धातः— श्री नरेन्द्र गिरधर सरकार,
 58, कृषि नगर, नासिक-5

(मन्तरक)

(भन्तरिती)

2 श्री पालम राजू पलेपू, द्वारा श्री पी० एस० प्रकाश, 363/5, समाधान बिल्डिंग, शिबाजी नगर, पूना-5।

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के तिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के धास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है?

#### अनुसूर्याः

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के० 37ईई/10762/84-85 को जनवरी 85 को महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्कन रेज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> ग्रनित कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेज, पुना

तारीख : 6 5−1985

मोहर 👉

प्रकप शाइ - दी. एन , एस . ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारी 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायूक्त (निर्यक्तिण)

श्चर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० 37ईई/1256/84-85--- ग्रतः, मुझे, श्रतिल मुभारः

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' नहां नवा हैं), की भारा 269-स के अभीत् सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, विस्तका अभित बासार मूक्त 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० व्लाट नं० 41 बिल्डिंग नं० 3-1 दूसरा मंजिला अगसियन सहकारी गृह निर्माण मंडल जिल 8 कोरेगांव पार्क, पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्णित बाजार मृत्य से कम के ध्रवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके पश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबर, उबसे बॉशिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा अक्षाप्ता और / पा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, वा भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं लिए।

बता बन, उनके निश्नियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उनके निश्नियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की नधीन. निश्नितिकत व्यक्तियों, नमित् ह— 1. श्री चन्द्रभान सिद्धराज श्रग्रवाल 5 निव बाजार, किरकी, पुता~3

(ग्रन्तरक)

2. श्री तिलोकचंद ग्यानीचंच श्रग्नवाल पलैट नं० 41, विह्डिंग नं० बी-1, दूसरी मंजिला, 8, कोरेगांव पार्क, पूना।

(ग्रन्त रिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के सिए व मंत्रीहर्या करता हुं।

अक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई भी नाक्षंप :---

- (क) रव सूचना के राज्यत्व में प्रकाशन की तारीच वें 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर धकुत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों कार, जो उक्त अधिद्वित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में विया गर्या है।

#### ध्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/12561/84-85 जो कि म्रप्रैल 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण म्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-5-1985

मोहर:

### प्रकल बाह्य हो . एक . एक .--

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन सूचना

#### मारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/6850/84-85-श्रतः, मुझे, श्रनिल कुमार,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें कि परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. में अधिक ही

स्त्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, 4था मंजिला, "ए" बिल्डिंग के पीछे, सी० टी० एस० नं० 1144, सदाशिवपेठ, पेरूगेट पुलिस चौकी के पास, पूना—30 है तथा जो पूना में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायकर सायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बिचत बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाखार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिचल से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पावर गवा प्रतिफल, निम्निलिवित उद्वेश्य से उन्त अंतरण निर्मिव में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी नाय की बाबत, अक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दाबित्व में कसी करने था उससे बचने में सुविधा के तिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, रेउक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण कों, मीं. उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) को बभीन, निम्नलिखित स्थितियों, अधीत :---

- श्री शशिकांत एम० घटानी,
  पार्टनर: मेनर्स घटानी एन्टरप्राईजेस, 612-बी/1,
  नानापेट, पूना।
  (ग्रन्तरक)
- 2 श्री बिट्ठल रामभऊ थोखे. प्रोप्ट सिरोली बुद्रूक, ता० जुन्नर, जि० पूना। (अन्तरिती)

का वह त्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेंच 💵 🗀

- (क) इस सुन्तर के राज्यभ में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ति स्मिनता में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्कत में दित- बद्ध किती जन्म व्यक्ति क्लारा अभोहत्ताक्षरी के पास लिकित में किए का बकेंगे।

स्वक्रिकरण: --- इसमें प्रयमत सम्बा और वदाँ का, को समस् निधिनयम के नध्याय 20 क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस नध्याय में दिना नया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37-ईई/6850/84-85 जो कि अक्तूबर 84 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-5-1985

मोहर :

प्रस्प बाई टी एन एस .----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/12697/84-85--- ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), का भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कहे, यह विकट्स करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धित जिसका खिला बाजार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं सर्वे नं 121-922 प्लाट नं 28 कोथरूड गांव, पुणे (क्षेत्रफड: 1215 चौ के मीटर्स) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकर निरीक्षण, यर्जन रें में, रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्वित्त बाजार मूल्य से कम के द्वस्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वस्थमान प्रतिफल से, ऐसे द्वस्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंबरिती (अन्तरित्वां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नित्वित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिवित्त में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ये ह्यां क्षियों बाय की वाय्तः स्वयः मीमहिन्यम् के स्थीय कुर देने के जनस्य के सामित्य में कभी कहने वा उत्तरे ब्यून में सुविधा मीसिए।
- एसी किसी नाय या किसी अन या बन्य नारिसयों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधित्तियम, या धन-कर निधित्तियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा की लिए:

नतः जन्, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) है अधीन, निम्निविस्त व्यक्तियों, अर्थात् श्री गजातन पुरुषोत्तम रनाडे,
 320, शनिवारपेठ, पूना-30।

(ग्रन्तरक)

 मेसर्स पाल एसोसियेट्स,
 11331/5, निरंकार, एफ० सी० रोड, पूना- 16 (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिल्यू कार्यवाहियां करता हूं।

बनत संपृत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों, दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यां और पदों का, जो उपक्र अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

जैसा कि रंजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/12697/84-85 जो कि मई 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त, तिरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, पूना के देपतर में तिखा गया है।

> ्श्रनिल कुर्मीर स्हाम प्राधिकारी परायक जान्कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारींख: 6-5-1985

मोहर 🥫

### इंड्य नाइं टी एन एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन स्वना

#### मारता सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्तिक)
प्रजीन रेंज, प्राप्तिकार सदन 60/61 इरन्डावेन, पूना,
पूना, दिनांक 6 मई 1985

् निदेश सं० 37-ईई/15758/84-85-- म्रमे: मुझे, म्रनिल वृमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पर्लंट नं 5 और 6, विरर ग्राम पंचायत बिरर ता वसई थाना है तथा जो वसई में स्थित है (और इससे उपाबद , अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्ग प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितिया) के बीच एसे अंतरक के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्यत में
बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है 8--

- शिल्ह अन्तरण से हुई जिल्ली भाग की यावस , उत्तर विभिन्न के अन्तर्क के दावित्य में कभी करने या उसने वस्ते में सुविधा के सिक्श करि/या।
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को खिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये था, डिपान में सुविधा में तिए;

वतः अव, उक्त कीर्धनियम की भारा 269-म के बन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिविक व्यक्तियों, वर्षात् ⊯—

- मेसर्स एंकता बिल्डर्स,
   पार्टनर: मोती लीलाराम भवनानी और ग्रन्य,
   39/2, सी० सोईड होटल, जुहु बीच, बम्बई-47
   (ग्रन्तरक)
- 2. मैं के कामनवाला हाउसिंग डेवलपमेंट फायनान्स कं ब लिंड, 1518, मकर चेबसें, व्ही नरीमन पाईंट, बम्बई-21।

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्य सम्परित के वर्जन के विष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किरी व्यक्ति ब्यास्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए नो सकतें।

स्युष्डीकरणः - इसमें प्रवृत्तत शब्दों और पदों का, जो उक्त वृष्णि -नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस बध्याय में दिया गया ही।

#### सासकी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/15758/84-85 जो कि मई 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> झनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

ंतारीख: 6-5-1985

मोद्वर :

### प्रकार बाह्य हो है एक एक मन्तर व्यक्त

### भावकर विभिन्निक, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) के अभीन स्थना

### भारत बहुकाडु

### कार्याज्य, बहाव्क जायकार जायुक्त (विद्वालिक)

म्प्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1985

निवेश सं० 37ईई/15300/84-85-प्रात : मुझे, प्रानल कुमार,

वाकार विभिन्नियंस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रचात् 'उक्त कृषिनियंत्र' कहा गया है), की भाषा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 16, सेक्टर नं० 17, बसई तथा बम्बई है तथा जो बसई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुक्ती में और पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राथकत निरीक्षण ग्राजन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ग्राप्रैल, 1985

कों पूर्वोक्य संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के लियान प्रतिफल के लिए रिअस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह श्रितिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथते नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से शुद्र किसी नाव की नावत, अस अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दावित्य में कमी करने या उत्तसे अपने में सुविधा के सिए; और/बा
- (भ) पूनी किसी बाय या किसी धन मा अन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तः अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, जिनाने में सुविधा से लिए।

बतः वंब, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण वी, ती, उक्त विधिनियमं की धारा 269-थ की उरभारा (1) के संधीन, निम्निचिषित व्यक्तियों, वर्षात् हि——

- (1) लिबर्टी इन्वेस्टमेंटम प्रा० लि० 302, डालमाल हाउय, निरमन प्याइंट, बम्बई-21 (म्रन्तरक)
- 2 श्री लालित कुमार सीठ गांधी, 14 विकाल जाग्पिंग सेंटर, एमठ व्हीठ रोड़ अंधेरी (ई०), वस्बई-69।

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुई ।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधः, जो भी जबिंध बाद में समान्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहथ किसी अन्य स्थावत क्षाय अधाहस्ताक्षरी के नाड़ तिसिस में किए जा सकींगे।

स्वाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उद्या अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ्रूटिया गत्रा है।

#### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रोकृत कि 37-ईई/15300/84-85 जो कि प्रप्रेन 85 में सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रीनल कुमारी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, पूरा

तारी**स**: 6-5-1985

मोहर:

प्रस्प बाइ . टी. एन . एस------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (भिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं अर्हा ए० सी ०/एक्यू ०/3/37-ईई/10-84 635--- श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 1 है तथा जो राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), प्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय कार्यालय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर, 1984

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- ंख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

मै० नीहा दीप फल्स्ट्रक्शन्स,
 राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगदीण चन्दर खुराना, निवासी-10/15, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नासोप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के स्थावर के किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

### धनुसूची

वातानुकूलित स्पेस, दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन 1, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-150 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-5-1985

भोहेर 🥫

### प्रकल वाहरे <u>टी एन एक</u> परनगराज्यास

कासकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

### भा<u>रत सरकार</u> कार्यातय, सहायक शायकर बायुक्त (निर्देकक)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं अाई ए० सी । एक्यू ०/3/37-ईई/10-84/636--- अतः मूझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिनयभ' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उचितः वाजार मूच्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

और जिसकी संव यूव जीव एसव्स है तथा जो 3, बोका जी कामा प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विल्त है), कार्यालय प्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम; 1961 के प्रधीन, तारीख प्रक्तबर-1984

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाकार भूस्य से कम के क्षयमान वितर्भक्त के लिए अन्तरित की गई है जोर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दूसमान प्रतिफल है, एसे दूसमान प्रतिफल क्य पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती क्ष्यदितियों) के शैन ऐसे प्रतर्भ के लिए तय पापा गए ज़ितिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में कास्तिक स्म से किया नहीं किया वसा है —

- (क) बन्तरण चे हुए किची बाव को बावस, अक्क गीभीनवम के म्थीन कार दोने के बन्तरक के शांतित्व में सभी करने या चलके बचने में बृतिका के लिए; गीप/का
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त को, जिन्हें भारतीय जिन्हें निविधित्व के 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाड़िए था, छिपाने में कविधा के लिए;

शतः नवः, उक्त विभिन्नियमं की भारा २६९-ग के जनस्त्रक नें, नें, उक्त विभिन्निय की भारा २६९-व की उपचारा (1) कें प्रभीन, निस्तिनियत व्यक्तियां, वर्षांत् क्र⊷

- 1. श्री सुनील बतरा, निवासी-ए-432, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रवीण कुमार और श्रीमती पुष्प लता, निवासी—सी—सी—31 बी, जी—8 एरिया, राजौरी गार्डन, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पुनाँ कर वस्मित्य में वर्षन् के हिन्छ। कार्यनाहियोः करता हो।

वस्य कम्परित को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेय्:---

- (क) इस ब्रावा के राज्यम में अकावन की तार्तेल से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी म्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अविधि, यो भी जविध बाद में झमान्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त म्यक्तियों में से किसी स्थीवन द्वारा;
- (वं) ,श्रंव सूचना के राजवन में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्योत्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्साक्षणी के पास निविका में किये वा सकीने।

लक्षीकरमः इतमें प्रयुक्त कर्जा और पर्यों का, यो उक्त नीधीनवम के कंप्याय 20-कं में परिधायित हैं, वहीं अर्थ होगा यो उस नध्यक्ष में विद्या गया हैं।

#### अन्सूची

यू० जी० एस०-6, 3, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली तादाधी-43 वर्ग फिट।

सुनील चोप्नुड़ा . सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

मोहर :

प्रकम बाह् . टी . एन : एस .------

भागकर वरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वर्षीय सूचवा

#### नारत तरकार

### ्कार्यासय, सङ्कारक भावकर भागमत (निर्दाक्त)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एनयू०/3/37-ईई/10~84/ 636—अत: मुझे, स्तील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इसके इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सध्यति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 405-की, है तथा जो जैना टायर डिस्ट्रिक्ट सेंटर, जनक पुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1961 के अधीन, नारीक श्रक्तुबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिता (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाम की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी। करने या उससे बंचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एतेरी कि.सी.काय वा किसी धन या अध्या आसितावों का, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनावम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया बाना चाहिए था. कियाने में सविधा स्विशा के बिहुद;

बतः बचः, उच्त विधिनियन की धारा 269-न के बनुतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वर्षीय, पनम्मतिचित व्यक्तियों, वर्षात् :--- जैना प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०,
 ग्रादिनाथ श्री हाउस, सुपर बाजार के सामने,
 कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री रमेण चन्दर सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी-ए-109, गणेण नगर, पोस्ट ग्राफिस, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सुकता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उन्नत सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बयधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी समधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्वारा;
- (क) इस तूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तासीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सप्रत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकते।

स्पन्नीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का थो उथक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिया नवा है।

भनुसूची

् श्रो० नं० 405-बी०, जैना टावर, हिस्ट्रिक्ट सेंटर, जनक पुरी, नई दिल्ली, तादादी--170 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा े सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकण ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रिजेन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

गहर 🛮

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# बायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बधीन क्ष्मा

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985 निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्बो०/3/37-ईई/10-84/ 638--श्चतः मुझे, सुनील चेंपड़ा,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी की, यह िश्वास कारते की कारण हैं 'कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचित बाधार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 4, है तथा जो 2 1, यू मुफ सराय कम्यूनिटी सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया कल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक की वास्तिवक कर से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उथत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, सक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, जैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैं० एस० बी० एस० इन्वेस्टमेंट,
   जी--एफ-7/92, दिपाला, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।
   (भ्रन्तरक)
- 2. मैं० हरनाम प्रोडक्ट इंडिया,  $\psi-1.5/27$ , वसन्त विहार, नई श्रेंदिल्ली (अन्तरिती)

की यह तुषमा बारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त की वर्षम के रैनए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के भवींन के संबंध में कोई भी नाकांग :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख डं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिक्र निवम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्यास में दिया गया है।

### श्रन् सूची

बेसमेंट नं०-4, 21, यूनुफ सराय कम्यूनिटी सेंटर, नई दिल्ली, तादादी--318 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप भाई.टी. इन. एस. ------

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 म**ई 198**5

निदेश सं ० श्राई० ए० सी ० / एक्यू ० / 3 / 37 - ईई / 10 - 84 / 639 - श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3, है तथा जो 19 कीर्ति महल, राजेन्द्रा प्लेस. नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाच्छ प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्लो में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का प्रेक्ट्स प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित खब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की दाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दासित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य नास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अन्सरण म. म. उपत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन भानितिसत, व्यक्तियों, अर्धात् :---

- ं 1. श्री एल० केदार नाथ ग्रौर श्री श्रो० पी० सोनी, निवासो≔-सो≔14, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
  - 2 श्री राधे भ्याम मेदीरता श्रीर श्रीमती अचला निवासी-48/1, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बेसमेंट नं०-3, 19, कीर्तिमहल, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-564 वर्ग फिट।

सुनील चांपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-5-1985

मोहराः

प्रकृप मार्ड, दी, एन, एव. -----

.बासकर स्रीधनियम,, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

### कार्यांचय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, नई दिल्लीनई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1985

निर्देश सं अग्नाई० ए० सी े | एक्यू | 3 | 37-ईई | 10-84 | 640--- अतः मुझे, सुनील चे पड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 613 है तथा जो 9 बीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख श्रवतूबर 1984

को प्रोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मिति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिथक रूप से कथित नहीं पाया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी कियी बाय या किसी धन या बहुत अपिस्तरों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया कानी चाहिए था, उन्न कर स्विभा वे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- मैं० नटराज वूलन मिल्स (प्रा०) लि॰, सी-78, ग्रानन्द निकेतन, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती संगीता खेमका धर्मपत्नी श्री प्रदीप खेमका द्वारा खेमका इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, शेक्सपियर कोर्ट, शेक्सपियर सरानी, कलकसा।
  (श्रन्तरिती)

को सह स्थान जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के तिस् कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों प्रर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवाँकत व्यक्तियों में से किसी स्थिकत व्वारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अधाहस्ताकारी के पाड निवित में किए वा सकींगी।

ं स्पर्काकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, को उड्डाई अधिनियम के अध्याय 20-क में प्ररिक्शिका है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### वनसंची

ण्लाट नं 613, 9, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली (निर्माणाधीन) तादादी—-362 वर्ग फिट।

> सुनील चीपडा ाक्षम प्रविकारी सहायक स्नायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

लारीख: 17-5-1985

मोहर:

#### प्रकृ वार्ं ् टी. प्न . प्स . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत वरकात

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज--3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनां : 6 मई 1985

निदेण सं० म्राई० ए० नीं०/एभयू०/3/37-ईई/10-84/641---- म्रास: मुझे. सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० के--84 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इ.से उपाधड़ श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ार्यान्य श्रर्जन रेंग्र--3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधितियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रक्तुझर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य में कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास कप्रने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित क्रिकार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिस्ति से विभक्त है और वृत्यरक (बन्दरका) और बंदरिती (अंतरितिया) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिस्त्र निम्निसिवत स्र्यूचेस्य से उक्त बंदरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) असरण संहूद कियाँ आय को बाबत, उक्ष अधिनियम के अधीन कार दोने के अस्तरक के दायित्व के कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और√या
- (ब्र) एकी किसी जाय या किसी थन ए बच्च बास्तियों क्ये, फिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27<sup>1</sup> के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया तथा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने प्रें अधिका के सिए;

बतः वर्षः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ण के वनुसरण व. में, अक्त व्यक्षिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (†) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० कैताल नाथ एण्ड एमोिसियेट्स,
 18, भाराखम्या रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रोहिन जायमजान एवं श्रीमती अमृत जायसवाल निवासी-जे०-210, साकेत, नई दिक्सी-110017 (अन्तरिती)

को यह सुक्षमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षक के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उन्त' सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की जबीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, को भी जबीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर स्विक्त में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्षतीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदीं का, विशेषक विधिनियम के अध्याय 20-क में पिरिवासियं है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

शाप एरिया 275 वर्ग फिट, ग्राउण्ड फ्लोर क्रामशियल बिल्डिंग, के०-84, ग्रींन पार्क, नई दिल्ली, (निर्माणाधीन)।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारींख: 6-5-1985

मोहर ;

प्ररूप **बार्ड. टी. एव. एस**.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### मारत सरकार

कावलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० गीं०/एष्यू०/3/37-ईई/10-84/ 642--अतः मुझे, सुनील चंपङ्ग,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िसकी सं० णाप नं० 150 है तथा जो 9, बीकाजीं कामा प्लेग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), ार्यालय अर्जन रेंज-3. नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्थीन, तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वीक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) क्ष्मरण वे हुए किसी बाद की नावड, क्ष्मक निर्मानक के अभीत कर दोने के नन्तरक की शामित्व में अभी करने या असते वचने में सुनिभा के किए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी अाव या किसी अन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया वंश भा वा किया वाना वाहिए था, कियाने अन्तिया के निष्;

बतः कथ, उत्तर विधिनियम की भारा 269-न की बनुस्रथ में, मैं अक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैं० ए४० ए० ट्रेडपाचर (प्रा०) लिं०,
 109, कुशल थाजार, 32-33, नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक्)

2. मैं० संाम दत बिल्डर्स (प्रा०) लि०, 56, कम्यूनिटी सेंटर, ईस्ट ग्राफ कैलाण, नई दिल्सी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के हावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधि भ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा:
- (च) इत सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हित- सूब्भ किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहरताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थानिक रण्डल इसमें प्रयुक्त सूच्यों शौरू पूर्वों का, जो उसल सिनियम के सभ्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं वर्ष होंगड जो उस सभ्याय में क्रिया प्या हैं।

### अनुसुची

गाप नं रे 150. पहलीं भंजित, बिल्डिंग नं 9, बींकाजीं कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादीं → 147 वर्ग फिट।

> सुनींत चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधअर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, दिल्लीं, नई दिल्लीं-110002

तारीख: 9-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एत. एस.

बायकर जीपीनयम, 1961 (1961 था 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मुखना

. भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० मीं०/एक्यू०/3/37-ईई/10-84/ 643---प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहाँ गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

और जिसकों सं जाप नं 115-बीं है तया जो 5 बीं। कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंणत है), कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम—1961, के अधींन, तारींख अक्तूबर-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिकत्त को लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते हि दिनास का जिल्हा हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य क्रिकें हुद्वमान प्रतिफल से, एते दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त लिखत में वास्तृतिक रूप से क्षित नहीं। किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के काँगत्व में कभी करने या उससे यचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (वा) होती किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922 का 11) था उचत अविनियम, या वेबकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में हिंच्या के स्थितः

जतः ज्ञान, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म को जनुसरण भी, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निमालिखित व्यक्तियां अभीत् ह

- श्रीमती श्रीती कोह्नी, ए~259, डिफेंच ालोनी, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. मैं० सीम दत्त विल्डर्स (प्रा०) लिं०, 56, कम्यूतिटी सेंटर, ईस्ट आफ कैलाण, नई नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंरके पूर्वीक्त सम्पन्ति के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रिख से 45 दिन की अविधि या तत्सव्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के उपपात्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृति में हित्बदुष्ट्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मेर किए जा सकोंगे।

लखिकरणः इसमें अयुक्त जन्दों और पदों का जो उक्त वीधीनवम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस संध्याप में दिया गया है।

### ग्रनुसुची -

शाप नं० 115-बी, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, बींकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-142 वर्ग फिट।

> सुनींल चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-5-1985

मोहर 🚁

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

अध्यक्तर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सहस्रार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्चन रेज-3, नई दिल्ली

्रुनई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/3/37-ईई/10-84/ 644--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

कायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-च के अधीन अदर प्रापिकारी को यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पिति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु से अधिक ही और जिसकी सं० 5, है तथा जो 8, राजेन्द्रा प्लेम, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), वार्यालय, प्रजेन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख प्रमतुबर-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके क्यमान प्रतिष्ठ है, ए से क्यमान प्रक्रिक का वन्त्रह प्रतिचान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितीं) के योच एमें अंतर्ज के बिए इब पाक नया प्रतिचन , निश्विमिक उच्चेक्य से उच्च बंतर्ज कि बार्क का वास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) नेलरण संबुद्ध किसी बाय की नवक्, अक्लु निधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्वां मां कमी करने या उनके नचने मां सुनिधा के जिए: औष/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, किन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर कीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंदरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया कवा था कि किया कामा काहिए वा छिपाने में मुविधा है किए,

जतः शव, उनंत जिभिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उनंत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :——

- कुमारी संगीता घरोड़ा सुपुत्ती श्री एन० पी० घरोड़ा, निवासी—डी--1/10, घमन्त विहार, नई दिल्लीं। (प्रन्तरक)
- 2. श्री एल० केदार नाथ एवं श्री ओ० पीं० मोनीं, नित्रासीं-सीं-14, ग्रींन, पार्क, नई दिल्लीं। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना भारी करके पूर्वोच्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ः---

- (क) इस सुमान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से &5 दिन की जबींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद तत्रना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से. 45 किन के भीतर अथत स्थापर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्द व्यक्ति व्याग, स्थाहस्ताक्षरी से पाश जिसिस में फिटा या सकों में 1

स्पच्चिकरण: ---इसमें प्रमुक्त सम्बों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

बेसमेंट नं० 5, दीप शिखा बिल्डिंग, 8, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, ज्ञादादी--551 वर्ग फिट।

> मुनील चोपड़ाई सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंक्-3 दिल्ली, वर्ष यिल्लीं-110003

तारीख: 7--5--1985

माहर 🖫

### प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/10-84/ 645---श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्सें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 16/2646 से 2649, बैंक स्ट्रीट हैं तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतोय आयकर श्रधिनियम, 1961, के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर—1984

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्त्रहे प्रतिवात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से अविश्वत स्था विश्वत से
  - (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैं० संजय एण्ड गौरव एसोसियेट (प्रा०) लि०, 2481/9, बिदन पुरा, करोल बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- १ मैं० रिव कान्त सूद, श्रुति कान्त सूद, वरुण सूद, के०/श्रा० शर्मा श्ररोड़ा एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, बी-ए-5, स्टेट बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

🗫 सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व
- (स) इस सूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

शाप तादादी-220 वर्ग फिट, ग्राउण्ड फ्लोर, 16/2646 से 2649, बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली  $\Gamma$ 

सुनील चोपड़ा सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्नायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखाः 7-5-1985

महिर्द 🖫

### **इक्ष्य वार्व**्दी<u>ः प्रमृत्यकः</u> व्यवस्थान

## बावकर वृधिनियस, 1961 (1961 का 43) की बाउट 269-म् (1) के वधीन श्वाना

#### EIKO KAME

कार्यालय, सक्षयक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37—ईई/10-84/646—प्रातः मुझे, मूनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' अन्ता गया है), की अधिन 269-च के अधीन सक्स प्राधिकारी को यह विश्वास क रने का कारण है कि स्थायर सम्मित, जिसका उचित् बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० यू० जी० एस०-8 है तथा जो 3. बीक्राजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इशमे उभावद्ध प्रमुखी मे ग्रीर पूर्ण रूप मे विधित है), कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1961 के ग्रीधीन, नारीख ग्रक्तूबर-1984

को पूर्वों बत सम्पत्ति के संचित थांजार मूस्य से कम के द्रामान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निरंदां करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति कम उचित बाजार बून्ब उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के लोच एसं अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिकत्त निरंगी लोग उद्युद्धिय से उक्त अन्तरण निरंगी की अधिक स्था से जिल्ला मार्ग हैं।——

- (क) बन्द्र सं शुद्धं किसी आध की बाबस् क्याः अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोगानः
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

नतः अप उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण तें, मैं, चक्त अधिनियम की भारा 269ग की उपभारा (1) है अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

मास्टर अजय छावड़ा एण्ड मास्टर मन्दिप छावड़ा, यू/जी, श्री एम० के० छापड़ा, निवासी-ई-53, मस्जिद मोठ नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

 श्री राज गोपाल सिन्नका एवं श्री ग्रातिल सिक्का, निवासी-272, माडल टाउन, मोनीपत। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के ्रिलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की, अनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत जिपितियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ मांगा, जो जस अध्याय में दिका प्रा है।

#### श्रनुसूची

ं यू० जी० एस०-8, 3, बीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ती तादादी-78 वर्ग फिट।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक अयक्तर रायुवन (विरीक्षण) ग्रजन रेज-3 दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

तारीख: 7-5-1985

मोहर:

### प्रकृष बाद् .टी .प्रम .च्च . -----

आगकर अधिनियम, 4961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त, (निरक्किक)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/10+84/647—ग्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इत्वर्गे इतके पश्चास् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ब के वधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 100,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० यू० जी० एस०-7 है तथा जो 3, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर ईससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन, तारीख ग्रक्तूवर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के बश्यवान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूद्ध, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंटे द्रव्यवान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तिरिक्षी (अन्तिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ वाबा हुना प्रतिकान, निम्नितिदित उच्चेरेय है उक्त कम्बरण किस्तु के वास्तिक रूप हो काँचत नहीं किया बया है हु—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वानत, अवस वर्षित्वम के संभीत कर दोने के सन्तर्भ से राष्ट्रिय में कमी करने दा उक्क तथने में कृषिणा के विद्यु: स्वीर/वा
- (व) ऐसी किसी नाम या किसी भन वा क्ष्य शास्तिकों को, सिक्ट आरतीय वाय-कर महिनीनवम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनवम, झा भन-कर महिनीनवम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोचनार्थ वन्तिरसी दूनारा प्रकट कही हैं समा नवा था वा किया काना पार्वस्य था, कियाने में सुविभा के सिक्ट;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निमासिष्ति व्यक्तियों, अधीत है—

- 1. बेबी सोनिया यू/जी क्षी गिरिराज गुप्ता, निवासी-बी-4|v|9 राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मुमन मल्होत्रा एवं श्री र्विश मल्होत्रा निवासी-23 बी सुजान सिंह पार्क सोनीपत। (ग्रन तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्चन के दिवस कार्यवाहिकां करता हुं।

उक्त ब्रुपिश के अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसन वस्थ किसी जन्म स्थावित स्थारा, अभोहस्ताकृती के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्टीकरण: इसमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिशा गया है।

### **ग्रनुसू**ची

फ्लैट नं यू जी एस 0-7, 3 बीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली तादादी-43 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम म्रिधिकारी सहायक भ्रायंकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3 दिल्लींं नई दिल्ली-110002

तारीख: /7-5-1985

ं मोहर 🛭

### प्राक्य बार्षं दर्वे प्रवृत्यक्त वार्ष

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यांचय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/10-84/648--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस की अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विक्रान करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उषित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यू० जी०-8 है तथा जो जैना टायर, जनक पुरी, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन, तारीख श्रवतूबर-1984

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उदयमान अतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने गह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, ऐसे उदयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्योग्य है उन्त जन्तरण लिखित में बास्त्विक एप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तहण से हुई किसी शास की वावल, स्वत जोधीगमम से जभीन कर देने के बन्दरक के दासिस्य में कभी करने या उत्तरे सचने में स्विधा से जिस्ह, कौद/का
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भने वा अन्य अस्तियों को विन्हें आरतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा औ सिद;

शतः वन, उक्त मधिनियम की धारा 269-म के बनुसरक में, में , उक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— मैं० जैना प्रापर्टीज (प्रा०) लि०,
 भ्रादिनाथ श्री हाउस, सुपर बाजार के सामने,
 कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

ं (ग्रन्तरक)

2 श्रीमती एस० चौधरी गलौत, धर्मपत्नी श्री श्रजीत मिह गलौत, निवासी-बी-3/बी/80-बी, जनक पुरी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

न्त्री स्था सूचना वाडी करके पून्तिका सम्परित के अनीन के जिल कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ू--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ स 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी गविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया वसा है।

#### वन्स्की

यू-जी०-8, जैना टावर डिस्ट्रिक्ट सेंटर, जनक पुरी, नई दिल्ली, तावादी-80 वर्ग फिट।

> मुनील चोपड़ा सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-1100032

तारीख: 7-5-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार 📑

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--3, नई घिल्लीं नई दिल्लीं, दिमांक 7 मई 1985 ्र

निवेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/3/37-ईई/10-84/ 649---- श्रत मुझे, सुनील चोपड़ा,

आपकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कीरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 201, है तथा जो 5, बीका जी कामा प्लेस, तई दिल्लीं, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनु-सूचीं में और पूर्ण रूप से चणित है), कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-43, नई दिल्लीं में भारतीय श्रायश्रप श्रिधिनियम 1961 के श्रायीन, तारीख श्रमतुष्य-1984

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंगे क्रयमान प्रतिफल से, एंगे क्रयमान प्रतिफल से जिथक है क्रियमान प्रतिफल के बन्तर प्रतिक्त से जिथक है क्रिय जंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिरयों) के बीक्ष एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

इ.स: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हो प्रधीन निम्नलि**डित व्यक्तियों, अर्थात्**:—  श्री जीं० सीं० नारंग और श्रीमती किरत बेरी, , निवासी---वीं-17, फेन्ड्स कालोवी, तेस्ट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती तृष्ता नारंग, निवासीं—-बी-17, फेन्ड्स कालोनी, वेस्ट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सुभान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य , व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त , अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

प्लाट नं० 201, तादादी-290 वर्ग फिट, दूसरी 1ि 5, बींकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> सुनींल चापड़ा रक्षम प्रधिरासी सहायक श्रायार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 7-5-1985.

मोहर 🛚

शक्य गाइं . की . एवं . एवं . ,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचनाः

#### भारत सरकाड

### कार्यालय, सहायक बायकर कायकत (निरक्षिण)

ंग्रर्जन रेंज--3, नई दिल्लीं नई दिल्ली, दिनांवः 7 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/ क्यू०/3/37-हीई/10-84/ हे50--ग्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० 3, है तथा जो लोकल गांपिंग सेंटर ब्राराम बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), नायलिय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयार अधिनियम 1961 ग्रधीतः, तारीख ग्रक्तूबरू 1984 के

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कमः के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसको दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) प्रारे अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्वित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बर्धिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निष्य: बीर/श
- (क) ऐसी किसी जाये या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय जाब कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गशा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में यविधा के लिए;

क्त: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियंग की धारा 269-व की उपधारा (1) हे बधीन निम्नलिश्चित व्यक्तियों, बर्गांश !--

1. मै० भनोट प्रोपर्टीत एण्ड इन्डस्ट्रीन लि०, 102-103, राजा हाउम, 30-31, नेहरू प्लेम ं नई दिल्लीं।

(अन्तरक)

2. मै० वाधवा इंन्टरनेशनल, ए-331, डिफेंस जालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरितीं)

को वह स्थाना चारी करके प्वाबित एवपित के नार्यन के विष फार्यवाहियां करता है।

उन्ध सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- कि इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वविषाया तत्संबंधी व्यक्तियां एर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इगारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितं बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय /20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस बच्याय में दिया गुवा - रह⁴ र

### . ग्रनुसूची

ेस्पेस तादादी-308, वर्ग फिट, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं ० 3, लोकल शापिंग सेंटर, आराम वाग, नई दिल्ली।

> स्नील चोपड़ा रोज्ञम प्राधिकारी महायक ग्रायकद ग्रायकत (निरीक्षण) ं अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली 110001

तारींब: 7-5-1985

मोहर:

### प्ररूप बाई . ठी . एन . एड . -----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर अध्यक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्लीं नई दिल्लीं, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० ग्राई०ए० सीं०/एक्यू०/3/37-ईई/10-84 651---ग्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विदेश करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार, मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं 109 है तथा जो 19, कम्यूनिटी सेंटर यूसूफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के दृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के दृश्य प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्वे (अंतरितियों) के बीच एते अंतरण के लिए तय पाया विश्वास प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बित के बास्तिक क्या से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में विशेष के निष्: बर/बा
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के इसीन जिस्ति चित चिता चिता के अधिन :— 9—136GI/85

मै० बोम्बे बिल्डर्स इन्डिया (प्रा०) लि०,
 18, मुलचा मार्ग, नमर्शीयल कम्पलेक्स, कई
 दिल्ली।

(मन्तरक)

2. मैं० पी० एस० डीं० एस० एसोसियेट्स (प्रा०) लिं०, के-32, साउथ एक्सटेंशन भाग-11, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्चन के जिल् कार्यवाहियां सुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेच :---

- (क) इत ब्युवा के रावप्त में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर व्यक्तियों पर व्यक्तियों पर व्यक्तियों तो सी विधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के एचपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के भाव दिन्छित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरण हिन्दा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया वृता है।

#### अनुस्ची

पलाट सं ० 109, पहलीं मंजिल, ओरियन्टल एपार्टमेंट, प्लाट नं ० 19, युसुफ सराय कमर्शियत्र क्रेपलेक्स, नई दिल्लीं, तादादी----519,06 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6--5--1985

मोहर :

वरूप लाइ. हो. एन. हस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा-269-व (1) के अधीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांट 7 मई 1985

निदेश सं० थ्राई० ए० मीं०/एक्यू०/3/37-ईई/10-84/.653—श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुमें स्तक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिल्ला उनितु बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव बी-17, है तथा जो 2-ए, बीका जी वामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिणत है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के त्यालिय प्रज्ञ-रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आधिकारी के त्यालिय प्रज्ञ-रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आधिकार अधिनियम-1961, के अधीन, जारीख अक्तूबर-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से क्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह जिस्साम प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह जिस्साम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफ ल का पण्यह प्रतिश संस्थिक है और अन्तरिक लेक प्रवास संस्थिक है और अन्तरिक (अन्तर्सी) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिए तय पाया बया बिएकन, जिम्बाकित उद्देश्य से तकत अन्तर अन्तर विवास है विद्या पाया विवास है किया गया है।

- (क) अन्तरण के हुई किसी जाय की बाबत, अध्यक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक वो दायित्य में कमी करने या उसके अचने में सुधिका के लिए; जीड़/बा
- (का) एप जिसी बाब पा जिसी पत्ता प्रत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने से सीअधा के लिए; और/सा

अत: अयः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग में अनुसरक भं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उर्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मणीत् क्ष्म मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोिसयेट्स,
 1006, कंचनजुल्गा, 18, बाराखम्बा रोइ, नई
 दिल्ली।

(श्रन्तरक)

श्री सुनील मन्होला.
 निषासी---डी--13, बी राजौरी गार्डन. नई
 दिल्ली।

(श्रन्तरिती

को यह सूचना बारी करके पृशेंक्स सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहिया सूक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासोब 🦫

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा दवा है।

#### वशसभी

बेसमेंट गोदाम स्पेस नं० बी-17, तादादी-566 वर्ग फिट, प्रस्ताचित कर्माणयल नामस्पलेक्स, ए० एल० पीं० एस० 2-ए, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> मुनींल खोपड़ा नक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रोत-3 दिल्ली, नई जिल्ली-110002

तारीख: 7-5-1985

मोहर 🛊

जारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यां तथ, सहायक जायकर आयक्त (निर्धामन)

अर्जन रेंज 3, नहैं दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84/654--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके प्रथात जिवत अधिनियम कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि अधार मुख्य 1,00,000/-रा में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-4, है तथा जो ए-2, मिलन कमशीयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण व्य से बिणत है), अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार . कुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रतिकृति प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिकत में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण से हुई किसी जाय की गायक, उक्त किमिन्द्रज्ञ के खुभीन कर दोने को अंतरक के शियरथ में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (ब) एसी किसी भाग था किसी भूग या बन्य बास्तियों की, जिन्हां भारतीय कायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत जिनियम, या धन-कार ब्रॉक्शनियम, 1937 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जत: जब, उक्त जीधिनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त जीधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) वें जभीन, निम्न्तिहेंबर व्यक्तिकों, जबीर ा (1) शिवलोक प्रोपरटीज, आदिनाथ श्री हाऊस, सृामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नहैं दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार चावला, सुपुत्र श्री सी०एल० चावला, निवासी-1/15, न्यू मोती नगर, नर्ष दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध कि तो अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में दिये वा सकते।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अध द्वांगा, जो उस अध्याय में किया यहां है।

### अनुसूची

जी-4, ग्राउंड पलीर, शिवलीक हाऊस, ए/2, मिलन कमर्गीयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली, तादादी-250 वर्ग फीट। सुनील घोपड़ा सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) े अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीख: 6~5~1985

शोहर €

### प्रकृत वाद् हो . एन . एस . ------

### कायकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वेत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली ' नई दिल्ली दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यूं०/3/37ईई, 10-84, 655— अतः मुझे, सुनील चौपड़ा

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जी-5ए, है तथा जो शिव लोक ए, 2, मिलन कम्पर्शीयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिपाल लिए अन्तिरत . की गई है कें और यह विश्वास करने कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवास से अधिक है मौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उबुदोरम से उक्त भन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य , आस्तियों को , जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या भनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के सिए;

लतः लब, उक्त लिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त लिथिनियम की भारा 269-मु की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिखितः व्यक्तियों, अथित् (1) शिवलोक प्रोपरटीज, आदिलय श्री हाऊस, सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीस बहल सुपुत्र स्वर्गीय श्री कुन्दन लाल बहल, निवासी-60/7, पंजाबी बाग, बिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों श्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास. लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हिन्नेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्री

जी-5ए, ग्राउन्ड फलोर, ग्रिवलोक हाऊस. ए, 2, मिलन कमर्गीयल कम्पलेब्स, नई दिल्ली, तावादी-198 वर्ग फिट। सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 6-5-1985

मोहर 🛚

### प्रकष् नाइं.टी.एन.एस्.------

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के निधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०,एक्यू०, 3, 3 7ईई। 1 0-84, 6 5 6-\_

–अतः मुझे, सुनील चोपडा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं ∳िक स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 1-6, है तथा जो शिव लोक हाऊस, ए-2, मिलन कमर्शीयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्मालय के अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गर्द है और मुभो यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसे इत्यमान प्रतिफल में एगे उदयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से बिधक है और जन्तरक (जन्तरकार) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित औं बास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया पना है :——

O

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवंध में बधीन कर दोने के बन्तरक में दानित्य में क्रमी करने वा उचके बचने में दुनिया के बिक; भौर/वा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धर्न या अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ अस्तिएती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपन में स्विधा से लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्हिलिसत का सत्ता , अर्थात क्रिक्त (1) शिवलांक प्रोपरटीज, आदिना प्रन्दी हाऊस, सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर जतीन सपरा एवं मास्टर विनीस सपरा, यू/जी, श्रीमती नीलम सपरा, निवासी-एन-24, कीर्ति नगर, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हुं।

स्वत सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शव में सवापत होती हो, के भीतर पृत्र स्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपरित के हित- के भीतर उनत स्थावर संपरित के पास कि कि सम व्यक्ति के पास कि कि स्था में किए जा सकत्ये।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रथानत शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अधे होगा जो उस अध्याय में दिया देश हैं।

### अनुसूची

1-6, शिवलोक हाऊस, ए-2, मिलन कमर्शीयल कम्प-लेक्स, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिली

तारी**ख**: 6-5-1985

मोहरू 🗈

### मस्य बार्ड : दी: पुर , पुर --

### मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाध 269-व (1) के ब्योन इसना

#### शारत जानार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84/657—— अतः मुझे, सुनील न्नोपड़ा गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पक्तात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निवनास करहे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिते बाबार भृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० ए2/1/11 शिवलोक हाऊस है तथा जी मिलन सिनेमा की नेशनल कम्पलैक्स, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), में भारतीय आयकर अधिनियम 19ख अई० ए० सी० रेंज-3 के अधीन तारीख अक्टूबर 1984। को वर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान लिए अन्तरित की गई विश्वास करने का : कारण म्भे यह कि यथापूर्वो कत् संपरित का उचित बाजार मूल्य; उसके दश्यमान प्रीतफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वन्तर**ष से हुई किसी शार्य की बावर**्रः स्वतः अधिनियम को अधीन कर देने के बन्तरण को दायित्व में कभी करने या उससे बचने से सुविधा के निष्: कीर/मा
- ्ब) एसी किसी वाय वा किसी वृत वा बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, ना धनकर अधिनियस, 1957 (1959 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ्या या य. किया याना पाहिए था रिज्याने में स्विधा वे सिष्
- ती: हम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक क्र में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शिवलोक प्रोपर्टीज, अदिनाथ श्री हाऊस, सुपर बाजार के विपरीत, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सत्यापाल बतरा सुपुत श्री एच० एल० बत्तरा, 17**-**बी०/18, स्रोरिजनल रोड देवनगर, तर्इ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारक पूर्वों कत संपत्ति के वर्षन के विष कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त संपृत्ति के ब्रुंग के संबंध में कोई भी बाहोंच 🎥

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी, व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त म्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्कि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलाहुओं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के किस सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्धीकरणः—इत्मे प्रयुक्त बन्दों बौद प्दों का, भी वृज्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, बही नर्थ होगो, हो उस बध्याय में दिया प्या 8 1

### 19.5

ए-2/1-11 शिवलोक हाऊस, मिलन सिनेमा कर्मिशियल कम्पलैक्स नई दिल्ली सुपर सरिक 380 वर्गफुट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़ 3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 6-5-1985

मोहर 🔅

प्ररूप आहे .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत संदकार

कार्यालय, सहायक आएकर आयुक्त (निज्ञीक्षण)

प्रजीन रिज 3 नई दिल्ली

नई दिल्ली विनांक 7 मई 1985

निदेश सं० श्राई०ए०मी०/एक्य००/3/37ईई/10~84/657 श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीम सभम आधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका अधिक विश्वार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव 101 तिलाक नेणानल है नथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे नपाइ अनुसूर्यी कम्पलेक्स में पूर्ण कप से वर्णित है) श्राई व्यवसार एक्स-3 में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम-1961 के श्रिक्षीन तारीख श्रवट्वर 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित वालार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए बंसरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उक्ति बालार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे इध्यान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और स्वादिती (अन्तरिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय विद्या गया, प्रतिकत, निम्निलिखत उद्योश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय विद्या गया, प्रतिकत, निम्निलिखत उद्योश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; ऑर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयठ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिभा के सिए:

मतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को अधीन रिम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) जिवलंकि श्रोप्रटींक, द्यादिकप श्री हाऊस. श्रोपोजिट सुपर बाजार, कनाट प्लेप, नई स्टिनी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री राजेग स्नारः जगलीयानी एवम् स्नारः व्हीः जगतीरानी 38/16, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🦫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन में 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

#### जन्म 🗃

र्स० 101, पहली मंजिल शिवलोक हाऊम डी-/डी ४ बिल्डिंग मिलन कॉमिशियल कम्पलैक्स, नई दिल्ली ।

> सुनील वोषड़ा राक्षम प्राधिकार्स सहायक स्नायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 3 दिल्लो, नई दिल्ली

तारीख: 7-5-1985

मोहर :

### प्रकार बार्ड हो. एस. एक. 🖛 🖛 🚌

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क्षेत्रशीन सुषता

#### भारत नरकार

#### कामिलय, बहायक आयकर जायूक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रैंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एसयू०/3/37ईई/10-84/660—-श्रतः मुझे, स्नील चोपड़ा

मायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उपरा अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ध के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नानार मृत्य 1,00,000/- रहे. से स्थिक है

श्रीर जिसकी संव की ग्रंतिया वाई है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर हमने उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), श्राईवएवसीव रेन्ज-3, में भारतीय श्रधिश्रायकर श्रधि- श्रिधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख शक्टबर 1984

को प्रवेक्त संपरित के उपित बाबार कृष्य से क्स के दश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वात करने का कारण हो। के स्थापनों कर संपत्ति का उपित बाजार कृष्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत्त से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निचिता उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिल्कि को वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुंड्र किसी जान की बाबत, उप्तर किसी नियम के जमीन कर दोने की जन्तरक की वासिरज में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जाँद/भा
- (क) एसी किसी जान का किसी कन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तिरती ब्यारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, कियान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए कं अनुसरण मं, से उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकत व्यक्तियों, वर्षात् (1) जकारिया धर्हाःत इस्पैयस (प्राइवेट लिमि०) जकारिया थग्रस, मुरादाबाद्व ।

(ग्रन्तरक)

(2) नास्टर मुहम्मद जण्पर नद्दीन, ई० श्र कालिन्दी, .नर्ह दिल्ली।

(ग्रन्द्वरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति क अर्बन के किए कार्यवाहियां करता हूं !

### **एक्त** सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आधार ह—

- (क) इस सुपता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सुपता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में क्षेत्रींशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उत्तत स्थावर सम्मित में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास निवास में किए जा सकींगे.

स्वाकरणः इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदा का, जा जक्त विकास मिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

प्रोपर्टी नं० 1, कौशल्या पार्क हौज खास नई दिल्ली 212 वर्गफुट, निचली जीजल ।मंजिल ।

> ंगुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) स्रर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख**ः 7--5-1985

मोहर:

## प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीन स्वना

#### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०/3/37ईई/1084/661-**ध**तः मुझे, सुनील चो। पड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 1,00,000/- रतः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० 10, भीमकाजीकामा प्लेस तथा जो, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, म्राई०ए०सी रेंज-3, में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन । तारीख ध्रक्टूबर 1984

को पूर्वोभत सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के द्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास कॉरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिकल का केंद्रिह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उबुद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कि भित नहीं किया गया है ए----

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की द्यायित्व में कमी करने या उससे वसने से सुविधा के लिए; बौर/या
- *(ब*) एसे किसी बाय ना किसी पन ना अन्यः शास्तिको को जिन्हों भारतीय जायकर जीवनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयभा, सा ध्य-कर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, कियाने में सुविधा चे चिए;

अतः सव. उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

10 -- 136 GI/85

(1) श्री निरन्द्र कुमार गुप्ता, सुपुत्र लाला रतन लाल, एन०-99, ग्रेटर कैलाश. नई दिल्ली 48।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमति मप्पूट दास 2. तृथ्णा दास श्रीर 3. मास्टर बीर सरन दास सूप्ती भ्रीर एवम् सुपुत्र श्री रजबीर सरन दास, सी 40. ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्रबंधित सम्पत्ति के अर्धन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्चना की क्षामील से 30 दिन की अवधि, जो और जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्य क्यक्तियाँ में से किसी क्यक्तिस द्वारा;
- (था) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सप्रीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का. अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समाही।

#### बर्न्स्की

मार 10बी, भीकाजी कामा प्लेस **म्रार** 10, बी

> स्नील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई विल्ली

तारीख: 7-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज 3, नई विल्ली नई दिल्ली दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० माई०ए०सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84/663— -म्रतः मुझे, मुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 617 ए, 9 भीकाजीकामा प्लेस है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय ग्राई०ए०सी० रेन्ज 3 में भारतीय ग्रिधिनियम 1961 के श्रधीन तारीखा श्रक्टूबर

को पर्वाक्त गंधित का पित्र बाजार मृत्य ये कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गह है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेदेय से उसत अन्तरण निस्तियां गया प्रतिफल में बास्तरण से लिए तथ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वजने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी साथ या किसी धन या सन्य सास्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) का सम्या सिधनियम, या धनका प्रतिपत्तियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ सम्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में से सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं. मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कमलेश कुमार, फ्लट नं० 6, लेडी हार्डिंग कैंम्पस, बंगला साहिब मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार०सी० विरमानी
2. बीना विरमानी
3. बी बिरमानी
4. अरुना विरमानी
10 ए नीजामुद्दीन वस्ट,
विल्ली 13।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुँ।

उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुनारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हित्र क्र्यूक् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोष्टस्ताक्षरी के पास् सिक्ति में किए का सकर्षीः

न्यच्हीकरणः — इसमें पयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी जर्थ होगा, जो लस स्रध्याय में दिया नया हैं।

## मम्स्यी

कर्मिशियल फ्लैट नं० 617-ए बिल्डिंग नं० 9, भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली-66, एरिया 352.5 वगफट

> सूनील चोपड सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निडीक्षण अर्जन रेंज 3 दिल्लो, नई दल्ली

तारीख: 7-5-1985

मोहर 🛭

# प्ररूप नाइ. दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 6 मई 1985

निवेश सं ० आई ०/ए०सी ०/एक्यू ०/3/37ईई/10-84/664

श्रत मझे, सुमील चे।पड़ा

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 60, 8 रिजन्द्रा प्लेस है तथा जो नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्राई० ०सीं० रेंज-3, में भारतीय श्रायकर व्यक्षित्यम 1961 के अधीन तारींख श्रक्तुबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, पुरेसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्ति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विस्तित में बास्तियक स्थ से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार्ट/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अतिराती बनारा प्रकट नहा । किया गया ना किया जाना चाहिए चा, जिनाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग की जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ह्र--- (1) फैंडस ऑटोनेवाइलज स्वामित्व जे०पी० गुप्ता, सुपुत्र स्वर्गीय डी० गुप्ता निवासी, 7/12, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली 601, धीप शिखा 4, रजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीं मयूर इंटरनेशनल, 602, जबीप शिखा, 4 रजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-8

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई' भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकती।

## अनु सूची

श्राफीस फ्लैंट सं० 601, छठी मंतिल दींप शिखा बिरू-डिंग 8, रजिन्त्रा प्लेस नई दिल्लो 8, रिया 55.2 वर्गफुट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीं**ख**ः 6⊶5⊸1985

मोहर

# प्ररूप बार्च , टी., एव., एस., न्याया व्यवस्था

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभवा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई विरूली नई विल्ली दिनांस 10 जून 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी'०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/10-84/ 551—श्रतः मुझे, श्रार० पीं० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की नाप 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० न०एम/29, (धूसरी मंजिल) है तथा जो तादादी 250 वर्ग गज, ग्रैटर कैलाण 2, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारींख अक्तूबर 1984

को पूर्वित संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के रहणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जिक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंकरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण किवित में वाश्यविक रूप से किवित महीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाव की वावत, उक्त अभिनियम के बभीन कुदु दोने के अन्तरक के इपित्व में क्रमी कुरने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर्/बा
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को विन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की निष्ध।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (\*) श्रीमती रमन श्रान्तव धर्मपत्नी श्री श्रमो : श्रान्नद, निवासी-डी-289, डिफोंप कालोनी, नई दिल्ली द्वारा श्रदोरनी श्री एम० श्रार० सहगल,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेण भुटन, निवासी-1474, सुर्दशालान दरिया गंज, नर्ष दिल्ली।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचला जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के थिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसकी कि पास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिब में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि--भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

# अनुसूची

दूसरी' मंजिल, प्रो० नं०-एम/29, तादादीं--250 वर्ग गुज, ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

> भार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुषत (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1 दिल्ली, नर्ष दिल्ली

तारींख 10-7-1985 मोहर ः प्ररूप आहें. टी. एन. एस.------बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

## भारत<sup>[</sup>सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० श्राई० ए०सी०/एथयू०/1/एस श्रार 3/10-84/552---श्रत मुझे, श्रार० पीं० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्रो० नं० 44, है तथा को सुर्च रोड़, भीगल, जंगपुगा, नई दिल्ली, में लियत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से चिंगत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिवारी के कार्याप्य, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1903(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984।

को प्योंक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिक्व के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिक्वल से ,, ऐसे हरयमान प्रतिक्वल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितेषों) के बीच ऐसे अंवरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्वल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ब्रोड/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, ष्टिपाने में सुविशा को सिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री पांखकर दास सुपुत श्री कोटु राम, निवासी--20/6के, पंजाबी बाग, नद्व दिल्ली।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री त्रिनोद सुमार सुपुत श्री हरी संकर, निवासी 87, भोगल रोड़, जंगपुरा, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक्षे।

स्पब्दीकरणं ु—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.

## **अनुस्**ची

प्रौ० नं०-44, तादादी-211, वर्ग गण, खनरा नं०-599, चर्च रोड़, भोगल, जंगपुरा, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 10-6-1985 मोहर ■ प्ररूप बाह्र ही, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली मई दिल्ली दिनांक 11 जून 1985

निवेग सं० भाई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस-म्रार-3/10-84/ 553---म्रातः मुझे, भार०पी० राजेश

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिल्लिको सं० कृषि भूमि, है तथा जो स्थित ग्राम-थिज वासन, तहसील मेहरोली, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तुवर 1984।

को पूर्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम कै इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों फो, जिन्हें भारतीय सायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उवस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिन्निसित्त व्यक्तियों, व्यक्ति थ्र—-

(1) एस/श्री रतिहरू, करनिहरू, और बलवात जिह सुपुत्र, श्री माम चन्द, निवासी-ग्राम विजवासन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 (2) मेजर्स दिल्ली टाबरस (प्रा०) लि०, 115, ग्रान्सल भवन, 16, ास्त्रिका गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रसाक्षरी की गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, दही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

मन्सूची

कृषि भूमि तादाधी-19 बिषे और 12 बिष्वे, कमपराईज्ड रेक्टेंगल, नं०-45, कीला नं०-21(312), 22(409), रेक्टेंगल नं०-46, कीला नं०-25(2-16), रेक्टेंगल नं०-77 कीला नं०-1(2-12), 2(4-07) रेक्टेंगल नं०-76, कीला नं०-5(0-16) रेक्टेंगल नं०-45, कीला नं०-26(0-10 स्थित ग्राम विजवासन, नई दिल्ली।

> मार० पी० रजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारींख 11-6~1985 मोहर इ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

#### भारत सरकार

आयाम्न्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 13 जून 1985 निदेश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस-ग्रार-3/10-84/

554—प्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० प्रो० नं०-सी-226 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई विल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रिक्तूचर 1984।

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का जाजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया क्रिक्स्य, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधाने में सूविधा के लिए, और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्था के बिए;

क्तः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) अबे अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्रीमती साविकी देवी पत्नी श्री बैलाश चन्दर कोहली, निवासी-सी-226, ग्रेटर बैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता विशव्ट पत्नी श्री धरम पाल विशव्ट, निवासी-नावडा हाउस, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना घारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी बन्य व्यक्ति इंबारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये वा सकींगे।

स्मान्द्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा नवा है।

## मन्स्ची

प्रो० नं०-सी-226, तादादी-300 वर्ग गज, ग्रेटर कैन 1, नई दिल्ली।

> मारः पीः राजेश सक्षम प्राधि गरी सहायक म्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन-रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख: 13-6-1985

मोहर :

# प्ररूप आई. टी. एन. एड.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेज 1,प्रप्रवाल हाऊ 7, 4/13ए, प्राप्तफ प्राली रोड, नई विल्ली नई दिल्ली दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी०एक्यू०/1/एस-श्रार-3/10-84/555—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि, तादादी-13 बिघे है तथा जो 19 बिछदे, ग्राम विजवासन तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीहर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रीहरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिर्तिशों) के बीच एसे, अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकक व्यव क क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा कालए, और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपानं में सुनिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

(1) मैसर्स ग्रीन पार्क बिल्डर्स एन्ड परोमोटर्स (प्रा०) लि०, 115, अन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरंक)

(2) श्री धुलवन्त िंह सेटी
सुपुद्ध श्री हरबंग सिंह सेटी,
को/ओ श्री एस० एस० जौली,
निवासी-जे०3/99,
राजोरी गार्डन,
नई विल्ली।

(श्रन्त(रती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावक सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पर्वेशकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, खो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं., वही अर्थ मोगा चो उस मध्याय में दिया वया इं.

#### जगस 🕶

क्कृषि भूमि, तावादी-3, बिधे और 19 बिक्ये, रेकोंगल नं०-45/4(3-01) और खसेरा नं०-180 मैन (0-18) भाम बिजवासन तहसील महरोली, नई विल्ली।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन-रेज 1, नई दिल्ली

सारीख: 13-6-1985

प्रोहर:

## प्रकृत कार्युः, टी. एत्. **एय**्यास्टनस्य

जावकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) जी धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### ब्रारत स्ट्रकाड

कार्यांत्रव, सहायक कामकर कामकर (निर्दाक्त) प्रजीत रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० प्राई०ए०सी०/एक्प्०/1/एस-प्रार०-3/10-84/ 556—श्रतः मुक्षे, प्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि, तादादी-7 विधे ग्रार, है तथा 10 विश्वे है, तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावक ग्रन्भूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षित्यम, 1908(1908 का 16) के ग्रमीन तारीख ग्रन्ट्वर 1984।

को पर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे वह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पृथ्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिकार से बिधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और भन्तरिते। (बन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ववा प्रतिकल, जिम्नीमोचत स्वृद्धेस से उच्छ क्ष्मरण् निविच्छ वे वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है है---

- (क) करतरण से हुई किसी बाज की बाजर स्वयः इपिनियम जै अधीप कर दोने के जनस्तुक जै वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिस्हें भारतीय नाय-कर प्रभिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, का धन-कर विधिनियम, का धन-कर विधिनियम, का धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

बत: बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण वि, जी उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की स्वधारा (1) वे करीय जिल्ला विकास विकास अर्थात् :- -11--136GI/85 (1) श्री घेडी, जय लाग और प्यारे लाल सुपुत्र श्री गेरा, निवासी-ग्राम विजवासन, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

 (2) मेसर्स दिल्ली टावर्स एन्ड ६स्टेट (प्रा०) लि०,
 115, धन्सल भवन,
 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थवा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहिया गृक करता हूं।

उक्त बम्मिति के मर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की संबंधिया तत्तम्बन्धी त्यां लिलातों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अदिध, जो औ नव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीगर प्वरित्त लदिक्सों में से फिसी स्वस्ति द्वारा;
- (क) इस अभा के समयन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतार समय स्थानर सम्पत्ति में तित्वस्थ किया कर्महरूताकारी के पात सिमिश्य में किया जा एकीयो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि, तादावी-7 निधे और 10 विश्वे, रेक्टेगल नं०-77, कीला नं०-11(3-18), 12(1-16), 19(1-16), भाम विजयासन, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्णन रेंज∼1, नई दिल्ली

सारीख: 13-6-1985

भोहर:

## प्रकप आइं.डी.एन.एस.------

# बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन मृषना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली दिनांक 13 जून, 1985 🕟

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/10-84/ 557—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-क. से अधिक है

और जिसकी संव प्लाट नंव-227, ब्लाक 'एम', है तथा जो ग्रेटर कैलाम-2, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूकी में ऑर पूर्ण रूप से बाणत है), रजिस्ट्रीकक्ता ग्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राध- के नियम, 1908(1908 का 16) के ग्राधीन तारीख ग्रवतूबर, 1984

क्षे प्रिक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान मिलकल के लिए अन्सरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिकल से, एसे श्रयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती शिर्वियों) के तीच एसे अंतरण के लिए तय पाशा गया प्रतिकल, निम्निलिवत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; करि/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भवः, उसत अधिनियम कौ भारा 269-ग क् अनुसरण में, में, एकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निभ्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थातः :---  (1) विग कमान्डर एस० एस० ज्ञानी, सी-295, डिपोंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक )

(2) श्रीमती सविता सरीन, मास्टर श्रमित सरीन, श्री श्रांनल सरीन, श्री सन्दिप सरीन, निवासी --एम-22, ग्रेटर कैलाश-11,

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्कूना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्कूना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिक में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथिनियम, के ज्ञा्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना जी उस अध्यायों में दिया गया ही।

## वन्स्यी

प्लाट नं०-227, ब्लाक नं०-'एम' ग्रेटर केलाश-IJ, नई दिल्ली, तम्दाधी---400 वर्ग गज ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधि ारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 13-6-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं.दी.एन.एड.-----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

सारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 जून 1985

निदेश संब्ह्याई॰ए०सी॰/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-84/ 558—म्बतः मुझे, आर॰ पी॰ राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गर्मात् 'उक्त भौभिनियम' कहा गया है), की भारों 269- न के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-315, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिस्ती, में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रियकारी के कार्यात्य नई दिस्ती, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त संपरित के उच्चित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दें हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हे एसे दश्यमान प्रतिफल के पृत्तह रितक्त से बिधक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्यंवय से उक्त अन्तरण निम्निसित उद्यंवय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी कारने या उससे बचवे में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए।

नतः भन्न, उसत विभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, सबत विभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सभीत, निस्तिविक्त व्यक्तित्यों, अवृति :--

- (1) श्रीमती राजकुषारी भाटिया

  हर्भपत्नी श्री बी० श्रार० भाटिया,
  श्री एन० के० भाटिया, पी० के० भाटिया, श्रीनल
  भाटिया, और

  सुनील भाटिया,

  श्राल सुपुल श्री बी० श्रार० भाटिया,
  निवासी उब्लू-41,
  ग्रेटर कैलाश भाग-2,
  नई दिल्ली हारा

  श्रदोरनी श्रीमती राज कुमारी भाटिया।
  (श्रन्तरक)
- (2) असर्स दिवसा होल्डिग-ा (प्रा०) गि०, 1-डी, सागर, एपार्टमेन्टस, 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती

की यह शुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ता सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी जाकांप :--- "

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख हैं 45 दिन की अपि। का तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्थान की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी जनित जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थानिक राजपन में प्रकाशन का तारीक थं 45 दिस के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में हितबक्ध किसी कन्य न्यक्ति द्वारा नभोहन्ताक्षरी के पास निवित में किए वा तकी।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, को उक्त विभिनयम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित इ. बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया नया है।

## नन्स्वी

प्रो० नं०-ई-315, ग्रेटर कैलास-1, नई दिल्ली, वासवी। 249 वर्ग गजा।

> धार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-1, नर्ष दिल्ली

तारींख: 11-6-1985

माहर 😗

# प्रकार बाह्य, ठाँ, दन , एत .-----

भाषकर व्यथितिक्वनं, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-ण (1) के जभीत स्थाना

#### STATE STATES

लागांकम, सहामक कामकर मानुन्स (निद्वीक्षण)

भर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुन 1985

निदेश सं० प्राई०ए०सी०/एस्यू०-1/एस-भार-3/10-84/ 559--- ग्रतः, मुझे, श्रार० पी० राजेश

साम्कर विधिवयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें सामके परचात् 'उक्त सिधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 25% के सभीन बक्षम शिकादों को, यह विश्वत करने का साहण हैं कि स्थानर तम्बित, जिसका शिक्त का निवस मागर नृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जो नं सी 28, कैलाश एपार्टमेंन्ट है तथा जो लाला लाजपत राय मार्ग 4, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता शिक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षिन्यम, 1908(1908 सा 16) के श्रिष्टीन तारीक श्रक्तुवर 1984

को पूर्वित्त बंग्नीस्य के बीकत बाजार नृत्य से काज के इस्थापन इक्षिक के किए जन्तिरह की नई है और नृत्ते वह विश्वाद इस्ले का कारण है कि वथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार यूस्ल, उसके क्षेत्रकाल अतिनक से, पूर्व इस्त्यान प्रतिकत का पंडह प्रतिवाद के अधिक ही और संतरक (बंदरका) और अंतरिती (बंदरितियों) के बीक ऐसे अंदरण के किए तम पाया गया प्रति-कार, निकाशिकत उद्देश्य से अस्त कन्त्रपूर्ण जिक्कि में बास्त्रिक इन में कृष्यित गहीं किया गया हैंड—

- (क) बन्तहरूप से हुए भिन्नी बाव की बावह, प्रयक्ष विभिन्नित के अभीत कुद्र को के क्लाहरू के क्ष्रीतस्य में कभी ब्रह्मने या उससे ब्रह्मने में बुश्चिमा के स्थिए; अस्ट/वा
- (क) एखी कियो नाम वा कियों भन वा बन्द नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उसत निधिनयम, न्या भन्-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा अकट नहीं विका ग्या था वा किया जान जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन किनासिका व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक (1) श्रीमती णिल, हरिडणन सिंह, नित्रःसीं-सी-सी-28, लाला लाजपत राय मार्ग, नई दिल्ली।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती हन्दु भगवाल और मास्टर मानु सग्रवाल (माइनर) निवासी-डी-ड, कालीनन्दी कुलोनी, नष्टे दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त संपरित के अर्बन के सिए भार्यवाहिया करता हुए।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतद्व पूर्वों का व्यक्तिस्थी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना वरे राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्रवास अधिहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकता।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो कृत्यू अधिनियम के अध्याद 20-क के प्रित्भीविद्य हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गमा है।

## वन्स्की

3. बैंड रूम, प्लाट म्हे-मी-28, मस्टी स्टोरी बिन्डिंग, फैलाश एपार्टमेन्ट, लाला लाजपत राय मार्ग, नई दिल्ली, सोदादी-1600 वर्ग फिट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दि.ली

तारीक: 11-6-1985

मोहर إ

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिन'क 11 जून 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एच्यू०/I/एस-आर-13/0-8 4/ 560-- अतः मुक्ते, आर० पी० राजेश,

आयेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित शाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० य्िट 'सी' प्रो० नं० ई 61 है तथा जो ग्रेटर केलाश-2, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपागढ़ अन्भूषी में पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालग, नई दिल्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रीक्रण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रकीन तारीक अन्तूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिफल से अस्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिफात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ज्या जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (क) के अधीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् हु--

(1) विश्वा मिल आनरे द सुपुट्ट मेह्र चन्द आनन्द, निवासी-सी-128, ईस्ट आफ बेलाण, नई दिह्ही।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० विजय के० लिगल सुपुत्र गोवर्धन दास भिगल, निवासी- 157, बारीन एक यू बोस्टन मास, गू-एस-ए, हारा भटोरनी डा० विजय के० निगल, निवासी-ई-61, ग्रेटंग कैलाग-2.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्वी

यूनिट 'सी' प्रो॰ नं॰-ई-61, ग्रेटर कैलाश-2, नई किस्सी।

भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरं आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I नई दिस्ली

का**रीख:** 11-6-1985

मोहर:

प्ररूप वार्ड .टी .एन . एस . -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सहकार

कार्याचन, सहानक जानकर बागुन्छ (निर्देश्यन)

धर्जन रेंज-.I नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० 'आई०ए०सी०/एक्यू०/I/एत यार 3/10/84/ 561—अतः मुझे, स्रार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव सृष्टि नंव बी' ई-61 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसुसे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिल्ट्रीकर्ती अधिकारीं के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिस्ट्री एण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकारें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बायत, उपत विभिन्नस के वभीन कर दोने के बन्तरक के दायित में क्यी करने वा उसने बचने में बुविया के बिएत कर/वा
- (भ) एसी किसी जाय मा किसी भन या जन्य आस्तियाँ की चिन्हें भारतीय अन्यकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या धन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिए।

कतः अब उसते कियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, में, उसते की की भारा 269-में की उपभारा (1) से अभीन की निम्नियां जनति के  (1) बिण्वा मिल भ्रानन्द सुपुत श्री थेहर चन्द भ्रानन्द, निवासी--सी-128, हैस्ट ग्राफ कैलाश, नहीं दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्ज एन० पी० बेसिन डर्ग फार्मेसीक्तल, प्लाट नं० ए-322, रोड नं० 21, बागलें इण्डस्ट्रीयल ध्रिटेट, 1003, रोहीणा सेन्टर, निरमान भवन प्वाइन्ट, बोम्बे।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुने

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रकृति सिवित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उबक अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया एका हैं।

#### मनवर्षी

यूनिट नं० 'बी' प्रो० नं० ई-61, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली, तादाबी-245 वर्ग गज।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I नई दिल्ली

तारीख 13-6-1985 मोहरू अ

## प्रकर नार्द. टी., एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत् वरकाय

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस्प्रार-3/10-84/562—प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्स जिधिनियम' कहां गवा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्री नं नं नं श्राई-10 है तथा जो जंगपुरा 'ए' 2. 1/2, स्टारी जी बी जी जी जंगपुरा 'ए' 2. 1/2, स्टारी जी बी जी जी जो कि पी ज़िल्ही, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अक्तूबर 1984,

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रीकृत के निता कर्नाट भी कि है को बाके गढ़ विवश्यमा करेंने का कारण है कि यथापड़ोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशास अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) अपैर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उददेश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तविक रूप में अधित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हाई किसी अत्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उक्तसे वचने से सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य त्रास्तियों को जिल्हों भारतीय आय-का अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियस, या अन-कार अधिनियस 1957 (1957 वा 27) के पर्योजनार्थ जन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मंबिशा के सिए।

अंत: क्या, अवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्मिलिसित व्यक्तिस्में, अर्थात :--- (1) श्रीमती पदमा देवी पत्नी श्री पी० सी० बन्ना, निवासी — जी-15, साउथ एक्सटेंशन भाग-1, नई दिल्ली।

(घन्तरक)

(2) डा॰ जय प्रकाश गुप्ता सुपुत्र स्व॰ श्री छोटन लाल गुप्ता, निवासी-ए-1, मथुरा रोड, जंगपुरा, नई विल्ली। (धन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पित्राधित है, वहीं अर्थ होगी, को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसू चौं

प्रो०न० श्राई-10 जंगपुरा 'ए' 2.1/2, स्टोरी जी० बी० पी०, नई विल्ली ।

> भार०पी० राजेशे, सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज—I नहीं दिल्ली

दिनांक : 13 \ 6 - 1985

मांहर:

# प्रकृष आहें. टी. एत. एस् ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण)

नई विल्ली, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-मार-3/10-84/563--म्प्रत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वाम करने का कारण है कि स्थाप्तर मंजतिन जिसका उधित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी प्लाट सं० एस-174 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रम्तुबर 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्च हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य जमक दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियल्य में कमी करने या उद्यसे मचने में सुविधा के लिए, औड़/या
- (क) एसी किसी आय का किसी अन वा अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारताय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या अन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत निम्निजिधिक व्यक्तियों, तर्धात र— (1) श्री ग्रोम प्रकाश गुलाटी सुपुर श्री निहाल चन्द गुलाटी निवासी—अब्ह्यू - 79ए, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० डी॰ एस॰ बिल्डर्स द्वारा पार्टनर एस० धरम सिंह निवासी—-ए-2/140, सफदरजंग इन्क्लेब, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तर्रि)

की यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन का सिए कार्यवाहिया करता हो।

सकत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ठामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपोत्त में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रा है।

# वन्स्ची

प्लाट सं० एस-174, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-4, तावादी-300 वर्ग गज ।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज—I दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 11-6-1985

मोहर:

# प्ररूप बाइ . टी. एन : ऐस .======

नायकार विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

## भारत सरकार

कार्धालय , सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)  $\pi$  प्रजेन रेज-1: नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० ब्राई० एक्ट्र् सी०/एक्यू०/1/एस०-ब्रार०-3/ 10-84/564--ब्रतः मुझे, ब्रार० पी० राजेश,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परकात उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं विल्डिंग सं एस-431 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली, में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक स्रक्तूबर 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बार्जार मूल्य सं कम के रायमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुझे बह विक्वास करने का कारण है कि वैधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार उसके उसको उसकोन प्रतिफल सं, एसे उसकान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिप्रत से विभक है बौर बंतरक (बंतरका) बौर बंतरित (कन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतर्ण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योक्य से उक्त अंतर्ण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी काय की ताबत, उच्छ बिधीनयम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वाणित्य में कभी करने या उससे बचने में द्विधा के के निए; बीट/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त अधिनियम, या धने- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अलिरिती द्वारा प्रकट नहीं कियो गया धा टारिंग ए जाना चाहिए था, लिखाने में सुविधा के निए;

- (1) एस०/श्री गुरविन्द्र सिंह खुराना श्री देविन्द्र सिंह खुराना , खुराना , निवासी——ई-21, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री इन्नाहिम ग्रहमद ग्रली एलकाजी, निवासी—43, कैलाश एपार्टमेंट ईस्ट श्राफ विंग कैलाश कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी कार्क्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बहुद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

#### at vid

पहली मंजिल, बारसती पलोर श्रौर बेसमेंट पलोर बिल्डिंग सं० एस-431, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, 60% भाग, लाट श्राफ कृषि तादादी-294 वर्ग गज (244,02) वर्ग मीटर।

ग्रार० भी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेज-I, दिल्ली-नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-6-1985

मोहर :

## प्ररूप बाई . दी . एन . एस . ------

थस्यकर अधितियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

್ರಾಟ್ಟ್ ಆರ್. ಆರ್. ಟಿ. ಬಿಟ್ ಫ್ರಾಟಿಕ್ಫ್ ಆರ್. ಎಡ್ ಆರ್.

#### भारत सरकार

कार्यकर, -सहाधक जायकर आवैत्रंस (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई पिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० श्राई० ए० यो० /एक्यू०/I/एस०-आर-3/ 10-84/565---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स कं राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० कृष्णि भूमि, तादादी--30 विधे और ,7 विश्वे, है तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबह ग्रन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिथिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिथिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिथिकार, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1984,

को पूर्विक्त तम्पतित के उचित बाधार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफले के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निमालिखित उद्वेषेये से उक्त अन्तरण किखित में बास्तियक रूप से कांश्रित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की, बाबत, उचल अधिनियत को अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को भिन्हें भारतीय आयकर अधिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनिजम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना धाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए;

अत: अव, उक्त जेबिनियम की धारा ∰69-ग के अन्सरण में, मं, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीर, पिक्तिकिक व्यक्तियों, अधित ;—— (1) श्रो रामचन्दर मुपुत्र श्री मीर सिंह, ग्राम—बिजवाधन, नई दिल्ली ।

∜(अन्तरक)

(2) मैं र सी र लायल एण्ड कम्पनी (कन्स्ट्रक्शन) (प्रार्व) लिय, 115, श्रन्सल भवन, 16, कम्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यपाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यन मूँ प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यवितर्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इतस्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरों के पांच लिखित में किए जा स्कारी?

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उसत अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, कही जर्भ होगा को उस अध्याय में किया नवा है क

## अनुसूची

1/3 भाग, कृषि भूमि, तादावी-30 बिधे और 7 विश्वे, रेक्टेगल सं०-77, कीला सं० 3(4-16), 4(4-16), 8(4-16), 13(4-16), 12\$(3-0), 14\$(1-84') 18/19, नार्थ (1-8), 7(4-16) ग्राम विजयासन न**ई** दिल्ली ।

स्राप्तः गीव नाजेप गलमः आधिजारी सहायकः स्रायकर स्रायुक्तः (विरोक्षणः) स्रजैन रेज-[ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : . 13-6-**8**5

मोहर :

# प्रक्ष्य आर्च ी एन पुरा -----

बायकर अ<sup>9</sup>धानगय, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ण (1) की ज़कीन सुखना

#### शाहत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेज-1, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जुन 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10-84/566-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

अव्यक्त अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (कित इसमें इसके गर्थात् 'उन्हा अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-छ के अधीन संक्रम प्राथिकारी को यह विश्वास नारने का जारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका अचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि, तादावी—30 विषे है तथा जो 7 विण्वे, ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक अञ्चली में पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक अक्तूबर—84,

को पूर्विक्त सम्यक्ति के उचित वाजार मूल्य ते कम के स्वयमान किन्छ को लिए क्लारिसी की पर्य और मुक्ते यह विवनास क्लार्य का कारण है कि यथामूनॉक्स सम्परित का उचित बाजार मूच्य, े असके दरमनान प्रतिपन्न ते, हैसे स्वयमान प्रतिपन्न का पन्त्रह प्रविश्व से जिल्हा है बीर अन्तरक (कन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के निष्य ऐसे सन्तर्य के लिए तम पाम परा गिराप्य विश्वविक्त अन्वरम्य से जन्म अन्तरम्य विविद्य विश्वविक्त स्वयम्बद्य से जन्म अन्तरम्य विविद्य विविद्य में जन्म अन्तरम्य सित्यम्य के लिए सम्वरम्य स्वयम्य स्वयम स्वयम्य स्वयम स्वयम स्वयम्य स्वयम स्वयम

- (क) बन्धरथ से हुई सिक्षी गांव की बावत, अन्त अधिविक्य में वर्षीन कर दोने के सम्बद्ध के खीक्त में क्षती करने वा चवर्ष कमने में सुविक्या क तिस्ह; और/मा
- (थ) एंनी किसी भाग या किसी धन या अन्य नारिस्तनों की, जिन्हों भारतीय आयकर अिनिस्स, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रजाय-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बद्ध: क्या, स्थव तिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में सम्बद्ध मीभिनम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के नभीन, निवनिभक्तिक न्यानियों, सर्थात् क्र- (1) श्री माटू राम सुपुत्र श्री मीर सिंह निवासी—श्राम बिजवासन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) में सी लायल एण्ड कम्पती (कन्स्ट्रेक्शन) (प्रा०) लिं , 115, प्रन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को बहु क्षूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के प्रश्रीन के क्रिक्ष कार्यवाहिक्षां करता

## उक्त सम्मास्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आकोष :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींस से 45 बिन की सर्वाध या तरसम्बन्धी व्यक्तिमाँ पह सूचना की तानींस से 30 बिन की सर्वाध, यो की समीध नाव में जनाया होती हो, के नीतर प्रविक्त स्थानिक स्थित को में किमी कार्यित स्थान
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्तकप्थ किसी बन्य व्यक्तित द्यारा अवाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्मण्डिकरण :---इसमें प्रयुक्त वाक्दों और पक्षों का, वां छवव अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधावित हैं, नहीं अर्थ होगा, वो उत्त अध्याय में दिया गया हैं।

### श्र**नुस्यो**

1/3 भाग, कृषि, भूमि, तादादी-30 बिघे और 7 बिघवे, रेकोंगल सं० 77, कीला सं० 3(4-16), 4(4-16), 7(4-16), 8(4-16) 13(4-16), 14\$(1-04) 18/-19 नार्थ (1-0) ग्रार०-177 (1-03), 12\$(3-0), ग्राम-बिजवासन, नई-दिल्ली ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-6-1985

बोहर ध

# प्रकर्म वाष्**्रदी .एन . एव** . ----५०--<sup>५</sup>०००

नायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

#### प्राकृत सरकार

कार्यांनर, अहायक बायकर शायक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

निवेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/<sup>[]</sup>/एस श्रार-3/10-84/567--श्रतः मुझे, श्रार० पीं० राजेश,

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावार सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि 'भूमि, तादादी-30 बिघे, 7 बिष्वं, हैं तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबक ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्तूबर 1984 ।

का पृथाक्त सम्पत्ति के उचित माचार मृत्य से कन क दर्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूना निस्त संगीति का उचित बाबार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिकास के, एसे ज्यमन प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच इसे अन्तरण के सिए तय पाया नवा प्रति- फल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में ब्रास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावक, उक्क अर्ट्डिशीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरण की दायरक में कमी अपने दा उद्धते वचने में सुविधा के सिद्ध बाँडि/मा
- (क्षे) एंसी जिस्सी आम मा किसी भन वा सम्य जास्तिवीं को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजवार्ण अन्द्राहेरती क्षारा प्रकट नहीं दिस्स मंत्रा था वा किसा क्षेत्रा चारिए वा, जिनाने में स्विचा के लिए;

भाकः शब, उन्त विचित्रम्य की भारा 269-म की वस्तरक में, में, अन्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत निम्मितिक व्यक्तिकों अभिक्षा

- (1) श्री बलवान सिंह (माइनर) द्वारा माता श्रीमती चन्द कौर एन०/जी० डब्ल्यू०-डी/ओ० स्त्र० श्री भीर सिंह, निवासी ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली ।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) मैं अति लायल एण्ड कम्पनी (कन्स्ट्रेक्शन) प्रा० लिं , 115, प्रान्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तदिती)

भी बहु श्वान वारी करके पृथा कर सम्मृत्ति के नर्जन के मिछ कार्यगाहियां करवा हूं।

## पनव बन्धृतित के बर्बन् के सम्बन्ध में स्वोर्ड भी बाबोद्ध--

- (क) इस सुवान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की ताँगीन से 30 दिन की वन्धि, जो भी वनिष नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित व्यक्ति :
- (क) इन्त् स्वना कें राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मातर उनत स्थानुर सम्परित में हितबहुध किसी अभ्य अपनित द्वारा मुभोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए का ककोंगे।

स्वाधिकरणः -- इतने प्रयुक्त सम्बंधि विषे पर्यो का, की स्वाधिकरणः -- इतने प्रयुक्त सम्बंधिकरणः -- इतने प्रयोगिकर्षे के सुध्याय 20-क में प्रयोगिकर्षे हैं, यही सभी होगा को उस कथ्याम में दिन्हे गया है।

## भन्सूची

1/3 भाग, कृषि भूमि, तादादी 30 बिने और 7 बिग्वे, रेक्टेंगल नं 9, 77, कीला नं 9, 9, 9, 9, 9, 12\$ (4-16), <math>9, 14 (4-16), 13, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14, 14,

ग्रार० भी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 13-6-1 8

भोद्धर 😃

प्रस्क बार्ड टी. एन. एस . ----

बायकरे अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) व बधीन युवन:

पर्वत व्यवस्थ

कार्वालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985
निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस ग्रार-3/
10-84/569—ग्रतः मुझे, ग्रार० थी० राजेश,
शायकर अर्थधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269 स की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मृज्य
1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं ए-568 है तथा जो वार्ज 50/50, स्थित कालकाजी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्रथमान प्रतिकत के प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती क्रिकारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया। गया प्रतिफिले, निम्हितिहित उद्देश्य से उच्च कन्तरण निम्नित में शास्तीविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वें दानिस्य में कवी करने या उद्युखे व्यने में कृषिधा खे जिए; बीर/बा
- (स) ऐसी किसी नाम या किसी धन या नन्य नास्त्रामं को जिन्हों भारतीय नामकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में निवश के विका

कतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमें की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री देश राज सुपुत श्री दुला राम, निवासी ए-568, कालकाजी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरवंश बहादुर माथुर सुपुत श्री जगदीश बहादुर माथुर, निवासी एच-16/1, मालविया नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :+

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषना की तानीन से 30 दिन की जनिश, जो भी नविष्य नाद में सजाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीचत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतरा;
- (त) इत दुवना के रायुष्य के प्रमान्य की बाहीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुष किसी सन्य कानित दुवारा, अधोइस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकी है।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्के अधि-नियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, बहीं वर्ष होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जन्**स्ची

प्रो० नं ए-568, तादादी 255 वर्ग फिट, चार्ज 50/, 50 टु ग्राउण्ड फ्लोर एण्ड फस्ट फ्लोर, स्थित कालकाजी, नई दिल्ली।

ग्रार० पीँ० राजेश सक्षम् प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज-I नई दिल्ली

दिनांक : 13-6-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

मायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ३६९-घ (१) पं अधीन स्टना

#### भारत बरकाइ

भीयतियः सहायकः प्रायकर प्रत्युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

'नई दिल्ली, दिनांक' 13 जून 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार-3/I 10-84/\$70ए-- स्रतः मुझे, ' स्रार० पी० राजेश, बायकर मौबीनयस, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें इसके परंपात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स सौ नधीन सक्षम प्रामिकारी की यह विकवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति . भेजसबा दिनत बाजार मृत्य 1,00,000/- स. से अधिक ही

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदीयपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक ग्रन्सची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार गुल्य सं कम के इस्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विस्थास करने का बारण है कि अथापुर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार्त से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अंतिस्की (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्मलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में मास्तर्भिक स्प से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तर्थ से हुई किसी जान की बाबत, उक्ट किंचिनवम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने वें सृतिभा के निए; बीर/या
- (स) एेसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 ः, 922 व्या 11) शं उत्तर अर्गियनियमः या धन-मुद्र अधिनियम । १५६७ । १५६७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

वत: बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० के० जैन सुपूत श्री फतेंह चन्द जैन और श्री डी॰ ग्रार्ड ग्रन्ता सुपुत श्री बलवन्त राय, निवासी-एन-155, पंचशीला, पार्क, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुकेश ग्रग्रवाल सुपुत्र श्री रमेश चन्द ग्रग्रवाल, निवासी-1-सी, लखनऊ रोड, माल रोड, दिल्ली ।

(स्रन्तरिती)

की यह मुखना आयो करका न्योत नक्षीत । एकी व कार्यवाहियां करतः हः

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह स्चना की तामील से 30 दिन की नवीध, जो भी वाविष बाद भा समान्त होती हो। के भीतर प्वें कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कृषि भूमि तादादी-14 बिधु और 8 बिश्वे, खसरा नं 436(4-16), 452(4-16) 451(4-16), फार्म हाउस ट्यूबल, बाउण्ड्री दिवार और बाहरी फिटिंग, रेगम गदायपूर० तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> ग्रार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊢I नई दिल्ली

दिनांक : 13-6-1985 मोहर 💈

## प्रकल बाई .टी.एनं एस .---

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

### भारत तुरकाडु

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

• प्रजंत ज**र**—I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंजाद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-। एती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिल में अस्तिक कर कर साथा करा का स्था है

ुँक असरम्ब सं क्ष्म कि सिक्की आम की साबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अंतरक के अधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(क) एंसी किसी आम या किसी धन या अन्य वास्तिशः कर्ने, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था मा किया जाना वाजिए था जिन्माने प्रयोजना के सिए;

अतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निकासिकत काक्तियों, कर्का के

(1) श्री ए० सुन्दरम \, निवासी—ई-5, एन०-डी०-ए स०-ई, भाग-।, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं । साउथ दिल्ली पोलिय क्लीनिक, हारा श्री राज जसरा पार्दनर, एच-1,एन०-डी०-एस-ई, भाग--, (पहली मंजिल)) नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती) '

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरका:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

प्रो० नं० एच-1, एन०-डी०-एस०-ई, भोग-1, (पहली मंजिल) नई दिल्ली, तादादी 199.3 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 10-6-1985

महिर 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एव. एस.-----

बायकर् विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ए (1) के अधीन प्रचला

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं अाई० ए० सी ि एक्य / / एस अार ० / 3 / 10-84 / 57 अप -- अतः मुझे, आर ० पी० राजेश,

बायकर भी भी नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् (उक्त वीधीनयमा कहा गया है), की धारा 269-क में अभीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि वार है।

1,00,000/- रा. से मीधक ही

ग्रीर जिस्की सं० सी-2/7, है तथा जो .झगन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्री इससे उपाबद्ध सन् स्ची के पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्हीकर्ता ग्रीध कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्हीकर्षण ग्रीध नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मुक्तूबर 1984,

कां पूर्वो क्या तर के उचित बाबार मृण्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड और मूझे यह हिंददवास

करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से विधक है बीर वंतरक (वंतरकों) की वंतरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे कन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल के विषय प्रश्न के विध्य करें व्यक्ति के विध्य के विध्य करें विश्वत के वास्तिव

(भ) जनसरण से हुए जिसी जाव की बावत, अक्स अधिनियम के अधिन कर योगे के अन्तरक के रेगियत में क्यों करेर प्रश्लिक बनने के मांबिक के लिए; बीर/याः

एस किसा अथ या जन्म ति या जन्म आस्तरा की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्ता अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवालनार्थ अन्तर्भ रेती इवाल बकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था खिणाने भें स्विधा के लिए:

ं बत: बिंब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी अक्ट अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन ं निम्नलिंकित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमतो विदा सैन, निवासी—11, लेक एवेन्यू, कलकत्ता—700026। (श्रन्तरक)
- (2) श्रां त्य स्व मिह भाय मे श्रीमती प्रकाश सिंह, श्री जयदेव सिंह, और मास्टर करनसिंह, निवासी—4/1, मयूरभज रोड, कलकत्ता।

. (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए । भार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सन्दत्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की भीतर उन्नष्ट ग्थानर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गान्स जिन्हा में किए का करूँगे।

हाँकारण:--इसमी प्रमुक्त शब्दी और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याम 20 क मी परिभाषित हों. असी अधि होगा, को तम अध्याम में विका गया ही ।

#### SHEET ST

रेसीडेंन्टल हाउन, तादादी-400 वर्ग गज, (334.45) वर्ग मोटर, प्री. मं-2/7, वान्त विहार, नई दिल्ली ।

स्रार०-पी० राजेश ाक्षम प्राधि कारी तहायक स्रायक्तर साम्युवन (निरक्षण). स्रजीन रेज-1, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

दिनांक 13 ^-85 महिर :

## 

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985 ° ^ निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस—भ्रार—3/ 10—84/574——श्रनः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार भृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं कृषि भृमि, तादादी—25 विघे श्रीर 13 विश्वे, स्थित ग्राम—विजवासन नहसील मेहरीलो, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण किय से विजित है), रिअस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रवत्वेर 1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास इसने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्व्यक्त, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पश्र प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरक के बिए तम पाना गया प्रतिक का निम्बितियों ए द्रविस्य से उच्च अन्तरम् बिचित में बाक्यिक के साम्बित कर से किश्त नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपल अधिनियम के अभीय कर दोने के बुन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे क्षणे में धृतिथा के लिए; और/या
- (का) एकी किसी बाब वा किसी पन वा कन्य वास्तियों को जिन्ही भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा स्वयक् स्थिनियम, 1922 भनकार वीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुनिया के निय;

ज्तः जव, उक्त जिथिनियम की थाए। 269 में क बन्सरण में, में . उस्त अभिनियम की भारा 269 में की उपभारा (1) . में प्रभी . निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 13—136 GI/85

- (1) श्रो मोर निह्, श्रो नारायन सिह मुपुत्र श्रो जय लाल, निवासी—-ग्राम-विजवासन, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो माटुराम, रामचन्दर ग्रौर श्री बलवान सुपुत्र श्री मोरितह निवासी ग्राम विजवासन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

# को सह सुम्बा बारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षक के खिल कार्यवाहियां करता हूं।

## सकत कम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वायः
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा विक्रित में किए जा सकती।

स्था करणः इसमें प्रयुक्त कानों नीर पद्यों का, जो उस्त विभिन्यम, के वश्याय 20 क में परिभावित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास गया है।

## मन्त्रची

कृषि भूमि, तादादी—25 बिने श्रीर 13 बिन्ने, एम० सं० 69, कीला सं० 23 (4–5) एम० सं० 92, कीला सं०—3 (5–8), 8(2-16) 12(4-8), 9(4-16), 2 मीन (2-16), 27(0-4), 11(1-0), श्राम—बिजवासन, तहसील—मेहरौली, नई दिल्ली ।

श्रार० पी० राजे श सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-6-1985

मोहर 🛭

प्रकृप बार्द. टी एन ुएक : -----

आसकार व्योधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यासनः तहासंस नायकार मानुक्ता (निराक्तिन)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार-3/ 10-84/576--ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है।, की भारा 263 स के अधीन सक्ते प्राधिकारी को यह पिश्वास करने का करण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 642, ब्लाक 'डी' ई-पी-डी-पी-कालोनी, नई विल्ली, नाऊ नान डी-642, चितरन्जन पार्क, नई विल्ली में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के, कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के, कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के, कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक अक्तूबर 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथाप्या कत संपत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि यथाप्या कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक रहथमान प्रतिफल में एये बेश्मनान प्रतिफल में एये बेश्मनान प्रतिफल में पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक रहथमान प्रतिफल में एये बेश्मनान प्रतिफल में पत्ति अन्तरित से बिधक है और बन्तरक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे कन्तरण के लिए तथ अन्तरित में बास्तरिवक्ष रूप में किया गया है :--

- (क) नंतरण से हुई किसी जाय की वानता, उक्त अधिनियम के वधीत कर दोने के जन्तरक खै वायित्व में कमी कररे वा उससे अचने में सृविधा के निए: बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी भन या बन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय वावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्रिया के सिए;

कतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बन्धरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन जिस्तिविकत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री विमल कुमार सेन सुपुत्त स्व०श्री एस० सी० सेन, सी०/श्रो० श्री रंतन दास, निवासी—-1780, चितरन्जन पार्क, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुदेश भजुंगदार पत्नी श्री ग्रमल कुमार भजुंमदार, निवासी—के-2038, चितरन्जन पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

## सकत संक्रीत के बर्चन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वता के रावपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या सस्तेवधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन कि अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेथ हिनबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिचित में किए जा सकने।

स्पक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्स्**ची

ेप्रो० प्लाट सं०-642, ब्लाफ 'डी' ई-पी० डी० पी०, कालोनी, तादावी-160 वर्ग गज, नई दिल्ली, श्रीर नाउ द प्रो० इज नाम, डी-642, चितरन्जन पार्क, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोक :: 11-6-85

मोहर :

प्रकथ नार्<u>षं दी एन एस ----</u>----

बाथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निद्धीक्षक)

म्रर्जन रेंज~,ा नई बिल्ली नई बिल्ली, दिनांक 11 जन 1985

निदेश सं० श्राई० ए० ॅंसी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार-3/ 10-84/577--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्रो०सं० एस-439 हैं तथा जो ग्रेटर कैलाश नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में पूर्ण-रूप से बॉणत है), रंजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई बिल्ली में भारतीय रंजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तुबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से एसे दृष्यमान प्रतिकल का चन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्त्रका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित विद्या गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त जिम्मीसयम के जभीन कर दोने के अंतरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुर्दिवश के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्त आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में समिधा के सिए;

नदः मृत्र, उन्त विभिनियम कौ भारा 269-च के बनुसरण में, तै, उन्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) में सभीन, ट्रैनम्निनिचत व्यक्तियाँ, अर्थात् ध— (1) श्रीमती स्वरूप कौर पत्नी श्री हरबंग सिंह बक्गी, निवासी---131, पालिका बाजार, नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मे॰ डैनी डायरी श्रौर फुड इंजीनियर्स (श्रा०) लि॰, देहरादून रोड, सहारतपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की व्यधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५ सूचना की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य विक्त द्वारा अधोइस्स्याक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया औं गया है।

- अ**नुसूची** 

पहली मंजिल, प्रो० सं० एस-439, ग्रैटर कैलाण- , नई - दिल्ली, तादादी-231 वर्ग फिट ।

> श्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-6-1985

मोडर 🖫

प्रक्ष बाह<sup>‡</sup>् टी ् एन ् एस - -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यातय, तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज- , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

् निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार-3/ 10-84/584---श्रतः मुझें∎ श्रार० पी० राजेश,

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परभात् 'उन्त निभागम' कहा गया है), की भारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उत्तित वाजार ज्ञा 1,00,000/- रहा से निभक्त है

भीर जिसकी यूनिट सं जंबी प्रो० सं कई -24 है तथा जो ग्रेटर कैलाश -2, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमु सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक ग्रक्तूबर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्बत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरम् इं हुई किसी बाक की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्दरक के वायित्व में कमी क्रने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (य) ऐसे किसी बाद का किसी भने या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आर्थेकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया में सियधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती श्रनुराधा श्रग्नवाल डी०/ग्रो० श्री एस० पी० श्रग्नवाल , ई-482, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० एम० भसीन सुपुत्र स्व० श्री एच० श्रार० भसीन श्रीर पवन भसीन (माईनर) नुपुत श्री एस० एम० भसीन , निवासी---वा-4/36 सफदरजंग, इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(श्रन्तिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांड भी वाक्षंप :---

- (क) इस स्वर्ना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिने की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की शामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी दे पाय सिवित में किये जा सकरी।

स्पटिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनरे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्लिष्ठ हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस् 📢

यूनिट सं० बी, पहली मंजिल, तादादी, 1600 वर्ग फिट, प्रो० न० ई-24, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

श्चार० पी० राजेश $^{\prime}$ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज $_{-}I$ , दिल्ली, नई दिल्ली $_{-}110002$ 

दिनांक : 13-6-1985

मोहर 🛚

## प्रका बाइ ुटी ुएन ुएस ु-----

# नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से नभीन स्मना

#### भारत सरुकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रैंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-ग्रार-3/10-84/587ए---भ्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूख्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं.

श्रीर जिसकी सं श्री । सं श्री । 0 है तथा जो बसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है (श्री र इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्री में, दिनांक श्रवतूबर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का प्रदेह प्रतिकृत से अधिक हैं और जंतरिक (जंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देह्द से उद्भुत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कंथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बुस्तरण से हुंदू किसी बाय कर्त वाबता, उक्त विधितियम के वधीन कर देने भी कन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उक्त वचन में सुनिया से किए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय 'आय-कर अधिनियंस. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंस. या धन-कर अधिनियंस, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ अन्तिरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वे अधीयः, जिल्हीजीयन व्यक्तियों, वधारि ६—-

- (1) श्री एम० पी० सेन वर्मा मुपुत्र स्व० श्री ए० एल० सेन वर्मा, ग्रौर श्रीमती ग्रारती सेन वर्मा पत्नी श्री एस० पी० सेन वर्मा, निवासी—-ग्राई--1780, चितरन्जन पार्क, नई दिल्ली ।
- (2) श्री बी० कृष्णामूर्ति मुपुत्र श्री ग्रार० कृष्णामूर्ति ग्रीर श्रीमती राजकुमारी कृष्णामूर्ति, निवासी——बी—12, पण्डारा रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

की वह कुषमा बारी करका पृथींबत संग्रीत अर्थ अर्थाय के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उमत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध मां कोर्ड भी आरहेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष ते 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया देश सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब र्थ 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर मर्म्यात्त में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिचित में किए या सर्कोंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, को उनके अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्यी

प्रो० सं० बी-8/10 तादादी-630 वर्ग गज, सरकारी नौकर कीपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी, बसन्त विहार, नई दिल्ली ।

> श्मार० पी० राजेश. सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-6-1985

मोहर 🛚

# मुख्य बार्ष ,डी ,एव . एवं . ५-------

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत चडना

# कार्यासम, सञ्चयक आयकर जागुक्त (निर्जीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 14 जून 1985

नायकर विधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, चिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं श्रो० सं 0-5, ज्लाक बी-6 है तथा जो बसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रथीन, दिसांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गहुँ विश्वास करने क्र कारण है यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **ज्ब्द्रोप**य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🦫 —

- (क) शन्तद्रम् वं हृदं कियी नाव की वावत, उस्त विभिन्नम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वावित्य में कमी करने वा उन्ने वसने में जुविधा के सिए, वरि/वा
- (थ) ऐसी कियो बाव वा किसी धन वा ब्रम्स् वास्तिवाँ करें, विन्हें भारतीय बाव-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा अवत् अध्यान्यम्, मा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोचनार्थ ब्रम्सियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोचनार्थ ब्रम्सियमी व्याप्ति व्याप्त प्रकट वहीं किया गया धा वा किया चाना वाहिए था, कियाने में ब्रियमा के लिए:

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीध, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रीमती सोना एच० जगतानी पत्नी श्री हासु एन० जगतानी, जगतानी, निवासी—7, स्टारसवे को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी बिल्डिंग नं०-1, बिहाईन्ड आणा कालोनी, जुहू रोड बोम्बे, हारा जनरल प्रटोरनी श्री आर० एल० कुंकरेजा सपुत्र श्री गीलाराम कुंकरेजा, निवासी—8ए डी० डी० ए०, प्लैट (एम० आई०-जी०) राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामा भाटिया पत्नी विजय भाटिया, सी०/श्रो बड ट्रैक्स (प्रा०) लि०, निवासी—ई-9, कनाट प्लेस, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुई।

# व क्य संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शाबोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की जनिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनिंध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटबद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास विकास में किए का सकते।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमृति सब्दों और पदों का, थे। उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा है।

# वन सुची

प्रो० नं०-5, ज्लाक नं०-बी०, 6, तावादी-410 वर्ग गज वसन्त बिहार, नई दिल्ली ।

> म्रार० पी० राजण सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज→ दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनोक: 14-6-85

'**मोहर** 🛭

# प्रथम आर्च-दी. एव . युस . ------

# मायक्ट विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बभीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं श्रार ये सीं सं 118/85-86-यतः मुझे, एस जगन मोहन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो संतोषनगर कालोनी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, श्रममपूरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्ययमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल के पंतह भित्रका से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिंकत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निक में वास्तिक क्प से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; जौड़/या
- (क) एसी किसी लाय या किसी धन या अस्य अस्तियः। को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियमं, या अनकर अधिनियमं, या अनकर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिधी व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को सिष्;

अतः जन, उक्त निभिन्यम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जधीन, निम्नतिवित व्यक्तिवों, नर्भात्:—

- (1) श्री जी॰ पद्माराच कान्ट्रक्टर, 1-8-702/821/1, बिहाइंड शंकर मठ नल्लाकूंट्टा, हैदराबाद । (ध्रान्तरक)
- (2) श्रीमती के० ग्रार० कल्पना ज्योनि पप्ति के० राजा मल्लया, 17-1-15/ए, संतोषनगर, कालोनी, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के । साई कार्यवाहियां करसा हूं।

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि प्रकार सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

घर संपति सं० 17-1-15-ए, संतोषनगर, कालोनी, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 20/85 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी प्रक्षमपूरा ।

> एम० जगन मोहन संक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-6-1985

मस्य 🗄

अस्य बाह्रं, दी. एन. एक.------

## जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### शाहर सहस्रह

कार्यासम, सहायक वायकर वायक (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, धिनांक 5 जून 1985

निवेश मं० श्रार० ये० भी० मं० 119/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि.नहीं सं० घर है, जो विकाणनगर हैद रात्राद में स्थित हैं (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्णक्य से विणित हैं), रिजिस्ट्री ्ती श्रिज्ञारी के कार्यालय, हैदराधाद में भारतीय रिजिस्ट्री ्रण्यश्रिधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, दिनां उ 10/84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार जून्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण हु कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार भून्य उसके अयमान प्रतिफल से, एसे असमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंकिक्ट अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य मिलए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्छ , खका विभिन्नम के अभीन कह दोने के बन्तरण के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में बुविधा के लिए; और√श
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती तवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने से स्विधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उत्पंत्र मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन नियमिसित, व्यक्तियों, वर्धात् अस्त

- (1) श्रीमती ए० कानपतिए, चिरा रेड्डी 4-9, चिकाशनगर, गड्डीश्रन्नारम, हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जी० सत्यतारायणा 4~9 विकाशनगर गहुडशारम, डी० एम० नगर) हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चाड़ी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इव ब्यूना के राजगत्र में श्र्वासन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी सर्वाध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी स्पविस ब्वारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिस-वहुभ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यक्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हेंत जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया वया हैं।

### मनुसूची

घर संपति, सं० 4-9, विकाशनगर, गड्डीश्रनारम, हैवराबाद ् रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 12148/84, रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी हैवराबाद ।

> एम० ज्यान मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनाक 5-6-1985 मोहर ६ प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, महायक अध्यक्त आय्क्त (निर्धक्षक)

श्रर्जन रेंज, हैदराखाद

हैदराबाद, दिनांर 5 जून 1985

निर्देण मं० आर.० ये० सी० मं० 120/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धनके पश्चात 'उकत अधिनियम' अहा गया ही, अर्थ भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही अर्थ जिसकी संव घर है, जो सङ्फावाद हैंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णच्य से चणित हैं). रिनस्ट्रीकिनी अधिकारी के कार्यापुर, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीगरण अधिनुत्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन.

- (क) नगतरण ही हुई किसी नाम की बावच उक्त विध-निवास के अभीन कार बोने के जनसरक के दासित्य में कभी करने या जससे बचने भी सुविधा के लिए; विश्वित्या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्म नास्तियों को, जिन्ही शारतीय आयकर निभिनियम, 1922 (1922 को ११) या उक्त निभिन्नम् या थन कर किलि। मा १५०० (1957 को 27) के प्रयोजन नार्थ कन्दिरती बुनाय प्रकट नहीं किसा गया या या किए। असी चाहिए था छिला में समिद्धा के किए।

(1) श्रीमती प्ररीफिनिस बेग्न पति मिर्जा पलीमबेग, मल्लेपल्ली, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए॰ माबना पति श्री बी॰ मंघरम और **अ**स्य। 6-1-69/5/ए। गष्टफाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरितीं)

को नह क्षाना जारी करके पूर्वोक्त कम्परित के अर्थन के सिर्ह कार्ववाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के अर्थन के संस्वन्य में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस स्थान ने रायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पर स्थान की तासीन से 30 विन की अवधि, जो भी वशीय याद में समाप्त होती हो., को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्ष किनी जन्य अपित द्वारण अभोहस्ताक्षरी के पाव दिनकित में किए मा सकतें।

स्पाक्तीकरणः हतमें प्रमुक्त कर्ष्यां और वर्षों कां, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्थी

घर सम्पत्ति, सं०  $6 \cdot 1 \cdot \cdot 69/5/$ ए, सङ्फाबाद, हैदराबाद, रिजस्ट्रीं 5र विलेख सं० 5431/84, रिजस्ट्रीं 5र्ती अधिकारी हैदराबाद ।

एम० समा फोइन मंदाम प्राधिकारी महायश स्रायमर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैंदराबाद

হিনাদ 5-6-1985

मोहर 🛚

# शुरूप बाह", टी, वृन, एव. ----

# बावकार व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) की जधीन स्थाना

#### धारत सरकार

## कार्यासद, बहाबक बायकर नावृक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० सं० 121/85/86—-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात उक्त निधिनियम कहा गया है), की शाद 269- व के नभीन सक्षम प्रतिभक्तारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित शाकार मुस्स

1,00,000/- सं सं अधिक हैं
और जिसकी सं० घर है, जो टीचर कालोनी महबूबनगर में स्थित हैं
(और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),
रिजस्क्रेट्रीर्ता अधिजारी के कार्यालय, महबूबनगर में
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन

दिनां त 10/84,

को पूर्णियत सम्पत्ति को उपित बाबार मृत्य से कर्म के स्वयमान प्रतिफल को निए अंतरित को गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को पन्द्रह अतिक्त से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के सिए तर बाबा जवा और अन्तरितिका, विश्वासिक उद्योच्यों से उस्त अन्तरण कि सिहत से बास्तरिक से सामा अधिक से सा

- (क) बन्तरूप ते हुए किसी माँव की बावतः, उपतः - विधिवरूप के बधीन कर दोने के बन्तरूक के श्रीवरण वो कमी करने या उससे व्याने में सुविधा के सिए; - व्याप
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः वक् उक्त विधिनियम की भारा 269-य की जनसरण की, जै उक्त विधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :---

- (1) श्रीमती श्रमीना बेगम पति एक ए० गफार, मुथागडा, महबुधनगर ।
- (श्रन्तरक)
  (2) श्री जहेरिबन सोहम्मद विन ग्रब्दुल्ला बिन जिखीर,
  8-3-81, नजदीक टीचर कालोनी, महबूबनगर,
  मार्फत दी मैनेजर ए-I,लॉज, महबूब नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपृत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत स्थान के उपित्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर बन्मिंद्रि में हिटबब्ध किशी जन्म व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी में शब्द सिश्चित में किश जो सकेने।

क्यक्टींबरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, को जुक्त विधित्त्वन के बध्याय '20-क में परिभाष्टिक हैं, वहीं वर्ष होना को उस व्धाट में दिया व्या हैं।

# ग्रनुसूचीं

घर संपति नं 8-3-41, टीचर्स कालोनी, महबूब नगर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 2946/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, महबूब नगर।

एम० जगनमोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-6-1985

मोहर :

# प्रकृत कार्यः हो , पुत्र पुत्र <u>, राक्त</u>ानास

## नायकः वृत्तिनिन्न, 1961 (1961 का 43) की यादा 269-य (1) के वृत्तीय क्यान

#### BITT CARE

कार्मालय, सहायक जायकार वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, हैदराबाद हैदराबाय, दिनांक 5 जून 1985 निर्देश सं० आर०ये०सी० नं० 122/85-86--म्रतः मुझे, र्एम० जगन मोहन,

बायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत् अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के मंभीन संसम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० घर है, जो बजारा हिल्म, हैंदराबाद स्थित, है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में और पूर्णच्य से वर्णित है) रिजस्ट्रींकर्ता श्रिव जारी के लायीलय, हैंदराबाद में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक 10/84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य हो कम के समजार ब्रेतिफास के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य उसके स्थामन प्रतिफान के, एसे स्थामन प्रतिफान का बन्दि प्रतिकार के बन्दि के बन्दि प्रतिकार के बन्दि के बन्दि प्रतिकार के बन्दि के

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाव की बाबता, उत्तर अभिषियम के अभीन कर देने के अन्तरक के समित्व में कुमी करने या उससे बचने में भूविका के सिम्ह को श्री
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी धन या अन्य वास्तिजों करों, धिनहां भारतीय आय-कर विधिनियंस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंस, या अनकर विधिनियंस, या अनकर विधिनियंस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षमार्थ बन्दौरती द्वाय प्रकट नहीं यिज्या गया था या किया जाना चाहिए था स्थिनने में सुविधा के सिए;

सतः सन, सन्त सिर्मिन्यम की भारा 269-म की अपूनरभ मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निस्नितिसित व्यक्तियों अभीत् अ—

- (1) श्री मुफ्जनर श्रली खान और श्रन्य । 8-2-608, रोड, सं० 10, बंजारा हिल्स हैंदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रब्दुल मलीम 22-1-348, कोगा की तालीं, हैंदराबाद । (ग्रन्सरिती)

का यह त्यमा जारी करके पृथ्वित संपरित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

चक्त सक्षात्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी गासेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 4.5 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास्तिया,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से - 45 दिन को भीतर उसत स्थापर सम्परित में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किस् जा सकेंगे।

न्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

घर सम्पत्ति सं० 8-2-608/48, रोड सं 10, बजार हिल्स, हैदराबाद , रजिस्ट्रीकृत घिलेख सं० 5565/84, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगत मोहरू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनॉक : / 5~6~19**8**5

मोह्युः

प्रकर<sub>्</sub> वार्ष**्टी, एन्, एस्. - -** - - -

# .शायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराब।द हैदराबाद, दिनांक 7 जून 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० स० 123 -85-6--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नोर जिसका फ्लैंट है जो बालानगर, हैदराबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित साजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तर्भीतयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय संया गया प्रतिफल जिम्निसिंख उद्वेदिय है उपित सन्तरण निम्निसिंख उद्वेदिय है उपित सन्तरण निम्निस्तर स्व इपित सन्तरण निम्निस्तर स्व इपित सन्तरण निम्निस्तर स्व इपित सन्तरण निम्निस्तर स्व इपित सन्तरण सिक्त सन्तरण निम्निस्तर सन्तरण निम्निस्तर सन्तरण सन्तर्भी सन्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्ट बिभिनियन के बभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; वरि/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अधिनयमें की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्ञत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गृही किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में सविधा के सिए;

वतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण वी, बी, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बभीन, निम्नतिविकत व्यक्तियों, अर्थातः :--- ें (1) एम ० ए० पार्थसारथी, फ्लैंट सं० 12, रीझामल मेनणन, 9-1-29/2, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजवकांत रे, . गांधीनगर, बालानगर, सिकंदराबाद ।

(अन्तरितीः)

को यह त्यना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्तेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यूनना की तासील सं १० जिन की अविधि, अर्थ स्वाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मीं हित-बद्ध किसी अन्य कायत युवारा अधाहस्ताक्षरों के पास निश्चित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

### अनुसूची

फैलैंट सं० 12, रीजामल मेनशन, सिकन्दराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 2796/84, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी मारेडपफली ।

एम० जगन मोहन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु<sup>ब</sup>तः (निराक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-6-1985

मोहर "

# प्रकृत वार्षः दी. पुरु. पुरु

माथकर जो'र्भागयम . 1981 (1961 का 43**) की** धारा 269-ष (1) के नेघीन सुचना

#### भारत तरकाउ

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जुन 1985

निदेश सं० आर० ये० मी० स० 124 85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनिमन्न, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शुमके एक्पात ''उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका घर है, जो मानाब टेंक हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरन बाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रवतूबर 1984

को प्वांचित सम्पर्ति के उपेयन अजार मृत्य सं कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों का संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, सक्के दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकुल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिया के लिए; अदि/मा
- (थ) एसी किनी अब वा किसी पत्र या बैन्स बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, रिम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहम्मद शकीऊद्दीन पिता मोहम्मद मोहीऊद्दीन 10-1-17 ए/सी, शामराव नगर, मासाबटैंक, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2) श्रीमती माबेहा सूलताना पान गुलाम इपतीकार अहमद, 20-2-479, जोहरगल्ली, हूणनीआलम, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

की बहु सुबना बारी करके धुनींक्त अम्पत्ति में अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सिवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस गुमा के राज्यत में प्रकाशन की शारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगें।

स्वस्तीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, वो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ हैंगा, वो उस अध्याय में दिव प्या हैं।

#### अनुसूची

घर संपत्ती सं० 10—1—17 ए सी, शाभरावनगर, भासाबटैंक, हैदराबाब, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2188/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खेरताबाट ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्प (ानरीक्षण) अर्जन रेज़, **हैदराबाद**

दिनांक : 5-6-1985

बोहर :

## शक्ष्य वाह<sup>र</sup>.टी एन एवं प्राप्त स्वतान वात सम्बद्ध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (१) में बभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराराद, दिनांक 5 जन 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० सं० 125,85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका प्लाट है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशते से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उज्जोब से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ फिली नाम की बाबत, उक्त अभिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा से जिए; सडि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर काँधनियम, 1922 (1922 का 11) था उचत अधिनियम, या अनक्ष विभिन्नम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उत्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों अधीत् :---

(1) श्री एन० सी० नारासा रेड्डी, पी० आर० श्रो० ए० पी० इण्डस्ट्रीयल डेबेलपमेंट कारपोरेशन परिश्रम भवन, बसीरवाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मेससे प्रणांती हास्पीटल प्रा०लि० बाई श्री जी० अ।र० भास्कर, एम० डी० 95, शांतीनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

बक्त बस्परित के वर्षन के सम्धन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की संविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की सामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु बुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदो का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

#### नग्रुची

खुली जमीन सं० 10, एम० सी० एच० सं० 6-3-248, रोड सं० 1, बंजारा हिल्स, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 5622/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैद**राबाद

विनांक : 5-6-1985

मोहर 🥫

# प्रकृष् बाइं.टो. एन्. एस्. ------

न।यकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### गर्व गरना

## कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० आ ए० ये० मी० सं० 126, 85-86--- यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसका फ्लैंट है, जो हिमायतनगर हैदर बाद में स्थित है (श्रीर इससे उप. बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्जिस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय, हैदर बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्सुबर 1984

को नुर्वोक्षत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अलाह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरेक्तिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिक कका, निम्नीसिक्त उध्योक्य से उच्त अन्तरण सिचित में बास्तिक अस से कथित नहीं किया एथा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बानता, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दर्तिक में कनी करने या तससे वस्ते में स्विधा के सिए; सरि/शा
- (क) 'एरेसी किसी भाग या किसी भन मा बन्य भास्तियाँ को जिम्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम या व्यक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अज, उबस अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसक्रण में, में, रात्क अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकालिशित व्यक्तियों, बंबात :---- (1) श्रीमती जनाब खटून जोपिए, श्री अली खाजा, बंजारा कस्ट ल रोड, सं० 12, बंजारा हिस्स, हैदराबाद ।

(अन्तर्क)

(2) श्री पी० के० मृब्बय्या, घर स० 3-6-683,
 स्ट्रीट स० 10, हिमायतनगर, हैदराबाद ।
 (अन्तरिती)

स्त्री बहु सूचका चाड़ी करके पूर्वोत्तर सम्प्रीस्त के वर्धन में जिल्ला कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेगे।

स्वक्योकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, एड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसूची

पलैट स॰ 303, तीसरा मजला, एम० सं० 3-6-782, हिमायतनगर, हैदराबाद , र्राजस्ट्रीकृत विलेख सं० 784/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

्रुप्तर जगन मोहन मिलम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-6-1985

# प्ररूप बाइं : टो . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के बभीन स्पना

भारत सरकार

# कार्यांनय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराङ्काद, दिनांक 5 ज्न 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० सं० 127/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

हायकार विधिनियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह किश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. हे अधिक हैं ग्रीर जिसका पलैट है, ा हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में अ. पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, खेरताबाद में भारीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बार्बार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा की निए; और या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, किया है स्विधा के लिए;

कतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) मेसर्स भाम्यनगर कन्स्ट्र<sup>व</sup>शन कोर्ज 11-4-656,1, रेड हिलस्, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) मोहम्मदं श्रोशा मनम् , 5-9-919,2, गृनफाड़ी, हैदराबाद । (अन्तरिती)

स्वे वह ज्वा बाड़ी करके पृथानित सम्पृत्ति के वर्षन के तिस्य-कार्यवाहियां करता हुं।

## ्वक्ष सम्पृतित् के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई <u>भी बाखेंप्</u>य--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यध्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों बोर पूदों का, जा उक्क बिधिनयम, के बुध्याय 20 क में पुरिभाषिक है, वहीं बर्थ होगा जो उस बुध्याय में कियाँ प्या है।

## जन्स् की

फ्लैंट सं० 407/ए एम० सी० एच० सं० 11-4-656/ 1ए, रेड हिल्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 2379/ 84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खेरताबाद ।

> एम० जगन मोहन अक्षम प्राधिकारी सहायक आयर्कर आयु<sup>क्</sup>त (निरीक्षण): अर्जन रेंज- हैदराबाद

दिन कि : 5-6-19,85

मोह्रर 🖫 🕆

प्ररूप बाई ुटी. एन. एस :-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 289-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 जून 1985 निदेश सं० आर० ये० सी० सं० 128/85-86--यतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसका सं० फ्लैट है जो मासाब टैन्क हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गइ विश्वास करने वस कारण यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रति-फल से, एसि इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्मिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री के० आर० तलवार ग्रीर अन्य मीनाक्षी टावर्स, रोड सं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) दी ट्रस्ट्रीज आफ साहेबफादीक्को-रलीया कूल्समेनस ट्रस्ट, फ्लैट सं० 1, गोलकोंडा, अपार्टमेंटस, 10-4-41, मासाब टेंक, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त संपति के क्वन के संबंध में कोई भी आक्षेष है--

- (क) इस सूचना के राजपत ये पकाशन की तारीस भे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयेक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### जन्सू ची

फ्लैट सं० 1, गोलकोंडा अपार्टमेंटस 10-4-41, मसाब टैन्क, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 5468/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-6-1985

# प्रकप् बाइ. टॉ. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जून 1985

निदेश मं० आर० ये० सी० सं० 129,85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एउटा उपन अधिनियम) प्रकार पता है), की भार 269-च के अधीन एकम अधिभारों को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

स्रोर जिसका पलैट है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपफली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984,

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उक्षये ध्रयमान प्रतिफल से, एउँ क्रयमान रिजिय का पन्यह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बल्लरण में हुन्दे किसी जाय की शायत. उपय विविध्यन के सभीत कर दोने के अन्तरक के विविद्य के कर्ती करने ता उच्चे क्यने में बृविधा के सिए; वर्षि/वा
- (क) ऐसी किसी काम का किसी धन मा अन्य आस्तियों को विनहीं भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया का दा किया जाना आहिए था, खिपाने में सण्या करा।

म की भारा 269-ग के शमृतरम शरा 269-भ की उपधारा (1) समात :---- (1) मेसर्स मेघना कन्स्ट्रमणन, 220/ए, निवेणी, मारेडपली, सिकन्दराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी चन्द्रा पति भारत चन्द्रा 26/ए, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद । (श्रन्तरिती)

को वह मृद्या आ<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वत् के निए</u> कार्यशाहियां करता हूं।

· जनता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स स्थान्तयों में से किसी न्यन्ति ब्वारा;
- (व) इस स्वना के ख़बपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्यक्य :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उसत जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्वा हैं।

अनुसूची

पर्लंट सं० 6, प्रथम तल, मेसर्स मेघना कन्स्ट्रम्शनस 225। ए, विवेणी मारेडपल्ली, सिकन्दराबद रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2653/84, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, मारेडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-6-1985

मोहर '

मुख्य बार्षः, दी. एव , एव . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### भारत बहुकाह

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जून 1985

निदेश सं० ग्रार०ये०सी०न० 130/80-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थानर संपत्ति जिसका उपनित वावार मूल्य

1,00,000/- रत. से अभिक है

और जिसकी संव दूकान है, जो एमव्जीव रोड, सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायोलय, सिकंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के तिक्षण गाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित के गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकाल से, एसे ध्रयमान प्रतिकाल का एन्द्रहें प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (ब्रातरितिया) के नीच एसे बंतरण के लिए त्य राया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्योध्य से उसते अन्तरण लिखित में अस्तिवक क्ष्य से कथित नहीं। किया गया है है—

- (क) बन्सरुण से हुए किसी अाग की अवस्त, उक्त विभिनियम के बभीग कर योगे के बन्सरुक के स्वापित्व में कभी कुरते या उससे भ्वापने में सुविधा वी विस्: बीट्र/वा
- (क) प्रेसी किसी जाय या किसी थन या जन्म जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था; छिपाने में सृविधा से शिष्

नतः तथ, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण माँ, माँ उक्ष विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में भ्रमीक, निम्मिलियिक स्विक्तियों, सभात ं (1) श्री एस०ए म० मोषी कमरसीयल कम्म्लेबस, बाइ, श्री सतीश मोदी, सरीता श्रपार्टमेंटस्, बंजारा होलस्, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शरद चीकौकर,
 4-2-233/1,
 सुलतान बाजार,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरितीः)

को बृह् सूचना कारी कारके पृथीकत संपत्ति के जर्बन के शिक्य कार्यमाहियां करता हो।

## अवस सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विव की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृधारा;
- (स) इस मुचना को राजपत्र मों प्रकाशन की लाशील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ----ध्समें प्रयुक्त धन्ते और पदौं का, वो सम्ब विभिनियम के बध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं वर्ष हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं० 10, मोदी कमरसीयल कम्प्लेक्म्, 5-4-187/5, कारवाला मेडन, एम०जी० रेड रोड, सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 499/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सिकंदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-6-1985

भोहुर :

# प्रकृष **आर्ड वो एन एस् -----**--

# नायकर मिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जून 1985 निदेश सं० ग्रार०ये०सी०नं० 131/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसका सं० फ्लेट हैं, जो रेड हीलस्, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीनक्तूबर 1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एभे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किमी आय या किसी भण या अन्य आस्तियों वर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

गतः अनं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियों, अभीत् :— (1) श्री मूक्दलाल ग्रागरवाल,
 11-4-566/1,
 रेड हीलसे,
 हंदराबाद,
 (भाग्यनगर कन्स्ट्रवशन को०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० सुधीर भास्कर पिता
ए०एस० शास्त्री,
फ्लेट नं० 508,
11-4-656/1,
रेड हीलस्,
हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत,र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हितब्ब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्की

पलेट नं०  $10^{\circ}$ , 11-4-656/1, रेड हीलस्, हैदराबाद, रिजिस्ट्रीक्त दिने  $10^{\circ}$  2380/84, रिजिस्ट्रीक्त प्रधिकारी खेलाबाद ।

एस० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्राप्तुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-6-1985

# प्ररूप आई.टी.एन.एस..-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चनः

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंल रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जुन 1985

निदेश मं० ग्रार०ये०सी०नं० 132/85-86--- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका , फ्लेट है, जो बसीरवाग, हैदराबाद में स्थित हैं (और ६समे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से विणित है), राजस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908(1908 का 16) के अधीन अक्टबर 1984।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर्ण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, ज़क्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मेसर्भ कमरक्षीयल फ्लेट्स्, बिल्डीगस्, कांरपोरेशन, ए० 102, सत्या अपार्टमेंटस्, मासाब टेन्क, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर जोहोद्दीन और ग्रन्य, फलेट नं । 105, डेक्कन टावर्स, बसीरबाग, हैदराबाद।

(भ्रद्रति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी जाक्षेप :~

- (क) इस सृषता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख हैं. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्र की

पलेट नं 403, चौथा मंजला, कोकोरडेग्रापार्टमेंटस्, खैरताबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 5562/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खैरताबाद।

एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखाः: 5-6-1985

माहर 🖫

# भागकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 जून, 1985

निदेश सं० आर०थे०सी०नं० 133/85-86—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन तक्षत्र प्रतिभकारों को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट हैं, जो रेड हीलस्, हैदराबाद में स्थित है और इससे उपाबक प्रमुखी में और पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन अक्टबर 1984

की पूर्विक्य रम्पिति को उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात कारने का कारण है कि यथापूर्वे कि संवित्त संवित का उपित बाजार मृत्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफाल सं एक दश्यमान प्रतिफाल के पत्था विश्वात के अधिक है बीर बन्तरक (जन्तरकार) और वित्तरिती (अंतरितिवीं) के बीप के एके जन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफाल, निम्नितिबित उद्देश्य में उज्जत जन्तरण विविद्य में अस्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरिक की हुई विक्ती आज की विश्वत , जन्छ सिंपिनयम के अधीम कर वान के अन्तरिक की वावित्य में कभी अरमें ना उरावे क्याने में सुनिधा के निष; नीर/मा
- (क) एसी किसी नाय याँ किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सि या किया जाता सि अप भा, खिपाने में सूर्विभा के निए।

अतः अभ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की, अनुसरक भो, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स सन राइज बिल्डर्स,
 11-5-348,
 रेड हीलस्,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति केव्ही० चूडामणी पति के० राजेंद्र राव, क्वार्टर ने० 393, श्रीहारीकोटा, नेलौर जिला।

(भ्रन्तरिती)

को बहु स्थाना जारी करके पृथेक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोइ भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्या व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति सुवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के गास लिखित में किए जा सकी।

रचक्कीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर किंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसर्वा

फ्लेट नं 107, भ्रारूण अपार्टमेंटम्, 11-5-348 से 552, रेड हीलस्, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं 5313/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 5-6-1985

मोहर 🖟

## प्ररूप बाहै .टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत स्चतः

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० ग्रार०ये०सी०नं० 134/85-86—श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित गांधार मुस्थ 1,00,000/-ए. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो रेड हीलम्, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे 'उपाबछ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908(1908 का 16)

के प्रधीन अन्दूबर 1984।

को पूर्वो आ सम्पान के जीवत बाजार मून्य से कम के खबमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल गिम्मलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में
बाह्तीबुक एप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत सकत आधि-नियम के अभीन कार योगे के अन्तरक के बायिस्य में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के जिए: और/या
- हैंगी एंसी किसी जांध या किसी धन या जन्य जास्तियों कों, जिन्हीं भारतीय आग-कर लिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मृतिधा के लिए:

कतः अस्त, उक्त अधिनियम की भार २०० ग के कम्बर-भा, भा, उक्त अधिनियम की शास 2,69-६ की उपास (1) क्षेत्रभीन, निम्नोलिखिस व्यक्तियों, नथातिः— (1) मेसर्स सन राध्ज बिल्डर्स,
 11 -5-348,
 रेड हीलस्,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० पार्थ सारथी,
 34-ए,
 कल्पना यरीया,
 भूवनेवर,
 ओरीसा,

(श्रन्तिश्ती)

की वह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनस सम्पत्ति को कर्जन की सम्बन्ध मा कोड़ी भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के यस निष्यत में नियम का नामिने

स्पष्टीकरणः ---- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त जिल्लाम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>0</sup>, जहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### **बगर** परी

फ्लेट नं० 510, श्रारुणश्रापार्टसेंटस्, 11-5-348, रेड हीलस्, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5197/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5--6-1985

माहर ः

प्रस्पः भार्द्रं, द्री, एन्, एस्, ००००,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर वायक्स (निर्धाण)

ग्रर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० ग्रार०ये०सी० कंटे 135/85-86--- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट है, जो सोमाजीगृडा, हैदराबाद स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजिप्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजिष्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्टबर 1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल का भन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रीवक रूप में कथिस नहीं किया गया है है

- (क) बनारन ते हुई किसी बाव की बावस, उनस जिम्हें जन्म के जमीन कर देने के बनारक के दाकित में कवी कड़ने या उससे वचने में सुनिधा के शिए; सौर/शा
- [ल] एची किमी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने मा भृतिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण के. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≟— (1) मेसर्भ लेन्डमार्क बिल्डर्भ,
 6-2-930,
 खैरताबाद,
 हैदराबाद-500 004।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्राइ०सी० शर्मा,
 3-6-189,
 हैदरगृडा,
 हैदरगृडा ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से कि की व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निविद्य में किए जा सकती।

स्वध्वीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, ये लब्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को तम मध्याय में दिया मंबा है।

## प्रनुसूची

नं० 103 प्रेमीसेस नं० 6-3-986 से 996, कपाडीया लेन, सोमाजीगृडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4986/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहना सक्षम प्राधिकरी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-6-1985

मोहर ः

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. = - -

बायकर लोधनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के स्थीन सुवना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाद विनांक 5 जून 1985

निदेश सं० घार०ये०सी०नं० 136/85-86--- घ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट है, जो सोमाजीगुडा, हैंदराबाद स्थित है (और इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याख्य, हैदराबाद में भार-तीय राजिप्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन श्रक्ट्वर 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितिष्) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिखित उद्बेद्य से खन्त अंतरण निवित्त में बास्तविक कप कम से जिथा नहीं किया बबा है है—

- (क्ष्ण्रं अन्तरण सं हुर्द्द किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियी को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिए।

(1) मेसर्स लेन्डमार्क बिल्डर्स,
 6-2-930,
 खैरताबाद,
 हैदराबाद-500 004।

(भ्रन्तरक)

(2)जश्री कर्नल पी०डब्लू० क्रूरटीस और श्रीमति के० ए० क्रूरटीस, 3-5-804/3, राज रेड्डी मार्गा, हैवराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाशेष है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चैं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्थळीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कई होता, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नगत्त्री

द्यापार्टमेंट नं 102, प्रथम तल, और गंरीयज नं 7, 6-3-986 से 996, कपाडीया लेने, सोमाजीगूडा, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं 5332/84, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्अन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 5-6-1985

मोहर ⊱

प्रकृष् शाह्य हो , एत् , १६ ,-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन त्वना

#### भारत सहस्त्र

# कार्यांत्रयं, सहायक जायकर जायका (निर्दाक्त्य)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० म्रार०ये०सी०नं० 137/80-86—म्प्रमे: मुझे एम० जगन मोहन

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है

िक रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-

फ. संबधिक ह⁴

और जिसकी में प्रेट हैं, जो रेड शिलस हैदराबाद स्थित, है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-तीय राजस्ट्रीकरण ग्राधनियम, 1908(1908 का 16) के ग्राधीन श्रक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से का के द्यायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गहें हैं, और मुख्ये वह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, असके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान द्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतर्का के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निग्म के ज्यीन कर दने के अन्तरक के द्यारित में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन वा सम्य स्वरित्तवों की, जिन्हों भारतीय आयकर निर्मियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वैं यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (∤) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ्रं—— (1) मेसर्स भाग्यनगर कल्स्ट्रव्यान को०,
 11-4-856/1
 रेड श्रीलस्,
 हैदराबाव।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चंद्रशेखर वेसाई, पलेट नं० 208, 11-4-656/1, रेड हीलस्, हैवराबाद।

(श्रन्तरिती)

को मृह सूचना बारी करके पृश्वींकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्परित के नर्वन के संबंध में कोई भी बास्रेप हुन्न

- (क) इत बुच्या के राज्यम् में प्रकाशन की राष्ट्रीय् सं 45 दिन की बनीय ना तत्त्वम्बन्धी म्युक्तियों पर सूचना की तानीय से 30 दिन की जनीय, के भी नवीय नाद में बनाप्त होती हो, के भीतार पूर्वीक्त स्थानित्यों में से नित्ती क्यों कत दुवाद्य;
- (थ) इन कुमना के स्वयम् के प्रकारण की ताहीब के 45 विव के बीतर करत स्थावर सम्बन्धि के हितवपूर्व किसी कर्य कांचित व्याहा अभोड्स्ताक्षरी के पास निवित के किस जा सकोंगे।

स्थळक्टिका:— इश्वमें प्रमुख्य बज्यों बीए एवी का, यो अपने बीधीनयन, के स्थ्याय 20-क में परिशायिक ही, नहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

पलेट नं० 208, 11-4-656/1, रेड हीलस्, हैबराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2210/84, रजीस्ट्री**ड**र्श श्राधकारी खैरताबाव।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-6-1985

नोहर 🖫

प्रकथ बार्च , दी , एन , एस , -----

मायक्षु अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ण (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, नहायक बायकर माय्क्त (निरीक्ष)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैवराबाद, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० श्रार०ये०सी०नं० 138/85-86--प्रतः मुझ, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् उत्तर विधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो सोमाजीगूडा, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-तीय र्यजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन श्रक्ट्बर 1984

को पूर्वा कित सम्पत्ति को उचित बाजार भूक्य से कम को इध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विषवास कड़ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भक्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरिसियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया मगा प्रतिफल, निम्नसिवित उच्च स्य से उच्त अन्तरण निवित्त बा बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनिस्त्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिस्त्रम, या धनकर अधिनिस्त्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इभारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित ब्यास्तितारों, अर्थात्ः—  मेसर्स लेन्डमार्क बिल्डर्स, 6-2-930, खैरताबाद, हैदराबाद-500 004।

(मन्तरक)

(2) श्री के ० यस ० ए च ० राव,
पलैंट नं० 15,
पौल मॉनशनस्,
6 बिशॉपस्,
ये फरॉय रोड,
कलकत्ता-20।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (वा) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयद्धीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त जीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है श

#### श्रनुसूची

फ्लेट न० 301, तीसरा मंजला, श्रीर गरेज-नं० 14, 6-3-996, से 996, कपाडीया लेन, सोमाजीगूडा, हैदराबाद, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5135/84, राष्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 5-6-1**98**5 '

माहर :

भक्त नाइं.टी.एन.एस., ------

नायकर निवित्त्वन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के न्यीन तुचना

#### HIST TYPE

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरुक्तिक)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० श्रार०ये०सी०नं० 139/85-86—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व को अभीन सक्षम प्राधिकारों की वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धता. जिसका अधित बाबार मूस्व 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट है, जो केसेट टांवर्स, हैदराबाद स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजिष्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-तीय रिजिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन अक्टूबर 1984।

को पूर्विक्त संपूरित को उचित बाजार मून्य से कम को दरममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार बूक्य, उन्नके व्यवमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे जन्तरण के निए उन पाया गया प्रविक् क्य विक्निसितित उद्योग्य के उन्तर प्रतिकृत में वास्त्रिक क्य के करित्स सूक्षी किया क्या है है

- (क) अन्तरण से हुए किती आय का बावत, उक्त अधिकृत्य के स्वीत कर को के अन्तरक के वास्तिक में अपनी कहते वा कर्य क्ष्म में सुविधा के सिक्; कों अपने
- (व) एती किसी बाब वा किसी घर या बन्य जास्तियों की, शिक्ष पाएतीय बाब-कर जीधीनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, वा वब-कर विविद्यक्त, 1957 हैं 1957 का 27) वे प्रयोक्तार्थ वंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियामे में सुविधा के किए?

संबंध नमं, उन्तर विधाननमं की धारा 269-न के अनुसरक मों, मों, उन्तर विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्मीनियस व्यक्तियों, वर्षात् हिन्स  मेसर्स केसेंट टॉवर्स, मासाब टेन्क, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित जहीदा बेगम, फ्लेट नं० 603, सी क्रेसेंट टॉवर्स मासाबटेन्क, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूर्यना चार्टी करके पूर्वोक्त सम्यस्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त रहनांच के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी जाओब ?----

- (क) इत खूक्या के सक्त्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष की 45 दिन की समित्र या तत्क्ष्मिं क्यितियों दर सूचना की तानीस से 30 दिन की समित्र, जो जी नवींच नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिसमों में से जिल्ली व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थान के कबथन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्मत्ति में हितवहुष किसी जन्म स्थावित द्वारा अभोहस्ताकरी के नाक विद्यात में किस ता सकेंचे !

ल्ब्योकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्धों कीर पकों का, को सुन्ति । स्थितिकन, को नृष्यान 20-क में गीरणाणिह हैं, नहीं नर्ग होता को उस मध्यान में विका नवा हैं।

#### मनसूची

फ्लेट नं० 603, क्रेसेंटटॉवर्स मासाबटेन्क, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5011/84, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख <sup>\*</sup>5-6-1985 मो**हर**्र प्रक्य नाई. टी. एन. एड.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-च (1) के अभीन सूच्या

#### भारत बहुकार

# कार्यालय, सहायक बायकर काम्बत (निर्द्रोक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निदेण सं० ग्रार०ये०सी०नं० 140/85-86—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

नावकार सीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्यथे पश्चात 'जन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अवीन सक्षत्र प्राधिकारी का, वह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थायर तपरित, जिसका उचित बाचार मूक्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० भूमी है, जो काकीनाडा स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन श्रक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपिक्ष बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समस्तित का उपित बाजार सूल्य, उसके स्थमान प्रतिक्ष्य से, एसे स्थमान प्रतिक्ष्य का पन्तह किए तथा के विश्वास के किए तथा की की एसे बन्दरक (बन्दरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्दरक के निए तथ वाया पया प्रतिक्ष्य किम्मिनिक्स उद्योक्त से उक्त बन्दरक भिष्य के बास्तिक्ष स्थाप से किम्मिनिक्स के स्थाप से किम्मिनिक्स उद्योक्त से उक्त बन्दरक भिष्य के बास्तिक्ष स्थाप से किम्मिनिक्स के स्थाप से किम्मिनिक्स स्थाप से किम्मिनिक्स के स्थाप से किम्मिनिक्स के स्थाप से किम्मिनिक्स से स्थाप से स्थाप से किम्मिनिक्स से स्थाप से किम्मिनिक्स से स्थाप से स्थाप से किम्मिनिक्स से स्थाप से से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से से स्थाप से स्थाप से स्थाप से से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से से स्थाप से सिक्स से स्थाप से से स्थाप से सिक्स से स्थाप से सिक्स सिक्स से सिक्स सिक्स से सिक्स से सिक्स सिक्स

- (क) अन्तर्भ से हुई कियों बाल की गान्त्र किया वीपीनिक्त के स्पीत कर देने के बन्तरक के वीपत्त में सभी करने या उसते बचने में सुनिक्ता में सिए; बीर/बा
- (क) (भोती किसी भाग मा किसी भन मा अन्य अगितियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या ना का किया जाना जाहिए जा, दिकाने वे स्विधा के निए;

वक्षः वय वयत वीधीनयम की भारा 269-व की वनुसूरण में, वी, उक्षत वीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) भी वधीन विकासित व्यक्तियों, वर्षात् क्र--- (1) श्री डीं जानकी राम राजू, प्रोपे यस्त जानकी रामा फायनान्स कॉरपोरेशन, श्रापो यस्त्यार एम टीं मेन रोड, काकीनाडा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टी० सुरेंद्रनाथ बंनरजी, रीटायर्ड, येक्डीक्यूटीव्ह इंजीनियर, 2-2-11, शारदा स्ट्रीट, श्रीनगर, काकीनाडा, जीला इस्ट गोदावरी ।

(अन्तरिती)

भा यह सूचना थारी करके प्रशॉक्य सम्मरित के नवंद के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश्व की सर्वीच्या तत्त्वस्थान की तारीख से प्रकाशन की तारीख से वृद्ध कुना की तानीस से 30 दिन की बनिध, को भी सहित की निध्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह स्थीवत्यों में से किसी स्मिन्त ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है
  45 किन के भीतर उन्त स्थानर सम्मत्ति में हितवक्षः
  किन्नी नम्म स्मन्ति द्वारा नभोहरताक्ष्री के पाक्
  निवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीवरण्: दुबर्गे प्रथम् बन्दी बीड वर्षे काः हो उपह वीधिनवन, के बध्याम् 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वर्षा है।

## श्रनुसूची

भूमी, विस्तीर्ण 1294 चौ० गज०, काकीनाडा, रजिस्ट्री- कृत विलेख नं० 9951/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी काकी- नाडा ।

एम० जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1985

मोहर 🛭

# **दल्ल आद**्ध<u>ी एन प्र</u>कार------

# नायकर विभिन्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में बचीन सुमता

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

भौपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल-5706--अतः मुझे थीरेन्द्रकुमार बरनवाल,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परकात् 'उन्त निभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसका मकान नं० 64 है, तथा जो रेडियो कालोनी (गांधी पार्क), इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्टबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्व, उसके ख्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल खा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कियात महीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की पानता, उच्छ नीधनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के राष्ट्रित्य में कमी करने वा उद्यक्ष बचने में सूर्विधा में चित्र; क्युंद्र/ना
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी भन वा बन्य जारिसवाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया वा वा वा किया वाना वाहिए वा कियाने को त्विका जो निए;

भतः अव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उनत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) श्री बल्लभ पिता बद्रीप्रसाद श्रीवास्तव 93/37, तुलसी नगर, भोपाल।

(ध्रन्तरक)

(2) 1 मर्जुन याह पति

महेन्द्रचामसी
2 म्रानिल कुमार पिता

भ्रातुल कुमार श्र०पा० कर्ता श्रशोक कुमार पिता

श्रतुल कुमार,

निवासी≝80,

रेडियो कालोनी,

इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इस्त इस्पीत के स्थन में इस्तर्भ हैं। कोई शी वाक्षेत्र अः

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नविश्व या त्त्सम्बन्धी स्मृतिस्मों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संदर्भि, में भी नविश्व में समाप्त होती हो, के भीतह पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विश्वी व्यक्ति स्वाहा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कू 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बकुम् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याम में विमा गया है।

### श्रनुसूची

मकान नं० ६4, रेडिया कार्यानी, (ग्रीन पार्क), इंदौर में स्थित हैं।

> बीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (नि क्षिन्धायक प्रायकर प्रायका प्रार्जन रेंज, भोनाल प्रायकर भवन मैदा मिल के पान, शोगल

तारीख: 29-4-1985

प्रकृत आहे. टी. एन्. एव . -----

नायभार निभित्तियम्, 1961 (1961 का 43) की पाए 269-म (1) ने नमीन स्पना

#### PLACE MEMORIE

## कार्यात्रयः, तहायक नायकार वायुक्त (विद्वीकान)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश, सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल--5707--- श्रतः मुझे, वीरेन्द्रकुमार बरनवाल,

नायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) शिवसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत् निर्धानयन' स्वाह्य पता ही, सी धारत 269-क् के निर्धाद सत्तन नायिकारी को यह विस्थाय करने का कारण ही कि स्थानर सम्मोरिक, विकास स्वीचत् वाचार कृष्य 1.00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट० नं 21 पर बना मकान है तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम क्रमांक 44 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, ग्रमट्यर 1984

को पूर्वोक्त संवत्ति के जीवत वाकार मृत्य से कम के व्यवनाम प्रतिश्वल के लिए अंसड़ित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापृष्टित संस्थित का जीवत वाकार मृत्य उसके व्यवमान प्रतिकल ते, ऐसे व्यवमान प्रतिकल का वाजह प्रतिवत से अभिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरिता) के बीच एंडे क्वाइन के जिस तब यादा प्रवा प्रतिकत, निम्नतिवित उद्देश्य के स्वत अन्तर्भ शिवित में वास्तरिक इन से क्वित नहीं विश्वा नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की वावत, उक्त विभिन्निक के नभीन कह दोने के बन्तरक के सामित्व में कर्नी करने वा उत्तते वचने में सुविधा को लिए; नीर/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा वी किए;

बत: क्रंब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्रंचन

(1) मेससं मनसुखानी कन्सट्रक्शन, निवास-20, हाथीपाला रोड़, इंदौर तरफे भागीदार जगदीण पिता श्री झम्मनलालजी मनसुखानी, निवासी-20, हाथीपाला रोड़,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लियाकत पिता ए०ए० श्रारीफ, निवासी-चैंक कालोनी, रतलाम।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचमा चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सिध् कार्यवाहियां कड़ता हुएं [3]

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वाभ या एत्यंबंधी व्यक्तियों पूर कृत्या की सर्वाभ के 30 हिम की वर्षांत्र, हो औं समित को सर्वाभ होती हो, में भीतर पूर्वांच्य स्थित्यों में से निवास स्थानक कुराधा;
- (क) वस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की भीतप उनक स्थानक सम्मीस में क्रिय-नक्षभ निक्ती व्यक्तिस हमाया, व्यक्तिसास्त्री की पाड़ निविद्य में किए वा समीचे।

कार्यक्रिकक्रम ह— इंडमें प्रवृत्ता सन्दों की रवा का, की सक्क श्रीमीनसम्, के बभ्याय 20-के में परिशावित हैं, वहीं वर्थ द्वीमा को उस बभ्याय में दिवा क्या हैं।

#### भनुपूची

प्लाट नं० 21, पर बना मकान, इंदौर विकास प्राधि-करण क्रमांक 44, इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्रकुमार बरनदाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**ः 7-5-1985

सोहर :

#### जारत करकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल-5708--ग्रतः

मुमी, वीरेन्द्रकुमार बरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 35 है, तथा जो जानकी नगर एनेक्स नं० 1, इंदौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908) (1908 का 16') के श्रधीन, श्रक्टूबर 1984

को पूर्वित्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान व्यतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कश्मे का कौरण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिश्व से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त जन्तरण विधित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि

- (क) नग्तरक संसुद्ध किसी नाम की बाबस, बन्दर अधिनियंत्र के नथीन कर योगे के जन्तरक को सामित्य में कभी करने या कहते दसने में सुविधा के लिए। और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपानी में शुरेनधा की लिए;

(1) श्री गोपी वल्लभ पिता मोहनलाल सोनी, पारसी मोहल्ला, निवासी-2416,

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमति तारादेवी पित शंकरलालगोयल, निवासी-37/8 मुराई मोहल्ला ।

(श्रन्तरिती)

की वह बुचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्धन के तिए कार्यग्रहियां सुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति को कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 बिन की जनिज या तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिज, जो भी स्वधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त महिन्दों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति हैं।
- (व) इंच सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 जिन के भीतर उक्त स्थानर संपर्तित में हितबब्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा बभोहस्ताक्षरी के गाउ सिक्ति में किए जा सकों में।

स्पर्धांकरणंड— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### and the

प्लाट नं० 35, जानकी नगर एनेक्स नं० 1, इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

बतः जब, उक्त जाभागियम की धारा 269-ग में जनुसरण में, में, उक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को सुधीन्, निस्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

तारीख: 7-5-1985

मोहर 🖫

# प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **41रा 269-घ (1) के अधीन सूचना** 

#### भारत सरकार

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/-रु. सं अधिक हैं

भौर जित्तकी सं०ख० नं० 179, प्लाट नं० 1 का प्लाट है, तथा जो पालदा, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रक्टूबर 1984

का प्योंक्त सम्मिन के उधित बाजार मून्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उधित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्लीम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ती के रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वा्रा प्रकंट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) 1, श्रो हरीणचन्द्र पिता
टीकमचंद श्रग्रवाल
 2. टीकमचंद पिता
सुंवालालजी श्रग्रवाल निवासी-109,
मुराई मोहल्ला,
इंदौर।

(ग्रन्सरक)

(2) मेसर्स उत्तम दाल मिल ठिकाना साजन नगर (चीताबद रोड),, इंदौर तरफे भागीदार उत्तमचंद पिता जबरनचंदजी कीआरी व भन्य निवासी-साजन नगर, म०नं० 159, इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सुषाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति वृंतरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिहल व्याप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त बद्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### नगसर्ची

ख ॰ नं॰ 179, प्लाट नं॰ 1 का प्लाट, पालदा, इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-5-1985

## श्रुक्त वार्च हो एन् एवं ..----

भाशकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेण सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल-5710--ग्रतः, मुझे, वीरेन्द्रक्मार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६९-छ के अधीन सधाम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 66 का प्लाट है, तथा जो श्रग्रवाल नगर, (पुरानी भूमि), इंदौर में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपायड़ धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजन्ट्रीकर्त्रा ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनयम 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, श्रक्टूबर 1984

को प्योचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कान वे राज्यमान वितिष्य के लिए अन्तरित की गई है ज्येन मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित स्थाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित स्थाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित स्थाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित स्थाप्य गृत्य उसके रायमान प्रतिषक्ष की एवे राज्यमान प्रतिषक का प्रमुख प्रतियत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय वाचा यथा प्रतिषक्ष, निम्निवित उप्योक्त से उसत अंतरक जिल्ला थ्या प्रतिषक्ष, क्या से किया वहीं किया नशा है :—

- (क) अन्तरण से हुन् 'िकसी बाय की बावता, उनता जिथितार के अधीन कर दोने की अन्तरक के कथित्य में कसी करमें वा उत्तर्ध यक्त्रे में सुविचा के सिए; करि/मा
- (था) एसी किसी बाय या किसी अन या जच्च बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्कर अधिनियम, या पंच-अर विधिनयम, या पंच-अर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) विधायनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना वाहिए बा. कियाने में स्विधा की हिंगा

क्षणः क्षत्र, राक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण हों, में, उक्ष अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हो अधिक, निम्मलिक्षित व्यक्तिं, अधित :--- (1) श्री राधेश्याम पिता श्री गिरघारीलालजी, निवासी—स्नेहनगर, स्कीम क्रमांक 47, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रोमश्रकाश पिताश्री हनुमानदास खण्डेलवाल, निवासी--7 गोरा कुंड महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्मत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी के वे 45 दिन की नवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (ज) इस स्वना के रावपभ ने प्रकादन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए वा सकी।

स्वच्योकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिक्रोंकित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

#### चन् सूची

प्लाटं नं० 66 का प्लाट, श्रग्रवाल नगर (पुरानी भूमिं), इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोषास

तारीख: 7-5-1985

मोहर ः

# प्ररूप आई. बी. एन. एस. -----

# अश्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक, 9 श्वप्रैल 1985 निदेश सं० श्चाई०ए०सी०/श्चर्णन/भोवाल-5711--श्चतः, मुक्षे, धोरेन्द्र कुमार वरनवाल

मुझ, कारन्त्र नुसार वरनवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी संव पलेट (भाग) भूसल का भाग नंव 6, स्कीम नंव 31, प्लाट नंव 31 है, तथा को स्नेह नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबक प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यान्लय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908(1908 का 16) के प्रधीन, मन्दूबर 1984

को प्रशंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्ये, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को किए; आंड/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, विश्व (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरज में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) वे अधीना, निम्नलिकित व्यक्तिस्तों, क्षार्थात् हुं---- (1) श्रीमाति प्रेमलता श्रेगल पत्नी सा॰गरमल श्रगल 2.जपंकज श्रगल पिता सागरमल श्रगल, निवासी-80, जानकी नगर (मेन), देवीर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सूरजमल बंडी पिता
 श्री सज्जनलाल बंडी,
 निवासी-12,
 राजगढ़ कोठी,
 ध्वीर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माध्यीकर्णः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मनुसूची

पलेट (भाग) भूतल का भाग नं० 6, स्कीम नं० 31, प्लाट नं० 31, स्नेह नगर धंदौर में स्थित है। यह जह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित्त है।

वीरेन्द्रकुमार बरनवाल⊹ सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ं श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-4-1985

# भक्त बाहु , दी , पुत्र , पूत्र , पूत्र , ------

# नावकार निधानवम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के न्यीन सुप्ता

#### FILE REPLE

## कार्यासय, तहायक नायकर बाब्क्स (निर्फाल)

धर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मई 1985 निदेश संमैं ग्राई०६०सी०/ग्रर्जन/भोपाल-5712-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्रबुमार बरनवाल,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसेकी सं० फ्लेट नं० 7 है, तथा को ईम्बरी ग्रापार्टमेंट सिन्धुनगर, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा ग्राधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम 1908(1908 का 16) के ग्राधीन, ग्राव्ह्यर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शून्य, उसके श्रममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, विम्नोविषय उद्वेक्य से उन्तर अन्तरक मिन्नोविषय अवस्था स्थाप स्थाप क्षा कर्म से अन्तर्भ स्थाप स्थाप

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त स्थिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक औ स्थिनियम के अभी कहते वा उपने स्कृते के सुरिश्ध के सिए; श्रीह/शा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या कृत्य आस्तियी को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कृत अधिनियम, या धन-कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जावा आहिये था, क्रिशाने भी स्वित्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु--- (1) श्री हरनामदास पिता श्री नारायणदासजी भाटिया, निवासी-13/3, नार्थराज मोह्हला, श्रेदौर।

(भन्तरक)

(2) श्री विनय कुमार पिता श्री चंदनमलजी मेहता निवासी-33/1, निहालपुरा, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तांक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## अनुसूची

फ्लेंट नं० 7, ईश्वरी अपार्टमेंट, सिन्धुनगर, इंदीर में स्थित है।

वीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहस्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-5-1985

## प्रकृष अर्र्ष्ट्र . व्या . एक . एक . . -------

भागभार विभिनियम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रार्थन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश मं० आई०ए०सी०/अर्थन/भोपाल/5714—अतः, मुक्ते, दीरेन्द्रवृमार वरनवाल,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव मकान नंव 72, दुकान नंव 5, तल मंजि की दुकान है, तथा जो महारानी रोड़, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय इंदौर में राजिस्ट्रीकरण अधिकायम 1908(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान न्य्रिसिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास किन का कारण ही कि यथाप्यक्ति संपरित का उपित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कुप ले का का स्वार्थ है:---

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की वावतः, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- ब्राक, अब, उक्त विधानियम, की भारा 269-न के अनुसरक के माँ दक्त अधिनियम की भाषा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों अर्थात् ह—

(1) श्री चंद मोरवानी पिता श्री गोविन्दरामजी मोरवानी, निवासी—एच० झाय०जी० कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्वंदबाधवानी पिता श्री धरमदास वाधवा, निवासी-19, काटणू कालोनी, धंपीर।

(भ्रन्त(रती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उच्या संपृतिस् के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप् ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकोंगे।

स्वष्यक्रिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.

#### वंतसची ।

मकान नै० 72, धुकान ने० 5, तल मंजिल की दुकान, महाराभी रोष्ट्र, ६ंथौर में स्थित है।

> धीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-5-1985 मोहर 🛊

# प्रक्ष बाइं दी एन् एष् ुनननारनातन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकाड

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 29 प्रप्रैल 1985

नि देश सं० माई०ए०सी०/मर्जन/भोपाल-5713--म्रातः । मुझे, भीरेन्द्रवुमार वरनवाल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव मकान नंव 47 है, तथा जो चितावद, (म्रानन्व नगर, इंदौर में स्थित है और इससे उपाबद्ध मृत्यूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्राधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण म्राधिनयम 1980 (1908 का 16) के मधीन, मन्द्रबर 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिराफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर्भेपितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लित में बास्तियक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक खें दायित्व में कमी करने या उसके उभने में सुविधा के सिष्टृ बीद/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के विद्।

जतः अथ, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण् में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन ह निम्नीसिंखतं व्यक्तियों, वर्षात् क्र--- (1) श्री मदनलाल अधर नारायण,
 न०--70,
 साई का कम्पाउँ,
 श्रद्धानंव मार्ग,
 ध्वीर।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री सम्पत कुमार रामगन्द्र महेण्वरी, 85, जानकी नमर, शंबीर।

(ग्रन्त(रती) ं

को यह स्थना कारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के किस कार्यवाहियां करता हूं।

जबत संपति के अजन क संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (१) इस सूचना ह राजपन्न में ज्रुकागन की तारी स से 45 विन का अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समस्त्र होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के मीलर उक्त स्थावर सम्मित में हितवश किसी भ्रम्य स्थावित हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किये जा असेंग्रेंगे।

हपब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पर्यो जा, जा उत्त श्राध-नियम से जडगाय 20-क में परिभाषित है, बही पर्ये होगा, जो उस सम्याय में विभा गया है।

#### मन्त्र स

मकान नं 47, चितायद, ग्रानन्द नगर, ध्रेवीर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्त रिती क्षारा सत्यापित फार्म नंबर 3-जी में निहित है।

> धीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्थन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-4-1985

मोहर ≌

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां इ. 7 मई 198

निदेशसं० श्राई०ए०सीं०/श्रर्जन/भोपाल-5715--श्रतः मुझे, वीरेन्द्रकुमार बरनवाल

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को श्रूह विश्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिल की संव महान म्युव पाव नंव 91 है, तथा जो राधा नगर हालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीं सी अधिकारी के नार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, अक्तूबर 1984

कां पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितीं /अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निष्टिस में बास्तिबक इप से कथित नहीं कया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा वायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रं। मोतीलाल पिता श्रीं चम्पालालजी जैन निवासी----91, राधानगर कालोनी, इंदौर ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीं दिनेश नन्द पिता श्री दाऊलालजी धूत, निवासी--20, हुकुमचन्द मार्ग, इंदौर ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# शन्स्यी

मकान म्यु० पा० नंधर 91, राधानगर, कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्रकुमार **वर**तवास सक्षम प्राधिकारी सिहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मोनाल

तारीख: 7-5-1985

प्ररूपु आई. टी. एन. एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मुई 1985

निदेश सं० घाई०ए०सी०/प्रर्जन/भोपाल/5716- मतः, मुझे, घीरेन्द्रकुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर समिल, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिनकी सं० प्लाट नं० 66 है, तथा जो भगवानदीन नगर, इंदौर में रियत हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के स्रधीन, स्रक्ट्बर 1984

को पूर्विक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तिरत की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित जाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे हृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक र और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक्त रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, अनुसरण में . में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--

(1) श्री मगनलाल निता श्री नत्यूप्रतादको हाँड्याँ, निवासी—-82, भगवानदोन नगर, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयपालदास पिता होतवंदजो हिन्दूजा, निवासी-167, पलसोकर कालोनी, इंदोर।

(अन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकार न की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्ट स्थावर संपित्त में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पूर्सि लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

प्लाट नं० 66, भगवानदीन नगर, इंदौर में स्थित हैं।

वीरेन्द्रकृमार बरनंवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्वेन रेंज, भोराल

तारीख: 7-5-1985

## um nig itt ga ga ......

बायकार विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सुधना

#### हारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल--5716--श्रतः, मुझे, बीरेन्द्र कुमार धरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं मकान नं 415 है, तथा जो जय बंजरंग नगर, इंदौर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, श्रवट्यर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्धरेशों से उच्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तहरू वे हुई किसी जाय की बाबत, उक्त किमिनयम के ज्योन कार दोने के जन्तरक के बामित्य में कभी कारने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; जोर/बा
- (क) एती किसी नाम या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीभीनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनयम्, या भन-कर जीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृद्धिया के किया

नतः नवः, उन्तः निभिनयमं की भारा 269-मं के मनुसरण माँ, माँ, उन्तः निभिनयमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के नभीनः, निम्नसिचितं स्पन्तियों, नभीत् हः— 18—136G1/85  (1) श्री निनेश कुमार पिता शेषराव मांडवगढ़े, निवासी——117, नंधनगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपीनाथ पिता कोंडीबा गावडे, निवासी-मकान सं० 14, बंसी प्रेस की चाल, इंदौर।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वाना भारी कारको प्रतिक्ष बंगतिय के अर्थन के जिल्ला कार्यगाहियां करता हूं।

जनत सन्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की खबिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन कही तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसव्य किसीकृत्रन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकपुत्र:--इसमें प्रयुक्त शब्दों. बार पर्यों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिशावित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में विया स्था है।

# घनुसूचीं

मकान नं० 415, जय बंजरग नशर, इंदौर में स्थित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-5-1985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 7 मई 1985 -

निदेश सं० श्राई०ए०सी/ग्रर्जन/भोपाल-54718--श्रतः,

🗸 मुझे, बीरेन्द्रकुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10 है तथा जो ग्रहिल्यामाता कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालेय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, श्रवटूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह किरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशान से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधि-पियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन. निम्मीलिक्त व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री भान्तीलाल पिता सेवारामजी जैन, निवासी-चड़नगर, जिला उच्जैन।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्री रावजी भाई पिता गौरजी भाई
 2 रमेश भाई 3 हरसद भाई 4 हरिकशन पिता रावजी भाई,
 निवासी-12/2,
 स्नेहलता गंज,
 इंदौर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीच्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पनस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 10, श्रहिस्यामाता कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी , सहायक स्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-5-1985

प्रकृत भार्यः स्वी. एत्. एषः 😑 न 😁

नासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्नाधय, सहायक बायकर बायूक्त (विद्विष्क्र)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० प्राई०ए०सी०/प्रर्जन/भोपाल-5719---प्रतः, मुझे, वीरेन्द्रकुमार बरनवाल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ने इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया इ'), की धार्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार ब्लूब्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बंगला नं० 54 है तथा जो नीमच केंट नीमच में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्या-लय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का. 16) के ग्रधीन, श्रक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के अवसान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य हे उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पत्था प्रतिकत से विश्वास में विश्व है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया क्या अतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उन्तर बन्तरक विश्वत के वास्तविक रूप से किया नहीं किया जवा है है—

- (क) क्याहर ने हुई कियी नाम की वास्त्व, उसके मुचितिनम् के बचीद कुट देवे के क्याहर के व्यक्तिम् वो क्यी करने वा वचने वचने वो सुर्विका के श्विष्: बॉर/या
- (क) एमें किसी बाद कि िसी धन या कर्य बास्सिकों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा खिनाने में सुविभा के निए;

जतः अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री मानकुंवरबाई उर्फ मानबाई पत्नी श्री किंगनजी बंसल , निवासी बंगला नं० 54, भोलाराम का हाता, नीमच केण्ट नीमच, जिला मंदसोर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुधाकर पिता स्वर्गीय श्री दतन्नयजी वालुजकर निवासी-शोलापुर, जिला शोलापुर हाल मुकाम, बंगला नं० 54, भोलाराम का हाता, नीमच केण्ट,

(भ्रन्तरिती)

को यह स्पूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क व 🚁

- (क) इत सूचनाको राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यक्ति बाद में समान्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन का तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थानत ब्यास अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा उच्च अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में पर्टि-शावित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## भ्रन् सूची

बंगला नं० 54, भोलाराम का हाता मकान नंधर 44/2 का दक्षिणी भाग, नीमच केण्ट नीमच जिला मंदसौर में स्थित हैं।

वीरेन्द्रकुमार धरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-5-1985

मोहर्ए :

## प्रकथ नाइ. दी. एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/भ्रर्जन/भोपाल-5720--ग्रत : मुझे, वीरेन्द्रकुमार बरनवाल

भगमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें दसके पर्वार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के भीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहत्से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 है, तथा जो न्यू पलासिया, इंदौर में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्या-स्य, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के खरमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरम्मान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिक्षत से अधिक है भीर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिक्षत , निम्नीलिक्त उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कप्रिक्त नहीं किया गया है:—

- (क) मरायम से हुए किसी भाग की बाबत, उपत गाँपनियम के संधीन कर दोने में बसारक के बाबित्य में कती करने या उससे जयने में शुविध" भे निष्; गाँप/या
- (क) एसी किसी बाग वा किसी भग वा बंग्य बास्सिनों का, चिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) ना उक्त विधिनियंत्र, वा भनकर विधिनियंत्र, वा भनकर विधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) नो प्रवोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें सुनिभा के सिए;

नतः अन, जनत अधिनित्रम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, जनत अधिनित्रम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को मधीन निम्नतिथित व्यक्तियाँ, क्यांत् र--- (1) श्रीमित कलावती बाई पित श्री लीलारामजी हेमनानी चेतना बिल्डिंग, पलासिया इंदौर ।

(अस्तरह)

(2) श्री किशनचंद पिता धरमदासजी, नि०-6, जयरामपुर कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बेक्स संपत्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राचपण में प्रकाशन की ठारींथ से 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्क्रीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, को उकत अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित-है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिकी गना है।

#### ग्रनुसूची

प्लाट नं 12, न्यू पलासिया, इंदौर में स्थित हैं।

वीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-5-1985

प्ररूप बाइ .टी .एन .एस .-----

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक शायकर शायकत (निर्देशक) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5721—अतः मुझे, वीरेन्द्रकुमार बरनवाल बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 9/1 है, तथा जो साकेत नगर, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्या-लय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, अक्टूबर 1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार
मूझ्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पुरवह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पावा गया प्रतिफल, निम्नलिश्चित उद्वदेश से उक्त सन्तरण
जिल्लित से नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी अस्य की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (च) इसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- प्रयोजनार्थ अंसरिती इसारा प्रकृट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

वतः वव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के वनुसूरण में, भें, उक्त विधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, जिम्मिनियक व्यक्तियों, वर्षाक् र--- (1) श्री कुंबर लाल सिंह ग्रात्मज दौलतसिंह, निवासी-मुनेर, जिला झासाबाइ राजस्थान तरफे ग्राम मु० चांदसिंह ग्रात्मज दौलत सिंह मधुबन कालोनी, इंदौर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप जैन ग्रात्मज रतनलाल, निवासी-270, साकेत नगर, इंदौर।

(भन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बासीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किह जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 9/1, साकेस नगर, इंदौर में स्थित हैं।

वीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-5-1985

प्र<del>क्</del>ष बाइ<sup>द</sup>्र दीं, एतः पुस<u>ः</u>--------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (१) में भूभीन सूचना भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निवेश सं० श्राई०ए०सी०/मर्जन/भोपाल-5722---भ्रत : मुझे, वीरेन्द्रकुमार बरनथाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जधीन सकाम प्रधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 129 पर बना हुआ मकान है, तथा जो बैराठी कालोनी नं० 2, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्टूबर 1984

क्री पृथिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार कृत्य, उधके इश्यमान प्रतिफल से एंचे इश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के सिए तय बाया बमा प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्वर्धय से उक्त अन्तरण लिखिए भी बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण वं हुई फिली नाव की वायत उपत वर्षिन विव्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के नावित्व में करी करने ता उपने वचने में सुनिया के कियं; क्षीर/का
- (क) एती किसी नाय वा किसी पन वा जम्म नास्तिनों को, विन्हें भारतीय नायकर श्रीचनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त निर्मित्रम, वा पन-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्दरियो ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया थाना थाहिए था, खिपाने में सुविधा वे सिक्ट;

बत्तक सव, कन्त कर्तुभनियम की भारा 269-व में अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अ अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित :— (1) श्री पहलाज राम पिता जूमलजी, निवासी-म०नं० 444, साधू वासवाणी नगर, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित ज्ञानी बाई पति हीरानंदजी, नि० मकान नं० 224, इन्द्रपुरी कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को नह त्या पारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के विष् कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

उन्त बन्धरित के अर्थन के तन्त्रन में कीई भी आहोंद्र 🖦

- (क) इस त्यान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवीच ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताशीय से 30 दिन की नवीच, यो भी नवीं व वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाय;
- (क) इस बूचना के राज्यम् में म्कापन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दिन-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंचे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्यान में दिवा वता हैं।

# अनुसूची

प्लाट नं० 129 पर बना हुन्ना मकान, बैराठी कालोनी नं० 2, इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्रीधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-5-1985

मोहरः

्र प्रकृतः । अस्य अपूर्णः स्थापान् । स्थापान

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व (1) के अभीन त्वना

#### भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयुक्त (नि<u>रक्षिण)</u> अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन रेंज, भोपाल-5723----अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनावाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लाट नं 129 पर बना मकान है जो बैराठी कालोनी नं 2, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अक्टूबर 1984

को प्वेक्कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती किन्तरितियों) के बीच एसे वृन्तरम् से लिए तम्पाया जवा प्रतिफल, निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गवा है हिन्त

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाव की वावक, , इक्त अधिनियम के जधीन कुद दोने के जन्तरक के वावित्व में कनी करने,या उत्तते वचने में सुर्धिधा कि सिम्प; जीर√या
- (ब) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रवीवनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए?

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निवित व्यक्तियों, वर्षात है—

(1) श्री राजकुमार पिता तेजूमलजी , मकान नं० 444, साधूबासवैणी नगर, इंदौर ।

(अतरक)

(2) श्रीमती शानीबाई पति श्री हीरानंदजी, नि०-224, इन्द्रपुरी, कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्षन के ध्रिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेष् ध---

- (क) इस त्यना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की सामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी सबिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीत द पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाधा;
- (ब) इब स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनत् स्थायर सम्पत्ति में हितबृद् किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पात जिब्दि में किस वा सकेंगे।

स्थळीकड्डण:--इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, वो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मया हाँ।

#### अनसूची

प्लाट नं 129, पर बना मकान बैराठी कालोनी नं 2, इंदौर में स्थित **है**।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7-5-198**5** 

अक्ष नाहाँ , द्रौ , एत , एस , अ + - ----

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्धाभण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5724— अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के गंधीन मक्षण प्राधिकारों कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एक्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० व्लाट नं० 60 का प्लाट है तथा जो साकेत नगर कालोनी, खजराना में स्थित है (श्रौर इससे उभावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथनपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाम की नावत, सन्तर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने ना बढ़ने बड़ार्य के दुनिया नी जिल्हा और/या
- (त) एसी रिक्सी आय या किसी धर या अन्य असंस्तवा को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-सार्थ अस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, क्रिया हों सुनिधा के जिए।

बाह्य अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, हिण्डेंत् क्र--- (1) श्रीमती सरस्वती बाई गोडबोले पति दत्तावय गोडबोले तिवासी ई-78 एल० आई० जी० कालोनी, 2 प्रमिला पति मनोहर नाम जोशी नि० के० आफ 4, एच० आई० जी० कालोनी, इंदौर, तरफे श्रा० मु० निर्मल, पति श्री केलाशचन्द्र गं**यराडे** नि०-4, एच० आई० जी० कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक्)

(2) 1 सूर्यप्रकाश 2 श्रीचन्द्रप्रकाश, पिना रामनार दुवे, निवासी-20, नीलकन्ठ कालोनी, इंदौर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### डक्त बस्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों का निस्थों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त क्षक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा; ◆
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकींगे।

स्वट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

प्लाट नं० 260 का प्लाट, साकेत नगर कालोनी, खजराना इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

**दिनांक**: 7-5-1985

प्ररूप गाइं. टी. एन. एस. - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेंज, भोषाल
भोषाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं अर्जन भोपाल आई० ए० सी ० 5725—अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पीत, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संज प्लाट नंज 11ई है तथा जो रक्षणाम कोडी कालोजी, इंदौर में स्थन है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के

कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अवदूबर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्रूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तेय प्रशा गया

प्रतिफल, निर्म्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हे के बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है किया

(क) बन्तरण से हुई फिसी बाय की बाधता, उक्क अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे दचने में सेविया के लिए अटि/बा

(ख) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के निए;

बत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अथाति :—

19—136 GI/85

(1) श्री वीरेन्द्र वहादुर सिंह, पिना श्री वृज्जिहारी सिंह चौहान, की श्रोर स आम मु० श्रीमती द्रोपदी, पति विकृद्ध बहादुर सिंह चौहान 23, जाये बिल्डर्स कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नत्थू प्रसाद, पिता श्री मथुरा प्रसाद बाजपई 5-4,डेरी कम्पाउंड, मनोरमागज, इंदौर ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी अपक्षेप :- -

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यस है।

#### अनुसूची

- प्लाट नं० 11ई, रतलाम कोठी, इंदौर में स्थित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7-5-1985

मोहर 🖫

THE ATT 25 QT. CT. ASSESSED TO A STREET

शासकर विभिन्न , 1961 (1961 का 43) की पारा 269 व (1) के अधीन स्पना

#### MICE STATE

कार्यं सक्त सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

- अर्जन रेंज, भोगाल
भोगाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सुं आई० ए० मी०/ग्रर्जन भोपाल 5726--अतः मुझे; वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 क के अधित सहास शाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजर कुला

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संज्ञ्ञाट नं 37 ला ताट है तथा जो श्रीनगर एक्सटेंशन, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इासे उपातड प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रिल्ट्रीलिंग अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिवियम 1998 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजर मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को भी हो अप प्रकृति यह जिल्हास करने का कारण हो कि स्थाप जीवत का उचित बाजर भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्रया गया प्रतिक कत, निम्निलिसित उद्देशण से उक्त अंतरण लिखत में बान्छ- विक रूप से कांश्रत नहीं किए गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में मृतिधा के लिए बौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या विशी पन पा अत्य आधितयां को, जिन्हें भारीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भेडक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1)श्रीमती सुशीलाबाई , पिता श्री मन्तागुलाल जी गुण्ता, पिति श्री शान्ति लाल जी, निवासी -28, भगतसिंह मार्ग, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी एल गग, पिता श्री द्वारका दास अग्रवाल, निवासी-65 एम अाई० जी० कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य न्यिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण है—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया कवा हैं।

## धन्स्की

प्लाट नं 37 का प्लाट श्रीनगर एक्सटेंशन कालोनी, इंडीर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राण्डितारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

বিনাল : 7-5-1985

मोहर व

## प्ररूपः भाइं, ठीः एतः एसः 🚟

# शायकर सांधानियस, 1961 (1961 का 43) की शास 269-व (1) के सभीत स्वता

#### शास्त चरकार

## कार्याजय, सहायक आयकार जावुक्त (निरीक्तज)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांवः 7 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन रेंज भोपाल 5 7 28--ग्रतः मुझें, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की नारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारम है कि स्थावर गम्मस्ति, जिसका उचित साबार भूत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 251 है तथा जो ग्राम बगदुंन जिला धार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजिस्ट्री जी श्रिव जरी के कार्यालय धार में रिजिस्ट्री जरण श्रीविनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीं ख श्रष्ट्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उच्चित आणार मुस्य के सम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभ पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का किए प्रतिकात से लिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए त्य भागा गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति सं

- (क) अन्तरण से हुई फिबी आज की बाबल, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड़/भा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाः को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृषिधा से लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बुधीन, निम्नलिखित क्यानित्यों, निम्नलि (1) श्री बुद्धा पिता धीसाजी माली

(ग्रन्तर्यः)

(2) श्रीं निनेशचन्द्र पिता रमेशायन्द्र खण्डेलवाल निवासीं → 7/1, स्तेह नगर, मेन रोड, नवलखा इंदौर प्रोपराईटर खण्डेलवाल ग्लास इन्डट्रीज । (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्चन के जिस् कार्यवाहियां करता हुएं।

## इक्ट अंपिंत के लबन के लंबन में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की भमीध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्वित्यों में से किसी स्वीक्त द्वारा;
- (क); इ.च. सुमना के राजपत्र में प्रकावन की तारीब ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वष्थ किसी मन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसिक्ष में किए वा सकती।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया यस हैं।

#### क वृश्या

फृषि भूमि सर्वे नं० 251, ग्राम अगर्धुन तहः धार में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल स्थाग प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7~5~198**5** 

मोहर: -

## रक्ष कारं ही. इत. एस

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोनाल, दिलांक 7 मई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सीं० अर्जन/भोपाल/ 5729---ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा क्रिक के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास कार्य का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार. मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्की सं ण्लाट नं 218/4, ब्लाइ नं 14 पर बना महान है तथा जो लोहार मंडी बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री स्त्री अधि गरी के कार्यालय बुरहानपुर में रिजस्ट्री रूप अधिनियम 1908 (1908 मा 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान श्रांतिफल को निए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके छ्यमान प्रतिफल से एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं निका गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य कास्तियां का, जिन्हों भारतीय बायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धनकर वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

्डतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित कर्कतवाँ, अर्थात् है— (1) श्री नफीज शाहिद, पत्नि श्री ग्र० हुसैन शाहिद दाउदी बोहरा, निवासी-काजी हवेली, वार्ड दाउदपुरा, बुरहानपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रमीनाबी जोजे मो इस्माइल फैसी, खेराती बाजार, बुरहानपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष हन्न

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की बद्धिया तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्ति के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तोरीस हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्र ब्रह्म किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए या सकेंगे।

स्वक्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उपक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### बन्स्यी

प्लाट नं 21/4, ब्लाक नं 14 बना मकान, लोहार मंडी, बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विचरण अन्तरिती क्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुनार बरनवाल सक्षम प्राधिका<u>री</u> सहायक स्रायकर्<sub>।</sub> स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनां ः : 7-5-1985

मोहर 🚁

## 

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

#### बारत बरकाष

कार्यानय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी ० अर्जन भोपाल 5730 — अतः मझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 को 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिल्लि सं े में निवत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय इंदीए में रिधर्ट्री ाज अधिक्या 1908 (1908 का 16) के अधिक तारीं अधिकारीं अधिकारीं के

को पूर्वो वत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम, के बधीन कर दोने के जन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियु; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, ज़िन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त जीधीनयभ का भारा 269-म के अमूसरभ में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निकिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) रामप्रसाद पिता वासीराम, निवासी-213, जगजीवनराम नगर इंदौर आम० मुज्क्षी राम पिता कुंबरजी ग्रोबर, देवी ग्रहिल्यामाता मार्ग, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बृजभूषण कडिया पिता सुखलालजी कडिया निवासी-213, जगजीवनरास नगर,

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना कारों करके पूजोंक्त हम्मिति के सर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उनत संपृति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की वर्षाय या तत्सव्या व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की वर्षाय, को भी वर्षाय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राज्यत्र वे प्रकासन की तारीस से 45 दिन के बीतर उक्त स्थान्त सम्मत्ति में हितनव्य किसी सन्द व्यक्तित स्वान स्थाहस्ताक्षडी, के पास निवित में किए बा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा, को उस अध्याय में दिया स्वाह ।

#### बन्स्पी

म० नं० 213 जगजीवन राम नगर इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधि-ज़रीं सहायक ग्राय-रर्ग्ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनां ह : 7-5-1985

गोद्धर् :

## प्ररूप बाई .टी एन एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, तहाचक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/5ग्रर्जन/भोपाल/731—प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनचाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाय 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं , सं ० प्लाप्ट नं ० 346 पर बना म ान है तथा जो उपा नगर, इन्दौर में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसुधी में और पूर्व रूप से क्षित है) रिक्ट्रिकर्ता अधिवारी के सार्यालय इंदौर में रिजिन्ट्रीकरण शिविदियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीय असटूबर 1984

को पूर्वीक्त सम्मति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थामूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और वन्तरक (जन्तरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिस उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, बाबकर अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, वा धन कर अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, वा धन कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हवास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीम, निम्नीलेखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्री बाबूलान पिता राम करेग फछवाह, 26/2, छीपा बाखन, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री योगेन्द्र कुमार, पिता मिन्स लालजी जैन, इमली बाजार, म० नं० 157, इंदौर।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त बम्बीस के अर्घन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (फ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृषका की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्मि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिकित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण:—-इत्तमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुर्खे हैं।

#### बन्स्ची

मकान नं 157, इमली बाजार, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन् रेंड, भोपाल

दिनांक : 7-5-1985

मोहर:

प्रकथ आहें ् टी . एव ् एवं ु =======

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रोन स्वा

भारत गुरुकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निर्शामक)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल/5731— अतः मझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् ('उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कार्न नं 17 है तथा जो जेल रोड, स्ट्रीट नं 1, इंदीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंद्रीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य का अस्ति दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का शब्दह प्रतिशत में अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती कि बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया गितफल, निम्मिलिखत उद्देश्य में उक्त कन्तरण निमित निमित

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-विश्वस के अधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्व में अभी करने मा बसने दचने में सीव्या के किए; बीर/बा
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के सम्बेजनार्थ कन्तिरिही हवारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सुभाष हरीभान पुराणिक, जेल रोड, इंदौर, वर्तमान प्तानन्दा रोड, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) देवेन्द्र कुमार जैन , 86, एम० जी० रोड, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तालील में 30 दिन की बविधि, जो भी लबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ से से ज़िली व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास जिस्ति में किए जा सकों है।

स्पाद्धीकरण हि—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उसक विधितिसम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हाँ श

## वनुसूची

मकान नं 0 17, जेल रोड , स्ट्रीट, नं 0 1 इंदौर में स्थित है।..

वीरेन्द्र कुमार बरनवास् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-5-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन टेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5733—अतः मझे, वीरेन्द्रकुमार बरनवाल,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), कौ धारा 260-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हाँ

ग्रीर जिलकी सं० प्लाट नं० 118 है तथा जो अनूप नगर इ.जोकी, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुमूत्ती में जीए पूर्ज रूप विवर्णित हैं) राजस्ट्रीकती अधिकारी के दार्यालय इंदौर में राजस्ट्रीकरण अधि।नयम 1908 (1908 का 16) अधीन नारीख ग्रक्तुबर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरणमान प्रतिफल के लिए अन्तिक्ति की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्प्रमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से अवत अन्तरण निश्चित में वास्तिविक कप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अविनियमं की धारा 269-गृके अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती शीलः सी० नरोनः, 10, रानाडे कम्पाउन्ड, इंदौरः।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीय क्रुमार पिता, श्री सत्यपाल गुप्ता, 2. श्रीमती सीला, पत्नी श्री मतीय कुमार गुप्ता, निवासी-415, नार्थ राज मोहरूला, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षेरी के पांच लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

## अनुसूची

प्लाट नं० 118, अनूप नगर कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल संअप प्राधिकारी सहायक आयक्षर अध्यक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

दिनांक : 7-5-1985

मोहर :

## प्रकृत बार्ड ्डॉ-स्न्यू स्विञ्चनकानानाना

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सुभना

#### नाहत चहुनाहु

## कार्याक्यः, सहायक मायकर भागूक्त (नि<u>र</u>ीक्य)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० आई० ए० सी/०अर्जन/भीपाल/5734—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

जायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सण्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान नं 59 नया नं 6 है सथा जो रेसकोर्स रोड़, रसलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ) रिजस्ट्रीकिर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकिर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकां) कोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निवित उद्योग्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) वस्तरण से हुए किसी भाग की वावत , उक्त वृष्टिक्स के अभीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1322 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को '27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन : निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

20-136GI/85

(1) श्री मदन लाल जी , पिता श्री सुखेलाल जी गर्ग, निवासीं ←6, रेसकोर्स रोड़, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) डा० महेशचन्द, पिता श्री कैलाण चन्व वेश्य, निवासी-6,7, नेसकोर्स रोड, इंदौर ।

(अन्सरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुई।

## दक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीआ से 45 दिन की जनिंध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाडा;
- [(क) इस सूचना के डाजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मुभोहस्ताकारी के पास सिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुति अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्ची

मकान नं० 59 नया नं० 6, रेसकोर्स रोड, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर कुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### शारत वरकार

कार्मूलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मई 1985 निदेश संब आई० ए० सी०/575708—अत: सझे व

निदेश सं० आई० ए० सी०/575708—अतः मुझे वीरेन्द्र

कुमार बरनवाल बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 394/1, हव्का नं० 24, है तथा जो रतलाम में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान श्रीक्षफल सं, एसं क्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-कल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुद्देशिक सी बाय की बायद उसके मीथ-तिम्म के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में ऋभी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; बौद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों करें, जिन्हें भारतीय जानकर जीधनियम, 1922 (1922 का 1!) या उन्त वीधनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रियानियम, 1957 (श्वरित का या प्रक्रियानियम समिति स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के लिए;

बतः बन, उन्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तं अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (१) के अधीन, निम्निनिश्चतं अविरायों, वशत् हरू (1) श्री नानूराम पिता नारायण माली तिवासी--जूनी कलाल सेरी, रतलाम।

(अन्तरक)

(2) सरकारी कर्म चारी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रतलाम द्वारा अध्यक्ष, श्री किशोर सिंह, पिता श्री विजय सिंह डोडिया, निवासी—14, बड़ी सीतलामाता की गली, रतलाम ।

(अंतरिती)

को बह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के वर्षन के लिए कारणाहिया करता है।

## उक्त रामित के बर्चन के सम्बन्ध में किंदी भी बाक्षेप्र ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से-45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते व अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भिम सर्वे नं० 394/1, हल्का नं० 24, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पित है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7-5-1985

मोहर 🖫

## 

## आवकर व्यक्तिवन, 1961 (1961 का 43) की शब्द 269-त (1) के वर्षन बुक्तना

#### MIES SECRE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० आई० एम० सी०/5773—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके वश्यात 'उन्त अधिनियन' सहा गया हैं), की भारा 289-क के अधीन सक्तन प्राधिकारों को यह विकास करने का कार्यण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाहार मृज्य 1,00,000/-रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 394/1, हरूका नं० 24, है तथा जो रत्नलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय रत्तलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह जिल्हास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, सबके दश्यमान प्रतिकल से एवं दश्यमान प्रतिकल का पंतह प्रतिकास अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्तियाँ) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिकल्त, विस्तिचित उद्देष्य से उच्य बन्तर्क सिक्ति में बास्तिकरू रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरणा से इन्हें किसी जाव की वावरा न उक्ते अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करते वा उससे वजने में सुविधा के लिए अग्रिशी
- [य] प्रोधी किसी जाम या किसी भन वा बन्य जास्तियों को विन्हें भारतीय आयकर जीविनिक्स, 1922 (1922 का 11) या स्वत्त अधिनिक्स, या अवक्त अधिनिक्स, या अवक्त अधिनिक्स, या अवक्त अधिनिक्स, या अवक्त अधिनिक्स, विन्ने 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यानिक अन्योद्यो क्षाप्त प्रकृष्ट नहीं किया यवा या किसा क्षाणा खाडिल था किसा है किसा स्वीक्ष का किसा के किसा

ं अतः अअ, उच्छ अधिनियम की भाग 269-म के अवस्थरण में , की, उक्छ अधिनियम की बाच 269-म की उपभाग्न (1) को सभीत्र निक्तिसिंख व्यक्तियों , अर्थम अन्य (1) श्री नातू राम,
पिता नारायण जी माली,
निवासी-जूनी कलालसेरी,
रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) अभिभाषक गृह निर्माण समिति रतलाम द्वारा अध्यक्ष श्री लालचंद उबी पिता मंगा राम जी, निवासी न्यू रोष्ट्र, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बार्ग करके प्रशिक्त संपर्शिक के अवंश के किए कार्यनाहियां करता हुं।

## सबत बामिति को बर्जर के बंबंध में कोई भी बार्जप है-

- (क) इस सुमान को राजपन में जकावन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुम्बर्ग की सामील से 30 बिन को अवधि, को की सम्बद्ध भाष में समान्य हांता हो, के शीरार पूर्वीकर व्यक्तियों से से किसी कामित सुनारा;
- (क) इस स्वात के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 जिन की भीतक उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित-वर्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के सस निकास में किए जा तकींगे।

स्वक्षां करण क्यां अयुक्त सन्दां और पवां का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विवा गवा है।

#### वग्स्ची

भूमि सर्वे नं० 394/1 हल्का नं० 24, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पित है जिसका संम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित्त है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7-5-1985

मोह⊈ 🏻

## प्र<del>क्</del>ष वार्<u>ष</u>्टी<u>.एन.</u>एस<u>..----</u>-

म्याकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यांगन, सह्यवक आवकर आयुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 13 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/5775—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उन्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जितका उचित वाजार नृस्व 1,00,000/-क से निधक है

श्रीर जिसकी सं० भिम सर्वे नं० 347/12 349/2 है तथा जो ग्राम बाब्रिया कला, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोगान में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1890 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्रवनान वितिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उमित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य से उसत अन्तरण किवित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिय

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की, यावस, उक्त जरभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में तुविधा के जिद्द; और/वा
- (क) प्रेसी शिक्सी साम या किसी भन या अन्य आस्तियों को सिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना खाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बत्ध जब, उक्त जिविनयम की भारा 269-ए के अनुसरण के, जै, उक्त विभिन्यम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्निशिवित व्यक्तिवों, वर्षात् ्— नोहर : (1) श्री जीतमलजी, 2. नन्द किसोर जी, 3. रामनारायण पिता हजारी लाल निवासी बाविष्या कला तहः हजूर जिला भोपाल।

(अन्तरक)

(2) होली कास सहकारिता गृह निर्माण समिति मर्यादित भोषाल द्वारा अध्यक्ष मन्डम्तील इती इती।

(अन्तरिती 📜

को यह सूचना चारी करके पूर्वीवत सम्मति के वर्षन के बिहु कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त तम्बत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में खोर्ड भी आसोप ८---

- (क) इस स्चना के राध्पत्र वे प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की नवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इसस्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए वा सकरी।

## धन्स्थी

भूमि सर्वे नं० 347/1/2, 349/2, ग्राम बाविडिया कलां, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-5-1985

मोहर:

प्रकृष कार्यंत हो । प्रमान प्रसान व्यक्त

भागकर भाषितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन सुचना

भारत चढकार

कार्यांत्रम, सहायक नायक्तर नायुक्त (निर्द्राक्रण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 🙀 30 सई 1985

निदेश सं० 26 अक्तूबर/84/रंज-II—अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल;

बायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इ

ग्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 514,1, हिस्सा है तथा जो तिक्वांट्रियूट गांव में स्थित है (ग्रीर इस उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिक्वोठियूर लेख सं० 324/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अन्तुबर 1984

की पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित्र, बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्योंक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूलूंग, उसके दश्यमान प्रतिफात से, एसे क्रयमान प्रतिफात का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे शन्धरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योधीं से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—— है ...

- (क) अन्तरण संहुई सिती बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के क्षींन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने, या उत्तर बचने में सुनिधा के निए; और/या:
- (ख) ऐसी किसी जान या शिकनी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व बारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वह हिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 2/69-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2/89-अ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निमित व्यक्तिकारीहर अपूर्णि अस्ट (1) श्री आरं० जना

(अन्तरक)

(2) श्री बी० रूल राज श्रीर श्री बी० जोसफराज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के तर्जन के कवंच में हिंही आक्षेप '--

- (क) इस स्थान के राजपत के प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर अम्पति मा हिलाउद्भ किसो अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए पा सकरें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्**स्चीं**

भूमि स्नीर मकान सर्वे नं० 5/4/1, हिस्सा तिरूबोट्टियूर लेख सं० 324/1/84 मद्रास में स्थित है।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक: 30-5-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बाहु", टी, एन, एस. न्यान मन्त्र

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यासय, बहायक भायकार बाबुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं० 33,अक्तूबर 84,रेंज-2-अत, मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

बायक द विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 140, मि वानियूर एस० ने 1629 है तथा जो लिंक्बोनियूर में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शैंदापेंठ, लेख मं 998, 999,84 में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अन्तुबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कन के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और मन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्दोदय से उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने क्रो अन्तरक के दाय्तिय में कमी करने या उससे अवने में सुविधा को लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनिम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम् की भारा 269-त की अनुस्रण् मो, मी, उक्त अधिनियम् की भारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अभित् ६—- (1) श्रीमती मुन्तूलक्ष्मी ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० सुधा श्रीर राधा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह=-

- (क) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर-स्थान की तारींस से 30 द्विन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूजना के ट्राज्यप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उजत स्थाजर सम्पीत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उपस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि एस० न० 1629 श्रीर 140; तिस्वीनियूर मद्रास मोदापेठ लेख सं० 998 श्रीर 99984

> एम० सामुबेल प्सामुबेल सिक्सम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 30-5-1985

मोधर उ

प्रकष आहूँ हों पुन पुरस ्व----

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1985

निदेण सं० 75/श्रक्त्बर 84/रेंज-2--श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

शायकर अधिनगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो तिरूप्पालियूर कडलूर में स्थित है (और इस उपानब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कडलूर लेखें सं० 1703/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तुवर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम **के र**श्यमान तिए बन्तरित की गहुँ । **विष**्यास यभी यष्ठ करमे का कारण सिम्पह्ति का उच्ति बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से., ए'से दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंत-रक (अंशरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्सविक रूप से कथित नहीं गया £, E---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस क्रें अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क्षें लिए और/या
- (क) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान साहिए था. स्थिमों में मुविधा के लिए;

लत: अज, उदह लिधिनियम की धारा 269-ग्व के बन्धरण में, मैं, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोलिकिक व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1)श्री ग्रार० सूत्रमणियन

(भ्रन्तरक)

(2)श्री के० बालचन्दर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ं उनते संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;

Maria III

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्थार अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### वन्सूची

भूमि तिरूपापुलियूर-कबलूर लेख सं० 1703/84

ाम० सामुबेल राक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रकृत रेंज-2, मक्षास

दिनांक : 30-5-1985

मोहुरु 📜

प्ररूप भार्ड .टी . एन . एस------

नासकर वाधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के वधीन स्वाना

#### भारत सरुकार

' कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरौक्षण) ग्रर्जन रेज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं० 166/ग्रक्तूबर 84/रेंज-2--ग्रतः मुझे एम० साम्बेल

कार्य-कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें रहके पश्चाह 'उपस समिपियम' नदा गया है), की अभ्य 269-स के अभीन स्थाम प्रतिभक्तरी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थामप्र बज्यित, जिसका उपित बाजार मूस्य 1,00,000/- रह. से मध्यम है

और जिसकी सं० 2, चेमियर्स रोड , है तथा जो मशस-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मश्रास सेंट्रल लेखा मं० 1028/84; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन तारींख अन्तूबर 1984 को प्रवित्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विजेख के अनुसार अंतरिस कीनई है और मुक्त यह विश्वकास करने का कारण है कि वह पूर्वें कर पृथाकत तम्मीक का उचित बाधकर मृत्य, उद्युक्त करवान अधिक के प्रवृद्ध प्रविद्युक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्करकों) और वन्तरितों (अन्तरितवों) के बीच एंचे अन्तरक विनए तब प्रथा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्युक्त से उच्छ अन्तरक कि निए तब प्रथा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्युक्त से उच्छ अन्तरक कि निए तक प्रथा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्युक्त से उच्छ अन्तरक कि निए तक प्रथा

- (क) अन्सरण से हुव्द निश्ती आय की वाग्छ, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्यरक को समिल्य में कभी करने का उत्तस बचने में सुविधा के सिर्ण और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य कारिस्तरों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं कि बा बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शराः जव , उनतः विधिनियमं की धारा 269-मं के अनुतरण को , को , उस्ता अभिनियमं की धारा 269-च की उपभारतं (1) को अभीत् । निम्नितिषक क्षितवाँ स्थातः ः— (1)श्री बगायरमा दामोदरन ।

(भ्रन्तरक)

(2) ममता श्रप्पौ राव।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचमा जारी करके पृथंकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त तम्यील के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप्ः--

- (क्लं) इस श्वाना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिव की व्यक्तिया वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की वासीक से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तिया में कमाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से जिससी व्यक्ति प्रवारा;
- (व) इस सुकता के राज्यभा में प्रकाशन की शारील से 45 कि को और प्रकार स्थापन सम्पर्धक में हिझा-सन्ध किकी भाग न्यासिक कृतारा जथोहरताकारी के पात लिकिश में किए जा सर्वोगे।

स्पच्छिकरण:---इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों का, जो उनक अपिर्धियम के अध्यान 20-क में परिचाणित है, नक्षी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गना है।

#### अनुसूची

भूमि और मकान नं० 3901/33, प्लाट नं० 9, डोर न० 2, चेमिक्की रोड, मब्रास-28, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 1023/24

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मश्रस

दिनांक : 30-5-1985

मोहर 🗈

प्रक्ष बाइं. टी. एन. एस. ----

बाय्कश विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रेंज-11, मशस

मक्रास, दिनांक 30 भई 1985

निवेश सं० 173/ग्रन्त्वर 84/रेंज---- म्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भायकर शीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुत से अधिक हैं

और जिसकी सं० 15, 8 आस स्ट्रीट शास्त्री नगर है तथा जो मदास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है ) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रडयार लेख सं० 2955/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रकृषर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार बृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का अधिक का अध

- (क) जन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, सक्त जिमिनियम के जभीन कर दोने के जम्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी वन या बन्य बारिसपाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाँधनियम, या वनकर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्दरिसी द्वास्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ग्र की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् र—— 21—136GI/85 (1)श्री बद्रीनाथ ।

(अन्तरक)

(2)श्री बी० सुधीर राज और श्रीमती गीता राज।

(अन्तरिती)

को वह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी शाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्विक्त ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच सिचित में किए जा सकींने।

## श्रमसूत्री

भूमि और मकान 15, 8 कास स्ट्रीट, शास्त्री नगर, मदास-20, प्रडयार लेख सं० 2955/84

> ्म० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षणः) श्रजेन रेज-11, मधास

दिनांक : 30-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, मधास

मदास, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं० 194/श्रक्तूबर 84/रेंज-II--ग्रःत मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें क्रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रत. से अधिक है और जिसकी सं० 1, जम्बुलिंगम रोड, मैलापुर है तथा जो मदास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रहिकारी के कार्यालय मैलापुर लेख सं० 1416/84 में राजिस्ट्रीकरण, ग्राधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख भक्तूबर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के कस्थशान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित ताजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेदेव से उक्त अंतरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) इसी किसी आब या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के सिए;

बत: जब, उक्त बीधिनिधम की धारा 269-ण के अन्हरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वर्धन, निम्निभिवित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मेसर्स तुलवन होटस प्रा० लि० डायरेक्टर श्रीमती प्रन्ती जोसेफ

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० म्रार० नागप्पन एन० वादिलयामे।

(भ्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अजीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पय्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### भनुसूची

भूमि और मकान 1, अम्बुलियम शेड, मैलापुर मधास-4 मैलापुर लेख सं० 1416/84

> श्रीमती ६म० साम्<mark>र्</mark>विलं सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-II, मक्षास

विनोक : 30-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ. ट. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं. 195/अन्त्वर, 84/रेंज-II-- अतः मुझे, श्रीमित एम० सामुदेल,

स्रीर जिसकी सं० 2 जढ़ज, जंबु लिंगम रोड, मैल।पूर मद्रास-5 में स्थित है (श्रीर इससे उप बद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्णरूप से विजित्त है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैल।पूर लेख सं० 1417,84 भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन 16 अन्तूबर, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्सि का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्लें स्त्री (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिहित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उसत अधि-नियम के अधीन कर देन के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् १(1) श्री जोस अन्ठनी तुलुवत,

(अन्तरक).

(2) श्रीमित एन० विलयम्में श्रीर पी० आर० नागप्पन्।

(अन्त्रीरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वनसची

भूमि---2 जड़न जंबुलिंगम रोड, मौल,पूर, मद्रात-4 मैलापूर। लेख सं० 1417/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-II, मब्रास

नारीख: 30-5-1985

महेहर 🥲

प्ररूप बाहु 👸 ट्री., एम., एस., ==========

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-मु (1) के मुधीन सुचना

## बारत रहकाह

कार्यालय, सहावक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-II मद्रास

मब्रास, दिनांक 30 मई 1085

निदेश सं 0 2 48/ अन्तूबर, 84/रेज-11- अतः मुझे, एम 0 सामुबेल,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-का के वधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उजित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 20, मीब्रेस रोड, 11 लेन, है तथा जो आल्वा-टपेठ मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर-लेख सं० 1396/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अक्तूबर1984 को पूर्वोकत सम्परित के उसित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान शिष्फ्स के निए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोकत सम्पर्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान शिष्फ्त को पूर्वे ख्यमान शिष्फ्त का पूर्वे प्रतिवात से विधित है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिष्फ्त का निम्नितिबत उद्वेष्य से उस्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है द

- (क) बंतरण में हुन किसी बाद की बावस, उक्स विभिन्तियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; जरि/वा
- (ख) एसी किसी जाव वा किसी वन वा कस्य वास्तिशी का, विन्हें भारतीय आयकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जवत अभिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा दा किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

् वतः वतः, उक्तः विधिनियमं कौ धारा 269-गं कै वृत्तुत्तरकः वों, बों, उक्तः विधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिवित् व्यक्तियमों, वर्धाव के क (1) श्री के रगुपति।

(अन्सरक)

(2) श्री एन० मुत्तु श्रौर दूसरे।

(अन्तरिती)

को वह तुषमा पाडी कड़के पूर्वोक्त सम्मृत्ति के मूर्णम् के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

सन्त सम्परित नी वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् ह्र--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जविध, को भी वदिश में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेच्छ व्यक्तियों में से किसी स्वनित द्वाए;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 बन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी बन्ध व्यक्ति स्थाया, जभोहस्ताकारी के शक्ष तिचल में किये जा सकेंगे।

स्थाकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत जीधीनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिव। वका हैं।

#### अनुसूची

भूमि ग्रीर मकान--20, मौश्रेस रोड, ॥ लेन, आल्बाटपेठ मदास-18। मैलापूर लेख सं० 1396/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्तारीख: 30-5-1985

मोहर:

प्रकम बार्: .टी .एग .एस .,------

बायभार व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 259-व (1) के बधीन स्थान

#### प्राप्त सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजन रेज-।।, मन्नास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं 267/अक्तूबर 84/रेंज-॥--- अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

1,00,000/- स. से बिधिक हैं

प्रोर जिसकी सं० 540, न्यू नं० 79, वेलच्चेरी रोड, है तथा जो वेलच्चेरी मद्रास-32 में स्थित है (प्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्राँवापेठ लेख सं० 1012/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अक्तूबर 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूफे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया बरितक निम्नृतिबित ज्वववेष्य से उच्च कृत्वरण विविद्ध में वास्तिक निम्नृतिबित ज्वववेष्य से उच्च कृत्वरण विविद्ध में वास्तिक निम्नृतिबित ज्वववेष्य से उच्च कृत्वरण विविद्ध में वास्तिक क्या कारण कर से स्थान पाया गया विराध कर से किया निम्नृतिबत्त कर से किया निम्नृतिबत्त में वास्तिक कर से किया निम्नृतिबत्त कर सिंतिक से किया निम्नृतिबत्त कर से किया निम्नृतिबत्त कर से किया निम्नृतिबत्त कर से किया निम्नृतिबत्त कर से किया निम्नृतिबत्त से सिंतिक से किया निम्नृतिबत्त से सिंतिक से सिंतिक से किया निम्नृतिबत्त से सिंतिक सिंतिक से सिंतिक से सिंतिक से सिंतिक से सिंतिक सिंतिक सिंतिक सिंतिक से सिंतिक से सिंतिक सि

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबस, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (वं) एसी निस्ती जाय या किसी धन था अन्य जासित्वी की, जिन्हों नारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्दरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नया था किया बाना थाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन विस्तिचित स्पन्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री अत्रिक्तां वजयकुमार श्रीर श्रीमित मंजुल विजय कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति एंच० गीसा।

(अन्तरिती)

को यह क्षा बारी करकें पृथ्वित संवित्त के वर्षत् के विव्य कार्यमाहियां करता हो।

## उक्त कमरित् के वृर्वन् के सम्बन्ध् में कोई भी नाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यक्ति को भी वर्ष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए सा सकेंचे !

स्वयद्गीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उवस विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

#### बनसंधी

भूमि श्रौर मकान—79, बेलच्चेरी रोड, बेलच्चेरी मद्रार्स-32 ग्रौदापेठ । लेख सं० 1012/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, मद्रास

नारीख: 30-5-1985

कोहर ।

**प्रकृत कार्ड , हो , एक ,** युक्त 🗻

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाइ

## कार्यातय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-11, महास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1985 । निदेश सं0268, अक्तूबर, 85/रेंज--- अक्षः मुझे, एम० सामुबेल,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संवर्टाव एसवनंव 3 ब्लाह नंव 15, बेलच्चेरी-रोड, हैं तथा जो वेलच्चेरी, मद्रास में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपा-बढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीवर्ता अधि-कारी के कार्यालय, गैंदापेठ, लेख संव 1010, 84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 अक्तूबर, 1984,

करे पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्द्रारित की गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल् से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्मलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया ग्या है ——

- (क) वंतरण से हुई किती आय की शबत, उक्त ंतिनगम के मधीन कर दोने के बन्तरक के शिवत्य में कामी कारने या जबसे यजने में बुविधा के लिए। बार/या
- (क्षं एसे) किसी अब वा किसी धन वा करन जास्ति। को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, मा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ अन्ति द्वाडा प्रकट नहीं किया बना भा या किया धाना चाहिए का, कियाने में जुनिधा के विए;

अतः जय, उक्त आधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः - (1) मेसर्स आर० बी० के० हो। लडग्स रेप्रसंटड बेमानेसिंग पार्बनर-श्री अर्र० विजय कुमार ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमति के० सुरेखा।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कायवाहियां करता हूं।

जबल सम्परित् के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वान की हामील से 30 दिन की अवधि, वां भी . जनाध बाद में लगान हाती हो, के भीतर प्रांक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निकित में किए का सकेंगे।

स्पन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्यो का, वो जन्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है वही पर्यो होगा जो उन ग्रज्याय में विमा गया है।

#### मन्सूची

भूमि—-वेल ज्येरी रोड, वेल ज्येरा महास-32, टी॰एस॰ न॰ 3, ब्लाक न॰ 15, शैदापेठ लेख सं॰ 1010/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-<sup>1</sup>1, मद्रास

तारीख / 30-5-1085 मोहर: प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मंभीन सुचना

#### भारत संस्काह

## कार्यासय, सङ्घाषक ग्रावकर ग्रावुक्त (विरीक्षक)

श्वर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जून 1985

्र निर्देश सं० 1/अक्तूयर 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (क्सि इसमें इसके पत्थात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिन्नकी संब्दाक 85 टी ए सव न ० 212/3 है तथा जो कोडम्बानकम् गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय कोडम्चानकम् लेख संब 2717/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक अन्त्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का जजरण है कि स्थाप्कार्विक संपृत्ति का उचित बाजार भूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिय है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिक क्षा निस्निसिक उद्वेद्य से उच्छ अन्तरण किवित में दास्त्र-दिक कर से कथित नहीं जिला क्या है हिल्ल

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत अध्यस अधि-दिवस औ बचीन कर दने के बन्तरक के दाधित्य में क्की करदे वा असमें वचने में बुन्धिया के किए: वरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनूसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्बात् उ—

(1) श्री पी० एस० मणि

'(2) श्रीमती कमला देवी और ग्रन्मो

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कर्यताहियां शुक्र करता हुं।

जकत तम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हित- विषय किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे ।

भ्यस्थीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्तों और पदों का, वो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ह्रोगा, जो उस सध्याय में दिसा गया है।

भूमि और मकान-11, तडी स्तम् रोड, कारनीक्ष्यर नगर वेस्ट झोन्स रोड़, शैदापेठ--मद्राप-15 कीडम्बाक्कम् लेखा सं० 2717/84।

> श्रीमति एम० सामुवेस, सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रार्वन रेंज-2, मदान

दिनांक: 1-6-1985

मोहर 🚁

प्ररूप नार्षः टी. एत्. एसः, नन्ननन्ननन्नन

जाभकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

मारत सरकार

कार्वालय, सहायक भागकर बाबुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जम रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० 19/प्रक्तूबर 84/िंज-II--प्रतः मझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अर्थिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000∕-रुः से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी सं० 18, पुराना नं० 14 बी न्यू ठांक स्ट्रीट है तथा जो नुगम्बाक्कम मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धौसंडलैंट्स् लेख सं० 455/84 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक प्रक्तूबर 1984।

को पर्वोक्त सम्प्रित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते ग्रह विश्वात कारने का कारण है कि संशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रीतचात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंबरितियाँ) के बीच होसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन मिन्नमिक्षित उद्देश्य से अन्त नंतरण निवित में बास्तविक क्ष्य से कश्यित नहीं किया गया है र---

- '(क) बन्तरण से हुद**ै** किसी<sup> (</sup> जाय की बाबत, <del>उक</del>् अधिनियम के बचीन कर येने के अंतरक के दाबिक्त में कामी करने। या उससे बचने में सविधा के मिए; नौर/वा
- (क्) इन्हीं कि सी जाय वा कि सी पून या जन्म वास्तियाँ का, चिन्हें भारतीय आवकर किशीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) कें प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी द्यारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा क्षे विए:

े अत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में समत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीत, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात् ह---

(1) श्री एन० विश्वनाथन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० के० बड्बम्माल।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यकाडियां करता डार्

बक्त सम्मत्ति भी नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप 🕬

- (क) इत सुचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख 4.5 दिन की बद्धिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्रुचनाकी टामीन से 30 दिन की श्विधि, को भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वान के रावपत्र में त्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिविध में किए आ सकेंगे।

**ल्यक्रीकरणः ---इ**समें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को **उपल** विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया ह°ै।

#### वन्त्यौ

भूमिं भौर मकान-18 (पुराना नं ० 14वी, न्यू डांक स्ट्रीट, न्ंगम्बाक्कम् मद्रास-धीसन्डलैठ्स् लेख सं० 455/84

> श्रीमति एम० सामवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयमंर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 1-6-1985

मोहर

प्ररूप जाइ ैंं टी, एतः, एस ..----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाउर 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुर्वेत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनोक 1 जून 1985

निर्देश सं० 35/श्रक्तूबर 84/रेंज-IJ—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसकी उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 54डी, वेलच्चेरी रोड़ है तथा जो वेलच्चेरी, मब्रास-32 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ भनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, शैदापेठ लेख सं० 1009/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्यूम, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रेश्तिमत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेक्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है अन्तरण सिकत में वास्त

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाव की वाबत, उचत अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी अप या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम या अन कर अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अवस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के निए;

कतः नवः, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत् ःच्या 22 —136 GI/85 (1) श्री श्रार० विजय कुमार श्रौर श्रीमती मंजुला विजय कुमार

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स लियो एंटरप्राइ जेम, रेप्रसेंट बाई श्रीमती कें० सुरेखा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्द सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ----

- (क) इस तुचना के राजवन में प्रकाशन की तारीज से \$5 विश्व की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की नविथ, को भी जनिथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्योंक्तयों में से किसी स्यक्ति ब्यक्ति इसार;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि श्रौर मकान---79, वेलच्चेरी रोड़, वेलच्चेरी, मब्रास-32 गैधापेठ--लेख सं० 1009/84।

> श्रीमित एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन जेंज–II, मद्रास

दिनांक: 1-6-1985

मोहर :

प्रकृप बाह्र दी एव पुरु -----

(1) मेसर्स भ्रार० वी० के० होल्डिंग्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जे० राधा बायम्मा

(भ्रन्तरिती)

श्वाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आधकर नायुक्त (निरीसक)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास.

मद्रास, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० 37/ग्रक्तूबर 84/रंज-II--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उन्नत श्रीधिनियल' कहा गया हैं), की, धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को नह निक्चाल करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जितका उचित बाचार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 78, टी० एम० नं० 3, ब्लाक नं० 15, है तथा जो वेलच्चेरी रो, इं गैंदापेठ वेलच्चेरी में स्थित है भीर इसमें उपाबद्ध म्रनुमूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा मधिकारी के कार्यालय, गैंधापेठ लेख सं० 1011/84 में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक अन्तूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कब के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त बहु किस्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल थे, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिकृत से विधिक है और सन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तक बाया नवा प्रतिफल, निकासिका उनुहोस्य से उक्त अन्तरण निवित्तं में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती, जावत, जब्द अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वास्तित्व में अस्ती करने या छत्तचे वचने में बूबिया के निप्: और/सः
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय प्रायक्तर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धान कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया जाना चाहिए था, छिपपने में मृतिधा के निए।

जतः अन, उक्त निधितियम, की धारा 269-त के जनसरण में, में, उक्त निधितियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के नधीन, निध्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः— को यह सुचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्वित्त के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🕾 🚗

- (क) इस बुधना के द्वाचपत्र में प्रकाशन की दारीय हैं 45 दिन की जबिंध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध काद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में संकिमी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृरनापारी के पीस निवित्त में किस् का संकेंगे।

स्वक्योकरणः इसमें प्रयुक्त सन्वों और पदौं का, जो जनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

भूमि टी० एस० नं० 3, वेलच्चेरी रोड़, वेलच्चेरी, मद्राम शैंदापेठ, लेख सं० 1011/84।

> श्रीमित एम० सामुबेल, ेसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, सद्राय

विनांक: 1-6-1985

माहुर 😗

प्रचल बाह् , इ. एन्, एस. ५ - ---

अरवक्दर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुकता

#### नारत तरकाह

## कार्यासन, सहायक नायकर नायुक्त (निर्द्रीक्रण)

म्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० 167/श्रक्तूबर 84/रेंज-11---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित्त बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० स्रार० एस० नं० 3901/8 न्यू नं० 5 (1ए) है, तथा जो श्रडयार कोट क्लब रोड़, श्रडयार मद्रास में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 1020/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के सामाण प्रतिकृत के लिए क्रियार की गई है और मुख्ये वह विकास करने का कारण है कि युवापूर्वोक्त कमारित का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रमान प्रतिकृत से, एसे क्रमान प्रतिकृत का प्रमुख क्रमान प्रतिकृत का प्रमुख प्रतिकृत से अभिक है और मन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नसिवित उद्योच से उसते अन्तरक सिवित में सास्तिक क्य से कथित नहीं क्रिया क्या है ——

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत उक्त अधिनियब को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्/वा
- (क) एनेती किसी बाय वा किसी वन या अन्य आस्तियों की विन्तुं भारतीय वायकर विधिनवम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधनयम्, या धन-कर अधिनवम्, '1957 (1957 का 27) वे प्रकेषवार्थ वन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया काना वाहिए था, कियाने में स्रिवण के लिए;

चतः वयः, रक्तः विधिनियमं कौ धारा 269-म की वयुक्तः मो, मी, उनतं अभिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीत, निम्नसिविद व्यक्तियों,, व्याद् क्र—र

- (1) मेसर्स इण्डिया फोर्ज एण्ड ड्राप स्टाम्पिग्स लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स द्रेडर्स ग्रान्सिल्स प्राईवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित को वर्षन की सिए कार्यकाहियां कृक करता हूं।

## रानत सम्पत्ति को कर्यान की सम्बन्ध में कोई भी बास्तेय है-

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की स्वर्धि, जो धी नक्षि नाम में समान्य होती हो, के मीतर पूर्वीवतः व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति स्वासः
- (क) इस सूचना को राजकत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विष किसी जन्य व्यक्ति वृत्रारा अधोहन्साक्षरी को पास लिकित में किए जा सकोंगे!

स्थब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सब्बों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा त्रया है।

#### 1717

भूमि ग्रौर मकान— ऐवेन्यू, बोट क्लब रोड़, श्रार० एस० डोर न० 5 (पुराना न० 1ए) श्रडयार बोट क्लब रोड़ भद्रांस नं० 3901/8 मद्रास सेंट्रल लेख सं० 1020/84।

> श्रीमित एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांक: 1-6-1985

मोहर:

प्ररूप अर्थः,दी. एन . एस . ----------

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के संधीन सूचना

#### गाउँव चलकार

## कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० 168/श्रक्तूबर 84/रेंज-II---श्रतः मूझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं श्रार एस नं 3901/8, नं 5, श्राडमार बोट क्लब रोड, है तथा जो अडयार में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मन्नास सेंट्रल लेखा सं 1019/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक श्राक्त्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के देशसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गहुँ हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृज्य, असके देशसमान प्रतिकल के एसे देशसमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक हैं और मन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के जिए देश स्ता गुमा प्रतिकल, विज्याबिक स्मृत्येय है स्वत कम्बरण जिवित में संस्थितिक रूप है किया नहीं किया क्या है क्ष्र-

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नावस, उपसे अधिनयम के अधीन कर दने के अध्यक्त की शायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सूर्तिया के लिए; जाँद/या
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी थन या करू जास्तिओं की जिन्हों भारतीय जावकर विश्वित्रका, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जिभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुक्तरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

वतः जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के, जन्दरक भं, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निकारित्वित अभिनायों, वर्षात् ध---

- (1) मेसर्स इण्डिया फोर्ज एण्ड ड्राप स्टापिंग्स् लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स कुनाल फोर्ज कम्पनी लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्वन के निरु कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) श्वः सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में विगए जा स्वाने।

स्पक्कीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **श्रनुसूची**

भूमि घौर मकान नं० 5, ग्रडयार बोट क्लब रोड़, ग्रडयार मद्रास—मद्रास सेंट्रल लेख सं० 1019/84

> श्रीमित एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

विनांक: 1-6-1985

नोहरु 🛭

प्ररूप नाइं.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जुन 1985

निर्देश सं० 170/अक्तूबर 84/रिंज—! ——अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 85ए, ग्रार० एम० नं० 1407/1B, विश्वय तेनांपेठ हैं तथा जो माऊंट रोष्ट्र, मद्रास में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत हैं), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रेल लेख सं० 1008/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीड़ मूझे यह विश्वास करने का काइण है कि स्थापूर्वेक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह अदिवास से अधिक है और एसे अंतरक (जन्तहकों) और अंतरिती (जन्तिरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पाना नया प्रतिफल, निम्निलिस उप्टोक्स से उक्स अन्तरण जिल्हिस में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है कि—

- (क्रों अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तु अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी इंपारों प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः। अस, उक्त किभीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित न्यक्तियों, अधित् :—

(1) श्री श्रार० पर्वतर्थाधनी नटराजन, श्री टी० वी० नटराजन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० तिरूनाकुक्करणु श्रौर श्रीमती टी० कन्नियका रानी

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रश्ली का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मनसूची

भूमि—-म्रार० एस० नं० 1407/1बी, 85ए, विश्वथ तेनांपेठ,

श्रीमित एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, मद्रास

दिनांक: 1-6-1985

भो**हर**ः

## प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

# बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के लभीन सवना

अध्यक्ष अस्यक्ष

## कार्यातय, सहायक कायकर नायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रात, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० 175/ग्रक्तूवर् 84/रॅज∸11—-ग्रतः मुझे, श्रीमती ेम० सामुवेल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधि अक्षम प्राधिकारी को जह विश्वस् करने का कारण हैं कि प्रधाद राजित, जिसका अधिक त्यार मूक्य 1,00,000/- राज से अधिक ही

स्रीर जिसकी सं श्रार एस जं 1/1 एफ, बोलिंगनलूर गांव है तथा जो गैधापेट तालूक चेंगल्पट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रद्धवार केंग्न मं 2711/84 में भारतीय रिजस्ट्री प्रण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक प्रस्तूबर 1984

को प्योंस्त सम्मांस के स्थित बाकार मृस्य से कम के रूपमाप अतिकास के लिए बंदगंग्त को गई हैं कौर मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि स्थाप्यास सम्मित का उप्याद बाबार मूल्य उसके दूर गाम प्रतिकत से, एसे दूरयमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिसत से निष्या हैं और अंतरक (जंतरकों) और जंतरित (अंतरित्यों) को नीच एसे अंतरण से लिए तय पाता नवा प्रशिष्क का निम्मालिसित उद्वेष्य से उस्त मंतरण लिसित में वास्त्रक क्या से कायत नहीं किया गया हैं :—

- (क) बंगरक से हुई हिंकची थाए की वाबस, अवस वीपिन्युव के अवंत्र कर देने के बंगुरक की वाबित्य में कभी कार्य या अबबे बच्चने में स्विकः क किए। और/ कः
- (थ) श्रंसी किसी बाव वा किसी भन वा अन्य जासियों करें, तेजहां अरसाय कायकार अर्धान्यार, 1922 (1922 को 11) या जयस अधिनियम, या भन-कार विभिन्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रशंकनाय असरित द्वारा अकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविभा वी विका

जतः अव, उन्तर विभिन्यम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन, निस्तनिचित व्यक्तियों, वर्षात् ः— (1) मेसर्स क्लू लगृत माङ्क्स, एंड प्राप्रटीज प्राईवेट लिमिटेड, डायरेक्टर ग्रार० वी० जी० के० रावं

(श्रन्तरक)

(2) श्री एम० गेखरन्

(अन्तरिती)

## का वह सूचना चारी कारके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद सा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी स्यक्ति हुवारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदर बद्ध किसी मन्य व्यक्ति दवारा कथां हुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाधारण: --- इसमें प्रयासत शब्दों और पर्यों का, वो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय हैं दिसा अया हैं.

## वनुस्ची

कृषिं खेती-- म्यू श्रार० एस० नं० 1/1 एफ बोलिंगनलूर गांव, शैधापेठ, तालूक-चेंगलपेठ डिस्ट्रिक्ट श्रडयार लेख सं० 2711/84

श्रीमित एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी ` सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, मशस

दिनांक: 1-6-1985

मोहर ।

प्ररुप आहाँ . टी . एन . एस . ------

**बायकर अभिनियम**, 1961 (1961 की 43) की पारा 269-ज (1) के अभीत सुपन

#### भारत चरकार

## कार्यालय, सहायक बामकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० 176/श्रक्तूबर 84/रेंज--ार्-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका अधित जाजार कृष्ण 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9, 11 मेन रोड़, गांधी नगर मद्रास— 20 में स्थित है (श्रीर इपसे उपावद श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणन है), रजिस्ट्रीकर्चा ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रडयार लेख सं० 2754/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिशीन श्रक्तूबर 1984।

को पूर्वित सम्मत्ति के उचित काजार मूल्य से वामे को दूसयमान प्रतिकार के लिए जल्लारित की गए हो जी का उचित वाजार करने का कारण है कि यथापुत्रिक सम्मति का उचित वाजार मूल्य उसके दूस्यमान प्रतिकार ता, एपि रस्यकान प्रतिकार का वन्सह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जंतरकों) और जंतरिती विद्यारित में बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकार कल भिम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक स्था से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) बन्तरण सं शुद्ध किसी थाय की बाब्स उक्त अधिनियम के संधीन अर योगे के बनारक के विश्वि में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) एसी किसी नाय या, किसी भन या नन्य आस्तिनों को, जिड़े भारतीय लायकर लिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुध्यक्ष के निष्ट:

्रअत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती शेम्बगलक्ष्मा ग्रम्माल श्रोर श्रन्यो।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० पी० लामाक्षी ग्रम्माल

(अन्तरिती)

को बहु सूचना आरी करको पृत्रोक्त सम्पत्ति को कर्णन को सिंह्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## अक्त कम्परित के कुर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र E--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सरवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति औं भी नविध जार में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ण) इस सुणना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी काम व्यक्ति क्वारा अभावस्ताकारी के पास निर्मित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त हैं, वहीं कर्भ होगा जो उस जध्याय के दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित कवा है।

#### सरपत्री

फ्लैंट नं० 9, 11 धेन रोड़, गांती नगर महास-20 श्रह्यार लेख सं०् 2754/84

> श्रीमती एम० मामुबेल, शक्षम प्राधिकारी, सङ्गयक चापकर प्रायटन (निर्मेश्वण), शर्नन रेज-11, मद्राम

दिनांक: 31-5-1985

मोहर:

## प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० 176/श्रक्तूबर 84/रेंज-॥--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 9, 11 मेन रोड़, है तथा जो गांधी नगर मद्रास-20 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबड स्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय, सड़यार लेख सं० 2752/84 में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक स्रक्तूवर 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय का, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ) उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्  $\epsilon$ ----

(1) श्रीमती सेम्बगलक्ष्मी श्रम्माल श्रौर ग्रन्यों

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ता पी० पी० कामाक्षी श्रम्माल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्िक के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दिकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हायेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्र्यी

फ्लैंट नं० 9, II मेन रोड़ गांधी नगर, मक्रास-20 लेख सं० 2752/84 श्रह्मार ।

श्रीमती एम० सामुबेल. सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--<sup>II</sup>, मद्राम

दिनांक: 31-5-1985

मोहर 🖟

प्रकृत वार्षः, द्वी, शृष्ट् , प्रव , ग्रामण्याप

नाथकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 260-व (1) के नवीन क्षया

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० 176/अक्तूबर 84/रेंज-॥—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर प्रभासि, जिनका उपित बाबार ब्रुब्ध 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 9, II मेन रोड़, गांधी नगर मद्रास-20 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, श्राह्मणार लेख सं० 2751/84 में रिजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाकार मून्य वे क्रम के क्रमनान प्रक्रियान के तिए जन्तिरित की गई है और मूझे यह निक्वास करने का करना है कि समापनिकत सम्पत्ति का किवत बाजार कून्य उसके क्रममान प्रतिकाल का क्रमता उसके क्रममान प्रतिकाल का क्रमता प्रतिकाल का क्रमता प्रतिकाल का क्रमता प्रतिकाल के क्रमता क्रमता के क्रमता के क्रमता के क्रमता क्रमता के क्रमता क्रमत

- (क) जन्तरण वें हुई किसी जान की बाबत, उथस बीधनियब की बभीन कर दोने के अस्तरक की दायित्य में कमी करने ना उसके बचने में सुविधा की तिम; जोट्र/बा
- (क) एंसी किसी बाब यर किसी धन या करन आस्तिमों की, जिन्हों भारतीय शायकर जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या शक्स विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) में प्रवोचनार्थ करतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया काम वाहिए वा किया की क्यां वाहिए वा किया वी किया

बतः जब उपत अधिनियम की बारा 269-ग के अन्तरण में, में, उपत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर जिम्मलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 23—136 GI/85

(1) श्रीमती शेम्ब्रगलक्ष्मी अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० धानक्षायाणि थांडिसया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां बुक्त करता हूं।

क्क्स कुम्मील को कर्चन को छप्रथम्भ को आहे भी नाक्षेप 2---

- (क)' इस सुचना को शंखपण में प्रकासन की सारीस् से 45 दिन की अविभिन्ना ग्राह्म देखी अविन्ह्याँ पर सूचना की हासीस में 30 दिन की समित्र को भी अविभिन्नाद में समान्य होती हो, से शहर पुरुष्टिया स्वित्तार्थों में से किसी स्वीक्त सुनारा;
- (क) इस भूजना में एएकज में मकाश्चा की तारीय में । 45 दिन के जीतर जनक स्थापर सम्पत्ति में हित-सहम किसी जम्म स्थापत स्वारा, अधोहस्ताखरी के पास सिचित में किस या हर्जों ।

स्वकारिक रणः - - इसमें प्रमुख्त करूते वर्षा पर्दे का, क्षेत्र वर्षा किया 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्फ होता को उस अभाव के विकासकार हैं विकासकार हैं।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 9 II मेन रोड़, गांधीनगर अडयार, मद्रास-20 घडयार लेख सं० 2756/84

> श्रीमती एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक अध्यकर अध्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज—II, मद्रास

दिनांक: 31-5-1985

मोहर 🛭

बक्य बाइ'. टी. एव. एइ. ------

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के बचीन इचना

#### HILD REWIS

## ं कार्यास्त्र, सहायक नावकर मासूनत (रिन्द्रीकाण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० 176, श्रक्तूबर 84,रेंज—।।—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नावकर गिंधितवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें वश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9, II मेन रोड़, गांधी नगर महास-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अड्यार लेख सं० 2755,84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयं में मिर्मित के निए बन्तरित की पद्दं है और मुक्ते मह विद्यास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का स्रोचत बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल तो, एसे स्थ्यमान मिर्मित का पंत्रह प्रतिक्षत से बिभक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिक्षम निम्नीतीयत उद्देश्य से उच्त कन्तरण देशियत में बास्तिकक रूप से विभक नहीं किया गया है:----

- ्रेक्ष्म सन्तर्भ सं कृष्ट्र विक्री साम की नामस्त, स्वरू धिविक्षण के घडीन कर देने के जनसङ्क के सामित्य भी कभी करचे ना स्वरूप स्वरूप में कृषिया के किए: सर्द्ध भी
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, वा अप-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया बाना चाहिए था खिपाने में सुविधा है निए।

बतः अव, जनत विभिनिषम की भारा 269-ग के अनुसरक को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपधारा (1) की बभीम, निम्नसिचित भ्यक्तियों, वर्धात् हुन्न (1) श्रीमती णेम्बगलक्ष्मी अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री सी० आर० पद्यानावन

(भ्रन्तिरती)

को बह स्वता बारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्वन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ६---

- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीय वें 45 विन की अनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तासील से 30 दिन की अनिभ, को भी बनिभ नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तार्डींच वें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकर्ग।

रचव्यक्रिरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, कही अर्थ होता जो उस अध्याथ में दिया गया है।

#### वयस्यी

पलैंट 9, 11 मेन रोड़, गोंधी नगर, मद्रास-20 श्रडंयार लेख सं० 2755,84

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-॥, मद्रास

दिनांक: 31-5-1985

मोहर 🚁

प्रकृत नाष्ट्री, दुव्, दुव्, अस्तानामा

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भौ भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

#### बाइन स्टब्स

## कार्यास्य, सङ्ग्यक भायकार वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० 176, श्रक्तूबर 84,रेंज-।।—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर निंभिनियम, 1961 (1961 का 43) हैं जब इसमें इसमें इसमें इसमें प्रचात 'छनत निर्मायम' कहा नवा हैं), जी नारा 269-च के नभीन बसम प्रीभिकारी को यह निक्चाल करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 9, 11 मेन रोड़, गांधी नगर मब्रास20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, श्रुड्यार लेख सं० 2753/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रुक्तूबर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सर्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रिफल का पन्तह प्रतिकत संगान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत संगान अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेष्यों से उक्त अन्तरण निवित्त के श्रीस्तिक रूप से किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबस, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारिस्क में केमी करने या उससे बक्ने में सुनिका के सिए; अटि/या
  - (क) एसी फिसी नाय वा किसी थन वा अन्य आरिख्नु को जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा अन्य न्यानियन, 1927 का 27) के मुक्तु नार्थ क्यार क्या क्या क्यार क्यार क्यार क्या क्या क्या क्या क्यार क्या क्या क्या क्या

भत् अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग भी जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धू--- (1) श्रीमती सम्भगलक्ष्मी अम्माल श्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री के जयरामन

(अन्तरिती)

को यह तुष्ता वारी करके प्रतिबद संग्रित के वर्षत के लिए कार्यवाहियां कारता होंदू।

जनत् सम्परितः के नर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी शाक्षोद्ः⊸

- (क) इस सूजना के राजपन में प्रकाशन की ताड़ीय से 48 डिज पति चन्हींय का उत्तर्ज्या न्यांतर्ज्यों पर सूजना की तामील से 30 दिन की नविधा, यो भी संघीप बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृथ्वित् न्यांतर्ज्यों में से किसी स्मान्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की दारीश सं 45 विन के शीदर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी जन्म अमित स्वारा जभोहस्ताकरी की शक्त निवित में नित्र था सकोंने।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों बौर पर्यों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्थी

पर्लंट नं० 9, II मेन रोड़ गांधी नगर मंद्रास-20, 2753/84 अख्याइ ।

> एम० सामुवेल; सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 31-5-1985

मोहर :

**त्रक्ष्यु बार्स्**क टी ५ एत्<sub>ल</sub> एस् . ल्लाकाक्षा व

बायकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्वता

#### भारक चरकार

कार्बास्य, सङ्घ्यक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, महास

मद्रास, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० 176। श्रमतूबर 84 $^{3}$ ंज-11—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

भागकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिल इडमें इसके परवात (उक्त किभिनियम कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षय प्राधिकारी को वह निरवास करने का कारण है कि स्थानर तंपिस, जिसका जीवत माजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अभिक ही

श्रीर जिसकी सं IJ, 2-मेन रोड़, गांधी नगर मद्रास-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, श्राड्यार लेख सं 2751/84 में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1984

को फ्केंक्स तम्ब्रुक्त के जिषक बाजार मूल्य से कन के क्लमान प्रतिकाल के जिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वाद करने का कारण है कि यथमान्निक कम्बरित का उचित बाबार मूल्य, उश्वक दश्यमान प्रतिफल के, एसे क्लमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंसरक (अंकरका) और अंसरिती (अन्तरितिवाँ), के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाया गवा प्रतिकात, निस्तिविंस उद्योग्य से उन्ने अक्लरण निवित में मृक्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक वं हुई किवी अन्य की बावध, उपक मृद्दितवर्क के बचीन कर दोने के अन्तर्क के बाविस्थ भ कभी करमें या उपके कुने में कुनिया के जिब; मीड/बा
- (क) प्रेसी किसी जाय वा किसी भन या किसी जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर जीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या जिल्ला भाग जाहिए जा, जिलाने में तृतिया के विश्;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्रीमती शेम्बगलक्ष्मी अम्माल ग्रीर अन्यों

(अन्तरक)

(2) रमणी रामकृष्ण

(अन्तरिती) :

कों सूक् कृष्णा जारी करके पूर्वोक्त संपरिता की कर्मण को लिए कार्यवारिका करता होता.

उनक संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाझेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की क्यीम या तत्संबंधी स्वमित्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्वमित्त में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीकर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकिय में किए आ सकती।

स्वव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदी का, जो स्वदः अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ar and

फ्लैंट नं 9, H—मेन रोड़, गांधी नगर, मद्रास-20 अड्यार लेख सं 0.2751/84

एम० सामुबेल; सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांक: 31-5-1985

मोहर ह

प्राक्य भार्षे दी . एन् . एत ,------

जायकार जीधनियस . 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सञ्चयक वायकर वास्त्रक (विरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश म० 200/श्रक्तूबर 84/रेज-II----अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्र्यात जिसत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 36, डा० राधाकृष्णन गालै मैलापुर मद्रास-4 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 1469/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984 को पूर्वीकत सम्पास्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, एसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम प्राया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की भावसा, अन्तर अभिनियस के अभीन कार दोने के बन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के किए; बौद/वा
- (ध) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य जैतिस्तरी को, जिन्ही भारतीय भारकर जीभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्त्यों, अधीत्≟— (1) श्रीमती कनकर-नम्माल श्रौर श्रःयों

(अन्तरक)

(2) श्री टी० बालकुष्णन

(अन्सरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के तस्मन्ध में कौई भी माक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, को भीतर पूर्वीक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस जुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितनक्ष किसी जन्म व्यक्ति इनारा अभोहस्ताक्षरी के पाल सिवात में किए या सकती।

स्वव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त काव्यों बहुर पृथां का, को अवश्य विभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

#### नगर्भ

भूमि श्रौर मकान डोर नं० 36, डा० राधाकृष्त शाले, मैलापुर मबास-4 मैलापुर लेख सं० 1469/84

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

दिनांक: 1~6-1985

मोहुदु 🖺

# क्षण क्षापु<sup>®</sup>्र हो<sub>ल</sub> पुत्र पुत्र <sub>अस्थान</sub>

# जायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-ए (1) के जभीन स्थन।

### शारत स्टब्स्ट

# कार्यात्तव, सहायक जायकर आयुक्त (निर्योक्तुन)

म्रजन रेंज-II, मब्रास मद्राय, दिनांक 1 जून 1985

निर्वेश सं० 177/ग्रक्तूबर 84/रंज-II-—यतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकार जांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्स अधिनियम' नहां, नया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- एउ. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 50, डोर नं० 10-बी, वेंकटरत्नम् नगर, मद्रास-20 है तथा जो मद्रास-20 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिम्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रड्यार/लेख सं० 2767/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रुधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन अक्तूबर 1984 ।

को पूर्वोक्स संपर्ति के उधित बाजार पूज्य सं प्रग के रूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पर्ति का उधित बाजार मून्य, उसके व्ययमान प्रतिकल के, प्रेसे व्ययमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्निजिबित उद्देष्य से उक्त कन्तरण किविद में आस्तिकल कप से क्षिक नहीं किया गया है कन्तरण

- (क) बन्तरण वे सूर्य जिल्ली जान की अवत, अक्स अभिनियम के जभीन कार दोने के सन्तरक के विश्वरण में कर्मी करने वा उद्यत्ने बनने में सुनिधा के लिए; बीक्श्यां
- (स) एनेती किसी जाम या किसी भन या जन्म बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आक्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना वाहिए था, जिनाने में सुनिया खे जिल;

नतः जनः जनतः निर्मानयम की भारा 269-ग के नमुसरन में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिबित स्पनित्यों, नर्भात् :-- (1) श्री एच० काशीराव

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० श्रीनिवासन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

# उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र क्षे-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी के से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी क्या कित मों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की जबिध, जो भी काशी वाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों कर क्या कित यो से किसी क्या कित ब्या साह
- (क) इत त्यना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकने।

स्थळकीकरणः — इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याम में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि श्रौर मकान---प्लाट नं० 50; डोर नं० 10-बी०, वेंकटरत्नम् नगर, मद्रास-20---श्रडयार लिख सं० 2767/84

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, मद्रास

दिनांक: 1-6-1985

मोहरः

त्रस्य नार्द**्टी<u>..</u>एन**्.<u>एस</u>् ==-----

नायकर नौधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्वता

### WITCH WESTER

# कार्योक्षयः, सङ्घायक आयकत् आयुक्तः (विद्रक्षित्य),

श्रर्जन रेज~II, मद्राम् मद्रास, दिनांक 1 जन 1985

निर्देश सं० 252/प्रक्तूबर 84/रेंज-II--यत:, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

मानकर सीपीनस्य, 1961 (1961 का 43) (विचे दसमें इसके परचारा 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वभीन समान प्रात्मिकारी को वह निकास अपने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिल्ला उधित बाधार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी सं० 62, है बाजार रोड, मद्रास-4 है तथा जो मद्रास-4 में स्थित है (ग्रौर इसेंसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, मैलापूर लेख मं० 1365/84 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के स्वीपक बाबार मूच्य से कर से स्वयंका प्रतिकाल के किए अन्तरित की नर्द है और मुझे वह निकास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कन्नार न्ह्रस्य, इसके अपमान प्रतिफाल थे, एसे अपयाद प्रविफास का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती '(अंतरितियां') के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिषिक रूप से कथित नहीं किया गया है ;----

- (क) बनरद्रम ये हुन्दं किसी मान की कारका, मिरिया में वारीय कह दोने के बंदगुर्फ आंश्राम के सामी करने वा उसने बचने में दक्षिया नी मिन्। स्रोर/का
- (क्ष) एोती किसी बाथ या किसी धन या मन्य मास्तियाँ को, पिन्हु भारतीय बामकर बधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जनत नीयनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना जाहिए था छिपाने में सूरिया के निए;

नतः स्था, उक्त विधिनियम<sup>्</sup>कौ भारा 269-न के ननुसरण *को, को*ं, तक्त अधिनियम की धाष 269-भ की उपधा<u>रा र्यो</u> से अपीय » विकासिक व्यक्तिको अपीत् ह—

(1) श्री ग्रो० वी० मीरानाच्ची

(श्रन्तरक)

(2) श्री जे० एम० ग्रमान्ल्ला

(श्रन्तरिती)

को नद्द सूचना पारी करके पूर्वांक्त उत्पत्ति के कर्पन के किए कार्यवासिको करता हो।

बक्त हरिका में नहीं से बन्कम वो मोडे भी बार्का :----

- (क) यह ब्यूचन के अध्यक्त के अध्यक्त की ताड़ीय से 45 विक की अवधि या तरकवननी व्यक्तियों कर बुचवा की तामीस से 30 विन की संबंधि, जो औ अविष बाद के समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तिको में से किसी व्यक्ति व्यक्ति:
- (क) इस बुक्का के हाक्का में प्रकाशन की तार्यंत है 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में /हिस-बद्दभ विश्वती जन्म स्थापना द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्यों का, जो अक्त व्यभिविषय के वश्वाय 20-क में परिधाषिक है, नहीं जर्भ होगा जो उस जभ्यत्व में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान--62, बाजार रोड़ः मद्रास-4- -मैलापुर/ लेख सं० 1365/84

> एम० साम्बेल सक्षम प्रमधिकारी महायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज⊶II, मद्रास

दिनांक: 1-6-1985

मोहर:

प्रकृष् आहे .दी . एन .. एस ..-------

(1) श्रीमती सफिया बी०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० उसमान

(ग्रन्तरिती)

बायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जून 1985

निर्देण सं० 232/प्रक्तूबर 84/रेंज-II---यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/न रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० 20 बालमुत्तु स्ट्रीट, मद्रास-2 है तथा जो मद्रास-2 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ/लेख सं० 2958/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार और उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांगा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्विक रूप से कथिल नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वावत, उक्त विश्वित्यम के अभीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में अधिका के लिए;

असः असः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्ष्मीन, नियमित्रकित्र अस्तित्यों **अधीत्** धून-- को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🦫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर बूबोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाच्यक्तिरणः ---इसमे प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि श्रोर मकान—20, बालमुत्तु स्ट्रीट, मद्रास—2 मद्रास नार्य/लेख सं० 2958/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी 'सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज–II, मद्वास

दिनांक: 1-6-1985

भोतृर 🖁 😘

# प्रकल् बाई , हाँ , युव , हुई ,-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकाड

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, महास

मद्राप्त, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० 233/अस्तूबर 84/रेज-II---यतः मुझे, श्रीमतीः एम० साम्बेल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रुपये में क्रीधक है

श्रीर जिनकी सं० 5, प्लाट नं० 16, मौबेप फर्स्ट काम स्ट्रीट है तथा जो श्री राम नगर, श्रालवारपेट, मद्राम-18 में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विजत है), रिजस्ट्रीक्ती श्रीवकारी के कार्यालय, मद्राप नार्थ/लेख सं० 2974/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यशान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्नरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/सा
- (का) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब, जकत अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण भी, मी, उकत अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) में कथीन जिक्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :---24—136 GI/85

(1) श्रीमती बी० एस० मल्लिका

, (भ्रन्तरक)

(2) श्री सधाशिव बट

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत . स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख. से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, णांजस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गमा है।

# भनुसूची

भूमि--5, प्लाट नं० 16, मौग्रेस फर्स्ट क्रास स्ट्रीट, श्रीराम नगर, श्रालवारपेट, मद्रास-18-्मद्राद नार्थ/लेख सं० 2974/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) श्रजीन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 1-6-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1985

निर्देण सं० 234/अक्तूबर 84/रेंज-II-—श्रतः मुझे, श्रीमती एस० साम्देल,

अवयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 22/1 जानी जहान खान रोड रायपेट्टा है नथा जो मद्राप-14 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्राप नार्थ/लेख सं० 2978/84 में रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक प्रवत्वर 1984

को गुड़िन सम्पति के रिचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई अरेट गर्ज यह विक्याम करने का कारण है कि यथापृत्रीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से एसे रृश्यमान प्रितिफल का पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य भाषा गया प्रतिपत्त, निक्तिलियत उददेश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है हिन्से

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण कें, मैं, उदन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एस० एस० के० मृहम्मव श्रली जिन्ना और दूसरे (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी सुधा

(मन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं कर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

#### अगराची

भूमि श्रीर मकान-शो० डी० न० 36, डोर न० 22/1, जानी जहान खान रोड, रायपेट्टा, मद्रास-14-मद्रास नार्थ/लेख स० 2978/84

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) . भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 1-6-1985

मोहरः

प्ररूप बाह्र , टी., एन , एस , -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक मायकर माय्कत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, धिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० 240/प्रक्तूबर 84/रेंज-2--यतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल,

बायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्क्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की- धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 1/1, पार्थशारथी नायुडु स्ट्रीट, पेरम्बूर बारमस है तथा जो मद्रास-12, वेपेरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ/लेख सं० 2867/84 में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, मन्त्वर 1984

को पूर्वोक्स संपरिस के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रस्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुल्य उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रसिधत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖫 —

- (क्) अन्तर्भ से हुइ किसी बाय की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँदु∕या
- (च) ऐसे किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों . को, जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम्, 1922 (1922 की 11) या उत्तत आधानयम, भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

असः जब, उस्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जधीन व निम्निलिखिय व्यक्तियों हा अर्थात् ह्र--

(1) श्री एस० चंद्राबोध ग्रीर तीन ग्रन्यों

(भ्रन्तरक)

(2) भेसर्स यनैक इंडस्ट्रीज, बै प्रोतराइटर मनोहरलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुए।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिकतयों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर **व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;**
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जितवद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

**स्पष्टीकरण:— इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जः उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

## **जन्सची**

भूमि भ्रौर शेड---1/1, पार्थशारथी नायु स्ट्रीट, पेरस्बुर बारक्स, मद्रास-1/2, वेपेरी---मद्रास नार्थ/लेख सं० 2867/84

> एम० भाष्येल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनोक: 1-6-1985

मोहर:

प्ररूप भाइ, टी, एन. एस.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-थ (1) के संधीत सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कायकर मायुक्त (निर्देक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 3/भ्रक्तूबर/84—यतः, मुझे, श्रीमती एम० प्रामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-च को अभीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर ज़िसकी सं० 14 है तथा जो पुरारकानु स्ट्रोट, नार्थ वेलूर में स्थित हैं (भीर इसमे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० वेलूर/इस० सं० 3383/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी लाग की बाबत उक्त अधिक निवस के बधीन कर धेने के जन्तरक के दायित्य के कमी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा के निए; आहु/बा
- (थ) ऐसी किसी जाव वा किसी यन वा अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा से किए:

अधः भव उक्त अभिनियम की धारा 269-न के अन्यरण मी, जी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् किन्न (1) श्री श्रब्दुल शंकर साहिब श्रौर श्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नसीर ग्रहमद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी बाध्येप द्र-रं∽

- (क) इस सूचना के उजपत्र में प्रकाशन की तारी खं से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जैते भी न्अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के शास लिखित में किए बा धकेंगे।

स्पट्टीकर्णः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसुची

सम्पत्ति—सं० 14, पुरारकानु स्ट्रीट, नार्थ वेल्लूर, एस० म्रार० वेलूर/दस०: सं० 3383/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, मद्रास

विनांक: 22-5-1985

मोहरु 🖫

प्रकृप बार्षः टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्रांजी० सुक्रमणी

(भ्रन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- भ (1) के अधीन सुचना

(2) श्री आर० रामसामी।

(अन्तरिती)

## भारत् सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ध्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 22 मई 1985

निर्ण सं० 5/श्रक्तूबर/84~ यतः, मुझे , श्रीमती एम० सामुबेल,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भ्रम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिनको सं० सर्वे० सं० 23-6/1 है तथा जो कोन्डाटम गांव, वेलूर तालूक, नार्थ स्नारकाट डिल्ट्रिक्ट में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध सन्भूषी में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रिकरट्टीकर्ता स्थिकारों के कार्यालय, जें० एस० स्नार०—I वेलूर/दस० सं० 3668/84 में रिजर्ट्ट्रिकरण स्थिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, दिनौक सक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशोध से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तर्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गृवा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा अके सिए; व्यौर√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय अपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

कारं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांध से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाष्ट् तिशिक्षत में किए वा सकांगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम्स्पी

सम्पत्ति--कोन्डाटम गांव, वेलूर तालुक एस०, श्रार० जे० एस० श्रार०-I वेलूर/दस० सं० 3668/84

> एम० सामुवेल, सक्षम प्रीधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 22-5-1985

मोहुदु 🔳

प्ररूप आह .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मज्ञास

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० ६/अक्तूबर/84--यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे सं० 236/1, 2,3, और 4 है तथा जो की-रन्रवट्टम गांव, बेलूर तालूक नार्थ आरकाट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-I बेलूर/इस० सं० 3609/84 में रजिस्ट्रीकरण भिक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के भिक्षीन, श्रवतूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नुलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जी० सुश्रमगयम

(मन्तरक)

(2) श्री भार० पी० रतनसामी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति-कोरतूरवट्टम गाव, वेलूर तालुक, नार्थ भारकाट डिस्ट्रिक्ट, जे० एस० मार०-1, वेलूर/दस० सं० 3609/84

> एम० सामुबेल; सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-<sup>I</sup>, मद्रास

दिनांक: 22-5-1985

मोहर`ः

· प्रकल नाह<sup>र</sup> , टी , एस , एक , तान माननन

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के संधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्णन रेंज-, मद्रास मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 11/ग्रक्तू०/84--यतः, मुझे, श्रीमती एम० साम् वेष्

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुट से अधिक हैं

भौर जिसकी भूमि है तथा जो आम्बूर गांव, वाणीयम्बादी तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्राम्बूर/इस० सं० 2325/84 में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धारीन, श्रक्तूबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं। और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान क्रिक्तिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिश्र से अधिक हैं

करितमल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रहें प्रतिकर से अधिक हैं हैं और अन्तरिक अधिक हैं हैं और अन्तरिक अधिक हैं सी प्रतिकर अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के सीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) बन्तरण संसूद्ध किसी बाब की वाबत, जक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दारित्य में कसी करने वा उसके बचने में सुविधा के लिए बाँद्ध/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना वाहिए था खिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रों, में उक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधितः :---- (1) श्रीमती हमीमुत्रीसा बेगम

(ग्रन्तरक)

(2). श्री पी० जी० मनोहर नायुडु

(मन्तरिती)

को बह स्थना चारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्वक्तियों अर स्थान की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्योक्त स्यक्तियों में से किसी स्थापत द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति-द्यारा नभाष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्थावतीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, खां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठं है, वहीं अर्थ होगा, बां उस अध्याय में दिया वया है।

## धनुसूची

भूमि---श्राम्बूर गांव, वाणीयम्बादी तालुक, एस० म्रार० श्राम्बूर,/दस० सं० 2325/84

> एम० सामुबेल सक्तम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 22-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुपना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-, मद्रास मद्राप, दिनांक 22 मई 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिनकी सं० टी० एन० सं० 287 है, जो सान्दी नगर में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय एन० ग्रार० वाणीयम्बादी/दन० सं० 2399/84 में रजिस्ट्री-करण प्रविधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविश्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द्वन

- (क) बन्तरण से हुई विक्रिती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियालय में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नश्री किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए?

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बाल हाऽणन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० मोहनदास

(भ्रन्तरिती)

को धह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

प्र**न्यू**ची

सम्मति --गान्वी नगर, वार्गायम्बादी, टी० एप० नं० 287, एस० श्रार० वाणीयम्बादी। दस० सं० 2399/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, मद्रास

तारीब: 22-5-1985

मोहर 🖫

## प्रकृष भार्च , टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर जामुक्त (निर्शक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, विनॉक 22 मई 1985

ि निर्वेश सं० 16/म्रक्तू०/84—स्तः, मुझे, श्रीमती एम० तम्बेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 7/179बी० है, जो नेताजी रोड़ कुष्तागिरी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजूस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० कृष्तागिरी दस० सं० पी० 88/84 में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का (16) के श्रधीन श्रम्तुबर 1984

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वनित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल के वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक ख्प से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से तिए;

जतः जन, उक्त अधिनियमे की धारा 269-ग के जन्सरण में, में उक्त अधिनिज्ञमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निग्निलित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 25---136 GI/85

(1) श्री पी० एन० मकपुल।

(भ्रन्तरक)

(2) थी ए० एल० श्रद्धा स्मीद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सः) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्व व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्त्र्यी .

भूमि ग्रौर निर्माण——कृष्नागिरी गांव, डोर सं० 7/179वी, जे० एम० श्रार० $^{-1}I$ , कृष्नागिरी स० सं० पी० 88/84

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 22-75-1985

मोहर 🖫

## शक्त नार्ष<u>्टी पुन १५ ज्या</u>न्य

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन त्यना

#### भारत हरकार

# कार्यालय, सङ्कायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-!, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश मं० 18/ग्रक्तू०/84---यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 42/3, 42/4 है, जो निलाकल-पट्टी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० नादगपट्टी, दस० सं० 2828/2829/2830/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मुख्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्बत्ति का उचित वाजार मृल्य, असके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जौर अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरक के सिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण घे हुइ किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्य-कर अधिनियम में १९२० (1922 का 11) या उपत अधिनियम में १९२० (1937 का 27) अपन्य अधिनियम, १९५७ (1937 का 27) अपनियम, १९५७ (1937 का 27) अपनियम जन्तिर्दी व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त जीधीनयः की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की तपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, जथित है—

- (1) श्री पी० वी० पी० एन० बासकरन।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० वयालि पील्लै।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के तिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मितित के व्यंत् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) हुद्द सूचना के राज्यपन में प्रकारन की तारीक के 45 दिन की अन्दीय या सरक्त्यां में स्मृतिस्तों पूर सूचना की तानील से 30 दिन की समित को भी सुनुष् नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्मृतिस्ता में से रिक्टी स्मृतिस्त हुनारा;
- (क) इस स्कान के राज्यपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्यास अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

.

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के सभ्याय 20-क हो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उन्न अध्याय में विका गया

#### बन सची

भूमि——िनलाकपट्टी गाँव, सब सं० 42/2, 3, 4, एस० ध्रार० तादगपट्टी/दम० यं० 2828, 2829, 2830/841

एस० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजैन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 22-5-1985

मोहर:

# प्रकृत आहु . टी. एम. एक. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भान

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-1, मधास

मधास, दिनांक 22 मई 1985·

निर्देश सं० 19/श्रक्तू०/84---यनः, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

औय जिसकी सं सर्थे नं 136/2 है, जो पनमरन्तुपट्टी गांव, सेलम तालुक में स्थित है और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, एस० श्रार० तादगपट्टी/दस० सं 2854/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन, श्रमतुबर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार धूसे स्त्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदम् से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया प्या है देन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाप या किसी भन या जन्य आस्तियों नहीं, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिविक व्यक्तियों, जर्थात् :—

- (1) श्रीमती पावाशी सेलवी और श्रन्गम्माल सरस्वती (श्रन्तरक)
- (2) श्री भौन्दरराजन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी नविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उनंत, अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### पंपस्ती

भूमि-श्रपनमरत्पृष्टी गांव, सेलम तालुक, एस० म्रार० तादगपट्टी/दस० सं० 2854/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-1, मन्नास

नारीख: 22-5-1985

मोहर:

प्रकल नाह<sup>र</sup>ु टी<sub>--</sub> एन<sub>-्र</sub> एक<sub>--</sub> = - - ==

भागकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के ल्धीन त्या

### ज्ञारक चंडकाड

# कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रकृत रेज-1, मधास

मद्रास, विनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 21/ग्रक्तूबर/84--ग्रतः मुझे,श्रीमती एम० सामुबेल,

कावकार किथिनिका, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सों इसकें वरवात् 'उक्स विधिनिकान' का गया है कि काचा 269-च के सभीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर कम्बलिंग, विश्वका स्थित वाबार मून्य 1,00,000/- रहा से अभिक है

और जिसको सबें सं० 64, है, जो ग्रगराहरम गांव में स्थित है और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञात है, (र्गजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० वेलूर (सेलम)/दस० मं० 1444 और 1445/84 में र्गजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफाल के निग् अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उत्तके दृश्यकान प्रतिकास से, दृशे दृष्णाना प्रविकास के पश्चह श्रीतकत से मूचिक है और मंदरक (मंतरकी) और मंत्रिकता (मंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गाम गमा प्रतिक् कल निम्नलिखित उद्वोदय से उदल अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित महीं किया गया है :——

- (क) नंतरण से हुई किसी मान की नान्त, उक्त नीपिन्तन के न्यीप कर दोने के नंतरक के वापित्व में कमी करने या उससे नचने में तुनिधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जीतियों खुलारा प्रकट नहीं किया गय. वा या किया वाना वाहिए वा, किया में सुनिधा के लिए;

बत: अब, उक्त किन्नियम की धारा 269-ग के अनुतरण बें, में, अक्त बिधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) वे अधीन, निम्मिनिवत व्यक्तियों, वर्णीत् ह्यू-- 1. श्री पी० सीवानन्द और प्रन्थों

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० तन्कवेल।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इन्ह सूचना के सम्बद्ध के प्रकाशन की तारीच के 45 दिन। की अविध का तरकम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी क्यनित बनाए;
- ((क) इस सूचभा के दाजतन में प्रकाशन की बारीच सं 45 दिन के भीचर अनद स्थानर सम्मरिक में दिला-बक्थ किसी मन्य स्थान्त व्यारा अधोहस्याक्षरी के पास लिक्टिन में लिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अधी होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

## मन्त्री

भूम --- अगराहरम गांव, वेलर, एस० आर०, वेलूर (सेलम) |दस० सं० 1444|84 और 1445|84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मक्षास

तारीख: 22-5-1985

मोह्य 🛢

प्ररूप आहे, टी.एन., एस., -------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, महास मक्रास, दिनांक 22 मई 1985

निदेग सं० 22/मन्तू०/84—म्प्रतः मुझे, श्रीमती, एम० सामवेल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक हो

और जिसकी सं सर्वे सं 264 है, जो कोमारपालयम गांव, नामकल में स्थित है (और इससे उपाध्व प्रमुख्नी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय, एस० प्रार० वेलूर (सेलम) वसः सं० 1501/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन प्रवत्वर 1989

को पूर्लेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है क्योर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् ह— श्री रामसामी कौन्टर और भ्रन्यों।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सिन्नप्पकोंटर और ग्रन्थों।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तः के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर् के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ,45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

भूमि-कोमारपालयम गांव सर्वे सं० 264 एस० म्रार० वेलुर (सेलम) दस: सं० 1501/84)

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बई ।

तारी**ख**: 22-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# शायकर अ∫भनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च्(1) के श्भीन तृष्ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, मधाम

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 23/ग्रवतु/84--ग्रतः मुझे, मिसस एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं सर्वे सं 287/2 है, तथा जो पान्टमन्कलाम गांव बेलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यी-लय, एसर ग्रारं बेलूर (सेलम) दसर संरं 1514/84 में भायतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 16 श्रक्तुबर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहसमान प्रतिचल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पृथेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वमान प्रतिफल से, एसे स्वमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत मही किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अवः, जक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मं, मंं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री बी० को बिन्दराज और भ्रन्यों।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एंसे परियसामि।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तंपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हिस-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि-पारमन्कलम गांव, बेलूर एस० सं० 287/2, एस० श्रार० बेलूर (सेलम) दस० सं० 1514/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मक्षास

तारीख: 22-5**-1**985

मो**हर**ः

प्रकण नाहै, टी. एन. एस. ------

श्री नटेसन

(अन्तरक)

2. श्री एस० वैमापुरी।

(अन्तरिती)

बासकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जाबकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मब्रासं, दिनांक 22 मई 1985

ि निर्वेश सं० 24/ प्रक्तू०/84—अतः मुझे, मिसेस एम० सामवेल,

मार्क्कर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त मिथिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च में अभीन सक्षम प्राभिन्नारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- दुरु से निधिक हैं

स्त्रीर जिसकी सं सर्वे सं 6 है, तथा जो कोनतलम गांव, वेलर में स्थित हैं (स्त्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्त्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० वेलूर (सेलम), वस० सं 1518/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिनांक श्रवनुबर 1984

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं किर. अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबन, ज़ल्य अधिनियम के अधीत कर दाने के पत्निरण ने दामित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एोती किसी आय यो किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269 नव के वासरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा '1) को अधीर, निम्नसिनित चिक्तियों, अधीर :---- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तत्सील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हैं। के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्रिंगः;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में शितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थलकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों सा, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, लही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अन्यूची

भूमि-कोन्दलम गांव, वेलूर, नामकल तालुक सर्वे सं० 6, ए.स० आर० बेलूर (सेलम) दस० सं० 1518/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदास

तारीख: 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आर्, टी. पुन. एस ,------

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

> अर्जन रेंज, मब्रास मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० 28, 37 क०,84--अतः मुझे, भिसेस एम० ति वेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकों इसको परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जुल्ब 1,00,000/- रहें से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 51, वार्ड बी० पलाक 18 है, जो श्रोमलूर रोड़ ईस्ट, पेरिमेरी गांव सेलम टाउन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1, सेलम दस० सं० 2326,84 में अधीन, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बृद्ध यह विकास करने का कारण है कि कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके अवजान प्रतिफल से, एसे असमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है बीद अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीद एसे अंतरिक के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निम्नीतिश्वत प्रकृष्टिक से उक्त अक्तरण सिश्चित में बास्तविक रूप से क्रियत प्रकृष्टिक से उक्त अक्तरण सिश्चित में बास्तविक रूप से क्रियत

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उनते अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा दायित्व के लिए; जीर/या
- (क) एन्त्री किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अधीत्ः— श्री एस० रामभूति ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वी० सिवरामसुत्रमणयन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

ैं धनता सम्पत्ति को नर्पन को संबंध में कोई। भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्तित ब्वारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, अधोहस्ताक्षरी के पात किहिनत में किए का करोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इतमें प्रमुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त जींभीतमन, से जभ्यान 20 क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया नवा है।

#### जन संची

भूमि श्रौर निर्माण वार्ड बी-ब्लाक 18, टी० एस० सं० 51, पेरिमेरी गांव, सेलम टाउन, जे० एस० आर० 1 सेलम, दस० सं० 2326,84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 22-5-1985

मोहर 🛚

प्ररूप भार्च . क्षी . एन . एस . १९७५-१-१-

1. श्री कन्दसामी

(अन्तरक)

भायकर मिलिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

2. श्री सी० वरतन

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर वायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 30, श्रक्तू०,84—अतः मुझे, सिसेस, एम साम् बेल,

नायकर जिभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्शत करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 210,2, है, जो कोमारसमीपट्टी गांव, सेलम तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1, सेलम दस० 2399/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास न्करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार नेमूल्य उसके स्वयमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल के स्वयमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकात ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिधित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (फरं बन्तरण तं हुई किसी बाबू की बाब्दा, उपत नीपीय्यम की वधीन कर दोने की ब्रुबाहुक की वारियल में कमी करने वा उच्चते वच्चे में चृहिता की सिए; ब्रोह/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या कर्य नारिसकों नवे, जिन्ही भारतीय नाय-कर निधिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम्, या धनकर निधिनयम्, या धनकर निधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया या या किया जाना चाहिए था. कियाने में सर्विधा के लिए;

अतः कथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अभात :---- न्धे युष्ट् सूचना जारी करके पृथाँकत सपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां तुर्क करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेत्र ह---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में बे किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकावन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाध निवित में किए वा सकते।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास गया है।

## अनुसूची

मूमि—कोमारमही गांव, सेलम तालुक, जे० एस० आर०-1, सेलम दस० सं० 2399,84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु<sup>ष</sup>त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 22-5-45

मोहर ॥

# 

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जुधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० 31, अक्तूबर/84—अतः मुझे, मिसेस एम० सामुबेस,

वायकर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रः से अधिक हैं

श्री जिसकी सं० है, सथा जो पीत्तनूर गांव, बेलूर नाकल तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाणी के कार्यालय, एस० आर० वेलर (सेल० दस० सं० 1523,84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख अन्तुकर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अभिक हैं और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों के बीच एसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त वंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क), जन्तरुषं वे हुई (काडी जान की बाब्स, जनस अधिनिवृत के सभीन कर बीचे के स्थलपक से बादित्स में कबी करने ने उत्तरे रूपने में सुविधा से सिए; सरि/ता
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन या जन्त आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया बाला चाहिए था, स्थिपने में सुक्रिका के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन :--- 1. श्री ए० घान्टी

(अन्तरक)

2. श्री के० पी० रेन्कसरासन

(अन्सरिती)

को बहु सूचना बादी कर्यके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के निष्
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी वाशेष :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी सविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स खादियों में से किसी स्थित हवारा;
- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवद्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नेवा है।

## नन्त्रची

सम्पत्ति-पोसनूर गांव, वेलूर, नामकल एस० आर० वेलूर (सेलम) (दस० सं०  $1523_l 84_l$ 

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 22-5-1985

मोहर 🛪

श्रुक्य भाषां है टी. एन. एस.-----

बार्यक्षर बांधिः नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वमा

#### भारत चरकार

## कार्यास्त्र, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्वेश सं० 32/अक्तूबर/84—अतः मुझे, मिसेस/ एम० सामुबेल,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात उसत मिथिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-च में मिथिन स्थान प्राधिकारी को, बहु, विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उजित नावार मृत्यू 1,09,000 रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं. सर्वे सं. 169/6 है, जो पलपट्टी गांव सेलम तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०—III सेलम दस० सं० 1064/84 में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त संपत्ति का बजित बाबाउ सूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रह्माजान प्रतिफल का पिन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तह पाया गया प्रतिफल निम्नितिबह उन्नेहन से उस्त अफ्तरण निम्नितिबह उन्नेहन से उस्त अफ्तरण निम्नितिबह उन्नेहन से उस्त अफ्तरण निम्नितिबह उन्नेहन किया गया है :——

- (क) जन्तप्रण से शुर्व किसी बाव की बावस, उसस जीवित्वज्ञ के ज्यीत कर दोने के जन्तरक के सामित्य में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के सिए; जीर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अस्तिरिती इंगाप श्रक्ट नहीं किया नयः वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निचित व्यक्तियों, वर्षात :--- 1. श्री ए० कालियप्पन भौर अन्यों।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० पी० वसन्त कुमारी

(अन्तरिती)

को बहु तुषना पारी करने पृथ्वीयतः संपरित के अर्थन के विक् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त बम्मीत के वर्षन के संबंध में कोई भी वालप :---

- (क) इस ब्यूचना के यायम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवस्थि या तत्सम्बन्धी स्थिततयों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की अवस्थि, यो भी अवस्थि वाद में सनस्य होती हो, के भीतर प्रविकत स्थितिमाँ में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य स्पतित ध्वारा सभोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगी।

. स्थब्दोकरण: ----इसमें प्रमुक्त कब्दों और पर्वो का, जो उक्क जिपितयम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं भर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विवा क्या हैं।

## बनुसूची

भिम भौर निर्माण—पलपट्टी गांव, सेलम टाउन सर्वे सं $^{\circ}$  169,7, जे $^{\circ}$  एस $^{\circ}$  आरं $^{\circ}$  II $^{\mathrm{I}}$ , सेलम, दस $^{\circ}$  सं $^{\circ}$  1064,84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्, मद्रास

तारीख: 22-5-1985

मोहर 🌣

तक्ष बार्चु द्<u>री. पुत्र पुत्र अस्तर</u>ास्तरमञ्ज्ञ

आवकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास 269=व (1) की अधीन शुक्रवा

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, मब्रास

यशस, विनांक 22 मई 1985

निवेश सं० 33<sub>1</sub> अक्तू०<sub>1</sub>84---अतः मुझे, मिसेस एम० सामुचेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त निभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा से निभक्त है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 169,3 है तथा जो पलपट्टी गांव, सेलम तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में जे० एस० आर—III, सेलम वस० सं० 1065/84 में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण ग्रीधानयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान
अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल, से एसे क्यमान प्रतिफल का
गन्मह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (बंतरका) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया
गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योध्य से उन्त बंतरण निकति

- (क) अंतरण ते हुए किसी बाव की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के बार्यित्य में कमी करने वा उत्तरे वचने में अधिभा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिय की चिन्हें आउतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्क विभिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा है लिए।

जित्त जब, उपत विधिनियम की भाष 269-न के, बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भाष 269-म की उपभाष (1) के बभीम निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री कालियप्पन मौर अन्यों।

(अन्तरक)

2. श्री कें को बालकृष्णन

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (खं) इस सूचना के राज्यित्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### धनसर्ची

भूमि और निर्मीण-पलपट्टी गांव, सेलम तालूक सर्वे संo 169/3 जे० एस० आर० III सेलम दस संo 1065/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

सा**रीख:** 22-5-1985

मोहर 🛭

बद्धा बाह्य हो । एक एक गण्या

भावकार गणिनियम, 1981 (1981 का 43) की प्रदार 269-त (1) में ब्रेशिय ब्रेज़िया

## भारत स्टब्सर

# कारीनय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 40 $_{I}$  अक्तू $_{O}$  $_{I}$ 84——अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे दक्षें दक्षें दक्षें प्रथमत् 'दक्त मिनियम' कहा नृता है, की भारा 269-च के मिनि स्क्रम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर हम्पत्ति, विद्वास उचित् नाचार मृत्य 1,00,000/-छ से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे सं० 185/5 है तथा जो तदकपट्टी गांव, सेलम तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० सेलम, तालुक दस० सं० 2526/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अन्तूबर—1984

कर्म पूर्वोक्त नजनित को जिल्ला वाचार मूल्य के कन के प्रतिकाल को जिए मंतरित की गर्द ही और मुक्ते यह विवयांस करने का कारण ही कि सभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार ब्रुक्ट, उसके अवसान प्रतिकाल का पंत्रह प्रदेशक के विभन्न ही बाँड सन्तर्क (सन्तर्का), बाँड सन्तरिती (सन्तरितियाँ) के बीच एके सन्तर्क के सिए एवं पाना नवा विवक्त, निम्मितिक्त उस्वरेश के स्वरूप सम्तर्क स्वरंक सम्तर्क को सिए स्वर्ष विभिन्न विकत्त स्वरंक सम्तर्क के सिए स्वरंक सिक्त सम्तर्क के सिए स्वरंक सिक्त स्वरंक सम्तर्क का सिक्त स्वरंक स्वरंक सम्तर्क का सिक्त स्वरंक स्वरंक स्वरंक सम्तर्क का सिक्त स्वरंक सिक्त सिक्त

- (क): अन्तरण से हुए किसी आब की शासत, उक्स अभिनियम के अभीन कर येने के अन्तरक के वाक्षिय में कमी करने या उससे अवने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) होती किसी नाव या किसी धन वा नत्य बाहिसानों की, निक् जाइबीय नाव-कड निधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उन्द स्थिनिवन, वा ध्व-क्ष स्थिनिवन, वा ध्व-क्ष स्थिनिवन, वा ध्व-क्ष स्थिनिवन, 1957 (1957 कर 27), ने अवोजनार्थ मन्दरिती ह्वाडा प्रकट नहीं किया गया था वा जिला बाना जाहिए था, कियाने में सुविधा से जिला

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिष्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्रीमती **मृत्त**म्माल

(अन्तरक)

2. श्री एन० सिवलिन्कम

(श्रन्तरितीं)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन को लिए । कार्यवाहियां करता हुने।

उनत संपरित के गर्जन के संयंध मा कांची भी नाक्षप :----

- (क) इस ध्यता में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यस्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अधि , जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्त्रों में से किसी व्यक्ति ब्याह्म;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के नीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी कन्य व्यक्ति इवास स्थाइस्तास्टी के पाड निवित में किस वा स्केंगे।

ल्बर्क करणः --- इसमें प्रमुक्त कुर्कों माँह वर्कों का, वो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होना, वो उन्न संध्याय में विद्या नवा

## वर्ष्य

भूमि—सादकपट्टी गांव, सेलम तालुक सर्वे सं० 185/5, एस० आर० सेलम स्क्रीस्ट दस० सं० 2526/84/

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

सारीख: 22-5-1985

नोहर 🛊

प्रकार कार्युः द्वीः, एकः, एकः, -----

भामकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) कहीं भारत 269-म (1) में अधीन क्षमा

### भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 65|अक्तू०|84---अतः मुझे, मिसेस एम० साम्बेस,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्मतिष्ठ, जिसका उचित जाकार मूस्स 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० आर० एम० सं० 194 है, जो डोर सं० 1, तीरुवितीअम्मनकाबील स्ट्रीट, कीलपाक, मद्रास—10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० पेरियमट दम० म० 1090/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति ने उचित बाजार मून्य से का के करवमान प्रतिफास के लिए अंतरित की नई हैं और मूक्षे यह विववास करने का कारण हैं कि संशोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एरि अथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और जंतरितीं (अन्तरितियों) के बीज एसे बन्तरक के लिए सब बाजा बना प्रतिफाल, निम्नलिसित उद्वोक्य से उच्च मन्तर्यन मिक्त से पास्तीक कप से अधिक नहीं किया नवा है ए---

- (क) बन्तरण ते हुई किंकी बाक की बाबत, उक्त की भीन्युझ के बभीच कहा वंते के व्यवस्थ के वासित्व में किंमी अपने या उससे कवन में सुविधा के निष्य अपन/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ति इतारा प्रकट नहीं किया गंबा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए;

कतः वन, उनत जीवनियम की धारा 269-म के कनुसरण के, के उनत जीवनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निस्त्रविवित व्यक्तियों, अवस्ति के— 1. श्री आढीतम अगरवाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० देवी श्रौर के० वासुदेवन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कृत्के पृत्रोंक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यमाहिमा कारता हूं।

उक्त सम्मित्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेय---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी स्थिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे:

क्ष्यक्वीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

#### नम्स्यी

भूमि श्रौर निर्माण—श्रोर सं० 1, तीरवीवी आम्माल कोवील स्ट्रीट, कीलापाक, मुद्रास-10 ग्रार० एस० सं० 194, एस० आर० पेरीयमेट, दस० सं० 1090/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 22-5-1985

मोहर 🛚

प्रकप बार्च .टो . एन .एस .------

बावकर बहिपनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-म् (1) के बधीन स्मतः

### भारत चहुका

# कार्याचय, सहायक मायकर मायक्स (निरीकण) श्रर्जन रेंज-2. मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 86/श्रक्तबर/84--श्रतः मझे, मिसेस एम० साम्बेल,

जायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसके ध्यको परचात् 'अन्तः निभिनियम' कहा गया हाँ), की भारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का खारण g\* कि स्थावर सम्परिता, चिसका अचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 59, है तथा जो बराकस स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० संकारपेट दसः सं ० 493/84 में भारतीय रजिरदीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक अक्तूबर 1984।

को पर्नोक्त संपत्ति के समित बाबार मध्य से काम को क्यामान हिल्फल के लिए अन्तरित की नहीं है और मुक्के यह विश्वास अपूर्व का कारण है कि ग्रमापुत्रीकत सम्मतित का विकेत सामार क्षरम, उसके कारमान प्रतिकास है होने कारमान प्रतिकास से बन्दह प्रतिवत से मधिक है और अंबरक (नंतरका) और अंतरिती (प्रेट्रितियों) के नीच एके नंबरण के बिए तम पाया गया प्रति-, ेिम्निसित उन्धेरन में सक्त अंतरण निम्तित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) नन्तरण से हुन्दें किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंदरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एंसी किसी नाव या किसी थम या अन्य जास्तिकाँ को, जिन्हों सारतीय भागकर अधिनियम 1922 (1922 मा 11) ना उनत निधीनयन, या थव-कर गाँधीनयन, 1957 (1957 का 27) जे प्रकाशनार्थ जस्त्रीरिती दुसारा प्रकट नहीं किया ववां या किया वाना पाहिए वा, विभाने में वृतियां से सिए;
- वतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के वनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एस० ए० मुकसट अयमद्सा साहिब श्रीर श्रन्यों। (भ्रन्तरक)
  - (2) श्रीमती एस० ः लावती

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकां द्वारा शहर फरता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सुषाना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी क्यिप बाद में समाप्त होंसी हो के भीतर प्रवेक्त कारिक्सयों में से किसी व्यक्ति बनारा:
- (वा) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीचा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दा किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस निवित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- कसमें प्रयक्त शब्दी और पदी का. जो उक्त कां भिरित्यक् के अध्यास ए हुन्त भा परिकारित है, बही बर्च होता वो उस अध्यक्ष में दिया मवा स्र ।

## अनुसूची

सम्पत्ति--सं० 59, पोरटेकीभ चरच स्ट्रीट, श्रीर डोर सं० 1, वराकस लेन, मद्राम, एप० स्नार० लीकारपेट, दस: सं० 493/84

> सिथस एम० साम्बेल, नक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्ज न रेंज−2, मद्रास

दिनां क : 22-5-1985

मोहर 🖫

प्रकल बाह्यं, टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### शारत सरकाड

कार्यालय, इहायक आएकर सायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, मंद्रास

मद्रास, विनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 92/मन्तूबर/84---श्रतः मुझे, मिसस एम० साम्बेल,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिल्हें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है'), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० सर्वे० सं० 11566, डोर सं० 3 है तथा जो संकुरामही स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०—I, मद्रास नार्थ दसः सं० 2855/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) दे के अधीन शक्तुबर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का श्रेष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितामा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योच्य से उसल अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (फ) बन्तरण से कृषं किसी बाय की वाबत, उसल विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शामित्क में कभी करने या उत्तर्थ ब्याने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां है को, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्तर्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था खिपाने में सुविधा के तिल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं', में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) च अधीन, निम्मिलिखिक व्यक्तियों, नर्थात् हि— (1) ति० ग्रारच वीसप ग्राफ मद्रास

(श्रन्तरक)

(2) श्रीम्ती पारिजानम नागराज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विव कार्यवाहिया गुरु करना है।

सकत सम्परित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वार के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाहा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्यींकरथः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### नन्स् की

भूमि और निर्माण सं० 3, सन्कुराम सेठी स्ट्रीट, मद्रास जे० एस० श्रार-I मद्रास नार्थ। दम: मं० 2855/84

> मिसस एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 22-5-1985

मोहर 🕊

क्ष्म्य नाहे<sub>।</sub> टी. एन<sub>ः</sub> एष<sub>ः</sub> ------

बायकात अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के कभीन त्यान

## बारत तरकार

कार्याशय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्राप्त

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 103/ग्रक्तूबर/84--ग्रतः मुझे, मिसस एम० सामुबेल,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परवात् 'उकत मिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-क के अधान सक्षम प्राधिकारी क्रां, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० धार० एस० सं० 137 पार्ट है तथा जो विलीवाकम गांव, मद्रास-40 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकक्त श्रिधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रन्ना नगर दस: सं० 3536/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तुबर 1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति वाकार मूल्य से कम के क्यसान प्रतिफान के लिए जंतरित की गई है जौर मुखे यह विश्वात करने का कारण है कि वकापूर्वेक्ति कम्बत्ति को बिक्ति वाकार मूल्य जुसके द्रश्यमान प्रतिफाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफाल का वर्ल्ड प्रतिकृत से कविक है और बंतरक (बंतरकों) जौर बंत-रिसी (जंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाय! गमा प्रतिफल निम्निक्तित उक्षेत्र से उक्त अंतरण जिल्लित में वास्स्विक कप से कथित नहीं निम्मा गया है हि—

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियक के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा ने किए; और/बा
- (क) एंसी किसी जाम या किसी वन या जन्म जास्तिमें की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तिकों, अधिकार-27—136GI/85 (1) श्री एच० तामस कोसी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमलावती

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वभाहियां करता हूं।

बन्ध सम्पत्ति को नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ५---

- (क) इस सूचवा में क्षांचयम में प्रकाशन की ठारींच में
  45 दिन की सर्वाच ना तत्त्राध्वन्थी स्वतिक्षों प्रक्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के शीलर पूर्वेक्स ध्यक्तियों में से किनी ज्यक्ति इवाडा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर खबत स्थानर सम्पत्ति में हितबत्थ किसी बन्य व्यक्ति स्थारा सभीहस्ताक्षरी के पांच निवित में किए जा सकोंग।

स्वाधिकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, भी उपर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में किस गया है।

# अनुस्त्री

भूमि—प्लाट सं० 1230, श्रार० एस० सं० 137/पार्ट विल्लीवाकम गांव, मद्राम-40 एम० श्रार० श्रन्ना नगर इस: सं० 3536/84।

> मिसस एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, मद्रास

दिनौंक: 22-5-198:

ब्रोहर 🖫

प्रस्म बाह्यं दी तुर्वात पुरवात करवार-वाराधकार

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सदकार

# श्रायान्त्य, सहायक नाय्कर भायुक्त (निर्देखिक)

श्वर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश मं० 53/श्रवतूबर/84-श्रतः मृह्मे, भिसस एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीत जिसकी मं अस्कि सं 122/1 है तथा जो लितवटी गांव, वेलकवुन्टनपट्टी, नामकल डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेलकौंटनपट्टी दस: सं 719/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रमतुबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मून्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) ध्रेसी किसी अप या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (†) के अभीन, निस्निसिक्ति व्यक्तिवाँ, अर्थीत् ड---- (1) श्री बीरप्पकौंटर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लेकनातन

(भ्रन्सरिती)

को यह स्थान बारी कार्क पूर्वोक्ड सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति धुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तुकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धां आहे पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याण, में विया गया है।

## . जन्जूची

भूमि—लितिवाटी गांव, बेलकौंटनपट्टी वामकल डिस्ट्रिक्ट, सर्वे० सं० 121/1, 2, 4, 6 और 122/1 एस० घार० बेलकौंटन-पट्टी दस: सं० 719/84

> मिसस एम० समुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर घायुक्त (निरीक्षण), प्रजीन रेंज, मद्रास

दिनांक: 22-5-1985

मोहर 🗈

प्रकार संस्थित हो है पुरा है पुरा है से से से से से

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में नभीद स्थान

# भारत बुरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, महास

मब्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्वेश सं० 54/प्रक्तूबर/84--प्रतः मुझे, मि्सस एम० साम्बेल,

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं े सर्वे ं सं 18/1है तथा जो स्नातीमूर गांव, मेरकाट तालूक सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्मी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, एस० श्रारं जिस्सार दसः सं 283/84 में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रेंक्स, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्निनिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्या के किए तथ भी का वास्तिबक

- हुँक) अन्तर्हण वे हुई किसी बाव की वायत, क्यस निश्नियम के नभीन कर योगे के जन्तरक के बाबित्य में कभी करने या सबसे वचने में सुन्धि। के निए; जोंद्र∕मा
- (व) एसी किसी नाम या किसी धन या कत्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 20) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इकारा प्रकार नहीं किया काना गाहिए था. क्रियान में स्विधा के किए;

्बत: ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ्र— (1) श्रीमती पी० निर्मला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० श्रार० श्रासैतम्पी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यमाहिया करता हु।

**बन्त सम्मरित के बर्च**न् ले संबंध को कोई भी शाक्षोप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र को प्रकाशनः की तारीं से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकता स्थानित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकासन, की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावक संस्थित में दितवस्थ किसे क्या व्यक्ति द्वारा, वशेह्रताक्षकी के पास जिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पाका करण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **मन्त्रको**

भूमि : श्रातीमूर गांव, मेरकाट, तालूक सेलम डिस्ट्रिक्ट, सर्वे० सं० 18/1, एस० श्रार० मेरकाट, दसः सं० 283/84 ।

मिसस एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास

विनांक: 22-5-1985

योहर 🗸

प्रक्ष बाह् .टी. एन .एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन तुचना भारत सरकार

# कार्यांन्य, सहायक भायकार वायुक्त (निर्देशक)

भ्रर्जन रेंज-1, महास मदास, दिनांकं 21 मई 1985

निदेश सं० 63/धनत्वर/84--श्रतः मुझे, मिसस एम० सामृवेल,

नायकर विधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जुन्म 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ठोर सं 19, है, जो पेटरीयार कोमील स्ट्रीट (बीठ ओठ सीठ नगर) जीठ टीठ मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबक में और पूर्ण रूप से विणा है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीक्षकारी के कार्यालय, एसठ श्रारठ सौकारपेट दस सं 82/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षन, दिनांक श्रवतुबर 1984,

का' पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अवमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्निलिखत उद्वर्थ से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ही जान की नायत, उनत अभिनियम को जभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्य में कमी करने या उत्तरों नकने में सुविभा भी शिष्ठ; जोड़/वा
- (ण) एती किसी नाम ना किसी धन वा अन्य नास्तियों करें, जिन्हें भारतीय नामकर जिन्हिन्त्यम्, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनयम्, या धन-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा हो सिए;

कतः अव पक्तः विभिन्नियमं की भारा 269-ण को वनुसरण वो, में उक्तः विभिन्नियमं की भारा 269-ण की उपभासः (1) के विभीन, निम्निसिबिस स्थिनिस्यों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कमलम्माल और अन्यों

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री वि० जेयरामन ।

(ग्रन्तरिती)

को बह सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बन्धि में बर्डन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से, 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि नाम में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिसकों को से किसी व्यक्ति क्षाराः
- (व) हव बुधका के उपस्पत्र में प्रकारण की वारीक है 45 दिए के शीवर करवा स्थानर सम्पत्ति में हित्बवुध किसी क्षम क्षित हुमारा म्योहस्वाकारी में बाब विश्वित में क्षिए या स्कीप को

स्त्रविकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्धां अहर पदां का, को सन्दर्भ विभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं वर्ष होगा को सस अध्याय भें दिया गया है।

श्रनुसूची <sup>\</sup>

भूमि और निर्माण ठोर सं० 19, ओलट सं० 85 पेटरीमार कोबीला स्ट्रीट (बी० ओ० सी० नगर) जी० टी० मधास-1 एस० ग्रार० सौकारपेट दस० सं० 482/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, मधास

विनांक : 21-5-1985

मोहर 😘

प्रकान वार्ड हो हुन्य पुर

बायकः विधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की पार 269-ण (1) के बधीन सूचना

# भारत सरकाइ

कार्यां सय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० 98/ग्रकट/84--ग्रतः मुझे, मिसस एम० सामुवेल, ब्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियंत्र' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हाँ क्षेत्र स्थापर सम्पत्ति, जिसको उच्चित वाजीर भूनतः 1,00,000/- क. से अधिक ही बीर जिसकी से सब सं ० 131, है, जो मिपल्लानलूर गांव में स्थित है (क्षीर इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वणित है), रिक्ट किली अधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० रासीपुरम दुस: सं 19084 भारतीय राजस्ट्रीकरण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के पंडीन, दिनांक दस संच 190/84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल को निया बन्तरित की गुड़ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रशासनित सम्मिक का उचित बाजार मुख्या उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रीतेकल का भन्द्रह प्रतिकत से जीवक के और जन्तरक (जन्तरका) और इंद्रिरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बबा प्रतिकम् निम्ननिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित के भारतीयक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) बतारण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त .बीधिवयस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस्या अपना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अष . उनत अधिनियम की भारा 269-म के अमृतरण मं, मं, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अं अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) श्री पुल्लीयप्पा कौण्टर और अन्थों .

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सवामीनातन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरः करता हुं।

्उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराष्ट्र
- (क) इस स्चान के युजपत्र में प्रकाशन की तौरीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्ता बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गका है।

## अनुसूची 👝

भृमि बिल्लानलूर गांव, रासीपुरम तालुक, सर्वे सं ० 13/1, एस० ग्रार० रासीपुरम ।

मिसस एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-।, मद्रास

| दिन्कि : 22-5-1985

मोहर:

ः **इ**ख्य वा**इ**ं, टी. एन., एस.,-----

नासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के कधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यां लय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० 50/ग्रक्तूबर/84--ग्रतः मुझे, मिसस एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चाह्न 'उक्त अधिनियम' क हा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 244/1 है, जो पड़णम गांव, रासीपुरम में स्थित है (और अससे उपाबक में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, एम० ग्रार० रासीपुरम दस : सं० 1925/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रक्तूबर 1984,

का पूर्वोक्त संपत्ति के लियत बाजार मृत्य से कम के स्थमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्प्पाया गया प्रतिफल, एनम्बिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक स्थ से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) व्यन्तरण से हुई किसी नाय की नानत उकत निध-हिन्द्भ के नधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कर्नी करने वा उससे नचने में सुविधा के लिये;
- हों दिसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को , जिन्हों भारतीय बायकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिन्यम, या धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया बाता चाहिए था, छिपाने में सृविधा विष्

मार व्या अवत विधिन्धन, को बारा 269-न में बन्सरण मा, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन के निम्मतिष्ठित व्यक्तियों, वर्षात् ह (1) श्री पी० टी० मुन्तु और ग्रन्थों ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० घण्पती और ग्रन्थों ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🛴

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## धनुसुबी

भूमि-पट्टणम गांव, रासीपुरम, सर्वे सं० 244/1 एस० आर० रासीपुरम , दस सं० 1925/84 ा

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिका सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 22-5-1985

मोहर 🗯

प्रक्म बाह्रं. टी. एन. एस. - - -

. **नावकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) कर्री भारा 269-ज (1) के अधीन सुम्बना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त ([निर्दाक्तिक)

म्रर्जन रेज-1, मधास

्मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निदेश 🤻 51/श्रक्तूबर/84---श्रतः मुझे, मिसस एम० सामुबेल,

बायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 32/2 है, जो तेन्कलपालयम गांव, रासीपुरम तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विण्रित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एस० प्रार० रासीपुरम दस० सं० 1930/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करूण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक प्रक्तूबर 1984,

को पूर्विक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है के और मूके यह विश्वास करा का कारक है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके कर्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिकल, निम्निचित उद्देश्य से उसत अन्तरण कि सिए तब पावा गया प्रतिकल, निम्निचित उद्देश्य से उसत अन्तरण कि सिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के द्यित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिष्कृ बौद्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें कें सुधीन, निम्निसिस व्यक्तियों. अर्थात् :— (1) श्रीमती बीरामी और ग्रन्थों

(श्रन्तरक)

(2) श्री के० सेन्कोहुवेल

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब-से 45 दिन के भीतथ उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताकरी के वास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पाचनीकरणः ----६समं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त सिंभिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अपूज्यी

सम्पत्ति तेन्कलपालयम गांव रासीपुरम तालुक एस० श्रार० रासीपुरम दस: सं० 1930/84।

> मिसस एम० सामुक्षेल सक्षम प्राधिकारी सहायके श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, मधास

दिनांक : 22-5-1985

मोहर 🔋

# प्रकृत आहा . टी . प्र . एख . -----

पायकर प्रतिशिष्ट 198: (198: का 43) की धार। 269-व(1) के भ्रधीन सुंचना

मापस भाग्यार

## कार्यानम्, सहायक जामकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 52/ग्रक्तूबर/84─ग्यतः मुझे, मिसस एम० ेंसामुवेल,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके दसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उणित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 180/2 है, जो मिन्नकल अकरकारम गांव मिल्लसमुद्रम सेलम डिस्ट्रक्ट में स्थित है और इससे उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० ब्रार० मिल्लस्मुदम दसः सं 1318/84 में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रावमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने, यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाए बृल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वदेश से उक्त क्रतरण निचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त निधानियम के नधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सृतिधा के विष्ठ; बीडि/बा
- (क) वंशी किसी बार ना किसी यन वा अन्य वाहिस्तकों नो, जिन्हों भारतीय बाय-कर विश्वितका, 1922 (1922 का 11) या उनस विभिन्नियम, या यन-कर अधिनित्तम, 1957 (1957 का 27) च प्रवोजनार्थ अन्सरिती ब्यास प्रसट नहीं किया तका या वा किया जाना चाहिए ना, कियाने में स्विता के जिस्हा

वत क्या, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, क्षत अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त अधिनुयों, सर्भाव ह-

- (1) श्रीमती सरिन्कामस्माल और ग्रन्थों । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सणमुकम ।

(भ्रन्तरिक्षी)

की यह बूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के क्रिक कार्यशाहियां करता हूं"।

उन्त सन्तरि से सर्वन के सम्बन्ध में काई भी बासेप ह

- (क) इस सूचना के खबपन में प्रकारण की राष्ट्रीय की 45 दिन की जनश्य या तस्यान्त्रभी क्रिक्समें कुछ सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी क्ष्मीय बाद में समान्त होती हो, के भीत्र प्रवेतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाक्त्र
- (क) इस स्थान के राज्यका में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के श्रीवर उनक स्थायर क्यारित में क्रिक्नक्ष विश्वी क्या व्यक्ति हवारा वृश्तेहरकालाड़ी के पार्व विश्वित में किए या वर्षों है।

# जब चर्ची

भूमि और निर्माण मन्तकल प्रकरकाटम गांव नामकल, सेलम डिस्ट्रिक्ट सर्वे सं 1318/84 एस० ग्रार मल्लसंमुद्रम दस: सं० 1,3 18/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-1, मक्षास

विनांक : 22-5-1985

मोक्ट्रं 🤱

### प्रकृत बाहु . दी . एन . एस . ------

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्योन सुवना

#### भारत बहुकाड

### कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 🕬। अक्तूबर/84---अतः मुझे, मिसस एम० सामुवेल,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्का इसकी पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करेंने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सर्वे सं० 92 है, जो. कुमार मन्कलम गांव तिरुचेन्कोट, नामकल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तिरुचेन्काट दस: सं० 2363/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; दिनांक अक्तूबर, 1984,

को बुब्हें क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके देश्यमान प्रतिकाल से, एसे ख्र्यमान प्रतिकाल का पत्त्व प्रतिकाल से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और बन्तरित (अन्तरितयाँ) के विच एसे अन्तरण के लिए तब प्राया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण तिलिख में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है हि

- (क) बन्तर्भ से हुई किसी बाय की बाबत, उसत कथि-नियम से बधीन कर दोने के अन्तरक के वार्तिस्स में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या कृत्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को तिए;

भारा विश्व कर अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् — 28—136GI/85

(2) श्री सि॰ मुत्तुसामी

(अन्तरक)

(2) श्री कंन्द्रसामी ग्रीर अन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

डक्त सम्मृतित् के वर्जन के सम्बन्ध में करेड़ों भी जानेपु:-

- (क) इस दूजना के राजधन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस.सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी हैं हैं 45 दिन के भीडर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने 1

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाक्ति है, नहीं वर्ण होगा को उस अध्याय में दिया व्याहै।

### अन्स्की

भूमि -कुमारमन्कलम गांवः, तिरुचेन्कोटः, नामकल एस० आरु तिरुचेन्कोटः सं० सः 2363/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकरी । सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास्

्दनांक: 12-5-1985

मोहर 🖁

प्रस्य बाह् .टी.एन.एस.-----

बायकर बीधिनियम, 1961 (1951 का 43) की धारा 26९-व (१) के वर्णन सुचना

THE PURE

### कार्यालय, सहायक सायकर शायुक्त (निरीक्षण)

ं अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक <u>22</u> मई 1935

्रानदेश सं 106/ अक्तबर् 84--शतः मुझे, निती एम० सामक्रेल,

आमकर् अधिनियमः 1961 (196° क्ट त3) (श्विमे हम्मां इसमां प्रस्ते प्रचात् उत्ता नाधिनियमं क्षण ग्या है), ▶की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्रमिष्ठकारी व्यक्त सहिन्दार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका, प्रचित्त नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक वी

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 489, 499 है. जो एमनाल गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अन्यूची में श्रीर पूर्ण कर्य ने विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जो० एन० अप्र० नमकल दस : सं० 1326/84 में भारतीय एकिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाय अक्तूबर, 1985, को पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाधारे मृत्य से बन के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथां पूर्वीवत मुक्तित का विजित बाधार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, धारे स्वयमान प्रतिफल कर पन्दह अतिशत से विविक्त की गीर अन्तर्भक्ष (अन्तर्भि) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एके अन्तर्भक्ष है किय स्वयस्थ स्वयमान प्रतिफल, निम्नितियह सब्दावेश्य से स्वयक्त सन्तर्भ स्वयमान प्रतिफल, निम्नितियह सब्दावेश्य से स्वयक्त सन्तर्भ स्वयमा स्वा प्रतिफल, निम्नितियह सब्दावेश्य से स्वयक्त सन्तर्भ स्वितियमा स्वा प्रतिफल, निम्नितियह सब्दावेश्य से स्वयक्त सन्तर्भ स्वितियम स्व सन्तर्भ स्व स्वा स्व सन्तर्भ स्व स्व सन्तर्भ स्व स्व सन्तर्भ स्व स्व सन्तर्भ स्व सन्तर्भ सन्तर सन्तर्भ सन्तर्

- ाँक) अन्तरण ते हुई किसी आग की अपूबत, उक्त समितिया को अभीत का तेने की असारक सी दाक्टिब के कभी कारने का उद्धवी क्याने भी स्वीत्रका के विष्
- (क) पंती किली बाव या किलो प्रव मा काल बाहिलको कारे, जिल्ही भागीक काल कर अधिनियत, १०२१ (1922 का १) मा आका किलिया, १०३७ का 27) का काल कर अधिनियत, १०४० (१९४७ का 27) के प्रयोजनार्थ कर्माणी श्राप्त प्रकार स्थापित कर्माणी श्री श्री प्रयोजनार्थ कर्माणी श्री श्री प्रयोजनार्थ कर्माणी श्री श्री प्रयोजनार्थ कर्माणी श्री श्री प्रयोजनार्थ कर्माणी स्थाप प्रवास कर्माणी श्री श्री प्रयोजनार्थ कर्माणी स्थाप प्रयोजनार्थ क्रिकारी स्थाप क्रिकारी स्थाप क्रिकारी स्थाप क्रिकारी स्थाप क्राप्त कर्माणी स्थाप क्रिकारी स्थाप

वर्ता कहा, जनत अधिनियम की धारा 269 ग के अनसरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-ध की अधारा (है) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, संधित :--- (1) शीमती एम० पी० अन्नपुरण अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री डलन्कोवन ।

(अन्तिरती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रित के सर्पन के विष्

### उक्त संपर्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी बाध्ये ह-

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं कें 45 दिन की समित या तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा त्रधोहस्ताक्षरी के शख किकित में किए वा स्कार्य ।

स्वंग्लीक रण:---इसमें प्रवृक्त शब्दों कीर पदों का, वो उनक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, कही अधि होग को उस अध्याय में दिवा सन्दर्भ

### अन्स्यो

सम्पत्ति नामकल गांव, नामकल ताल्क, एस० अ जे० एस० आर०—ा नामकल । दस : सं० 1326/84 ।

> एम० सामुबेल प्रक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु<sup>क्</sup>त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 22-5-1985

भोहर 🛭

### प्रकृत बाह्यीय क्षीत् सुन्तुत्र कृत्या स्थान

नायकार निपित्रियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-थ (1) के मुधीन सूचना

### बारत स्टब्सार

कार्यालय,- सहायक बायकर आधुक्त (निरोक्षण)

अजंन रेंज, मब्रास मब्रास, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० 107, अक्तूबर, 84—अक्षः मुझे, श्रीमित एम० सम्बेल,

शायकर मीर्थनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निवित्तम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह निवस्त करने का कारण है कि स्थानर सम्बक्ति, जिसका जीवत बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसेकी सं० सर्वे सं० 235/2 है, जो सीकर गांव, कटीमानम तालुक में स्थित है (ग्रीर इनसे उपावड़ अनुसूनी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० कुटीमातम दस : सं० 4330/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अन्तुवर 1984,

को प्राचित सम्पत्ति के उचित बाजार कृष्य से स्था की स्थमान् प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि अभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वमान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का श्रेष्ठ प्रोहेशल से अभिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्यरितियों) के नीच एसे अन्तरण के रिल्ए स्य पाया क्या मृतिकन, निम्निनिवत उपुर्वस्थ से उच्छ मृत्तरण मिनिवत में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया ग्वा है रे——

- (क), अन्तरण वं हुर्ष किसी आय की वावस उक्स अधिनियम से अभीन कर बने की अध्यादक की अधिरण में कती करने या उससे नचने में सुनिया के सिए; जीप/वा
- (च) देवी देवती वास वा किसी धन या अन्य वास्तिक्षे करे, किन्हें भारतीय आयकर आंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिर्देशी व्यास्त प्रकट नहीं किया बना था किया आना आहिए था कियाने में कृतिया से निए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धाराः 269-घ के अन्सरण बें, बें, उक्त विधिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) वे विधीतः, निस्तितिषतं व्यक्तिवाँ, विश्वितः (1) श्री टी० जी० चोकत्रीन्कम

(अन्तरक)

(2) वि॰ कुप्पुलक्ष्मी ।

(अन्त*रित*ी)

का यह गुचना बारों करके पृशांचल संपरित के अर्थन के सिए कार्यत्राहियां करता हुं।

जमह संगीत्त के अभन के संबंध के काई भी बाबंद अल्ल

- (स) इस भूषता को राजपत्र मी प्रकाशत की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाक्ष होती हो, के भीतर प्रविक्त क्षेक्तिसों में से किसी व्यक्ति इवाद्ध;
- (क) इस सूचना के राजधुन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थाबर सम्पत्ति में ति्तसद्ध कियी जान व्यक्ति इताय अधाहस्ताक्षरी के पास पिखिल में किया गा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इयमा प्रयूपत शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जोनिनिक्या, को अध्याद 20-क में परिभाषित इ<sup>2</sup>, बहुने अर्थ क्षीया, को उम्र व्याप्त में विया गका

MA PLANT

भूमि क्रीर निर्माण सीकर गांव, कुठीमातम तालुक; एम० अरु० क्रो० कुटीमातम दस : सं० 4330/84 ।

> एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 22-5-1985

माह्य 🏗

प्ररूप बाइ , टी , एन , ध्रा ....

ाकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास मद्भसं, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० 108/ अक्तूबर 84--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल, '

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है, ज कुटियात्तम गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रांर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० आर० कृटियात्तम दस: सं० 4358/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कमे के दश्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जोर जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच प्रोते अन्तरण के लिए तिय पाया गया प्रतिकंत, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निधित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है ह---

- (क) जन्तर्ग से हुई किसी नाप की बाबत, उक्त जीभीनवम के जभीन कर दोने की जन्तपुक दाबित्न में कमी करने वा उससे ब्चने में बुद्धिन के लिए: और/बा
- (स) एसे किसी अाथ या किसी धन या, अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भन-दर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनाथ अंडिरि इतारा प्रकट नेही किया गया श्ता या किया जाना आहिए था, श्रिपाने में तुनिधा बु सिए;

ं नतः वन, उस्त निधीनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घू की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाब् :---

- (1) श्री पान्टुरेंक नायुंडू पारीयास ग्रीर अन्यों। (अन्तरक)
- (2) श्री एम० लोनिसान्थी जैन । (अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त सम्वित्त के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनी की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों. में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 ·दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित**बदध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के **पास** लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**चिन्स्ची** 

अनुसूची

सम्पत्ति कुटियात्तमं टकुन टोर सं० 276/647, एस०. आर० कटीयात्तम दस : सं० 4358/84 : ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : -22-5-1985

मोहर

प्रकल बाह्येल दर्शिष्ट एत<sub>ा</sub> एत<sub>ा</sub>------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास दिनांक 25 अप्रैल 1985

निदेश सं० 4/अक्टूबर/84---अतः मुझे, प्रेम मालिनि

वासन

जायकर अधिनियस 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं है, जो कामानिपुरम, बाक्यम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जें०एस०आर० वेंलूर दस: सं 3682/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1984। को पूर्वोवत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है, और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का अत्यह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक, गिम्नुनिविद्ध अद्योग में अक्त अन्तर्य निविद्ध में बास्य- विक्र से किया नहीं किया गया है है—

- (क) भ्रमारण से हुए किसी साम की नामत कथन वाज-रियम के स्थीन कर धेने में मुन्तरूक के दामित्य में कमी करने ना बन्ने स्थान में सुनिया के जिले; सर्द ना/
- (स) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-ऋष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्ग अस्तियम, वंदरा प्रकट नहीं किया वजा भा ना किया जाना धाहिए बा, कियाने में बृद्धिमा है सिए;

अतः अस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की, वित्रक्षक्षे मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1). को सभीत, जिस्तिकिय व्यक्तियों, वर्षात् स्च (1) कुमारी ए० जाकप।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरीना नामसं मानम्।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में, प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, को बी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- मह्भ किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताकाही के पास निवित में किए जा सकींगी।

रनका करण:---इसमें प्रमुक्त कर्जा और पदों का, वो उनका अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्भी

भूमि भौर निर्माण—कामानिपुरम, बाकयम जे०एस० आर०--1, बेलूर, दस: सं० 3682/84।

प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 25-4-1985

मोहुरु 🗷 🤚

**प्रकार कार्ड. टी. एन. एस्. - - - -**

# शायकर सीधनियर, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सुचना

KIPE STAFF

### कार्यानय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्तक)

श्रजीन रेंज, मद्राप्त सः विकास १८ मार्गेका १५

मद्रास, दिनांक 16 श्रप्रैल, 1985

निदेश स० 8/प्रक्तूकर/84— ग्रतः मक्षे प्रेम मालिनि वासन गामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव इटमनसानु गांच, बेलूर ताल्लुवः में है, जो बेलूर तालुकः में स्थित है (आँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से चिणत है, रिविस्ट्रींश्रेती अधिनारी के दार्यालय जेवएनव्यारव 1 बेलूर,दस्तावेज संव 3730/84 में रिजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के प्रधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रममान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिपत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तो राष्ट्रयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा श्रीतफल निक्निलिसत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक स्प से किशत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण ते हुई फिसी बाच की कर्ता; अनक अभिनित्त के बनीन कर दोने के बन्तहरू औ वाजित्य में क्वी करने वा उन्नवे क्यूने में स्किथा के लिए; जोट√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविशा में से सिए;

1. श्री चि० एम० सहसानिति।

(अन्तरकः)

श्री सी० जकनातम और टि० बालाजी।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्भक्ति के अर्जन के लिए व्यर्थवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्त े

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनाराः
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहत्ताक्षरी के पास निविद्या में किए जा सकींगे।

स्वक्टोंकरणू: -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बक्टी अर्थ द्रोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नवृत्स्यी

भूमि इटमनकानु गांच, वेलूर तालक जे० एस० प्रार० I वेलूर दस्ता . सं० 3730/84 ।

प्रेम मानिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, मद्रास

बतः बंब उक्त विभिन्नमं की भारा 269-वं श्री अमतरूर कों, कों, उक्त विधिनियम की धारा 269-वं की उपधास (1) 'कों कभीन', निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीत् ३०---

दिनां ॥ 16-4-1985 मोहरं ॥ प्रस्प बाह्" ही । एन । एस :-----

नाय-कर निधिनियम्, 1961 (1961 की 43) कीं भारा 269-म (1) के नभीत स्वता

भारत सरकाइ

कार्यास्त्र, सहारक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 26 श्रप्रैल, 1985

निदेश सं० 10/प्रक्तूबर/ 84---- प्रत सझे प्रेम मालिनि धासन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है । कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी मं० सौन वेलुर, वेलूरष्टक न में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकृती श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एम० श्रार० I, वेलूर, दस्ता० सं० 3800/84 में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक प्रक्तूबर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रिपणल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ्गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देव देय से उसत अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधितृत्व के श्रीत कर दोने के श्रीतक को वाबित्व में कभी करने या उसने बचने में स्विधा के निए; और/या
- (क) गुनेग किसी शाव या किसी धन या अस्य आस्तिको को, चिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपांजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में मिविधा अमें निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, यें उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारः (1) अधिकार, निम्कीलियस व्यक्तियों, स्थात् केंक्र 1. थीं एम० मूरती।

(अन्तरक)

से संसर्ग मन्कलम चिट फन्ड्स।

(अन्तरितीं)

को बहु सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन ने लिए कार्यवाष्ट्रियां सूक्त करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस तृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित- सक्थ किसी व्यक्तिस द्वारा, मुभोइस्ताक्षरी के पास गया है।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनु**मूची**

भूमि सौन वेलूर, वेलूर टाउन, नार्थ $\frac{1}{2}$  ऋारकाट, जे० एस० श्रार० 1, वेलूर । दस्ता० सं० 3800/84- ।

प्रेम मालिनि <mark>घासन</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंजे 1, मद्रास

दिनांक 26-4-19**85** 

मोहर

**प्रकृष आह**ै. ट्री. एन . एस<sub>्य प्र</sub>------

भायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### बारत बहुकाह

### कार्यांसय, सहायक शायकर आयक्त (निद्वासिक)

. श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 16 श्रप्रैन, 1985

निदेश सं० 38/श्रक्तुबर/84—श्रातः मझे प्रेम मालिनि वासन कार्यकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इंतको पश्चाल् 'उक्त विचित्रम' एक्स वता ह"), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी खे यह निक्शास करने का कारण ही कि स्थावर सम्बद्धिः, विक्ता उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रहः से अधिक ही

और जिसकी सं० टीं० एन० 924, है, जो भ्रम्भापेट गांव सेलम में स्थित है (और इसमे उपाधद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता, प्रधिनारी के कार्यालय, सेलम डीस्ट, दस्ता० सं० 2551/84 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के प्रधीन दिनांक प्रक्तूबर, 1984

को पृथितित सम्मित के उत्तित बाजार मूल्य से कृत के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभी यह दिश्यास करने का आरण है कि यथापूर्वेक्त तंपरित का उत्तित साबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए अब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्ट से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावठ उक्छ बरिपनियम के सभीन कर दोने के जलारक के दानित्य में कमी, करने या उत्तरे वर्षने में सुविभा के बिए? बहि/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन वा बन्य बास्ख्या की जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग कै बनुसरण में, मैं, सक्त विधिनियम की भारा 269-गे की उपभाश (1) के सभीन, निम्निसिक व्यक्तियों, वृश्यंत् В

- 1. श्री जीं० एम० कुनातन और श्रन्यों।
- (अन्तरक)
- श्री राम लिन्कम और कन्तप्य कौठर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उनक सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाओप ध-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सक्रवन्धी व्यक्तियों पढ़ स्थान की तामीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के उपजपत में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकों में ।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अभिनियम, के अध्याम 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में तिया वसा हैं।

भूमि और निर्माण श्रम्मापेट गांव सेलम, एस० श्रार० सेलम, डीस्ट, दस्ता० सं० 2551/84।

> प्रेम मालिनि चास**र्न** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-, मद्रास

दिनांक 16-4-1985 मोहर ॥ प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार ्

कार्यालये सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

्रक्रिन रेंद्र 1, मद्राप्त मद्रा , िर्हा∴ 16 अप्रैंप, 1985 <sup>/</sup>

विषासं २ 39 किन्दूबं | 84---श्रत मुझे प्रेम माि ि ना न अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

अं:िस मी सं भर्ने सं 36 /5 है. जो अपमानित, गांव सेला में भित्रत हैं (और इते उपबंद्व अपुसूची में और जो पूर्ण रूप चिंगत हैं) रिप्ट्रींकर्ता अकि रिवे गार्थी ए से ए ईस्ट स्तार सं 2552/84 में किसी एक इति किम 1908 (1908 को 16) के अधीर किसी अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

अरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पास्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-रेक सिद्धित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हाई किमी आय की बाबत, उक्स विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिध। के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी भन या अन्य बास्तियाँ की की अमर भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रश्लेषार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में विद्या के लिए;

1. श्री जीव एमव बुहताचा आर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री के रामाहिकम और पि वन्द्रप्प कोंटा। (शन्द्रातिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पेति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--- 🔍

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (सं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दित को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

#### बन्सूची.

भूमि ग्रन्मारेट, गांव, सेलम। दस्ता० सं० 2552/84 ।

प्रेम मािति वाःत सक्षतप्रकिरी सहायक स्रायकर गायुष्त निराक्षण) स्रर्जन रेंप्रनी सटास

दित्तंक 16-4-1985 सोहर ३ प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकार ब्रोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ् 269-च (1) के बधीन सुचना

#### भारत बरका

कार्यालय, तहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

म्रर्धन रेज मास महास, दिनांक 16 स्रद्रैल, 1985

निदेश ६० 42/ग्रक्त्बर/84 -- ग्रतः मुक्ते नेम मः िति वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिसका रचित हाजार मृत्य

·1,00 0°0/- रु. से अधिक हैं

क्षीय जिल्ला, संव सर्वे संव 20 है, जो निरिक्तिकोटु, गांव, नामकल में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध में और जो पूर्णस्प से विणित है) रिजिट्रोकर्री अदिकरी के कार्यात्रय निरिक्तिकोटु, दस् संव 2514/84 में भारतीय जीन ट्री रिण अदिनियम, 1908 (1908 का 16) के हादी रिद्यांक अक्तूबर, 1984

को पर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मत्य में कम क दश्यमान प्रित्मल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे बहु विश्वास करने का कारण है कि रथा पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रित्मल का पदह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (उन्तरकों) और उत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्मल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण में इ.इ. कि.मी काय की शब्दा, उपल मधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्थ में कमी करने या समसे दचने में मित्रश के लिए; बीर/वा
- (ख) एसी किसी बाव या किसी धव या अन्य ब्रास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय कायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

बतः अस, उदल अधिनियम की कास 269-म के अनमण्य में में त्रुपम मिमिन्सर पर एक 260-ध की उपभारत (1) को स्थीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् ---- श्री नारयम चेट्टियार ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीत्ती के० पारवती।

(अन्तिश्दी)

का यह स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्ष्रंन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या नन्मवधी ज्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी। अविध बाद में समाप्त हांती हो के शोतर पूर्वोक्त च्या क्तयों में सा किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्वमा के राज्यत्र में प्रकाशन करे तारीत व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मस्पन्ति में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किस् वा सकेंगे।

स्थब्दीकरण ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, की तक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषिट हो होता अध होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

भूति और गिर्मौग-िहिनेन्छोटु गांव नामकल उस० सं 2514/84 ।

प्रेम माणि वासन सङ्म श्रीवकारी अ सहायक श्रायंकर श्रापुका (निरक्षण श्रुक्त रेज 1, महास

दिनांक 16-4-1985 मोहत : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन जि, मशास महाम, दिलांक 3 महे, 1985

निदेश सं० 4/प्रक्तूत्रर/84--श्रतः मुझे प्रेम मार्तित वासन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अक्षी। सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रु. में अधिक **ह**ैं की शनाती तंव वर्षे लंब 16 है, जो 85 ध्रार, कोमार, पालयम, गांत्र में स्थित है (और इससे उपत्यद में और पूर्ण रूप से बणित है) राजि द्री अधिकारी के कार्यालय, राजिपुरम, द्वा उसं ० 1893/84 में जारतीय रोज द्रीकरण श्रीचनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीा दिनाक श्रक्तूबर, 1984 का पुर्वाकत सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतः रत को गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि मथाप्त्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रात्फल का पन्नहिप्रतिशत से आधक है और अंतरक (अतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एंस अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य सं उक्त अतरण लिखित में **बास्तविक रूप** संकाथत नहीं किया गया **है**:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ 1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः जबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्ष व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जिल एप श्लोकायन, और अधी।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती पी> श्रानासी ।

(भन्तर्रादी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामवाहिमा शुरू करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यावत द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### भगसूची

भिमा पोलाम गांव, सर्वे सं० 16, एस० शार० राश्चिरम, क्षसः सं० 1893/84।

> प्रेम माजिति वासन सक्ष्म प्राध्कारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेज , मश्रास

्दिनांक 3-5-19**8**5

प्ररूप आइ . टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1531 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंण मेक्षास

मदास, दिनांक 29 घडेल, 1985

निरेश सं० 64/प्रक्तू बर/84—प्रातः मुझे प्रेम मानितिबासन बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि. की. कं० 23 है, जो इस्लिपन स्ट्रीट, मझास-1 में स्थित है (और इस) उपाबद अनुसकी में और जो पूर्ण रूप संवर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के लायांलत सौकारपेट, दस: कं० 486/84 में रजिस्ट्रीकरण अजित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अक्तूबर, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल की लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित राजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकाल से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (भा अलगण में हुई किया बाय की बाबत, अबद बिधिनियम के अभीन कार दोने के बलाइक के दायिएक के अभी करने मा उससे बचन के सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीम, निम्नालिकित स्योजस्यां, अधार अ— श्री राम हृष्णमाल

(ग्रन्तरक)

2. श्री हास्टीम्ल चौट्टी और श्रन्धो।

(भ्रन्तरिकी)

का यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी वाक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां वर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविस्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाग।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भागावी, सं० 23, ६६नवन स्ट्रीड, महास-1, एस० म्रार० सौकारपेट, दन: सं० 486/84 ।

> प्रेम मःलिनि वार सक्षम प्राधिकरि सहःयक ग्रायकर ग्रायुक्त (किशोकण) ग्रर्जैन रेंज-, मक्षास

िदनांक 29-4-1085 मोहर ब प्रकल बाह्", टी. एन<u>.</u> एक<sub>ु</sub>-----

मायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना '

#### भारत वरकार

कार्यालयः, सहायक व्यवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रक्त रेंज, 1, महास

मद्रास-6, दिनांक 2 ग्राप्रैल, 1985

निदेश सं० 82/श्रक्तूबय/84—श्रमे: मुझे प्रेम म जिनि वासन बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

कोर जि.की सं० भ्रार० एस० सं० 9559 है, जो सं० 17, बोम्मु चेट्टी, स्ट्रीर, पारक टाउन, महास-3 में स्थित है (और इस सं उपाबद अनुचकी में और पूर्ण रूप चे बाणा है) रजिस्ट्रीकर्ता महिकारी के कार्यालण एस० आर० सौकारपेट, दस: सं० 500/84 में रिज ट्रीएरण भण्रतीय अहिनियम, 1908 (1908 का 16) के अही। दिनांक अक्तूबर, 1984

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से, एसं दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अनरक (अनरकों) अप प्रतिरिती (अन्तरितिरों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——)

- (क) बलारणे में हुई किसी साथ की शबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोन के बलारक के दायिक्य के क्यों अपने से ज्यापे सबसे के मुलिधा के लिए डीप प्याः
- (था) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

बत: वब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण के, में हक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिक्स व्यक्तियों, अथित :--- श्रीमृती निरामनाल और श्रन्थों।

(ग्रन्तरक)

7. श्रीमती जि॰ विजयनक्षमी।

(ম্বল জী)

को यह सूचना जारी करके प्योवत सभ्यक्ति के अजन का उत्तर कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संजंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 4.5 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भातर प्रवाचन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजधन मी प्रकाशन की ताराच है 4.4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्योग मी दिल बय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी वै पान लिस्ति मा किए जा सकेंगे।

स्थादिकरण: ----हरामी पयकत शब्दों और पदों का, जो उत्तर आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्क

भूमि और निर्माण-17, बोम्मु चेट्टी, स्ट्रीट, पारक टाउन, महारा-3, इस० ब्रार० ब्रा० मौकारपेट, दस:० र्स० 500/84

> द्रेम मातिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेज-, मद्रास

दिनांक 27-4-1985 ोहर :

### प्रकृष बार्ष . टी. एन. एव . ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ्ष्ट्र-थ (1) के अधीन संभाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सञ्जयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-1, मद्रास

भौताल, दिनांक 29 अप्रैल, 1985

सं० 84/त तूब /84 - अतः मुझे, प्रेम मािति घान, कामकर काधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पण्णात् 'उक्त कि धिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और ि की संव आपव ए कि संव 2171 है, जो 23, जर्ज टाउन, रणन गाम स्ट्रीट, महां में विश्वत है (और इ के उपाधन अनुत्रों में और पूर्ण कर के बॉगन है), रिन्हों तमी अनिकारी के मार्चान संकामीट एउक संव पींच 10/84 में भगतीय रिन्ही मार्ग अनिहास, 1903 (1908 में 16) के अधीन तारीं न मार्चान, 1984

का पथा बत मणील क उचित याजार मूल्य से कम के खूयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है मुन्ने यह विख्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बासत, उन्छ अधिनियम के अधीन कर दन के अंतरक के दायित्व में कनी करन या उसस अपने में सुविधा के निए; और/या.
- (क) एमी किसी बाव वा किसी धव वा अम्ब आस्तियाँ, कां, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनाथ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपने में निविधः के सिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को जन्मरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात:---- 1. श्रीमती आए० : जंतिमति

(भन्तरः)

2. श्रीमती ंटि० ∵;तूरि

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्वन के रिक्र कार्यवाहिया करता हुए।

सक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस, स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जबधि, आं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति, बूबागः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की नारीख है 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य प्रायित क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

रभष्टीकरण:— इसमें प्रयोक्त शब्दों और पर्दों का, आ जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बहा अधे हाला का उस अध्याय में दिया नया ही।

### श्रनुसूची

प्रापर्टी ---23, धननु त्यापत स्ट्रीट, मद्राप्त-1 एस० बार० तीकः पेट, ए । तं० जी०-10/84 ।

> प्रेम मार्ति वा न सजप ना घे हारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राम

सारीह : 29-4-1985

मंुः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
ग्राजैन रेंन-1, मणाम ।
सा० भा2 भा० रिक्षिण गर्या य
मद्रा , ितः 29 अप्रै :, 1985

सं ० 85/ज टेब / 84 - अत मझे, प्रेम सिति हि हा न बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परैचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

औं ि की सं० आ ० ए ० सं० 10432 है, जो टोर सं० 27, देवा 1 में, दि एट्टिया के एड., महारा -3 में स्थित हैं (और डार्का का बड़ कानुस्ती में, और पर्ण का से विधित्र हैं) कि एट्टिया की पर्यो के सर्वारोट द सं० 512 84 में का निक्ति कि एट्टिया एण का कि मान 1908 (1908 का 16) के हाथीं तारीं का 16 अ सूबा, 1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दुरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब वर्षा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इंदायित्व में कमी करने या उसस बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया , था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती बेबि अते : िर गमि अत्मा : और अन्यों । (अनेतर)
- 2. श्री ि॰ ए १० इ० ए १० मो अन्त, अब्दु : अवर और अन्यों।

(अविती)

का यह सूचना जारी करके नुवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

्उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील सें
  45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकागी।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

#### सनसची

भूमि और निर्माण सं० 27, देवराज मुढलि स्ट्रींट पारक है। टाउन, महास -3। पुरुक आरुक ओक सी गायेट, दर्वक संव 512/84।

> (प्रेम मार्टिश वा क्रि) सक्षम प्राधि तरी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (किरक्षण) स्त्रर्वत रेंग-३, मधरात

तारीख: 29-4-1985 मोहर क्ष प्ररूप बाई', टी. एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

- भारत सरकार

हार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) क्रईन रेंज, Î सद्व

मद्रा ', रिहार : 27 अप्नैल, 1935

सं० १९/प्र तूब /84 - अतं मझे, प्रेम माि वा न, बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें समके प्रथमन 'उन्न अधिनियम' अहा गया हो, की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य. 1,00,000/- रु. से अधिक है औं: ि की सं० 201/17, 201/21 है, जो तिरूमन लन गांग में स्थित है (आंगं इ से उपाबद अनसूची में आए पूर्ण रूप से प्रणित है), पिल्ट्रीवर्ता शिवारी के पर्या प्रमान रूप कार्य है (अंगं इ से उपाबद अनसूची में आए पूर्ण रूप से प्रणित है), पिल्ट्रीवर्ता शिवारी के पर्या प्रधितिम, 1908 (1908 पाउ) के अधीर जरित है जिस का क क्रयमान प्रतिकत के लिए रिजर्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापृवाकत सातित का उचित बाजार मन्य. उसके इश्यमान प्रतिफल में, एप्से व्ययमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से, अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतीरती । अतीरित्रियों। के बीच एप्से अतरण के लिए तथ पाया नया प्रतिकाल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण निम्निलिखत में

गस्तिषिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) क्लेरण सं हुइं किसी बास की बाबत. उक्छ अधिनयम के अधीन हार दान के अन्तरक के दायित्व में अभी कारत या उसमें उन्नते में मुनिधा अ भिन्त्र, कार/या
- (ख) एंडी; किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ कों; जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार प्रोधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकार नहीं किया लगा था थी किया जाना नाहिए था, छिएत से निवास के सिए:

नत: अब उक्त अधिनयम की धारा 269-म की अन्सरण को. री, सक्त अधिनियम की धारा 269-म की इप्धारा (1) की शधीन, निम्मीलिकित स्मिनतयों, अर्थात् ;रूरू 1. श्री एन० ए !० देश तह

(अन्तर्भः)

2. श्री जि० वेणकोबाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबध मो काई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंत्रभी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा,
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्यष्टीकरणः ---- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

#### समस्य

स्मि- • जिस्मन् देशम गाँव, सं० 207/17, 207/21, एस० आर० अका नगर, पत्र० सं० 3598/84।

> (श्रेम मािति वा ात्). सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (क्ररीक्षण) अर्थन रेंज-1, मद्राः।

तारीं = 27-4-1985 | मोहर : अरूप् आईं.टी.एन.एस.-----

आयफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अभीन सुवना

भारतः जनमार

### कार्यानय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्राण)

श्रर्जन रेंज, मद्राल

मद्रास, विनांक 9 यप्रैल 1985

निर्देण सं० 100/क्र त्वर/84 — श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपनत बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० टीर सं० 41, 78, है, जो नठचकर गांव, अञा नगर में स्थिति हैं (और इशम उपाधड़ अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री इती अधिदारी के ार्यालय अञ्चानगर दमस्तावे सं० 3590/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अक्तूदर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्वित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास, करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देख्य से उक्त बन्तरण सिथित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है :—

- (क) शंतरण से हुई किसी शाम की बाबत., उक्त प्रतिश्विम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उसने बचने में तुकिथा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया असा साहिए था, छिलारे में सुविधा के लिए;

जन: अब, इस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 
[30—136 GI/85

1. श्रीमती आर० माक्रनामाल

(भ्रन्तरक)

्2. मश्रीनी कुटिंपया कानः

(अन्सरिती)

करी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति से अर्थन से जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जन्मि बाद में समाप्त क्षेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरक :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उसा अध्याय में दिया नवा हैं।

### मनुसूची

भूमि--टोर मं० 41, 78, न*्*वकरैं गाव, श्रना नगर एप० प्रार० अन्ना तगर। दस्तावेज सं० 3590/84।

> प्रेम मालिनि जासन शक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्र्वेन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख 9-4-1985 भो**हर**ः ध्रस्य बार्ड . टी. एन . एस . -------

बाग्यकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-व (1) की अभीन सचना

#### भारत सरकार

### कार्यास्य सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 105-अकटझ-84---अतः मुझे प्रेम मालिनीः यासन, •

हाबकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उन्तत विधिनयम' कही गया हैं), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करमें की कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयं मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, समके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पदा गरा प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त मन्यरण निवास में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया प्रा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्ट अधिनियम के बभीन कर दोने के अस्तरक के दाविस्थ में कमी कर्दने या सत्तसे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आध-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनेक र अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अभ्वरित्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना काहिए था कियाने हो सुविधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री परमसिवम।

(अन्तरक)

2. श्री एन० दुरैसामी।

(अन्तरिती)

क्रो यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚈

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीज इं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वत्त व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास विश्व में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिजियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बहुने अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भ्रनुसूची

भूमि तिरूमलिकरि गांव, नामक्कल तालुक दस सं ० 1431,84 ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक अव्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 16-4-1985

प्रकल बाही : टी : एव : एक : ----

मावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) को अभीय स्थाप

#### बार्क देखाः

भावांसर, संद्वायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून, 1985

निर्देश सं० 135/ प्रक्तुबर 1984/रेंज-II—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुकेल शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का को यह मूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्प्रीत के अर्जन के लिए 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भृमि-तिरूपुर, उडुमलपेठ है, जो

में स्थिति है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रक्तुबर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित बाबार मृस्य से कम के व्यवमान हिताल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्नुष्ट प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए स्य पाया गया प्रतिकाल निम्नितिचते उद्वेदय से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बलाइन से हुई कि जी बाय की बावस कारत निधन विषय के अधीय बहु दीने के बलाइक के समित्य में कभी करने या उत्तरों वसने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के जिए।

अतः अव, उक्त जीभिनयम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सुभीन, निम्नुकिचित व्यक्तियों, संशीह क्ष्र— 🔻 1. श्री टी० एस० श्रीधरन।

(अन्तरक)

2. श्री मदल सामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, ओ उक्त विकास की स्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

### वन्स्यी

उडुमलैपेठ, तिरूप्पूर, उडुमलैपेठ, लेख सं० 2265,84।

एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख[ः 5-6-1985√ **सोहर** ⊭

### प्रकृष बार्च : दर्ग : एता : - - - अन्न

### शावकर विश्वित्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वता

#### SIZE EXPER

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं 134, अक्तूबर 84,रेज11—अतः मुझे श्रीमती एम सामुबेल

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धन्य 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संव उडुमलैपेट है, जो कॉटमंगलम गाँव में स्थिति है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुमलैपेंट्र लेख संव 2460/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1894

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाषार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित् बाषार मूज्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गना प्रतिफल निम्नसित्ति उद्योग्य से उन्त अन्तरण निश्वित में बास्विक स्थ से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अनुसद्भन हे हुई किसी नाम की बाबत, बनत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक क रुधिरण में कभी करने या उससे बचने में अधिया की किए; बॉर/मा
- (च) ऐसे किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या निक्या जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

शतः जब उक्त अधिनियम की भार 260-ग कै अनुसर्क में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ु— 1 श्रीमती विजयम्माल दी मीनाक्षी विलास कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री बी० राजू नायुडु।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यगाहियां करता

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क)। इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर कृताना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पृथींकत स्थितियों, में से किसी नारित ध्वारा;
- (थ) इस मुखना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी लिखित में किए जा सकी

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि : गोत्तमंगलम् गांव, उडुमलैपेठ गाम उडुमलैपेठ ,लेख सं० 2460/84।

> एम० सःमुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

नारीख: 5-6-1985

माहरू 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुघना

#### भारत सरकार

्कार्यालय, सहायक आयकर <mark>कायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज-11 मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून, 1985

निर्देश सं० 125, प्रक्तूबर 84,रेज-II—अतः मुझे श्रीमती एम० सःमुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रुठ से अधिक है

स्रोर जिसकी मं 11,13, अन्मारी स्ट्रीट, रामनगर है,जो कोयम्बत्त्र में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्त्ती में स्रीर पूर्ण व्या में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, कोयम्बन्त्र लेख मं 24331/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियमः, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984 को पूर्वीक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत को गई है और मूक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे रिक्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, -या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ---- श्री के० रामकृष्णन।

(अन्तरक)

2. श्री सी० जी० वी० कुष्णन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िकष्ठ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ। में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचन को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्व किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यमसर्ची

भूमि श्रौर मकान--11/13, अन्सारी स्ट्रीट, रामनगर, कोयम्बसूर, कोयम्बसूर लेख सं० 4331/84)।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अमायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II , मद्रास

नारीख: 5-6-1985

मोहर 🛭

प्रकलः आहे .टी .एव .एव ., -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मत्रास

मद्रास विनांक 5 जून 1985

निर्वेश सं 154, अक्तूबर 84,रेंज-II — अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० आ० एस० नं० 253 स्वाब सं० 1317/84 की णेंडुल में है, जो दी हुई सम्पत्ति कर्फूर में स्थित है (भीर इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कूनूर लेख में 1317/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तर्ण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उच्चेष्य से उच्च अन्तर्ण लिबित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी नाय की वावतः जनक अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक वी दावित्व में कमी करने या उसते बच्चने में सुविधा के सिए; बौट/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया प्रया या या निकया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविभा के जिल्हा।

अतः अव, उक्त किंपिनियम की भारा 269-न व अनुसरभं में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1), के सभान, निम्निसिंबर व्यक्तियों, सुभति हिल्ल 1 श्री के० रंगनाथकी अम्माल।

(अन्तरक)

2. डा॰ आर॰ जयकुमार और एस॰ ए॰ रहीम। (अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाओं प अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवव्य किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्करी के पास निवित में किए या सकी।

स्वक्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

लेख सं० 1317/84 की शेडुल में वी हुई संपत्ति---कृतूर।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारी**ज**: 5-6-1985

मोहर, ।

प्ररूप आहें , टी. एन् , एस , ------

बायकर बिधिनियर, 1961 (1951 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० 202/प्रक्तूबर 84/रेंज- --प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं नेरिन्झीपेठ्ट गांव एस० नं 282/1 ग्रीर २ 283/2ए है, जो मरानी नालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी के कार्यालय, ईग्रेड/लेख सं 4064 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीचन, तारीख अन्तूबर 1984

स्त्रों प्वारंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्ट्यू, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण मिनिसत में गस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अघने में साविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लए;

बत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  दी मैसूर डैयोसीसान सोताइटी विषयस हाउस—-बै पवर एजन्ठ रेव, फादर-डी नारन्हा।

(ग्रन्तरक)

 श्री एम० त्री० प्रसाद श्राँर श्री के० स्क्रिरम्। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क), इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारी का ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां :
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पद्यों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **धनु**सूची

भूमि—किरन्सीपेठ्ठै गांव, सर्वे नं० 282/1, 283/2ए, मरानी तालूक ईरोझ/लेख सं० 4064/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-6-1985

मोहर ।

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.----

बायकरा अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून, 1985

ं निर्देण सं० 116/श्रक्तूबर 84/रेंज-II—⊷ग्रतः मुझे, श्रीमतीः एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० णीसुरिण ग्राट० एन० करम है, जो कायम्बत्त्र में स्थित है (श्रौर इन्से उनाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यान्य कायम्बत्त्र लेख सं० 4587/84 में भारतीय र्रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) क ग्रिधान, तारीख ग्रक्तूबर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्स है और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं
और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक्क रूप से किथित
नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मीं० पद्मावती।

(अन्तरक)

2. श्री जी० श्रीधरन।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से . 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुची

लेख सं० 4587/84 की शेंडुल में दी लेख सं० 4587/84 की शेंडुल में दी हुई संपत्ति कीयम्बतूर।

एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-II,मद्रास

तारीख: 3-6-1985

संहर:

### ्रस्य कार्ड्, टी. एन्. एक्. नवनसन्धनसम्बन्धन

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (!) के बधीन स्थना

#### भारत् सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून, 1985

-निर्देश सं. 121/अक्तूबर 84/रंज- ---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर प्रधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास 'उक्त क्षिमियम'कहा गया हैं), की भारा 260 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर स्थिति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं तेलुंगुपालथम् गांव जी एस तं 74/2 श्रीर 77/2 है, जो कोयस्वत्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बत्र लेख में 3598/84 में भारतीय .रजिस्ट्री-करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के प्यधीन तारीख-ग्रनसूबर 1984

की पृष्टीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान शितफल के लिए रांतिया कर गर्न हो और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण हो कि यथापर्वोक्त गंपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती शिक्तिरितियों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित। में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण त हाई फिली बाय की नाबस, उक्स अीतियम के अभीम का अने के अन्तरक की दाबिता मी काफी कार्य का तकम वचने में सुविभाग भी किए: और/बा
- (स) एरेसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों जो. जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया अध्य जोड़ेस था, कियाने से सुविधा में लिए;

अतः अत्र , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के अधीन , निर्मानियम स्पिक्तियों , अधित :--- 1. श्री टी० के० सुब्रहमण्यम।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमपी एम० धहीरा बानु।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर्डक पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्षन के शिवप कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्स

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्त्वं वैधी म्यूनित्यों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध आ भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य म्यूनित्यों में से किसी स्थित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विण के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा इकोंने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

### अनुसूची

भूमि श्रौर मकान—श्रो० एस० नं० 74/2 श्रौर 77/2, तेलुंगुपालथम् गांत्र, कोयम्बत्त्र लेख सं०  $3598/\cdot 84$ ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 3-6-85

बरूप आई. टी. एन . एस . -----

भाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यां लग्न, सहायक आयंकर न्त्रयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रामं, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० 128/ग्रक्तूबर/84/रेज-II---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बावकर अधानवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उनक अधिनवन' कहा गया हैं), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राणिकारी को वह निक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० पुरम है, जो कोयम्बत्तूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर लेख सं० 4457/84 में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख श्रवतूबर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, विम्नलिखित उब्बोध्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनेत्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक, के दासित्व में कमी करने या उसते बचाने में तृतिधा के सिह; और/या
- (क) होती किसी जाय या जिली भन या जन्म आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, जा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना पाहिन् था, छिनाने में सुद्रिशा के सिन्ह;

जिस्ते भव, उक्त सीभीनवन की भारा 269-ग के अनुसरम कै, के उक्त लेभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तिराहें, अर्थात् :---  श्रीमती बी० मकुतला बाय श्रीर श्रीमती के० सरस्वती।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मंगीलाल जैन श्रांर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त संपत्ति को अर्जन की संबंध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अया वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित मों हिसबस्थ किसी जन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकारी।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### बगस्थी

भूमि श्रौर मकान:—डोर नं० 80, न्यू डोर नं० 133, टी० एस० नं० 8/403/बी 1 न्यू टी० एस० नं० 227बी/ श्रार० एस० पुरम, कोयम्बत्तूर, कोयम्बत्तूर/लेख सं० 445 841

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--II, मद्रास

तारी**ख**: 3--6-1985

## भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-थ (1) ये अभीन सूचना

शास्त बरकारः

### कार्मीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1985 ृ

निर्देश सं० 152/ग्रक्तू०-84/रेंश-II--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामबेल.

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रोर जिसकी सुँ० टी० एस० नं०  $121 \, \mathrm{all}/1$ ए, श्रार० एस० नं०  $1152 \, \mathrm{sil}/2$  गाँउ 1153/1, है, जो गूडलूर गांव में स्थित है (श्रीर इसमे उपात्रड अनुमूची में ग्रोर पूर्ण क्य से विणिन), है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिविकारी के कार्यालय, गूडलूर (नील-गिरीस) लेख मं० 2599/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,  $1908 \, (1908 \, \mathrm{at} \, 16)$  के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के ध्रयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्ष्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण सिखित में अक्तिबंध अप स कवित नहीं सिका वसा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य अवस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्लारिडडी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एशिया के निय;

अक्षः अवः, उद्देश अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभास (1) के अधीन, निम्मनिधित व्यक्तियों, अर्थात ह— 1. श्री पी० ए० मेनन

(भ्रन्तरक)

2. दी चेरमात, काफी बोई

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

### जक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हिन्न-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ते ये 45 दिन की अपिश्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील सं 30 दिन की अविध्, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

भूमि:——प्रो० एस० नं० 121बी/1ए० गूडलूर गांव, गूडलूर (नीलगिरीस) लेख सं० 2599/84।

> एम० सामुवेतः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, मद्रास

नारीख: 3-6-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड दी एन एस .-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

### क्षावां लय, सहायक जायकर जाबूक्त (निचीकाण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1985

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह जिश्लाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० होनिटन हाउस, आर० एस० नं० 415 ग्रौर 416 है, जो कुनूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कुनूर लेख सं० 1313/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते गई विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, 'उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) कि बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्मीलिखिस उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्कृषिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वे इ.इ. किसी आग की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उत्तवे जकने में सूविधा के सिन्द; और/या
- (ण) क्रेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें आरसीय आज-अन्द अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिल्ह;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 26 पूर्न के अनुवरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिरों, अर्थात् :---

- 1. श्री कावुम नशवरवानजी पटेल फेनी कावुस पटेल, (ग्रन्तरक)
- 2 श्रमालगर्मटड कोल फील्ड्स निमिटेड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्टिट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अग्**स्ची

भूमि और मकान:—आर० एग० नं० 248, 415 व 416 कूनूर टाउन, होनिटन हाउप, कूनूर, कूनूर लेख सं० सं० 1313/84।

> एम० सामुदे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–II, मद्रास

तारीख: 3-6-1985

प्रकार आहे<sub>ं</sub> दी<sub>ं</sub> एक्<sub>य</sub> एक्<sub>य</sub> ७ ०० ०

नाय्कर नॉप्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

- श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1985

निदेण सं० 163/श्रक्तूबर-84/रेंज--II-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- क से अधिक हैं

और जिसकी सं० पेरिय नेगमम गांव, नेगमम् पोल्लायी है, जो तिरुप्पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, नेगमम् लेख सं० 529/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रक्तूबर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य उसके ध्रयमान प्रतिखल से एसे स्वयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरभ के लिए दब पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) कलाहम वंशूर्य फिली नाम की शासन सकत आहें प्र-नियम अहे अभीन कर दोने के बन्दारक के बायित्य में कमी कारने वा उत्तक बचने में सुविधा के लिए; ऑड्ड/सा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों जारतीय जायकार अधिनियन, 1922 (1922 को 11) या उनत निर्मान्यम, या धृद्ध-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया जा का किए जाना आहिए जा, कियाने के सुविधा के लिए,

थतः यम, उन्त अपिनियम की भारा 269-न नी मनुसरम मों, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती सुब्बात्ताल

(भ्रन्तरक)

2 श्रार० सी० तंगवल श्रौर श्रीमती बल्लियम्माल। (श्रन्तरिती)

को यह सुणमा जारी करके पूर्वोक्त कम्पारित को अर्थम् के किए कार्यवाहिमां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी स्थितित व्यारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-ब्यूष किसी बन्य व्यक्ति इवार, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकाने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकतः विधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिवर्गितित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुस्ची

भूमि श्रौर मकान:—मेगमम् पोल्लायी, तिरुप्पूर, नेगमम् लेख स० 529/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष ) ग्रजन रेंज–II, मद्रास

ं तारी**ख**ः 3-6-1985 मो**हर** 🛚 प्रका नाही<sub>ले</sub> धील **एव**ल पुरात्मण्डलका

बायकर बॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यास्य, तहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० ग्रक्तूबर/84---श्रतः मुझे, श्रीमत्री एम० भामवेल,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक इसमें इसके परमास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 769-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विक्वास करने ज काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 40, न्यू नं० 7, II कास स्ट्रीट, यूनाइटेड इंडिया कालनी है, जो कोडम्बाक्कम् मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ सं ग्रौर पुणं रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2869/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, ,1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1984

कां पूर्विक्त सम्पन्ति के उत्तित बाजार मृत्य में कम के दूर्यमा । प्रतिकस के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक ल से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकास, निम्नलिकित उद्विषय से उक्स अंतरण लिकित में बास्ट्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत, उनत मिनियम के बधीर कर दोने के अन्तरक के दाधित्थ में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए: बार/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

सतः सब उक्त स्थितियम भी भारा 269-म से समृत्यक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से सभीन, निकासिकिक स्थितियों, स्थापि ह— श्री एम० बास्कर

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती सधा कुमारी

(भ्रन्तरिती)

कर यह सूचना चारी करके पृष्ठीयत सम्मरित के मूर्वन के जिल्ल कार्यमाहियां कारता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों . गृह स्थान की तामीज से 30 दिन की वन्निथ, वॉ भी क्ष्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि,सी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरी।

स्वयक्तिरण:--इसमें प्रमुखन शस्तों और पदों का, जो उक्त अधिष्यम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गैना हैं।

#### अस्य गर्

भूमि ग्रौर मकान--पुराना नं० 40, न्यू नं० 7, II शास स्ट्रीट, यूनाइटेड इंडिया कालनी कोडम्बाक्कम गांव मद्रास-24, कोडम्बाक्कम् --लेख सं० 2869/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, मद्रास

नारीख: 6-6-1985

प्ररूप काइ<sup>4</sup>, टी. ध्न, एस.-----

जायकर जिथिनिसस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत संस्कार

**कार्यालय ,** सम्मयक आयक्षर आगक्त **(निरक्षिण)** श्रर्जन रेज-11, मद्राय

मद्राय, दिनांक 6 जुन 1985

ि निदेश सं० 14/श्रक्तूबर/84---श्रनः मृझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकार अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रमात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम एपिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृन्य 1,00,000/-छ से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० दी० नं० 5-पुराना नं० 24 ट्रस्टपुरम, है, जो फोडम्बाक्कम में स्थित है (ग्रौर इंगसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से दिणत है), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम लेख मं० 2941/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दरयमान प्रितफल को जिए जंतरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यथमान प्रतिकल हो, एसे व्यथमान प्रतिकल का भूदेह प्रतिकति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतर्विती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकाँ) सीर अंतर्विती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक अन्तरण लिखित में मों वास्तविक रूप में कथिल नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी बान या किसी धन पा अन्य आस्तियों को, जिन्ही शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती ध्वारा प्रकार नहीं किया गया किया जागा स्वित्रिए था, स्थिपने में सुविधा के सिद्य;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र-

ा. श्रीमती एग० उमादेवी

(अन्तरक)

श्र्वः एस० पी० पलनीश्रप्पन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उच्छ चक्रांत्रिः के मर्चन के सम्बन्ध में ओई भी नाशेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिक्ति में किए जा मकने।

स्वव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छा अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम से विया गया है।

### अनुसूची

भूमि श्रौर मकान:---द्रस्टपुरम ,कोडम्बाक्कम मद्राय-24 कोडम्बाक्कम---लेख मं० 2941/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंच⊶ी, मड़ास

नारीख: 6-6-1985

### प्रस्य नार्", कों , प्रमृत प्रस्तानन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निर्धाक्क)

ध्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 15/प्रक्तू०/84--प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम् वेल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ≥69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्सास करने का करने का

100,000/- रहः से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं पृदूर श्रयोक नगर, है, जो मद्रास-83 में
स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाककम
लेख सं 2942/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य
श्रीतकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
गृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का
रन्द्रह प्रतिगत अधिक है और मन्तरण के निए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त जन्तरण लिखत में
शास्तिकल रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनयम के अभीन कर देने के अन्तरक के खबिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (श) एंस्री किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना .चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

1. श्री श्रार० महादेवन

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती जया पार्थशारती।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपस सम्यक्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस की 45 विन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध , जो शी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवं कित स्थानितयों में से किसी व्यक्ति दूसरा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सिग्र जा सकींगे।

स्पर्काकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय कें दिया गया हैं।

### **अनुस्**ची

भूमि श्रौर मकान:--कोडम्बाक्कम पुदूर, श्रश्नोक नगर, मद्रास-83 कोडम्बाक्कम लेख सं० 2942/844

> एम० लामुं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रार्स

तारीख: 6-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यक्ति हिन्दु है।

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्राम, दिनांक 6 जुन 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रतियक्तारों का यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

योर जिनकी सं० 80, नुगस्वानकम रोड है, जो महास -34 में स्थित है (ग्रींग इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रींर पूर्ण ६५ से वर्णित है), रजिस्ट्रीतार्ता श्रीधकारी के कार्यालय, धांमक्रवेंट्व लेख सं० 460, 461, 162/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की भई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपरित का उचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल कार वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में यास्तिबक - कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हाई जिल्ली आय की बाबत, उक्त बिधिनियम की बधीन कर दोने के बन्तरक की धारिएक में कभी करने या नभन्ने वक्तने में अधिका भेरेक्ट, ग्रारं/६;
- (क) लगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब:, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निरुक्तिक त्यक्तियों, अर्थात :--- 32—136 GI/85

1. भै० पुतम एन्टब्रेसस

(भ्रन्तरक्)

2. श्रीमती गोपी नारयणदास रघुवीर श्रौर श्रन्य (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविधि, जो पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी कृष्टी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्थितरों में से किसी क्यकित दुवारा;
- (क) इन सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी बन्स व्यक्ति द्वारा प्रथाहरताक्षरी के पान लिक्सिन में किए जा सकती।

स्परदिकरणः — इसमें प्रयुक्त पथ्यों और वदों का, स्त्री सकत अभिनियम देश अध्याय 20 - कर्म परिकारित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

CHETT

प्लाट नं० 80, नुंगम्बाक्कम हाई रोड मद्रास-34 थौसंड-नैठम लेख सं० 460, 461/462/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-II, महाग

नारीख: 6-6-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस ह =----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II. महास

मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 42/अन्तू०/84—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त. अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को पहर्निक्वास करने का कारण हैं कि लाजर संगति, जिल्ला उपित इत्तर रहुल 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 8, शण्मुग मुदिलियार रोड़, है, जो मद्रास में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, लेख सं० 1885/84 पुरशवाक्कम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख सक्तूवर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अपे अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिलिखत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- िका बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उनल विधिनयम के बचीन कर दोने के बन्तरक को विधिनयम के कमी करने वा नमसे बचने में सुविधा के लिए/ और/मा
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा हा किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

भतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती इसीस लूईस वैट

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमर्तः जायस मिठयल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इं - 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

### वनुसूची

भूमि और मकान — 8, षण्मुगमुदलियार रोड, मद्रास— 10, पुरशवाक्कम लेख सं 1885/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी अहायक आ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 6-6-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एन., -----

भाषभर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 43/ग्रक्तू०/84—-ग्रनः मुझे, श्रीमतः एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 16, डैसी धालाती, पेरस्बूर है रोड़ है, जो पेरस्बूर, मदास-11 में स्थित है (सीर इससे उपालब स्रमुसूबी में और पूर्ण क्या में विभिन्न है), रिकड़ी। ती स्रिधिकारी के कार्यालय, पुरणवाक्यम लेख सं० 1833/84 में भारतीय रिजरहीकरण स्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख स्रमुबर 1984

को प्रांकित सम्पत्ति के जीवत बाजार मृस्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में सास्तिक रूप से किंग्त नहीं किया गया है प्र

- (क) अन्तरण से हुए किसी नाम की वाबत ा अक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक को दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था रिक्रमा जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

क्षकः स्व, उक्त बिन्नियम की धास 269-थ के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बभीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्टों, अर्थात्ः— 1. श्रीमती जयलक्ष्मी अगुसाथन

(अन्तर्क)

श्रीमती सहसीम सनाम्

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षांग ु---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवित या तत्सम्बन्धी ज्यावितयों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति हवारा अधोहम्लाक्षरी के पाक लिसित में किमे जा सकनी।

स्पष्टीकरण: --इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्शल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनम्**या**

भृषि भ्रार महानः --16, डेइनी कालानी, परंम्बूर रोड़ है, मद्रात-11, पुरणवादहम --लेख संच 1833/84।

> एम० सामुबेत पक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोजे~И, मद्रास

तारीख: C-6-1985

मिं?्चि.

### प्ररूप वाद<sup>र</sup>्टी <u>. एन . एस .</u>------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत बुद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आँयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रोज, मद्राम

मद्रास, दिनांश ६ जून 1985

ित्देण सं० 86/ग्रष्त्वग/84----श्रत: मुझे, श्रीमती एम० नाम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख भी अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्की मंग आर्थ एस्ट नंग 138/1. पिल्ल्यावर्डी हैं, जो चिन्न स्पेट, पाड़ी में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में आर पूर्ण कप से वाणत हैं), रिजस्ट्रीयती अधि-वारी के कार्याव्य, आलूगरें, लेख संग् 2352/84 में भार-तीय रिजस्ट्रीकरण अधिजियम, 1908 (1908 का 16) . के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्स सम्मित के जियत बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के सिक् मंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्बत्ति का जीनत बाजार मूल्य, अलके त्वकान प्रतिफल के, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं पिक है और अंतरक (अंसरकों) और बंदरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय लेखा गया प्रतिफल निम्नुसिखित उद्देश्य से उदत बंतरण निजित में भास्तिक रूप से क्रिंथत नहीं किया गया हैं—

- (क्ष) निस्तुण सं हुइ किसी बाय की बाबस, उपस अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के याँ यत्व में कभी करने या उससे बचने में मृत्यिका के निष्ण, और/धा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर बिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिषाने में भौजा के निष्:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेसर्भ श्रीनाथजी एजेन्सीय। 🕙

(अन्तरकः)

2. मैं० पाडिचेरी पावनं एण्ड प्रिटर्ग प्राप्टेयेट निमिटेड (प्रन्तिनी)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप द---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र मं प्रकालन की तारी से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी सामी नहा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी से व्यक्ति वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में अकामन की लारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीस्तरण :--इसमें प्रयुक्त स्वस्ति बीर पदां का, वो उक्त विभिन्नम् के अध्याय 20-कं मं परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुंबा ही।

#### मन्सू सी भग्र

श्रीम — पिल्लस्यावडी के गाव पाडियेरी ओल्ल्गरें लेख यं ० 2352/84

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी भहोषक क्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि, मद्रास

तारोख : 6--6--1985

मोहर ः

प्रस्था बाह्री, टी. धून. एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आगृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, महास

मद्राक्ष, दिनांक 6 जून 1985

निवेश संव 115/अस्तूबर ४४/रेज-11-- प्रत: मुझे, श्रीमती एमा अस्वेला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000 ∕- रुः से अधिक ही

और जिल्ली सं० 9/15-15, डाम्प्टर्स गार्डन, लेख सं० 4547/84 की भोड़ू: में दी हुई लंपिन हैं, जो में स्थित हैं (और इस्से उरादद अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रशिस्ट्रीकर्ता स्रोब ारी के ार्याक्य, कोयभ्क्षतूर लेख सं० 4047/84 में भारतीय रिजस्दीयरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारील अपनूबर 84

को पूर्वीक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को धरयमान प्रसिक्त के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापुर्योक्स सम्मिल्त की उचित वाजार मुख्य, उसके दवसमान प्रतिकास से ए'से दवसमान प्रतिकाल के पन्तिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय **ाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण** लिषित में वास्तविक स्प में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संष्ट्राष्ट्रं कि.सी आय की बाबसे, उपकर अर्थिनियम कं अभीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुजिधा कौ लिए; वरि/वा
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्टियाँ को जिन्हें भारतीय बायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उर्गनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिसी व्वास प्रकट नहीं किया नया था या किया अपा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण से, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियाँ अर्थात् :---

श्रीपती नारा शिन्यमा

(श्रन्तरक)

2. श्री एल० मूलचंद और एल० रतनचंद। (अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद से समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववाराः
- (खं) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यवाहै।

लेख सं० 4547/84 कीं शेंड्ल में दी हुई संपत्ति कीयम्ब-त्तूर लेख मं० 1547/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1911, मद्रास

तारीख: 6--6--19**8**5

माहार ३

प्रकृष**् मार्ड**् टी. **एग**. एस. -----

नायकतः व्यभिनियमः 1961 (1961 सा 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंब-II, मद्रास

मद्राय, दिनांदः ६ जून 1985

निदेश मं० 119/अक्तूबर--84/रेंश--II---अत: मही, श्रीमती एम० साम्बेल.

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इसमें इससे परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीच सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपवित बाजार कृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और दिल्हीं मंच लेख यं 3785/3786 3787, 3788/84 की णेड्न में हैं, जो दी हुई संपत्ति में स्थित हैं (औ: इसके उपाबद अनसूबी में अंग्र पूर्ण रूप में विधान हैं), रिजस्ट्रीकर्नी अधिनारी के लायोज्य, कोयप्बन्स लेख सं 3785, 3786, 3787 3788 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 टा 16) के अधीन, नारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफ ल के लिए बंतरित को गई है और मुम्में यह निरंगस करने कको का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यथमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और बंतर्क (बंतरकाँ) और बंतर्रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफ ल, निम्निलिखित उद्बेश्य से व्यक्त अन्तरण निश्चित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुइ किसी काम की बायत उनके अकि -नियम की अभीन कर दोने की बन्तरक की दायित्व की / , कसी कर्म या उत्ते क्याने की सुविभा की निए; बीर/वा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर सभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था कियाने में सुनिभा के निए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिविक स्विक्तयों, अर्थाह ॥---

- श्री रामिलगम ऑर उनके पुत्र और श्रन्यो। (धन्तरक)
- 2. श्री टी० जगदीश।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्नेप

- (क) इत सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिथ, जो भी क्षत्रीय नाल में समान्त होती हो, जो भीतर पूर्णोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीचा से 45 विन को भीतर उन्ते स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास विक्ति में किए जा सकीगे।

#### मन्त्र्य

भूमि --- चिन्नत्तडांगम् कायम्बन्तूर /कीयम्बन्तूर लेख सं० 3785, 3786, 3787, 3788/84

एम० सामुबेल यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख 6--6--1985 **मोह्**र ⊔ प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संचीन सूचना

भारत सरकार

## कार्याख्य, सहावक नायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 122/अधनूबर/84----ग्रत मझे, श्रीमती एम०. ामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का जारण हैं कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं राजवीधी कुणिमत्त्र गांव है, तथा जो कोयस्वत्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतुस्वी में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता प्रधिवारी के वार्यालय, कोयस्वत्त्र लेख सं 3603, 3604, 3605/84 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन, तारीख प्रकृत्वर 1934

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एोसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अन्तरक के निए तय पाया ग्या प्रतिफल, निस्निवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिम्बित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, खक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक थे दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

, अतः अब, उक्त बाँधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त आधिनियम की गारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री आर० सुन्दत्वेनु और भार० णिवगामि

(ग्रन्तरकः)

2. श्री ऐ० श्रानिवन।

(भ्रन्तरिती)

का बह सुचना चारी कारके पूर्वोक्त गम्मिस के वर्जन के बिए कार्यवाद्दिश वारका हुँ।

उनत चंपरि के नर्भन के संसंभ में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक भे 45 दिन की अविधि सा तस्संत्री व्यक्तियों पर सूपना की तासीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यान में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तिस व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींने।

स्पष्टीकर्णः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वपुस्ची

भूमि--कुनियमुत्त्र्रं गांत्रः कोयम्बत्तूर्/कोयम्बत्तूर् लेखः सं० 3603, 3604, 3605/84

एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायरः श्रायसर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶11, मद्रास

ारीख 6-6-1985 मोहर: प्रस्य आर्च.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आययत (निरीक्षण) अर्थन रोज, 2 महात

मद्रास, दिनांग ६ जून 1985

सिदेश सं० १<u>२३/अभनूषर/</u>84---प्रतः मझे. श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव टींव एस. नंव 1/488 व 489 है, जो कोयंश्वनूर में स्थित हैं (और उपम उपाबद्ध अनसूची में और प्रणं क्य से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारीं के वार्यात्य, कायश्वनूर लेख संव 4323/84 में भारतीय एकिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अध्युवर 1984

को पूर्वोक्स सम्पिति के टिचित बाजार मूल्य से अप के दरनमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का घरण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ए० पलिधप्पत और प्रन्य।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती एन० पुष्पवस्ति।

(भ्रन्नरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर्न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दे किशी क्या की का इकाल अपाहस्ताक्षणी के पास लिभित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

### अनुसूची

भूमि और भकान---श्रवनाशी रोड, कोयभ्वनार---कोय-म्यत्र लेख मं० 4323/84

> एम० क ाक्षम प्राधि हारी : सहायक स्वायक्षम (निरीक्षण) स्वर्जन रोज-II, मद्रास

तारीख: 6--6--1985

मोहर 🗈

प्ररूप आई.टो.एन.एस.------

आप हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रानीत रेंज-2, महात

. मद्रान,दिनांक 6 जून 1985

ं निदेश सं∘े 130/श्रवतूबर 84—श्रतः मुझं श्रोनती ृएम सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिल्ली पं को हो के ए अव विकास स्थान है। प्रीर इनसे उपावद्व सिन्धुर टाउन है, जो तिरुपुर टाउन में स्थित है। (प्रीर इनसे उपावद्व अनुभूवों में प्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री एती अधिकारों के कार्यालय तिरुपुर लेख सं का 1934/84 में भारतीय रिजस्ट्री करण प्रक्रितियम, 1908 (1908 रा 1 6) के प्रधीन अस्तूवर 84.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिषात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया क्रिताल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिक रियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर रुधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधी अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

(1) श्रीपी० रामस्वाभि गींडर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० विश्वनार्थन

(भ्रन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तागल से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ। में से किसी व्यक्ति व्यादारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियभ , के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, बह्दी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वर्गुसूची

भूमि--केदिटपाल्पिम---तिसपुर--लेख सं० 1934/84

(एप० मामु ेल) सक्षम प्राधि हारी सहायक भायकर भायकः (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 2, मब्रास

तारीख: 6-6-1985

मोहर 🛪

प्रकल बाही ही एन एड्ड

बायकर अभिनियम, 1961 (1981 🐿 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुबना

#### धारतं सरकार

## श्वार्याज्य, सहायक यायकर शायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्राप्त मद्राः,दिनांक 6 जुन, 1985

निदेश सं ० 131/श्रक्तूबर 84—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

बाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षप्र प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रन. से अधिक हैं

भीर जिस्ति संव टीव ए गवनंव 445/11/4 पलनाइम है, जो नल्लू गांव में व्या है (और इस्मे उसवड अनुसूची में और पूर्ण इस्से विभिन्न है), रिजिस्ट्री ति अधि गरी के सार्यालय तिरुपुर लेख संव 1650/84 सारतीय रिजस्त्री हरण अधि स्मिन, 1908 (1908 हा 16) के अधीन अक्तूबर 1984

को पर्वाक्षन सम्पत्ति के प्रीचन बाजार प्रत्ये से कम के क्षयणाम ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्ये उनक क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का प्रमुक्त का अर्थि अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पामा गया ब्रितिक के किम्मान कि कि कि विकास के विकास

- (क) बन्तरक में हर्ड किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कर्मी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बल्य बास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त बीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अल्लिटिंग देवान प्रकट नहीं किया जबा था किया बाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

कत वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क वै पनमरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) क्रें अधीन, भम्मिलिखित व्यक्तियों, मधील:— (1) श्री एन० विश्वनायन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीके सुव्रमियम

(धन्:रिती)

का वह म्चना बारी कारके पृथींक्छ संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

## वक्ट हम्मील के बचेंद के बम्बन्य में कोई मी वाकोद:--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वं 4.4 दिन की क्षत्रीश या नन्मकाधी अधिकारों। पर कावना की नामीन से 30 दिन की क्षत्रीय को भी व्यक्तियाँ में संकिती स्पत्रित दुवारा;
- (ख) इस स्वतः के राजवत्र में प्रकाशन की तारीण में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्गित में हित्तवक्ष किसी अन्य व्यक्ति दवारा, वधाहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए वा सकेंगे।

स्थल्होकरण:—इसमं प्रयुक्त शन्दों और पदों का, आं उन्सर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थहाया जो उस अध्याय में विया नया है।

## अनुस्थी

भूति ग्रीर म ज्ञात—टी० एउ० नं० 445/11/1/4, परूल **डभ** नल्नू र गांव, सिरुवुर—लेख सं० 1650/84।

> एम० साम्बे सक्षम प्राधिकारू सहाय व माय वर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रात ।

तारीख: 6-6-85

माहर 🐈

प्रकल बाह्". टी. एन. एव.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राय

मद्रा १, दिनांक 6 जून 1985

तिदेश सं । 138/ग्रन्त्वर 84/रेज तू2-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामजन

कायकर आंधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्वावर सम्पंत्र, जिसका उचित साजार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिन्हा सं० कुरुडमनान्यन है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इन्ते उत्तवड अनुत्वत में स्रोर पूर्ग रूप, बिजित है), रिजिट्टी हर्जा स्रीय हारी के हार्यात्व परियास हमनालयम लेख सं० 2191/84 में भारताय रिजिस्ट्रा हरण अविजियम, 1908 (1908 हो 16 के स्वात स्रक्तूबर 1984

का पृक्षास्त सम्पास्त के जाजत काजार मृत्य स कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विष्यास करन के कारण है कि यथीप गक्त सपास्त का उग्जित बाजार मृस्य, उसके द्वयमान प्रतिफल स, एस द्वयमान प्रतिफल का नक्ष प्रतिकात स बाधके हैं बार बन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्दद्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्ताब्क रूप स काथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाक्त, उक्त कांचानयम क अधान कर दन क करहरू क वायित्य में कमी करने या उसस वजने में सविधा कालए, बार/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रधाननार्थ अनिरित्नी क्वारा प्रकार नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा वे निए;

अक्षतः चक्षाः, उक्षतः अधिनियमं की धारा 269-गं के बन्सरण क्षें, मी, तक्षतं अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) इंबर्धीन, निम्मलिखितं व्यक्तियाँ, अधितः :--- (1) श्री सी० रामस्वामि

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी॰ पलिस्वामि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के वर्षन के किस कायवाहिया करता हूं।

चक्त सम्परित के सर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ३---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियां पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर श्रम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए वा शकी ।

च्चच्टीकरण:---इसमा प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषिट है, वहां अर्थ हागा जा उस अध्याय में विश्व गया है।

#### बन्सची

भूमि श्रौर मकान 182, एन० जी० जी० श्रो० कालोनी . कुरुडम्राजयूम कोयम्बतूर 641024 पेरियनाथकनपालयम लेखसं० 2191/84।

> एम० सामुनेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रांयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रात ।

तारीख: 6—6—**85** 

प्ररूप आह<sup>1</sup>. ट**ि. एन. एस. ----**--

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-2, मन्नाम

मद्रारा, दिनांक 6 जून, 1985

निदेश सं ० 139/ग्रस्त्बर 81---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुज्ञ

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रीर जिल्ला संव कुन्डम्प लयम है, जो कुन्डम्पालयम में स्थित है (श्रीर द्वाने उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित्त हैं), रिजस्ट्रीव सी श्रीधवारी के कार्यालय पेरियनायव नेपालयम लेख संव 2204, 2205, 2206/34 में भारताय रिजस्ट्राकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान श्रक्तूबर 84

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विवयस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिप्रत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरकी (अन्तरका) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में अस्तावक रूप सं काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबते, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन के अंतरक के धायित्य में कमी करने या उसम बनन में स्विधा के। स्र्; आर/या
- (क) एसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिसी देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: उच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अक्षेत्र, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जान० सी० साम्वेल

(ग्रन्तरक)

(2) डा० भुरेन्द्रनविंगरी

(श्रन्तःरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्मक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

**अनुमू**ची

भूमि-कृष्डम्यालयम कीयम्बतूर--गांधीपुरम लेख स० 2204, 2205, 2206/84

> एम० लामुनेस सक्षम प्राधि तारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-6-85

प्रस्प बाह् . हो. एव . एस् . ------

## कायकर म्हीपीनसम्, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-म् (1) के बभीन सुम्मा

#### भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक बादकार गायुराः (निराक्षण)

अर्जन रेंज-2, मधान

मद्राप्त, दिनांक 6 जुन 1985

निदेश सं० 143/ग्रक्तूबर --ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके उपजात 'उदले लीधिनियम' कहा गया है।, अने जार 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारा को यह विश्वास करने का का कारक है कि स्थावर स्थाप विश्वास का मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जितका सं टी एत नं 11/1074 ह, जो गांधीपुण्य में स्थित है (ग्रीर इतने उपाबद्ध में और पूर्व रूप से बिणत हैं), रजिस्ट्राकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम लेख सं 3519/84 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, श्रेक्तूबर 1984

का पूर्वा कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सपोत्स का उचित बाजार कृष्य, अनको क्यमान प्रतिफल से, हसं व्ययमान प्रतिफल का कन्त्र प्रतिकात स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती किन रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निग्निलिखत उद्यवस से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-। बक कप स करियत नहीं किया गया हैं के

- (क) अन्तरण से शुर्ष किसी धाय की जायत उक्त जीप-नियम के अपीन कर दांग के बन्तरक के शायत्य में कमी करने या उसवा अचन में सुविधा के लिए; बीद्र/या
- (भा) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य असंभित्या की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में सुविधा के लिए;

का का, उकत अधिनियम, की धारा 269-व की अनमारक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंखत व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्रेतटेशन कार्नश्रन्ट हाई स्कूल हास्टल वेरामसी रोड, एत० फालनत स्रोर स्तैयाक्साल कथम्बतूर

(अन्तरक)

(2) श्री एप्त० दुरैस्वामि ग्रीर दूपरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूजना जारी करके प्रांतित रुग्यति के अर्जन के जिए कामवाहिया करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, बां भी धविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृवाक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जा उक्त आधानयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

## षनुसूची

भूमि श्रीर मकान---टी० एए० नं० 11/1074/गांधीपुरम कीयम्बत्र

> एम० सामुत्रेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-6-8*5* 

में(हर:

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस्.-----

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्फ न रेंज-2, मधास मधास, दिनांक 6 जून 1985

निवेण सं० 145/प्रस्तूबर 84—अतः मुक्ते, एम० सामुबेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्ब 1,00,000/- रु. से बिधिक है

और जिसकी संव एसव एपाव नंव 375, 344, 335 दीवए नंव 148/3 है, जो संगनूर गांव में स्थित है (और इसा उपाबद में और पूर्व रूप विणित ह), रिजस्ट्रीकर्ता प्रक्षिक री के कार्यालय गांधीपुरम लेख संव 3587/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण प्रक्षि-नियत, 1903 (1903 है 18) है यूनी यहार 1934 का पूर्व कर सपारत के उचित बाजार मूस्य स कम क क्यमान प्रतिभाव के लिए अन्तरित का गई है और मूक वह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्व कर सपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसक दृश्यमान प्रतिभाव स, एस व्ययमान प्रतिभव का पन्त्रह प्रतिद्वार स अ। पक है और अतरक (अतरका) और कन्तरिता (अन्तरारातया) के बाच एस अन्तरण के निए तय

थामा नया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य सं उदत बन्तरक सि।थत म वास्तिवक रूप संकायत नहीं किया वय, हैं

- [क] बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत उक्त वीभानियम के बंभीन कर दन के बन्तरक जी बागित्य में केमी करेच मा उसस बचन मा सूचिया के लिए, बरि/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आय-कर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीनयम, वा भन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्धाक्य :--- (1) श्री टी० दी० चाकी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमकी पित्तादेवी जात रिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु-।

### खनत संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🌤

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन का अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भातर प्रविक्त स्थाक्तयों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समान्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाष सिंखत में किए जा सकग।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त आयकर आधिनियम क् अध्याय 20-क में गैरिशाचित ही, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में विमा वसा ही।

#### अनुसूची

भूमि और मकान---संगन्त गांव शमलिंग नगर गांधीपुरम लेख सं० 3587/84

> ्म० सामुवेसँ सक्ष्म प्राधिक री सहायक द्यायकर ब्रायुक्त (निरंक्षण) द्यर्जन रेज-2, मधास ।

तारीख: 6-6-85

मोहरू 🖫

## प्ररूप बार्च . टी . धृत . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) क सभीत क्षमा

#### बारत सरकार

## कार्यासर, बहायक बायकर बाव्क्य (एएरीब्र्य)

प्रद्नि रेंज−2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जून, 1985

निदेश रं० 14ा/अन्त्वर 84--अतः मुक्ते, श्रीमती एम० सामुबेल

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारक है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से उधिक है

और जिस्मी संव टीव एसव सव 11/209 है, जो समनूर कोयम्बतूर में स्थित है (और ६सो उपाबद में और पूर्ण रूप वणित है), राजरद्री इसी प्राध्यारी के कार्यालय गांधी पुरम लेख संव 3802/84 में भारतीय राजरद्रीकरण प्राधितयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीत प्रक्तूबर 1984

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार संस्थ में कम के काशवाब प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही बौर मुन्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एोसे काशवाम प्रतिफल का पंचा प्रतिशात से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती विक्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया नया प्रति-फल जिम्मिनिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्मरण नं हुड़ी किसी काम की, वासत्, उपस्थ अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस वचन में स्विधा के नित्य; मौर/या
- (क) ऐसी किसी अभ या किसी भग या अन्य आफ्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्यासनाथ अन्तरिती क्ष्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सियाने में सर्विधा को लिक्ष:

कतर क्रव उकत अधिनियम की धारा 269-न . की जनसरक को, मी, उपल अधिनियम की धारा 269-क की उपभारत (1) को अधीन, निम्निजिलित स्विक्सी, अर्थात :--- (1) भी के अनंत राज् और अन्यों

(भन्तरक)

(2) श्रीमती पी० के० स्वर्भलता

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जार। करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तरिका से
  45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जे भी
  अविध बाद मों समाप्त हाती हो, के भीतर र शैंक्त
  स्मितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पान में हितबब्ध किमी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास तिबिक्त में किए जा सकांगं।

स्पष्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही. बही बर्थ हागा जो उस अध्याय में विभा वना ही।

#### वप संची

भूमि और मकान--संगन्र--भोयम्बत्र गांधीपुरम--लेख सं० 3802/84

> एम० सामुनेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुप्तेन रेज-2, मधास

मारो**ब** : 6-6-85

मोद्वर :

प्ररूप आहें.टी.एम.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

. भाग्य सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राप्तेन रेंज - 2, मधास

मधास, दिनांक 6 जून, 1985

निदेश सं० 150/अन्तृवर 84--श्रतः मुक्ते श्रीमदी एम० सामुवेल,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा- गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्व्यक्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव स्नाप्त एसव संव 4137/4 है, जो नीचिप्ति में विष्ट है और इसमें स्पाद्य में और पूर्ण केप में विकित है), परिस्कृतिक कि कि बादी कि क्यांक्य स्टब्बिट संव 837 (2 स्वर्स) में भारतीय विविद्यालया कि सिसंस, 1908 (1908 का 16) के सधीन, श्रयतुवर 1984

को प्रकार सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रिटफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापधोंक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एमे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्षत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी बाय की सकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के संतरक के दायित्व में कमी करन या उसस अधन में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी लाय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बन्मरूष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित ध्यक्तियों, अधीत क्रिक्त (1) श्रीनकी कीता ब्रातस्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एच० रामकृष्णन और दूसरे

(भन्त(रही)

को यह भूचना जारी करके पुर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण:----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं. 'वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि——लंक सं० 857/84 की शोड्ल में **धी धु**ई संपत्ति जबर्ग लेक सं० 857(2 नंबर्ग)

> ६म० सामुदेह सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीउकण) ग्राजन रेज-2, मधास ।

तारीख: 6−9-85

माप्तर ३

प्ररूप आर्द्द, टी. एवं , एस.,-------

बायफर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्या नय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, मधास

मक्रास, दिनांक 6 जून, 1985

निर्देण सं० 159/श्रम्तूबर 84/रेंज 2--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाश ं उकत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का उठ्ठण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वागर मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अटयनूर गांव है, जो तिरुवेलूर में स्थित है (अंद इससे उपाबक में और रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्थालय निरुवेल्लूर लेख सं० 28,37; 28,39, 2836/84 में भारतीत रजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाग्र प्रितिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वासं करने का जारण है कि सथापृत्रिक्त सम्पत्ति था उचित प्राजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्यह प्रतिस्ति से जिथक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गमा प्रतिफल, निम्म लिखित उद्देश्य के उन्त अन्तरण निवित्त में वास्तिविद लप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायतं, उक्क जिमितयम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में स्विधा के तिए; और/या
- (ग) एंपी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय प्रायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया जाना चाहिए था, किया में जिस्सा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण भी, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाराः (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् है— 34—136 GI/85 (1) श्री एस० को० वण्डवाणि

भ्रन्तर्क)

(2) श्रीमती कें पहमानारायणन और धी॰ बरलस्ती (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहिमा करता हुं।

उक्त तम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपकांप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में शकाकत की तारीब से . 45 दिन की अविध वा तरसंबंधी व्यक्तियों पर अद्व किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 फिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित में हित-बक्ष किसी अन्य स्थानस स्थान अधाहण्याकरों के पास निवित में किए जा स्केंगे।

स्पच्छीकरणः--इतमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनिवस, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ कर्ष होगा, को उस अध्याभ में दिया क्या है।

#### अनुसूची

भूमि--ग्रय्यनूर--तिम्बेल्लूर--लेख सं० 2886, 2837, 839/84

> ्रितः सामुवेल संक्षम प्राधिकारी सहायंक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्राउन रोज-2, मक्षाम

मारी**ब** : 6--6--85

माहर 🗓

प्रकृप नाइ. टी. एव. एस्. -----

नामकर अधिरियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-स (1) के अधीन सूचना

#### शारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)  ${f g}$ र्जन रेज $-{f H},$  मक्कार

महास, दिनांक 6 जून 1985

निदेश'स० 169/प्रक्तूबर 84--प्रनः -मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

नहायक आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके एक्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को एह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-300 से-अधिक है

दौर जिसकी नं कनकश्रीनगर—सेंट जार्ज करी डूंल रोड, महास— है जो महास में स्थित है (और इससे उपाबद श्रन्सूची में और पूर्ण रूप वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय महा । सेंद्रल लेख सं 1013/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रांतियम 1908 (1908 का 16) के श्रिकीन श्राक्तूबर 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान ब्रितफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हाइ किसी अध्य की बाबत ४%६ ग्रीप्रतिगत के बधीन कार वोंने के अमरक धं ग्रीयटर मी १०६० गारने पर उपसे दल्ले में सुनिधे ने क्लिंग खीर/धा
- (थां, एति किसी आग या किसी धर या कव्य वास्तिवाँ को जिल्हां भारतीय कायकर अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या जव्य किनीयस, या बन-कार कितियम, 1957 (1937 को 27) के प्रयोजकार्य अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया कारा किया जामा वाजिए था, कियान से क्रिंग के सिए।

ान अब, जब्द अधिनियम की धारा 260-ए के जनसर्थे हैं, औ, इल्ल अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, सिम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री ए० एम० कुष्णामृति और अन्यत्यों

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नालत शर्मा पार्टनर मेसर्स मनोज प्रकाश

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति को जर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ∴----

- (क) इस सूचना के राजध्य मों प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अवधि या तत्यम्बरधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तित व्यक्ति में से किसी स्थित द्वारा;
  - (क) इस मूचना के राज्यका भी प्रकाशने की तारील से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थालर गणीत्व हो दिनशद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अनोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति हो किए जा सर्होंगे।

े स्पन्धिकरण:---हममे प्रयुक्त कन्दौ और पदीका, भे उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होता को उस अध्याय में जिस रमसा है।

#### *उ*न्स्**ची**

भूमि ग्रौर महान— यू नं० 9, काक श्रीनगर सेंट जाजे ःतीकुल रोड, मक्षास—6 मधास सेंट्रल— लेख पं० 1013/84

> एम० हाम्ए्र् ाक्षमं प्राधिकारी महायक श्रायकार श्रीयुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मधास

तारीख: 6-6-85

## प्रकल् बार्द , ही , एवं , एवं , -----

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के न्यीन स्वश

#### बारत वरम्ब

कार्यौलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 6 जून, 98

निदेश सं० 180, अक्तू० 84--अतः मुझे, श्रीमती एम० सःमवेल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 13, III मैन रोड, 'नगनल्लूर है, जो मद्रास— 61 में स्थित है (श्रीर इससे उप बढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्द्वीकर्ती अधिकारी के कार्यालय आलन्दूर लेखसं 3404/84 में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन अन्तूबर 1984

का पूर्वीवत संपरित के उचित वाचार मूल्य से कम के क्षायांचे वित्त की गई हैं कीर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिपत्त से, ए से क्ष्यमान प्रतिपत्त का पेस्ट्र प्रतिवात से किथक हैं बीर बन्तरक (बन्तरकों) और बंसरिती (जन्तरितियों) के बीच ए से बन्तरण के निए तय बाया बया प्रतिक्त कर निम्नितियां उद्देश से उक्त कर्तरण कि विवित्त में वास्टिक्क कर से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबते, उक्ते बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी कारने वा उसने बचने में सुविधा के निष्; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ बन्दरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गमा था या किया काना चाहिए था, कियाने में खुदिशा के विद्य;

(1) श्री एस० रामचन्द्रन

(अन्तरक)

(2) श्री एम० रामचन्द्रन

(अन्तरिती)

का बह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

## उमत सम्पत्ति के वर्षन् के तम्बन्ध में कोई भी नाकोप:---

- (क) इर्स ब्रुपना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से
  45 दिन की वर्गीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्चना की तामील से 30 दिन की वर्गीं भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधीहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शर्वे और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नश्राहै।

जनसंखी

भूमि और मकान—13  $^{1}$  मैंन रोड, नंगनल्लूर मद्रास—61 आलन्दूर— $3 \frac{1}{2} 04/84$ 

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ४ अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

अत. अप ंडक्स अधिनियम को भारा 269-में की अनुहरण के, में, अक्स अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निगमिसित क्योंक्सर्यों, अर्थात् :---

तारीखः 6—6∽85 **कोहर** 

## प्रकथ आहे <sub>द</sub>री समें सुब*्नं*------

## नन्धकपु नाभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकांड

## कार्यालय, सहारक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 184, अक्तू० 84---अतः मुझे श्रीभनी एम० साम्बेल

बक्बकर बीधनिव्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त ऑधनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित विसक्षा उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-रु. से विधिक है

श्रीर जिसकी स० है, जो पुलियन इसदास में स्थित है (और इसमें उपाबद श्रनुभू की श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूलमलें लेख में ० 3001/84 में भार पिय रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अबीन अक्तूबर 84 को पूर्वोक्त संपर्तित के उपाय गाता मूल्म सं कन के इस्मान श्रीतकत के लिए अंतरित की मई है और मूक्ते कह निस्तात करने का अगरण है कि स्थाप विकत सम्परित का उपाय मूल्म, उसके द्रश्मान प्रतिकत से प्रतिकत से प्रतिकत का बन्दर श्रीतकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिक (अन्तरिका) के बीच एवे अन्तरक के लिए तम पाम गया श्रीतकत, निम्नितिर्वित उपाय से उन्त अन्तरण सिचित में बारतिकत हम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण संहुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के निगर, और/या
- (७) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा अन्वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजना के अर्जारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती जया अम्माल ग्रीर जीव गणेशन (अन्तरक)
- (2) श्रीके० जयप्रकाण

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इच्दा सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी काक्षेप:~~

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की सकति या तत्स्वकाधी क्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की स्वित्ति, जो भी सबक्ति गांप में समाक्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और धवाँ का, जो 'उससे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, , वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गयां∉

#### वदसची

भूमि---नुम्बल---पूलियमेडु---पूनमल्लि लेख सं० 6001/

एम् रामुबेन नक्षम प्राधिकारी सहस्रक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 11, मदास

नि≀रीखाः 6—6—85

मोहर 🗓

## प्रकप बाइ .टी. एन. एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मुद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निदेश मं०  $205/श्रक्व्वर <math>84/\overline{v}$ ज II— अतः मुझे. श्रीमिर्ता एकः सामवेल

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके ध्रमके प्रचात् 'छकत अधिनियम' कहा गया है), की भार १६९ च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी नं । ईरोड है, तो , रोड में स्थित है (श्रीर इससे उन बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण इन से विणित है), रिजस्ट्री जा अ.घन. री के भागीलय रोड लेख मं । 4026/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन अक्तूबर 84

कि प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दम्यमान कित्र को लए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वान करने का कारण ही कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दम्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का किन्द्र प्रतिशत से अभिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती कुलारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्रम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त बंतरण सिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भूतरण से हुद्दे किसी आय की बाबस, अक्ट अभिनियम के अभीन कर धीने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (घ) ऐसी किसी अभ या किसी धन या अस्य आस्तिए का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

अतः अधः, अस्त आधिनियमं का धारा १६५-५ हे अनसरण् भैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा १६०-ए की उपधारा (1) के अधीर, निम्माकित्तित अधिकारों, अर्थातः :-- (1) श्रीमती वरण्णभान

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पच्चम्माल

(भन्तरती)

ा यह मुख्ना जारी करके पृत्रक्ति सम्मत्ति के अर्जन के क्षित् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी बाहरें :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीक्ष क्ष 45 दिन की अवधि या तस्संविधी व्यायक्षिया पद मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा महीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिक-बद्ध किसी जन्य क्वित इयारा अधाहि ताक्षरी की पास निवित में किए जा सकींगे।

गब्दिकरण:—-इसमं प्रयुक्त कव्वाँ और पूर्वों का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।
बही कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गब्द हैं।
हैं।

धगस्य

भूमि वार्ड 4, टी० एस० स० 9/2, ईरोड ईरोड लेख सं० 4026/84

्रम० सामुबेश स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-मिन्नहास

मत्रीखाः 6—6—85 **अहेर**ः अस्य अप्ति ती. एद. हर ......

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### मारत सरवास

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रःम मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 210 अक्तुबर 85 रेंज H--अतः मुझे, नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्ष्याम् 'उक्त अधिनयम' अहा गया हो), को धारा 269-स के संशीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का फारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रजित गाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है भीर जिसकी सं० 132, महात्या गांधी रोड, है, जो पांडिचेरी में स्थित है (ग्रीर इसके उपावत अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिएट्रीकर्श अधिकारी के कार्यालय, पांडिबेरी लेख संब 2453'34 🖏 भारतीय राजस्त्री प्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अन्त्वर 1984 को गुर्भवित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से काम के इस्यमान अतिकास के लिए अन्सरित की गई हैं और क्रेफ़ी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त संस्पत्ति को उपलित बाकार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) शौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रकि-फल निम्नलिखिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-**वि**क रूप से **कथित** नहीं किया गया **ह**ै:----

- (क) अन्तरण से हुए किसी धाय की बाबत, उपत आध-निषम के अभीन कर दोने के अन्तरक के प्राधित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए. और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या भगकार अधिनियम, 1957 ( \$57 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने के सुविधा के सिए;

कतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपपारा (1) के अधीन, क्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ं—

- (1) श्री संघियागानावल लेन 132, एम० जी० रोड, पांडिचेरी
  - (श्रन्तरकः)
- (2) श्री अत्यिमूर्ति स्रोर दूसरे

्र(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जबत संपरित के वर्णन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांध से 45 किन की अविधि या तत्संबधी क्यांवतमां पर ब्रूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी किक्षि बाद में समाप्त हाती हो, जे भीतर पूर्वांक्त अविकासों में से किसी व्यक्ति ब्राहा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतार उक्त म्थावर सम्पत्ति मा हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए का सकरें।

रिक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

**ग्रन्**सुबी

भूमि **ग्रौर** मक<sub>ा</sub>च---पांडिचेरी लेख सं० 2453/85

्ष्म० सःमुबेल एम० सःमुबेल . सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज 11, मद्रास

नारीख: 6-6-85

माहर 🔉

प्रस्य बाह् . टी . एन : एस : -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ण (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्याक्य, सहाज्ञक जामकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज्-2, मद्रास

मद्र.स, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 211/ग्रन्तूबर 84/रेंज 2-अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल,

बासकर बाँधाँगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बदबाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'संपर्तित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव है, जो वृधु वे क्काल तीम्बरन कोइल स्ट्रीट स्थित है (श्रीर इससे उपबाद अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिक री कें क र्यालय पांडिचेरी लेख संव 2534/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1984

को प्रवीक्त संपत्ति के उप्तित कावार क्षण्य से क्षण्य के प्रविश्व के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का निकत वाकार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का निकत वाकार करने उसके दश्यमान प्रतिकाल से एमें दश्यमान प्रतिकाल के स्वार करने कारण के विश्व कार्य कार

- (क) अन्तरण वे हुई किश्वी माय की वाबत, उच्छा अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व वो क्षणी करने वा उत्तवे वचने में बुविधा के लिए; बरि/कः
- (भ) एसी किसी साम या किसी भन मा करण करितवीं को बिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 को 1) या उल्ला अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था डिपान में अस्तिया के लिए;

नतः व्यव उक्त विधिनियम की धारा 269 म के वनसरण में, में, उनते विधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

- (1) श्री इरूधम तितिये स्रलेक्सान्डर सवेरियास \* (अन्तरक)
- (2) श्रीगती सोरवराणि

(भन्तरिती)

को बहु सूपना जारी करके पूर्वीक्त संपर्शिक के वर्षन के लिखु कार्यवाहियां करता है

🖳 उन्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :—

- (क) इस सुषता को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पड़ सुजना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तियाँ इसार
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उज़त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनाय अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्क होया जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## बन्स्ची

लेख सं० 2535/84 की शेडूल में दी हुई संपत्ति पांडि-चेरी लेख सं० 2534/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 6-6-85

प्रस्पक्षाइ . टी . एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग स्थाप 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० 212/प्रक्तूबर 84--प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामबेल,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें कहा गया हैं), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा काएण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि और मकान---- उसवरकर कोम्मुयनसरम गांव है तथा जो निरमेंडु कामरोज नगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिक्षारी के कार्यालय, पांडि लेख सं० 2533/84 में भारतीय रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूज्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते कह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विकत सम्पत्ति का उचित स्वार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे इश्वयान प्रविकल का पन्द्रह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम वाम ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर धने के अन्तरक के वाजित्य में कभी करने वा उत्तसे अभने में सुजिभा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिना में सुविधा के लिए;

अतः अभं, उन्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवित व्यक्तिसों, अर्थात् :— (1) श्री श्रहणगिरी

(धन्तरक)

(2) भी कोतण्डरामज्ड्यार

(अंतिरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के तिए कार्यवाहियां कारता हों।

वनत बन्नीत के वर्जन के तंबंध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कूचना की बामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेषित व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहते होंगा जो उस अध्याम मी विधा एया है।

अनुसूची

भूमि भौर मकात — जाताज नगर नरिमेंडु, कोम्मुयनसम्भ । गांव उज्जवरकरै, पांडि—लेख मं० 2533/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो∉ स**हायक बाय**कर ब्राय्क्त (निरीक्षण) श्रजैत रेंज~2, मद्राग

विनांक: 6-6-1985

बहर:

प्रक्रम बार्ष , ८६, एव , एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री एस० पी० श्रंतणिस्वामी

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स होटल परिषत्तम प्राईवेट लिमिटेड

(म्रन्तरिती)

#### शारत वरकार

## कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

प्रजिन रैंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जून 1985 निर्देश सं० 222/श्रवत्वर 84/रेंज-2--श्रतः मुझे, श्रीमती ५० सामुबेल,

ाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 59-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृख्य, 00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी मं० टी॰ एस॰ नं० 55, ज्लाक नं० 7 वार्ड 5 है तथा जो कानल नार्थ बैठ रोड, तांजाबुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीन पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महानाम्बुष्यावड़ी लेख सं० 2299/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 ता 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रवतूबर 1984

को पूर्विक्त सम्परित क लिंकन नाजार मूल्य मं कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास लिंकों को कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उत्पत्ते इच्यमान प्रतिफल मे, एम दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकत मं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप में काथन नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में मुविधा के लिए;

सतः सक्, उक्त अधिनियमः, को धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्कोधिसित व्यक्ति :--- असित् :---- 35--136GI84

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

### जनत संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्विक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िजिस में किए का सकीं।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रणुक्त सन्धी और पदी का, जो उस्त वृधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अन्**स्ची** 

भूमि——टी० एस० नं० 55, ब्लाक 7, वार्ड 5 जी० ए० कनाल नार्थ बैंक रोड़, तंजावूर——महानोम्बुट्यावडी लेख सं० 2410/84।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 6-6-1985

प्रकृत कार्त्रः, दी. एव. एवं. ज्यानस्तरस्य

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. मद्रास

मद्राप, दिनांक 6 जुन 1985

निर्देश सं० 225/ग्रन्त्वर 84/रेज-2--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमत् 'चक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 कि. सं अभिक है

स्रीर जिन्नकी सं० 4, 5, 6, 8, 13 स्रीर 14 है तथा जो उठलपानकम् गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा स्रधिकारी के कार्यालय, तांबरम् लेख सं० 6758/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक अक्तूबर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मंगाप्तिक सम्मत्ति का उचित बाचार ब्रुव, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का ब्रुव, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का ब्रुव, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का ब्रुव, विश्वास से स्थित है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरित्वों) के बीच ऐसे ब्रुवरण के निष् तम प्रधा गया प्रति-क्य विश्वासित्व स्वृत्वरण से स्वत बंतरण क्रियत में वास्तिवन क्य से क्यित नहीं किया गया है है—

- कि किन्द्र से हुई किनी वास की वासत स्वत विभिन्न नियम के मधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए किन/वा
- (थ) इंसी किसी माथ वा किसी धन वा स्पष्ट वास्तिकों, के, किसई भारतीय सास्कर सीधीनयस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर सीधीनयस, या धन-कर सीधीनयस, या धन-कर सीधीनयस, 1957 (1957 का 27) से प्रधोधनार्थ स्नारिती द्वारा प्रसट नहीं किया गृथा था या किया धाना माहिए था, कियाने में सुविधा से लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री जी० एल० शर्मा स्नार स्नन्थों

(श्रन्तरः

(2) श्री टी० ए० त्यागराजन

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के । कार्यवाहिया शुरू करता हुए।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 बिन की भविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो व्यक्तिमें में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकः
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्
  किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पालिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में जिया नवा है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 4, 5, 6, 8, 13 और 14,—162 उदलपाक्कम् गांव, ताम्बरम् 6758/84

एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज~2, मब्रास

दिनांक: 6-6-1985

प्ररूप जाइं.टी.एन.एस. -----

## लामकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) करी 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकात

कार्यालय, महायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रजंन रेंज--2. मद्राम मद्रान, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश मं० 244/श्रक्तूबर ४4--श्रतः मुझे, श्रीमसी एम० सामुबेल,

भागकर आधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिल्हा करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- राज्य से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० लेख सं० 996/84 की णेड्ल में दी हुई संपत्ति है लथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजम्ड्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मद्रास मेंड्रेल लेख सं० 996/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान, दिनांक अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वामन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्ते, सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य कुरु रहयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उच्ते बन्तरण निक्ति के बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उभत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिभा के निए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अअ, उथ्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिख व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) श्रोमती के० स्थामलाम्बा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वी० राधा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्द सम्पत्ति कं वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका गया है।

### वन्त्यी

लेख सं० 996/84 की शेडुल में दी दुई संपत्ति मद्रास सेंट्रल

्रम० शामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुर्जन रेंज−2, मद्राय

दिन ांक: 6--6-1985

## प्रकल आहें ह बी , एम , एस ,,-=======

## भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुचना

#### भारत बरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० 256/श्रक्तूबर 84/रेंज-2-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7, न्यू नं० 10ए, है तथा जो सौंधरराजन स्ट्रीट टी० नगर मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 1323/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रक्तूबर

को पूर्वोक्स सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकक्ष के निए जन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकास से, एते क्ष्ममान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरिती (मंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक्ष, निम्मनिविद्य उद्दोश्य से क्ष्में मन्तरण कि निए तय पाया गया प्रतिक्ष, निम्मनिविद्य उद्दोश्य से क्ष्में मन्तरण कि निए तथ की निष्

- (क) बन्तहरू वे हुई किवी बाव की बावत, तथत बिधिवियम के ब्रधीन कर दोने के शृत्तरक के दायित्व में कमी कडने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खोड/वा
- (थ) एसी किसी जाब या किसी थन का अपन जास्तियों की, चिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया बचा था या किया जामा चाहिए जा जियाने में सुविभा के सिएंट्र

कतः वन, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को सुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्र— (1) श्री एम० एस० क्याकरन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें० बी० मुझनणियन् ग्रीरश्रीमती कें० गीमती।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवश राम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोध हन्त्य न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिम या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब्द रिजीवत भी किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि स्रीर मकान—-पुराना नं० 7, न्यू नं० 10ए, सींधरराजन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्राम—17 टी० नगर—लेख सं० 1323/84

> एम० सामुबेल, गक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायंकर ग्रापुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 6-6-1985

मोहर 🌡

प्ररूप माइ .टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 मद्राम

मद्राम, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० 12/अन्तूबर/रेंज-2--अतः मुझे श्रीमती एम० साम्वेल

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 2 प्लाट नं० 1209 डोर नं० 23 डा० नटेशन रोड़ श्रकोक नगर है तथा जो मद्राम-83 टी० एस० नं० 309 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम् नेख मं० 2937/84 में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्नुबर 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायन गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिविक रूप से किंबित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्मित व्यक्तियों, अधीत:— (1) श्री एम० चन्द्रहासन

(अन्तरक)

(2) श्री मी० इलंगीवन

(अन्तरको)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्वत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसधी

फ्लैट नं० 2 प्लाट नं० 1209 डोर नं० 23 डा० नेशानल रोड़ ग्रशोक नगर मद्रास-83, कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2937/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

दिनांक: 5-6-1985

प्रकृष् वाद्रौ.टी. एर. एस्. -----

काधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्यः, सहायक जायकार शायुक्तः (निर्यक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्राय, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश स० 18/ग्रक्तूबर 84/रेज-3--ग्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'अन्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिपकी संज्ञार एप एप ० नं ० 58/41 5वीं स्ट्रीट 14 रटलैंड गेट है तथा जो नंगम्बाक्तम् गांव में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन् मुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विण्त है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पींसडलैंट्स् लेख सं० 454/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रक्तुबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभी यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:~~

- (क) बंधरण से हुइ फिसी माम कर्न मावता. उथर अधिनियन के अधीम कर दोने के जंतरक के दायित्य में कभी करने था उससे अपने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिहं;

तत: यक, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जब्तरक में, में. उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमें, वच्ति :----

- (1) श्री जों ० ई० सालजन ग्रीर माली मालमन इंगलैंड (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मालती सदानंद ग्रीर श्रन्थों (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी कर्क पृथीक्त सम्पत्ति के वर्णन् के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्भ किसी अन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास तिस्ति में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, वा उक्त अधिनयम के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका भवा है।

#### नन्स्यी

भूमि स्रौर मकान—स्रार० एस० नं० 58/41/14 रटलैं । गेट 5 स्ट्रीट नुंगम्बाक्तम् गांव/थाँसंडलैंटस/लेख सं० 454/84

एम० सामुबेल सन्नम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2 मद्रास

दिनांक: 5-6-1985

माहर 🕄

## प्ररूप भार्च .दी .एन .एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के बभीन स्थना

#### मारत बरकाड

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, महाम
महाम दिनांक 5 जून 1985

निर्देश मं० 21/अन्त्वर 84/रेंज-2--श्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति । जिसका उचित वाबार मृन्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

श्रौर जिनकी सं० 1 स्टलिंग रोड है तथा जो मद्राप-34 में स्थित है (श्रीर इपमे जगानद्व श्रनुमुक्ती में श्रौर पूर्ण छा से विजन है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय थाउमेंड लाइटस लेख सं० 459/84, 463/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकाम 1908 (1908 का 16) के श्रधीं दिनांक श्रक्तूबर 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम क दश्यमान प्रतिपत्त के सिए अन्तरित की गई है और मृत्ये मृह विश्वास के करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्तर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाना बना प्रतिस्ता, विश्वासित उद्देशमा से उक्त अन्तरण किवात में वास्त्रीवक कप से कीचत नहीं किया बना है:---

- (क) अभ्यादम संहूर्य किसी बाय की बाबस, उक्स बिधितियंत्र को अधीन कर दोने के अन्यारक को बाजित्य में कमी करने वा उससे दमने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी कियी बाव वा कियी वन वा क्यू बास्तियों को, विन्दू भारतीय नाम-सर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विभिन्नियम, दा धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था. छिपान में सुविभा के लिए;

बत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नोलिकिङ व्यक्तियों अधीत :--- (1) स्टलिंग एन्टरप्राइ जेज

(भन्तरक)

(2) श्रो ए० मोहमदं महरू और अन्यों

(भ्रन्तरिकी)

**का वह सूचना चारी करकें** पृत्रोंकत सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मरित के वर्जन के सम्बन्ध में कांचे भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ही 45 सिंगू की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध, वो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राँक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख री 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्ट अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वहां हैं ।

#### तमसर्ची

फ्लैट--डोर नं० 1 स्ट्रिंग रोड़ मद्रात-34 थीसंडलैंहरन लेख सं० 459/84, 463/84

> एम० साम्वेल, सक्षम शाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-~2, मद्राय

दिनांक: 5-6-1985

भाहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिरिनयस्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत नरकार

## चार्यासव, सहायक वायकर कायुक्त (निर्काण) अर्जन रेंज--2. मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० 23/ग्रक्तूबर 84/रेंज-2--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,05,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट 560 स्केथर फीट डोर नं० 609, एस० नं० 48/7, श्रण्णाणाले हैं तथा जो मद्रास-34 नुंगम्बाक्कम् में स्थित है (और इससे उपात्रद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, थौसंडलैंट्स् लेख सं० 465/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के कान्यान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत निलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मृक्षे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रसिक्त से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरिक के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्य अंतरून सिचित में वास्तिक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायिखा में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिशिंद व्यक्तियों अर्थात् । (1) श्रीमती इंद्राणी कालरा, बाई एजेंट श्रीमती वीणा सिंह

(अन्तरक)

(2) डा० मलिक मोहम्मद श्रलीम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि—1/76 हिस्सा—4 फ्रींडन ए ण्ड 400 स्केयर फीट में पलैट—560 स्केयर फीट नं० 609, अण्णाणालें, नृगम्बाक्कम् मदास—34 थौसंडलैट्स लेख सं० 465/84

एम० पामुवेलं, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2, मद्रास

दिनांक: 5-6-1985

## मुक्य नाष्ट्री प्रताप्त प्रवापना विकास

## भावकर वीधिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के वधीन सूचना

#### STATE STATE

## कार्याजयः सहायक मामकर जायुक्त (निर्दालक)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० 38/ग्रक्तूबर 84/रेंज-2-अतः मुझे, श्रीमती

्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उन्ने पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का गरम है कि स्थानर सम्मित, चिंसका उचित बाजार मृत्य, ,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० अटिमान प्लाट नं० 1721 है तथा जो टी० एन० एन० बोर्ड में स्थित है (और इससे अपानक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरणवाक्तम् लेख सं० 1751/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अन्तुवर 1984)

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उपित शाजार मूल्य से कम के इस्यमान इतिफान के जिए मंतारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकर संपत्ति का उपित वाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास का पत्तु प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्तिरसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया प्रा प्रतिकास निम्निसित्त उद्योग से क्या कमारण विशिक्त में गस्त्रिक कम से कुंचित मही किया गया है:--

- (क) जुलाइन वे हुई जिली जाम की मान्छ, क्यक अधिनियम के वृधीन कर दोने के मन्तरण के कवित्य में कनी भरते दा उक्त वृधने में शृक्षिण के शिक्ष; वीद्य/या
- (अ) ऐसी किसी आव या किसी जन या जन्म आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या यन-कर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के मुबोजनार्थ जन्दीहरी दुवारा प्रकट यहीं किया युवा वा या किया जाना जादिए वा, कियाने में क्षेत्रां की लिए,

बतः अस, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के बगीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, सर्वादः——
36—136 GI/85

(1) श्री पी० वेंकटमुनी

(म्रन्तरक)

(2) श्री एम० सुब्रमणियम् ग्रौर दूसरे

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना वाडी करकी वृजीवत सम्पत्ति के अर्थव के किछ कार्यनाहियां करता हु

उनत सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई काक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राजिएन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की समिथ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों ,पर सूचना की तामील से 30 विन की स्थिथ, जो भी समिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन को भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध फिसी जन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताकारी के पास दिशीवत में किए जा तकोंचे ।

स्वच्छीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खब्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में पीतभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं।

#### मगत्त्र प

भूमि श्रीर मकान--लेख सं० 1751/84 की शैंडुल में बी हुई संपत्ति/लेख सं० 1751/84

एम० सांमुवेल, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीत रेंज-2, मद्रास

**धिनांक**: 5-6-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ टी. एन. एस.-----

## भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) से मधीन क्षमा

भारत सरकार

कार्यालयः, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-2, मद्रास भद्रास, दिनांक 5 जुन 1985

निदेश स० 73/अक्तूबर 84/रंज-2-अतः मुझे, एम० सामुबेल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नस अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिता जिसका उचित वाचार नूस्व 1,00,000/- रा से अधिक है

भीर जिसकी सं अप्रारण्एस० नं 127/3, है तथा जो विलियनूर पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विलियनूर लेख सं 959/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रक्तूबर 1984 ।

को प्रवेकत सम्पत्ति को उचित बाधार मृत्य से कम के स्वकान वृत्तिकत को सिए बन्तरित की नवि हैं और मृत्ये वह विकास करने का कारण हैं कि सभाप्योंकत संपत्ति का उचित बाधार भूग्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का मृत्य प्रतिकत से अभिक हैं और बंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तम चाया पता प्रतिक फल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नृहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, ३४% अभिनियंत्र के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उत्तरे बचने में बुविधा के शिवदः बार/या
- (थ) एची कियो नान् वा कियी थन वा करन् नाक्तियों को, जिन्हों पाइसीन नाचकाः वीधीननन्, 1922 (1922 का 11), वा उपस्त नीधीननन वा धनकार नीधीननम, 1957 (1957 का 27) के मुमोबनार्थ नन्तिरसी ब्लास्ट प्रकृति किया प्रवा था वा किया बागा श्रीहरू था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसक्ता में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्मलिखित अधितयों, अधीत् :--- (1) श्री एस० ग्रलेक्सांडर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० नारायणन श्रीर ग्रन्थों

(श्रन्तरिर्ता)

की यह ब्र्चमां पार्टी करके प्रॉक्ट संपत्ति में सर्चन में दिस कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विष की अविष वा तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की ताबील वे 30 विन की जनिए, यां भी व्यक्ति न वह के सुवारत होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस-सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिखववस् किसी क्ष्य स्थासत द्वारा, अथोहस्ताकड़ी के
  शास निवस्त के किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्बों और पक्षें का, जो उसत अधिनवस्र, को अध्याय 20-क में परिभावित्र हैं, नहीं कर्ष होगा को उस सध्याय में विया गया है ।

## मंतसची

भूमि—विलियनूर ग्रार० एस० नं० 127/3, पांडि लेख सं० 959/84 विलियनूर।

एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 5-6-1985

प्रस्य बार्ड हो । एव । एव । अन्यन्यन्यस्य

र्वाराकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

#### भारत संस्थार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज--2, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 जून 1985

निदेश सं० 118/ग्रक्तूबर 85/रेंज-2-ग्रतः मुझे, एम० सामुवेल,

कायकर बीभनियम, 1961 (1961 का 43**) (विके इसमें** इसके परमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबार सूरव 1,00,000/- फ. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भृमि है तथा जो तेल्गुपालयम् गांव में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित. है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यापय, कोयम्बस्र लेख सं 3699/84 में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1984

करे पूर्वोक्त सम्मत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के दब्बनान प्रतिफल और लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्बक्ति का उपित बाजार मृत्य, उशके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का वृत्यक्ष प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया चना प्रतिकल निम्नलिधित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बम्तरम वेहुए किसी बाब की बाबस, समय अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्य में कभी कारने वा सतते वचने में व्यविधा के अिए; बर्ए/वा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आरितयों जो जिल्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निधनियम, या धन-कार सभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया काला काहिए, भा, कियाने में सुविधा के ितए:

नंतः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण , मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बर्धान, निम्नलि**वित व्यक्तिवाँ,, प्रवर्**ष क्र---

(1) श्रीमती के० टी० कल्याणिं

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० हेमावती

(श्रन्तरिती)

को यह सुवाना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## बक्त सम्मरित में अन्नेन के संबंध में कोई बार्बप ह

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की , तारीश से 45 दिन कि बमि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना करी ताजील से 30 दिन की जबभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स न्यक्तियाँ में से किसी न्यक्ति बुकारा;
- (क) इंड ब्रूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन के भीतर उनत स्थावार संपत्ति में हिसक्बन किसी जन्म स्थानित द्वारा नभोहस्ताकारी के पांच जिचित में किए जा सकते।

स्पर्धाकरण:---इसमें प्रवृक्त शब्दों मीर पदों का, जो उक्त विधिनवम, के बध्दाय 20-क में परिभाषित ह बही वर्ध होगा को उस कथ्याय में दिया नवा है।

## अनुसूची

भूमि--तेल्ंग्पालयम् गांव कोयम्बत्त्र लेख सं० 3699/84 ।

एम० साम्बेल, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ् धर्जन रेंज-2, मद्राक्ष

दिनांक: 5-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० 124/अक्तूबर <math>84/3ज-2-3प्रतः मुझे, एम० सामुबेल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें उदिश्वास के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० तिलकर स्ट्रीट, टीं० एस० नं० 8/5 है तथा जो ग्रार० एस० पूरम, कोयम्बत्तूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बत्तूर लेख सं० 4324/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रैक्तूबर 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आप े बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या. किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

(1) श्री जी० एन० राजगीपालन्

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० ब्रार० लक्ष्मगायारियार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंकित व्यक्तियों में से किसी क्यक्तिय द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनस्थी

भूमि---टी० एस० नं०  $^{6}8/5$ , तिलकर स्द्रीट. श्रार० एस० पुरम् कोयम्त्रतूर ठोन--कोयम्त्रत्र्/लेख मं० 4324/84 ।

एम० सामुबेट्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक⊹ (निरोक्षण), स्रुक्तन रेंजे–≟, मद्राम

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिक्ष व्यक्तियों, अर्थातः:---

दिनांक: 5~6-1985

## प्रकथ आई. की. एन. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वका

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्राम, दिनांक 5 जून 1985

निदेण यं 129/अन्त्बर 84/रें अ-2-श्रतः मुझे; एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्तं बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलकी मं० टी० एन० नं० 356/6/5, चिक्कण्ण चेट्टियार स्ट्रीट, डोर नं० 3, है नथा जो तिरूप्य में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, तिरूप्य नेख सं० 1736/84 श्रीर 1737/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन, दिनांक श्रक्तूबर 1984

को पूर्विक्त संमंतित के उचित बाजार मूल्य ते कम के क्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितीं ने कोच होते कन्तरण के सिए तय पाया प्रया प्रतिक फल, निम्मिनिकत उद्विक्य से उक्त अन्तरण कि कित में बास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दोियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आम मा किसी धन वा अन्य आस्तिमों करें, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृजिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिन, िक्तिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती करूणैग्रम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रार गौडप्पन् ग्रौट श्री बीऽ एनः इंडपानि

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- ू(क) इस. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की कहीं, जो भी 'अविध के बाद में समाप्त होती हो, के सीटर पूर्वालट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारण;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख ब 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पव्योद्यारणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमादित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया। गया है।

## अनुसूची

भूमि और म $_{0}$ ान---डोर नं० 3ए, टी० ए५० नं०  $_{0}$ 3  $_{6}$ 6/5, चिक्कन चेट्टियार स्ट्रीट, निक्ष्पूर---निक्ष्पूर लेख मं०  $_{0}$ 7 3  $_{0}$ 84

एम० आस्वेल, पक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेजे-2, मद्राम

दिनांक: 5-6-1985

प्रथम कार्षे, टी. एवं. एसं.----- (1) श्री विक्टोरिया ग्रालकाणन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ं १ (१) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासम सहाप्रक कायकरा बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्राप्त मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० 151/ग्रक्तूबर 84/रेंज-2--श्रनः मुझे, एम० साम् वेल,

आयकर अधितियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्व ० नं० 4937/2 श्रीर 4936/1, डोर नं० 25 श्रीर 425ए वार्ड नं० 27 है नथा जो श्रोठकमण्ड में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, उदगमंडलम् लेख सं० 828, 829, 830, 831 श्रीर 832/84 में भारतीय किरट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक श्रवनूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिल (अन्तरितिश्वा) के शिच एमें अन्तरण के लिए उस गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उस्तिथ से उसत अन्तरण निखित गस्तिबक रूप म किथत नहीं किया गण हैं

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उथक अधि-अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा क्ष लिए; और/मा
- (ध) ऐसी किसी बार या धन या अन्य बास्तियों की, जिस्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्मा था किया जाना चारिहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उन्त अभिनिषम, की धारा 269-ग के धन्मरण में, मंं, उनत अधिनियम की भ्राप 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् मान

(1) श्री विक्टोरिया यालकृष्णन् , श्रीर श्री बालकृष्णन् पाव

(श्रन्तरक)

(2) श्री तामभ एम० नामस और श्रन्यों

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कैरला हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वता के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी क्रन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, वो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गमा हैं।

जनम् औ

भूमि और मनान—425 और 425ए वार्ड नं० 27, उदगमंडलम् लेख सं० 828/84, 829/84, 830/84, 831/84, 832/84 ।

एम० सामुखल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजन रेज-2, मद्रास

दिनां ... 5-6-1985 भा**हर** अ प्रकृष् बाह्र ति । एन ् एक् ्न्ट्रन-सन्म

# मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) वे वर्धीय बुक्ता

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2, मधास मद्रास, दिनांक 5 जुन 1985

निवेश सं० 155/अक्तूबर, 84/रेंज-2--अतः मुझे, एम० सामुबेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- हा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 1044/2ए, क्नैल, हिल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बागत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शून्तूर, लेख सं० 1332/84, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्बन्धि से उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुम्के यह विश्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे वश्यमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिक्षत से बिधक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीज एसे अन्तरक के लिए अग पाया गया प्रतिकास निम्नीस्थित उद्वेषम से उक्त अन्तरण निकास में शास्त्रिक कप से कामित नहीं किया गया है उन्न

- (क) मनारण संधुदं किसी मान की गावत, उपकत्त मीमिनयम से मुनीम कहा दोने के अन्तरक के माहित्स में कनी कुरने या उससे स्थाने मा सुनिधा के सिंह: मीट्र/मा
- (ब) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य जारिसकी का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिरियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिरियम, 1922 का 11) वा उपत अधिरियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोगनार्थ अस्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, क्रियारों में मूर्ग रूप, से किए;

स्तः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरक में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की पालका (ह) इस अभीतः विकालिकित व्यक्तिकार्गः अभीतः — ाँ श्री पी० एम० नारायणन, श्रीमती जानकी नारायणन (श्रन्तरक)

2. श्री पुःया कोठ्ठल हषीम् ।

(अन्तरितीः)

की बहु सूचना बार्डी करके पूर्वोक्त सम्मृतिस के वर्णन के लिए कार्यवाद्वियों करता हुए।

उन्त बुन्दित के वर्षम के सम्बन्ध में कीई भी बाओप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश के 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ प्रविच्या की तामील से 30 दिम की अविध, जो भी अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थिभकों भें से किसी अविक्त क्यारा.
- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उपल स्थावर संपरित में हित्- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खुआहस्ताकारी के पास निवित में किए वा बुकीन।

स्पाक्तीकरणः इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्यों कां, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में जिस्मावित हैं, बहुी अर्थ हाणा जो तुर क्रध्याय में विका

## **ग्रन्**म्ची

भूमि और भकान-क्वेल हिल-धार० एस० नं० 1044/2ए। कून्न्र-लेख सं० 1332/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, मन्नास

दिनांक: 5-6-1985

मोहर 🕆

अंक्ष्य बाह्" दी , युग , एड , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन क्षाना

#### NING PROPERTY

## कार्याक्षयः, सञ्चयक वायकार नावुक्त (निर्देशिक)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० 161/अक्तूबर-84/रेंज-2--श्रतः मुझे, . एम० लाम्बेल

जाराजार राभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इशक पर्कात जिल्ल विभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संगीता जिसका उपित वाबार मुख

1,00,000/- एत. से अधिक है

अर्गर जिसकी संव पोंगलूर, गांव, है जो पूर्ण रूप से अविनाशी तालुक अन्तूर में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और जो विणत है) रिजरड़ी कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्तूर लेख तंव 1476/84, में रिजरड़ी करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के जियत अवाद मृत्य से कम के क्ष्यमान म्रोत्तिक को लिए मन्तरित को गई है और मुक्के यह विश्वास करन का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्मत्ति का स्वित्त वाजार भूल्य, उसके उश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकास से मिंगक है और मंतरक (मंतरका) भीर मंतरिती (मंतरितियों) के बीच ऐसे नंतरम के लिए तब पावा ग्वा मिन-क्स निम्मीसित्ते स्वृष्टिय से उन्त मन्तरम निम्मित में मास्त-विक रूप से क्षित नहीं किया गवा है :---

- (व) ऐसी किसी जान या किसी धन या जन्य जास्तियों करों, जिन्हों धारतीय जानकार विधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियन, मा प्रमुख्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) को प्रयोधनार्थ जन्मदिती ब्नारा प्रका नहीं जिना गरा था वा किया जाना जाहिए था, जिनाने में स्टिन्या में खिए;

मतुः सम, काल मिथिनम की भारा 269-न की मनुतरम में, में, उनत मिथिनम्य की भारा 269-न की उपभारा (1) के नभीत, शिन्तिवित म्यक्तियों, मंथीत् हे— श्री ए० दुरैसामि नायुडु, श्रीर श्रन्थों।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० बी० कंदस्वामि, और श्रन्यों।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी कारने पूर्वोचक संपत्ति में सर्थन के जिस कार्यनाहिसां करता हूं।

वनत कमरित के नर्जन के कम्मूम में मौद्रों ही नाक्षेत्र :----

- (क) इस तुष्या में राखपम में प्रकाशन की तारींच है 45 विश की क्वींच ना इस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की इस्तीन से 30 विश्व की नविभ, को और नविभ साद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति इशारा;
- (व) इस भूषना के समयन में प्रकाशन की तारीय स 45 विन के भीतर उपत स्थागर सम्परित में हितवद्भ किसी सम्य स्थित इनारा नभोहत्ताकरी के पान विश्वित में किए ना सकेंगे।

स्पन्नीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को तस मध्याय में विका स्था है।

#### वर्ग्सर्वी

भूमि--पोंगलूर, गांव अविनाशी तालुक अन्तूर ,अन्तूर कोयम्बट्टर, लेख सं० 1476/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 5-6-1985

**\*\*** 5

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **क**ी बाहा 269-घ (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यामन, सहायक नावकर भाग्वत (मिरीक्रेक)

ग्रर्जन रेंज- , मदास मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निवेष सं० 165/प्रक्तूबर 84/रेंज-II---अत: एम० सामुबेल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इक्क परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ह"), की पारा 269-व के सभीन तक्षत्र प्राधिकारी की यह विक्यास करते का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, विश्वका उचित्र वार्थार अकृत 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० टी० एम० नं० 84, झ्लाक नं० 29,नुंगम्बाक्कम पुलियूरप्नांव है, तथा जो एग्मोर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ म्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्राम सेंट्रल लेख सं० 1033/84, में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन अक्तूबर 1984

को पूर्वीक्त संस्थित के उचित बाजार मृत्य है अन्य की वस्त्रमान प्रतिकल के लियू अन्तरित की गई है और बहु क्यूने का कारण है कि वभाषयोंक्त सम्पत्ति का उचित वाचार भूकि 🖈 उपके अध्यमान प्रतिकल से, ऐसे ध्यवनान प्रतिकल का क्लाइ प्रतिकत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिकी (अस्तरितियाँ) के तीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्निकिष्कित उक्कषेप्यों से उक्त अन्तरण सिचित में नास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) जन्मप्रभ सं हुए किसी बाब की बायस अवस विध-नियम में अधीन कर वंशे के अण्डरक के धारित्य में अक्षती अन्तर्भ या एफसे लघने में मृतिभा की सिक्: क्षीय था
- (थ) एंबी किसी मार्थना किसी धन या मन्य भारतका को, चिन्हां बारतीय वाय-कर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नम, वा थन-क≷ **व्यक्ति**ननम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासवार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा निवा जाना चाहिए भा, कियाने में सविधा के लिए;

शक्र जब, टब्स अधिनियम की भारा 269-र के अनुसरण **क्षे, क्षे, उक्त धीवनियम की घारा 269-म की** उपधास (1) के कबीन: निक्तितिकम् **व्यक्तियो**ं, संबद्धि अन्तर 37-136 GI/85

ा. श्रीमती रूकियाबाय ग्रौर अन्यों पवर एजेन्ट, मुहम्मद इस्माइल।

(ग्रन्तरक)

2. एम० पलनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कामवाद्यियां करता हो।

## उपत प्रभारित भी भाषीय भी ब्राम्यम्य जो और्द्रा शास्त्रोप हुन्स्स

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारन की तारींच से 4.5 विन की जबधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील वे 30 बिन की मनधि, जो भी वयि बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी म्बेक्स बुवारा;
- ·(क) इ.स. क्ष्मना को राज्यम में प्रकाबन की सारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में डिच-क्यूच किसी जन्म व्यक्ति युवारा अभोहस्साक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकती।

न्यक्रक्रियमः—इक्ष्ये प्रयुक्त सम्बं शौर नवीं हा, जो उक्क विविवयं, के अध्याव 20-क में परिभावित है, बहुरी वर्ण होता, जो जल अध्यान में दिया क्या है।

#### अनुसूची

भूमि पुलियूर गांव, एग्मोर, नुगम्बाक्कम, तालुक, टी० एस० नं 84, ब्लाक नं 291, मद्रास, सेंट्रल लेख सं 1033/84 1

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 5-6-1985

मोहर 🛭

## क्ष्म नार्षे त**ी , एन**्य **एक**्रनननम्बन्धन

## ज्ञाभकर गाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-व (1) के बधीन सुचवा

#### भारत तरकार

## कार्यासम्, सङ्ख्या जानकर नाबुक्त (पिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 5 जून, 1985 निदेश सं० 203/श्रक्तूबर-84/र्णजनार——श्रतः मुझे, सम्० सामुबेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतनें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), और भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव न्यू सर्वे नंव 262/1ए, नेरिमाजिपैट्टी गांव है, तथा जो मवानी, लालुक में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण च्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में देरोड लेख संव 4563/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रिधीन श्रक्त्वर, 84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरका) और वंतरिती (अतिरिक्त) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नीसित उद्देश्य वे उक्त बन्तरण किवित बे स्मातिक रूप से किवत नहीं किया वना है:—

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स भीभितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्व में कमी करने या उससे क्याने के सुविधा से सिए; बीड़/मा
- (स) एसी किसी भाग मा किसी भन वा अन्य बास्तियों
  को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का - 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना पाहिए था, छिपान न

जत: जब, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-थ के अनुकार्य में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जयभागा (1) के थभीता, निम्मलिकित व्यक्तियों, कर्यात् प्रस्ता  वी मैसूर डियोसम, सोसायटी, बैं० एजेन्ट, खेरन्ट फादरटी० नारन्हा ।

(ग्रन्तरक)

2. ई० एम० कदस्यामी और अन्यों।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्स भी आक्ष्य :-

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन को अवधि यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इत जूचना के राजपन में प्रकातन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धं कियी नम्य व्यक्ति क्वारा न्भोहस्ताकरी के शक्क विविद्ध में किए वा स्कॉर्न।

स्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बां और पद्यों का, को उक्क मिनियम के बभ्याय 20-क में परिभाषिक है, मही नर्थ होगा को उस मध्याय में विकेष पद्या है।

#### and the

ं भूमि नेरिजिपेठ्ठै गाँव, न्यू सर्वे नं० 262/1ए, भवानी ताल्क ईरोड, सेख सं० 4063/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांक : 5-6-1985

प्रकल बाहै . ही , युव , युव , नगण्य

बायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) में मंत्रीत सूचना

## भाउत बहुकार

कार्यासय्, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास महास, दिनांक 5 जून, 1985 निदेश सं० 255/ग्रक्तूबर 84/रेंज II---श्रतः भुक्षे, एम० सामुबेल

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देशको देशको परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), जो कि धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह"

और जिसकी मं० लेख सं० 1335/84, की शिड्यूल में दी गई है, सम्पत्ति जो में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 1335/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक श्रवसूबर,

कां पूर्वोक्त सम्पति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-क्षेत्रल, निम्नलिखित उद्बोदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण तं हुई किसी आय की शब्ध, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक खे दायित्व में कमी करने या उग्नसे बचने में संविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या नम्ब नास्त्रवां को, जिन्हों भारतीय नाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए वा कियाने में तुविभा के निए;

जतः जब, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीतः मिम्नलिखित स्थितियों अर्थात् :--- 1. श्री के० कण्णाईरम्।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० जयलक्ष्मी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

अभेत संस्थित के कंपीन के संबंध में कोई भी जाशीय प्रकल

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों लक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस ब्राचन के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलंबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकींगे।

रचका करण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में जिला नवा हैं।

अनुसूची

लेखासं० 1335/84 की ग्रैड्यूल में दी हुई संपत्ति टी० नगर लेखासं० 1335/84 ।

एमं० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 11, महास

दिनांक : 5-6-1985

प्ररूप मार्चाः टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्वाना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक शासकर आयुक्त (गिराक्षण) प्रजेन रेंज-11, महास

निदेश मं० 257/ग्रक्त्बर 84/रेंज-II —श्रतः मुझे, एम० सामवेल

भाग्रकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उन्त निधिनियम) कहा गया हैं), की भाग 269- स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 22, नीलकण्ठ मेता स्ट्रीट, प्लाँट नं० 37, न्यू ब्लाक नं० 142, जो टी० नगर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और को पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 6316/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1984

को प्नोंकत संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कार्य है कि यथाप्यांक्त संपत्ति को उपित नाजार मूल्य, असके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से मिथक है और यह कि नंतरक (नंतरकों) नीर संतरिती रिती (जन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिंखत उयुष्टिय से उन्त नन्तरण निचित में यास्तिनक रूप से किथत नहीं किया गया है क्रें

- (क) अन्तरक से हुर्इ किसी बाय की बाबट; उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के व दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँट/बा
- (व) एसी किसी भाग या किसी धन या बन्य बास्सियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अन्त, उक्त स्प्रीभिनिक्स की धारा 269-ग के अनुसरण भाँ, माँ, उक्त अधिनियस की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिनिक व्यक्तियों, अर्थातः :—— 1. श्री पी० एन० मुरली कृष्णा

(भ्रन्तरक)

2 श्री गोकुलचन्द लाल वाणी, और श्रीमती किरणकुमारी।

(ग्रन्तरिती)

का वह त्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी कार्याणे ह-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नगींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताबील से 30 दिन की नविंग, को भी नविंग को से समान्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकींगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो खूरा जीपनियम के अध्याय 20-क में परिभीवित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

### वन्स्वी

भूमि और मकान 22, नीलकण्ड मेता स्ट्रीट, टी० नगर मक्षास-17, टी० नगर, लेख स० 1316/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मधास

दिनांक : 5-6-1985

मोहर 🕸

शक्य जाद्र .टी . एवं . एस . -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्बातय, सहायक कायकर बायुक्त (निर्दाक्तक) प्रजेन रेज-,II महास

मद्रास, दिनांक 4 जुन 1985.

निदेश स० 258/ग्रवतूबर 84/रेंज-II---श्रतः मुझे,

एम० सामुवेल कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस ध्यानें ध्याकें प्रकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- ए. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 64, सर्वे नं० 626 है, को टी० नगर में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राध्कारी के कार्यालय टी० नगर, लिख सं० 1288/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक ग्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोंकत सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को तीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अध्वरण लिखित में भारतिक रूप से अधित नही किया गया है।

- (क) जन्तरण मं हुइं किसी श्राय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के खियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाव का किसी धन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनके जिधिनियम, या धनकर ज्याधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वामा चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री एस० सौंदर पांडियन, मैनेजिंग डा४२ेक्टर, मैसर्स बारकास चिट पण्ड्स आ० लि०

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० पी० बालसुक्रामणियम।

(मन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हुं।

## जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यां कराया में स किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति मो हितबद्ध किसी अन्य कि वित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में विकृत का सकेंगी।

स्परतीकरण: --इसमा प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जो उक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विका वया है।

## अनुसुन्ती

भूमि प्लाट नं० 64, सर्वे नं० 626, रगौंड्स और 1200 वर्ग फिट, लेखसं० 1288/84, टी० नगर।

> ्रम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, मद्रास-6

. दिनांक : 4-6-1985

माह्य व

**प्रकृत कार्य**्य द्वी . एत् , एस ,- - :: ::---

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के निधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयुक्त कायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च, 1985

निदेश सं० धी० श्रार० नं० 3691/अर्जन रेंज-[/23-]/ 84-85 यत: मुझे. जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्की सं० फ्लैट नं० बी-221, सेकन्ड फ्लोर है तथा जो तक्षणिला सोसायटी, श्रीनार सिनेमा नजबीक, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रध्यमान वितिष्ण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके ब्रथमान प्रतिष्मल से, ऐसे ब्रथ्मान प्रतिष्मल का पत्मह प्रतिष्मत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रतो (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्मल निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया यथा है:—

- (क) मुख्यूरण वे हुए सिखी नान की नानता, उन्हें वीधनियम के अधीन कर वोने के बन्तरक के समित्व में कमी करने वा उत्तसे स्वाने में सुविधा के निए; बॉर/धा
- (का) एसे किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तियों का, जिन्हीं भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रवासनार्थ जन्तिरती व्यास्त्र प्रकट नहीं किया गया था या किया जहां पाहिए था. छियाने में सविधा जे सिए;

बत: वन, उनत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, में, उन्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मंजुलावेन, चन्दुलाल, की ओर से कुल मुख्तयारः श्री इन्दुलाल परशोक्तम भाई राघनपरा, डेरा शेरी, मांडवी श्रीक, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रकुमार बृन्दावन भाई, महेता, फ्लैट नं० बी-221, तक्षणिला सोसायटी, गीरनार सिनेमा के सामने, राजकोट।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के हिसक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख के 45 विन की जनभि या तत्सक्तिओं पर स्वना की तामील से 30 विन की जनभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसराइ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकारो।

स्पळीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिविद्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बग्सूची

पलैट नं० भी-221, तक्षणिला, सोसायदी, मीरनार सिनेमा नजदीक, राजकोट, सेकन्ड फ्लोर, क्षेत्रफल: 1250, वर्ग फीट।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 18-3-1985

## प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्शन रेंज-1,

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मई, 1985

निर्वेश नं पी० ग्रार० नं० 3692/23-I/84-85----ग्रतः मझे, जी० के० पंडया

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्र फल 8794 वर्ग मीटर कुथा है तथा को गांव कांगसीयाल तालुक, लोठीका जिला राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्राधिकारी के कार्यालय, राजकोट में राजस्ट्रीकरण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 29-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल से अधिक है सेर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उक्षेप से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है :—

- (क। अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- ँ इ.त. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के शकीन निम्नेतिसित स्पवितयों, अर्थात :---

- (1) सूरेणचन्द्र रेवामंकर भई, जयन्त निवास, चौधरी हाई स्कल नजवीक, राजकोट।
  - (2) हितेश कुमार, मनसूख लाल बगदा, मारुती शोपिग सेंटर, जन कस्याण सोसायटी, राजकोट।

(श्रन्तरक)

2. श्री विट्ठलभाई साजी भाई पटेल, मैनेजिंग भागीदार : मैसर्स गुर्डविल, कन्ज्यूमर प्रोडक्ट्स, 6 , कोरेया न०, क्लाया रोड, राजकोट ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

ं उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वपुष्यी

जमीन गाँव कांगसीयली में सर्वे न 47/1, क्षेत्रफल 8194 वर्ग मीटर कुन्ना के साथ और एक छोटी सी, रूम, ताल्लुका लोढीका, जिला राजकोट राजस्ट्रेशन, नं० 3551/29-10-84।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-I, ग्रहमदाबाद

विनांक: 23-5-1985

मोहर: ।

४क्ष सार्व . दी. एत् . **एव** . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीजण)

म्रर्जन रेंज-I, अहमवाबाद म्रहमवाबाद, दिनांक 23 मई 1985

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 3693/23-1/84-85—- श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर गरिपनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्तम प्राणिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी संव जमीन गांव माधापर, सीमा में है, तथा जो सर्वे नंव 1177/1178 क्षेत्रफल 2 एकर, 5 गुंठा में स्थित है (और इससे उपावच अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विधित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोरकी में, राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-10-84 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्वायान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से एसे दृश्यान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक कप से काथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त जिभनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करनेया उससे बचने में सुविधा के तिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए:

जतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

 श्री जयन्ती लाल नरभैराम पारेख, की ओर से कुल मुख्तयार
 श्री चन्द्र किशोर नरभैराम पारेख, बैंक ग्राफ बड़ोदा, नजधीक, मुख्य बाजार, मोरबी।

(ग्रन्तरक)

 श्री धीरज लाल मगललाल केठा और श्रन्य मुख्य बाजार, मोरबी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्कितकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बायकर के अध्याय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## बन्तर्या

जमीन पेजलपुर में माध्यपरा सीम सर्वे नं० 1177/1178 क्षेत्रफल 2 एकर, 5 गुंडा, तालुका, मोरवी, राजस्ट्रेशन नं० 2957/1-10-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

दिनांक: 23-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.

आयकार अधिनियमं, 1961-(1961 का 43) की भारा 269-ध (4) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई, 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3694:---अतः मुझे, जी० के० पंडयः,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंगे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजोर मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

स्रीर जिसकी सं जिमीन क्षेत्रफल 630 वर्ग य ई-क्ट्रवशन है तथा जो बोर्ड नं 7 शीट नं 233, गेंडल रोड़, र वकेट में हिण्ट है (स्रीर इनसे उप बद्ध अनुन्त्री में स्रीर प्रक्ष क्ष से विश्वत है), रिल्स्ट्री-कर्ता अधिक री के क र्यालय, राजकोट में रिल्स्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख 19-10-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
इंग्ले का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल के
इन्स्ट प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
दृश्ती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
विश्व अतिफल, निम्निलिचन उद्युज्य में उचन अन्तरण लिसित
में बास्तिबक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में अभी करने या उससे वजने में स्विधा के जिए; जर्रि/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी पन या कन्य वास्तियों की चिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भ, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) भे कभी ियालिश स्मितिहाँ, अधित कुला 38--136G[/85

- (1) श्री दिलीप मोहनलाल,
  फुल मुखत्य र,
  स्व० श्री मोहनल ल जेर मभाई
  अन्तलाल जय भाई कुल मुखत्य र—
  स्व० श्री जद्वालाल जेरामभाई दयालजी जेरामभाई,
  सबकी ग्रोर से कुल मुखत्य र,
  श्री मेघजीभाई हेमराजभाई खरेचा,
  1/7 लक्ष्मीवाडी, राजकोट ।
- (2) श्रीमती सवित बेन वृजलाल रुघानी, प्रफुलकुम र बृजलाल रुघानी, 'वृज नीकुंज' एस० टी० स्टेन्ड के सामने, वेरावले (सौराष्ट्र) ।

(ग्रन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सचना की तामील स 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त-स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाद्ध अधाहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्वत्रक किरण: — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उपल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ हागा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मनसर्वी

जेमीन क्षेत्रफल 630 वर्ग यर्ड—कंस्ट्रव्शन गोंडल रोड राजकोट में बोर्ड नं० 7, शीट 233 लेह 9 ग्रीर 46 रिजस्ट्रेशन नं० 6493/19-10-84

> जी० के० पंडाा, सक्षम प्राधिक री, सहायक आयकर शायु<sup>क</sup>ा (निरीक्षण), अर्ज़न रेंज-<sup>I</sup>, अहमदाबाद

ता रेख : 23-5-85

माह्नर :

## प्रकृत कार्ड . टी . एवं १६६ . ......

बाब हिर बीधी तर्रका 1961 (1961 का 43) की वारा 269-न (1) के बधीन स्वया

#### भारत सरकार

ंकार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

' अर्जन रेज़- , अह्मद व द

अहमत ब द, दिन्छंब 23 मई 1885

निदेश सं पी० अ र० न० 3695/--अतः मुझे, जी० के० पंडयः,

कायकत विभिन्नियम, 1061 (1961 का 43) विवसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया हैं। की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का क्षण हैं कि स्थावर संपत्ति विश्वास उचित्त वाजार मृत्य 1,00,00/- रु. से अधिक हैं

मीर हिसकी सं० जर्मन क्षेत्रपल 630 वर्ग ए ई + वस्त्वकान है तथा जी वर्ड नं० 7, शीट नं० 233 गेंडल रोड़, र लकोट में स्थित हैं (में र इससे उपास्त्र शन ची में भ्रीर एप्से रूप से विण्य हैं), र जिस्ट्रीवर्ती अधिव री के कार्य लय, र एकोट में रिपर्ट्वर्ण अधिक्रियम, 1908 (1908 का 16) वे उर्धन, 19-10-84 को पूर्व कि सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के द्रायमान विनक्ष के लिए बन्नियम की गई है कोर मन्ने यह विकास कार्य के लिए बन्नियम में एमें इक्ष्यमान प्रतिक्ष का विकास के कार्य है कि स्थाप वेंक्त मंत्रीका का उर्व के बाजार बन्न के कार्य है कि स्थाप वेंक्त मंत्रीका का उर्व के विकास कार्य के किए से किए के किए से कन्म के लिए ते विकास कार्य के किए से किए से कन्म के लिए ते विकास कार्य के किए से कन्म के लिए ते विकास के किए से कन्म के किए ते विकास के किए से कन्म के किए ते विकास की किए से कन्म के किए ते विकास की किए से कन्म के किए ते विकास की किए से किए से कन्म के किए से किए

- बिधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्लिंग्या के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्लिंग्या के क्यी करन का अवसे बचन में ब्लिंग्या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों का किन्ह आश्रीकि काय-कर क्रीफीन्यक 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धनकर क्रीफीन्यम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्न्यानी यज्ञान प्रकट नहीं किया रेका का या किया बाना पाहिए था किन्तने में स्विका के स्विका के स्विका

् केल्लं खब, सकत काँपनिकंध की धारा २६०-म के , हानसप्तर की , में प्रकल की प्रतिगम की पारा २६०-म की उपधाय (१) की क्योंन निक्तिलिखत व्यक्तियों कथीत :---

(1) श्री मोहनल ल गज्जर,
मुखत्य र स्व० श्री मोहनल ल जेर मभाई,
अमरूतकाल वह य ल ल,
मुखत्य र स्व० श्री वहरयाल ल जेर मभाई
दय लजी जेर मभाई,
सबकी श्रोर से फुल मुखत्य र——
श्री नाग जी भण्डे हेमराज भण्डे खरेचा
1,7, लक्ष्मीव डी, र फ्कोट ।

(अत्तरक).

(2) श्री गिरीण अजलल रुधानी, अशोक बृजलल रुधानी, "वृज नीकुंप" एस० टी० स्टैन्ड के सामने, वेर वल (संराष्ट्र)।

(अन्त*ि*ती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्मतिल के कवीर की मारुष में सीई की साध्येष 🛶

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से स्थिनी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कि विस् बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिएकत में विष्णु जा सकता।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयक्ष्म कन्दों और पद्धों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, ुवहीं अर्थ होगा को जस अध्याय से दिया गया है।

#### . अम्स्यः

जमीन अंतिफल 630 वर्ग य ई—कस्ट्रक्शन, प्लीन्य तक वीर्ड नं० 7, शीट नं० 233 गोंडल रोड़, र जकोट र जिस्ट्रेशन नं० 6492/19-10-85.

जी० के० पंडया सक्षम प्राध्व री सह यक अयक्र अयुवत (नरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबद

त रीख: 23-5-1985. मोहर: प्रक्य बाई. टी. एन. रुस.,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहंयक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाह्य द, दिनांचा 23 मई 1985

ैनिर्देश सं० पी० अ र० न० 36961/ग्रर्जन रेज-I<sub>/</sub>23--I<sub>/</sub>84-85 :---अत्: मुझे, जे० के० पंडया,

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा। 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह प्रश्वस करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जसका पां पर्लंट नं ने 1 क्या कोटेच ट दर्स है तथा जो र मक्कण नगर- 9 र जिला में स्थत है (स्रीर इससे उप बद्ध अ पूर्वा में स्थार प्रो का अ अ दर्श के कि स्वित्त र जनोट में र जस्ट्री क्या अ अ दर्श के कि स्वित्त र जनोट में र जस्ट्रीकरण अ अ दिम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिना दिना दिना 18-10-1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान् शितफल के लिए अन्तरित का गई है और मृभ यह विश्वास् करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रातशत स्थायक है और अन्तरक (अन्तरको) और जिल्हा (अन्तरितया) के बीच एस अन्तरण के लिए तब पांचा गैं आ प्रतिफल से जिस्स के निर्माणि से उद्दृश्य से उप्तर्भ अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्धरण संहुई किसी नाय की बाबत, उक्त बाधानयम क अधीन कर दन के अन्तरक की दायित्व में कमी करन या जसस बचन में सुविधां के तिए. बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारताय आयकर अधिनयस, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनयस, या अन-कर अधिनयम, या अन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियो गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा से चिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण बं. में, उक्त आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हू---

(1) श्री महेग कुम र कुरजीमाई कोटेचा फ्लैट नं० 7, कोटेच ट वर्स, र प उग रगर, र जकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री अग्रोक्कुम र र वजीमाई पटेल, पर्लंट नं 1-बी, कोटेच ट वसे, र मकृष्ण नगर-9, राजकोट।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन क लिए कायवाहिया करती हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, वा भी अविधि बाद में समान्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में सो कसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों क पास लिखित में किए जा सका।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त बाधानयमं, कं अध्याय 20-कं म प्रारभाषत इं, वहां अध हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### धन्स्यी

पलैट नं 1, बी कोटेचा दवर्ष, क्षेत्रफल 1606 वर्ग फीट र मकुष्ण कार, र जकोट, रिष्स्ट्रेशन नं 6423। 18-10-84

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सह यक आपकर आपुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, अहमद ब.द

त रीख: 23-5-1985

मोहर 🚁

## प्रकप बाहाँ, दी, एत्, एख:-----

## नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीत सूचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमताब.द अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1985

निर्देश सं० पी० अ र० नं० 3697/अर्जन रेंज-1 23/1/85-86——यंतः मझे, जी० कें० पंड्या.

पायकर औधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'जक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 260-ल के अधीन सक्ष्म शाधिकारों का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. स अधिक है

भ्रीर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 2-बी, कोटिचा ट वर्स है तथा जो रामकुष्णनगर, राज्कीट थे स्थत है (र्थ्वार इससे उपन्यत अनुरूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रेलर्ता अधिक रंन के कार्यालय, र जकोट में राजस्ट्रिकरण अधिनयम, 1908 (1908 कार्यालय, के अधीन, विसा 18-10-1984

को प्यांक्स सम्मान्त क उचित आधार मृत्य सं कम के स्वयंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है आर भूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्भान का उचित बाजार मृत्य, उसक ध्रममान प्रतिफल सं, एस द्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एम् अन्तरण के लिए तय ग्या गया प्रतिफल निम्नोलाखत उद्दश्य सं उक्त अतरण है जोस्त म वास्तविक रूप सं अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त आधानयम क अधीन कर दम के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्थिय के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें में. उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री महेशकुमार कुरजीभाई कोटचा. फ्लंट नं० 7, कोटेचा टावर्स, कृष्णागर-9, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री रतीलाल छगनलाल पटेल, फ्लैट नं० 2-बी, कोर्डचा टायसं, र.मङ्ख्ण नगर⊶9, र.जकोट।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अजन क लिए जिए कार्यवाहियां करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अयिक्तरों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों सभाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्थिक्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र भी प्रकाशित की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भी हित-बद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी पार लिखित मी किए जा सके गे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जा उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

## अनुस्ची

पर्नेट नं० 2-त्री, कोटेच टात्रर्स, क्षेत्रफल 1606 वर्ग फीट, रामकृत्यातर, राजनोट, रजिस्ट्रेशन नं० 6422,18—10—84.

> की० के० पंडया ंकन प्राधिःगरी सहायक आयापर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−ा, अहमद्यस्य,द

त रीख ः 23—5—85ः **मोहर ≝** 

## प्रकप बाई.टी.एन.एस.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

## बारत सरकार

## .बिनिय, सहायक शायकर वायुक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाब, ह

अहमदाबाद, दिनाक 23 मई 1985

र्देण सं० पी० अ.र० नं०3698/अर्जन रेंज-I/23-86---यर, रजे, त्री० ने० पंत्रमा

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का है कि स्थावर मस्पीन, जिसका उचित बाजार मृत्य 0,000/- रहे. से अधिक है

् जनकी सं० पर्लंट नं० 5 जी, कोटेचा ट.वसँ है सथा जो कृष्ण गगर राजकोड में स्थात है (और इसते उग्नेब्स अनुसूची प्रोर पूर्ण गगर गजकोड में स्थात है) र जस्ट्राव्यविभाग व्यक्तिक कार्यालम, जाकाट में रजिस्ट्राव्यण अधानयम 1908 (1908 का 16) के अर्थान त्रांखा 18-10-1984

ा प्वाक्त सम्पास क उप्ति बाजार मृत्य सं कम के देश्यमान तिफल के लिए अतारत का गई है आर मुक्त यह विश्वास जरन का कारण है कि यथापूजाबत सम्पास का उप्ति बाजार ल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरका) और अत-रिता (अतारितिया) क बाच एस अतरण का लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालाखत उद्देश्य स उक्त अतरण लिखत म नास्तावक रूप स का च्या नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर दने के अन्तरक के दाायत्व म कमा करने या उससे वजन में सावधा कालए, सार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का किन्ह भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयाजनाथ अन्तरिसी व्यास प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अ लिए।

बत बब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ए के बनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क अधीम, जिल्लानिकत नाक्तियों, बचात :--- (1) श्री महेंग हुम र कुरकी साई कॉटेबा, फ्लैंट नं० 7 कोटेचे, ट.वर्स र.म कृणा कर-9 र.जकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री अध्यिन तंबकनान संघर्षाः श्रीमती शोसा अ.ध्वन संघ्वी, फ्लंट नं० 5-बी०, र.महुष्णतगर--9 र.जकोट।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड् भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्थान की तामील में 30 दिन की अवधि, पां भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में स किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मेम्पि में हितबबंध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि। में किए जा सकरा।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पतों का, को उक्त को भीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ हाना को उस अध्याय में विका नमा है।

#### BEREE

फ्लैट न० 5 बी० कोटेंचा ट वर्स र मकुष्णतगर, र जकोट, क्षेत्रक र 178 वर्ग यार्ड (1606 वर्ग फीट) रिजस्ट्रेगन न० 142 18-10-84

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी महत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज— अहमदत्यत्व

सारीज: 23-5-85

प्ररूप , बाइं.टी. एन . एस . -----

नागमर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुधना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्यत (निरीक्षण) अर्जन रेज--1, अहमवाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1985

निर्वेश सं० पी० अ.र० नं० 3699/अर्जन रेंज<math>-I/23-I/85-86--यत,

मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उपित गाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धीर जिसकी पं॰ फ्लैंट नं॰ 6-की कोटेंचा टावसे है तथा जो रामकृष्ण-नगर, र जहांट में स्थत हैं (धीर इससे उपाक अनुचूची में धीर पूर्ण बन से विगत हैं) रिजरट्रीकर्सा अधिव राक्षेत्र व में स्था, मैं र जस्ट्रीकरण अधि नयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीख 18-10-84

को प्रांचित संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाबत मणाल को अध्यामान प्रतिफल का पम्बह बिरयमान प्रतिफल का पम्बह बित्रवास कर के किए त्रामान प्रतिफल का पम्बह बित्रवास से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरित (जन्तरितयों) के बीच एमें जन्तरक (जन्तरकों) ते कर पात्र ग्रामा प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उस्त जन्तरण सिक्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्रामा हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को नानत, उक्त निध-बाधानयम के नधीन कर बाने के बन्तरक के वास्तर्व में केनी करने या उससे नचने में मुमिधा के निष्; नार/ना
- (क) एनी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कार बांधनियम, 1922 (1422 का 11) या उक्त बांधनियम, या धन-गण बांधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा क जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) -के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री महग्र कुंमार कुरजीकाई कोटेचा. फ्लैट नं० 7, कोटेच, ट.वर्स, र.मकुष्णकार शेरी नं० 9, राजकोट।
- (2) श्रीमती जीवीकेन कानजीमाई गोहीलः पर्लंट नं० 6-बी, कोटेच टावर्स, र.महृष्णनगर, गेरी नं० 9, र.जकोट ।

(अन्तर्ग

को बहु स्वान बारी करके पूर्वोक्स सम्पाम के अजन क कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी नाओप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन का अवाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां सूचना की तामील स 30 दिन को अवाध, जा जवाध बाद में समाप्त हाती हो, के भीत्र प्रवाद व्यक्तियों में स किसी स्यक्ति द्वाउ:
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक प्र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्वय किसी शन्य स्थावत द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पाक लिकित में किए वा सकर्य।

स्पष्टिकरण: इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त सीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

## जन्स्ची .

पर्लंड नं० 6-वी, क्षेत्रफल 1606 वर्ग फीट कोटेचा टावर्स, रामकृष्ण गर शेरी नं० 9, राजकोट में स्थित है रिजरिट्रेशन नं० 6420/18-10-84 १

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधक री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, अहमदानाव

त रीख: 23--5-85

प्रकथ बाइ' टी एन एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1.961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 23 मई 1985

निर्देश सं० पी० अ.र० नं० 3700/अर्जन रेंज→ /23-I/ 85-86-- तः

मुझे, जी० के० पंडया,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. क्षे अधिक है

स्रीर जिसकी सं एच पी विश्व समार में शेरी नं 34/36 है तथा जो जमीत 585 वंग यह मकान में स्थत है (स्रेर इससे उप बढ़ अनुप्री में प्रीर प्रग जप से विगत है), र जस्ट्रीन ती अधिक री के कर्यालय, र जकोट में रिजर्ट्रीन रण अधिनरम, 1908 (1908 का 16) के असीन तारीख 9-10-84

को पृषासत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के स्वयमान प्रानक्त के लिए अन्तरित की गर्द है और मझे यह विक्रमास करने का कारण है कि यथाप्त कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके स्वयमान प्रतिकाल में, एम स्वयमान प्रतिकाल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अनिरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए त्य पाया निया प्रतिकाल निम्निलिखत उददेश्य में उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त द्वीपनिष्ठम के बधीन कर दाने के अतरक के ब द्वीमत्य के कभी करने या उससे बचने में सुविधः के निएं शैंक/बा
- (ख) एंसी किसी अप या किसी धर्म या अन्य कास्त्यां का, जिन्हें भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सार्धाः अनकार अधिनियम, सार्धाः अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के, प्रसंजनार्थ, अंतरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था जिपानं के सुविधा के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 260-म के बनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपभारा (1) के क्योब जिन्निजित का किया, कर्मत:— (1) श्रीमती नम शबेन परसोत्तमद स् मिस्त्री, वृत्र भुगन, केनल रोड, राजकोट।

(अन्तरकः)

(2) श्रीदीपक श्रश्ती निष्माई महेता, शीतल शशीकांत्रकाई महेता, शेरी नं० 34/36, करनपरा, राजकोट ।

(अन्त रती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया-गया है।

## ग्रन् सूची

एच० पी० र जकोट में करनपरा शेरी नं० 34/36, जमीन झेंत्रफल 585 वर्ग य.ई + मकान, र जिस्ट्रेशन नं० 6199/ 9-10-84 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिव री सह यक अध्यक्तर अधुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज्—I, अहमदाबाद

तरीख : 23-5-85

प्ररूप गृहा. टी. एन एस .-----

बायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (।) के अधीन भूचना

भारत गिरकार

कार्यालय, सहायक जारकर बायक (निरक्षिण)

भर्नन रेंन⊢। अहमइ व द

अहमदाब द दिनोंक 23 मई 1985

निर्देग सं० पी० आर० नं० 3701 अर्जा रेंज-I 23-I/ 85-86-- यत: मुप्ते, जी० के० पंडय:

शायंकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26 अ-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रित जिस्या उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-ए से अधिक है

स्रीर जेपकी पं श्वितिडागर जाकीय में पर पायर्थित 660 है प्या जो गांधी बद्यालय के नावी ग्रीप्र गांभा केप्य ह उस में थिया है (स्रीर इसने उन बद्ध अपूर्णि में स्रोप्र पण रूप में विणित) र जिस्ही सर्वी अधिक री के अधीनय र जाकोट में रजिस्ही रण अधिनियस, 1908 (1908का 16) के अधीन तारीख 1-10 1984

को प्रविका सम्पत्ति के उचित बोजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को कि लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भार्यों, के बोच एसे इन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल के निम्नतिकित उद्दर्ध्य में उक्त अन्तर्भ लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क्न्ने अप्तरण से हुई किसी बाब को बाबत, उत्तर बिधिनियम के अधीन कर दाने के अत्तरक के दामित्व में कमी करने या उमेरों बचने में सुविधा के शिश्; सीद/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य पाल्दियों का, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अनुगिरी दहारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना चाहिए था छिपाने में मिविधा के लिए;

बत- बंब. उकत अधिनियम की धारा २६९-ग के जनसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीर। निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री नटवरल ल डी० मांबड 4/20, वज्यनगर, न.रतपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) सीटीजन को०-ग्रो० बैंक लिमिटेड, जब हर रोड, ज्यू बाली चौक, राजकोट-1।

(अन्तरती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पात क अर्जन के स्थित कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सचना के राजपत्र में पत्राधन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास निसंकत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उनेते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची,

बिल्डिंग र जकोट में पुर ना सर्वे नं० 660 जमीन क्षेत्रफल 355 वर्ग यर्ड मिक न गांधी हाई स्कूल श्रीर गैस्ट हाउस के नजदीक, राजस्ट्रेशन नं० 6049/1-10-84

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहयक अयकर अयु<sup>व्</sup>त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-<sup>1</sup>, अहमदाबाद ।

तारीख: 23-5-1985.

## प्ररूप बार्ड , टी. एन ; एस्.----

जामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक नायकर लामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांः 23 मई 1985

निदेश भंगपी० श्राराजनंग ३७०६-- अतः मुझे, जी० के० पंज्या

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० एच०पी० गाजकोटम गुजरी बाजार है तथा जी 1/10 दींचाननारा क्षेत्रफल 100.42 वर्ग मींटर में स्थित है (और इन्से उपायद्ध अनुमूची में और पूर्ण क्ष्म से विणत है); रिजिस्ट्री ति क्षित हो। रिण क्षित हो। रिजिस्ट्री ति क्षित हो। रिण क्षितिसम 1908(1908 का 16) के क्ष्मीन तारीख 1-10-85 को पूर्वोक्त, सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दूरवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हो और मुक्ते यह विश्वास करने की का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार उसके भवयमान प्रतिफल से एसे दूरवमान प्रतिफल का पम्मूह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योध्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी गांव की बाबत, उचक अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औं दोयित्स में कमी करने वा उससे बुचने में सुविधा के लिए: भार/मा
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चै सिए?

कतः अव, सकतं विधिनियमं की भारा 269-ग को विनेतरण वी, भी, उसतं किनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के विधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों का विधार १—— 39—136 OI|85

- (1) श्रीमती धनसुंघर वेन जगजीवन माई, श्री धीरजनाल जगजीतनमाई गेरी न० 38 प्रह्मादण्यांट, राजकोट। (अस्तरक)
- (2) श्री विनयकारत मोहनताल बोराया नवनचन्द्र एम बोरीया जयन्तीताल एम बोरीया 'राम भुवन' गेरीं नं० 36, प्रहलाद प्लॉट, राजकोट ।

(अन्तरिती)

की यह भूम चना जारी करके पूर्वोच्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप रे---

- (क) इस स्थान के राजध्य में प्रकाशन की तारील सें 45 किन की अवधि या तत्में तथी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्योंका व्यक्तियों में से किनी अविता द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उत्रत स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्साक्षरो को पास सिरियस में किए, जा सर्कोंगे।

स्वव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अतमची

एव॰ पी॰ राजफोरम गुजरी बाजार, 1/10 दिवातचरा क्षेत्रफल 100.42 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं॰ 6056/1-10-84

> डीं० के० पंडया मक्षम प्राक्षिकारी सहायक भागकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्नन रेंज-1 श्रह्मदाबाद

दिनांक : 23-5-85

मोहर

प्ररूप काही, टी, एन, एस , -------

बायफर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना भारत सरकार

कि।यानिय, सहायक नायकर भायूक्त (मिर्यक्षिण) धर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1985

निषेश सं० पी० मार नं० 3703—मतः मुझे, जे०के0 पंड्या,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

बौर जिंकी सं० एच० पीं० वांकानेर सिटीं में जिला रलाजकोट सीं० एस० नं० 1899 जमींन क्षेत्रफल 400 वर्ग मीटर मकान है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधनारी के वार्यालय, वांकानेर में रिजस्ट्री रण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 12-10-84

का पूर्वांकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम. के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निलिखतं उब्दोक्य से उक्त अन्तरण किसत में नास्तिक रूप से कंभित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी जाय की वाबत, उक्त ेजिंधिनियम के संधीन कर बंने के जन्तरण के वायित्व में कमी करने या खतते बचने में तृत्रिधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात (\*\*\*\* (1) श्री लालजी भाई जादवजी भाई पटेल, के/अं।० महेन्द्रा एक त्यांट इन्डस्ट्रीज भक्तिनगर स्टेशन प्लॉट, पटागीर मार्ग राजकोट-2

(श्रन्तर≭)

(2) श्री दिलीपकुमार व्रजलाल संघवीं सतीगकुमार व्रजलाल संघवीं, श्रारोग्या नगर, वाकानेर जिला-राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### प्रमुख पी

सकान मील्जत वांकानेर जिला-राजकोट जमीन क्षेत्रफल 400 वर्ग मीटर सी० एस० नं० 1899 णांट नं० 28, रजिस्ट्रेशन नं० 1471/12-10-84 ।

> जीं के पंडमा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, शहसदाबाद

विनोक : 23-5-85

## प्रकृष भाषे हो. एत्. एक्. ००००००

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की अभीन सुवना

भारत सरकार

## कार्यासम्, तद्यायक भागकर माध्यत (निर्याक्षण)

अर्जन रेज 1, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनोक 23 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3704—अत मुझे, जी० के० पंडया

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतये इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के मधीर तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उथित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुटंसे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1001, किसेंन्ट ''बी बिल्डिंग' में दसवां मंजला वार्ष्ट नं० 15, रेस कोसं रोड़, राजकोट है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 37 ईई फाईल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-10-1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उपित बाबार मून्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह्म प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिकित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निश्चित में बाक्त किक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बादश, सबस अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के खीवत्व जो कनी कुछने वा उसके बचने में सुविधा के किए; मुडि/वा
- (का) एरेती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यास प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, कियाने में बुविधा के किए है

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की बन्तरण मं, मं. उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभृति :--- (1) मैसर्स जे० एस० करपॅरिशन, के 48, इन्द्र नारायन रोड़, साताकुज (वेस्ट) बम्बई-54 ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स चेतन ट्रांसपोर्ट कंपनी, कें |ऑं राजीव माधवजीभाई, ग्रोडेदारा-भोजेश्वर प्लॉट पोरबंदर-360075 ।

(अन्तरिती)

का बढ़ स्वना बारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के बर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण ड---

- (कां) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर् स्वाना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को और अविश्व नाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकारिकार :--इसमें प्रयुक्त सन्तों और पद्यों का, को उक्क क्षितिसम के अध्याय 20 को परिभाविद्य हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस सध्याय में दिवा ववा है।

फ्लॅंट **म्** राजकोट में 1125 को फा**ई**ज

दिनांकः. **मोहर** ३ प्रकृषे बाह्रें, टी. एन. एस. ------

आयकर मीर्धनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन समान

#### **े भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक जायकर बाब्बत (निरीक्सण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमद।बाद दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० ने०३७०५--अतः मझेः जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1002 फिसेन्ट 'डी' बिल्डिंग है तथा जो दसवीं मंजला राजकोट रेसकोर्स रोड, पर स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अन्तूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ) रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी ये कार्यालय 37 ई ई फाइल मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीन , दिनांनः 22-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कमः के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित हाजार म्ल्य, उसके इंश्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशतः से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त अधि-विधिनियम को अभीन कर दोने के बन्तरक के बर्रीयत्य में कामी करने या उससे बचाने में मविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही विषया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा 🗱 भिए;

राजकवेट झेहाफल

म्ब्रसेट ''की विस्थित दस्तवों मणल।

ुब्त: गंग, उन्त श्रृष्टिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण ि हैं। अबत अधिनारमें की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षेत्रीन, निम्नतिर्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स जै० एस० कारेपीशन 18, इन्द्र न।रायन, रोड, गांसांफाज (बेस्ट) बम्बई-54:

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कांकीला धीरजलाल ठकरार 562, सक्षशिला, राजकोट।

(अन्तर्रती)

को यह स्वना जारी करके प्रवेकित सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्य :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकावन की शारीस से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थन। करी दामील से 30 दिन की जबींप, जो भी जबींप बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वाराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो अधितियम के जध्याय 20-क में गरिभाषिठ हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

## **मन्**स्घी

पलट नं 0 1002, फिसेट 'बी' बिल्डिंग दक्षवा मंजला रसकी सं राड, राजकोट में क्षेत्रफल 1450 वर्गफीट फार्म नं० 37 ईई दिनांक 22-1-1984 की फाइन किया ।

> जी० के० पंडू यक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर धायका (निरीक्षण) अर्जन रंज-। अहमदाबाद

दिनांक : 13-5-1985

प्ररूप आहाँ टी एन एस . --

# मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के सभीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1985

निदेश सं०पी० अध्य० न० 3706,-1,85-86 श्रप्तः मझे जी०के० पंडया,

गायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधिक ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपिन बामार मृह्य 1,00,000/-छ. से अधिक ही

अंग जिन्नकी तं प्रनिट शिष्पी एस 21, एफ पी 247, है तथा जो देवपथ को अो पोतायदी फरेट बी-8 में ियत है (और इस ने उपगढ़ अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से बणित) पित्रही अधिकारी के वार्यालय अहमदाबाद में रिजिक्ट्री करण अधिनियम 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख 13-10-1984

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्यं से कम के इदवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विकास करने का कारण है कि इथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नेन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकास में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यामित्य में कनी करने या उससे क्याने में नृतिभा के मिए; बार्ड/बा
- (क) एका किसी आय या किसी भन अन्य आजियां की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थ्या था भा किया जाना वाहिए था छिपाने में मुक्थि। के लिए;

लतः वन, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उबत आधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती कलावती प्रेसदेवी चन्द गाँयल, बी-8, चंद्रगुष्ता अपार्टमेंट, श्रदानम्द मार्कीट के पीछे, श्रोववाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीसती णारदादेघी दुलीचन्द अग्रवाल के श्रीक श्रीतुल फेब्रीक्स मिरुस, 212, न्यू मलाध मार्कीट, अहमदाबाद।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हा।

दक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ध अधिनयम, के अध्याय 20-क भे परिभाषिष्ट हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिए। नया हैं।

अनुसूची -

फ्लैंट टी० पी० एस० 21, एफ० पी० 247, देवपथ को० ग्रो० सीसायटी रजिस्ट्रेशन नं० 14601,-13-10 1984

> जी० के० पंडया असम प्राधिकारी महायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

निनांक · 20--5--985

माहर :

प्रकृप आहाँ . टी . एव . एस . -----

पायकर ग्रक्षिति म, 1851 (1961 का 43) की घारा 20% म(1) के अधीत सुमता

मार्ट भरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्देशक)

अर्जन र्ज-।,

होन्डलूम हाउस, अहमदाबाद

होन्डल्म हाउस, अहमदाबाद

निद्धां नं. पी. आर. नं, 3707/23-1/85-86--अतः मुझे, जी. के. पंड्या,

बावकर की भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परेषात् 'उक्त -अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का फारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लेट दरीयाप्र काजीपुर, राषीका अपार्टमेन्ट है, तथा फ्लेट नं. 17, शाहिबाग, अहमावाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि मों और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहम्भवाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-10-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त क्तरण निश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक से गायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा से सिए; औड़/बा
- (थ) देशी किसी जाव वा किसी वन वा अन्य वास्तियों करे, विन्द्रे भारतीय वाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ कर्सारती ब्वारा प्रकट नहीं किया हमा था या किया वाना वाहिए था, जियाने में स्विभा के लिए;

कर: रूप, उक्त अभिनियम की धारा 269-न को अनुसरण मं, मे, राक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्थिक्तियों, अधीक है—  श्रीमती तेजाबेन भीमराज केमता, बी/7, रुजीका अपार्टमोन्ट, शाहीबाग, अहमदाबाव।

(अन्तरक)

 श्री देवरचंद छगनराज—अंच. मृ. अंफ., वी/७, राजीका अपार्टमेन्ट, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के शिल्ह कार्यमाहियां करता हु।

उनत सम्मित को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब बें
  45 विन की जनभि या तरसम्बन्धी क्यांतरम्यों इस
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी
  क्विथ बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोंक्य
  स्मृतिसम् में वे किसी व्यक्तियु ब्रास्तः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति क्वारा सभाक्षताकड़ी के बाई विश्व में किए का बक्तें हैं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया वश्र हैं।

#### अनुसुची

पर्लंट दरीयापूर-काजीपूर में टी. पी. अंस.-8, अंफ पी. 49/1, रापीका अपार्ट मेंन्ट में बी-7, पर्लंट, शाहीबाग, अहमवाबाद, रिजस्ट्रोशन नं 14921/18-10-841

जी. के. पंड्या सक्षम पाधिकारी 'सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

नारीख : 20-5-1985

माहर

प्रकृष् कार्षः, दौ. एन., एवं......

## बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याचय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, महमदाबाद

म्महमदाबाद, दिनाक 20 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3708/श्रर्जन रेंज-1 23-I, 85-86--श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 260-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण ह कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित नाजार मुन्द 1.00.,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैट दिखापुर काजीपुर में टींव पीव एसव 8, एफव्यीव 48-49 है तथा को फ्लैट जीव/एफ/1, ख्यीका अपार्टमेंट, शाहीबाग ग्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रद्धिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रद्धिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रद्धीन तारीख 3-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान मौत्याल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विद्यास करने का कोरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्ननिचित उद्देश्य से उच्ते अंतरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) क्लरण वे हुई फिली नाव की वावस , उक्त विभिन्नित के क्षीन आह दोने के कल्दरफ के वाजित्य में कभी कर्ने या उन्ने वच्चे में इतिथा से निष्; कडिं/ना
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के सिहर;

जत: जब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, क्यारि हिन्स (1) श्रीमती गोमती देवी स्थाम सुन्दर अभवाल है के o/ओ० जी/एफ/1, रुपीका श्रपार्टमेंट, णाहीजाग ,श्रहमदीबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी प्रकाशमल पर्लेट नं० जी०/एफ/1, स्पीका अपार्टमेंट, शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी काक्षेप 🕻

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींस वें 45 दिन की अविध मां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाथ तिबित में किए का सकरेंगे।

त्वस्तीक्षरणः ---इसमें प्रयुक्त कान्यों और पवाँ का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्ष होगा, को उस अध्यास में दिया वस हैं।

#### क्षपं

पर्संट दरियापुर काओपुर, में टी० पी० एस० 8, एप० पी० 48-49 पर्संट जी/एप/1, रजिस्ट्रेणन नं० 14210/3-10-1984।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, शहमवाबाद

विनोक : 20~5-85

बोहुद् ३

## प्रकथ् बाह्रं, टी. एन. एक..-

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अगरा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयगर जावृक्त (निधिखन)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 मई 1985

· निदेश सं० पी० भार० नं० 3709/श्रर्जन रेंज-1 23- I 85-86--श्रतः मुझे जी० के० पंडया

बाद हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, फिसका उषित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० भौप भेखपर खानपूर एप, पी० 101, सब-प्लाट नं० 1 है तथा को शौप नं० 22, हर्रासध चेम्बर्स श्राक्षम रोड़, श्रहमदाबद में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 3-10-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि रुधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रति-फान निम्नीलिक्षित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक इस्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निषम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सविधा के लिए: गौर/मा
- (\*) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की 🤨 प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मत: नम, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियाँ, वर्भात् :---

(1) श्री बीलाम शय रामिकणन दास 2, द्रामरीश सोसायटी, रानीय ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गीताबेन शंकरलाल नानापटी 🕖 💶 5, तलीयाकी पोल, रंगलाकेरी के सामने, सारगपूर, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिकी)

क्यों यह सूचना बारी करके पुना विता सम्मातित के नर्धन के निष् कार्यवाहियां घुरः करता हुं।

## ष्ट्रमत् सन्या तत के मर्चन के सम्मान्य में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की वनीं मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत न्यन्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राअपन में प्रकाशन की तारीख है 45 विष के भारतर उमत स्थावर गंपरित में ।हार्थ-बब्ब किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए का सकती।

स्पर्काकरण:--इसमें प्रमुक्त शम्बों बीर पर्वो का, जो उक्का अधिनियम के अध्याय 20-क में भरिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया नवा है।

शोप केखपुर खानपुर में ए० भी० एस० 3, एफ० भी० 101, शोप नं० 22 हर्रासव चेम्बर्भ ग्राध्नम रोड, रजिस्टेशन Ho 14237/3-10-1984

> जीव केव पंडमा सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर अव्यक्त (लगोक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

विनांक : 20-5-1985

मोहर 🗧

## प्रकृष कार्यं,टी.एव.ूएस. अव्यवन्यवन्यवन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### RIST STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1985

बावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन बोयल सीम में सर्वे नं० 275-5 हैं तथा जो ब्लाक नं० 363 ग्रानन्द बुचा को० ओ० सोसायटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्स संपरित के उपनित बानार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विष्याय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार प्रदूष्ट्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उद्धत अन्तरण दिखत में वास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बीयत्थ मी कमी करने या उसमें अभने मो मृदिया के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्ररोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के थिए:

(1) श्री मनीलाल छगन लाल पटेल गांव कोयल, तालुका दस कोर, जिला जहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रानन्द कृपा को० ओ० सोसायटी के० ओ० श्री ग्रात्माराम कालादास पटेल ग्रानिरुद्ध को० ओ० सोसायटी किरनपार्क, वाइज, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में जिस् जा सकेंगे।

े स्पष्टीकरण : इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं॥

## धन्युची

जभीन बोयल मीम में सर्वे नं० 275-5, ब्लाक नं० 363, रजिम्द्रेशन नं० 14776/16-10=1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक अग्राकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 20-5-1985 /

प्रस्पः बादः टो. एन. एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक शायकर गावृक्त (नि. विकार)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1985

निदेश सं० ११० ग्रार० नं० 3711/ग्रर्जन रेंज-1, 23-1/ 85-86--ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का इंटरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाधार मृत्य 1,00,000 - रु. से अधिक है

और जिसकी सं राजपुर हीरपुर सीमा सर्वे न 100 है तथा जो सब-प्लाट न 27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-10 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तर्य के लिए तय शाया गया प्रतिफल न, निम्नितियों उद्देश से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ह-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किभिनियम के अभीत कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय टा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्ति में, अर्थात :-- (1) श्री डाह्या भाई-डोसाभाई महेता के बो पादीजनक सोसायटी, जैन मरचेंट सोसायटी के नजदीक ग्रानन्द नगर, पार्वडी, ग्रहमदाबाद-7।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीचन्द रामदास लुल्ला जिक्कानदास एल० लुल्ला मालतीबेन किशनदास लुल्ला नेताजीनगर, मनीनगार, ग्रहमदाबाद ग्राफिस सेंकड फ्लोर, मानकचौक, ग्रहमदबाद-2।

(ग्रन्तियती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए-

- (क) इस स्वयु के सामक में प्रकार्यन की तारीय से 45 दिन की जनिंध या तत्स्वीधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्सूस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के किस का सकने।

स्पष्टीकर्णः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा है।

#### वनवर्ष

मिलकत राजपुर हीरपुर सीमा में सर्वे नं 100। सब प्लाट नं 27।

जी० के० पंडेया कि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 20-5-1985

मोहर

## प्रकृष बाहु । हो । हुन । हुन ---

कावकार ग्भिनियम्, 1961 (1961 का 43) कर्षे भारा 269-भ (1) के मुभीन सुभूना

#### mid Birth

कार्यासय, सहायक नायकर सायुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1985

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० 3712/श्रर्जन रेज-1/23-1/85-86— यतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मील्कत वाडज में टी० पी० एस० 28, एफ० पी० 13/41 है तथा जो ताराकूंज सोसायटी में नवा वाडज, श्रहमताबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ गह दिश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल के विषय से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कम से करियत नहीं किया गया है है—

- (अ) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उबस वीधनियम के मुधीप कुछ दोने के अन्तरक के शाक्ष्य को कभी कड़ने वा उन्नते बाबने के बुरियमा की तिछ; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विश्वित्यम, या धन-कर विश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, छिवाने में बुविधा के किया

भारा अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीत, निम्मृतिखित व्यवित्तयों,, अधात क्र—

- (1) श्रोननी जीयतीयेन हरीनात प्रजापती पी० श्रो० धमामना, तालुका कलील, जिला महेसाना (उ० गु०)
- (2) सोमाभाई मगननाल प्रजापती 29, तारक कूंज सोशायटी, नवा वाडज, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

की नह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन की जिल्ला कार्यवारिक्षां करता हुए।

उनत राज्यति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप प्र--

- (क) इस स्थान को राजपत्र को अकाशन की तारीख खें 45 दिन की अविधि का तरसम्बन्धा व्यक्तियां पद नृष्या की ताबील से 30 दिन की अविधि, को बी अविधि कार के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्द कराजकाता को किया कर है है।
- (ब) इस स्पना के राष्ट्रिय में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति हुनारा, अधोहस्ताश्वरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वक्षीकरण "---इसमें प्रमुक्त कक्षों लिर पद्धों का व उपन्त अभिनियम के जध्याय 20-क में धीर-भाषित है, यही कर्य होगा को उस अध्याब में दिया गया है।

## बन्स्की

मील्कत वाडज चें टी० पी० एस० 28, सर्वे नं०  $312|\nabla|1;$  एफ० पी० 13|4|1 एस० पी० 29, रजिस्ट्रेशन नं० 14902|18-10-1984

जी० के० पंडया पक्षम प्राधिकारी क्षहायक ग्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) ग्रजन रेंज- , श्रहमदाबाद

दिनांक: 20-5-1985

मोह्य 🏻

प्ररुषु वाहै की, एन, एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूज्वना

भारत तरकार

नार्यासव, सहावक आमकर आयुक्त (निहासक)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहम्दाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 20 मई 1985

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 3713/श्रर्जन रेंज-<math>1/23-1/85-86—यतः, मुझे, जी० के० पंड्या,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित 'बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लैंट कोचरब में सीम है तथा जो जनणान्ती फ्लैंट बी-4, श्रह्मदाबाद में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-10-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के इहयजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इत्यज्ञान प्रतिफल में, उन्नु इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बानत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर, दोने के अन्तरक के दायित्य में कृमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः जन, उनत जीभीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत जीधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधान, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सरोजबेन बाबूभाई शाह, रीकोपान' दर्शन सोसायटी, सरदार पटेल स्टेडियम के नजबीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(भन्तरक)

(2) डा॰ उमींश भाई एव॰ चुडगर नीमीशभाई एव॰ चुडगर, सी/1, जनशान्ती फ्लैटस, प्रोतमनगर पहला ढाल, एलिसक्रिज, ग्रहमदाबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्कूबना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन केरी संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध कि की जन्म स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि वित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकर्गः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिक्स, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट कोचरब सीम में जनशान्ती फ्लैंट्स, बी-एन॰ रिजस्ट्रेशन नं० 14591/12-10-84

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज—I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 20-5-1985

माहर 🖫

## प्रकल् बार्ड, डी. युव, एड., न्त्रक

## नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाख़ 269-क (1) के मधीन स्वना

#### भारत अरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1985

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 3714/ग्रर्जन रेंज--1, 23-1/85-86---यतः मूझे, जी० के० पंडया,

जामकर् अंभिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचान 'उक्त अभिनिसम' कक्ष गमा है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, चितका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रुर जिसकी सं० राजपृर हीरपुर टी० पी० एम० 4, एफ० पी० 54 है तथा जो द्वारकेण अपार्टमेंट फ्लैट नं० 1, भनीनगर अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिक्टिशेक्ति अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजर्ट्रकरण अधितियम, 1908 (1908 का का 16) के अधोन तारीख़ 8→10→1984

को पूर्वा अत संपत्ति के उधिष्ठ बाजार मूल्य से कम के अवधान श्रीतफल के लिए अंतरित की नई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का जारण हैं कि यथापूर्वोचत संपत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल के एके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से विभिक्ष हैं और वन्तरक (अन्तरका) और वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतुफल, निस्नुविधिष्ठ अध्योकों दे उच्च वन्तर्थ किविद्य में वास्तिविक रूप से कथिल नहीं किया गया है है—

- (फ) बन्तारण वे हुए किसी बान की बानता, बन्न अभिनित्त में नवीप कर वार्ष के बन्दारक में क्रिया में क्यों करने वा क्यों क्यमें में दुविना के लिए। मीर/वा
- (क) एरेडी किसी भाग वा किसी पन वा बल्प वास्तियों ।
  को विद्रहें भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, वा वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
  प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया
  वा वा किया जाना बाहिए था, जिपाये में सुनिया
  विकास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के शन्भरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तिकों के अधीन के स्व

- (1) 1. श्री शतुघन पेशुमल खेतवानी,
  - किवता शतुष्रन खेतवानी
     गुरुकिया इलेक्ट्रीकल्म,
     कल्यान चेम्बर्स शोप नं० 2,
     न्यु गेट रोड, खाडीया, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री ब्रिजलाल गोकलदास लालचन्दानी
  - 2. पूनम बी लालचन्दानी,
  - हारकेश श्रपार्टमेंट, सरदार पटेल अस्पताल के नजदीक, रामबाग, मनीनगर, श्रहमहाबाद।

(भ्रन्तरिती)

का वह बुचवा जारी करके पूर्वोवत् बृज्यति के अर्थन् के जिल्ल कार्ववाहियां करता हुं।

बन्द राज्यति से अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र है---

- (क) इस सूचना के रायप्त्र में प्रकासन की तारीक कें 45 दिन की सर्वाच या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी सर्वाध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी कार्वित बुवाब;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के जीवर उनके स्थावर कम्मित में हितवस्थ किया जनके स्थाप में किया के शस निर्मित में निरम् का स्कोंने ।

स्याधिकर्ष :--- इत्तर्भे प्रयुक्त कर्षों वृद्धि कृषों कर हो अवस्य अधिनियम के मध्याय 20-क में परिशाहित्य ही, यही क्ष्ये होगा की उद्युक्ताय में दिखा कृषा ही ॥

## **प्र**नुसूची

मीरकत टी० पी० एस० ४, एफ० पी० 54-55, पर्लैट द्वारकेण श्रवाटेमेंट में मनीनगर, श्रह्मवाबाद, रजिस्ट्रेशन नं० 14296/8-10-1984

> जी० के० पं**ड्या** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-I,सहमदाबाद .

दिनांक : 20-5-1985

माहर 💈

प्ररूप बाह्र ुटी ुपुन्, पुस्तु ≥ ≥ ≥

हायकड़, विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### 

## कार्यसम, बहु।यक मामकर मामुक्त (निहुक्तिक)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं०, 3715/श्रर्जन रेंज-I, 23-I/ 84-85—यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

नावकर निर्मानयम 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसमें वर्षात् 'उक्त निर्मानयम' नहा गया हैं), की कारा 269-च के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को, यह निर्मास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट टी० पी० एस० 4, ग्रानन्द अपार्टमेंट है तथा जो भैरवनाथ रोड़ मनीमगर में स्थित है, (ग्रीर इसमे उपावड भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाध में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 22-10-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य ते सका के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है

कि यथा प्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिवित उन्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्त्रिक रूप हो कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धरण के हुन्दे किसी बाव की बाब्द , उथस ब्रीक्टियम की बचीय कर बोने के बन्सहरू हो खनिएक में कभी करने वा अवसे बचने में ब्रीक्या को श्रिष्ठ; ब्रीडि/का
- (क) एसी किसी नाप मा किसी भन या अस्य नास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिनयम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तिस्ती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, कियाने में सूविधर, के जिल्हा,

कतः अव, उक्त मधिनियमं की धारा 269-गं के बन्सरण में. में, उक्त मधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के नभीन, निकालिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह-

- (1) श्रीमती जमना देवी फतुमल फुलमानी, 36, एम० श्राई० जी० कालोनी, न्यु माह गंज, श्रागरा (यू० पी०)।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रतनचन्द नानुमल चीमनानी, ग्रशोक मेन्शन, फालूपुर कोटनी रांग, श्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन हैं [सप् कार्यवाहियाँ करता हूं

दक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेत्र 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तासील से 30 दिन की बर्बीभ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाक लिकित में किए जा सकेंगे।

## अनुसूची

फ्लैट टी० पी० एस० 4 ,एफ० पी० 50, आनन्द अपार्टमेंट, भैरवनाथ रोड, मनीनगर, रजिस्ट्रेशन नं० 15293/22-10-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन् रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 20-5-1985

मोहर 🛭

## प्ररूप आर्थः दी. एन . एस . -------

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

'श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदावाद, दिवांक 10 मई 1985

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 3716/ग्रर्जन रेंज-1/23-1/84-85—श्रतः मङ्गे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकास 'उकः अधितियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- ं. से अधिक हैं
शौर जिसकी सं टी पी एम 3, एफ पी 210 211
गन-प्लाट है तथा जो नं 4, सम्भना मोमायटी स्टेडियम
रोड़, नवरंगपुरा श्रहमदाबाद में स्थिन हैं (और इससे उपाबढ़
श्रनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणिन हैं) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी
के दार्यापय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908
(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-10-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के स्र्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूमें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्र्यमान प्रतिफल के पंत्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरितीं
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण तिस्ति में वास्तिक

रूप से कथित नहीं किया गया है ए---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया ा या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् (1) श्री स्वरमाई जगीनदारा पटवा बी० नं० 25, चद्रोदय सीमायदी, स्टेडियम रोड़, अहमदाबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री जयश्रीवेन नवीनभाई सोनी बी० नं० 24, साधना सोनायटी, स्टेडियम रोड़, ब्रह्मदाबाद ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के किए कार्ववाहियां करता हूं।

उपस संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप हरू

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बन्धि। जो भी अविध् वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर एंपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

राष्ट्रीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

मीलकम न० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 210+211 सब प्लाट नं० 4. साधना सीलाखटी में अहमदाबाद-14

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 10-5-1985

## प्रकप काइ . दी. एन . एस . ------

बाबकत क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 289-व (1) के अभीन क्षाना

#### भारत सरकार

## कार्यासम्, सञ्जनक नायकार नायकत (निरक्षिण)

धर्जन रंज, ग्रहमदाबाद

महमदाबोव, दिनांक 21 मई 1985

निदेश में पी० ब्रार् नं 3717/ब्रर्जन रेंज-1/23-1/84-85--ब्रतः मुझे, जी० के० पंडया

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उज्जत अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वसस करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घाटलोडिया सीम सर्वे नं० 16 है तथा जो कर्मचारी नगर को० श्रो० सोसायटी बी० नं० ए-41 में हिपत है (श्रीर इसरो उपाइद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से १ बिणन है) रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजर्स्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 10-10-1984

को न्वीयम सम्मित के उचित्र मानार मुख्य में कम के दरमनान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसकी क्यमान प्रतिकल से एसे दरममान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और म्यानिकी (यन्तरितयों) के बीच एसे मन्त्ररण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाव की बावता, उनता विचित्रक को अभीत कर दोने के अन्तरक को वाजित्य में कभी करने या उससे यचने में सुविधा को सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्वरिती इवास प्रकट नहीं किया न्या था या किया जाना वाहिए था. कियाने में स्विभा के नियंश

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उभधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री प्रतापं चन्द बालभाई देगाई ए-41, कर्मचारी नगर सोसायटी, घाटलोडिया, ग्रहमदाबाद ।

(अन्सर्

(2) श्री गुलशन कुमार सरदारी लाल 47, न्यु कलाथ मार्कीट, रायपुर दरवाजा बाजार, स्रह्मदाबाद ।

(अल्तरिती)

को पह सूचना जारी शरके पूर्वोक्स संपरित के वर्चन के छि कार्यवाहियां सूक करता हुं।

## प्रवद्य स्वादित को वर्णन को सन्वन्ध में कोई भी अलाप:---

- (क) इस स्वान के समयत में प्रकाशन की तहरीय है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी समीध नद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वोक्छ विकशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इक स्थान के पालना मों प्रकाशन की राशील के 45 दिन के भीतर उपत स्थानर सम्पत्ति मों हिस्सब्ध किसी मृत्य व्यक्ति द्वारा अवाहत्सानरी के एक जिक्कि मों किस या बकोंगे

स्पर्काकरण हे— इसमें प्रवृत्तक कत्नां बहैर पको का, को स्पेत मीवनियम के कथ्याय 20-क में परिशामिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### BIRTHE

मीरकत नं० घाटलोडिया सीमा सर्वे नं० 16,, ब्लाक ए-41, रजिस्ट्रेणन नं० 14451/10-10/1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 21~5-1985

प्रकथ बाद् . टी , एन , एस , --------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचता

#### भारत सरकार

कार्यालय, म**हायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबदा, दिनांक 23 मई 1985

निर्देश सं० पी० भार० नं० 3718/ग्रर्जन रेंज-1, 23-1/84-85--म्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उन्कर अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संशोध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं एच । पी । जूनागढ़ एम । जी । रोड़ है तथा जो क्षेत्रफल 687 वर्गमीटर मकान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 12-10-1984 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के ध्वयमाम श्रीतफस के तिए अन्तरित की गर्व है और मूं यह विश्वास करारे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य से कम के ध्वयमाम श्रीतफस के तिए अन्तरित की गर्व है और मूं यह विश्वास करारे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसके ध्वयमान प्रतिफस है और अंतरक (अंतरका) बीर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उत्वर्ष से खनत जंतरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है-

- कि) जन्मरण से हुई किसी आस की बाबस, सक्त जिथितिसम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बासित्य में कमी करने या उक्कसे नचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (छ) एँसी किसी भाव का किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिन्ने में श्विभा के लिए;

(1) श्री हरगोविन्द रंगनाथ राना, '
(एच० यु० एफ० के कर्ता)
राजा स्रोग्य मित्य,
यूनुफ मकेश्यली रंडि, बम्बई
चिन्रंजन रंगनाथ राजा
पांच गाटडी जूनागढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) जूनागढ़ विभागे,य सागरिक सप्कारी बैंक लिखिटेंड जबाहर रोड़, जूनागढ़।

(श्रन्तरिती)

(3) पांच भागवन के हिम्में में श्री चन्द्रकान नर्शमहभाई ग्रीर श्रत्य धनजारा चीक एम० जी० रोड़, जूनागढ़।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिनोग में सम्पति है)

को यह सूचना अपनी कारक पृत्रक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के कर्जन के संबंध में कोड भी बाक्षेप :---

- (%) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकांगे।

स्वक्षकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.

#### वनस्था

एव० पी० जूनागढ़ में एम० जी० रोड़ पर क्षेत्रफल स्वौर पावर हाउन के बाजू में जमीन क्षेत्रफल 687 वर्गमीटर मकान सनद नं० 55/96, 23/82, 11/85 स्थार 153/96, रजिस्ट्रेशन नं० 973/12/10/84।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 25-5-1985

## प्ररूप बाइ . टी. एव. एस.,----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3719/अर्जन रेंज-1, 23-1/84-85-अतः सुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

सौर जिसकी सं० एच० ती० गोप चोकसी बाजार में मांडकी है तथा जो चोक के नजदीक जूनागढ़ सनद नं० 291/95 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधी तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मिति के उपित बाबार मूस्य से काम के क्रयजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकात से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकास, जिस्लीकिक सब्देख से उसके अन्तरण निवित्त में वास्तिक करा से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के वभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य अग्रेस्टा को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रवाट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के लिए;

मतः जन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्री चन्द्रकान्त जैठालाल पारेख सुरेशचंद्र जेठालाल पारेख, के०श्रों० मेसर्स पारेख जेठालाल रामचन्द चेकसीग जार, जूनागढ़।

(श्रन्तरक)

(2) जूनागढ़ कर्माशयल को० ग्री० बौक लि० . शराफ बाजार, जुनागःः।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियों कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में काहि भी शाक्षप :--- ५

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के दाचपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशासी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्थळीक,रण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, वो उसत अभिनियम से अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### शमसची

शोप चोकसी बाजार में मांड की चोक के नजदीक सनद नं॰ 291/95 क्षेत्रफल 57 वर्गमीटर रजिस्ट्रेशन नं॰ 2228/ 20-10-1984

> जी० कें जिल्ला कें कि स्थान प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षण), भ्रजन रेंज-1, सहमदाबाद

दिनांक : 23-5-1985

प्रकृष आह्" टी. एन . एस .....

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासम्, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वेक्ण)

ग्रर्जन रेज-1 ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 23 मई 1985

ायकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एक पश्चार 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की नारा 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० जूनागढ़ तालुक गांव पलासावा में एन० ए० जमीन है तथा जो 48 क्षेत्रफल 5 एक ह 16 गुंठा में स्थित है (और इससे उपावद्ध स्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है )रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5~10-1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ट से कम के स्वयंवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ग्या गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण के लिए

- (क) जन्तरण से हुव किसी आय की बाबत उकत करिंग-नियम के जधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उबसे वचने में सविधा के सिए; कोड/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जासित को , जिन्हें भारतीय नामकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर जीधनित्रम, या बन्न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निय:

बतः वन, उक्त वीधनियम की धारा 269-न में बन्दर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री गोकलभाई सोमाभाई धावलिया गांव पालमावा तालुका-जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) गिरीराज सीमेंट एन्ड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड डायरेक्टर-गोविन्दलाल एन० परमार भुलाभार देशाई रोड़ वस्बई

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन को सिए कार्यमाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 4.5 दिन की मंत्रीध या तटत्रमानधी व्यक्तियों पर सूचनर की तामील से 30 दिन की मंत्रीध, जो भी जबदि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में हो किसी क्यक्ति हुनास;
- (क) इस मुखना के राजवन में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी जन्म स्थित इतारा मधोहस्ताक्षरी के तास-ितिकत में किस्

स्वकाकिरण:--इसमें प्रयुक्त कार्यों और एवा का, जो उनक अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, मही अर्थ होगा को उस अध्याय में किया क्या ही।

#### वनुसूची

एन० ए० जमीन गांव पालासावा में सर्वे नं० 48 पैंकी क्षेत्रफल 5 एकड़ 16 गुठा (तालुका जूनागढ़) रजिस्ट्रेशन नं० 20523/5-10-1984

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1 ग्रहमदाबाव

दिनांक : 23-5-1985

प्ररूप शाइ. टी. एन. एस. ----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुबना

#### नारत तरकार

## कानीनन, तहायक नामकार नामका (निरीक्तन)

ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 23 मई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3721/ग्रर्जन रेंज-1/23-1/ 84-85---श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या

णायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सज्जाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीन प्लाट नं० 2 जामपुरी एस्टेट में प्रताप विलास पेलेस के सामने जामनगर सी० टी० नं० 1/जी/14 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याज्य जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रीवित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन 37 ईई दिनांक 21-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जावत बाजार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिल्ला बाजार मूल्य, नमले वश्यमान प्रतिफल के प्रति अत्वादक प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, जिल्ला के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, जिल्ला के स्वादक के स्वादक के अधिक से अस्तरित के अधिक से अस्तरित के अधिक तहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त जीपीशयम के जभीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्य में कमी करर अ उससे बचने में सुविधा के निष्; जीर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुलिया वे सिए;

अत: जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री डीलय राय पी० प्रेमानी कै०ग्रो० डोलरराय प्रेमराय एन्ड कंपनी ग्रेरन मार्कीट जामनगर

(ग्रन्तरक)

(2) प्रीती इन्टरप्राईसेज बन्यकातेण चम्बर धर्ड फ्लोर रूम नं० 12 प्रेमकोट रोड़ सम्बई-400001

(ग्रस्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त संपर्वत के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेरू हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकर्ने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा भो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जसमची

जमीन प्लाट नं 2 पर जामपुरी एस्टेंट में सी 6 एस 6 नं 6 1/<math>3ी/4 जामनगर 37 ईई दिनांक 21-9-84 को खारज किया 6

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

दिनांक : 23-5-1985

# प्ररूप भार्चः टी., एम. एस., =======

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनोक्त 23 भई 1985

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 3722/ग्रर्जन रेंज-1 23-1/ 84-85--श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीण जिसकी संव जमीन कृष्णा नगर प्लाट 1790 ए है तथा , जो संप्रधाण नगर भावतगर में स्थित है (श्रीण इससे उपावद श्रनुस्ची में श्रीण पूर्ण रूप से विष्ति है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीमकारों के कार्यालय भावतगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीमियम 1908 (1908 का 16) के श्रीमित तार्याख 5-10-1984 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पश्चे प्रतिकात से अधिक है और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच एसे अंतरित की कार्य पाया प्राप्ति के प्रतिकात से अधिक है और अंतरितीं (अंतरितींं) के बीच एसे अंतरित के स्वाप्त स्वाप्ति का प्रतिकात से अधिक है और अंतरितीं (अंतरितींंं) के बीच एसे अंतरित की स्वाप्त से सामान प्रतिकात से सामान प्रतिकात से अधिक है सोर अंतरितींं (अंतरितींंंं) के बीच एसे अंतरित की स्वाप्त से सामान स्वाप्त स्

रूप से कथित नहीं किया गया है 🦫

- (क) बन्धडल के हुइं किसी बाब की बाबत, उसक वांशितिबम को बनीन कड़ बने के बन्धडक के बाबित्स में कमी कड़ने वा अससे बुझने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) होती काल वा किसी भग वा बन्ध आस्तियां का बिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनक निभिनियम, बा धनकार निभिनियम, वा धनकार निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

कतः कवः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-गं क अनुसरणं में, में. उक्त विधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः— (1) श्री पोपटलाल नानचंद गाह के०श्रो० लक्ष्मी साईकिल कंपनी बेरावटी हाल, कंषम्बटूर.

(अन्तरक)

(2) श्री अभर चन्द्र पी० मंगलानी पिन्की को० श्री० संायदी प्लाट नं० 1790ए सरदार नगर भावनगर।

(भ्रन्तरिती)

# को सह कुम्मा आएी कुरके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के बर्बन के विश् कार्यवाहियां करता हूं।

### जनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में सोई भी शाक्षेत्र---

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाग;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्थायर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकने।

स्थव्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्धों औड पदों का, जो उसते अभिनियस, के अध्याय 20-क में परिभावित किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मया है।

### वन्तुवर्ग

. जमीन प्लाट नं० 1790ए भाषनगर में सरदारनगर रिजस्ट्रेणन नं० 3366/5 - 10 - 1984

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 ग्रहमदासाद

दिनांक : 23-5-1985

मोहर 🛚

प्रकप बार्व ु टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यां नय, तहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 23 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3723/ग्रर्जन रेंज-1 23/1

84-85--श्रतः मुझे, जी० कें। पंडया, जागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बालाद शूक्त

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्रीर जिसकी सं० मील्कत प्लाट नं० 42 बी/1 वाघवाडी रोड है तथो जो भावनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित के शस्तिवक रूप सं कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरन् सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त विभिनियस के बधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्व में कमी कंदने या उससे न्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एस किसी बाब का किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्हाने में सुविधा के लिए;

बंतः अंग, उक्त विधिनियम की भारा 2'69-ग की, बनुसरण् भी, मी, उक्त विधिनियम की भारा 2'69-थ की उपभारा (1) को बंधीन, निम्नलिखिल ध्यक्तित्यों, वर्धात् ः— (1) श्री रमेशचन्द सोमचन्द शाह कुमुमबेन सी० वारा श्रीमती ज्योतिबेन चिमनलाल दवे श्रादित्यं पलैट वाघलाडी रोड भावनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) हंसाबेन भनीलाल बक्शी प्लाट नं० 42बी/1, बाघवाडी रोड के पीछे, भावनगर-364002

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जण के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के णम सिवित में किमे जा सकती।

स्पव्यक्तिरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## जन्स जी

मील्कत प्लाट नं० 42/1 वाधवाडी रोड भावनगर में रिजस्ट्रेशन नं० 3341/1-10-1984।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायं क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 23-5-1985

मोहुरु 🛭

# प्रकल कार्त्र . द्वी . एवं , युस .,------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीय सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक जावचार बावुक्ट (निद्धीकन)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3724/अर्जन रेंज-1/23-1/84-85-अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

शायकर लिंग्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिक्त किंकिनयमों कहा गया हो), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

भीर जिसकी सं० खेत की जमीन सीहोर में सर्वे नं० 110/1 2/111 है तथा जी सीहोर जिला भावनगर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीहोर जिला भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके स्थ्यमान बोलकात रे एने स्थ्यमान बोलकात का पन्सह प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए स्य पावा स्था प्रतिकस, विस्तितिश्वार उद्देश्य से स्थल अन्तरण विश्विस के वास्तिविक रूप से क्षित नहीं किया यहा है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उच्च अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाजित्य के कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; बार/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या सन्य आस्तियों की बिन्ही भारतीय अध्यक्तर अधिवित्रमं, 192. (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या भन- जर अभिनियमं, या भन- जर अभिनियमं, 1957 (1957 का १८) प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वै सिए:

बत: धव, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री लुबार गोरधनभाई नरसीझाई रेलवे स्टेशन के समीप शीहोर, जिला भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवनीतराय अनंतराय मेहना जीतेन्द्र जगन्नाथ मेहना के०ग्रो० शमणेर स्ट्रीट, एस० जे० ट्रेडिंग कंपनी बम्बई-2

(अन्तरिती)

को मह सुचना चाड़ी करके पृथीकत सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यकरोहर्भ करता हो।

जबत सम्मतित के कर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस स्वाग के द्रावपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किशा क्य कित व्यक्तियों में में किशा क्य कित व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा दक्षेत्रे ।

स्यव्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स जिस्मित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

### मनवर्षी

खेत की जमीन शीहोर सीमा में सर्थे नं० 110, 1, 2 और 111, रजिस्ट्रेशन नं० 1560 नारीख 11-10-1984

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकरी। महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 23-5-1985

मोहर :

प्रस्प नाइ. टी. एन. एवं, लन्नलक्ष्यातम

लायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3725/अर्जन/23-1, 85-84--अतः मझे, जी० के० पंड्या,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जाकत अधिनियम' के हा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट मं० 2558 हिल डाइव रोड़ है सथा जो भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय भावनगर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-1984 37जी श्रक्तूबर 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बलार वृक्ष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तम पाचा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नाय की झानत, अकत बीधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अवसे अचने में 'शृविका के लिए; और या/
- (क) ऐसी जिसी जान या किसी धन मा जन्य जास्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) : उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विभा के लिए;

जतः सब, उक्त सधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण में, में, उक्त सधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित स्यक्तियों, सर्थात ह— (1) श्री जेठालाल कालीदास दोशी भावनगर।

(अन्तरक)

(2) चेयरमेन,सेकेटरी श्रंजली को० श्रो० मामायटी, ब्लाक नं० 14, विटलवाडी होउमिंग सोमायटी भावनगर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के जिल्ला कार्यग्रहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकर्ति।

स्पर्कांकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के जभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### अम्बर्ध

मील्कत प्लांट नं० 2558 हिल डाइव रोड़ भावनगर रजिस्ट्रेणन नं० 703 तारी**ख** 7—3—84, 37जी अक्तृबर 84 में मिला ।

> जो० के० पंडय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 23-5-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आगकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) सी धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3726/अर्जन/23-1 84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मील्कित टी० पी० एस० 22 एफ० पी० 136 पनामा को० श्रो० सोसायटी प्लाट नं० 4, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबक अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्याचय अहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-10-1984

(1908 का 16) के अधान ताराख 13-10-1984 को पूर्वोक्षत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि पथा पूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत्त उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्त्यिक रूप से अधित नह किया गया है:---

- (क) बन्तरच से हुई किशी बाय की बाबत, उन्धर किशिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसस बचने में अर्थका के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्धारा प्रकट नहीं किया वा था वा किया जाता वाक्षिए था किए है में स्विभा के लिए;

वात: वर. सक्त विभिन्नक की भारा १६०-म के कर्रक में, मैं, उदल विधित्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत्:——
42—136GI/85

(1) श्री गनपत राम सोभेग्वर पंडया फुल मुख्तयार श्री प्रदुमन सोभेग्वर पंडया 9, जय भारत सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद-7

(अन्तरक)

(2) अनीताबेन मुकेणभाई शाह 4, पनामा सोसायटी नं० 1, पालडी, अहमेदाबाद-7

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के सिए कार्यनाहिस्सं करका हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख बें 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की सबिध, खो शी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशित की सारीस के 45 दिन के भीतर उवस स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निर्माल में किए का सकेंगे 1

स्मन्द्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### मनस्य ।

मील्क्स पालंडी में टी० पी० एस० 22 एफ पी० 136, पनामा सोसायटी पालंडी, अहमदाबाद, राजस्ट्रेशन नं० 14612/ 13-10-1984

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमवाबाद

दिनांक : 20-5-1985

मोहर व

# ध्रम् बार् ् टॉ. एक्. एस.-----

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुपना

### भारत बरकाप

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1985

निदेश सं० पी ० आर० नं० 3727/अर्जन रेंज-1 /23-1, 84-85-अतः मुझे, जी० के० पंडया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 769-अ से अधिन एअम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० आधिस टी० पी० एस० 3, शेखपुर खानपुर एफ० पी० 161/1 है तथा जो सब प्लाट 5 घनलक्ष्मी चेम्बर्स गुजर त विधापीठ के सामने अहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तरिख 3-10-1984

का पश्चेत्त सम्बन्धि के उचित बाजार मुख्य से कम के रायमान क्ते िलए अन्तरित की गर्ड मभ्हे दिञ्चास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भीत का उचित बाजार मृल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से., एेसे इक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्क है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नतिस्ति उदुदेश्य से उयत अंतरण तिस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त का प्रीमयम को अभीम कार धाने के अन्तरक के बायित्स में कमी करने या उससे बजने में सुविधा स्वीक की क्षा
- (क) एरित किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का विश्व भारतीय शायकर विधिनयम, 1922 विश्व १ १) या जन्त निधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती वृंगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया असा कार्दिए था जिन्मा में स्विता से लिए;

अत: अब, उदंत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मो, मी, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) धनलक्ष्मीबेन सदमतदास पटेल कृष्ण निवास गुजरात विधापीठ के सामने आश्रम रोड़, नवरंगपुरा अहमदाबाद ।

(अन्सरक)

(2) लक्ष्मीनारायन नाथालाल गुप्ता चेरेटी ट्रस्ट जीतमा सोसायटी नवरंगपुरा अहमदाबाद-9

(अन्तिस्ति)

को बह स्वन। बारी करके पूर्वा के सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उन्द स्मिति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई मी बार्ल्स अ--

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तर्त्तवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकी

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रध्यत शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उत्तर अध्याय में दिया पता हैं।

### अनुसूची

आफिस फर्स्ट फ्लोरपर टी० पी० एस० 3 एफ० पी० 161,2 धनलक्ष्मी चेम्बर्स में आश्रमरोड अहमदाबाद ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 21-5-1985

मोहर 🖫

प्रस्थ आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ल (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्ग्रालय, सहायक कार्यकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1. श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिन्द्वाः 21 मई 1985

निदेश सं० पी० धारं०/ई० 3728—धतः मुझे, जी० के० पंड्या, '' आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 263-य के अधीन सभाम गाधिकारी को, गर् विदेशास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृस्य 1,00,000/- रठ. से अधिक हैं

कौर जिसकी के टी पी एस ने 1, एम पी 78
उमापार्क है तथा जो को ग्रां को सोसायटी की ने 6,
श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में
और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्रा श्रिकारी के
कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिकारी के
कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिकारी के
वार्याक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से शुद्ध किसी आग की वावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए; जॉर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों कां, विक्र भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निकिकित स्थितिकार, स्थात ४ श्रीमती उषाधेन हरीशचन्द्र पटेल, अंबर कोसायटी, कामेश्वर हाईस्कृल के सामने, सेटेलाइट रोड, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या ऐसं गुरतानी, मुरेन्द्र एसं गुरतानी, भैरवनाथ रोड, मनीनगर, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन का अवधि , जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थिकतयों में से किसी स्थिकत दनार.
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सर्ध्याप में हिल्ल्ब्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हीं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्यी

प्लाट नं० 78 ,उमापार्क को० ग्रा० कोसायटी, जमालपुर टी०पी० एस० 1, राजस्ट्रेशन नं० 14986/18-10-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुतत (तिरीक्षण) प्रार्जन रेंज, अहमदाबाद

विनांक: 21-10-1985

मोहर 🛭

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याच्य, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 24 मई 1985

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3729—म्रतः सुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसकी लं खेती की जमीन बोडकदेव कीम में है तथा जो सर्वे नं 18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुम्बी में और पूर्ण रूप से बांगत है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, श्रहमदबााद में राजस्ट्रीकरण श्राधानयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 29-9-84 37-जी श्रम्तुबर 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जेन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाधार बृस्य. जसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रोतशस से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिष्ठी (अक्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पामा नथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उत्रत अन्तरण निश्चिद्य में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता उक्त अधिनियम के कधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा की लिए? और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) दे बभीन, निम्निचित म्येक्तियों, कथीत् 8--- 1. श्री कताजी जुजारजी, मानाजी जुजारजी, छोटाजी जुजारजी, भोपटजी बाकोरजी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री देवीश्रसाद महादेवश्रसाद टीवरावाला / न्यू गुजरात काटन मिल्स कम्पाउंड, नरोडा रोड़, ग्रहमदाबाद-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वें के सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को संकिथ में कांद्रें भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्डीक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, वहीं अर्थ होगा भो उस अध्याय में दिया यथा है।

### मन्स्पी

खेती की जमीन गांव बोडकदेव सीम में सर्वे नं 181

जी० के० पंडया सुक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 24-5-1985

मोहर 🕄

प्रकृष आहें. टी. एन. एस. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

### प्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3780—श्रतः मुझे, जी० किं० पंडया,

णायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के जधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

और जिसकी संव दरीयापुर काजीपुर टीव पीव एसव 8, है तथा जो सब प्लाट 49-ए में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-वियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-1984

का पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ममे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार पूर्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती कितारितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य असित्यों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अभारती द्वारा प्रकट नहीं धिन्या गया जा किया जाना पाहिए या किया के स्वीत्रक के निष्

1. श्रीमती उर्दशीयेन चीन्धाई, कुल मुर्यात्यार--श्री राजीव चीन्धाई, शाहीवाग, श्रहमदाबाद-4 (2) प्रधायेन चीन्धाई, शाहीवाग, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)

 द सेश्रेटरी, रानीकपुर को-ओ० सोसायटी पोलीस लाईन के पीछे, माहीबाग, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

**को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त** सम्पत्ति को अर्थन को सिए ् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्ट निस्त में किए जा सकेंगे।

स्वश्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उबसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन, टी॰ पी॰ एस॰ 8, एपा॰ पी॰ 49, दरियापुर काजीपुर सीम में रजिस्ट्रेशन नं॰ 19979 और 14983/ 18-10-1984

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

अतः प्रज्ञा उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त शिधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 24-5-1985

मासुर,∌

प्रकथ बार्ड. टी. एन. एत. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### मार्व सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वल (निरीक्षण) ग्रर्थन रेंज, ग्रहमदावाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मई 1985

निदेश सं० भी० भार० नं० 3736---ग्रतः मुझे, जी० के० ५डया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव जमीन टीव पीव एसव 28, एपाव पीव 338 है सथा जो सब प्लाट -4, प्रहमदाबाद में स्थित है (और ६ससे उपाबद प्रंनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीहकारी के कार्यालय, प्रहमदाबाद में सारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, जिल्लाने में सुविभा के लिए।

मतः अम, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए में, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलियत माक्तियों, मर्गात् ह—  श्री अंबालाल हीरालाल पटेल, 283, घीकाटा, नवतालेकी घोल, ग्रहमदाबाद।

ॅ (ग्रन्तरक)

2. श्री परमानंद मनीलाल शाह, चेयरमैन फ्रेंश अपार्ट-मेंन्ट्स ओनर्स एसीसियेशन, 53, पंचशील सोसायटी उस्मानपुरा, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

की यह शुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के शिवप कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

बनत सन्परित के अर्जन के सम्बन्ध में के।ई भी नाक्षी :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि मा लत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रैकाशन की तारीख हैं
  45 दिन अंभीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोगें।

स्थल्दिकरण: - इसमें प्रमुक्त शन्दों और पद्यों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका वहा है।

### वन्स्ची

क्कुला प्लाट, टी॰ पी॰ एस॰ 28, एपः॰ पी॰ 388 सर्वे नं॰ 492, सब प्लाट नं॰ 4, र्राजस्ट्रेशन नं॰ 6536/ 8-10-1984

> शी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽1, श्रहमदाबाद

सारीख: 24-5-198*5* 

मोहर ह

प्रकथ आइ'. टी, एत. एस. ------

# नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुधना

### भारत स्ट्रकान

भार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मई 1985

ं निदेश सं० पी० श्रार० वं० 3732—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव मोप नंव 56, नूतन गुजरात कोव आव कोप्स और वेयर हार्जीसम कोसायटी, राजपुर-हीरपुर, टीव पीव एसव 2 आप पीव 44-45 अहमदाबाद में स्थित हैं (और ६पने उनाबद्ध अनुमूक्ती में और पूर्ण रूप से विवत हैं), रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-10-1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थान्नोंक्त अनीता का उधित अधार सून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एमें दृश्यमान प्रतिकाल का बेन्स्स प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया । हि-क्या निस्नितिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी शाय की बाबत उक्त अभिन् नियम के अधीम कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने थें सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) एंनी किसी बाब वा फिसी भन मा अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) यां उन्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ जन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के विद्

कतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त शिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थातः  श्री चंदनभाई राजेन्द्र कुमार, एच० यू० एप.० के याती, चंदलाल पुगल, 4-5, तूरमल कोहिया लेन, कलकता।

(ग्रन्तरक)

 मेसर्स क्रमलेशकुमार पलकेशकुमार, कोप नं० 56, नूतन गुजरात को० स्नाप० वेयर हाउसिंग कोसायटी रायपुर दरवाजा, बाहर, स्नहमदाबाद।

(म्रन्स(रती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्मकान्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी वस्थि वाच में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर ध्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थासर संपत्ति में हित-बस्थ किसी सन्य स्थापत द्वारा सधाहुस्ताकारी के पास निरामत में किए का सकता।

स्पष्टीकरण:—हमर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभारितक ही. वहीं अर्थ होंगा का उस अध्याय में उन्हें सवा ही।

#### अनस ची

राजपुर-होरपुर टी० पी० एस०-2, एप० पी० 44-45 सब प्लाट नं० 56, राजस्ट्रेशन नं० 14552/12-10-12-10-1984

> जी० के० पंडया सेक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमवाबाद

तारीख: 24-5-6985

मोहर 🖫

प्रकप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) **वे स्थीन ब्यु**ना

### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर माय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3733—अतः मुझे, जी० के० पंडपा,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित, जिल्ला उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं राजपुर-हीरपुर टी॰ पी॰ एस॰ 4, है तथा जो एफं॰ पी॰-60 सब प्लाट 8 ए० अहमदामाद में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1984

का पत्रांचन सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वींचन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिषान से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिक क्ष्म निम्निलिखित उद्देश्य से उच्न धन्तरण निम्निलिखित के स्व

- (क) बिशारण से हुई किसी साथ की बावत सकत बांध-नियम के बधीन कर कोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सकने के सुविधा के बिए? बीर/या
- (व) ऐसी किसी अब या किसी धन वा अन्य अस्तिवां की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रजावनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ज्या था को लिए;

अत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त शिधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अथानि:—  श्री दिनेशचन्द्र महेन्द्रर.य नानावती, किम्नवाग के नजदीक, मनीनगर, अहमदाबाद-8।

(अन्तरक)

2. श्री दयालजी चल्नभुज मीस्त्री, 26, चोकसी पार्क, इसनपुर रोड़, मनीनगर, अहमदाबाद-8। (अन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके प्ताप्त सम्पत्ति के कर्जन के निष्ट् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनण की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीकत्त व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे। हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्थव्याकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में नैदर्शी गया है।

### अन्सची

जमीन टी॰ पी॰ एस॰ 4 एफ॰ पी॰-60, सी प्लाट 8ए॰ राजपुर-हीरपुर सीम, राजस्ट्रेशन नं॰ 14661/ 15-10-1984 ।

> जी० के० पड़िया सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 24-5-1985

मोहर:

### मुख्य बार्थ . ठी . पुनु . एड . प्रान्त्यार---

आयकार ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग २८०-च (1) के अबीन सुचना

#### कारत सरकार

कार्यालय, गहुरक बायकार बायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 24 मई 1985

निर्देश सं० पी० आर० न० 3734—अतः मुझे, जी०

के० पंड्या, बायकर अभिनिसमें, 1961 (1961 का 43) (पिड प्रश्चे इसके प्रचात् 'उक्त अधिनिसमें' कहा यहा हैं), की वाज 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, चित्रका उचित भावार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं राजपुर-हीरपुर टी पी एस 2, एफ पी -90 ए है। तथा जो श्रीर बी हिस्सा-3, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1984

की 16) के अवान, ताराज 15-10 1505 की प्रशिक्त सम्बद्धि के डिक्स बाबार मृस्य से कम के उत्प्रमान मिल्ल के लिए अन्तित्त की गई है और मुम्ने यह विक्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके इरवमान प्रतिफल से, एसे इरवमान प्रतिफल से पन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को से अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निसिसत उत्तर्वेश से उन्तर अन्तरण कि बिस से पाइतिक रूप से कि बिस नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाग की बाबस, स्थल कथिनियम के जथीन कर योगे के जन्सरक की वाजित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्थित के भिन्छ: और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य असित्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 की भी) बा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना पाहिए था, जियाने में सुनिक्षा के निक्;

अतः अव, खन्त विधिनियम की भारा 269-ग की जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 43—136 GI/85

- 1. श्री वेलजी भाई रामजीभाई मिस्त्री, 27, पिन्धनगर सोसायटी, हसनपुर रोड़, टोलनाका, दानी लीमडा, अहमदाबाद।
  - (अन्तरक)
- श्री महेन्द्र कुमार सोमाभाई पटेल, सुभाषकुमार सोमा-भाई पटेल, 4, धर्मयुग कालोनी, कांकरिया, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

की बहु तुचना जाड़ी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भर्जन के लिए कर्त्ववाहिनां करता हुं।

### बाबब बंबरिय के अर्थन के अंबंध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबिध या तृत्सवंधी व्यक्तियों पर भूभना की तासील से 30 दिन की शनिध, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के मौतर पृत्रीवतः व्यक्तियों में ने किसी स्वक्ति वृत्रारा;
- (क) इस सूचना के त्राज्यत्र में अश्वात की तारीख से 45 दिन के भीतर उनका स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विदित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण:--- इसमें प्रमुक्त सन्दों जीड़ पदों का, को अक्षड अधिनियम, को अक्ष्य: १० फ में भी भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

# अनुसूची

मील्कत टी॰ पी॰ एस॰-2, एफ॰ पी॰ 90-ए॰, ग्रीर बी हिस्सा नं॰ 3, पर स्थित है पैकी 3 ए॰ रिजस्ट्रेशन नं॰ 15652/15-10-1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज–I, अहमदाबाद्य

**सारीख: 24-5-1085** 

मोहर 🥸

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

बायकर खिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 264-ध (1) के अधीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यानय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेज -, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 25 मई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3735---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षमं प्राप्तिकारों को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित वाजार मृत्य 1,00,000/-एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव आफिस फर्स्ट पलीर पर धनलक्ष्मी चेम्बसं में है तथा जो गुजरात विद्यापीठ नक्ष्मीक, आक्षम रोड़ अहमदाबाद, टीव पीव एसव नंव 3. एफव पीव/161/2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, अहमदाबाद में राजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यात्य,

(1908 का 16) के अधीन, तारीखं 4-10-1984 को पर्वोक्स समानित के जिस्त बाजार मृत्य के लग्न के क्ष्मिमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह दिश्यम करने का कारण है कि यशप्योंकत सम्पत्ति का जिल्ला बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकाल से एसे द्रयमान प्रतिकाल के पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिवक रूप से किथत नहीं किया प्रया है ....

- (क) कलारण से हुई किसी आप को बावत, उसत अधिनियम के अधीन कार दोने के अलारक कें दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा कें निए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धा दा जन्य व्यक्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के भणांजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रचाट गहीं किया गया था या किया जाना साहिए या, किया के भीविधा के लिए।

 श्री धनलक्ष्मी लक्ष्मनदास पटेल, श्रिक्षन निवास, गुजरात विद्यापीठ के नजदीक, आश्रम रोड़, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रलाबेन रममभाई पटेल, के०/ग्रो० वृन्दावन पार्क, मेघालय फ्लैंट के नजदीक, सरदार पटेल कालोनी, रोड, अहमदाबाव।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सभ्वन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट्र स्थिन में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उतक विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अस सची

श्रोफिस टी० पी० एस०-3, एफ० पी० 161/1 धनलक्ष्मी चेम्बर्स फर्स्ट फ्लोर सी/2 रिजिस्ट्रेशन न० 14191/4-10-1984।

जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--1, अहमदाबाद **बक्य आह**ै. टी. एन. एस. कार्या १ श्रीसनी धननक्षमी जन लक्ष्मतर

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 र (1) के अभीन संभान।

### धारत सरकार

कार्याज्य, तहायक जायकर गामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3736---अतः मुझे, जी० के० पंडया.

आमकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति. जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रोफिस बी०-1 शेखपुर-खानपुर सीम धनलक्ष्मी नेम्बर्स है तथा जो गुजरात विद्यापीठ नजर्दीक टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 161/1, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1984

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितः संपत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का निक्त प्रतिकार से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जातिरती (अन्तरित्यों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्मिसित उच्चित्य से अन्तर कन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्मिसित उच्चित्य से अन्तर कन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-का निम्मिसित उच्चित्य से अन्तर कन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-का निम्मिसित उच्चित्य से अन्तर कन्तरण के लिए तथ पाया प्रति-का निम्मिसित उच्चित्र से अन्तर्भ के लिए तथ पाया प्रति-का निम्मिसित अन्तर्भ से अन्तर्भ के लिए तथ पाया से स्थान स्थान

- ्रीक), वश्वाहम के हुन् किनी भाग की आवश उपत विक्रियम के बचीन कह दने के बन्तरक औ करित्व में कभी कहनें या उसके वचने में सुविधा में निए; बीड√या
- (क) एसी किसी नाथ या कियी पत्त कि कर्म कारेत्री को किसी की मारतीय आय-कर मिनियम, १००३ (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, भा भन-कर मुभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तर्रित क्षारा प्रमुद्ध के प्रयोजनार्थ मन्तर्रित क्षारा प्रमुद्ध की स्वार्थ किया माना नाहिए था, छिपार्थ में सृष्यिक के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाषः (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--

- श्रीमनी धननक्ष्मी बन नक्ष्मनदास पटेल, कृष्ण निवास,
  गुजरान विद्यापीठ नजदीक, अहमदाबाद-१।
  (अन्तरक)
- 2. (1) श्री विनोदभाई बचरदाम पटेल. (2) हसाबेन घनग्यःमभाई पटेल, (3) योगिनीबेन मनुभाई पटेल, कें गुग्नो० टी०-35 शांतिनगर, उस्मापुरा, अहमदःबाद।

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यभादिका करता हो।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कार्क नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भ 45 दिन की बविष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी जनिष नह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वविष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) शस बुक्का के शक्षकत का अकावन की वारीय क 45 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्मास्य में हिराबका विसी बन्ध क्यापित द्वारा बभोद्दराकारी के पाप सिक्तिका में पिन्द्र का सम्मार

स्वास्त्रीकारण:--- इसका प्रमुखत शब्दी शार पती का, जो जल्ल श्रीभिनयम के अध्याय 20-क भी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को तस सुध्याय में विश स्था है।

### मन्सूची

अ।फिंस बी $_{l}1$ , धनलक्ष्मी चेम्बर्स, गुजरात विद्यापीट नजदीक, टी० पी० एस०-3, एफ० पी० 161/1 रिजस्ट्रेशन नं० 14180/3-10-1984

जी० के० पंडया, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

नारीख: 25-5-1085

महिर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्राय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

# कार्यालयः, सहायक भायकर नामुक्त (निर्दिक्षण)-

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 25 म**ई** 1985

निदेश सं० पी० आर्० नं० 3737— अतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्नेट, टी० पी० एस० 4, एफ० पी० 54-55 है तथा जो नारायनमनी अपार्टमेंट, मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख 4-6-84-37-जी, अक्तूबर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिहु; और/या
- (क) प्रेसी किसी माय वा किसी भन वा कस्य वास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

नतः अन, उन्तर अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उन्तर अभिनियम की भारा 269-ग की उपभास (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिबाँ, वृर्थात् :--  श्रीमती प्रीतिबेन दशरथलाल शाह, फाल्गुनीबेन घनश्याम भाई शाह, क्रिंग्नकुंज काश्मीरा सोसायटी, जी० टी० रोड़, पालडी, अहमदाबाद-7।

(अन्तरक)

 श्रीमती कविताबेन एम० खेतवानी, शतुघन येसुमल खेतवानी, पलैंट नं० 1, नारायन्मनी अपार्टमेंट, मनीनगर, अहमदाबाद-8।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी को 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिस्यः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जायकर किंधिनिमम का अध्याय 20-के में परिभर्गता हैं, यही अर्थ श्राम का उम अध्याय में मिन समा हैं।

### अनुसूची

फ्लैंट टी० पी० एस० 4, एफ० पी० 54-55 मबीनगर नारायनमनी अपार्टमेंट रजिस्ट्रेगन नं० 8229।

> जे० के० पंडया सक्षम प्राधिकाही सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्री अहमदाबाद

सारीख: 25-5-1985

भाहर :

प्रकल् बार्ड, की. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3738—सतः मुझे, जी० के० पंड्या.

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

और जिसकी सं मिल्कियन , 16, श्रानन्दनगर, को अर्थ सोसायटी में है तथा जो पालडी सरखेज रोड, श्रहमदाबाद-7 में स्थित है और इससे उपाबद श्रमुसूची में और पूर्ण रूप में विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्रा श्रिक्षितारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षित्रमा, 1908 (1908 का 16) के श्रदीन, नारीख 12-10-1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रिक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शुल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, एसे दृश्यमान श्रीतफल का क्यें श्रिक्त सं अधिक है और अन्तरित का उचित बाजार शुल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, एसे दृश्यमान श्रीतफल का क्यें श्रिक्त सम्पत्ति के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया ग्रा श्रीतफल, निम्मिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- . (1) श्री गौरांग अविनाम भाई व्यास ए/3 मुरेना श्रपार्टमेंट, अंबायाधी, श्रहमदाबाद-15।

(श्रन्तरक)

 श्रं राधादेन राधेश्याम पिन्सारी, 298, न्यू क्लॉथ मारकीट, रायपुर दरवाजा बाहर, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तु सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया रेशा है!

#### ग्रनमुची

मिल्कियत पालडी में 16- ग्रानन्वतगर को० ग्रॉ० सोसायटी में सरखेज रोड, रिजस्ट्रेगन नं० 14579/ 12-10-1984।

> जी० के० पंड्या सक्षेम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुर्कत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1 श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मई 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3739/ग्रत:——मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन वासना सीम में सर्वे नं० 306, है तथा जो टी० पी० एस० नं० 26 एप० पी० नं० 193 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आपकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अनं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के निधीन, निधनलिकिन व्यक्तियों, अर्थातः :—

- जीवदेन परंशोत्तमदास, दाहयाभाई पटेल और ध्रन्य, वासना—भोस्ट-श्रानन्दनगर, श्रहभदाबाद-७ । (अन्तरक)
- 2. पांजरी को-ऑ॰ सोपायटी निमिटेड, चैयरमैन— वीपककुमार परजोत्तपदास राठोड, बंसीधर सोसा-यटी, जवाहर नगर के पीछे, पालडी, ग्रहमदाबाद-७ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रत के वर्णन के विष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तें स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टि भिष्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### समस्यों

जमीन वासाना सीमा में सर्वे नं० 302 दी० पी० एस $\stackrel{.}{0}$  नं० - 26, एक पीo 192 रिजस्ट्रेशन नं० 15005/18-10-84

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 25-5-1985

मोहर:

प्रकप बाहै . दी . एत्. एस . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

#### मारत सरकार

# कार्यालय, तहायक आयकर साय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-] ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1985

तिर्देश सं० पी० ग्रार्० नं० 3740/1—- ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० पलैट दारियापुर-काजीपुरा, टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो चिराग अपार्टमेंट, शाहीबाग, श्रहमदाबाद में स्थित है (और इसमे जपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-10-1984

को प्रवेवित सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिकाल के लिए जन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास कुरले का कारण है कि यथाप्ताँक्त संपत्ति का उणित बाबार नृत्य, उसके रश्यमान प्रतिकाल से एसे रश्यमान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और जन्त-रिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरक के लिए स्य पाया गवा प्रतिकास, निम्निकिश उद्योग्य से उक्त अन्तरक सिवित् में आस्तरिक रूप से कर्षित पड़ी विकार वा है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिवियम के अधीन कह दोने के अन्तरण के बाजिल से लागी अन्ते ना करने अधने में शुनिया में जिए; करिया
- (क) ऐसी किसी बाथ ना किसी थाएँ वा तथा असितयों को, विन्हें भारतीय नायकार विभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियन, या अवकर न्योभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, क्रियाने में स्थिभा के तिहा

कतः अव. उक्त विभिन्नम की भारा 269-ग के कन्यरण में, में, उक्त अभिनित्तम की भारा 269-च की उपभारा (1) के स्थीन<sub>ा</sub> निकासिचित व्यक्तियों, अथादि केल्ल  श्री अर्थित बुमार चूनीलाल शाह, 16, सुभाषनगर, शाहीवाग, अहमदाबात।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भगवतीदेवी महाबीच प्रसाद जैन, ऋषि का अपार्टमेंट, मुजाता पर्लैट, शाहीबाग, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आँक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में शकायन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरों के पास तिभित्त में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त गिशिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लैंट ओ चिराग श्रपार्टमेंट माहीबाग श्रहमदाबाद में स्थित है जिसका टी० भी० एस० नं० 8 और श्रार० नं० 14458 है दिनांक 10-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया सकम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~1, ग्रहमदाबाद

नारिख: 29-5-1985

मोहर ध

प्रक्ष आहें.टी.एन.एस------

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अंगर 269-व (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

भायतियं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं्वेपी० प्रार० नं० 8821/II—प्रतः मुझे, जी० के० पंड्या.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के जिथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी संव ऑफिस नंव 539, रिंग रोड, सूरत हैं तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कृप से बिणित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन, अगस्त 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का जारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य इसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एंचे दृश्यमान प्रतिकाल का पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरम के सिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्नीलिवित उक्षेत्रम से उक्त बन्तरण हैं भीवित से नास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक को वासित्य में कमी करने या उससे स्थान में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जभृति हम्म 1. मैं शांति बिलंडर्स, रिंगरोड, सुरत।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्यामसुन्दर बजाजा और अन्य, हाथीचौक, नागौर। (अन्तरिती)

को न्यू ब्युना भाडी करने वृद्धाँक्य सम्मृतिस् में अर्जन के सिए कार्यनाहिया सूरत करता है।

# उमेर सम्मरित के भवन के सम्बन्ध में कोई भी शासेंद्र---

- (क) इस सुबना के राजपण में प्रकाशन की तारी हुं है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र को प्रकाशन की बारीब से 45 दिन के शीतर उपत तथावर सम्मुटिस को हित्बव्ध् किसी बन्य व्यक्ति दुवारा सभाहस्ताक्षरी के पास निवित्त को किए या बकीये।

स्वस्त्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और नदीं का, जो उनक अभिनियम के अध्याय 20 कं में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मगस पर्न

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। फार्म नं० 37 ईई पर कार्यालय में भ्रागस्त 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर शायुक्त (निरिक्षण) ग्रजैन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 8-5-1985

मोहरू 🖫

प्ररूप आईं दि, एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

म्महमदाबाद, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3522/II—श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहत से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्राफिस न ० 344, रिगरोड है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपायक प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 37-ईई के प्रधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **बरयमान** प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तर्हिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्थ से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त आर्थ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो जिन्ह भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्यिन में स्विधा के सिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत, व्यितियों, अर्थात :----44\_-136 GI/85 मैं० शांति बिल्क रिगरोप्, सूरत।

(ग्रन्तरक)

 श्री विजय कुमार प्रप्रवाल, द्वारा आदट स्टार सिल्क मिल्स, कालबादेवी रोइ, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त फर्क्वों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### समृत्यी

मिल्लिकत जो सूरत में स्थित है। फार्म नं० 37-ईई यह कार्यालय में प्रगस्त 84 में पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1985

मोहर:

### प्रक्य बाइ ें हो. एवं. एवं. =----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### मार्ठ हरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-II श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाक 8 मई 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3523/II—श्रत: मुझे,जी० के० पडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० ऑफिय नं० 334, रिंग रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमे उपान्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज्ट्रीक्त क्षाधिकारी के जायोलय, अहमवन्धाव में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इदयमान प्रतिफल से एसे इदयमान प्रतिफल का कन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में में अस्तिक इप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अल्डिएन ने इन्हों किसी बाव की वानन्त, उकत निधानियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के जावित्य में कुनी फूरने ना उन्हमें उचने में हिविधा के लिए; और/वा
- (ख) ए'सी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें/भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसते अधिनियम, या धग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोधनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकृट नहीं किया गया था वा किया थाना वाहिए था, खिपाने में शृतिका से विद्या की किया

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्धर में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

मै० शांति बिल्डर्स, रिगरोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भवरताल केशरीचन्द्र, गुङ्कक मारकेट, सूरत्। (अन्निस्ति)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताकारी की पास निक्ति में किए जा सकने।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, आं उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### नन्स्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37अईई का फार्म यह कार्यालय में पेंग िया गया है।

> जीं० के० पंड्या वक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रजीन रोज-11, अहमदाजाद

तारीं**ख** : 9**-5** 1985

मोहर:

प्रकष् भाषां दी एम । १४ ०००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

# नारत सरकार कार्याज्ञच , सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाक्षाव

ग्रहमदावाद ,दिनांक 8 मई 16 85

निदेश सं पी० ग्रा॰० नं० 3524/II---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 का के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ध्राफिम नं० 236, रिंग रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के श्रधीन, तारीख 8 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान शितफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निल्तित ब्रुड्डिय से उन्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम से अधीन कर दोने खें अन्तरक के बाबित्क में कमी करने या उससे बचने में सूर्विया के सिएश बीड/या
- (क) प्रेंसी किसी नाम या किसी भन या अस्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1,1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सूर्विभा की सिद्ध;

सतः नम्, सम्त जीभिनियम की भारा 269-ग को अनुप्ररण . में, में, उन्त निभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को नभान, निम्मिणियत व्यक्तियों, स्थात् :--- मै० शांति बिल्डर्स, रिंग रोड़, सूरत।
 (श्रन्तरक)

2. श्री हरिराम के० मिस्त्री, सरदारबाग, बड़ौदा। (भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना पाड़ी कड़को पूर्वोक्त संपत्ति के सर्चन के विह कार्यशाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधीय :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविध का तत्संबंधी क्यांकित्यों कर स्वता की तामील से 30 दिन की सबिध, को जी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावूर संपरित में हित्तब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिक्ति में किए का संकोंगे।

रचकिष्णः --- इसमें प्रयुक्त केव्यों और पर्यों का, को उक्क क्षितियन, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

### नन्यूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में भ्रगस्त 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्यां सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज- , श्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1985

मोहर :

# **इत्य बार्य**ा की व **प्र**ाचन प्राचन

# भावकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### BIST SERIS

### कार्याजन, बहायक वायकर नायुक्त (निद्धालिया)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० पीं० श्रार० नं० 3525/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात, 'सकत विभिन्नमान' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं श्राफिस सं 723, रिंग रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 37-हिई के ग्रिधीन तारीख में ग्रमस्त 1984

की पूर्वेक्श संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गड़ें हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाव की बावस, उसस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उससे बंचने में सुविधा के किए; बीर/बा
- (थ) ऐसी किसी बाग वा किसी थन वा बच्च बास्तिवों कों, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जिनाने में तृविधा भी सिष्

नत. नन, उनत अभिनियम की भारा 269-ग की जनुसरण ने, में उनत अभिनियम की भारा 269-म की उध्भारा (1) के भनीन, निम्न[सिंखत व्यक्तियाँ, अर्थात् ३---

- 1. मैं० शांति बिल्डर्स, रिंग रोड, सरत। (अन्तरक)
- 2. मैं॰ सुमन सिहन मिल्स प्रा॰ लि॰, 2409, जी॰ श्राई॰ डी॰ सी॰, सचीन, जि॰ सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त बन्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां चुरू करता हुं।

### उन्त राम्परित के नर्जन के तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हैं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीभ, जो भी बत्रीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यासर
- (था) इस स्थाना क राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य स्थायत द्वारा अभोहस्ताकरी के पाल सिवित में किए था सकेंगे।

स्वाचीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो अवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

### अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में श्रगस्त 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडरा गक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 8-5-1985

मोहर :

प्रकल मार्च थी, एन. एत.

मायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काल)

मर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनार 8 मई 1985

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उर्मित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० धाफिस नं० 627, रिंग रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोंकर्ता प्रविदारी के सार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम, 37ईई के श्रवींन, तारींख श्रगस्त 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचार प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-स्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निविद्य में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण के हुई किसी बाय की बाबत, जनत अभिनियद के अभीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कभी करने या उससे वर्षने में तृतिभा के तिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी वाय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के लिए,

वतः अव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अथित ध---- 1. मैं शाति बिल्डर्स, रिंग रोड़, सूरत।

(श्रन्तरकः)

2. श्रीमती पुष्पासरत टीं० गरोडिया, मलार्ड (वेस्ट), बम्बई- त्य।

(अन्तरिती)

को बहु तुक्ता कारी कारकं पुर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्ट सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई थी बाक्षेप 🌫

- (क) इस सूचना की राजपत्र को तकाशन को तारील से 45 दिन की अनिथ या तत्सक्तनथी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जबिथ, जो भी अविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यानर
- (ब) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्द किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी के शस सिक्ति में किए का सकेंगे।

#### अनुसूचा

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में पेश किया गया है।

तारीख ' 8-5-1985

मोहर ध

प्रकथ बाह् दी एन एस ......

आयोकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भागित्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ' ध्रर्जन रेंज-II, ध्रहमदाबाद ध्रहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3527/11—-ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पदमार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राफिस नं० 642 रिंग रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इतसे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 37-ईई के ग्रधींन तारीख ग्रगस्त 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास भरने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से, एसे द्वरमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से विधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरिण लिखित में वोस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 किना 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- मैं० मांति बिल्डर्स, रिंग रोड़, सूरत। अंतरक)
- 2. श्री राम किशोर शारदा, द्वारा सत्यनाराण शारदा नगौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आर्थीप क्रिक्ट

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों दत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्यी

मिलकत जो सुरत में स्थित है। 37-इंड का फार्म पर कार्यालय में प्रेण किया गया है।

जीं० के० पंडया-स्थम प्राधिकारीं सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीं**च** : **8-8-**198**5** 

मोहरु 🔞

# 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुजना

#### भारत तरकार

फायांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेज-II, श्रहसदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 7 मई 1985

विदेश सं० पी० श्रार० नं० 3528/II---प्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

वायकर शिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाक 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रोफिस नं० 1301, बोम्बे मार्केट, सुरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1984

को प्वोंक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिक्त से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिकितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उच्चेंच्य से उक्त जंतरण लिखिल में वास्तिविक क्षे

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के / बायित्व में 'कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; बॉर/वा
- (स) ऐसी किसी जाम का किसी धन या अन्य अपस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में समिधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन: निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीतः—  बोम्बे मारकेट म्रार्ट सिल्क को० भ्री० सोसाथ टी, उमरवाडा, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० चम्पक टैक्सटाईल प्रा॰ लि॰, बोम्बे मार्केट, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त तन्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रू

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की भवींचे या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए आ सके गै।

स्पाधीकरणः — श्वसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में श्रगस्त-84 में पेश क्थिंग गया है।

> जी० के० पंडया नक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज- , श्रहमदाबाद

तारीख: 7-5-1985

मोष्ट्र ४

### त्रक्रम काद". टी. एन. एस. -----

# भागकर क्रोभिनियम, 1987 (1961 का 43) कीं भाग 260 म (1) के नभीन सुचना

### भारत सरकार

अर्जन रेंज-II, श्रेहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3529/∏—-श्रनः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परेचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है कि अच्छ 269-क के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संप्राप्ति, विसका उचित वाणार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रोफिस नं० 1308, बोम्बे मार्केट, स्टल है तथा जो स्रत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावब भ्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणिन है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के ग्रधीन, नारीख भ्रगस्न 1984

को पूर्विशत सम्परित के अभित बाजार मृत्य से अम के अस्ममान **मन्त**रित लिए की गहर भौर मभौ H. विश्वास करने 1 का कारण पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और मन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **ह**ै ::----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा जन्य बास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय बाय-कर लिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिंधनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, रिल्लिनिकत व्यक्तिकों, अधीत हम्म (1) बम्बई मार्कीट आर्ट सिल्क को-ओ-सोसायटी उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) जञ्चजीत काटन टैक्सटाईल्स लि० थापर हाऊस नई देहली ।

(भ्रन्तरिती)

को वह मुखना जारी करको पृथेक्ति सम्परित को अर्थन को लिए कार्यवाहियां सुरू करता हु।

# उनत सम्मति में बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृंबीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रवक्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त अब्बों और पदों का, यो उक्त अभिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहां कर्य होगा, जो उस अध्याम में किया पदा है।

## अनुसुची

मिल जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कायलिय में अगस्त 84 में पेणकिया गया।

> जीत कें पड़िया जिस आधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीखः मोहरः परूप काई. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्यालय, बहार्यक जासकर वायुक्त (निरक्षिण)

प्रजीन रोज-II, प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई 1985

निदेण मं० पी० ग्रार० नं० 3530/II---श्रतः मृझे, जी० के० पंडया.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिपकी सं० ग्राफिस सं० 1307, उमरवाडा, सूरत है नथा जो सूरत मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ण ग्रिधिनियम, 37-ईई० के ग्रिधीन, तारीख ग्रास्त 84

को प्राक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विद्यास करने का कारण है कि मंभापूर्वोंकत सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य के ब्रह्ममान प्रतिफल के एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीज एसे अन्तर्ण के लिए एस पासा गया प्रतिफल किस निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में बास्तिबक क्ष्य से कथिस नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्निधा के लिए; और/या
- (क) एली किसी जाय या किसी धन या जन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविका के लिए;

े अतः वत, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के वन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित् :—— 45—136 GI#65  मै० बाम्बे मार्केट श्रार्ट जिल्क को० श्रो० सोमायटी उमरवाडा, सुरत।

(भ्रन्तरक)

 मैं० जगनजीत कोटन टैंबगटाईल लि०, थापर हाउस, न्यू दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के तिय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास . सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया निवाह ।

### अनुसुची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म मह कायलिय में त्रगस्त-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडमा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख: 7-5-1985

मोहरः

प्ररूप आहें टी एन एस

आयकर अधिनियमे, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर आ्युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-ा. स्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं०  $3531/\Pi$ —- ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पहलान 'एकत अधिनियम' कहा गया हैं), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

त्रीर जिनकी सं अधिक है । अगर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है । अगर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है । रिजस्ट्रीकर्ता सृधिकारों के कार्यालय, अहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख अगस्त 1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उमके दश्यमान अतिफल से, ऐसे दश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया अतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- ्रिक) अन्तरण से हुए किसी धाय की बाबता, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित में किसी करते या उत्तरों सचने में सविशा में सिए।
- ्क) एसी किसी वाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. था या किया जाना चाहिए जा, हिण्याने में स्विधा के जिल्हा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधानयम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---  मैं० बाम्बे मारकेट म्रार्ट सिल्क को० म्रा० सोसायटी उपरवाडा, सुरत ।

(स्रन्तरक)

2. श्री मदनलाल गर्ग, ब्रारा मिलाप टैक्सटाईल मिल्स वलीजा, (राजस्थान)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जासी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यीकाहियां के रता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीके से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यनुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फोर्म यह कार्यालय में ग्रगस्त 84 में पेश किया गया है।

जी० के**० पंडया** स**क्षम प्राधिकस्ती** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, सहसदाबा**द** 

तारीख: 7-5-1985

महिर:

# प्रकण बाह्र ही पुण वृत्व वर्गा वर्गा

बायकर बहिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्तक)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3532/ — श्रतः मुझे, जी० के० पंडया, ू

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सन्पत्ति, जिसका उचित्र बाबार मृज्य 100,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं आफिस नं 708 उमरवाडा है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37 ईई के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाबार मूल्य से कम के दश्यमन
प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई और मूक्ते यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाबार
सुद्धा, उसके क्यमान प्रतिफल से एरो क्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिसत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और
अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तव
वाया गया प्रतिफल, जिन्तिश्वित उष्ट्रष्टेक्च से उक्त केन्सरण
क्रिसत में वास्तविक क्य से कांचल नहीं क्यिया गया है

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आप की वावता, स्थव बहिषानियम के अधीन कर दोने के अन्तरच के दानियम में कभी अपने या उत्तरे वसने में सुविका के जिल्ह; और/मा
- (क) एसी फिसी जान वा किसी भग ना बन्न आख्तियों को, चिन्हें भारतीय जान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, ना भत-कर अधिनियम, ना भत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोक्तार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रश्नट यहीं किया क्या का वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के फिए;

कतः जब, उक्त जिमिनियम की धारा 269-ग के बन्यरण को, में, उक्त जिमिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) हे बधीन, निम्मीबिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) वोम्बे भारकेट ब्रार्ट सिल्क को० ब्राप० सोसायटी, सूरता

(अन्तरक)

(2) मैं अप्रामील कारपीरेशन, श्री एम० श्रारं शाह; कालवादेवी, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विवय कार्यवाहियां करता हो।

रुक्त रुम्पा के अर्जन के संबंध में साहि भी बाह्येय :-

- (क) इत सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्णीय, को भी अवधि बाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस हुवारा;
- (ब) इस स्वना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर स्थल स्थावर सम्पत्ति में दिस-बहुध किसी जन्य व्यक्ति स्वारा, अभाहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थळ्योकरणः—इसमे प्रयुक्त कव्या और प्रदां का, जो उक्त औध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं: बही अर्थ होगा, जो उस अध्याद में विका गया

## ग्रनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37 ई० ई० का फार्म यह कार्यालय में अमस्त 1984 में पेश किया गया है।

> पीर्वकेश पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-/II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1985.

निदेश स० पो० श्रार० नं० 3533/11—-प्रतः मुझे जी० के० पंड्या,

नायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण कि स्थावर सम्मित्स, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० श्राफिस नं० 206, सामने मारकेट है तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37 ई० ई० के श्रधीन श्रगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषति से विभक्ष है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिलिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) . या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् ए---

(1) बोम्बे मारकेंट ब्रार्ट मिल्क को० औ० सोसायटी, उमरवाड़ा, सुरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नत्रीम चन्द्र शान्ती लाल दलाल, वरियाडी भागोल, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

धनुमुची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37 ई० ई० का फ़ार्म यह कार्यालय में अगस्त 1984 में पेण किया गया है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-5-1985

मोहर :

प्रस्य बाह् . टी . एन् . एस . ----------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43<u>)</u> की भारा 269-थ(1) के नधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकार आगुक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेंज-[I, ग्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई, 1985

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 3534/11--म्रत: मुझे, जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त मीधनियम' कहा गया है') की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित कणार मुख्य 1,00,000/- रतः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्राफिए नं० 435, रिंग रोड है तथा। जो सुरत में स्थित है (ग्रार इसमें उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यानय, ग्रहमदाबाद में रजिस्दीकरण श्रिधिनियम, 37 ई० ई० के भ्रधीन श्रगम्त, 1934

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह परिवात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती <u>√(बंतरितियाँ)</u> के बीच एंधे अंतर्ण के लिए तथ पाबा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, अधिनियम क्षेत्रभीन कर दोने के अन्तरक की यामित्य में कमी करने या जनसे भवने में सुनिधा स्**रे किए: स्रोर**∕पा
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की चिन्हुं भारतीय बायकर वृधिनिय्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-कर अधि-विवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शक्तरितौ दुवारा प्रकट बहुरी किया गया था या किया बाना चाहिये था, छिपाने में सुविभा के निए;

- (1) मैं० शांति बिल्डर्स, रिंग रोड. (भ्रन्तरक) स्रतः।
- (2) योगेण कुमार अमृतलाल सोडीवाला, हन् मानन सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना घारी करके पूर्वोक्त सभ्यतित के अर्थन के निष् कार्यवाश्चिमां करता 🐉 ।

उक्द संपरित के वर्षन के संबंध में काहे भी बाह्य :--

- (क) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की संवीध या सत्सम्बन्धी स्वितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भोनर प्रबंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय, वधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंने।

ल्थ्यीकरणः---इसमें प्रमुक्त सम्बां और पश्चों का, वो उक्त स्थि-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होना, जो उस क्ष्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्रची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में अगस्त 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर म्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रंज--II, ध्रहमदाबाद

मोद्वर :

तारीख:: 7-5-1985

कतः थेव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बनुसरक कों, मैं, उदल अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1)

📦 अधीन, निम्नजिधित स्प्रितयों 🖟 अर्थात् 🛍 —

प्रकप् आर्थः हो । एत्ः एस्ट------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यासंय, सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहभदावाद, दिनांक 9 मई 1985

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 3535/11—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकए अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवस अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव श्राफिश नं 335, निम रोड़, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण क्य से अणित है), रिजर्ट्री जर्ता अधिकारों के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजर्ट्री करण श्रीधिनयम, 37-ईई के ग्राधीन, तारीख श्रमस्त 84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल नो, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित में भास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बेन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधन के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर ऑभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविभा जै लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, नमनिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मै० शांति विल्डर्म, रिंग रोड़, सूरत ।

(अन्तरक्)

2 श्री भरतचन्द्र भ्रमीचन्द्र, शेंख्रडी लेत, बम्बई। (श्रन्तरिती)

को यह स्मना जारी करके पूर्वोक्त संम्याल के कर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो भीश अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूर्नोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **श्र**तुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में अगस्त 84 में ऐग किया गया है।

> जी० के० पंडया. सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-II, श्रहमदाबाद

नारोख : <sub>| 7</sub>−5 −1985

मोहर 🐠

# प्रथम बार्यां दी ध्नान एक्ट मान न स्टब्स् बार्यकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-प (1) के सधीन सुपना

भारत सरकार

### कार्यानयः, सहायक भागकर वाय्यतः (निर्दक्षिण)

श्चर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांवः 9 मई 1985

ि निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3536/11—श्रनः मुझे, ⊶ची० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके पश्चात् 'उकत जिधिनियम' कहा गया है), को भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिख्यास करने का कारण है कि स्थावर समाहित, जिल्हा उच्चित हाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० आिफिस नं० 619, रिंग राष्ट्र, है तथा जो सूरल में स्थित है (श्रीप इतने उपावद्ध सनुसूची में स्रीर पूर्ण कप से बर्णित है), रिजर्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, स्रहनदाबाद में रिजर्ट्रीकरण स्रिधितियम, 37-ईई० के स्रिधीन, तारीख स्रगस्त 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास का कारण है कि सभाप्कींक सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तर्थ (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया मिनलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वृधिन्यम् से अधीन कर दोने के अम्बरक के लिखन , को कभी करने या उक्का अक्षे अक्षे मुख्यिक के अध्या, करि/का
- (क) हैसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरियी द्वार प्रेअट नहीं किया गंधा वा या किया जाना जानिए था जिल्हाने में सुमिन्न के सिन्ह:

1. मैं० शांति दिल्डर्म, जिंग गोड़, सूरता

.(ग्रन्तरक)

2 को चीमतलात दिवानपन्द अयंत, हासमेल क्लाय मारकेट, नागपुर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना भारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए अर्ध्याहियां करता हो।

े उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांध्र भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में तो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (३) इस स्भाता के एजपान मां स्थाधन की तारीक के 45 किए के भीतार उक्त भ्यावर सम्पति में हिसबबुध किसी जम्ब व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िस्थित में स्थिए जा सकोंगें।

स्पञ्जीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषिट है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नक्ष हैं।

### अनुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फोर्म यह कार्यालय में पेण किया गया है।

> जी० कें० पंडया सक्षम प्राधि कारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II; श्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 7-5--1985

महिर 🤚

प्ररूप बाहा, ही. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं पी० श्रार० नं े 3537/11—श्रतः मृशे, जी० के० पंड्या.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं श्राफिस नं 401 है तथा जो रिंग रोड़, सूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहों किया गया है:—

- (क) नंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधीनयम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में पृथिधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की निए।

मै० णांति बिल्डर्स, रिंग रोइ, सूरता

(अग्तरक)

 मै० जुगल किणोर माहेण्यरी, कालसादेवी रोड़, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्मवाहियां करता हो।

उभत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🐃 🕒

- (क) एत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे: जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

मिलकियन जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कायिलय में अगस्त 84 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया

 सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण त<sup>8</sup>, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपभारा (1) अ अधीन, निक्तिलिखित व्यक्तित्यों, जर्भात् ढ़—

तारीख: 9-5-1985 मोहर 🕈

## प्ररूप नाइ', टी. एप. एस. ----

# बाय्कार ब्राधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीन सूचना

भारत धरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाशक)

श्रर्जन रेज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985 निदेश सं०पी० श्रार् नं० 3538/II---श्रत: मुझे, जी० के० पंड्या,

षासकार निधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गना हैं), की भारा 269-च के न्यीन सक्षम प्राप्तिकारी को, वह किस्वाद खड़में का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रित से अधिक हैं

और जिसकी सं० थ्रापित्म नं० 519 है तथा जो रिग रोड, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 37ईई० के अधीन, श्रगस्त 1984

को पूर्विक्स सम्परित के उचित नाजार मृत्य से कम के एरौमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पर्ति का उचित वाकार मृत्य, असके एर्यमान प्रतिफल से ऐसे एर्यमान प्रतिफल का पन्तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है देन

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन या बन्य जास्तियों को धिनहाँ भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, था प्रकृत अधिनियम, १९५० के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

46-136 GI/85

1. मैं । शांति बिल्डर्स, रिंग शोड, सूरत।

(म्रन्तरक)

2. श्री रामलाल टकनदास नारंग, क्षारा श्रारं० कुमार सिल्क मिल्स, रिंग रोड, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण :-- इसमें प्रमुक्त सन्यों और पदों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिजाबिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **नन्स्**की

फार्म तं० 37ईई० का फार्म यह कार्यालय में प्रगस्त 84 में पेश किया गया है।

> जी० कें जिंध्या सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7~5~19845

मोह्य 🛭

शरूप आर्थ.टी,एन.एस. -----

जायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 6985

निदेश सं० पी० श्रारं० नं० 3539/II—- स्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ध्राफिस नं 632, रिंग रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 37 ईई के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरममान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से केथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कायित्य में कमीं करने या उक्क के कायित्य में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैं शांति बिल्डर्स, रिंग रोड, सूरत।

(ग्रन्तरक)

2. मैं शोबर्ट प्रेमिसिस, मिलल टावर, बम्बई। (अन्तरिती)

को बह स्कूजना बाही करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करसा हुए।

उनत संपत्ति के अर्फान के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: --- इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

निलक्षियत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्भ यह काग्रीलय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी क् सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाँद

तारीख: 9-5-1985

मोहर:

# प्रकृष बार्ड हो पन पुर .....

# सायकंड स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) जो सभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ((निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 6985

निदेश सं० पी० ब्रार० नं० 3540/-II-ध्रतः मुझे जी० के० पंड्या.

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 ए०, ग्राम्वा लाईन्स, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपबाद प्रमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 37ग्रईई के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंक्रिट्रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबता उसत अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉड/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्ति। करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या भनकर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा को निया

सतक जब, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के जधीता, निम्मलिखित अविन्तुनों, अर्थात् ः— ज्वेलर्स अपार्टसेंट, नानपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री सनत कुमार चन्द्रवदन शेठ, लाल बंगला, सूरत।

(भ्रन्तरिती )

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी गन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दौं और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यौय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बर संची

मिलक्रियत जो सूरत में स्थित है 137-ईई का फार्म यह कार्यालय में श्रगस्त 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1985

योगर ह

**अक्य आहें , दी , एन <u>,</u> एक** ,-जननदरन

आवकार विविध्यम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) से व्योग क्यांग

### SHE STAIL

# कार्यासकः सङ्ग्यक कायकर वायुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985

निवेश सं० धी • श्रार० नं० 3541/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर निर्मानयन, 1961: (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया है'), 'की भारा 269-व के न्थीन हक्ष्म प्राधिकारी/को., यह निरमास करने का कारण है कि स्थानर वेपरितृ विस्तृत्वा उच्चित् वावाद मुख्य !

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी से पर्लेट ने 66, ग्राम्बा लाईन्स है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विभित्त हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 37 ईई के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित नाचार मून्य से कम के क्षयमान मृतिप्रका को निष् बन्तिएत की गृह है, और मुन्ने यह निष्नास करने का कारण है कि मृत्राप्ट्रींक्त संपर्ति का उचित् नाधार मृत्य, उनके क्ष्माम प्रतिप्रकृत से एसे क्ष्ममान प्रतिप्रकृत का पंत्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरित्यों) के बीच एसे बन्दरण के निष् सन् पाया न्या प्रविप्रकृत निम्नृतिष्ठित अनुष्टेस से अक्त बन्दरण किविष्ठ में नास्ति के स्मानित स्त्राप्टरी किया गया है हिन्स

(क) बन्धहम् वे हृद् निशी बाद कई वाय्य उक्त व्यक्ति प्रित्य के क्षीम् कर देने के बन्दरक के वादित्य के कानी कहने वा उक्ते क्ष्मने में सुविभा के लिए; और/मा

[का] होती किसी नाय या किसी पत या नन्य जास्तिओं को, जिन्हों प्रारतीय नाय-कड़ विभिन्नम् । 1922 (1922 का 11) या उत्तर वृधिनित्तम् या धनकार वृधिनित्तम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य वृधिकी हवाल प्रकट वृद्धी किया वृशा ना या किया प्राप्त काहिए था, कियाने में बुद्धिया के जिए;

मृत्य भव, उभर अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उभर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधिन किम्लिसिस स्मृतिस्थित क्युक्तिस्था, अधित क्रिक्

- मैं० ज्वेलर्स अपार्टमेंट को० ओ० सोसामटी द्वारा स्वाती अपार्टमेंट, नानपुरा, सूरत।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के दिनपु कार्यशाहिया शुरू क्रता हूं।

## उन्नत सम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्रोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बृद्धि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वों कर च्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (वा) इस अपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन के भीलर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्षिरणह्—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त व्यथिनयम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया स्था हैं।

## मन्त्र

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37म्रईई० का फार्मे, यह कार्यालय में भ्रगस्त 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, महमदाबाद

तारीख: 9-5-1985

वाहित 🗷

# त्रकप आ<u>र्च</u>्टी.<u>एन.</u>एस..-----

भाषकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निद्धाल)

ग्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3542/II--श्रतः मुझे, जी० के०पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित साआर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 2-सीव है तथा जो ग्राम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है (और इससे उपबाद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 37 ईई के ग्राधीन, तारीख ग्राम्स 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का किन्तुर प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्व किन्तुरकों किन्तुरके किन्तुरकों किन्तुरकों किन्तुरके किन्तुरके किन्तुरके किन्तुरके किन्तुरकों किन्तुरके किन्तुरकों किन्तुरके किन्तुरके किन्तुरके किन्तुरके किन्तुरके किन्तुरकों किन्तुरके किन्तु

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, । उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए? बार/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय औयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्याश प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

नतः स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— मैं ज्वेलर्स अपार्टमेंट्स, 1, स्वाति अपार्टमेंट, नानपुरा, सरता

(म्रन्तरक)

 श्री भक्मेत्वरमरल लालभाई मेहता क्षारा डी० एन० सी० मेहता नानपुरा, सूरत।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस स्थाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अक्षोहस्त्रणकारी के पास निवित्त में किए जा सकोंग।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिक्स, के अध्याय 20-क में पित्सावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में अगस्त 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीय: 9-5-1985

मोहर 🖫

मक्ष बार्द हों. पुरात पुरा -----

जानकड विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) जहीं भाडा 269-ज (1) के अभीन स्वना

## शाह्य बङ्गाह

# कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्देशक)

अहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3543/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाधार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रांर जिसकी सं प्रलैट नं 4-एं प्राम्मा लाईन्स है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय श्रहभदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधितियम 37-ईई के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1984

करें पूर्वोक्त सम्मित्स के उष्यत बाधार मृन्य से कम के क्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण हुं कि यथापूर्वेक्त संपत्ति कम उष्यत बाजार भून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क)) बन्तरणे से हुई किसी जाय की बावस्का बक्त वृधिनियम के वधीन कार दोने के बन्दरका को बायरव में कमी करने या उससे वचने में बुद्रिया के तिए; बीक्ट/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या धन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने यो सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्ट अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, अवश्व अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अधीम निकारिका, व्यक्तियों, अर्थात् ह—  मैं० ज्वेलर्स श्रपार्टमेंट 1 स्वाति श्रपार्टमेंट तिम्। लिया-वाड नानपुरा सुरत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुभाषचन्द्रा प्रेमचन्द्र मादी अर्पण अपार्टमेंट सुरत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूजना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उनत सन्यति में वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना कि तामीस से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अवधि बाद में समस्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इदारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीश से 45 विक के भीता उनक स्थावर सम्पक्ति में हित-वहुभ हिन्सी जन्म व्यक्ति च्यारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उसत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

# भनुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में अगस्त 1984 में पेश किया गया है। जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 9-5-1985

मोह्य 🛭

प्रकल कार्यं हु दी ु पुन पुर हुन्न्य नामान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अभीन स्वना

### · भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक आयेकर आयुक्त (निरीक्षण)
- धर्जन रेंज, श्रह्मदाबाद
श्रह्मदाबाद, दिनांक 9 मई /1985
निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3544/II---श्रतः मुझे,
जी० के० पंडया

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उंक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4-बी० रिव छाया श्रपार्टमेंट है तथा जो ग्राथवा लाईन्स सुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रत्भूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम 37-ईई के ग्रधीन तारीय ग्रगस्त 1984

- करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का भंका प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पामा नमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया नमा है:——
  - (क) अन्तरण सं हुन् किसी आय कर्ड बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट्/बा
  - (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अजिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया कि किया अन्य आहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्ति-जिल्ल व्यक्तियों, अभात :--  मै० रिव एन्टरप्राईसेज राजेश्वर श्रपार्टमेंट्स नानपुरा सूरत ।

(अन्तरक)

2. मै॰ निरुपति । एन्टरप्राईस - सूरत ।

(अन्तरिती)

और बहु सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के बर्चन् के फिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्पत्ति के बर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों नहें सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाहा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहम्लाकारी के पास सिवास में किए का सकारों।

स्वक्रीकरण:----इसमें प्रयुक्त कर्ट्यां और पदा का, जो सक्त क्षायं काधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यायं 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स् भी

मिलिक्यत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में ग्रगस्त 1984 में पेण किया गया है। जीव केव पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

ॅतारी**ख**: 9-5-1985

मोहर 😘

# प्रकण नाइ\*. टी. एन . एक . ------

नायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाद्रा 269-न (1) के ज़धीन सूचना भारत सरकाह

कार्याजय, सहायक भायकर भायक्त (निर्देक्षण)

श्चर्जन रेज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3545/II—श्रनः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 9/10ए०, रिव छाया श्रपार्टमेंट है तथा जो श्राथवा लाईन्य सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपामद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रुशिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 37-ईई के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1984

का पूर्वोक्त सम्मिश के उचित्र बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए, जन्तरित की गई है और मफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिश का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिबित में बास्तविक रूप से किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीपनियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कभी करने वा उससे अपने में सुनिधा के निए; जीर/जा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य मास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत मधिनियम, या भनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में मुश्यिभा के लिए

बतः नवः, उक्त निर्मानयम कौ भारा 269-ग के ननुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिविक्त स्युक्तियों, नुभति ह—-  मै० रिव इन्टरप्राईजेस राजेश्वर श्रपार्टमेंट तीमालीवाड सूरत।

(ग्रन्तरक)

 मै० हनुमान सिल्क मिल्स मजूरागेट सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ॥--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तः
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो असत जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सू पी

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्ज यह कार्यालय में ध्रगस्त 1984 में पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजन रेंज-11: ग्रहमदाबाध

तारीख: 9-5-1985

नोहर 🛭

प्रक्ष बाईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन न्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं  $\phi$  पी० आर नं० 3546/II—अतः मुझे जी० के० पंडया .

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, चिश्वका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9/10-बी० रिव छाया श्रपार्टमेंट है तथा जो श्राथवा लाईन्स सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 37-ईई के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1984 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के ध्रयमान प्रतिकल के सिए बन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का अधिक वाचार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे ध्रयकान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है सार बंतरक (बंतरका) बार बंतरिती (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिक कन निम्ननिवित उद्योग से उक्त बंतरण विश्वित में बारतिक क्रय से अधित नहीं किया गया है :---

- (फ) कन्तरण ये हुई किश्वी बाव की वावत बचल जीवदिवन के बचीव कर वोचे के बन्दरूक की बहिब्दन में कर्मी नहते या सबसे बचने में सुविधा को तिए; जीर/बा
- (थ) एसी किसी जाय वा विकती अभ वा अन्य बारिसकों की , जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्धात् :—
47 —136 GI/85

 मैं० रिव एन्टरप्राईजेस राजेश्वर श्रपार्टमेंट नानपुरा सूरत।

(श्रन्तरक)

2 श्री सुभाष श्रार० ग्रग्नवाल मजूरागेट सूरत। (ग्रन्तरिती)

को बहु बुचना वारी करके पूर्वीचत सम्मत्ति के नर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सन्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ी भी शक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनिध या तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सम्बा और पर्यो का, जो उक्क अभिनियम के अध्याद 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उध अध्याद में किया गया है,

अनुसू**ची** 

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में भ्रगस्त 1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1985

मोहर:

## प्रकार आहे. डी. प्रता व्या . ------

बापकर कविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आमृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985 निदेश सं० पी० शार० नं० 3547/II---ग्रत: मुझे जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7-ए, रिव छाथा ग्रपार्टमेंट है तथा जो श्राधवा लाईन्त सूरत में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबेड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यातय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 37ईई के श्रिधीन तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वेक्स सम्मित्ति को उचित बाबार मूल्य से कान के करवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है

कि यथा पूर्विति सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके कर्यमान प्रतिकल सं, एसे क्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत सं क्षिक हैं और अंतरित (अंतरितिकों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप ने किश्व नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के या रूप से कारी करने या उत्तमें अवसे में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) एंगी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर नियम, या धनकर नियम, विश्व के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

श्त: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निशिक्ति व्यक्तिसमों, नश्चि :---

- 1. मैं वि शिया अपार्टमेंट आछ्वा लाईन्स: सूरत । (श्रन्तरक)
- 2. श्री ईन्द्राचन्द्र चनुरभुज, ढारा किरण सिल्क कार्पो-रेणन स्रत टैक्सटाईल्स रिंग रोड, सूरत (बन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत संगत्ति के नक्जन के संगंध में कोई की आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की बनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, को भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इत बूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी व्यक्ति व्वारा, अभोइस्ताक्षरी के पात सिकित में किए वा सकेंगे।

स्वकाकरण:--इतमें प्रवृक्त कर्नो और पर्वो का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित के ही, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिवा गका ही।

#### शक्त की

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में श्रगस्त 1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
शर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1985

'मोहर ;

इसन कार्य<sub>क</sub> की <sub>न</sub> स्व<sub>ार</sub> स्व<sub>ान</sub> अन्तरन

# नावभार वीभीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) ने नवीन सुक्ता

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कार्यकर बायुक्त (निर्यालय) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमसाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3548/H—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाक (जिसे इसमें कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार नृस्व 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 8-मी०, रिव छाया श्रवार्टमेंट, है तथा जो श्राथवा लाईन्स, स्रन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधारों के कार्यालय, श्रहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितारों के कार्यालय, श्रहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 37ईई के श्रिधीम, तारीख श्रागस्त 1984 को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान

कार पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफस के पंद्रह्म भित्तत्त सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अंतरण चिखित में वास्तविक हम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबस आंधानियम के अधीन घर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) था उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रवोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;
- अत. अत. उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत. निम्निनिश्चित व्यक्तियों, वर्षोत् एक्क

 मैं० रिव एन्टरप्राईजेस, राजेश्वर स्रपार्टमेंट, नानपुरा, मूरत।

(ग्रन्तरक)

 श्री रूपकुमार श्राक्षानंव भाटिया, त्रिवेणी श्रवार्टमेंट, नानपुरा, सूरत।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करवा हुं।

## उक्त संबक्ति के कर्बन के संबंध वो कोड़ों भी कालेंब :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की ननीभ वा तत्क्षम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का जिलाों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी कम्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वही जर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्ला गया है।

#### नगर की

मिलिक्यत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में अगस्त 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज-11, श्रहमनाबाट

सारी**ज** : 9-5-1985

रोहर 🛚

## शस्य बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकार ऑभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

# कार्यात्रय, तहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985

नायकर निगित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निभित्तयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9/10-सी०, रिव छाया अपार्ट-मेंट है तथा जो आधवा लाईन्म, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से श्रीणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 37ईई के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने भें सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाका चाहिए था, छिपाने में मुन्यिश के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मै० रविछाया एन्टरप्राईन, राजेश्वर श्रपार्टमेंट, नानपुरा, सूरत।
   (श्रन्तरक)
- 2. श्री महेन्द्र फुमार सी० चौधरी, हीमानी श्रपार्टमेंट, मूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

क्यत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 विन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हितबढभ किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पंतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा स्था हैं।

## वन्स्ची

मिलिकियत जो मूरत में स्थिन है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में अगस्त 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, श्रहमवाबाद

सारीख: 9-5-198**5** 

मोहर :

# त्रक्षम बाह्". ही. एव . एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्रंजीन रेंज-II, श्रहमदाबाद आश्रम रोड, कार्यालय, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985

निवेश सं० पी० ग्राप्० नं० 3550/11—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं 'क स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4-सी०, रिव छाया अपार्टमेंट है नथा जो श्राथवा लाईन्स, सूरत में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 37ईई के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफर्ल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्टिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ वं हुई किवी नाम् की वासत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे स्थाने में सूबिधा क त्यम्, अस्/सः
- (व) एती किसी नाय या किसी धन वा बन्च बारिस्वां का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, क्रियाने में बृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीप, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्—  मैं० रिव एन्टरआईज, पहली मंजिल राजेश्वर श्रपार्टमेंट, नानपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

2. मैं प्रमोक टैंक्सटाईल्न, भागीदार-श्री मुमीलभाई जीव श्रर्याल, 261, न्यू क्लाथ मार्केट, प्रहमदाबाद-2

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त संपत्ति के नर्धन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किचित में किए जा सकारी।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

## अनुस्थी

मिलिकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में श्रगस्त 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाह्", टी. एन, एस. ------

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारक वरकार

कार्यालन, उहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं ० पी० श्रार० नं० 3551/II—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

नायकर निभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बक्बास 'उक्त निभिनित्तम', कहा गमा हैं), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता अणित वाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से निभक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 3- ०,० रिव छाया अपार्टमेंट है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 37-ईई के श्रधीन तारीख अगस्त 1984

की पूर्वोक्त कम्मित के विकास नाकार मूक्य से कम के क्रमणांन प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते मह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आवार मूक्य, उबके क्यमान प्रतिकल से शैसे क्रयमान प्रतिकल के बंदह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के भीच एवं जन्तरक के लिए तब पाना गया प्रतिकस, निम्नीसिवत उब्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित में वास्तीकक रूप से कांग्रिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त विधीनयम के अधीम कर दोने के अन्तरक के बाजित्य में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा कें जिल्हे; बॉर/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोचनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः गंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अन्यारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीय, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैं० रिव छाया एन्टरप्राईसेश राजेश्वर श्रपार्टमेंट: नानपुरा सुरत।

(भ्रन्तरक)

2 श्री भूपेन्द्र भाई छगनलाल दलीचंद नगर श्रथवागेट सूरत।

(धन्तरिती)

की नह तुम्मा चारी करके पूर्वों यह सुन्तिक और वर्षन की विश् कार्यशाहिनों करता हुं ।

उनक् बंप्रित के बहुन के तंबंध में कोर्च भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपर्य में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समित, को भी स्वीध नाद में तमाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से सिक्ती व्यक्तिय सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीब से 45 किन के भीवर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किश्वी जन्म व्यक्तित हुवाय नभोहस्ताक्षरी के पाध निश्वित में किए वा दकोंने।

स्पन्नीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 2('-क में गरिमाणित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय मुहित्स पना है।

## श्रनुस्ची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में ऋगस्त 1984 में पेश किया गया है।

> जी ० के० पंडधा सक्षम प्राधिकारी

महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-11 ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1985

मोहरः

## प्रकृषार्द्रा दी । एन । एस । -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिलांक 21 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं०  $3552/\Pi$ —श्रतः मुझै, जी० के० पंडया.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिनकी संव 1/1230 नानपुरा है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूनी में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिवियम 1908 (1908का 16) के अधीन तारीख 5-10-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्या से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति, का उचित बाजार मृष्या, उसके ष्ययमान प्रतिफल से, एसे ष्ययमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकातु से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिचित में वास्तिक क्या से किश्य नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाम की वाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दासिस्च में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविध के लिए;

बतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री दोलतसान् जहांगीरजा श्रीर श्रन्य नानपुरा सूरत।

(भ्रन्सरक)

2. श्री शीलाबेन चुन्नीलाल चपटवाला, नानपुरा, सूरत। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपित के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

स्पव्दीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा स 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हान्नेती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाल विविश्त में किए का सकोंगे।

#### अन्त्वी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिज- स्ट्रार सूरत में 8909 नंबर पर दिनांक 5-10-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, भ्रह्मदाबाद

तारीख: 21-5-1985

मोहर 🖫

## त्रक्ष. बाह्रै, टी. एन्, एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के अभीन सुभना

## मारत् स्रकाड

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

म्रहमवाबाद, दिनांक 21 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3553/II---श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पर्शि, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5/78, ग्राम्या लाईन्स है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपायक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-10-1989

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का वन्स् प्रशिक्त से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) बौर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल निम्नितिबत उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण संहुई किसी याम को बायत, उचत अधितियम के अधीन कार दोने के अल्बारक के शियत्व में कामी कारने या उत्तसे बचने में सुविधा के बिए; बॉर√वा
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन गर बन्ध आस्तियों करें, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27% के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने ये विवास के सिए;

नत: जन, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के नन्तरण ने, में, तक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निध्नलिचित व्यक्तियों, नथित्:—  श्री दलीप युमार सोभागमल मेहता, सोनल दिलीप युमार मेहता, सूरत। (ग्रन्तरक)

मैं० विमृति ग्रवार्टमेंटस ओनर्स एसोसियेशन, प्रमुख
 श्री ग्रार० के० मडल, सूरत।
 (ग्रन्तरिसी)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के भीत्रय्-कार्यवाहियां मुक्त करता हुं।

## उन्त सम्मत्ति के नर्जन के तंत्रंव में कोई भी वास्त्रेप ह्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की समि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 विन की समि, को मी माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त ब्र्थ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकास में किए जा सकोंगे।

स्वच्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों कींट्र पर्यों का, को स्वय विभिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में , विका गया है।

अतसची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब राजस्ट्रार सूरत में 8791 नंबर पर दिनांक 16-40-84 में राजस्टर्डकी गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रह्मदानाद

तारीख: 21~5-1985

मोहर:

## प्राक्ष्य आहें ही पूर् एवं -----

णायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की बधीन सूचना

#### नारत धरकार

# कार्यालय, सहायक शायकार नायुक्त (निर्दक्षिण) शर्जन रेज-11, श्रहमदाबाद

घहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1985

निदेश संव पीव झारव नंव 3554/II-- झसः मुझे, जीव केव पंडया

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसवीं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी दुकान 2170, सूरत टैक्सेटाईल मार्केट है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूषी में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1984
को पूर्वोक्स सम्परित के उत्तित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान
परिष्णुंद के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते बहु विक्तास
करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के
स्कुद्ध प्रतिकात में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब
पावा गया प्रतिफाल, निम्मलिजित उद्देश्य से उसत अन्तरण
निवित्त में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है द

- (क) बस्तारण से हुन्दे किसी नार 'शी धावस, केवल किश्तिका भी काशीन कार दोने के अन्तरक के शाकित्व में कमी कारने वा उत्तरों वजने के समिधा वे सिद्ध; बर्गू-/वा
- (थ) ऐसी किसी आब मां किसी धन वा अन्य जास्तियों की चिन्हें भएरतीय आवकार जीविन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं कि मा गया था या किया जाना चाहिए का छिपाने में सुविधा के सिष्;

मत: १व, उन्त मीर्थिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, बो, उन्तर सिथिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्मिलिश्वित स्पन्तियों, अर्थात् :— 48---136 GI/85  मै० सिगापुरी सिल्क मिल्स, मनीजाल नागिनदास, बेगसपुरा, सुरत।

(अन्तरक)

 श्रीमती कीणल्या देवी ईशाकुमार नदवाली, रान्देर रोड़, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

न्द्री स्त्रु वृत्रमा चारी कड़के पुनिष्यु सम्पृतित् से मुर्चन के बिए कार्यगाहियां कड़ता हों।

बक्त तम्मरित से अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप उ---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशनं की तारीक से 45 दिन की नवीभ या तत्त्वं मंधी स्थमितमां पर स्थान की तारीक है 30 दिने की अन्धि, जो भी नवीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थमित बुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित, में किए का सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उपत अधिविषय के अध्याद 20-के में परिभाविष्ठ हैं, कहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विषया वस हैं।

## नग्त्वी

मिलकियत जो खूरत में स्थित है। सब राजस्ट्रार सूरत में 8198 नंबर पर दिनांक 19-10-84 में राजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम श्रीधकारी महासक श्रायकर श्रायुक्त. (निरीक्षण) अर्जन रेज--11, ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-5-1985

मोक्तरः

प्ररूप जाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, घटमदाबाद

**धह**मदाबाव, दिनांक 21 मेई 1985

निदेश सं० पी० भार० नं० 3555/सू—भतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आसकर बिधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कार्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव दकाल नंव जेव-3059, सुरत टैक्सटाईल है तथा को मार्नेट, सुरत में स्थित है (और ६ससे उपाबढ़ अनुसुची में और पूर्व रूप से विवत है), रिजस्ट्रीहर्की अिंध-कारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीहरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-10√1984 को बुर्वोक्ट सम्मत्ति के उदित वाजार मृत्य से कम के दश्यमा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन भा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन्नोंदि अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सूनिधा के लिए:

कतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण तो, भी, अकत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निस्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातु :——

- समयी बेन जीव राम पटेल जामूबाजार—सूरत । (भन्तरक)
- 2. श्री गुंध तेगबहादुर टैक्सटाईल, भागी दार— श्री तौताराम चोखाराम जुनेजा और अन्य, राम-नगर, रान्डेर, सूरत।
  (भन्तरिती)

को यह सूचना जारौ करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को मर्जन को लिए कार्यमाहियां करता हुं।

जन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यों 43 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्द्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिक्रीकिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## बन्स्ची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 9116 नंबर पर दिनांक 12-10-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडर्यी शक्षम प्राधिकारी लहार्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--III, शहमवाबाद

तारीख: 21--5--1985

मोहर 🛭

The the reality of the reality of the property of the property

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्याक्य, ध्रहायक वासकार आयुक्त (निरीक्षण) . प्रजीन रेंज, प्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1985

र्वनिदेश सं पी० भ्रार० नं 3556/II--- म्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी संव सी-1295 सुरत टैक्सटाईल मार्केट है तथा ओ सुरत में स्थित है और इससे उपाबक अनुवची में और पूर्ण इप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीक्यण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्टे यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीज एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्षक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहूइ किसी बाय की वायत, उसते अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा स्ट्रेसिक्; बहुर/बा
- (क) एची किसी जाय या किसी भून या जन्य आहिरायां को, जिन्हें भारतीय नाम-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अभिनियम, बा धन-कर अभिनियम, बा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने वें सुविधा के लिए;

असः जन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भें, भें,, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के बधीन निम्मतिधित विकसियों, वर्णात् हिन्स

- मै० एम० मह्वागार एण्ड बं०, गोपीपुरा, सूरत। (श्रन्तरक)
- 2 मैं० सालाजी सिल्क मिल्स, भागीदार- श्री ईश्वर-लाल नगीनादास और अन्य, गोपीपुरा, सूरत। (अन्तरिती)

क्ष व्यक्षा जाडी करके पृथानित धन्मरित के वर्धन के बिहर कार्यक्षांश्वर करता है।

सम्मा सम्मापि को अर्थात का स्थानक भी जाहिए भी जाहिए :---

- एक इस स्थला के राजपत्र भ प्रकाशन की तारीय भे 45 दिन की नविध या तरलंबंधी न्यक्तिमाँ पर स्थान की तासील सं 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (स) इस त्थना को राजपत्र मों प्रकाशन की तार्यं से सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थाधर सम्प्रीस्त मो हित-मणुष किसी जन्म कानित द्वारा, प्रतिहासार । अ वास निविद्य मों किस वा सकोरी।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहाँ अर्थ हानी, जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

**प**नुपूर्वी

मिल्कियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 9721 नंबर पर दिनांक 16-10-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

जी के० ५डमा सर्वाम प्राधिकारी सहायक म्यामकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रंज-111, स्रहमदाबाद

तारीख: 21-5-1985 महरः प्ररूप आहु , टी. एन . एस . ------

आयकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के नधीन सूचना

### भारत सरकार ं

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज•11, ग्रहमदाबाव

ग्रहमदाबाद; दिनांक 22 मई 1985

निक्श संव धीव ग्रारव नंव 3557/II--श्रतः मुझे, जीव केव धंड्या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिन्नी संव सी-1164 मुरत टैनसटाईल मार्नेट, है तथा जो रिग रोइ, गूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता मिंध-कारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीख 17-10-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का पन्तरह प्रतिकात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्निलिखत उद्देश्य से इक्त अंतरण कि सिस्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिशा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 पुजारी लाल सूथी किमन एण्ड कं० भागीदार उक्तमचन्द पुजारीगत और अन्य अशाक विहार, दिल्ली—52।

(ग्रन्तरक)

 श्री विकोद बुमार फूनचरद अश्रवाल और अन्य, `स्थामपुरा, सूरत।

(मन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षनः के लिए<sup>क</sup> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति विवासि व
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिक नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनस ची

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। सब रिबस्ट्रार, सूरत में स्थित 9249 नंबर पर दिनांक 17→10-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडवा मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, ग्रहमनाबाद

तारीख: 22-5-1985

महिर ३

## प्रसंप यात्री दर्भ द्या : --------

शावकर जीधनियन. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्वता

## भारत सहकार

सार्यालय, सहायक वायकर बायकर (निद्वासण) मर्जन रेज, अहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक, 22 मई 1985

निदेश सर भी० ग्राप्ट नर 3558/II—श्रतः मुझे, ंजीर केट पंडया,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन अभग प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 28-2, टी० पी०-4 है तथा जो नवागाम सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्कारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिकिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिकीन, तारीक 19-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास करने का स्थारण है जि अधारपांचल सम्पत्ति का उचित जाज़र मूल्य, उसके रहममान अतिकल से, एोसे रहममान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिकाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्रक कि निम्मलिखित उद्देश्य से उसल अन्तरण सिचित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण ते हुन्दै किती जाव की यावत, उक्त अधिमियम की अधीन कर दोने के जन्तरक को दावित्य जो कमी करने या दक्षते बचने में बुविधा के किए? करि/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन वा अन्य आस्तिवाँ की जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त जिभिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधि प्रवाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या वा किया जाना चाहिए या, कियाने में स्विधा के लिए।

अनः अव उजन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपन अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) वे अधिन, निम्नीविधत व्यक्तियों अवित् क्ष्यान  श्री चंपकलाल बल्लिभभाई पटेल, खांड बाजार, नवागाम, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री णामजीभाई कालीदास पटेल, लम्बी हनुमान रोड़, मूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी क<u>रको पूर्वोक्त सम्मील को अर्थन के जिए</u> कार्यवाहियां करता हु

उनदा सन्परित की अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तेक्त. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस ग्रूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त मधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया नदा हैं।

### **अभवार्थः**

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 8463 नंधर पर दिनांक 19-10-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० घडया सक्तम प्राधिकारी **मुहाबक भ्रायक**र शासुक्रन (निरीक्षण) अर्जन रेज-धी<sub>र</sub> श्रहमदाबाद

ंतारीम् । 22 -5-4,985

माहर 🛮

प्रकम बार्ष: टी. एन. एस. ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

## गारत सफ्तार

कार्यासय, सङ्घायक आयकर आवृक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदानाद, दिनांक 22 मई 1985

निदेश संव भीव ग्रारव नंव 3559/II---ग्रतः मुझे, जीव केव पंडया,

नायकर निधिनयमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'जन्त किथीनमा' नहा नया हैं), की भारा 269-ल के सभीन सक्षम श्रीधकारी को यह जिल्लास कारने ना कारण हैं कि स्थापर सम्बक्ति, चित्रका उचित वाजार भूस्य 1,00,000/-रा. से बिजिक हैं

और जिसकी सं 0 11/1/9/48-499 है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इस्क्रो उपाबक प्रमुख्यों में और पूर्ण हप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 22-10-1984

को प्रांचित संपरित के उच्चि बाजार मूक्स से कम के दायमान श्रीतकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते मह विकास करने का कारण हैं कि मधाप्योंक्स सम्परित का उचित बाजार क् मूख, उसके दववमान प्रतिकास से एसे दवस्थान प्रतिकास के पन्तस्थ व्यतिचत से मिक्क हैं और बम्बरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए सम पासा गया प्रतिकास, निम्नीसिया उद्योचन से उसत अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किंचत नहीं किया गया हैं '——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की वायत, उक्त मधिनियंग को अभीन कर दोने के बन्तरक के वाक्तिय में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य वास्तियों का जिल्हें भारतीय आयकार विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिन्नम, या भन-कर विभिन्नम, या भन-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविभा के तिए।

 श्रीमती रेखा बहुन महेन्द्र देसाई और भ्रत्य, कृष्णां निवास, नवसारी।

(प्रन्तरक)

2. श्री ग्रम्तलाल एच० देसाई, (चेयरेमैन) मै० देशव श्रपार्टमेंट, नागरवाड, नवसारी।

(भ्रन्तरितीं)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोचन सम्मत्ति के वर्षण के [सक् कार्यवाहिमां करता हुए।

- (क) इस सूजका के राज्यान की प्रकाशन की तारील के 45 जिस की अविच का राज्यां भी व्यक्तियों पर सूजका की डाबीस से 30 दिन. की बर्वीम, जो भी अविध साद में समाप्त झाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी काविस द्वारा;
- (ख) इन्स स्थान के शास्त्रक सं एकाकन का तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्द स्थानत क्षारा स्थाहस्ताकरी के शास सिविश्व में किए जा तकने।

ह्मक्तीकरणः - इसमें प्रश्नमत सन्दाँ और पदों का, जो उक्त आधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया मबा है।

## / यन्त्र्यी

मिलक्षियत जो नवसारी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार नवसारी में 2510 नंबर पर दिनांक 22-10-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),** शर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अतः अध्यः, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निसिसित व्यक्तिस्यों, अधित्।

नार्ग**क**: 22-5-1985

मोहर 🖫

प्रकप काहैं. टी. एनं. एसं.-----

क्षाव्या भीशां नवस्तु 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकाद '

## कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) प्रजन रेजा[, श्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3560/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं। उसकी के० 622 व 636 /49 है तथा को सबसारी

और जिसकी सं० 622 व 636 | 49 है तथा को नवसारी में स्थित है (और इसने उपाबक अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, नवपारी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीखु 22-10-1984

को ब्वें अन संपत्ति के उक्ति बाजार सून्य सं कम के इष्यमाय प्रित्तिक के निए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथां पूर्वेक्त सस्मिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेच्म से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्त्रिक रूप से अधिक रूप से उक्त अन्तरण निस्ति

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय साप- पर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था था किया जाना साहिए था, निर्मार किया के सिया के सिया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- ा अवस्ति । रहतम जी मुल्ला, रुस्तमवाडी, नवसारी। (भ्रन्तरक)
- श्री श्रीवपचन्द्र झाय्याभाई सुधिया बिल्डिंग, नवसारी। (श्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के शिए कार्यवाहियां करता होंद्र

उम्त सम्मत्ति के बर्चन के संबंध में कांद्र भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचमा को राजपन मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि सा तरसंबंधी ज्याकितयों पद सूचन की रायौल से 30 दिन की अवधि, वो भी संबंधि नाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्यॉक्त क्यवित्यों में से किसी क्यवित त्यारा,
- (क) इत क्ष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 • दिन के भीतन उक्त स्थागर सम्पत्ति में दितवह्स किसी कन्य स्थास्त द्वारा, क्याहरताकारी के पास सिश्चित में किए का सकोंगे।

. (अच्छोकरण :---असमी अयुक्त हाल्दों बरि पदी का, बा उक्त • अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बही पूर्व क्षीयक जो तस अध्याय मी दिया गया ही।

#### वन्त्वी

सिलिकियत जो नवसारी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार नवसारी में 2520 नंबर पर दिनांक 12-10-1984 में , रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या सन्नय प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नापुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंग-II, सहसदाबाद

नारीख : 22**-5-198**5 मोहर ३ to a rest to the second second

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

मायकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से बचीन सुचना

### प्रारत तरकार

## कार्यातय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्न) धर्जन रेज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1985

निवेश सं० पी० धार० नं० 3561/ — ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इनकें इनके परणाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सध्यति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3, शांतिनिकेतन सोसायटी है सथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद प्रतृसूधी में और पूर्ण रूप से विश्त है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के रवयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और पूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रव्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरका) और अंतरित रिती (जंतरितिया) के बीच ऐसे जंतरफ के लिए तय पास नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त जंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से शुर्ष किसी बाय की वावतः उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने, में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय वा किसी थन वा कम्य शास्तिकों कारे, जिल्हा भारतीय जाय-कार निर्मित्यस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निर्मित्यस, या धन-कर निर्मित्वस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किसा जाना चाहिए था, कियाने से सुविधा स्विद्या के किए;

वतः वयः, राक्त वीधीनयम् की वारा 269-ग के वमुक्रक में, में, उक्त वीधीनयम् की वारा 269-व की उपधारा (1) के वधीनः निकारतिमन व्यक्तियों, वर्षात् रास्स  श्री गुलाबभाई ऋडुभाई वेसाई, लोतिनिकेतन सोसायटी सुरत ।

(ग्रन्तरक)

 श्री ईम्बरलाल रततश्री, शांतिनिकेतन सोसायटी, सुरत।

(मन्तरिती)

को यह ब्याना चारी आरखे पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के स्थिए कार्ववाहियां कुरू करता हुं।

जनत तम्मरित के वर्षन के तंत्रंभ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की बनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निरुद्धत में किए जा सकते।

स्मानिकरणः --- इसमें प्रयुक्त अन्तों और पदों का को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, यही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विद्या गया है।

## मन्स्की

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 95:10 नंबर पर दिनांक 22-10-84 म रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंख्या सक्षम मधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीख: 22-5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देशण) प्रजंन रेज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं०  $3562/I^{I}$ —श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

कौर जिसकी सं० 105 और 204 है तथा जो ग्रथ्या लाईन्स सूरत में स्थित है (और ६ससे उपाबद ग्रन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा ग्रिक्षिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन, तारीख 16-10-1984

का पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अम्ब पेसे धन्तरक के निष्क हम पाया गण प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (का) जन्तरण संसुद्ध किसी बाय की बाबता, उसक जीभीनवस के वधीन कार दोने के अन्तरक के शाँथ कर यो कसी करने का सबसे अपने में सुनिधा के बिका बीद/का
- (रू) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था। जिल्हाने से सुविधा के निए:

बतः: जबः. उसत अधिनियमं की भाग 260-ग से परापाल में, में, उसत अधिनियमं की भाग 260-च की उपधारा (ा) के अधीन, निम्मिलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—— 49.—136 GI/85  श्रीमती प्रणिमा प्रविण्वन्द्र शाह, दीपमणल सोसायटी प्रथ्वा लाईन्स, सुरत ।

(श्रन्तरक)

2. मैं किम्ति अपार्टमेंट जोनर्स एसोसियेशन, आए० के० मंडल, उधाना।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पृशांक्त सभ्यत्ति के वर्षन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

बबत सम्पतित के नर्बन के सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप:---

- (क) इत स्पान के राजपण में अकारक की शारीय से 45 दिन की अवधि या तत्यंबंधी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाम में समाप्त होती हो. की भीतर पूर्णक किलायों में में किसी स्पास्त हवारा
- (क्ष) इक स्वता के राजभक्ष में प्रकाशन की तारीस है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये जा तकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें शयतक कन्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होणा जो उस अध्याय में - दिया मना है।

## अन्सूधी

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्टार, सूरत में 9222 नंबर पर दिनांक 16-10-84 में रिजस्टाई की गई है।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-II, भ्रहमदाबाद

तारीख: 22-5-1985

मोहर:

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विधीन सूचना

#### शारत वरकाड

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निर्मक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 24 नई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3563/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसक् इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 102, नौंद नं० 1933 है तथा जो मजूरागेट, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1984 की पर्वोक्त मंपित को उपित बाबार मन्य में कम में दक्षमान अतिफल के लिए संत्रित की नहीं हैं और में यह किठवाम करने का कारण हैं कि यभाप्बोंकत सम्मित्त का उपित बाबार भन्य उसके दक्षमान प्रतिफल से, एमें क्ष्यमान प्रतिफल का पन्दह शितशत सै-अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए एक वाबा नवा शितफत, निम्नतिसित उद्देश्यों से उस्त अन्तरण विकित में नामनिक रूप में कीचत नहीं किया नवा है

- (क) ताराण में हुई किसी काय का बाबत, सक्त वीधनियम के वधीन कर धने के अन्तरक के वाधित्य में वासी करने या उससे वधने में सुविधा के विक्, वीर/बा
- (ध) ऐसे किनी बाद या किसी धन या बना प्राक्तियाँ की, डिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं निया गया था या किया जना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मै० ग्रोरियंट कार्पोरेशन, रिद्धि-सिद्धि अपार्टमेंट, सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री जतीन हसमुखलाल, सलावतपुरा, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही मूरू करता हूं।

ंडक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी नाभाष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकरें।

स्मष्टीकारण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिण्यू भवा है।

## धनुसूची

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 8633 नंबर पर दिनांक 19-10-84 में रिजस्टड की गई है।

> जी ० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अजन रिंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 19-10-1984

मोहर 🖫

## प्रक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-II, अहमदाबाद

े अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० पी० अ।२० नं०  $3564 {}_{\rm I}{\rm II}$ —अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० उमरा जाकट नाका, सजंन सोम।यटी है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ,सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तुबर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुखमान प्रतिफल से, एसे रुखमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

कीर अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीक एंसे अंतरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उथत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित खीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिधिक विकास अधीत :--

- 1. श्री हेमासरन हेमंत कुमार पटेल, उमरा जाकटनाका सूरत। (अन्तरक)
- 2 श्री सु मलासरन हंसमुखलाल पटेल महिधरपुरा, सूरत।

(अन्सरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अजन के लिएं कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## मन्स्ची

मिलकियत गो सूरत में स्थित है। सब रॉजस्ट्रार, सूरत में 6076 नंबर पर दिनांक 25-7-84 में रजिस्टर्ड की गई है। (जो 37-जी० के फार्म यह कार्यालय में अक्तूबर 1984 में प्राप्त किया गया है)

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-5-1985

मोहर ः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्णालय, सहायक आयक्त (निर**िक्रक)** अजन रेंज-II, अहमव(बाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० पी० अ/र० नं०  $3565/\Pi$ —अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 11, नया नं 2430 व 2431 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूणं रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीख 12-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भाभक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिख उद्वरेष से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तिबक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (फ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धा छिपाने में अनिभा असे सिए;

कतः कवा, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्हिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. मिसेस वीली ऐंदलजी काटजीरिया **धौर भन्य,** मगलीसरा, सूरत।

(अन्तरक)

2. नाजोदर शमीनलाप अर्जन को० श्रो० सोसाइटी चेयरमैन- जी० एच० यपला, मुगलींसराय सूरता। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थाकरीकरण : — इसमें प्रयुक्त कर्का और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगाई जो उस अध्याय में दिया गया है 10

## अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 9112 नंबर पर दिनांक 12-10-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदााबद

सारीख: 22-5-198**5** 

मोहर 🖫

प्रकर् बार्ड, टी. एन्, एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### मारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3566, II अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० एलं०-2063, सूरत टैक्सटाइल मार्केट, है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रुप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-1984

को पूर्वाक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब बाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उच्चिय से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाग की बाबत, उच्च अभिनियम के अभीन कर वोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उत्तरे बचने के सुविभा के लिए; और/या
- (क) प्रेसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय काय-कर किशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, जिपाने में स्विधा की विद्या

मता वर्ष , उसत विधिनियम की धारा 269-म की बन्सरम मों, मों, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निट्डित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री वीपक निरंजनलाल, मेघदूत सोस यटी दूरत। (अन्तरण)
- 2. श्री रतनसास किरपासदास पचीमर, रिंग रोड़, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीष्ट से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लामा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। । सब रिजस्ट्रार सूरत में 9276 नंबर पर दिनांक 18-10-84 में रिजस्टर्ड की गर्द

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-5-1985

मोहर 🔅

प्रकल कार्च टी धन एक .----

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 थ (1) के अभीत सुवार

### भारत सहस्राह

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3567/H—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'जनत निर्मित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के जधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1.00.000/- रहा में अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० ए०-2335, सूरत टैक्सटाईल मार्केट, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख 19-10-1984,

को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मल्य से कम को धरयभान प्रतिकल के अन्तरित गहर लिए की B<sub>2</sub> यहः विश्वास करने का कारण कि मधापूर्वीकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरक से हुई किसी जान की नानत, उनता जीभिनियम के सभीन कर देने के जन्तरण खें दायित्व में कमी करने या उससे क्यन से सुविधा⊱ के सिष्; बॉर√ना
- (ब) एसी किसी नाथ वा किसी भन या अन्य वास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 क) 11) या उथत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवलेजनार जन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया भंग या था, किया मान्य प्राप्ति की क्या वा था, किया मान्य शिहर था किया वे सुनिभा के लिए।
- कतः स्म, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैं ० जसवतलाल एण्ड० ब्रदर्स, सलतनपुरा, सूरत। (अन्तरक)

 श्रीमती सुष्मा अनिल कुमार महाजन ग्रीर अन्य, रिंग रोड़, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पृत्रांकत संपत्ति के अर्चन के बिए फार्यवार्द्धमां कारता

## · उन्त संपृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप डू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामील से 30 मिन की अवधि, जो भी
  विभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में अकाशन की तारील से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित्त इप किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाकरणः - इतमे प्रयुक्त कवा और पर्यो का, जो उन्ध् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होता, जो उसे अध्याय भ विचा गर्का है।

## नगत्नी

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब र्राजस्ट्रार ; सूरत में 9325 नंबर पर दिनांक 19-10-1984 में रिजस्टर्जु की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

सारीख: 22-5-1985

मोहर 🕽

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . -----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज-!! अहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 23 मई 1985

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 3568/II— अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नया नं० 1230 है सथा जो सूरत में निधत है (भीर इसमें उपाब्द भनुभूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पांत के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्हें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (इन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नितिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है:--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करले या उससे बचने में स्विधा दायित्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हें भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा की निए;

4. श्री दौलतवान् जहांगीरजो, नानपुरा सूरत। (श्रन्तरक)

2. श्री कान्तीलाल हरिकणनदास गांधी श्री दिलीप कान्तीलाल गांधी नानपुरा सूरत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

मिलंशियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजिस्ट्रार सूरत में 8910 नंबर पर दितांक 5-10-84 पर रिजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम पाधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

तारीख: 23—5—1985

मोहर :

## प्रकल बाह्री, टी. एस. इंड. ५ - ----

# क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कामलिय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3569/11—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

अस्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित शाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० चालित सोमायटी है तथा जो श्रकीरा बड़ोदा में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) पिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालाय बड़ोदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रवतुवर 1984,

को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापनोक्त मंपिल का उपित बाजार अस्य जनके द्रायमान प्रतिफल में एोमें इत्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किथिव को वास्त्रिक कप में कथित नहीं किया गया है:----

- (कः) अन्तरण संहुद्दं किसी जाय का बाबत, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरके के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनीय अन्तरिती ब्वारी अकट नहीं किया गया था या किया जानी चाहिए था, । छपाने में स्विधा करें लिए।

अतः अब, उवन अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण प्र, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री मकनभाई तुलसोभाई भक्त भ्राणुंदर ता० नवसारी।

(ब्रन्तरक)

2. ग्रवनी पेट्रीकेम प्रा० लि० डायरेक्टर श्री डी० जै० शाह विश्वामित्री पासे बड़ौधा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृति के अर्थन के क्रिया कार्यनाहियां करता हूं

रक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदथ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनुहा बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलितियत जो बड़ीदा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 1,62,844/- ६० है। सब रिजस्ट्रार बड़ीदा में 2898 नवर पर दिनांक 29-4-84 में रिजस्टर्ड की गई है। (37-जी० का फार्म यह कार्यालय में भ्रक्तूबर 84 में मिला हुम्रा है।)

तारीख: 10-5-1985

मोहर:

## प्रकष् बाह्र .ठी. एक्. एस . ------

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुपना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-II ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं०  $3570/\Pi$ —-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर लिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क से वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से लिंधक हैं

और जिसकी सं० 416/417, 1385 चौ० मीटर है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इसमे उसबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण 5" कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, अंसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफत के पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित मैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बलाइक से द्वाद किसी भाव की शावत, उपस्य विभिनियम के अभीन कर दोने के बलाइक के शायत्व में कमी करने या समसे वचने में सरिका के लिए: और/मा
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था. स्थिपाने में स्थिभा के लिए।

- श्रो पावराज लगुराम, न्यू बाजार बड़ौदा।
   (श्रन्तरक)
- श्री जयंतीलाल छोटालाल श्रमीन, 5. ज्योतिपार्क सोनायटी करोलबाग बड़ौदा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निव् कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उपत हम्मति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत् :---

- (क) इस ब्वा के रावप्त में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकोंगे।

स्त्रव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

## अन्स्ची

मिलकन जो सवाद. बड़ीदा में स्थित हैं]। जिसका मूल्य 5.37.466/- रुपये हैं। यस रिजय्द्रार. बड़ीदा में 7516 नंबर पर ग्रुक्तूबर 84 में रिजस्टर्ड की गई हैं।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1<sup>1</sup>, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई'.टी. एन . एस-----

कायकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार्० नं०  $3571/\Pi$ ——ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एटचाल (उक्क अधिनियम) कहा गया हैं), की भाउ 269-ल के अभीत सक्षण प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थलन लागित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिएकी सं० 21350/- मुभानपुरा है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता शिधनारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख श्रवनुबर 1984

को पृशिक्ति संपिति के उपित वाजार मूल्य सं कम के पश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पृशिक्त पृशिक्त सम्पित्त का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्योध्य से उसत अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्दैं किसी बाय की वाबत, उक्त अधितियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कसी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क्ष) एंटी िट्सी आए टा किसी धन या अन्य जास्तियाँ जो, िएटी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1902 का' 11) या उन्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 07) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रदेट नहीं विध्या भया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की लिए;

त्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के कर्धान, निम्नितिसित व्यक्तियों, संधित:—  श्री जतीनकृमार मनोहुश्लाल माह, ब्यारा, जि० गरत।

(भ्रन्तरक)

 मैं० खुशनुमा को० श्रा० हा० सोसायटी, श्री एम० एन० शाह, मंजलपुर, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृष्ठीवत सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

जनतः सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (कं) इस स्थान के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,81,8160/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 7838 नंबर पर श्रक्तुबर-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० कें० पंडया , मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

सारी**ख**: 10--5-19845

भाहर :

प्रकव बाह् ु टी., एन ु एव .....

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे वधीन स्वना

भारत बहकार

कार्यासन, सहायेक जायंकर बाय्क्त (निर्देशिष)

श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3572 -- ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शीड, रायपुरा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री-करण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन, तारीख अवतूबर 1984

की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ल्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पत्या गया लेक्पिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- ं(क) बन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत, उबत अधितियम के अधीन कर 'त'ने के जन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 ु. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः गर्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, बर्धार् अ---

. 1. डा॰ रानुभाई डी॰ पारेख, मैं॰ पारीख एसोसियेशन, मामानीपोल, बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. श्री दिनेशचन्द्र हरिलाल, उमा ट्रांसपोर्ट, महादीर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, रायपुरा, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अपने के मैंबंग हैं कोई भी शास्त्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधिः, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यनितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थांत्रर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहरताक्षर । के पास निधित में किए बा सकों में।

स्पच्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उंत्रस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्की

मिलकियत जो बड़ौदा में स्थित है जिसका मृत्य 2,60,000/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार, बङ्गीदा में ग्रक्तूबर 84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड .टी .एन .एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुभना

## - भारत चरकार

# कार्याज्य, समुबक आवकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3573/II——अतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्यासे इतने नथनात् 'उन्तं अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० अकोरा है तथा जो अकोरा, बड़ौदा में स्थित है (स्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वों कर सम्परित के उपित बाजार बूस वे कन के उपमान ब्रितिफान के सिए अंतरित की गई है और अपने यह निकास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मन्य उसके अध्यान प्रतिफात को, एसे दश्यमान प्रतिफात का पन्यह बितास से विभिन्न है और अन्तर्क (अंतर्थों) और अंतरिती (बस्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ से लिए तथ पाना वसा प्रतिफात, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे बात्सिक अप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त विधिविवस के अधीन कर देने के बन्सद्रक से वायित्य में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के सिस्; बॉर/का
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2न) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया आना धाहिए था, छिपान में सुनिधा के सिए।

चतः वच, उक्त जिथिनियम का धारा 269-ग के बनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन\_ निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री कमला सन्त नरेन्द्र भाई पंड्या, झगडीय जिल्ल बडीदा।

(अन्तरक)

- 2. (1) जितेन्द्र चम्पङलाल गांधी, महाजनगली, रायन्त्र पुरा, बड़ीदा।
  - (2) शेख को० श्रो० सोसायटी, अकोरा, बड़ाँदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्मवंधी अविकतयों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेवत व्यवितयों में से किसी व्यवित ध्वार;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितलक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिसिस में किए जा मकोंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों कींद्र पदों का, आरे अन्तर्भा के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

#### ---

मिलिकियन जो बड़ौदा में स्थित है जिसका मूल्य 1,71,976/- रुपए है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 7974 नंबर पर दिनांक 16-10-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख: 21-5-1985

मोक्षर :

प्ररूपं बार्षः टी. एन . एस . -----

जायकार सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3874/II--अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उन्त अधिनियम' कहा गण हैं), की भारा 269 से के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि वधाप्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सावध है तथा जो बड़ादा में स्थित है (श्रीर इसने उपावद्ध अदृश्वी में ग्रीर पूण रूप से विणित है), रिजिन्द्राजी की कार्यालीय, बड़ीदा में र्राजस्ट्री करण अधिकारों, 1908 (1908 था 16) के अधीन तारीख

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के स्वयमान प्रतिफान के निए बन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार गूर्व, े उसके स्वयमान प्रतिफाल से एसे स्वयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रशान कल, निम्मसिचित उन्हों के उच्च मृत्यस्म कि स्वस्त में माम्सुनिक स्व से कथित नहीं किया पना है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्क्रीनत्व में क्सी करने वा अस्त क्ष्म थें सुनिया के सिह; बार/पा
- (च) एसी किसी नाव या किसी धन या नन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय नायकर विधिनयनम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्याजनार्थ जनसरिती इंगरा प्रकट नहीं किना नवा चा या विधा जाना धाहिए था, जिनाने में बृद्धिन् के लिए;

अतः अन् उक्त विभिनिधन की भारा 269-न के वनुतरण वी., मी., उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) की सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः—

- 1. श्री पोखराज लघुराम नया बाजार, बङ्गैदा। (अन्तरक)
- श्री जयेशभाई मांगीलाल पटेल, बल्लभनगर सोमायटी, करोलीबाग, बडाँदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी स्थित्वकों कर सचना की नात्रील से 30 दिन की वविभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

# अनुसूची

मिलितियत जो बड़ौदा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 5-26,625/- रुपए हैं। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 7511 नेबर पर दिनांक 22-10-1984 में रिजस्टर्ड की गई हैं।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 21-5-1985

मोहर :

प्रकृष् भाष्ट्री, सी, एस, एस्, ========

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### भारत संदुकार

कार्याच्य, तहायक नायकार नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3575/11—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रार जिसकी मं० नागरपाडा, बड़ौदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप न वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दशीमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विद्वास करने का कारण है कि सभा

पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से एसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितवों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अनत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जीधनियन, 1922 (1922 का 11) वाडक्त वृधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्विधा के लिए;

बहे: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बन्हरण न', में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीव :---

 श्री विजयभाई परसोत्तमदास पटेल, नागरवाडा, वडीदाः।

(अन्तरक)

2. विपीनभाई घनश्य(मभाई पटेल, साई मंदिर अपार्टमेंट, करोलीबाग, बडौदा।

(अन्सरिती)

की बहु सुचना चारी कर्के पूर्वीयत सम्परित से अर्थन के निद् कार्यवाहियां करता हुई ।

## उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधिया तत्सम्बन्धीव्यक्तियाँ पर ंसूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी जुन्य व्यक्ति युवारा जुओहुहताक्षरी के पास मिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में , जिया भूगा है 🕦

## अनुसूची

मिलिकत जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 4,09,298/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 5711 नंबर पर अक्तूबर 84 में राजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडेसा\_ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख: 21-5-1985

माह्य ह

प्रस्त वार . ही . स्न . एहा .....

**बायकर अधि**नियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) रें गर्जान सुपक्त

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- (इनस्वाद

अहमदाबाद, दिनां र 21 मई 1985

निदेण सं० पी० अ४० नं० 357,6/TI--अनः मुझे, जीव केंद्र पंड्या.

भावकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे स्वर्मे इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' शहा गया है); की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्यास करने का कारण है कि रुवाचर संपत्ति जिसका उन्तित बाजार मुख्य

1,00,000/- एत. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संब सुभानपुरा, 565 है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप पे वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्तूवर 1984

क्ये पूर्वीक्त संम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोप्वर्षिस संपत्ति का उचित भाजार मुख्य उसके दश्यमान् प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्रेत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिक्षे (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-पास निम्नविधित उद्देश्य ने उत्तर धन्तरफ जिस्ति में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वावतः, उक्त अभिनियम को अभीम कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; नीए/बा
- (क्ट्र) एोसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्ति,याँ का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विकास गया भर का किया काना बाहिए घर, कियाने में ्षिकार हे सिहरू ह

अस: अस, उक्त अधिनियम को धारः 269-ग के अनुबारण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारत (1) वो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, व्यक्ति ३---

1. श्री कृपेणभाई नरहरि भाई गटैल, नीहारिका एसी-सियेशन, सुभानपुरा, बड़ादा।

(अन्तरक)

2. श्री अरविदभाई फकीएभाई पटेल, रेसकोर्स, स्थानपूरा बर्डं/दा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचनाकी तानील से 30 दिन की जबधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यवित्यमें में से किसी व्य**वित** इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, मिनियम, के मध्याय 20-का भी यंशा भरिएक धल हाँ, व**ही वर्ध शा**का को उस अध्याद मो वेश अ ध्या हैं।

## अनुसूची

मिलिक्यित जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मृत्य 3,11,000/- रुपए हैं। सब एजिस्ट्रार, बड़ौदा में 6812नंबर पर अक्तूबर 1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> र्जी० के पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज $\pm \Pi$ , अहमदावाद

तारीख: 21-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप . आईं. टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के स्भीन स्वन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज $\Pi$ -, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3577/-11-अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भावकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चाम 'उक्त अभिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम श्रीभक्तरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिस्की मं० अकोरा हे तथा जो बड़ाँदा में स्थित हैं (श्राँर इसम उपाबद्ध अनुभूजी में श्राँर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बड़ाँदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अवत्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मून्य है काम के ध्रममान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वायत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दरममान प्रतिष्टण से, एसे क्रममान प्रतिष्ठल का पंजह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंधरकों) और अंशरिती (अंतरितों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पामा गया प्रतिक्त कम निम्निनितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्त-विक कम से कथित महीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुए किसी शाय की बायत उक्त बाध-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के पामित्व में अभी अन्तने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/वा
- (क) एंबी किसी आय मा फिसी भन या अस्य जास्सियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अध-कर व्हीं किया गया-का या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए.

पत: सम, उक्त मांभानियम की भारा 269-म को, अनुसरभ भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:----  श्री रमेणसाई प्रोमचंददास शाह, श्रीनगर सोसायटी, अकोरा, वडादा।

(अन्तरक)

 डा० हरीश हर्षदणय, श्रीनगर सोमायटी, अकोरा, बढ़ाँदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधि व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर सक्त स्मानर सम्मतित में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिदित में किए वा स्केंगे।

स्थळीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मृता हैं।

## अनुसूची

मिलिक्यित जो बड़ौंदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,10,000/- रूपए है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौंदा में 7796 ् नंबर पर अक्तूबर 1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडयी सक्षम प्राधिकोरी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-II. अहमदाबाद

तारीख: 21-5-1985

मोहर :

# प्ररूप बाई ्टी. एत. एस. -----

बावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यातय, सहावक बावकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1985

अहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1985

तिर्देश सं० पी० प्रार० न० 3578/II—अतः मुझे, जी० के० षंड्या,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख.के अधीत संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- राक्क से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अहमदाबाद है तथा को अहमदाबाद में रिक्त है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-10-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान इतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं जोर मुम्मे यह विश्वास का कारण है कि वशुप्रवेक्ति सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके इद्यमान प्रतिक्ति से, एते दर्यमान प्रतिकल की न्यदह प्रतिक्रत से आध्य है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तब पाया गया प्रति-फल, निम्निचित उद्देश्य से उच्य शिवत में बास्तविक रूप से वास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के खिराय में क्वी करने या उन्नवें बन्नवें में द्वीवधा के स्किन्द; बीड/बा
- (स) एन्द्री किसी बाद या किसी धन या वर्ष वास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उसत विवित्यम, या वनकर विभिन्नियम, वा वनकर विवित्यम, वा वनकर विवित्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान वें विवा के सिए;

कतः काव, उनतः कियोगियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत अभिनियम की भारा 269-म की सम्भारा (1) के बचीन निम्मतिक्ति व्यक्तियों गर्भात् क्रिक्ट (1) श्रो गरीमाई रसूनमाई, मोतीभाई चेलाराम , ' मतीभाई चेलाराम , ' नवजीवन सोसाइटी, अहमदाबाद , जिला खेडा ।

(अन्तरक)

(2) छोटूमल लदी राम,
स्रेर्जन दास घननदास;
पाचकुचा, अहमदाबाद
2. गनीभाई रम्नलभाई
मा लीभाई चेलाराम,
अहमदाबाद।

(अन्तुरिती)

को यह सूर्वना जारी करेके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचनः के रावपन में प्रकृत्वन की तारीस से 45 दिन की जनिश या तत्सन्यन्थी व्यक्तियां पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के जीवर इक्त स्थायर कमित में हिंदुक्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकारिकरणः इसमें प्रयुक्त कंटी और पदों का, को सकत करिश्तियस, को कंप्साय 20-क ये परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा को उस कंप्साय में दिया वता है।

## ग्रनुसूची.

मिलकत जो अहमदाबाद में स्थित है जिसका कुल मूल्य 3,00,000 रुपए है । सब-रिजर्ड्डार अहमदाबाद में 1212 नंबर पर दिनांक 20-10-1984 में रिजर्स्ड किया गया है। जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) /अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

दिनांक 21-5-1985 , 'मोहर :

51-136 GI|85

प्ररूप आहूरे. टी. एन. एस.-----

नायकर मिथानियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के मधीन स्थान

## मारत सडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, आश्रम रोड़, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिलांक 21 मई 1985

निदेश सं० यी० आर० नं० 3579/II—अतः मुझे, जीव के० पंडयाः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ ुरु से लिखन है

श्रीर जिसकी स० महेमाना 1816 है तथा जो मसाना में स्थित है (श्रीर इससे अपाधन अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महेसाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-10-1984

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्व, उसके सम्मान प्रतिफल से, एसे स्यमाप प्रावक्ति का पन्नह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण से बिए दव वाम ज्वा प्रावक्ति, निम्मीलीयत उद्योग्य से स्वत बंतरण किवित में वास्तीयक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण पं कृद्र किसी बाय की बाबक, अवस अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्य में कबी करने या उच्च बच्च में सुविधा के लिए; श्रीद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें मारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचमार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया बना भा या फिना चाना वाहिए का फिपाने में साँवधा के लिए,

जत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्युनितयों, अर्थात् :--- (1) रामजीनाई गापजी ठाकुर पगपुरा, महेसाना ।

(अन्तंसक्)

(2) प्रहलादभाई परसोत्तम दास पटेल श्रिवाजीनगर को० स्रो० हा० सोसायटी पाचोट, महेसाणा मनुभाई सी० पटेल स्टेशन रोड, महेसाना ।

(अन्तरितीः)-

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सुमारित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की वयींचे या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़ ज्या की तारीय से 30 दिन की अवधि, थो औं जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी कंच व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी कें पद्ध विश्वित में किस का ककेंगे।

स्यक्ष्मिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त की कि रित्यम की कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

मील्कत जो महीसाणा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,19,468 रिपये है । सब राजस्ट्रार महेसाना में 4177-4179 नंबर पर दिनांक 23-10-1984 में राजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडधा सक्षम प्राधिकारी सह्यक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनां। 21-5-1985 मो**हर** ॥

## प्रकल बाह्". टी. एन्. एक्. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व् (1) के नुधीन सूचना

## शारत सम्बार

कार्बासम, सहायक बायकर भागवत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I[, आश्रम रोड़ अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1985

निदेश सं पी० आए० नं 3580/II--अतः मुझे, जी०

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके वरवाल 'उक्त निर्मियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का छारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 792, 793, 788 ईन्द्राइ है तथा जो तह कड़ी जिला महीसाणा में स्थित है (ग्रांश इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप के विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अवत्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्वेषयों से उस्त अन्तरण दिल्लिं में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ८——

- (का) जन्तरम् संबूदं किसी नाव की वावंत्, अक्त श्रीभिन्यम् के स्थीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे तथने में सुनिधा के सिए; ब्रीड/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी थन वा जन्य जास्तियों का जिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के निए।

वतः भव, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बभीन, निम्निविधित व्यक्तियों। अभारत ह

(1) रजारी लल्लुभाई प्रकालभाई चढासाजा तह कडी । प्रकालभाई सोमाभाई चडासाजा तह कडी ।

(अन्तरक)

(2) ,चंदन ट्यूब्स एन्ड मेटल्स प्रा० लि० इन्द्राड, का, तैंडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करवा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पक्षों का, वो अक्त विभिन्नियम के कृष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा को उस कृष्याय में विका पना है।

## वन्यूष्ठी

मिल्यात जो ईन्द्रांड में स्थित है जिसमें मूल्य 3,58,134 रुपये हैं । सब-रिजिस्ट्रार, कड़ी में दिनांक 20-10-1984 में रिजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडमा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अष्टमदाबाद

दिनांक 21-5-1985 मोहर: प्रकृष काहरं .टी .पन् .पुस् ......

## बावकार गाँधिनवसू, 1961 (1961 का 43) कर्ष पारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

## त्रारत हरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेज-11. अश्वम राङ्, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1985

े निदेश सं० पी० आर० नं० 3581/II---अतः मुझे, जी० के० पंड्या.

जायकर मृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बसके प्रवाद 'उनदे वॉभिनियम' नदा गया हैं), की धाछ 269-व के जभीन स्थाम प्राभिकारी को यह निश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्थित वाचार भूका 1,00,000/- रहा से अधिक ही

भौर जिसकी सं० गांधीनगर सेक्टर नं० 19 है तथा जो गांधीनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर णं रूप से बॉणत है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन तारीख 18-8-1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सो कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यह पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसकें दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निचित उद्वेषय से उन्तर अंतरण लिखित। में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तपुण वं हुन कि बी भाव को नाश्या, बन्ध वीधनियम के ल्थीन कार येने के वन्यपुक के याजित्व में कभी कारने या सर्व उपने में सुविधा के त्रिए; वार/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 विश्व का 11) या जनत अधिनियम, या नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण गे, में भक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उच्चारा (।) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धू-- (1) अपार प्रा० लि० नेरीमैन पाइन्ट, बम्बई i

(अन्तरकः)

(2) श्री अपूर्व जियन्तीलाल क्वा० राजाबाली रोड़, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिंध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उज्जत स्थावर संपत्ति में हिदबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के गांव विश्वित में किए वा सकोंगे।

स्वकाकिएण:---इसमें प्रयुक्त करूरों और पदों का, को उक्क क्षिपित्रम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्याः क्या हैं।

## mararet.

मिल्कन जो गांधीनगर में स्थित है । जिसका मूख्य
 3,29,000 रुपये है । 37ईई का फार्म पर्यकार्यालय में दिनांक
 18~8−1984 को पेण किया गया है ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

<sup>रिदलीक</sup> : 23-5-1985

माहर 🖫

प्रसम् आई ृदी . एन , एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, आश्रम रोड़, अहमक्तबाद अद्वमदाबाद, दिनांक 25 मई 1985

निदेश स० पी० आर० नं० 3583/II——अत: मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी संग कड़ी है तथा जो कड़ी जिला महीसाणा में स्थित हैं (मीर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-10-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तर्भ (अंतरिक्तों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः बढ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित लाकित्यों, अर्थान् :--- (1) श्री कर्मचारी नगर को० ग्रो० हा० सोसापटी प्रमुखश्री हरिभाई सी० पटेल कडी तह कडी, जिला महीसाणा।

(अन्तरक)

(2) रामकृष्ण आर्द्यस इन्डस्ट्रीज, भागीदार श्री भूधरभाई एस० पटेल, विसतपुरा, तह कडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्परित को अर्थन के शिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी अविक्तायों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अपिकतमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस ची

जमीन जो कड़ी करबा में स्थित है जिसका मूल्य 1,11;351 रुपये है । सब-रिजस्ट्रार कड़ी में 1826 नवर पर दिनांक 22-10-1984 को रिजस्टर्ड की गई हैं।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाव

दिनांक : 25-5-1985

मोहर :

प्रारुष नाइं, टी. एवं, एस.,-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन तुमना

#### भारत सरकार

## कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० डी० ग्रार०-23/84-85/37ईई-----ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० दुकान नं० 2 है तथा जो वास्को डां गामा गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-10-198.

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्ते अन्तरण निचित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है द्व

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिष्णु और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की रिजन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा को सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित स्थितवों, अर्थात् ६—— (1) मेसर्स सी० जे० जिल्डर्स देगो हाउस, पणजी गोवा ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रीपाद जी श्रसंकर सं० 352 वेनी सालसेट गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्जन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का जो उद्वाद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वशा है।

# मन्त्रची

(दस्तावे संब्रिड) 23 अक्तूबर, 1984 तारीख 26-10-84) गोवा वास्को में स्वतंत्र पथ में दामोदर बिल्डिंग के बाजू चलता नंब 232 (पीव टीव सीट नंब 103) के उपर स्थित इमारत में दुकान नंब 21

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 12-3-1985 **मोहर** ध

(अन्तरक)

# प्रकल् बाद् दो दून , एवर्ड-------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

## MISO, SEGUE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० डी०/श्रीर-16/84-85/37ईई~-म्रतः मुझे स्रार० भारहाज,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अभिनियम' अहा नया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रधिकारी की, यह निश्वास करने का कार्य है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 94/2 है तथा जो सालवडोर डां मुडा में स्थित है (भौर इससे उपावड अनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-10-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिकल से, ऐसे दश्यमान प्रितिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण संपूर्व किसी जाय की बाबत, उक्त धीपनिषय के स्थीप कार को जन्तरक के वादित्य में कानी कहते या उससे स्थान में सुविधा से सिक्ट: न्यीर/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आसियों की, विमान आसियों बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के स्थित

अतः अत्र, उक्त विभिनियम की धारा 269-त के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ह—

- (1) खैरेड फादर कलाडियो फान्मीस्को मालकाना ग्रीर 13 लांग के० ग्रो० एम० बस थार्की 305 गोविन्द इमारत पणजी।
- (2) प्रिसीलना करोलिना सालहाना श्रीर श्री अथमेस फान्मीस प्रवेलिनो मालहाना सालवडीर डां० मुंडो बार्डज गोवा के निवासी। (श्रन्तरिती)

को वह सुबना बारी करके पृथांकत सम्मन्ति के नर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्ष्मत ब्रम्पाल के वर्षन में ब्रम्पन्य में कोई भी बाजेंप 🚌

- (क) इस त्यान के प्रामपन में मकाचन की तारीच स 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि सक्क में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त स्थानसर्वों में से किसी स्थानित ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निच्ति में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकपुण्:--इतमे प्रवृत्त सन्धी नीर पर्धो का, वी सन्त नीभृतिसम् के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं नर्थ होगा नो उत्त अभ्याय में विमा गया है।

#### नगचनी

(दस्तावेज सं० डि०२०/श्रक्तूबर दिनांक 26-10-84) सर्वे नं० 94/2 की और 'श्रिफोणमेंटो सांकीयिणिया उपराचे शेलम'' नाम की सम्पति नो सालवडीर डा मंडी बार्डज गोवा में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षय प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक : 9~1~1985

मोहर 🕫

# हरू बार्ड दी एक एक अन्यन्त्रमञ्चलक

# बावकर वृधिनिषय, 1961 (1961 का 43) की वाह्य 269-व (1) की वधीन सूचना

#### THE STATE

कार्यालय, सहायक बायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 23 जनवरी 1985

निवेश सं० डि-म्रार०-124/84-85--म्रातः मुझे, म्रार० भारताज

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) पिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-व के सभीन सभूम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, पिसका उनित् वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान सं० जी-4 है तथा जो लीसक् कोंडा में स्थित है (श्रौर इनसे उपावड धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन गरीख 23-1-85

को प्वाँक्त सम्मिति के अणित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त कम उर्वित बाजार ब्रूच्य उसके क्यमान प्रतिफाल को एसे क्यमान प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल को प्रतिपत्त से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफाल निम्नितिचित उद्विध्य से उकत अन्तरण निम्नितिचत में बास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:----

- (क) बनाइन ने हुई किथी जान की नामल उन्स्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचनी में सुविधा ने किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय ज्ञाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कंडिका के लिए;

भतः अप उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् .--

(1) मिलमं बी० नामक फ्रींच एसासिएटव ं 393 कोबा मडगांव गोवा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री उगलास कोयलो 98 मेरी लायंड प्लाट 8 टी०पी० एग० 3 बांद्रा बम्बर्ड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के अर्जन के [सए कार्यवाहियां करता हुं।

## चमत सम्परित को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी अ्यन्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किंपिनयम, को अध्याय 20-का में परिभाषिक्र-है, वहीं कर्ष कृषेगा, को उस अध्यास में दिवा दवा हैं।

## प्रतसुची

(द० सं० डि० 65/दिसम्बर 84 त्रिख 5-12-84) लीस्का कोंडा गोवा में "लक्ष्मी श्रपार्टमेंटस" नाम के इमारत में पुदुकान मां० जी~ु4

> श्चार० भारदाज सलम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज बंगलूर

दिनांक : 23-1-1985

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

## भायकर लिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर विनांक 21 फरवरी 1985

निदेण स० डि॰ श्रार०-184/84-85/37ईई--- स्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवे इसके प्रचास 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं 15000 है तथा जो मोरपीली केपेम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का सुक्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (बन्तरिश्वा) के बीच एसे अन्तरक के अधि तब स्था क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चविय से उन्तर कन्तरण सिविक वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत उकत जीभ-नियंग के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने वा उससे अचने में स्विभा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा चन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए; और/या

भतः भवः, उक्त भाषानियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्धात् :--- (1) श्राना मेलनिया बेटींला पेरिगा कोलयाको उनके ग्रटानि सालसेट गोबा वेलिम के निवासी फ्लोरो कोलयाको श्रौर श्राराकीनो कोलयाको

(ग्रन्तरक)

(2) बोबो वेलियो ग्रौर दुसरे मोरपीली फालोपी केपेम गोवा के निवासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पा स्थान की ताशीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा त्रधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिका:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त विधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ष होगा को उस कथ्याय में विया क्या है।

## अनुसूची

(द० मं० डि-108/जनवरी 85 तारीख 8-1-1985) गांधा केपेम तालुक मोरापीली गांघ में स्थित "गोरमंडा शेला बाटा"

> श्रार७ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) · ग्रजन रेंज बंगलूर

विनांक : 21-2-1985

मोहर:

प्रथम मार्च, टी. एन्. एए. ~~--

आयकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थना

#### नारत वहनार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज अंगलूर

बंगलूर दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० डि आर०/176/84~85/37ईई---श्रतः मुझे आर० भारताज,

नायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उनित नाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० रेरोल नं० 730है तथा जो बनावकी गोवा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप में बर्णिन है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृह है और मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित थाणार स्त्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रक्रियत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्दर्शय से उन्तर अन्तरण लिखित में नास्तिवक अप से किएव मही किया गया है :—

- (क) अन्तर्थ में हुई किसी जाम की बाबत, उक्त शिवियम के बचीन कर दोने के अंतरण के श्वियम में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए: और/बा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया का एवं किया जाना आहिए था. कियाने में मिविधा की लिए;

कतः जन्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती मयरीया गुलहरमिना टेरेसा रेबली घर सं० 678 बोर्डी मडगांब-403601

(ग्रस्तरक)

(2) बी० एफ० फर्नाडीज दुबे उनके अटार्नी विसेंट म्यानयूयेल गांड्रीगस
अकसोन बनाबकी सालसेट के निवासी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना भारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निर्देश कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में अकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृजेंक्स व्यक्तियों में से किमी स्पन्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी की पाड़ निवित में किए वा सकींगे।

स्वाच्याकरणः - इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विकार-गया है।

## मम्स्यी

(द० सं० डि/102/जनवरी 85 तारीख 8-1-85) बनावकी गांव में स्थित "परवीडेड्स" नाम की सम्पति (स्याड रजिस्ट्री श्राफिस सालसेट सं० 410-फीलियो 7 बुक बी-2 (नया) रेवेन्यु शील सं० 730/ये सम्पति 12000 चदर।

> , श्वार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्वायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्वर्णन रेंज, बंगलूर '

दिनांक : 14-3-1985

मोहर 🚁

# प्रकृष् नाह्ं टी. एन. एस्. ------

नायकार मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मेपीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 ग्रप्रैल, 1985

नोटिस नं० 46290/84~85-धनः मुझे प्रार० भारहाज,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सेंट नं० 3 और 4 है, तथा जो चन्ननादिन्ने तुमकर में स्थित है (और इस्से उगाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से चर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-85

को पूर्वोक्त सम्पस्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का

कारण है कि सभापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, "उस्कें दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिबत से विभन्न है बार जन्तरक (जन्तरका) जार वन्तरियों (जन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया पमा प्रतिफल, जिन्नीलीवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिवित के बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विवय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्स में कती करने या जबके वचने में बृदिया के निए; अद्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियां को, जिन्हें भारतीयं आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें श्रवोचनार्थ बन्तीउती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

अतः अभ, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिनिकित व्यक्तियाँ, अधित ८(1) श्री भीं अशयता नागराज श्री भीं अस्त्यनारायण शेट्टी सोमेश्चरपुरम, तुमकूर

(अन्तरक)

(2) कुमारी एम० बी० पद्मा वाईफ श्राफ श्री एम० सी० भास्कर कंट्राक्टर, जगलूर, चित्रदुर्गा डिस्ट्रिक्ट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिर्ध कार्यवाहियां करका हुं।

अंक्त राम्पीतां के वर्णन के सम्बंग्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी आक्तियों पर सूचना की संगीम से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि का में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्वित्यों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाधन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंक्ति में इस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए जा सक्तेंगं।

लिकाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्हों अधिनियम के क्षण्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षणा जो उस अध्याय में विका भवा है।

## **बन्**सूची

(दस्तावेज सं ० 4169/84-85 ता 19-1-85) सम्पत्ति है जिसका सं ० 3 और 4 जो चन्ननादिने सुमकूर में स्थित है। उसका नापना 280 स्केवर फुट है।

तारीख : 2-4-85

मोहर :

# प्रकृष बाद .टी.एन.्युस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 प्रप्रैल, 1985

नाटिस नं० 46291/84-85-यतः मुझे, ग्रार० भागवाजः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1 और 2 है, तथा जो चन्ननादिन्ने तुमकूर में स्थित है (और इस उपाधद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 क 16) के शर्धीन ता० 10-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः वन, उक्त विभानियमं की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त विभिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात् :-- (1) श्री सी० श्रम्बता नागराज श्रीं मीं० सत्यनारायण शेट्टी श्रींमती सी० ज्ञान्तलक्ष्मी सोमेम्बरपुरम तुमकूर

(अन्तरक)

(2) श्रींमती एम० बी० पव्मा वाईफ ग्राफ श्री एम० सी० भास्कर कंट्रफटर जगलूर, चित्रवृगी डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किती कच्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियन, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष हक्षेणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बम्सूची

वस्तावेजं सं० 4168/84-85 ता 10-1-85) सम्पत्ति है जिसका सं० सर्वे सं० 1 और 2 में सैट नं० 2 जो चन्ननाविन्ने, तुमकूर में स्थित है और उसका नाप 280 संक्षेयर फुट है।

> श्वारः भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगस्र

तारीख 2-4-85

मोहर :

प्रस्य बार्ड, टी, एन्, एस्, न्नन-न्धनन्त्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क् (1) के अधीन सुचना

## भारत शरकाड

# कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांकः 2 श्रप्रैल, 1984

निर्देश सं० 46292/84-85---यतः मुझे, आर० भाग्दाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकान्दी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मून्य 1,00,000/-स. से अधिक हैं

और जिसकी संव सर्वे नंव 26 और 27 है, तथा जो चन्ननादिन्न तुमकूर में स्थित है (और इससे उपायन प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ताव 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास क्रूरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाबार क्रूर्य; उसके इष्यमान प्रतिकल से, ऐसे इष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उब्देष्य से उक्त अन्तरण निजित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) नंतरण ने हुई किसी आय की वाबता, अक्त व्यक्तितृत्व के स्पीत कर दोने के वंतरक के वाबित्य में कमी करने या उससे वयने में सुविधा के मिए; न्रीर∕वा
- (य) एसी किसी बाव या किसी थन वा सन्य सास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर व्यिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया पा वा किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिशियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) औं नधीन, निम्निविद्यित व्यक्तियों, नधीत् म— (1) श्री सी० एस० चन्त्रगेकर सन आफ डाक्टर सी० सांयनारायन तुमकूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एच० एम० पारवतम्मा डाक्टरआफ एच० के० मल्लन्ना हासपेट विलेज कोरटगेरे तालूक तुमकूर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की साजील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्वाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्वूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में दिये वा सकारी।

स्वच्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भौधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में किया प्याहै।

## अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2765,84-85 ता० 15-10-84) सर्वे सं० 26 श्रीर 27 में सम्पत्ति है उसका नापना 1350 स्केवयर फीट है जो चन्ननदिन्ने तुमकूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुरत (निरीक्षण) अजैंन रेंज, बंगलूर

सारीख : 2-- 4-- 85

लडेर 🛭

प्रकप बार्ड . टी. एन. एत्. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 2 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 46293, 84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गढ़ा हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सैट नं० 188, 189 श्रीर 190 है, तथा जो नश्ननािंदसे तुमकूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 13-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास श्वरत का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक ल का पश्चह प्रतिश सं प्रतिकृदे और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिणों) हं बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकतः विक्तिवित्यों तह्श्य से स्वत प्रन्तरण निवित में बास्तविक एव के लिखत वहां। कियों गया है।—

- (क) जनाउन से शुद्द सिक्सी नाम की नामतः, इनक स्विधिनियम के नभीन कर येने की जन्तातक के दायित्व में कमी कड़ने ना उससे नजने में स्विधा ने सिए; जोड़/वा
- (का) एसे जिली आय या जिली यन या अन्य आस्तिको को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए; और/वा

अंत: अब, जनत वृधिनियम की भारा 269-ग ॐ जनसरण भ", म", उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की जनभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्मात् क्ष---- (1) श्री सी० अशवत नागराज श्री सी० सत्यनारायन शेंद्री सामेश्वर पुरम, तुमक्र

(आसरक)

(2) श्रीमती जीलन शरीफ डाक्टर आफ महमद गीस अलेनाहल्ली, सामपुरा होब्ली नेलमन्गला तालुक

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के खिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र है---

- (क) इत सूचना के चज्यन में प्रकाशन की तिरीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तिमों में से क़िसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य स्थक्ति व्वारा, अधोहरतांक्षरी के वास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवस् विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशार्षित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिवा भवा है।

## मन्त्यो

(वस्सावेज सं० 3688,84-85 ता० 13-12-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 188 189 श्रीर 190 श्रीर उसका नापना 987 स्ववेयर फीट जो चन्ननादिक्षे तुमकूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 2-4-85

मोहर 🏻

## **एक भार्च** शर्च टी एन एस .-----

कायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जुधीन सुचना

## नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मई, 1985

निर्धेश सं० 933/85-86-यतः मुझे श्रार० भारकाज गायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके भश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जी-1 है, तथा जो वसेल गांव पणजी में स्थित है और इससे उपावस प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उज़ित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसं अंतरण के जिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गम्स्टिक क्य में किथन नहीं किया गया हैं

- कि) नंतर्भ ने हुई किसी शाय की वाबत, उस्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के पासित्स में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के तिए; बॉर√या
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शिक्षण के निए;

अतः कथः, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (१) वे अभीना निकासित व्यक्तिकां मानिकार्यों स्वर्णिया (1) श्री वनन्त तुकाराम टरमालकर श्रीमती चंपावती वसन्त टरमालकर सन ग्राफ ग्रुल्टीता, पंगजी गोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रसन्त ग्राइ कामत ग्रार/ग्राफ रवींद्र बिल्डिंग जी-1, ग्राउन्ड फ्लोर, जनता इनेज, पणजी गोवा।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिलए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्काक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

#### भवताची

(दस्सावेज सं० 816 ता० 17-10-1984)

बंगली तलेगांव, पणजी गोवा में है और ६सको रबींद्र ग्रपार्टमेन्ट करते हैं। ६सका क्षेत्र 80.29 स्केयर मीटर्स है।

> न्नार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, बंगलुर

तारीख: 13-5-1985

मोहर 🖫

## म्बन् वार्षं तो १५ एक्यान्यस्यस्यन्त्रस्य

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारत 269-व (1) के वभीन सूचना

#### ब्राह्म बहुन्तर

# कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (रिनरीक्स)

श्रर्जेन रज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० 934/85-86-प्रयतः मुझे प्रार० भारक्षाज बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाए 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मून्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं० 13, 14 और 15 है, तथा जो अमोता आम गोवा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 21-12-84

का प्वाक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृस्य से कम क उस्ममान प्रतिका के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयाप्य विश्व संपत्ति का उचित बाबार भूका, असके उस्पनान प्रतिक ज वे, एवं अपनान प्रतिक का पंचह प्रतिकात से अधिक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरिती (अन्तरितिवों) के बीच एवं अन्तरण के बिंच तय वाया पंचा प्रतिक फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बावक, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोगे के अन्तरण की बायित्व में कनी करने या उससे अवने में सुविधा के जिए; बाँद/या
- भ) एंसी किसी बाब मा किसी भन वा अस्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोबनार्थ करवारिती कुषाहा अकट नहीं किया भवा वा वा किया भाग वा वा किया भाग वा वा किया के विवाह

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निलिखित व्यिक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री इमा थातलू श्रीताद ग्रमोनटर

2 श्रीमती रमाभाई शवलू श्रीताप ग्रमोनकर

स. ग्राफ बडेखडेड

ग्रमोता, नीचोलीम तालुक गोवा

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० सीसा गोवा लिमिटेड ग्रलटीको पणजी गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु क्षाना चारी करके पूर्वों कर सम्मित्त के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

## वयव अम्मृत्य के अर्थन के बन्नम्थ वे' कोई' ही बाबोप:--

- (क) इत सूचमा के राजपण में प्रकाशन की शूरीख ने 45 दिन की जन्दिन ना सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबिध, जो भी सबीच नाह में बमाप्त होती हो, को भीतर पृश्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्योंनत क्यारा:
- (क) इस स्थान के एक्ट्र में प्रकादन की बारीब से 45 दिन के भारत जनत स्थान्त सम्माति में हितवहुथ किसी बन्य व्यक्ति स्वास स्थाहरताक्ष्री में पाह मिनित में किस या करोंगे।

स्युक्त करणः --इसमें प्रयुक्त कर्मा भीर पर्यो का, को कर्मा अधिपीयमा, के अध्याय 20-क में प्रितायिह ही, नहीं मर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया ही।

## भनुसूची

(वस्तावेज सें० 512 ता० 21-12-1984) रतुला जगह श्रमोन्ता ग्राम, बीयोलीम जिला गोवा में है। इसकी सं० 13, 14, और 15 है। इसका क्षेत्र 30,100 स्केयर मीटर्स है।

> म्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

ता**रीख**: 13-5-1985

मोहर 💸

# प्रकार बाहु : टी. पुत्र , एक , ----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-अ (1) के व्यक्ति सूचना

#### HITE TOURS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलर

बंगलूर, दिनांक 13 महे, 1985

निर्देश सं० 935/85-86-अतः मुझे आर० भारक्षाज शायकर वर्षधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 3ए और 4 है, तथा जो अपोत श्राम गोबा में स्थित है (और ६सस उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10∼1∼1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिश्वल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रस्य, उसके दश्यमान प्रतिश्वल के एसे दश्यमान प्रतिश्वल का नन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के धीण एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया निश्चल, निम्मिलिसिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में राग्तिथक कप में कश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से इन्हों किसी जाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन आर दोने के अन्तरक औ सिक्त में कमी अपने या उबते बचने में सुविधा खें निष्; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी भन या बन्य कास्तियों की जिन्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविशा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, िम्निलियत व्यक्तियों, अथित् :— 53—136 GI/85

- (1) श्री रामचन्द्र फड़ते
  - 2. श्रीमती राधा गोविद फड़ते
  - 3. श्री गोविद रामचन्द्र फड़ते
  - श्रीमती कृष्णा रामचन्द ५३ते सन ग्राफ ग्रमोता ग्राम फोवा।

(ग्रन्तरक)

 सेसा गोग्रा नि० रेजीडेन्स ओफ एल्टीना पाना जिन गोआ

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना पारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कुलान की सामील से 30 दिन की नवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (व) बहु बूच्या के राज्यम में मकाइम की ठाड़ीक है 45 वितृ के शीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हिब-बहुष किसी बन्य कारित ब्वारा, नभोइस्ताकारी के याच निविध में किए वा तकोंने।

स्पाकतीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक मिं-नियम के कथ्यान 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा. जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूखी

(दस्तावेज संज् 37 ताज 10-1-1985) जो सम्पत्ति ग्रमोता ग्राम बीधोलम, जिला गोवा में है। और इसका क्षेत्र प्लाट नंज ए---27329 स्केयर मीटर्स है।

> ग्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगकूर ।

तारीख: 13-5-1985

मोहर ३

प्रक्ष नाहर्, दी, एन, एस, -----

नायकर मिपनियम, 1961 (1961 का 43) की शासु 269-म (1) के मुधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायुक आयकार आयुक्त' (निरुक्तिण)

ग्रर्जन रोज, अंगल्र

बंगलूर, दिनांक 13 मई, 1985

निर्देश सं० 936/85-86-अतः मुझे ग्रार० भारक्षाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसर्व इसमें इसके परधास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उजित बाजार मुस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं 162/, 162/2 और 163/3 है, तथा जो नगत्लूर श्रदारवसु में स्थित है और इसमें उपाबक्ष श्रक्तुमूची; में और पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीक्रण श्रक्षिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता 28-1-85

शा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मून्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और भूभे यह विश्वास श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और भूभे यह विश्वास श्रीत्यों, समार्थ है कि स्थापविक्ति सम्पत्ति का उषित बाजार श्रीत्यों, समार्थ उपयक्त राज्यात ने एसं दश्यमान प्राप्तान का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया श्रीत-कस निम्मलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिविक स्था से कथित नष्टी किया गया है .---

- (क) बंधरण संहुई किसी बाय की बावल, उक्त अधिनियम के अधीन कार यात्र के अन्तरक के बायिएल में कार्यी करने या उससे बचने मे शुविधा के लिए: और/यः
- (ह) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तियां कां, जिल्हां भारतीय साधकर हान्। नण (1922 का 11) या उनत अधिनयन, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1967 का 27) या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकंड नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विक्ष के सिए:

बतः बच, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग अर अनुसरक बा, बा, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्मीनिकितः व्यक्तियाँ, व्यक्ति के---- (1) डा० दी० ए० फलनीकर के० ग्राप, मेसूर कीलॉस्कर : यंत्रपुर, हरीहर

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० सुबच इस्टेट प्राईवट (स्मिटेड दारवाड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पर्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

कक्ट सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

ಪ್ರಭಾ<del>ರ್ವಲ್ಲಿ ಸ್ವೇದ್ರಿಸ್ ಒಪ್ಪಾಗಿದ್</del>ಯ ಮಾಡಿಯಿಂದ ಕ್ರೀಡ್ ಕ್ರಾಡ್ ಬ್ರಾಪ್ಕಿ ಸಿಲ್ಲಿ ಸಿಲ್ಲಿ ಸಿಲ್ಲಿಯಾಗಿದೆ.

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्तियों देने
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख म 45 दिन के भीतर उक्त रक्षावर मर्क्यात में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्वस्थित निवात में किए का सकेंगे।

## अन्सधी

(दस्तावेज सं० 1426 ता० 28-1-85)

खुली जगह और शेड नवलूर श्राम दारवाड हुवली रोड़ दारवाड में है। इसका क्षेत्र नीचे लिखा हुआ है। बीस रेतकी जमीन 30 गुंठा है। और क्षेत्र 5150 स्केयर मीटर्म है।

> आरः भारद्वान सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रज, बंगला

तारीख : 13-5-1985

महेहर :

प्रकृत भार् हो . एन . एक .. ----

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269 व (1) मी अधीन सूचना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन १४, अजलूर बंगलूर, दिनांक 13 मई 1986

निर्देश स० 937/85-86--थनः मुझे आर० भारवाज

जनसम्बद्ध अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'त्रवस अधिनियम' कहा गया है'), की शारा 269-स के अधीन समाम प्राचिकारी को यह विकास सारने का कारण हैं कि स्थायर सम्मित्त, जिल्लका उधिक जाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० 38 है, तथा जो अर्घल्ली ग्राम, बेल तालुक में स्थित है (श्रीर इस न ज्यायह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), र्राजस्ट्रीकरण अधिनश्रम 1908 (1908 का 16)। अधीन ना 28-1-1985

को पूर्विक्त तम्मीस के उपित बाजार मूल्य ते काम के स्त्यमान् प्रितिक्त के लिए अन्तरिक्षी की गई और मूओ यह विश्वास कारने का नारण है कि यदापुर्वेष्ठ स्प्र्यस्ति का उपित बाजार मूल्य, उसको स्त्यकान प्रितिक्तस से, है से स्थ्यभान प्रितिक्त का पन्द्रह प्रितिक्त से अधिक है और अध्यस्त (अन्तरकों) और अध्यस्ति (अन्तरकों) और अध्यस्ति (अन्तरकों) से अधिक एक अध्यस्त से लिए तम , गाम प्राप्त प्रितिक्ष विकासिक अध्यस्त से उपन अध्यस्त निस्त में नास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्त्रस्य में हुन्दी विकार बाव की वायरा, क्या लिविवयम की नवीन कहा योगे की अन्तरका की खिल्ला में खबी सक्ते का पहले क्याने में हुविवया की लिए कीट/राग
- (क) एंकी किसी बाय या किसी धन या जन्य अनिस्तर्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया पाना आहिए या कियान में सुनिधा के लिए;

क्य: क्य, क्यब वर्धिनियम की भारा 269-ग के वेन्सरण में, में उपत व्यभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के वभीन, पिम्मीस्थित व्यक्तिों, सर्मीस् हिल्ल (1) श्री गुदतराव बाप० मकरराव आर आफ फोरेस्ट रोड, हासत

(अन्तरक)

(2) श्री एच० आर० रमेश बाप एच० एम० सम्रणेट्टी हलेबेल्तर जेस्ठ, सक्तेस्थरपुर, हासन्जिला (अन्तरिती)

को सह सूचना बारी करके पूर्णीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वणीकृतं करता हु।

## रक्त प्रकारित के वर्षने के सम्बन्ध में कोई भी वालेंग है----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पद सूचना की ताबील से 30 दिन की अविध जो भी विधि बाद में जनान्त होती हो, के नीतर प्रविक्त व्यक्ति में में किनी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीं हैं 45 दिन के भीतर उपत स्वाधार सम्मति में हितकप्र किती अन्य कावित द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षिकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्धों और पद्यों का, को उवह अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. वो उस अध्याय में दिमा गवा है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 818 तारीख 28-1-1985 ) खेती जमीन अर्चल्ली ग्राम वेलूर तालुक में है। श्रौर इस क्षेत्र 12 एकसी जमीन है।

> भ्रारः भारहाज मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगजुर

नारीख - 13-5-1985 मोहर : प्ररूप मार्शक दी । एन , एस क्रिक्टन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के **संभीन स्थना** 

## पारत सरकार

कामालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगजूर

बंगल्र, दिनांक 16 अप्रैल, 1985

निर्देश सर्वाटिस न० 45700/84-85--यतः मझे आर० भारताज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से शिकहीं

श्रीर जिसकी संध. 749 है, तथा जा 12 कास 3 स्टेज गोकलम मैसूर में स्थित है (ब्रांट इक्ष्मे उपाबक्त अनुसूची में ब्रांर पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके रायमान प्रतिफल स, एसे रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नसिधित उब्देश्य से उक्त जन्तर्थ जिबित में बास्तिक रूप से कीशत नहीं किया गया है k---

- (क) बन्तप्रण सं ह्रार किसी बाद की बादत , उच्च मीपीनयम के नधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कवी करने या उससे बचने में सुविभा हे निए; नीर्/या
- (क) ऐसी किसी नाम मा किसी भन मा अन्य नास्तियाँ की जिन्ही भारतीय सायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा के जिए।

अतः वयं, उसत वीधनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, भर्भात् :---

(1) श्री जीव्यीव राममृष्णा नं० 749, 12 कास, 3 स्टेज गोकुलम मैसूर

(अन्तरक)

(2) श्री जीं० एस० तोन्टदराया 346, 6 मैन गोकुलम 3 स्टेज वी० वी० मोहल्ला मैसूर

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो। .

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सुचमा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (बा) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया 🗗।

## वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 4716/84785 तारीख दिसम्बर 84) सम्पत्ति है जिसका सं० 749 जो 12 कास 3 स्टेज गोकूल मैसूर में स्थित है।

> भार० भारहात सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर।

तारीख: 16-4-85 मोहर

# प्रकर्ष आहें . टी . पुन . एस . वनन-व्यास्तर :

# भायकर म्हिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

## भारत सरकाह

भागतिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अप्रैल, 1985

वासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की कह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी स॰ 70/1 है, तथा जो एम॰ एम॰ रोड, फ़ेज टाउन बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध चनुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)) अधीन तारीख 17-12-84

को पूर्वीवत सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य में कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापुर्वों कत संपरित का उचित बाजार मू-या, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया प्रति कता, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्हित के पास्त-मुक्त क्ष्म से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) मण्डरण ते हुए किली बाब का बाबत, सबस विधिनियम के विधीन कर दोने के जन्तरक खे वायित्व में कभी कर्तने वा साससे वचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आसितया की. जिन्हीं भारतीय आय-कर जीभिनियम, 1922 (1922 का 1!) था उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ जन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियान में सुविधा ही जिए;

जतः अब, खन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, खन्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नितिकिक व्यक्तियों, अधीत क्रि--- (1) श्रीमती रिवयाबाई बादशा '70/1, एम० एम० रोड फ़ेजर टाउन, बंगलूर

(अन्सरक)

(2) श्रीमती ग्रेस मिसेलिया मितियास नं० 36, अहमद सैट रोड फ़्रीजर टाउन, बंगलर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशांक्त सम्पर्दित की अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्षने के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के ग्रांचपत्र में प्रकाधन की तारीच से 45 दिन की जबिध ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन है भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हिनवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### an a d

(दन्तावेज सं० 2793/84-85 तारीख 17-12-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 70/1 एम० एम० रॉड, फ़ेजर टाउन मिलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 20-4--85

मोहर 🖫

गवर्गामाः काकार्यक्षः व व्यवस्थान्यक्षामान्यक्षामान्यक्षाम्यक्षः अक्षा प्रकृषे आहु<sup>2</sup>, दी, एस, एस, व्यवस्थन

बायक्ष्ट विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की जारा 26ड-व (1) के अभीन सुचना

#### BISG BEER

क्काचीलय, सङ्घारक अध्यक्ष आयुमक (विरीक्षण) अर्जन रेज, बंगजुर

नई दिल्ली, दिनांक 15 श्रप्रैंल 1985

निदेश संव नोटिम नं 45693/84-85—प्रतः मुझे, प्रारं भारद्वाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 370 है, तथा जो मैंन रोडा दोमभूरले औट में स्थित हैं (स्रोर इममें उपाबद अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) राजस्ट्रीकरण धार्धानवम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उचत अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) ज़ल्दरण हो हुए जिस्सी जाप की शलका । एक जाभनियम के अभीन कर योगे के जन्मरक को वाजिएक जो कभी करने या उससे जुलने में सुनियम के जिए? जीड़/वा
- (श) एसी किसी बाय का फिसी धन था अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1927 के 11) या किन पार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के छिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इ अधीक, निम्नुलिकित अ्युक्तियों, अर्थात् क्ष्र— (1) श्री बी० के० रामराव . बेतेल" नं० 370 2 मैन रोड, दोमलूर ले आउट बंगलूर

(अन्तरक)

(2) किन्यातारा अलेक्जेंडर नैनन श्रीरश्रीमती अश्लम्मा नैनन बोहा, कातार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया । करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यापा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकेंचे।

स्पृष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा भो उस अध्याय में दिया प्रवाहीं।

# वर्म्सकी

(दस्तावेज सं० 2903/84-85 तारीख 27-12-84 सम्पत्ति है जिसका सं० 370 जी 2 मैन रोड, दोमलूर ले आउट बंगलूर में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगजूर

तारीखाः 15-4-1985

माहर 🛭

# म्हण जार्थ ही एम एक -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सूचना

#### नाइत चड्डमड

# कार्यालय,, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षक)

ं ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 ग्रप्रैल, 1985

नोटिस नं ० निर्देश सं० 46167/84-85-ग्रत : मुझे ग्रार०

भारहाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुत से अधिक हैं

और जिसकी सं० 73 है, तथा जो वेस्ट ग्रप्क कडिरोड 2 टे बेंगलूर में स्थित है (और इसरो उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) कन्तरण से हुई कि सी जाम की नाबत, सम्बद्ध अभिनियम के नामीन कर को के जन्मरक के गामित्य में कमी करने ए उसके बचने में सुविधा के निए; नौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय अग्य-कर अधिनियम ते ने ने विकास से किया किया जाता अधिनियम या सक-तर अधिनियम ते 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने के सिका के निष्
  - ब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) टी० एस० व्यक्त्रशेखर
 41, बी मैन
 वेस्ट श्राफ कडि रोड,
 राजाजीनगर, बेंगलूर-10

(म्रन्तरक)

(2) श्री टी० शन्मुगम
े श्रीमती मल्लिगा, नं० 105, शांती
IV, मेन ए०टी० ऐ० ले ग्राउट
बेंनसेन टाउन, बेंगलूर

(अन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अजन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के लर्जन के कान्नन्थ में कोई भी जाक्षीप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्ची

(दस्ताकेंजी सं० 4774/84-85 तारीख 20-12-84) सम्पत्ति जिसकी सं० 73 जो वेस्ट ग्राफकाडि रोड iI स्टेज बेंगलूर में स्थित है।

म्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 23-4-85

मोहर :

प्ररूप बार्च हो । एत । एस . ---- ---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुन्त (निरीक्षण)

श्चर्णल रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 श्चर्पल, 1985 निर्वेश सं० नोटिस नं० 45683/84-85-श्वन: मुझे, श्चार० भारदाज,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात जिथिनियम कहा गया है), की भाग 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 14 (प्लाट) है, तथा जो 1 प्लोर रेस्ट हाउस प्रपार्टमेंन्ट, एस्टेट हाउम, बेंगलूर में स्थित है (और इसमे उपायक प्रमुस्ती में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्य 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए वंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से प्रभाव है के प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से प्रभाव है के स्वाप करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से विभक्त है और अन्तरक (जन्तरकाँ) और अन्तरिति (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिपत्त , निम्नितिकित उद्देश्य से उचक अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण ते हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्यिव में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एन एम० इरानि,
 नं 0 14, ई० एन० सी० ऐ० डी०,
 13, जिङ्ज रोड,
 यम्बई ।

(भन्तरक)

(2) भैसमें हेलेन भेलमें, श्री कोलिन लोमोस, केंग्रर प्राफ प्लाट नंव 14, रेस्ट हाउस ग्रपार्टमेंटस, 14 रेस्ट हाउस, बंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए धार्यवाहियां करना हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संसंध में कोए भी बाक्षेप क्र--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जर्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रप्नवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क मां परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूच्यः 🕻

(दस्तावेज सं० 2782/84 तायीख 12/84) प्लाट नं० 14, 1 पलोर, रेस्ट हाउस श्रपार्टमैंटट, रेस्ट हाउस रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> स्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्राधुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज, बंगलूर

तारीख: ल--९∽८5

मानुः

प्रकृप बार्ड. टी. एन. एव. ------

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) का । भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कंगलूर

बंगलूर, दिनां ह 22 महील 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45444/84-85-श्रतः मुझे, श्रार०भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाबार ब्रूच्च 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है, तथा जो 3 शास रोड, कब्बानपेट, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे जपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिक्षियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी द 12-11-84

कां पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं क्षम के राष्ट्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापकोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती निम्मितियों। के बीस एसे अन्तरण के जिए तय पाया क्या विफल, निम्मितियां उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्मितियां से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी, बाब की बाबत इकत सिंपनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सृविधा क ! लए; बार/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के सिए;

(1) श्री एम० नर्शसम्हा मूर्ति २० २, तुर्लासकोटा, पुराना तालुक कर्येरी कास, बेंगलूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्राम्मा मं० 3, 11 क्रास, कब्बानपेट, बेंगलूर

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहिया पृष्ट करता हूं।

जनतः सम्परितः को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाओप ा---

<u>arini da Carrento Antorroro mende</u>

- (का) इस सुमना के राज्यक् में प्रकाशन की टारीच के 45 दिन की जनभि या तासरजन्मी व्यक्तियों घर सूकता की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अवधि यद में भागत होती हों, के जीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से लिखी स्थित इसाज.
- (च) इस सचना को एकपन भें प्रकाशन की तारीक छै 45 दिन को भीतर जनत स्थावन सम्पन्ति में हित्तक्ष्य किसी अन्य स्थाबित ब्वारी अभादश्ताकरी को शक्त दिस्त में लिए अस्तियो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं० 2457/84 तारीख 12-11-84) सम्पत्ति है जिन्नकी सं० 12, जो 3 के सरोड, कब्बानपेट, केंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारकाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राद्क्त (निराक्षण) श्रर्जन रेज, बंगकूर ।

तारोब : 22-4-85

मोहर:

ंश्रहम **बाह**ें टी. एन एस:------

्र नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

## भाउत सरकाह

कार्यालय, सहायक जायकर बायक्त (निरीक्षण) र्श्वर्जन रेज, बंगलूर 🧠

बंगलुर, दिनांक 26 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45807/84-85-यत: मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकं परकक्ष्म जनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का **कारण है कि** स्थावर संपन्ति विश्वका **े उचित** वाजार अस्ख 1/,00,000/- फ. से अधिक है

और जिसकी सं एस 107-2 है, तथा जो मुडुशेडे विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता ग्रहिकारी के कार्यालय, ंसे र्वाणत है), मंगलुर में राजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम 1908 (1908) का 16) । ग्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए जन्तरित की गर्ड है बार मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिंखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुए किसी बांब की बाबत उन्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शक्तिक में कत्रीकरने **या तक्का वजने में कृ**तिथा की लिए, चौद्य/सा
- (ब) एरी किसी जाब का किसी धन का जन्य जारिसकी को. जिन्हें भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम यो धन **कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ बन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा g Prit:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभी : निम्निनिष्टिम कादिलयों . राजीन ह--

- (1) श्रीमती बी० मुलाबी बाई (2) श्रीमती इन्दिरा इस० पै०
  - (3) श्रीमती शारदा एस० कामत
  - (4) श्री बी० भास्कर आचार्पा मन्नगुड्डे,
  - (5) श्री बी० शंकरा ग्राचर्याः
  - (6) जश्रीमती वी० सुमना ग्राचर्या
  - (7) श्री बी० वेणुगोपाल स्नाचर्या मंगलूर । (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमति शेट्टी, शेट्टी निवास वान्डेल, मंगलू र

(ग्रन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अवन के लिए कार्यबाह्यिं करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से - 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 'पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतप पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 🔏 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्बिर्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा हैं।

## वन्स्यी

(स्तावेजज सं० 1,551/84-85 तारीख 11/84) सम्पत्ति है ज़िसकी सं० एस-107, मुडुगुहैंड विलेज, अंगलर तालुक में स्थित है।

> ग्रार भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 26-4-85

मोहर:

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 26 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० नं।टिस नं० 45808/84-85--यतः, मुझे, धार० भारहाज

शायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्क प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ∕ - रह. सं अधिक हैं

अौर जिसको सं० भार० एफ० नं० 883 है, तथा जो भाजपे विजेज मंगलूर तालुक में स्थित है कार्यालय मंगलूर तालुक में (श्रोरइत से उनाबद्ध श्रन्भूचा में श्रौरपूर्ण रूप सर्वागत है), रजिस्ट्रीकर्श अविकारी के रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान तागख 15-11-84

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को गहर लिए मन्ति रत अरि विद्वास करने का कारण 💥स्पत्ति का उच्ति बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से., एस रायमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अत-रक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ए'से अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदय से उन्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया **5** 6---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अर्थिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक 🛊 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी अगय या किसी घर या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न्य के बन्धरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः---

(1) श्रीमतो चन्चलक्षमी वाईक भ्राफ श्रो एन० रामटया नाय है, कूरनाड विलेश वन्टवाल तालुक।

(अन्तरक)

(2) श्री भ्राम्बरीत पेरेरा पी० ए० होल्डर ग्रालकेंड डी० कुन्हा, गुरपुर रांड, बाजपे-574142ं मंगलूर तालुक।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्ष्प :- --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी वर्णनतयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वा कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि॥ ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी बिया गया ह्र⁴ै।

## मन्स्थी

(दस्तावेज सं० 1587/84-85 तारीख 15-11-84) सब समाति है जित्रका सं० ग्रार० एउ० सं० 88.3 जो वाजपे विलेश , मंगलूर में स्थित है।

> भारः भारहाज । तकाय प्राधिकारा सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरंक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 20-4-85

मोहर 🖫

# प्रकृष कर्षां . हो . एन . एस . -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृक्ता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर,दिनांक 22 श्रप्रैल, 1985

निर्देश सं० नोटित नं० 45646/84-85-यतः, मुझे, श्रार० भारक्षाज,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-ऊ. से अधिक है

क्योर जिनकी सं 1028 (1028-5) है, तथा जो IV टी' ब्लार, 23 'बी' मैन रोड़, जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूत्रों में श्रीर पूर्ण का से विण्त है), रिनस्ट्रीकरण श्रिक्षितारी के कार्यालय, जया नगर में रिवस्ट्रीकरण श्रिक्षितारी के कार्यालय, जया नगर में रिवस्ट्रीकरण श्रिक्षित्रम 1908 (1908 का 16) के अश्रीत तारीख 5-11-84 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकत से, एसे दरयमान प्रतिकत के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नितिखत उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखत में धास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (म) एसी किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाषिए था, छिपाने में सूत्रिधा की लिए;

जतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री टी० एल० बागुदेवा राव, नं० 202/डी, अनस्टेर्स, VIA' मैन रोड, III ब्लाक, जयानगर, वेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री सैयद भीर मौलाना,
  - (2) सैयद मुर्तजा स्रमीत,
  - (3) सैयद में हम्मद मुर्बान,
  - (4) सैयव मासूच, मरीन, रिसाईडिंग एट नं० 19, II काल, श्रपस्टेर्स, न्यू पेटनलपेट, कलाजिपाल्यम, बेंगलूर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसम्रें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3097/84 तारीख 5-11-84) सम्पत्ति है जिपकी सं० 1028 (1028-5), जो IV टी' ब्लाक 23-बी-मैन रोड, जयानगर, वेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्राज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेंज, बंगक्षर

**लारीख: 22-4-85** 

मोहर 🖫

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### नारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 ग्रप्रैल, 1985

्तिदेश सं० नादिस नं० 44540/84-85—यतः, मुझै प्रार० भारताज

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. सूं अधिक हैं

श्रीर जित्तको सं० 25/65-जो है, तथा जो लिनित महल रोड, नजरबाद में स्थित है (श्रीर इनसे उनाबद्ध अनुसूचो में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण श्रीविनयम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन तारीख 29-10-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान शितक के किए अन्तरिक की गर्द हो और मूफे कह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का मृत्यूह प्रतिघत अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्त्विक इन् से कथित नहीं किया गया है के

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, जन्म अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उन्नसे वचने में सुविधा के सिए। और/या
- (आ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कर 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए॥

अतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिट स्मिक्तियों, अर्थात् हन्स (1) श्रीमती चैत्रम्या भन्गा,
 पी० ए० होल्डर श्री एत० बालकृष्णणेट्टि,
 119, राजमहिबलास एतस्टेंग्रन,
 बंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शरमीला ए० काजी और श्री ए० एच० काजी, 50, ए० एन० प लाग्जी रिङ्ग रोड, मलवार हिल्स वम्बई-6

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुथ् किसी अन्य व्यक्ति इनारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त काक्यों और पदा का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में जीतकि पत है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(ध्रस्तावेज सं० 3688/84-85 तारीख 29-10-84) सम्पति है जिसकीं सं० 25/65-डी० जो नजराबाद मोहल्ला, सिल्ति महलरोड, मैसूर में स्थित है।

> श्वार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

्तारीख: 29-4-85

पोहर 🛭

ं प्रस्प बार्च. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) काँ। भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

#### मारब चडकार

क्रायंशिय, बहुवनक नायकर नायुक्त (निर्देक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 म्रप्रैंल, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44539/84-85--यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज.

बादकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा नया ही), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हे कि ल्याबर सब्धीत, जिसका उचित बाजार मृत्य • 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० 25/65-बी है, तथा जो जलित महल रोड नजरबाद मैसूर में स्थित है (और इपसे उपावद अनुमुक्ती में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का

16) । अधीन तारीख 29-10-84
को पूर्वीक्त संस्थित को अभित बाजार मूक्य ले काम के देश्यमान
अतिकंभ को लिए अन्वरित की नहीं है और मूओ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथ्यपूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूक्य, उसके देश्यमान अतिकंभ से, एसे देश्यमान प्रतिफल का
पहु प्रतिकृत से गिथक है और अंतरक (गंतरकों) और अंतरिती
(अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया अतिक्या, निम्मानियत उद्देश्य से उसते बन्तरण निष्वत में शस्क्रीक्ष

हप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जलारण से शुर्व जिसीं जान कर्ष नाजस, रक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के जलारक के खरिस्ख़ में कमी करने या उपसे वजने में सुविभा के लिए; जीर/शा
- (श) एसी किसी बाग या किसी भन या बन्ध शास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन के निम्मासिंग व्यक्तियाँ, वर्थात् हिल्ल  श्री विश्वनाथा श्रीडण्या, पाठ एठ हील्डर श्री एत्रठ बालक्षण भेट्टी, 119, राजमहल विला । एक उटेंशन, बेंगलूर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार गृप्ता, नं० 7/5, बुरदबन रोड, श्रालिपुर कलकता।

(श्रन्तरितीनी

का यह स्थन। बारी करके पूर्योक्त संपरित के अधन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी अवधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्व स्थापतारों में से जिसी व्यक्ति वृद्याय;
- (क) इस सूचना वे राजपत्र मों प्रकाशन की तारीत से 45 विन को भीतर उसने स्थावर सभ्यत्ति मी हिड्डबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी की पास् निकार को विकार का अकीये।

## वनुसूची

(दस्तावेज सं० 3687/84-85 तारीख 29-10-84) सम्पति है जिपका सं० 25/65-को जो नजरबाद मोहल्ला लितमहल रोड, मैथूर में स्थित है।

> भारः भारद्वाज सक्षमे प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर।

सारीख: 29-4-85

मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, बंगलूर

बंगल्र, दितांक 29 स्रप्रैल, 1985

्र निर्देश सं० नोटिस नं० 44491/84-85--यतः मुझे श्रार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जितकी सं० 4(4--5) है. तथा जो वेंकटरामणनायकलेन गोलरपेट, वेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्किरी के कार्यालय, गाँथीं नगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908-

(1908 का 16), ग्रंधीन तारीखं 15-10-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिकृति के लिए बन्नित की गई है और युक्त विश्वास
करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से बधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्तित

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य औस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तिरती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) श्रीमती लक्ष्मम्मा श्रीर कुछ लोग नं० 4 (4-5) वेंकटरामणनायक स्ट्रीट गोलरपेट, वेंगलूर

(अन्तरक)

(2) राधा एन्टरप्राईसेस श्री डी०एम० राधाकृष्णय्या श्रीरकुछ लोग नं० 14, 15—19 परमेश्वरा मार्कीट, मामुलपेट, बेंगलूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2172/84-85 तारीख 15-10-84) सम्पत्ति है जिस हा सं० 4 (4--5) जो वेंकटराम गनायक लेन, गोलरोट, बेंगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, बंगलूर

तारीख: 29-4-85

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन स्थान

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बगलुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिसनं० 44321/84-85--यतः मुझे, स्रार० भारताज,

बायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वता रिक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

स्रीर जिनकी सं० 1107 है. तथा जो साखकी I स्टेज I फैन बेंगलूर सील नालुक में स्थित है (अरेट इ.त. उगात्रद्व सनमूबो में स्रीर पूर्ण रूप से विगत है) र जिस्ट्रीकर्ता अधिक री के कि सामिल से बेंगलूर सील तालुक में रिजर्ट्ड किया प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रक्षीन तारीख 11-10-84

को प्योगत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विव्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकाल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल कल निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त सिध-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कारने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जं प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, जियाने में सुविभा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्द में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (१) के अधीन, निम्निलिश्रित अक्तियों, अधीत :— (1) श्री एव० सी० वतवराज, नन्दोनाथपुरा वेरियापटना तालुक मैसूर तालुक स्टेट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पुट्टन्ना, सारकती स्रग्रहाय वेंगलूर होव्वली, वेंगलूर डिस्ट्रिक्ट।

(श्रन्त्रितो)

को यह सूचना धारी करक प्रांतत सम्परित के अजन के जिए कार्यजाह्या करता हूं।

# उन्द सम्पति के शर्बन के सम्बन्ध में के 'द्र' भी शाक्षांप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति र्याक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति र्याक्तियों
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्ते... अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

(दस्तीज सं० 4234/84-85 तारीख 11-10-84) समाति है जिनकी सं० 1107 जो सारककी I फेन, I स्टेज बेंगनूर सीत तानुकमें स्थित है।

> स्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 29-4-85

मोहर 🤧

इस्प बार्ड : दी: एन . एत . - - ----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की अस्य 269-म (1) के सभीत नुष्या

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. श्रर्जन रेंज, बंगलूर

🖔 बंगलुर, दिनांक 30 अप्रैन 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44826/84-85—अनः मुझे स्रार० भारद्वाज

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 697 है, तथा जो XVII मैन एस० पूरम मैथूर में स्थित है (ग्रीर इपसे उभावद ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्स्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय मेंसूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन तारीख 31-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एम्मे यह निकास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह भितशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकों (अन्तरिक्ति को स्थान एसे अन्तरिक के लिए उस व्या स्था प्रतिफल, मिम्नीनिश्वत उद्देश्य से उनत सन्तरिक विश्वति को सामिनी को समिनी को समिन नहीं किया गरा है :---

- (क) केतारण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त विधानियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में सभी करने का उक्क वकते के स्विधा के लिए केर/का
- (क) श्री किसी का या किसी घर या अन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय अयकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अविनियम, या भनकर अविनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था. जिया से सिवध के लिए:

हत अक्षे उडत अधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निलिखित वास्तियों, अर्थात् :—— 55—136 GI/85 (1) श्री डी० पृत्दापाद्या ची० गं० 697, 17 में 1 सम्भवतिषुरम, मैसूर

(अन्तरक)

(2) श्रोभ्ही । एतः कृष्णभ्ती लेक्चर इत गेथामाक्टिन ऐ० डी॰ एन० जी० पानज विवस्मगतर

(ग्रन्तरिती)

कर यह सुधर्म बारी करके वृत्रीका संपत्ति के नर्बन के लिए।

#### उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तत्सुंबंधी व्यक्तियों पर सूच्या की कामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद भी समाप्त होती हो, के मीतर प्रवेक्त माजितयों में से किसी व्यक्ति क्रांगः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जेथे।हस्ताक्षरी कै
  पास निकित में किए का सकत्ये।

स्वक्षिक्रण कर्इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो सक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### वनसर्थी

(दस्तावेज सं० 3722/84-85 तारीख 31-10-84) सम्बन्धि है जिसका सं० 697 जो 17 मैन, सरस्वतिपुरम, मैसुर में स्थित है।

> स्रार० भारद्वाज पंक्षम प्राधिकारी स्ट्रायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, वंगलर

(तारीख: 30-4-85

मोहर ः

प्रकप नाइ टी. एन. एस. -----

**भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्कालय , स्हामक भायकर आयुक्स (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगल्प

बंगलर, धिनांक 19 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० नाटिस नं० 45042/84-85--यतः, मूझे, श्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनक अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 407 है, तथा जो XII काम सदाणिवनगर बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उगावड प्रनसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यावय, गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 22-11-84

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मून्य के कम के सश्चमाम गतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मून्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की, बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में तूबिशा के लिए; और/या
- (w) एसी किसी शाय या किसी धन या अन्य अंस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, जबत अधिनियम की धारा १६९-ग के जन्मरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा १६९-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित स्यन्तिमी, अधित् :— (1) श्री बी० एस० तिप्पेस्वामी,नं० 407, सदाशिवनगरवेंगलूर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री जयन्तीलाल रजनी,
  - (2) श्रीमती पूष्ता रजनी
  - (3) भ्रनुप रजनी
  - (4) श्रीमती मयूर रजनी नं० 14,

कास गांधीनगरः
 बंगलुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्बीत के अर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहि भी जाकोप :--

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र ते प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वे कित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इसस्चमा के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हिराबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकर्म।

ल्पच्चित्रण:----इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित, है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका सक्षा हैं इ

#### सन्त संस्थित

(दस्तावेज सं० 2,597/84-85 गाणिख 22-11-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 407 जो XII कास् मदाशिवनगर, वंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भाग्हाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकन स्रायकन (निरीक्षण) स्रजैन रेंन, बंगलूर ।

नारीख: 19--4-85

मोहर :

प्ररूप बाह्री, टी. एन. एस. .....

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बचीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंन, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 स्रप्रैल 1985

निदेश सं० 45053/84-85- अत मुझे, आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' बहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपनते बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी मं० 45/1 है, नथा था रिनसन्ड रोड बेगलूर में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या में विणत है), रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 19-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मंभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार शृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दृह प्रतिशत से मृधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नितियां उथ्योग से उक्त बंतरण निकित में वास्तिक क्य सं कथित महीं किया चया है कि

- (क) बन्तरम स क्रूइ' किसी बाय की ताबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के बन्दरक, के दायित्व में कमी करने या उससे स्थने में सुनिभा के सिक्ष, बाँड/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, जा धनकर अभिनियम, जा धनकर अभिनियम, जा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ज्विभा की लिए;

बतः बन, उत्तर बीधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण बो, मों उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रेम बवेजा और कुछ लोग, नं० 49, मिलर रोड़, बेलसून रोड, बंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) इन्डियन टेलींफोन इन्डस्ट्रींज, लिमिटेड नं० 16, म्यूस्थिम रोड, बंगलुर--1।

(भ्रन्सरितीं)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के तिह

बन्ध् बन्धीरव के मूर्वय में युन्त्स्य में कोई ही नासेप्:--

- (क) इस बुज्जा के राज्यम में प्रकाशन की तार्रीक दें 45 विश्व की जबति या तत्वस्वल्थी व्यक्तियों कर सूचना की ताजीत से 30 विन की वविभ, वो औं अभीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वायः।
- (ख) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्युध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिक्ति में किए जा सकोंगे :

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनयम, के बभ्याय 20-क में प्रिभाषिक। हैं, वहीं क्षी होगा जो उस अभ्याय में विश्व प्रया है।

#### धनसर्थी

(दस्तावेज सं० 2425/84-85 नारीख 19-11-84) सम्पत्ती है जिसका सं० 45/1, जो रिचमन्ड रोड, बेंगलूर में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6~4**~198**5

ं बोहर ६

## प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के अधीन स्चमा

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेजि. बंगलूर धंगलूर, दिलांक 18 अप्रैल 1985

निदेश स्क 45040/84-85----श्रतः मुझे, श्रान्क भारतालं सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन मक्षन प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि संधानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 हैं, तथा जो XV वास िलारि रोड़ बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुउची में और पूर्ण रूप से विजित हैं). रिस्ट्रीकरण शिधिक्यम 1908 (1908 रा 16) के श्रधीन तारीं 21-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्पमान प्रतिफल में, एसे इस्पमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाव गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ए० स्राध्य ।
श्री एन० अगाम श्री एन० मुग्लीधरा, श्री एन०
स्मिन्द्रा आयू, श्री एन० रमेण, श्री ए०के०ए०
समस्यामी श्रीमती साजस्मा,
नं० 2 XV काम,
िलानी रोड,
वेंगलूर-2।

(अन्तरक)

(2) श्री जा नेत्रस्ति सामूतमलजी, श्री मूलकन्द एन० जैन, श्री भवश्लाल एन० जैन, श्री रमेणकुमार एन० जैन, श्री हस्तिमल एन० जैन और श्री परायमल एन० जैन, न० 13,

(अन्तरितो)

(3) श्री 1 फ्लोर वीवीव के ऐस्पन्गार रोड, वेंगलूर ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्परित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तानील है 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि गढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति इंदारा;
  - (6) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

(दस्तावेज सं० 2572/84-85 तारीख़ 21-11-84) सम्पत्ती है जिलका सं० 2(112), जो XV काम, किलारि रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

श्रार० भारहाज सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 18-4-1985

मोहरु 🖫

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

विगल्र दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदंश संऔं 45674/84-85—अतः मुझे, श्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

और जिस्की सं 131 है, तथा जो बीटएराटकेंट II रहेज वेशलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजर्टीवरण अधिनियम 1908(1908 वा 16) के अधीन दिनाव अस्तूबर 1984 जयनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में म्लिक्त रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं ,िकया गया था वा किया जाना चौहिए था, िछपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्री वीं अयकुमार गोयल, 1319,
XV काम,
II मन,
बीं उएस ० के ० II स्टेज,
बेंगलर।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर बीं कें ० यूसफ, पीं अो० बाक्स - 11982,
दुबाय,
यू०एँ०ई०,

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तार्क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## य नुसु वी

(दस्तावेज सं० 2994/84-85, तारींख अक्तूबर 84)/-सम्पत्ती है जिसमा सं० 1319 जो बीज्एसक्के II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 30-4-1985

मोहरः

## इंक्य बार्ड, टी. एन्, एक., \*\*\*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहस्राह

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. बंगलूर बंगलर, दिनांथ 6 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० 45064/84-85---श्रतः मुझे, श्रार० भारताज

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिन्नकीं सं० 104 हैं, तथा जो बिन्नमन्गृला-II स्टेंक बेगलूर में स्थित हैं (और इस से उपाद्यद्व श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीतर्ता श्रधिनियम 1908 (1908 ा 16) के श्रधींन नारीख़ 26-11-1984। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्द और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हुनै

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) स्थारन वे हुई किसी वाय की वायत, करत बादियम के स्थीन कर वेगे से बन्तर्क औं शामित्व में कमी करने या अससे वचने में सुनिधा को निए; बार/वा
- (व) एंची किसी नाय या किसी धन वा सन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय काय-कर किधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया वाना वाहिए था, किया में मुनिया के सिए;

मतः क्ष्, उक्त विधिविषयं की भारा 269-व वौ वनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती एन क्ले लिखानी,
 21/12,
 एम ञी० रोड़,
 बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल परसराम हुष्णाणी, नं 4008, 100 फीट रोड़, इंदिरानगर, बेंगलर।

(अन्तरिती)

को यह सूचनो जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

## बक्त सम्पत्ति के नर्धन के संबंध में कोई भी वाश्रेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआ।
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकासन की तारील से 45 दिन के भीषर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्र्थ किसी कन्य स्थावत स्थाहर अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

र्वाक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त गुन्दों की पूर्वों का, जो उन्हें जीवित्रम के अध्याय 20 का में परिभाषि है, नहीं वर्ष होगर जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2506/84-85, दिनांक 26-11-84), सम्पत्तीं है जिसका सं० 104 जो विश्वमानगला II स्टेज. वेंगलुर में स्थित है।

> स्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6--4--1985

मोहर

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचन

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निदण नं मम725/84-85---- प्रतः मुझे ग्रार० भारहाज शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करके क्वा कारण है कि स्थावर राम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव धारवण्यवनंव 111, टीवण्सवनंव 402/1, है, तथा जो नोटा दिलेज गंगलूर में रिथत है (और इस से उपाबड़ धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीं- करण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख़ 11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और म्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राप्तक गया प्रतिपाल, निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्ष्य से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबस, उक्ते अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाभित्य में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

चतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अफिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ॐ अभीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् हः—  (1) में (र्ने, ल्यूमीं, रीनो अलियाः पिन्टों, रिसैंडिंग नियर एम्मेंकेरे, बोतार, मंगलूर टाउन ।

(अन्तर्भ)

(2) मोह्न वि० कामत, (3) श्रीमती ज्योति एम० कामत, मन्नागुड्डा, मंगलूर टाऊन ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पट्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्भाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसुची

(दस्तावेज सं० 1244/84, तारींख 11-84)——सम्पति हैं जिसका सं० स्नार०एम० 111, टीं०एम०नं० 402/1, जो नोटा विलेज, मंगलूर में स्थित हैं।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बगलूर

नारील 25~4--1985 **गोह्य** अ प्रकृषः आई. टी. प्न. प्स. ----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक माथका भागानल (निर्माक्षण)

श्चर्यन रेंज, बंगलूर वंगलूर, दिनांक 30 श्रेष्ट्रैंन 1985

निदेश नोटिसं तं० ं45777/84-85 - श्रतः मुझे, आर्० भारताज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारों को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका जिलत बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31 है, हाथा ो II कास रोड़, राहवागुन्टे में स्थित है (और इससे उपादाइ अनुसूची में और पूर्ण रूप में निर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिविस्ट्रींकरण प्रिक्षितियमें 1908 (1908 ला 16) के अधीन तारीख 4-12-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के हत्यमान् प्रिष्ठिक के लिए अन्तरित कैंगि गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण हैं कि मथापूर्विक्त संपर्देश का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हैं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रसिश्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में सास्तिक हम से किया गया हैं:—

- (क) अम्परण हाँ धुई किसी काय की बावत, उक्त मिनियम को अभीन कार दोने को अम्परक की बायित्व में कमी कारने आ उहसे अवने में सुविका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य अधिनयों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रमोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं कि व भ्या था या किया काना याहिए था. 1957 स्मिन स्मिम के लिए;

खतः अवः, अवस्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भी. भी. उत्त अधिनियम की धारा 269-ग की इपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती शीता मात्यू,
 31. II काप रोड़,
 भुन्दागुन्टेयालया,
 पहारिक्य गरनेस्यस्यामी टेप्पच के और बेंगलुर।

(प्रार्क)

(2) श्री सीज्यमञ्सीच वै एसज्यारच श्राहिला, उसजा जनरालेष्ट तैशादुवारा, श्रालवाये-6,83106 एरनाकुजम शिल्ट्रिक्ट, केरचा में है प्रव, धरमाराम कालेज, जीला में है।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **अर्जन के लिए** कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इताराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शह सिरोचन में किए का सकरें।

#### श्रनुसूरी

(दम्भवित सं० 3915/84-85, तारीख 4-12-1984) भग्गती है जिसकी सं० 31 जो मिकान रोड़, भुडागुस्टेटवाए-भया, पट्टासिर मध्यतिय स्वामी टेटा वे और, वेगलूर में स्थित है।

> स्वान्य सारद्वाज पक्षम प्राधिकारी सहायक स्थापक सम्बद्ध (निरीक्षण) सर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 30⊹4 -1985 मोहर :

## प्रक्ष्य आहें.टी.एस.एस.------

भागकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक मायकर बायुक्त (निर्दोक्षण)

भ्रर्जन रेंज, १ बंगलू र

बंगलूर दिनां े 30 अप्रैल 1985

निदेण सं० 45365/84-85---श्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 321/1 है, तथा जो चिन्मया मिणन हासेपीटल रोड, इंदिरा नगर वेंगलूर-38 में स्थित हैं (और इससे में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूस्यमार प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कर्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाता गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिबक अप से कि भित्त नहीं किया गया है करान

- (क) मन्तरण सं शुर्व किसी बाव की बाबत, ठक्त वृषिनियम के सबीव कड़ बोने के अन्तरक के करित्य में कनी करने वा उससे वचने वी सुनिधा के तिए; बॉट्ट/बा
- (क) एसे किसी बाय वा किशी पन वा जम्स बारिलकों को जिन्हों भारतीय जायकर श्रीधिनियस, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर जीधिनियस, या धन-कर जीधिनियस, या धन-कर जीधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट वहीं किया वया था या किया जाना साहिए वा, कियाने भें स्विधा के जिद्दा.

बतः अव. उक्त विधितियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों,, संशीत् ६— 56—136 GI/85 (1) पद्मिनि होभल 322, चिन्मया मिणन् होसपिटल रोड़, इंदिरा नगर, बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गायसी ए० भट, 198, एच एम०टी० लेओट, श्रार०टी०नं० 98, बेंगलूर-32।

(अन्तरिती)

को यह मूचना बारों करके पूर्वोक्त संस्पृति के अर्थन के निय

सक्त सम्मृत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जबिभ यां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार:
- (था) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की संपरीस के 45 बित को भीतर उक्त क्षावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास-निसिस में किए का सकोंगे :

स्यक्कीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्छ क्रीभीनयक के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

#### सम्स्कर

(दम्नावेज सं० 2729/84-85, तारीख 13-12-1984) सम्पती है जिसकी सं० 321/1, चिन्मका मिणन हानपीटल रोड़ इंदिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है।

श्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारीं महायज स्रायम्य श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगलूर

तारीख 30-4-1985 **मोहर** ध प्रकम नार्षः दीः एवः एषः ...---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीद सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर बाबूबत (निद्धीक्षण)

ग्रर्जन<sup>े</sup> रेंग, बंगलूर

बंगलर, दिनां के 4 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 45542/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार०

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पेश्चात् 'उक्त अधिनियम' कह्य गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 147(161) हैं, तथा जो होसहलूली बिंगसूर में स्थित हैं: (और इससे उपात्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रींटरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख दिस्पार 1984

की पूर्वित सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों के गुम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पनदृष्ट गित्रकत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दील एसे अन्तर्भ के निम्मितिया गया प्रतिफल का निम्मितिया सहस्थि से उच्या अत्रर्भ निम्मितिया में बास्तिवक कम में कांश्रत नहीं किया गया हैं।

- (क) अन्तरभ के हुए फिसी बाय की शवत, उनत अभिनयम के बधान कर दोने के अंतरक के दायित में कमी अद्भने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सुद्ध/का
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य जास्तियों करो, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती देशारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिन्ने में सुनिधा। के लिए;

अतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्धक :--- (1) श्रीमती पहम्माल नं० 101, रेलवे स्टेशन रोड, सेलम तमिलनाडु।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती बेंगुरु बैंग्यम्मा,

 श्रीमती लक्ष्ममा,
 कोन्डेनहल्ली विलेज चिक्क कोलार डिस्ट्रिक्ट।

चिक्कल्लापुर तालक

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्द सम्पत्ति के अर्चन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजभन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की मनिष या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामीन से 30 दिन की मनिष, जो भी सुनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाए;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उनस् स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाकरण हिन्दी प्रयुक्त कृत्यों जीतु पद्दों का, जो उक्त विधिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं,, बही नर्भ हरेगा चो उस जभ्याय में दिवा क्या है।

#### क्स स्टी

(दस्तावज सं० 3053/84-85, दिनांक दिस्म्बर 84) सम्पत्ती है जिसका सं० 147/161 जो होसहल्ली, बेंगलूर में स्थित है।

्श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिनारी अहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 4-4-1985

मोहर 🖫 🥕

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधितियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यमृत, सहायक नायकर आयुक्त (निर्शिक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, चिनांक 26 श्वप्रैल 1985

निदेश सं० 45810/84-85—-श्रतः मुझे, स्नार० ≆भारद्वाग,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 50 है, तथा जो ईडिया विलेज मंगलूर में स्थित हैं के (श्रोर इक्षेस उपाबंड श्रतुसूची में श्रौर पूर्ण का से विणित है), रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4-12-1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मून्य, उसके दरममान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया भातकल, निम्मीलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में गासाकिक हम से कथित नहीं किया गया है जन

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त जिमियम के जुमीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना वाहिए था, छिवाने में सृष्या, के बिक्ष;

्थतः अब्,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् धे—

- (1) श्रीमती चन्द्रावित गिरिजा, श्री नागेण श्री रमेण, श्री गणेण श्रीमती माधवी श्रीमती गुणीला, श्री सतीज, श्रीमती ण्यामला वैं० श्री डी० मोहन राव, नोटरी.
  - डो०के०, मंगलूर । (श्रन्तरक) (2) श्रीमती जाहिदा, कृक्कडी काम्पौंड,

बैकसपाडी विलेज, मंगलूर ताल्लुक ।

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्बन को त्सव कार्यनाहियां कारता हु।

## उक्स सम्पत्ति के क्यान के संबंध में कोई भी बाहरेंप रूप्प

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यदित धुनारा, अधाहरताक्षरी के पीछ सिस्ति में किसे का सकेंगे।

स्पृथ्विकरण :---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा नवा हैं।

## अन<u>ुस</u>ची

(दस्तावेज म० 1729/84-25, तारीख 4-12-84)— सम्पत्ती है जिसका सं० 50, जो ईडिया विलेज, संगलूर में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर्र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, बंगलूर

नारीख": 26--4-**(9**85

मोहर 🖈

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

-आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन बुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक काबकर साय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० श्रार० 1454/37ईई—श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः सै अधिक है

को पूर्वोक्त संपत्ति का उत्तिल बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का काइण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उधित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा. के सिद्ध और/बा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन ना जन्म कास्तियों को, जिन्हों भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में से सिक्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  जी० रीगो 47, चर्च स्ट्रीट, बेंगलूर-560001

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नारगेज राय कोतावाला, बैंक/स्रांफ० श्रार०बी० कोतावाल 70.1, सामरसेट श्रपिटमेन्ट्स 'डी' ब्लाक 18, एम०जी० रोड, बेंगलूर-1।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के क्षान संबंध में कोड्ड भी बाधोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अंजिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इतु सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितजब्ध कियी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उन्हें जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित ही, बही अर्थ होगा, जो उत्तस् अध्याय में दिया नया ही।

## नगरा ची

(दस्तावेज सं० 1253/84-85, तारीख 12-10-84) फ्लाट नं० 701, जो सामरसेट ग्रपटिमेन्ट्स ए ब्लाक नं० 18, एम०जी० रोड, बेंगलूर में स्थित है।

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख : 31-5-1985

मोहर 🖁

प्रस्य बार्<sup>क</sup>ः, टी., एव., एस<u>., -----</u>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, बंगलू हू बंगलूर दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० श्रार०1459/37ईई——श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाजः

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 है, तथा जो भामरसेट अपिट-मेन्ट्म नं० 18, एम०जी० रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), रजीस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-10-1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रियमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भूतिफल, निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तियक रूप से किथत नहीं कियां गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आप की बाबुत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसे किसी जाब या किसी भून या अन्व आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवत्तान अतिरिती इक्तिय काल कर्य कर्या कर्या असी क्षिया जाता चाहिए वा, जियाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रम, उमत निमिन्यम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु ्— (1) श्रीमती बी० ग्ररान्हा,
 न्यूयना बिस्टा,
 प्लाट नं० 92,
 फोरशोर रोड,
 बंबई-400021।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लान्सलेट रेगिनालड डी० कुन्हा 26, ग्रान्ती गेड, श्रान्तीसगर, बेंगलर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यविहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकरें।

स्वव्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उसं अध्याय में दिशा यया हैं औ

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1258/84-85, दिनांक 25-10-84) प्लाट नं० 5 जो V पले।र, त्लाक 'ए' सामरसेट अर्पाटमेन्ट्स, नं० 18, एम०जी० रोड, बेंगलूर-560001 में स्थित है।

श्रार० भारढाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलर

तारी**ख**: 31-5-1985

मोहर:

बुरूप काई. टी. एम्. एत ......

सायकर सिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 स (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 मई 1985

निष्ण सं० स्रार० 1474/37ईई—स्प्रतः मुझे, स्रार भाग्हाज,

वायकर निर्मान्यम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मिनयम', कहा गया है, की भारा 269-ख को निर्मान सक्षम प्राधिकारी को, वह निर्मास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिलकी संव प्लाट नंव 4 है, तथा जो 191, स्यान्की रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इस से उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर्ण से व्यणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीत तारीख 26—10—1984। को प्रवांतर हम्में के प्रवांतर कि ग्रिधित वाजार नृत्य से क्षम के प्रवांतर की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का स्थाप है कि ग्राप्वांत्रत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उनके स्वयंत्रत हिल्का से, एमें स्वयंत्रात प्रतिकल का पर्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ग्रीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया ग्री प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वदेश से उक्ते अन्तरण निलिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, शिन्हें शार्यों या कारण अधिनियम, 192? (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, भा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अभाजनार्थ अंतिश्या त्वारा शक्ट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उवत अर्रेभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीयः विमनिधितिक स्थितियों, अर्थादः —

(1) लयन्डं डेब्र्लपमेन्ट कारपोरेशन 302-डी, क्वीन्स कारनर, क्वीन्स रोड़, बेंगलूर-56000।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्रह्णा लक्ष्मन, स्रह्णा एलेक्ट्रानिक्स, बी०बी०के० ऐस्यत्गार रोड, बेंगलुर-53।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव थें, 45 दिन की अनिध या तत्सम्बेन्धी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्वाध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वनित . स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीख र 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-भव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहरताहारी के पास निखित मा किए जा सक्ता।

स्यक्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथी का, जो जनस अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसर्ची

(दस्तावेज मं० 1267/84-85, दिनांक 26-10-84) मम्पत्ती है जिसका मं० 104 जा I पनार, सबन्की अपिट-मेन्ट्स, प्लाट नं० 191, नयन्की रोड वेंगलूर-560080 में स्थित है

> ग्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख : 30-5-1985

मोहर 🌣

बारकार अभिनियम 1961 (1861 का 43) की पादा . 269-ए (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक मायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगणूर बंगलूर, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आर0-1475/37ईई—अतः मुझे, आर0भारहाज,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इस्कें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यौत, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 20 है, तथा जो 191, गयान्की रोड, बेंगलूर में स्थित है ग्रीर इस मे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-10

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान कृतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथल्यों का संपत्ति का उचित वाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकाल को भंका प्रतिकात ने अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास , निम्मिलिशित उद्देश्य से उच्त बन्तरण निवित में गास्त- विक क्या से विश्वास सहीं किया गया है?---

- हुँक) जन्तरक वं हुव् किसी नाम की नामतः, उनके विभिन्नम की जनीन कर बेने की अन्तरक की कवित्य में कमी करने या बचने बचने में सुनिभा के सिस्ट; वृदि/ना
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियां की, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनिएम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

स्त्रें, संसं, जक्त अधिनियम, की धारा 269-न की अनुबारक कें, में अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकित स्मृतिसर्थें, अर्थांक् क्र— 1 लयान्ड ूडेवलगमेन्ट कारपोरेणन,
 302-ए,
 क्वीन्स कारनर,
 क्वीन्स रोड,
 बैंगलूर-56000।

(अन्तरक)

2 श्रीमती कमला बाई, 61, 1 फ्लोर, / II क्रास गांधीनगर, बंगलूर-560009।

(श्रन्तरिती)

की यह स्थाना कारी करके पूर्वीकरा संपरित के अर्जन के निध् कार्यवाहियां करता हूं।

## उच्च संपरित के अर्थन की संबंध में कोड़े भी आक्रोप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशनं की सगरील से 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दृदास;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी की पास सिष्टित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया भवा है।

#### **म**सस्<del>यो</del>

(दस्तावेज सं० 1268/84-85, दिनांक 26-10-84) प्लाट नं० 202, जो II कलोर, सम्रान्की अपोध्मेन्टस, प्लाप्ट नं० 101, समन्की रोड, बेंगलूर-560080 में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अजेन रेंज, बंगलुर

तारीख: 30-5-1985

भोहरं 🐇

भारताज,

## प्रकथ् बार्ड् . दी . एत . एस .,----::----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वामा

#### भारत तरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर दिनांक 30 मई 1985 निर्देश सं० आर०-1476/37ईई-अतः मुझे, आर०

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 203 हैं, तथा जो 191 सयन्की रोड बेंगलूर में स्थित है श्रौर इस से उपाबक्क अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1**क्र**08 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-10-1984।

को पर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तकरत की गई है और मुक्के वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार अस्य, इसके द्रवयभान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्र≮≥प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से किंपत नहीं किया गया 🧗 :----

- ॰(क) अन्सरण से हुई किसी जान की वायत, उक्तु अधिभिन्न के अधीन कर दोने की जन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के बिए; नीर/वा
- (w) ऐसी किसी भाव वा किसी भन वा जन्य जास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन प्रक्षिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 🦮 ्रयोजनाय पन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया मधा बा 😕 किया जाना चाहिए वा. छिपाने थें -्याच्या अन्तिम्:

अतः भवः, उक्त विधानियम की भारा 269-म के अनुसरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा ( को अधील, जिस्तिनिकास व्यक्तियों, अर्थात् 🏗---

(1) लयान्ड डेवलपमेन्ट कारपोरेशन, 302-ए मवीन्स कारमण, क्वीन्स रोड, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश वी तालरेजा, 61, **I** फ्लोर, II कास गाधीनगर, बेंगलूर-560009।

(अन्तरिती)

को यह सूचना थारी क<u>र</u>के पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन को सिक्स कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) वरु सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **वारीच से 4**5 विन को अकृष्टि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 वित की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्त व्यक्तियों में है किनी व्यक्ति ≝ारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त क्यावर अम्पत्ति में द्वितवा किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भशोहस्त्राक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

व्यव्तीकरण्]--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयों की; को उक्त श्राध-नियम के अध्याय ३०-३। में परिभाषित है, बही षयं होना, जो उस धश्याय में विया गवा है।

(दस्तार्वेज सं० 1269/84-85, हारीख 26-10-84 प्लाट नं 203 जो II फ्लोर सयान्की अर्पाटमेन्ट्म, प्लाट नं० 191 सयान्की रोड बेंगलर-5600080 में स्थित है।

> आर० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 30-5-1985.

मोहर 🕾

## प्रक्ष बार्ड, टी. एन. एव ुननन्तन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) की धारा धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

्बंगलूर, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं० आर०-1480/37ईई--अतः मुझे, आर०भारद्वाज,

बायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी संव ब्लाट नंव 2 है, हथा जो 18, एमव्जीव

रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबछ अनुसूची में

श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-10-1984। को पूर्वोक्त सम्मित क उचित बाजार मूल्य से कम के रक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संबत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यज्ञान प्रतिफल से, एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरमूती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तियक रूप के किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के तिए; और/बा
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था ए किया खाना चाहिए थां, डिपान में सुविधा के लिए;

सतः अर्थ, उक्त स्थिपियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, जे उक्त स्थिपियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीतीखत व्यक्तिस्थों, अर्थात .——
57—136 GI/85

/(1) श्री अजाय मालिक,
33, जयमहल एक्स्टेनशन,
5 मैन रोड,
बेंगलूर-560046।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती काकोलि बट्टाचार्या, के०/आ० श्री दीपक बट्टाचार्या 1 डाक चर्च लेन, अलहाबाद-211002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिलबहुआ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिशः गया है।

#### अन्स्ची

(दस्तावेज सुं० 1273/84-85 दिनांक 26-10-1984) सम्पत्ती हैं जिसका सं० 2 और कार प्राकिना सं० 16 जो सामरसेट अपार्टमेन्ट्स ए' ब्लाक, नं० 18, एमू०जी० रोड, बेंगलूर-560001 में स्थित है।

> आर० 'भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्र

तारीख: 30-5-1985

महिर 🔅

## प्रकृष् आई. टी. एन., एस. -----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) -

अर्जन रेंज, बंगलूर बेंगलूर दिनांक 1 जून 1985

निवेश सं० आर०-145ं८/37ईई---अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रा. स आधक हैं

श्रौर जिसकी सं० 29/1 श्रौर 29/2 है, तथा जो अगा

अम्भास आित में स्थित, है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची

में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम

1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 12-10-1984

को प्विक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान

श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा प्वीकत संपत्ति का उभित

बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे

इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक्त

बार अंतरिक (अंतरिता) और अंतरिती (अंतरितिया) के

बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित

उन्दरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत

नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ज्या अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार। (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) आता एक्ट्रांच इरानी,
 45, कवासजी पटेल स्ट्रीट,
 फीर्ट, बंबई-400001।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स साची कले लिमिटेड 82, डिफेल्स कालोनी, इंदिरामगर, बेंगलूर।

(अन्तरी)

को ग्रह सूचना बार्डी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन है लिए. कार्यवाहियां कृष्ट करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावज सं० 1255/84-85, तारीख 12-10-84) सम्पत्ती है जिसका सं० 21 जो II प्लोट, नं० 29/1, ग्रीर 29/2, अगा अभ्भास आलि रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 1-6-85

मोहर:

प्ररूप आ**र्°**.टी. एन. एस ऱ------

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

बेंगलूर, दिमांक 1 जून 1985

निर्देश सं० आर०-1465/37 ईई/84-85:---यतः मुझे, आर० भारताज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ।(जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 1/25 है, तथा जो अलसूर रोड़ बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25~10~84

को पुर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किश्वास में वास्तिक इप से कथित नहीं कया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुंड़ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ऑस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्रीमती सरस्वति बाई बेलानी,
 37, ई<sup>®</sup>ट लिन्क रोड़,
 II क्रास, भल्केशवरम,
 बेंगलूर।

(अन्सरक)

(2) श्री एफ० एम० कराचित्राला, 4 ई, सौन्दरस रोड़, कोलस पार्क, बंगलुर।

(अन्तरिती) 🦠

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### सन सन्ती

(दस्तावेज सं० 1262/84-85 तारीख 25-10-84)

सम्पत्ति नं० 1/25 में 1/3 भाग जो अलसूर रोड़, बेंगलूर में स्थित है ।

आर. भारक्वाज मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलुर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, वर्धात् ह——

सारीख : 1~6-1985.

मोहर:

## प्रस्य ब्राइकि डॉ.व दुनक एउ. मन्यानन

## भाषुकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) की मभीन स्वया

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 जून 1985

नोटिस सं० आर० 1446/37 ईई/84-85:-्यतः मुझे, आर० भारदाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् "उक्त निधिनियम" कहा गया हैं), की पाष्ट्र 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करते का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० नं० 3 है तथा जो कारपोरेशन डिवीजन नं० 6, बेंगसूर में, स्थित है (और इससे उगावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1984

को प्रवेक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य स काम के उध्याम श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मृश्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके उध्यान प्रतिफल से, एसे उध्यान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण निस्तिय में वास्तियश इप से अन्तरण मही किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी बाय की बायतः, उन्तर अधिनियम के अधीन कर, दोने के अन्तरक के इशित्य में कमी करने या उससे अवने में . ्विभा के सिष्; और/का
- (क) एंसी किसी बाग या किसी धन या जन्म आस्तियां को विन्हें धारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या ध्य-कर अधिनियम, या ध्य-कर अधिनियम, या ध्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से विष्।

बतः बव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरच बें, कें, इक्त अधिनियम की भारा 269-म की बचभारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री पी० फांतिलाल जैन, श्रीमती बादाम बाई, (3) श्रीमती सज्जन देवी, 4. श्रीमती रजनी, पी० ए० होल्डर रनजीत कुमार, काडिया नं० एच० २० 1, स्ट्रीट, ब्रेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री कें ० टी० मिट्टु. श्रीमती कें ० एन० नीलस्मा, मार्फत श्री कें ० एन० प्रेम वन्द, नं० 5, जे० कें ० लेआउट, कैंग्बिज रोड़, बेंगुलूर-560008.

(अन्तिस्ती)

का यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया कार्या हो।

उक्स सम्पत्ति को अर्थान हो संबंध में कोएं भी आक्षेप :---

- (क) इंड सूचना के उपभिन्न में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में संभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीष से 45 जिन के भी न क्षाप्त का प्रकाश की की हिसब्द्रभ किस) अवार किस्त द्वारा अभागस्ताक्षरों के पृष् सिक्षित में भिक्ष जा सकती।

स्थण्डाकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भे विया गया हैं।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1263/84-85 का० 25-10-84) सम्पत्ति सं० 3 में 1/6 भाग जो एच० नं० 1 स्ट्रीट कारपोरेशन डिबीजन नं० 61, बेंगलूर में स्थित हैं।

> आए० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

तारीख: 1-6-1985

मांहर :

## प्रकप बाई . हो . एन . एस् . ------

## आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 जून, 1985

नोटिस सं० आर० 1467/37 ईई/84-85:—यत: मुझे आर० भारताज,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी० 302 है तथा जो सैंट नं० 132 राजमहल विलास में स्थित है (ग्रीर ईससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख 26-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से, एसे स्रथमान प्रतिफल के पंद्रह क्षितकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्/र/या
- (स) एंसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों की, जिन्हीं भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) की न्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अभा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, राष्ट्रीं  (1) श्री डी० एस० गाँडा, सैट नं० 132, VI ए० क्रास, राजमहल विलास एक्सटेंशन, बेगलूर-560006.

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अगर श्रौर एसोसियेट्स, . ब्लाक नं० 5, 22, स्वास्तिक सोनायटी नार्थ साल्थ रोड़ नं० 2, जुट्ठ स्कीम विले पार्ले (वेस्ट) बम्बई-400056.

(अन्तिरिती)

(2) मैसर्स प्रमाद प्रोडक्शन्स (प्रा०) लिमिटेड नं० 2, सारंगपानी स्ट्रीट, तीगराया नगर, मद्रास-600017.

> ्बह व्यक्ति, जिसके, अधियोग संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिशी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर गंपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1275-ए/84-85, ता० 26-10-84) सम्पत्ति है जिसका मं० बी०-302, जो II फ्लोर सैंट नं० 132 राजमहरू विलास एक्सटशन, बगलूर में स्थित है।

> आर्.० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज,.बंगलूर ।

निरोख : 1-6-1985.

माहर :

प्रकृष् बार्ड्, दी. एवं, एषं.----

सावकार अभिनियास, 1961 (196; का 43) की आरा 269-म (1) जो मणीन सूचना

#### भारत ब्रह्मका

कार्यासन, तहाबक बायकर बायका (बिहासिक)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 जून, 1985

नोटिस नं० आर० 1481/37 ईई/84-85:—यतः मुझें आर० भारदाज,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार 1,00,000/- रा. से अधिक हो

अगैर जिसकी सं० प्लाट नं० 23 है, तथा जा 12, रेस कोर्स रोड माधव नगर, बेंगलूर-ा.में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-10-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास हरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफलक्त से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम बाया गया प्रतिफल, जिम्सिक्त स्वयंक्त से स्वतं बन्दरम् श्रिवित में शास्त्रिक क्ष्य से किन्दि महीं किया बना है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिकार के अभीन कर योगे के कुन्तरक के सर्वित्व में कभी करने ना उन्हों देनों में मुण्यिका के निए; औद/श
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी थन या अन्य बास्सियों की, जिन्हीं भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना वाहिये था, किया में श्रीद्धा के सिद्धाः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :—  (1) मै० कल्पतर अपार्टमेटन (प्र०) लिमिटेड 111, मेकर चेम्बर-IV नारीमन पाइन्ट, बम्बई-400021.

(अन्तरक)

(2) श्री हरिराम तावकर, श्रीर श्रीमती वेलवाई एच० ताक्कर, 296, पी० नारीमन स्ट्रीट, सन्गली बैंक बिल्डिंग, V-फ्लोर, फोर्ट, बम्बई-400001.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रॉक्क सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त तम्परित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्सेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुपान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मित्स में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विविनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा नवा है।

## अनुसूची

(दस्तावेंज मं० 1274/84-85, ता० 26-10-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 23 जो II फ्लोर कलपतर बिल्डिंग नं० 12, रेस कोर्स रोड, माधवनगर, बेंगलूर-।, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 1-6-1985.

मोहर :

प्रस्म णाइं. टी. एन. एस. - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक लायका आगण्य (निर्माक्षण)

श्चर्तन रेंडः ान्यूर

बंगलूर, िनहक 17 मही 1985

नोटिस सं० 44576/84-85 यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिल्ला उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० 31/5 है, तथा जो लाचला लेक्साउट, बेंगलूर में स्थित है (और इस्मे जपाबत इन्सूची में ौर पूर्ण क्या, से विण्त है), रजिस्ट्रींकरण अधिनियम,  $1908 \ (1908 \ eq 16)$  के अधीन, तारीख 23/10/1984

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और जन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक कुण में स्विधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त बेिभिनियम के अभीत कर की के अक्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा ओ सिए; वॉर√या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जवत अधिनियम, या धन-कर पिधिनियम, १५५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती दवस्य प्रकट नहीं किया प्रया था या फिला काल बाहिए था स्त्रिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण हो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) जे को अधीन, निम्निलिक्षित व्यक्तियों, अर्थान :---

 (1) श्री चारलेल डिसा, (2) मिममं एनिड डिसा, न० 4, फमरीज कोर्ट,
 205. मैरिन ड्राइच,
 वस्थई 401

(अन्तरक)

- (2) मिसर्स ग्रांच : फ्लांक्या फरनानिहस,
  - (2) श्री सायड जीसेफ फरनानडिस,
  - (3) मिसर्स ग्रेन्सिफरनानिहरः, नं ० 31/5, लावला लेग्राउट, बेंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

जक्त सम्परित के अर्जन के संस्थनध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींश स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीश से 30 दिन की अवधि, या भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति ब्लारा अभोहस्ताक्षरी के शास रिखित में बिग् क सकोगं:

स्पद्धकिरणः — इसमें पगुनत शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्यी

(दस्तावेज सं० 2113/84 ता० 22/10/84) सम्पत्ति है जिसका सं० 31/5, जो लायला लेखाउट, ेंग र, में स्थित है।

> श्रार० थारद।ज . स्थम प्राधिवारी, गहाब ह श्राय वर श्रायुक्त, (िरीक्षण) श्रर्जन जेल, बंगकर

तारीख: 17-5-85.

तमोहर 🌣

## प्ररूप बाइं, टी. एन . एस . वन्त्रवन्त्रवन्त्र

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगुलूर, दिनांक 14 मई 1985

नोटिस सं 45671/84-85 -- यत मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के लधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजाड़ बृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 30 है, तथा जो बैरसन्द्रा विलेज, जयानगर III ब्लाज, ईस्ट, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-84

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के दश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुफे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमन प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्छ प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जनतित्वी (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तर्भ के लिए स्य पाद्या गया प्रतिफल, प्रिम्नितिश्वित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण चित्रित के बास्तिवक रूप ने कथित नहीं किया गया है:—

कतारण संहूपिकता अध्य कौ वानत, उन्हें अधिनियम के अधीय कर दोने के अन्तरक वै दायित्व में कभी करने वा उग्रेसे वजने में सुविधा के तिए; बीर/वा

(स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या किया जाना चाडिए था, स्थिपने में सूविधा के निए।

वतः वत्, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के, वनुबर्ध को, मैं उक्त विधिनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभीन, क्षिनिविधित न्यक्तियों. वर्थात् :—

(1) श्रीमती मैनिलिचारी,
 तं० 39, II क्राप्त, स्ट्रीट,
 ईस्ट शेनायनगर,
 मद्राप्त-30.

(अन्तरयः)

(2), श्रीं पी० वी० नारायण, नं० 25/12, 6 कास, एल० ए० सी० कालोनी, बेंगलूर-II.

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त संपरित हो अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनिथ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर 'पूबें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस जिस्ता में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुवन शब्दों और पदौं का, जो उनत नियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया गया है।

#### संगव के

(इंस्तावेज भं० 2041/84 ता० 19-10-84) सम्पत्ति है जिसका प्रंत 20, जो दौरतान्द्रा दिलेज, जथानगर III ब्लाक, ईस्ट, बेंगलूर, में स्थित है।

> स्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेथ, बंगलूर।

तारींखः '14+5-85. सोहर थ्ररूपः अरद्र<sup>2</sup>. टी∵ एनः **एस**् - = - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन तुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 मई 198

निदेश सं० 45887/84-85—- ग्रत: मुझे, ग्रार० भारताज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बद्धात् (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संस्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 83 है, तथा जो धिक्कानागमंगला विलेज में सरजापुंग होब्राल, प्रानेक्ल तालुक, बेंगलूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित हैं (और इससे उपाधद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री उपा शिवित्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारींख 25-10-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पैन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निसित उद्योग से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया नया है :——

- हुँक) बन्तहण वे हुइं किसी बाव की बावत, धनस अभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के बादित्य में कभी करने या छससे बचने में सुविधा के बिए; बरि√वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तियों स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बावा चाहिए था, जियाने में स्विया की किया

आतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--58—136 GI/85.

(1) श्रीं निरुपिर तिलवा,
नंर 466,
XIII मनाप,
विलान गाईनप,
वेंगलूर-27।

(श्रन्मेरक)

(2) मेसमं बुस बुक्श श्रालेन (इं०) लि०, सेंट, तामय मौंट, मद्राम बैं इटस भेरमेन — श्री पि०सी० म्यान्य।

(श्रन्तिरतीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## वक्त सम्पत्ति के क्वीन न्ये संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस मुखना क राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 बिन के भीतर उपते स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी बन्म व्यक्ति बुवारा, बभोहस्ताक्षरी के पास किथित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनस्वी

(दस्तावेज मं० 1372/84, तारीख 25-10-84) सम्पत्ति है, जिसका अर्थे मं० 83, जो जिसकानागमंगला विलेज, सरजापुरा होबलि, श्राने 87 तालुङ, बेंगलूर डिस्ट्रिक्ट, में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी अहाय : श्राध :४ श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख़ 17-5-1985

ब्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वंगल्र

बंगलूर दिनांक 17 मई 198

्निदेश सं० 44554/84-85---श्रतः मुझे, भारद्वाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कि हा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्स 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकों सं० 11 है, तथा जो 1 काप, मधवानगर बंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रींकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारींख 31-10-1984।

का पूर्वोक्त संपक्ति को उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बचा प्रतिफल, निम्निधिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक एक से एक्टिक नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से सूर्ण किसी बाय की बायत उकत अधि-निवम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, बिन्हें भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922-(1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया नुष्का या बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए:

म्बद्ध थय, उसत अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसर्भ मं, मं, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पीं० वादिराजा राव,
 नं० 10,
 गंगानिवास,
 रेलवे पारलव रोड़,
 नेहरु नगर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीतशुमा ,
(2) सुनित्रकुमार, शांतिलाल के पुत्र, र
नं 19/1,
मारम्मा टेंपल स्ट्रीट,
श्रार टीं० स्ट्रीट काम,
वेंगलूर- 3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या उत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्वनेत्र की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

#### **ब्नुस्**ची

(दस्तावेज सं० 2362/84, नारोख 31-10-1984) सम्पत्ति है जिस्ा सं० 11, जो 1 कान, माधवानगर, बेंग्रजूर में स्थित है।

श्रीर० भारद्वाज स्थान प्राधिशारी . सहायक श्राधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंच, बंगलूर

तारीख: 17--5-1985 मोन्स्रेड्ड

## प्ररूप बाई. टी. एग्. एस. ------

बायकार विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के ब्रचीन त्या

भारत नर्कार

**कार्यालय, सहायक कार्यकर वाग्वत (नि.सीक्षण)** अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 मई, 1985

सं० 44229/84-85—यतः मुझे आर० भारद्वाज बायकर बरिपनियम, 1961 (1961 का 43) (बिंदे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त वरिपनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के बधीन स्क्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० 25 है, तथा जो रत्नालिवलास रोड, बसवनगुडि, बेंगलूर-4में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख 15-10-1984
को पूर्विक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उन्तित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त-अन्तरण लिखित में वास्तिथक हम से क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विकास के अधीन कर दोने के अन्तरण के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के रैजण; और/वा
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 15) या उकत अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. डिज्यान में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) व्ये अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री आर० ए० प्रकाश,
  - (2) आर० सुजाता पध्मावति,
  - (3) आर० सुनिता पश्मासिनि, नं० 4-86, [II क्रास, एल० एन० पुरम। श्री श्रीरामपुरम, बेंगलूर-21

. (अन्तरक)

 श्री सि० एन० नरेंन्द्रा, नं० 4/ए०, 1 ला फ्लोर, नार्थ पब्लिक स्केवेर रोड, वसवनगुडि, बेंगलुर-4।

. (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए बाअसकोंगे।

स्वच्हीकरण अ-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनक अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं 🗈

## अनुसूची

(दस्सावेज सं० 2832/84 ता० 15-10-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 25, जो रत्नाविलास रोड, वसवनगुडि बेंगलूर-4, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ' अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 14-5-1985 । मोहर:

## प्रकल कार्यंत्र हेर्रेत स्वत् स्वत्र प्रकार

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 मई. 1985

- सं० 44483/84-85—यतः मुझे आर० भारताज जायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है'), की धारा क्र89-इस के अधीन सक्षम प्रतिपक्तारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० 2 है, तथा जो म्युजियम रोड, बेंगलूर में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है. रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1984

भी पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितिफल को लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्दोष्ट्य से उक्त जन्तरण निस्तित में बांस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/गा
- (७) एती किसी बाब वा किसी थन या बन्स आस्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकर विभिन्नियम, 1922 र् 1922 का 11) या उनत वृषिनियम, या धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ उपधारा (1) को बधीन, निम्निलिस व्यक्तिस्त्रों, अवस्ति अ—

- में सर्स हेडु पेयरस,
   नं० 2(1-ए०), म्युजियम रोड,
   बेंगलूर। (अन्तरक)
- श्री मोहन जार्ज अब्राहाम,
   (2) मैंसर्स पेनेलोपे अब्राहाम,
   ब्रारा मैंसर्स जे० सी० एंडवर्डस,
   नं० 1, किन्ग स्ट्रीट, बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत् सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेष् 🌬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की वादीश या तत्संबंधी क्यांक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वादीश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूबों कर श्राक्तयों में से किसी क्यांक्त ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बस्थ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, वशोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वाधिकरणः --- इसुमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को उत्ति हैं, विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया भवा हैं।

#### वन्स्ची

(दस्ताविज सं० 1950/84 ता० अक्तूबर, 1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 2, जो म्युजियम रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरम्र ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 13-5-1985

मोहर :

### एक्ष् वाह्रं हो . एष् . एष् , नवनववनवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा, 269-घ (1) के अभीन स्मृता

#### भारत बरका

कार्यालय, 'सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर, बेंगलूर, दिनांक 14 मई 1985

सं० 44485/84-85--यनः मुझे आर० भारद्वाज

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 2 है, तथा जो पुराना मद्रास रोष्ठ, अलसूर, बेंगलूर-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 8-10-1984

को पूर्वों कत संपत्ति के जिनत बाजार यून्य से कम के दरयमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार बून्स, उसके दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्भित (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पर्यों प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेक से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं फिना गवा है —

- (क) जनगरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम, को कधीन कर दोने के कल्सरक के दायस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिस्तु और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्त्रण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के निए;

जत: अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269 में के अन्धरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन भिक्तिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री के० पी० र? श,
 नं० 2, मुनिस्वामप्पा, ले श्रीट,
 पुरामा मद्रास रोड, अलसूर, बेंगलूर -8

(अन्तरक)

श्रीमती के॰ प्रमावति,
 नं॰ 14, मुनिस्वामण्या ले श्रीट,
 अलसूर, बेगलूर-8।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुषता जारी करके पूर्वोक्त इम्मिश के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष ---

- (क) इस स्थान के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की सन्धि वा तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 विन की जन्मि, सो भी बदिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति वृक्षारा;
- (व) इद ब्यान के प्राव्यत में प्रकाशन की वारीय है 45 ज़िन के और अन्य स्थानर सम्पत्ति में हितनकृष कियी बन्य व्यक्ति ह्यारा नशोहस्ताकड़ी के पास जिला में किए वा सकेंगे:

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त व्यापितवर्ग, को कथ्याम् 20-क में परिभाषित है, यही वर्ष होगा, को सस कथ्याम में विका प्रवाह ।

#### ननसर्वी

(दस्तावेज सं० 1955/84 ता० 8-10-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 2, जो पुराना मद्रास रोड, अलसूर बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहार्यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर ।

तारीखा: 14-5-1985

मोहर :

## वक्ष बाह् दी एवं १६० १०००००००

नागकर जीर्जानयम, 1951 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीत स्मना

#### शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 मई 1985

सं० 44561/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें श्रमके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 45/3 है, तथा जो एन० कोर्स रोड बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 19-10-1984

को पृथानित सम्परित के इतित वाकार मृत्य में कम के कारणात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवानित संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पाया नया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृतिका के निए; बाँद्र/मा
- (क) एसी किसी जाब वा किसी धन या बन्ध बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर बिधिनियम, वा धन-कर बिधिनियम, वा धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गं के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—— श्री जगदीश कुमार बिहारी,
 नं० 11-ए०/38, किन्नगहाम रोड,
 बेंगलूर ।

(अन्तरफ)

2. मैं० मैको लाब्स (प्रा०) लिमिटेड, नं० 76, पुराना नरगुपेट, बेंगलुर।

(अन्तरिती)

की यह स्थाना धारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के सर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (व) इक व्याना के राज्यन के प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेनें।

स्थब्दाश्वरणः --- इसमे प्रयूक्त शब्दों बार पदी का, जो कुक् बिधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभार्कि , ही, बही बर्ध होगा, को उस अध्याय में दिश पना है ॥

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2272/84 तारीख 19-10-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 45/3, जो रेस कोर्स रोड, बेंगलूर में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

नारीख: 14-5-1985

बॉहर 🤻

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की णारा 269-ण (१) के अधीन स्णाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर, '

वंगलूर, दिनांक 21 मई 1985

सं० 46535/84-85--यतः मुझे, आर० भारदाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 14 हे, तथा जो थिवराकदिरप्पा वार्डन सेंट, नामस टीन बंगल्य से स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का ३६) के अधीन शिक्षाजी नगर में तारीख 17-10-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई<sup>\*</sup> मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्य-मान प्रतिफल से, ऐसे रूक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथर्त नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण में हार्व किसी भाग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उकत अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में , उत्तर प्रशिविकत की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**खित व्यक्तियों अर्थात् ६—**  श्रीमती हममधेणि,
नं० 233/1, किंदरप्पा रोड, 9 क्रास,
डोडिगुन्टा, काक्स टीन,
बेंगलूर-5 ।

(अन्तरक)

 श्रीमती मिजिदा मृलिनाना. नं० 56, स्टिफंन्स रोड, फेजर टान, वेंगलूर-5।

(अन्तरिती)

3. बै० श्री एम० जी० अहमद, शरीफ (बह यानित, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति हैं)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

स्वयत्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षप :--

- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिकों मह स्प्या की सामित से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्चना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कधोहम्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के मध्याय 20-क में परिभावित हैं जहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया स्या है।

#### बर संस्थि

(दस्ताबेज सं० 3853/84 ता० 17-10-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 14, जो थिक्का कदिरप्पा गार्डन, सेंट नामस टीन, बेंगलूर, में स्थित है ।

> आर० भाग्द्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलूर ।

नारीख : 21-5-1985

मोहर :

प्रकृप आहें.टी. इन . एस . -----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 मई 1985

निर्देण सं० नोटिस नं० 46534/84-85---यतः मुझे, आर० भारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 13 है, तथा जो चिक्कादिरप्पा गार्डन, सेंट लामस टाउन, बंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तरिक 17-10-84

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंक्रिण लिखित में वास्त-विक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ह में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (अन्तरक)

(2) श्री मुराद णरीक, नं० 9, गैख नताद जिन, टासकर टाउन, णिबाजीनगर, पी०ए० होल्डर, श्री एम० जी० अहमद शरीक बेंगलूर (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रचली

(दस्तावेज सं० 3852/84 तारीख 17-10-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 13, जो चिक्कार्कादरप्पा गार्डन, सट तामस टाउन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राग्निकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलुर

तारीख: 21-5-85

मोहर 🛭

प्रकृप आहें .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज, बंगजुर

बंगलूर, दिनांक 21 मई 1985

निर्देश सं० नोटिंग नं० 44793/84-85--यनः मुझे, आर्० **भारत**ाञ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविकारी का यह विश्वाम करने का काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एपिन वाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

अभेर िक्ति मं २ 7/5 है, तथा जो XII आप, मलेखाएम, बंगलूर में स्थित है (ओर इयते उपायड़ अमुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनिधम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 8-10-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यू, उन्तके दश्यमान प्रतिफल गे, एंक दश्यमान प्रतिफल का पन्देह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमि अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अाप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनधर अधिनियम, या धनधर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अगोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिस्स गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: कक, उक्त अधिनियमं की धारा 260-ग के अन्सरण में, में, उत्त बरिनियम की नियम 260-ग जी उपधारा (३) के जधीन: निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् :— 59—136 GI/85 (1) धी कि इडी शिषादिः तिक्वेंगडम स्ट्रीट पर ज्वंत्व, पद्गार -28

(इन्तरक)

(2) श्री ००० नयोण राजु,नं० ३६, टॅपल रोड,मल्लेक्यारम, बेंगलूर-3

(अन्तरितीः)

ां यह मुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हुं। '

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख़ से 45 दिन की उपित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अथि।, जो भी अविध बाद में सम्मन्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत प्रिन्तयों भी किमी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर अन्त स्थातर सम्पत्ति मों हितदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं०  $289 \omega/34$  लारीख 8-10-84) सम्बन्धिक है जिस्हा मं० 7/5, जो XII कास, मल्लेक्यारम, बेंगसूर-3, में स्थित है।

आर० भाषद्वाज संक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आपूक्त किरीक्षण अर्था रेज, संस्कृत

तारीख: 21-5-85

मोहर : .

प्ररूप आर्थ.टी.एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगतूर, दि*गं ः* 22 मई 1985 निर्देश सं० नीदिस नं० 44804/84-85- यतः मुझे , आर० भारक्षाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 186 है, तथा जो 7 कार, 5 मैन आर० पी० सी० लेआउट, विजयापार, बेंगलूर उत्तर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप े पणित है), रजिस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीख

5-10-84

को पृत्रोंकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- िक) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत, उक्त अधि-निवम के अभीन धर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यन्ते में सुविधा के स्विष्टः औष्ट्र/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या थिसी भन वर अस्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जोचिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्तार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुजिना के सिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधििल्यम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्रीमती शारदा बाई, गं० 186, 1फ्लोर, VII श्रास, आर०पी०सी० लेआउट, विजय नगर, बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री भायकर आर० को टियन,
2 निर्धास आशा में बी० को टियन,
बैश्री को डियनबैल ईरकारा, नं० 30,
आनन्दनगर, मारतहिल्ल
पोस्ट बेंगलूर-37

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्तीकरण: --- इसमें प्रमुक्त पान्तों और पर्वो का, जो उक्ते कि स्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा, वो उद्ध वश्याय में विका नया है।

#### जनसंची

(दस्तावेज सं० 2195/84 तारीख 5-10-84) सम्पत्ति है जिसाल्या सं० 186, जो 7 कास, 5 मैन, बारणपीण सी० लेबाउट, यिजयनगर, बेंग्यूर, में स्थित है।

> आर० भारक्काज संसम प्राप्तिकारी सद्दायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 22-5-85

महिर :

बक्प बाइं.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 मई 1985

निदेश सं० 45092/84-85---यःत मुझे, आर० भारद्वाज,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० एफ० 10/1 हैं, तथा जो। काल, गृहकार देवण्ण स्ट्रीट, फोर्ट मोहरू ला, मैसूप में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रॅंगर पूडणं हर से विणित हैं), राजस्ट्रीकारण आंधोनरम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भीतनंग 16-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हैं कि यथामूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य स उच्त बन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, अक्स अभिनियम के अभीन कर देने के अन्सरक के बायिस्य में कभी करने या उससे बचने में शुविधा के निद्द; और∕या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण मं, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसतं व्यक्तियों, असित् :---  (1) श्रीमती बी० एस० धाएवम्मा, सं० ६६, । कास, गुरूकर, देवण्ण स्ट्रीट, फोर्ट मोहल्ला, मैसूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० लक्ष्मीनारायण, सं० 65, । क्रास, गुरूकर, देवण्ण स्ट्रीट, फोर्ट मोहल्ला, मैसूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्स्त्री

(दस्तावेज सं० 2398/84 दिनांक 16-11-1984

सम्पत्ति हैं, जिसका सं० एफ० 10/1, जो। कास, गुरूकर देवण्ण स्ट्रीट, फोर्ट मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, बंगलुर

विनांक : 18-5-1985

मोहर 😲

## त्रकृष बार्ड. टी, एत. एवं -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### मारत बरकान

## कार्यातव, सहायक बायकर आयुक्त (निर्धिक)

वर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 मई 1985 निदेश सं० 45460/84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर 88 जिसकी सं० है तथा जो कनारिसुप्स , बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुभूकी में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिज्य्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-11-1984,

की पृबोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्यों कर संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और जरवार (अंतरहों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के निए तय पावा चवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर बन्तरण निश्चित वास्तरण सिश्चित के बास्तरण सिश्चित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन केर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविजा के विष्; और/झा
- (क) ऐसी किसी वाय या किसी धन वा वाय जास्तिवीं को, जिन्हें भारतीय वाय-वार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उचत व्यक्तियम या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला था था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा है निष्;

बतः बनः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण बों. मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एप० गोपाला कृष्ण राव, स० 45/बी; एच० बी० समाजा रोड, बसवनगुडि, बेंगलूर—4

(अन्तरक)

(2) मससं नेदामबार्ल श्रीनिवासन, सं० 8, । मैन, टाटा सिल्क फारम, बेंगलूर---4

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्ष्य

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारास स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्राक्त स्थित्यों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास तिख्त में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की विंदर्श अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनस्पी

(दस्तावेज सं० 3133/84 दिनांक 11-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 88, जो क्तरिगुप्पा, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर**्** कारद्वाज, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक लायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 21-5-85 बाहर त्रक्य बार्ड ्टी. एवं एवं .----

बाबकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्वया

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त बायकत (ानराव्यण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 मई 1985

निदेश सं० 45187/84-85—यतः मुझे, आर० भारवाजः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( बिसे इसमें इसमें पश्चात (उनत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 16/3 है, तथा जो ।। मैंन रोड, मारे हिल, बेंगजूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध जनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकरण बोधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास कन्ने का कारण है कि यथाण्योंक्त सम्पत्ति का उचित जाजार अंद्र्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का प्रमृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उस्त अन्तरण निश्चित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने से कृष्विभा के लिए, कीर/सा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या लाय आदिए। की, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनिया किए। १८०२ (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम हो धनस्त अधिनियम को धनस्त अधिनियम को धनस्त अधिनियम के स्थान अस्ट नहीं किया गया था किया बाता बाहिए था, खिपाने अधिनियम के लिए;
- जत:, जब, उक्त की धीनयम की धारा 269-ग के अनुवरण मं, मं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्धात :---

(1) श्री महेन्द्रा डी० संगाव, सं० 1, उत्तरादिमट लेन, कारनर विल्डिंग, चिकपेट कास, II फ्लोर, बेंगलूर

(अन्तरक

(2) श्री अचला आए० शेट्टी, सं० 99, सी० एचं० बी० ले श्रीट, विजयानगर, बेगजूर-40

(अन्तरिती)

को यह सुखना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बनाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के मध्यन्य में काई भी काक्षप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध आदे में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्विका विभाग में से किसी व्यक्ति हुवाद्वा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अब्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिखित में किए जा सकती।

स्पन्दीक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उनसे अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गमा है।

#### धम्ल्की

(दस्तावेज सं० 2742/84 दिनांक 26-11-84) सम्पत्ति है, जिसका स० 16/3, जो II मैन रोड, मारेनाहत्त्वि, वेगलूर, में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, बंगलूर ।

दिशांक : 16-5-1985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार 🔭

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं ० 44846/84-85--याः मुझे, आर० भारद्वाज

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ध के अधीन एक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रहे से अधिक है

प्रोर जिल्लाकी सं > 1/14 जाधा भाग है, तथा जो मुनियण्या लेन, गोल्लारपेट बेंग्लूर में हियत - है (श्रीर इसने उपाबद्ध जनुसूची में श्रीर पूर्ण कर है विणित है), रांगस्ट्रीयरण अधि-नियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, दिनांक 22-10-1984.

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के अध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रदमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं क्रेया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त जिभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की भारा-269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्मलिश्वित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्रीमती शमशद बेगम, स० 9, मस्तान साहेब लेन, कुमबारपेट, बेंगलूर—2 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नूरूश्रीसा बेगम,
 स० 11/1, बोरे बैंक रोड,
 बेनसन टाउन,
 बेंगलूर ।

(अन्तिरती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्रमच संबुक्ति को अध्यक्ति को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उभत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## <sup>9</sup> अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2258/84, दिनांक 22-10-84 सम्पत्ति है, जिसका सं० 1/14, जो मुनियण्या लेन गोल्लारपेट, बेंगलुर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 13-5-1985

मोहुई 🛭

प्रकप आर्च . दो . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 मई 1985

निदेश सं० 45149,84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

ज्ञायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रीर जिसकी सं० 31 है, तथा जो गेद्दालहिकल विलेज बेंगलूर तालुक उत्तर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, दिनांक 30-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के कैंद्रिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिक्षक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर इन्ते के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी लाघ या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था गा किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एस० ४१४० अनन्त्रभामन, सं० 23, I पलोर, घेस्ट पार्क रोड, मस्लेश्वारम, बेंगलूर-3 ।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर के० कृष्ण राजु ग्रीर श्रीमती हेमलता, 804, मैन स्ट्रीट, फ्किबेस्ले, केनटुविक यू० एस० ए०-बै० पी० ए० श्री के० लक्ष्मनाराजु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवाभ किसी अन्य व्यवित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के तस लिकिन में किए आ सकों ने।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

## **पन्**स्ची

(दस्तावेज सं० 3228,84, दिनांक 30-11-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 31, जो गेहालाहरिल विलेज, बेंगलूर उत्तर तालुक, में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), - अर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक : 17-5-85

मोहर

प्रकार आहे<sup>र</sup>, ही , **भृत् , एव** , -----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) फी धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सहस्राम्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनोक 13 मई 1985 निर्देश सं० 45044,84-85---यतः मुझे आर भारदाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० 4/1(8) है, तथा जो चेलुव डिंप लया, टी॰ सी॰ एम॰ रमल रोड, बेंग्लूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उप बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजल्ट्री- करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) से अधीन, दिसांक 26 11-1984, गांधीनगर,

का पृत्तीवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिला है के लिए अक्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विष्याय करने का कारण है कि अल्लामुकें के राजीत के अवित राजीत मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अंतरितियाँ) के अधि ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनस अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से किशन नहीं किया गया है है—

- (क) ब्राचरण सं हुइ जिस्सी बाय की बायत, उबत ब्राधिनियम के बधीन कर दर्भ के बन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में शुविधा के जिए, स्रोद/बा
- कां, जिसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियां कां, जिस्से भारतीय आय-करं अधिनियम, 1922 (1922 कां 11) का उक्त अधिनियम, वा धन-अस्ति सम्बद्धि १४०७ स्थिति वर्ष प्रति के प्रति अस्ति स्थापन किसी स्वारा अकेट नहीं किसा गया था या किया धाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अर्थः अन, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण जों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अ अधीनः िपन्निजितिन अयिक्तमों, अर्थातः :---- (1) श्री शिव जी गोपाल पटेल 275/1, टिम्बर यार्ड, मैसूर रोड, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० ए० पदाराजु श्रोर
2. एस० ए० सीताराम, 29/1,
केदारा विल्ला, गोविंदप्या स्ट्रीट,
बसवनगुडि, बगलूर--4

(अतरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थर के जिल्ला आयेगाहियां करता हु।

उक्त हम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की सर्वाप या तत्सम्बन्धी क्यांक्त या वित्य की क्यांक्त स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वाप, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्ति में से किसी क्यांकर हुआरा;
- (ख) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पन्ति में हिलकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा नकीये।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का ज़ा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं॥

#### मन्त्रकी

(दस्तावेज सं० 2646,84, दिनाक 26-11-1984) सम्पति है. जिसका सं० 4,1(8), जो वेलुवाडिपाल्या टी० सी० एम० रयान रोड, बेंगलूर, में स्थित हैं (उत्तर भाग)

> आर० भारद्वाजः सक्षम प्राधिकारी सह<sub>ि</sub>यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, संगलूर

दिनांक: 13-5-1985

\_\_\_\_

-----

## प्रकृष बाइ . टी. एन. एस. -----

## बाह्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलुर, दिनांक 17 मई 1985

निदेश सं० 45150/84-85---यतः मुझे, आर० भारद्वाज

बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी संव 30 है, सर्वे नंव 1210, है, तथा जो गेदालहिल विलेज बेंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृज्य से कम के इश्यमान 'प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वाक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिसियों) के किन एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय को प्रायत के अन्धित के अभिनियम के अधीत कर प्राप्त के अन्धिक क दायित में कमी करने या उससे बचाने में सृविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्न के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, ाञ्चिलिहर व्यक्तिश्वयों, अर्थात् :— 60—136 GI/85

- (1) श्री जी० सी० वेलापुरि, नं० 23, वेस्ट, पार्क रोड, मल्लक्ष्वारम बेंगलूर ।
- (2) डाक्टर के० कृष्णराजु भ्रौर
  2. श्रीमती हेमलता, 804, ल्कैन स्ट्रीट, पिकेवेल्ले, केनद्किक, यू० एस० ए०, वै० के० लक्ष्मण राजु ।

(अन्मरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्विका सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सर्वत्र मुं कांद्रे भी आक्षंप :---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीका स 45 दिन की वर्गीय तारसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हीं, के भीतर पूर्वीक्त स्थिक्तकों में से किसी व्यक्ति १७०१ गः
- (च) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

#### **मन्**ष्यी

(दस्सावेज सं० 3226,84 दिनांक 30-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 30, सर्वे सं० 12/1, जो गेदाल-हुल्लि विलेज, बेंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है।

> आर**ं झारद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज बंगलर

दिनांक : 17-5-1985

प्रक्रम बाह्य हो । एतः एसः - - - --

नामकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरहात

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 17 मई 1985

निर्देश स० 45047,84-85-प्रतः मुझे, आर० भारद्वाज,

नायक र निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका जिल्ल बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3 है तथा जो महिलकारजुनणा लेन, कास, एवेन्यू रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-11-84, गांधीनगर,

को प्योंकत सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिक न के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह निश्चास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिक सं, एसे दश्यमान प्रतिक सं पन्नाह प्रतिशत से स्थिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एप्रे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उष्दिय में उसत अन्तरण निज्ञित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नंतरण सं हुएं किसी बाव की वावष्, उक्ष वीधिनियंत्र के वधीन कर दोने थे बंदरक के पायित्य में कभी करने था उससे वधने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1047 (1957 का 27) के प्रयानियम का का प्रयानियम का प्रयानियम का प्रयानियम का वाना चाहिए चा, स्थितने में सुविधा के लिए:

अत: जबं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं लक्त आंधीगयम की धारा 269-च को उपधारा (1) कै सभीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ्— (1) श्रीमती वि० नंजम्माणि,
2. श्री एम० शिवाकुमार (3) श्री एम०
नागराज, 4.,श्री एम० सुन्दरकुमार, सं० 3,
मह्लिकारजुनप्पा लेन, एवेन्यू रोड, श्रास, बेंगलूर
सिटी ।

(अन्तरक)

(2) II, वेंकट्रेगप्रसाध,
 सं० 294, 36 कास , VII मैन, IV ब्लाक,
 जयानगर, बेंगलूर—11

(अन्तरिती 🕇

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनक सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के तायपन में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की जनिंध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिंध बाद में समाव्या होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यमित इवादा;
- (क) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशन की तारीक से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुध किसी कच्च व्यक्ति एवारा अभागुम्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगे।

स्पक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सुक्क अधिनियम के अध्याय 20-के. में परिभाषित है, है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागमा है।

#### जनसची

(दस्तात्रेज सं० 2713/84, दिनांक 20-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 3, जो मल्लिका रजुनप्पा लेन, रिकास, एवेन्यू रोड बेंगलूर, में स्थित है।

> म्रार० भारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन र्रेज, बंगलुर

दिनांक : 17-5-1985

माहर छ

## प्रकृष् बाई.डी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० 44742,84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है .

ग्रीर जिसकी सं0 51/5 है, सथा जो कुंबलगोड विलेज बन्गरि होबलि बंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्यों, उसके इत्यमान प्रतिकल से, एसे इत्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दक्षियत्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में , में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—

(1) श्री पी० सी० सूड,
 बै० श्री आर० के० सहगल,
 न० 2, रियमण्ड रोड
 बेंगलूर—25।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्रिमियर इरीगेशन एक्यूपमेंट लि० नं० 17,1 सी०, आलिपोर रोड, कलकत्ता---27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विक की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्रीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

## नग्स्ची

(वस्ताबेज सं० 4968, 84, विनांक 11/84) सम्पत्ति है, जिसका सर्वे नं० 51, 5 जो कुम्बलगोड विलेज, केंन्गेरि हुबली बेंगलूर विक्षण सालुक में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्तम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर

विनांक : 22-5-1985

मोहर ः

प्ररूप बाह्र . टी. . एव . एस. -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्सक) अर्जन रेंज बेंगलूर बेंगलूर, दिनांदा 17 मई 1985

निर्देश सं० 45787/84-85-प्यतः मुझे, आर० भारताज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्व शिधिनियम' कहा गया है।, 'की भारो 269-ध के अधीर्व सभम प्रिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका दिश्त बाजार बुस्स 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4,4 है, तथा जो न जिनहरूल मैसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-11-1984,

द्वे पृथिकत संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के अवजान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास क उजे का कारण है कि स्थाप्येक्त संपरित का उचित बाजाड़ बुन्य, उसके दृश्माम प्रतिफल से एंचे दृश्माम प्रतिफल का नन्तदृ प्रतिशत सं विभिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच अन्तरण के लिए तय वाया विभाग प्रतिफल निम्निल्खित उद्वेष्य से उपन अन्तरण लिखित व वास्तविक क्य से किसत नहीं किया गया है :---

- (क) जस्टार्म में हुई किसी नाय की वायत जन्छ अदि-नियान को नाजीन कर याने को जन्तरक को दावित्य भें कानी करने का समस्मिन कर सुनिया का विवाह वहाँ/भा
- (वं) धेती किसी नाम या किसी धन या जन्म नास्तिनों को, नेचन्द्रीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ निधनियम, या धन-कर निधनियम, या धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेचनार्थ नम्दरियो व्यारा अवस्ट नहीं किया चया था वा किया नाम साहिए का जियाने में नामधा ने निया

 श्री जी० सी० कंपतिम्माय्या
 जी० सी० मुडलागिरियप्पा,
 जी० सी० नागेन्द्रा, गुज्बी तालुक, नुमक्र डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० कृष्णमूर्ति, सं० 205, क्षेत्राय्या, रोड, के० आर० मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरिती)

की बहु सुबना बारी करके नुवाँक्त स्वय्यातित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बन्दरित के वर्षन के बर्मुत्क में केंद्र भी मार्क्ष :---

- (क) इस त्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीय सं
  45 दिन की बनीय ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
  की तानील से 30 दिन की जनिया, को भी जनिय
  नाम में समान्त् होती हो, के भीतर प्रविका
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (क) इस सूचना के समयन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किती अन्य अनित द्यारा अभोहस्साक्षरी के गान निकार में किए या सकोंगे।

स्वकास्तरणः — इसमें प्रयुक्त कथा और पदों का, जो उर्द्धितः अधिनियम के कथाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथाय में दिवा क्या है।

## अनुपूची

(दस्तावेज सं०  $932_l$  84 दिनांक 12-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं०  $4_l$  4, जो नायनहिंहल, मैंसूर, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,- बंगलूर

अतः जबः, उत्रत अधिनियम की भारा 269-व के अनुवरण ते, जैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) क अधीन . शिम्नलिखित व्यक्तियों, अधितं क्रिलं

विनांक: 17-5-85

•मोहर :

কাষ **ভার**ি তীত ত্মত ত্মত—

अध्यक्षण अधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** भारा 269-च (1) **को अधीन स्था** 

भारत सरकार

कार्यालयः, नहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० 44781,84-85--यतः मुझे, आर० भारदोज,

काथकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चास 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 260-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थायर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 85 है तथा जो करमचन्द ले श्रीट आफ लिंगराजापुरम, बेंगलूर उत्तर कालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-10-84

न्ये पूर्वोंक्त समपत्ति के तीवत बाबार मूल्य से कम के स्ववनाम हित्यल के लिए रिवस्ट्रीकृत विलंब के सनुसार करति हित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का लारण है कि अकाप्वाक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य उसून करवान प्रतिकास से एसे स्वयनान प्रतिकास का उचित बाबार मूल्य उसून करवान प्रतिकास से एसे स्वयनान प्रतिकास का उच्छे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ता रितियों) के बीच एसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निसित उद्वेषय से उक्त सन्तरण कि सिता वे वा शिविक स्प से किथा नहीं किया मया है :—

- (क) बन्तरच से हुई किसी शाय की वावत, उक्त किंदि-नियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/बा
- (च) एती किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तिकों का अवस्त्रों अध्यक्षित्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया करा था या किया जाता जाहिए था, जियाने में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अवस्थरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्रीमती कुन्जम्मा लुकोस, पी० ए० होल्डर श्री सैरिल लुकोस, सं० 5/3 रामास्वामी मट् रोड, I क्रास, जे० बी० नगर बेंगलू र-84 । (अन्तरक)
- (2) श्री ई० टी० पप्पाचेन
  सं० 10,1. हेन्नूर मैन रोड,
  लिंगराजापुरम, बेंगलूर---84 ।

(भ्रन्तरक)

कां यह स्चना जारी कारके पृथोंक्स सम्परित के अर्थन के िश्रक्ष कार्यवाहिकां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्यना के राजपप्त में प्रकाशन की तहरीक से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर त्यना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध जा में से तमाप्त होती हो, से मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इब स्वना के रावपय में प्रकाशन की तारीब री 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवष्ठभ किसंद अन्य स्विन्त ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिएक्त में किस् जा सकींगे।

स्थळकरण :---इसमें प्रवृत्त शब्दों और वर्षों का, यो जवह जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याव में विवा स्या है।

#### ज्याची है

(दस्तावेज सं० 2665, 84 दिनांक 20-10-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 85, जो करमचन्द ले श्रीट आफ लिंगराजापुरम, बेंगलूर उत्तर तालुक, में स्थित है।

> अ। र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुख्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगसूर

दिनांक : 1-5-1985

### प्रका नाइ<sup>\*</sup>. द्वी. एन्, एस<sub>्</sub>-----

थाथकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सहस्रार

कार्बासय, सहायक भायकर वाय्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 28 मार्च 1985 निदेश सं० 45767,84-85---यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ?69-का के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार नृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 76 है संया जो वडगबेह विलेज वोलकाड वार्ड उडुपि में स्थित है (भीर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक रू 12-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य हे काम के दश्यक्त प्रतिक्रक के निए अन्तरित की गई है लीन मुक्के यह विक्यास करने का कारण है कि सभाप्योकत सम्मत्ति का उपित क्रजार मूल्य उसके दश्यकान प्रतिक्रक की प्रतिक्रक की प्रतिक्रक की प्रतिक्रक की प्रतिक्रक की कीर वितरक (अंतरका) और वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे वंतरण के जिए तथ बाजा ववा प्रतिक्रक, निम्नितिष्ठित उद्योक्त के जकत अंतरण निस्तित में वास्तिक क्ष्य के क्ष्यित वहीं किया गया है .....

- (क) बन्दरण ये हुई जिसी बाद की वाबत, उक्त अधितियर के अधीन कर दोन के अन्तरक के करित्य में कभी करने वा क्सने बचने में स्विधा के सिए: बरि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भग या अप्य अधिकारों की जिन्हें नारतीय आयकार अधिकायन, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिकायन, या-भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया अथा या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुनिभा के किया,

अतः अवः, उनतः अधिनियम की भारा 269-ग के जनुतरण को, को, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् ४-- (1) श्रीमती सी० यशोदा, बंटस हास्प्रीटल रोड़ उडुांप पोस्ट, उडुांप टाउन ।

(अन्तरक)

(2) श्री यु० राजाराम अयारया, प्लाट सं० ए 6, 21, सं० 31, जीवन आनन्छ अपारटमेंटस, बोरिविलि वेस्ट, बम्बई सिटी ।

(ग्रन्सरिती)ुर

को यह कृषना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पर्टित के अर्थन के जिल् कार्यनाहिया कारता हाए।

उक्त सम्मत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी मार्केष रू-

- (क) इस स्वर्णा के रावपत्र में प्रकाशन की तारील वे प्रश्निक की अत्रीक्ष मा स्टम्स्यकी शास्त्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संविध, जो धी वविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोंकर कावितमें को से किसी स्वित ध्वारा;
- (व) इस त्वना के राजवन में प्रकारण को तारीज वे 45 विश के भीतर अन्तर स्थानर मंपरित में हितनक्ष किसी अन्त व्यक्ति इनारा नथोहस्ताशरी के पास सिक्ति में किए जा सकने।

रच्याकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, औ उपत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिकारित है, वहीं अर्थ होगा जो उस खण्यान में विका गया है।

#### **भन्यक्र**

(दस्तावेज सं० 1236,84 दिनाक 12-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 76, जो बडगबेहु विलेज, वोलकाड वार्ड उर्डाप, में स्थित है:

> ग्रर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 28-3-85

## प्रकप् वाइ टी. एन. एस . -----

बायकर अधिनिर्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलूर,

बेंगलूर, दिनांक : ६ अप्रैल (985)

निवेश सं० 45185/84-85--यतः मुझे, आर० भारदाज,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ह है, तथा जो अमर्ष्योति हास्स विविद्या को०-आएरेटिय सोगायटी प्रत्वेट (और देंठ पीठ अग्राहास, बेंगलूर में स्थित हैं (ग्रीम इस्ति एपाबद्ध अनु-सूची में ग्रीस पूर्ण कप से बणित हैं), र्याजस्त्रीवरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16 (दें अधीय, दिसांदा

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण ही कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हा जार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखत उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम . 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्मरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस स्यक्तियों, कक्षित '----  (1) श्रीमती एम० ज्याम्मा, सं० ६८६, 47-श्रास रोप,
 VIII क्याक, जयानगर,
 बेगलूर--82 ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० अन्ने गौडा, सं० 212, वेस्ट आफ कार्ड रोड, 1V- स्टेज, III ब्लाक, बेंगलूर-79।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मात के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उद्देत संवर्षित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) धम स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुवना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ सकेंगे।

स्परतीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय ?0-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ हक्षोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**स्ची

(दस्तावेज सं० 2671/84 दिनांक 19-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 6, जो अमरज्योति हाउस बिल्डिंग को०-आपरेटिव सोसायटी प्राइवेट लेखाउट, के० पी॰ अग्राहारा बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज ;सक्षम प्राधिकारी महायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 16-4-1985

## प्ररूप नाइ .टी.एन.एस ! -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्वालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० 45677/84-85-यतः मुझ, आर० भारताज,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्सें इसके एश्वार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह किश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार कृष्ण 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 69 है, तथा जो डिफेंस कालोनी इंदिरा-नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण्रूष से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 9-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और वृष्टी यह विकास करने का कारण है कि कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से जिथक है और अंतरिक्त (अंतरिक्तियाँ) के बौध एसे अतरण के लिए तम पामा ग्या प्रतिफल, निम्निलिचित क्ष्यमें से उसत जन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित प्रश्नी किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइँ किसी आब की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने अवने में सुविधा दायित्व के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धीरा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री काम एम० रामाचन्द्रा, नं० 69, डिफेंस कालोनी, इंदिरानगर, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) सरजन रीयर एडमिरल आर० आर० नायर (रिटायर्ड) , नं० 2995, एच० ए० एल० II स्टेंज, बेंगलूर—38।

(अन्तरित्री)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाधीप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से , 45 दिन की खबींथ या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की बबींथ, जो भी बसींथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तियों में से किसी स्वक्तित हुगारा;
- (क) इस तुकान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वह्म किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरणः — इसमें प्रवृक्त शक्तां और पदों का, जो अक्का अद्वैश्वरिक्षया, के जभ्यात 20-के में परिप्राणित ही, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विद्या गना ही।

#### unwall:

(दस्पृत्वेज सं० 2933/84 दिनांक 9-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 69 जो डिफेंस कालोनी, इंदिरानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाजः यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, बंगलूर

दिनांक : 15-4-1985

सोहर 🥉

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्जन्न, सहायक नामकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. बेंगलूर

बेंगलूर, दिनां है 16 अप्रैल 1985

निदेश सं० 45451/84-85---यतः मुझें, आर० भारदाज,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्टित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 3033 है, तथा जो एच० ए० एल०-11 स्टेज बी० डी० ए० लिमिट, इंदिरानगर, वेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब मुख्य गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वश्य से उसत अन्तरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की, बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन : कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कीलए;

अत: अव, उसत अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, वंग, उसत अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) हे अभीत, विक्तिसिक्क, व्यक्तियों, अभीत् क्रिक्त 61 - 360 1/85 (1) श्री के० श्रीनिवासा भट, मं० 738, II स्टेंज, इंदिरानगर, बेंगलूर, जी० पी० ए० होल्डर श्री मी० मुनिक्कटणप्पा, दोडडाकानाहॉल्ल विलेज, II स्टेंज, इंदिरानगर, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) 1 डाक्टर एम० प्रकाण कामत,
2. एम० लिला । कामत, विजया क्लिनिक, एम० एम० रोड, काक्स टौन, सरकल के मजदीक, बेंगलूर—5।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री वाक्षेप :---

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति हा
- (क) इसस्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकांगे।

स्वयदिकरण :-- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यो को, जो जनत जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होका जो उस अध्याय में दिया नया है है

## बन्स्की

(दस्तावेज मं० 227 कितांक 11/84) सम्पत्ति हैं, जिसका मं० 3033, जो एच. ए० एल०-ध स्टेज, बी० डी ए० लिमिट, इंदिरानगर, बेंगलूर, में स्थित हैं।.

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जस्य रेज, संगलर

दिनांक : 16-4-1985

प्ररूप आहर्.टी. एन. एस. ------

रबायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन -रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनोक 30 अप्रैल 1985

भिदेश सं० 45806/84-85-यतःमुझे, आर० भारदाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-ऊ से अधिक है

प्रांत जिमकी सं० 107 है, तथा जो मूडगेडडे विलेज मंगलूर में स्थित है (प्रांत इससे उपाबड़ अनुसूची में प्रांत पूर्ण-रूप से बर्णित है), रिजिन्द्री हरण अधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधील, दिलांक 13-11-84, मंगलूर,

को पूर्वीक्न सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अतिरितिणों) के बीच एसे अतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को उपभारा (1) ने लधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अभात् :---

(1) 1. श्रीमती बी० गुलाबी बाई, 2. इंदिरा एस० पे, 3. गारदा एस० कामत 4. बी० भासकर आचार्या, 5. बी० शंकरा आचार्या 6. बी० सुमना 'आचार्या 7. बी० वेणुगोनाल आचार्या, मन्नागुड्डा, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री दामोदरा जारप्या शेट्टी, पडुशेडड़े विलेज, मंगलूर तालुक ।

(अन्तरिवृी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोंई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अबीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अदि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसूची

(दम्तावेज सं० 1551/84 दिभाक 13-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 107, जो मूडुशेडडे विलेज. मंगलूर, में स्थित है।

> मार० भारताल सक्षम ग्रधिकारी सहायक आयं हर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 30-4-1985

महिर :

## प्रकृष बाही ही एन एक ु - - --

क्रांधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन मुचना

#### मारत सरकार /

## कार्यालय, ब्रह्मयंक आमकर आयुक्त (निहिधान)

श्रजंग रेंज, बेंगलूर बेगलूर, दिनांक 16 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० 45183/84-85--यतः मुझे, श्रार० भारहाज,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सदाग प्राधिकारी को, यह निश्चाम करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रार जिन्नी मं० 19 है, तथा जो के० पी० समहारा, वेंगलूर में स्थित है (स्रीर इन्नो उपाबनु सन्सूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन, दिनांक 16-11-1984, श्रीरामपूरम,

की पूर्विक्त सम्पित के उचित काजार मृत्य से कम के क्यमान
शितफल के लिए अनिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करन का कारण है कि यथापूर्विवत सपत्ति का उचित , बाजार
क्रि. उसके इरयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्ल प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गवा श्रीतफल, निम्निविक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक को कार्तिक रूप से कियत मही किया गया है :——

- (क) कर्मारण वे हुए किसी जान की बावस, उनका वीधनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के स्वित्त के कमी करने या उससे बचने में जूनिया के भिष्, जॉड/मा
- (स) एमं किन्ति थाट मा िसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्ही भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उसन अधिनियम की भार 269 म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

 (1) श्री श्राद० श्राद० बादिग, सं० 12, विबेल्ट रोड, रेलवे कालोनी, हुबली ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री सादप्पा श्ररलेगे, सं० 690, IX मैन रोड, IV- कास, श्रार०पी०सी० लेश्रौट, विजयानगर, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप 🚁

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रकारत व्यक्तियों में से किसी ष्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को रजपत्र मो प्रकाशन का तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित मो किए जा सकींगे।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और मदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## धन सूची

(दस्तावेज सं० 2618/84, दिनांक 16-11-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 19, जो के०पी० श्रम्रहारा, बेंगलूर, में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज, वेंगलूर

दिनांक : 10-4-85

प्ररूप वाह्", दी, एन, एस, ⇒ ∗ -

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से सभीन सुमृता

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांच 2 अप्रैल 1985

निदेश सं० 45309/84-85--या मुझे, प्रार० भारद्वाज, मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जि**से इस्**में इरफे पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित शाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० 10, प्लाट सं० 18, है, तथा जो राजा-महल एक्यटेंशन बेंगलर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध स्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, दिनाक गांधीनगर. -13-11-84,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यभापविक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दरवमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिबक रूप से कथिल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाग की बायत, उक्त अधिनियम के मुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; नार/या
- (स) एरी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय आयकर मिशनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लि::

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म<sup>⊤</sup>, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🖼 अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::---

(1) श्री श्रीचन्द किशिनदास, श्रीमती बिन्दू एम० वर्तः,जा, मं 19, II कास रोड, लोवर प्यालेस. ग्राग्थर्म, बेंगलर-3

(अन्तरक)

(2) श्री एसं० एस० मणि, मं 437, XI मेन रोड, राजामहल विसास एक्सटेंशन, बेंगलूर--80

(श्रन्तरिती)

को बहुस्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के खिए कार्यवाद्वियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सम्बन्ध को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति वृवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी केपास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो अवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया म्याह्री ३

(दस्तावेज सं० 27,58/84 दिनांक 13-11-84) सम्पत्ति है, जिसका मं० 10, प्लाट सं० 18 जो राजामहल विलास एक्सटेशन, बेंगलुर, में स्थित है।

> आर० भारहाज ंमक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 2-4-1985

मोह्य 🕊

प्ररूप नार्द्ः टी. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### मारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० 45 735/84-85---येनः मुझे, ब्रार० भारद्वाज,

बायकर विधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बन्जार मृस्य 1,00,000/- र से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1690 है, तथा जो बी एस कें II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-11-84, जयानगर,

को प्यों जत संपरित को उचित बाजार मूंल्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिप्रात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीक एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक एसे किया गया है:—

- (क) बनारण से हुई किसी बाद की बांदरा, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के जन्मरक के बागित्य में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा की लिए; बीर/मा
- (च) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निय:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री बी० एत० श्रतन्ता स्वामीराव मं० 406/ए, VII मैन, II ब्लाक, जयानगर, बेगलूर ~- II

(ग्रन्तर≢)

(2) श्री एन० एन० प्रावीण , सं० 1685, 15 मेन रोड, बनाणंकरि, I स्टेज, बेंगलूर-70 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

सकत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक स्यक्तियों में से किसी स्यवित हुआर!
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

.स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

## - अनुसूची

(दस्तावेज मं० 3393/84 दिनांक24-11-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 1690, जो वनशंकिर II , स्टेज, वेंगलुर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाञ्च पत्रम प्राधिकारी सहायक क्षायकर आयुक्त निरीक्षण क्राप्त रेंज बंगल्र

विनांक : 15 🗸

मोइ्**र** ।

श्चरण साहर द्वी . **एवं . एक** . -------------------

# ूआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### HIST GOODS

## कार्यालय सहायक बाधकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० 44332/84-85--यतः मुझे, म्रार० भारकाण

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियस' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका धिवत बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० सर्वे सं० 104, 99/1, 128/1, से 128/3 श्रीर 131, 98/1 तथा 98/3, है, तथा जो इरेल वोलमुंडि विलेज, सोमवारपेट लालुक, कोडगु में स्थित है (श्रीर इंग्मे उपाबद्ध श्रमुसूची, में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16)

के ग्रधीन दिनांक 12-10-84,, उडुपि,

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मृश्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नीनिवित उद्योदय से सबत बन्तरण निम्बित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) जन्तरम चंहुच किती भाष भी बाबत, कवल अधिनियम ने सभीन कर गोने ने सन्तरक के यायरण में कमी कर्यने या बब्बे अधने में सुविधा के जिब्द; बोर्/धा
- (थ) ऐसी किसी जाग या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियस, या असकर अधिनियस, या असकर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए वा, कियाने भे सुविचा के सिद्धा

जतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुकारण वो, मी, डक्क अभिनियम की पारा 269-मुक्त सप्भारा (1) वो अभीन, निम्निलिकि, अधिकारों, अर्थात् ह——

- (1) श्री बिलिकिस लुतकर रहमान,
  2. मास्टर नदीम शैंक 3. बेबी नगमा शैंक
  4. बेबी नमीमस शैंक 5. मास्टर नसीम शैंक,
  श्रीर 6. मास्टर नक्बीम शैंक
  सं० 63, लांगफ़ई कोर्ट, लांगफ़ई गाईन, बेंगलूर।
  (धन्तरक)
- (2) श्री एस० एम० उदया शंकर, रोस लयांड एसटेट, वालनूर पोस्ट, कोडगु।

(श्रन्तरिती)

को यह श्रुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करला हुं।

## शक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितायों में से किसी क्यक्ति सूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्के स्थानर संपन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्काक्षरी के पास, जिस्सा में किए या बकोंगे।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 757/84, दिनांक 12~10-84)

सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 104 99/1, 128/1 से 128/3 और 131,98/1 से 98/3, जो इरेल वोलामुडि बिलेज, सोमवारपेट तालुक, कोडगु में स्थित है।

आर० भारताज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, बगलूर

दिन्ति : 2-5-1985

योषुर 🗈

## प्ररूप माइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बंगलूर

बंनलूर, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० 44234/84-85--यनः मुझे, आर० भारद्वाज, कांसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 ∕ - रह. से अधिक **ह**ै भ्रौप जिसकी सं० 5/3 है, तथा जो नाला कास रोड, के० हेंथ रोड, बें।लूर में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने बर्णित है), रिप्स्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रिशन नारीख 8-10-84 को पर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है यथाणबोक्त समात्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोष्ट्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करणे या उसमे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिजिधा के लिए।

बतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन :----

- (1) श्री एम० श्री हुष्ण नं० 18, भृतिस्थामय्या लेन, किनलरपेट, बेगलूर माईतर पुत्तियां (1) कुमारी लीलावती ग्रांर (2) फुमारी मधवी
- (2) श्री पी० पलिनस्वामि, नं० 17, I--ए-मेन रोड, सुधामानगर, बेंगल र-27।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह स्थमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर मंपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## घनुसूची

(दस्तावेज सं० 2738/84 तारीख 8-10-84)

सम्पत्ति है जिपकी सं० 5/3, जो नाला क्रास रोड, केंनाल, हुनुसनोडय्या, रोड, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 2-5-85

## प्रकृष बार्ड ही . एन . एस् . ------

वायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के स्पीय सूचना

#### भारत सरकार

कार्यान्व, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जगरेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० नोष्टिस नं० 44339/84-85-पतः मुझे, आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विस्तका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिन्की सं 99/ए/17 है, तथा जो मौंट जाय एक्टरेंशन I, 1 मेन रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बसवनगृहि में तारीख 3-5-85

का प्रजिक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल् के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धा यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-प्रवेक्ति सम्पर्ति का उचित बाजाए मृत्य, उसके हश्यमान प्रतिकल से, एसे हश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिक्न तय पासा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्युक्त से उक्त अंतरण सिकित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के शायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए; और/मा
- (क) इन्हों किसी नान या किसी धन का अन्य वर्धस्त्यों को जिन्हों आरतीय नामकर निधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किथिनियम, या धन- कर निधिवयम, या धन- कर निधिवयम, 1957 (1957 का 27) के हवोजधार्य कन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया वया क्षा ना किया भागा चाहिए चा, कियान में सुविका के लिए;

जतः अच, उक्त अधिनियमं की धारा 269-र की अनुसरण वो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) हो द्वधीन, तिम्नलिखित व्यक्तिसों, वर्धात् :---

- (1) श्री सी० आर० श्रीनिवास मृति,
  - 2. सी० आर० गोपालाकुण्ण,
  - 3. सी० आर० संपत्तकुमार. नं० 3, 11 मेंस रोड, एन० आर० कालोनि, बेंगलूर—19

(2) श्री ए० वेणुगोपाल नायडु, नं० 103, II श्रास, II ब्लाक, सघामानगर, त्रेशसूर-27

(अन्तरिती)

को बहु बूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्षन के किंदू भागवाहिया करता हून।

अक्त सम्पत्ति **को कर्ज**म को सम्बन्ध में को**ह**ें भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की संबंधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 विन की जविध, को भी ववित्र काद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोच्छ अधिकार्य में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के औतर उक्त स्थाधर संपत्ति में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के एएस त्रिवित में किए या गर्जोंगे।

स्थानिकरण :--- इसमें प्रयुक्त सच्चों और पर्यों का, को अच्छ अभिनिक्त में अध्याप 20-क में परिधाणित हाँ, वहीं कर्य क्षेणा को उस अध्यास में श्रिका यमा हाँ।

#### सरमार्ची

(दस्तावेज सं॰ 2902/84 तारीख 20-10-84) सम्पत्ति है जिलका सं॰ 99/ए, (99/ए/17), जो मींट जाय एक्सटेंसन, I मेन रोड, बेंगलूर, में देस्थित है।

> आर० भारद्वाज, भक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सतामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)्री अर्जन रेंज, बेंगलूर

ना**रीख**: 3-5-1985

प्रथम बाह्यै, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### शारत बरकार

## कार्यातय, सहायक नायकह नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 मई 1985

निवेश सं० 44472/84-85--यतः मुझे आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तः अधिनियम' कहा गया है), की धाका 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित साभाग मृत्य 1,00,000/- रु. से निथक है

श्रीर जिसकी सं० 132 है, तथा जो नार्थ ईस्ट आफ महादेवापुरा लगकर मोहल्ला, मैंसूर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ठारीख 8~10~84

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार जूल्य से कम के अध्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई जार मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपित का उमित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रिकिल से, एते दृश्यमान प्रिकिल का पंत्राष्ट्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाबा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरम सं हुए किती जाय की वायत, उक्त वीधीयज्ञ के जभीत कर दोने के अन्तर्क के वाह्यिक कें कती करने या उसते बचने में सूविधा के सिक्; की≝/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, डिज्याने में स्विधा के सिक्;

(1) अनुसूया 132, उदयागिरि ले आउट, II स्टेंज लशकर मोहल्ला, मैंसूर।

(2) श्री अब्दुल बाणित ग्रीर अनंदर, चावल व्यापारी, 132, II स्टेज, उदयगिरि, मैसूर

(अन्तरिती)

की यह कुलवा जारी करके पूर्वोक्स मध्यित के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करसा हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राष्यित्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किए की वसीं या तत्सुक्वल्धी व्यक्तिस्तों प्र क्षाना की वाजील से 30 दिन की जविंध, जो भी क्षाप नाद में कंपाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थानित्यों में से किसी स्थिता प्राप्तः
- (क) इस सुक्ता के हास्यक में प्रकारत की तारीस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्मीत में हित्बहुस किसी कन्य व्यक्ति व्वास प्रथाहस्ताक्षरों के पार निमास में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त विधिन्तम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय वें हैंबा नवा हैं।

## अनुसूची

(दस्तात्रेज सं० 3473/84 तारीख 8-10-84) सम्पत्ति हैं जिसका सं० 132, जो नार्थ ईस्ट आफ महा-दिवापुरा, लणकर मोहल्ला, मैसूर म स्थित

> आर भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी र्सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) - अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 1-5-85

## प्रस्प नार्कः सी ् प्रमृत् एकः न्वरूवन

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन क्षमा

#### TIME SERVICE

कार्यासय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 मई 1985

मिर्देश सं० 44236/84-85---यनः मुझे आर० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० मी-8 है, तथा जो भारत इंडस्ट्रियल एस्टेट, बेंगलूर उत्तर तालुफ, में स्थित है (स्रोर इस में उपाबद्ध अनुमूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 10/84

को द्वोंकरा खम्मीता के डॉमर ाकार मुख्य से अन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त तंपीत का उचित वाचार मुख्य उसके क्यमान प्रतिफल हो, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्छल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने (अन्तरितियां) के बीच ऐसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) कलाहम वे हुन् किची जान की नावत स्थल मिर्गिनन के अभीन कर वोने के जलारक के समित्य में कमी करने या उसने बचने में स्थिभा के तिए; सौर/मा
- (वा) एंसी किसी आब वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वया धा वा किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविका के विश्व;

(1) श्री वी० अणोक,478, | VIII | मैन रोड,होसहल्लि एक्सटेंशन,बेंगलूर-40

(अन्तरक)

(2) श्री नाजमुख्दीन ग्रीर कुछ लोग बै० श्री फरहद टी० शाहपुरवाला, होसानल्लि, शाहपुरवाला, बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाबता सम्बन्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहिकां कुक भरता हुं।

उन्द कुम्पृतित के बर्चन के बन्दम्भ में कोई भी बाह्येग

- (क) इस सूचना के राष्ट्रक में प्रकारन की तार्दीश से 45 किन की सर्वीभ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जनिश नाय में कवाज होती हो के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्प्रीत में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगी।

स्वकारिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उस्त अभिनयम के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्थ होगा को उस अध्याय में विया नया है।

#### नन्स्ची

(दस्तावेज मं० 2854/84 तारीख 10/84) सम्पत्ति है जिसका सं० सी०——8, जो जै भारत इंडस्ट्रियल एस्टेट, वेंगशूर उत्तर तालुक, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

तारीख: 2-5-1985

मोहर ᠄

**मुक्त बाह्य है हैं हुई , युव**ुन न क सन्तर

नायकर अधिनिय्व, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के व्योग स्वना

#### शास्त्र करकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 44570/84-85—यतः मुझे, आर०भारद्वाज,

आयकर जिथिनियम, 1965 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकास 'उन्हरं अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण ही कि स्थानर सम्बद्धित , जिल्ला उचित वाचार मूस्य 1,00,000/- रुट से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 275 है, तथा जो XI मेन रोड, II स्टेज बिन्नामंगला, इंदिरानगर, बेगलूर में स्थित है (श्रौर इस में उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मून्य से कन के दश्यणान प्रतिकास के निष् अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास कारने की कारण है यि सभापूर्वेक्त संपत्ति का उणित बाजार मून्य, उनके ध्रममान प्रतिफल का वस्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाया बेसा प्रतिपाल, निश्नोक्षित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में नास्तिक कम से क्षिण नहीं किसा क्या है :---

- (क) सम्बद्ध के हुए किसी बाब की बाबस, उनसे भौधिवयन के स्वीप कर बाने के सम्बद्ध के खिश्य के ककी करने वा उससे बचने के स्विधा के किस्; और/बा
- (च) एंडी किसी बाद का किसी धर वा अन्य बारिसकों को, विक्रिं धारतीय जाय-कर सिंपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रांक्श्य के ब्रांक्श्य कर्ने व्याप्त प्रकट नहीं किया गया धूम या किया बाना चाहिए था क्रियाने में मृतिया. के लिए;

 (1) श्री एच० नारायण रेड्डिं नं० 116/1, ÎX कास, विलसन गार्डन, बेंगलूर-27 ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री गफार अमीर,
 2. श्री अमजाद पाणा,
 नं० 275, XI मेन रोड,
 11 स्टेज, बिन्नामंगला,
 इन्दिरानगर, बेंगशूर-38

(अन्तरिती)

का यह स्थाना थारी करके पूर्वेक्त संस्पत्ति के मुर्वन वे कार्यमाहिमां कारण हों।

उक्त बन्धिस के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष् :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में त्रकाचन की वारीस सं 45 विन की अविध यां तत्त्वम्पन्धी व्यक्तित्वों पर सृषता को ताबीस सं 30 विन की बविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इब त्यमा के शबप्त में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हितबब्ध किशी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए ना सकोंगे।

स्वत्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्यों का, जो उपत विचित्रियमं के अभ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा जी उस संभाव में दिया नवा ही।

## अमृजुकी

(दस्तावेज सं० 2058/84 तारीख 17-10-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 275, जो 1X मेन, II स्टेज, बिन्ना-मंगला, इंदिरानगर, बेंगलुर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम ¦प्राधिकारी, सहायक्,्आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बाह्य क्या, उथल विभिन्नियम की भारा 209-न की सम्भारण वी, ती, उकल अधिनियम की भारा 269-म को उपभाव्य (1) वो अधीम, निम्निसिविद क्यनित्यों, व्यक्ति डिम्ल

तारीख: 24-4-85

मोहरः

सावकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायक (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० 44832/84-85—यतः मुझे, भार० भारद्वाज

नावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वाके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-ध के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1 है तथा जो लजार ने ग्राउट, रियारडम टाउन, बेंगलूर-5 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण का में बाँगत है). रिल्स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 29-10-85

को पूर्णीकल सम्बरित की उपित बाजार मूल्य से क्रम के इस्यमान प्रतिफल क लिए अन्तरित की और ग⊈र् विश्वास करने का कारण है कि यभा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रति-फल से, ऐसे बरवजान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं अरि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एचे अंतरण को जिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देरग में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया भया 🐔 🖫

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की शांत्रत, उक्त अधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उसके बजने में अधिभा के सिन्ध; भीश/वा
- (य) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य वास्तियों की, विन्हें भारतीय जायकर जिथित्वम, 1922 (1922 के 11) का उसल जिथित्यम, या ध्य-कर महिद्दित्वम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ अन्तिरिक्षी द्वादा प्रकट महीं किया गया भा या किया पानर जातिए थर, कियाने में स्थित्य कर्दकर,

अतः अबः, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध को, अनुसरण को, भी, सकत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री एच० वेंकटरामन,151, जीवन हिल्ल, काक्स टाउन,बेंगलूर-5।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नईमा बेगम, 15, कुबुस्वामि, नायडु स्ट्रीट, चांदनी चौक रोड कास, बेंगलूर--51।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के . लियू कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध कि ही जन्म क्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण :--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्क्रीपृत्यिक, के क्ष्माय 20-क में पृत्याणित हैं, वहीं सर्थ होगा को उदा अध्याय में विका पदा है।

श्रनुसूची

(दस्तादेज सं० 2186/84 तारीख 29-10-84) मम्पत्ति है जिसका सं० 1, जो लजार लेक्साउट, रियारडस टाउन, बंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 2-5-85

प्ररूप कार्यः दी . एन . एस 🛒 🗝 🗝 🗝

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन क्**य**ना

#### प्राद्धतः खुरकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज, बंगलूंर
बंगलूर, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० 44331 / 84-85 -- यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं । 132/7 है, तथा जे ब्लाक नं । 1 मिडिकेरि कोडमु में स्थित है (भौर इस मे उपाबह अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-10-81

की पूर्णियत सम्पत्ति के उचित बाजार जून्य से कम के क्ष्यमान् प्रतिकान ने किए जन्ति कि ग्रेश हों जोर मुम्हे यह विश्वास करने का कारण ही कि ग्रेशपूर्वोत्रत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनुतरिधियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्रेश प्रतिकत, निम्निसिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में बास्तिक रूप से क्षियत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ ' फिसी बाव की बावत उक्त अधि-निवास के अधीन कर दोने में अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी भन या अन्य आस्सियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर की भीनवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियस, वा भनु-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रसाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा वा किया जाना आहिए था, कियाने में स्विमा से जिक्टा से जिल्हा की किया किया की किया किया की किया की किया की किया की किया किया की किया की

सतः नव, उन्त सिधीनयम की धारा 269-ग के सन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अधीत् क्ष--  (1) विजया वैक, बाडि कारपोरंट, बेंगलूर, वै सीनिथर म्यानेजरः—
 श्री बी० डेरण्ण रै।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी०एत० बाबु नायडु ग्रौर बी० एन० सुरेण नायडु, राजीस स्ट्रीट, मडिकोरि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्भरित के व्यक्त के निष्

उक्त सम्पत्ति के कर्षन सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की ताबील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा,
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्ल व्यक्त स्थावर संपत्ति में हिल्ल व्यक्त स्थावर संपत्ति में हिल्ल व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी की वास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः --- इसमें प्रमुक्त कन्यों और पूर्वी का, को उन्हः अधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 740/84 तारीख 5-10-84) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 132/7, जो ज्लाक नं० 11, मिडिकेरि, कोडगु में स्थित है।

> श्रार० भ्रारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 2-5-85

प्रकृप आहे. टीं, एवं, एक.-----

जावकड मीर्थनियम, 1961 (1961 का 43) को पाछ 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, तहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० 44333 / 84-85 — यतः मुझे, श्रार**े भार**द्वाज,

अध्यक्तर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसरे इसमें इसके पश्चात जिस्त विधिनियम' कहा गया है), की बारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 0 111/2ए 1 है, नथा जो पुन्तर विलेज, उडुपि नालुक में स्थित है (श्रार इसमें उभावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिसिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिशान नारीख़ 10-10-84

का पूर्वीक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का नमूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के वीच ऐसे अंसरण के लिए तक प्राया १६३ प्रतिफल निम्तिनिय्त उद्देश्य में उक्त अंतरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंदरण ते हुई किसी बाब की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के 'अंतरक को दावित्थ में कमी करने वा उससे बचने में अधिभा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिय की बिन्हें भारतीय जायकर किसिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के स्वाकिया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा अ लिए।

अत: बब, उस्त अधिनियम की भार 269-ग कें, बन्तरण में, में, उस्त अधिनियम की गार 269-थ की उपभास (1) क्षे अभीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री जिसिता जिमीजा, पंम्बूर, मूड्डबेल्ले औंफ बेल्ले विलेज श्रॉफ उडुपि तालुक। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रमेटियस म्यात्यु, ल्युविस, 2 श्रीमती श्रनसेल्ला ल्युविस, तानसे ईस्ट बिलेज श्राफ उडुपि तालुक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया — कें

#### नगृस्यी

(दस्तावेज सं० 1007/84 तारीख 10-10-84) सम्पत्ति है जिसका पर्वे नं० 111/2ए 1, जो पुन् विलेज, उडुपितालुक में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 2-5-85

मोहर 🕄

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकार मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) को सुधीन क्ष्मार

#### मारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर वंगलूर, दिनोक 1 मई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44786/84-85--यतः मुझे स्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं)', की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने कर कारण डै कि स्थावर संपरित जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी मं० श्रार० एस० नं० 382-1, टी० एस० नं० 215-1 है, तथा जो कोडियलबैल, मंगलूर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणिस है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10/84

भ्ये प्रवेदित संपरित् के उपित बाजार मूक्य से सम के पश्यक्षण मुहित्कत के लिए बन्तरित की नहीं है और मुम्में वह विश्वास कि भ्ये कर कारण है कि यथाप्तों कर बन्तरित का उपित बाजार मूक्य , उसके अथमान प्रतिकल से, एवे अवमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और जन्तरका (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-कत्त निम्नितियाँ उद्विष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अभ्यर्ग से तृड़ किसी आग की बायत, अवस अभिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक वें दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सृविभा के सिए और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था स्थिनने में सुविधा के लिए:

बसर शाम, अध्या अधिनियम की धारा 260-ग के बन्सरण में, में, उक्त किधीनयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्मीलीक्स व्यक्तियों, अर्थीत रूपम (1) मंसर्स कीणस्या एस० मेठी कोड़ियलबैंल, मंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) डाक्टर के० माधवा श्रिडिंग, सेमिनारि व्यु, कनकानाडि मंगलूर-2

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सञ्चारित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सवीभ या सत्सवंशी व्यक्तिमों पर स्वना की सामीस से 30 दिन की सवीभ, जो भी सबहुध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति अविकसों में से किसी स्विकत क्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी संस्थ क्यांकर स्थावर संभावन्य के पास जिल्ला में किए वा सकोंगे।

स्वद्धोकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### अवस्तरी

(दस्तावेज सं० 1014/84 तारीख 10/84) सम्पत्ति है जिसका श्रार० एस० नं० 382-1, टीं० एस० नं० 215-1, जो कोडियलबैल विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है।

> श्चार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 1-5-85

मोहर 🔞

प्ररूप नाहरें, दी, प्रस्तु एस स्वरूपनान्त्र

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिम नं० 45069/84-85-यनः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 447 है, तथा जो एच० ए० एल० II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 30-11-84

को प्रशिक्त सम्परित के उभित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रशिक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच उसे, अंतरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उच्चेश्य से उक्त अंतरण कि निम्निलिक उच्चेश्य से उक्त अंतरण कि विश्वान की बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाद की बादल उपन अधि-निवम के बंधीय कर बोने के बन्तरक की दादित्व में कामी काडने वा उन्नचे वक्कने में कृषिका के लिये; बीड़/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन नम्द बास्तिमाँ को, चिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा से किए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, जर्मात क्षे (1) श्री ए० जैवारामन नं० 447,एच०ए० एल० II स्टेड, इंदिरानगर, वेंगलूर।

र्श्यन्तरक')

(2) श्री सी० मंनजुनाथ नं० 700, इंदिरानगर, 11 स्टेंज, बेंगलुर

(अन्तरिती)

को यह भूषना जारी करुके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

, उक्त सम्पौत्त के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध वाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभूति के हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## वपृष्ठ्यी

(दस्तावेज सं० 2575/84, तारीख 30-11-84) सम्मत्ति है जिसकी सं० 447, औ एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

ता**रीख**ः 8—3—85

भोहर 🛭

## क्ष्म वाद<sup>\*</sup>.टॉ..च्य..च्य..च्या

बाधकार विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यीन बूचना

#### भारत चन्नार

## कार्यालय, सहायक कामकर कावृक्त (निरामाण)

श्चर्जन रेज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 2 मई 1985

्र निर्देश मं० 44536 | 84-85 -- यतः मुझे, भार० भारद्वाज

श्रायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3181 एल 19 है, तथा जो लगकर मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीस श्रश्तुवर, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से एसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम ग्राम् प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बोस्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तर्भ से हुइ किसी बाब की बाबत, उथत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविक्षा के सिए; ब्रीड्र/बा
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जाब-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने. में स्विचा के लिए;

शतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, संबंद ह— 63—136 GI/85

(1) श्री स्नार० सेल्याराज, यामाराजमोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री स्नार् नन्दा कुमार,
2 ए० सी० प्रसाध कूनूर,
हासन डिस्टिक्ट।

(भ्रन्तरिती)

को नह स्थान वारी करके प्रॉक्त संपत्ति के वर्षक के जिस कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षम के स्वान्थ में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन 'से प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पृषीकल व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस तुकान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी को पात तिकित में किस का सकोंगे।

स्त्रक्षीकद्रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों को , को जनस विधितितम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विभा वर्षा है।

## मनुसूची

(दस्तावेज स० 3631/84 तारीख 10/84) सम्पत्ति है जिसकी सं० 3181 एम 19, जो लशकर मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी . सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण्) ग्रार्गेन रेंज, बंगलूर ।

नारीख: 2-5-85

## प्रस्य वार्षं दी एवं एवं : =====

भागकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-में (1) के मुधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकार वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 म्रप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45434/84-85--यतः मुझे, भार० भारताज

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मृत्य . 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० 2 है, तथा जो 4 काम, पुराना तरगुपेट, बंगलूर तिटि में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वीगत हैं), रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रदीन 11/84

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास मरन का कारण हैं कि एथायबांक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (जन्तरितियों) के बीथ एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उप्योध से उक्त अन्तरण जिवित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- ्रिक) जन्तरण से हुइ जिस्सी जाम की बावत अंक्स किया किया के अस्तरक के अस्तरक के बावित्य के अस्तरक के बावित्य के अस्तरक के बावित्य के असी करते या अक्को बावने के जुन्तिथा के किया, कोडर्रथा
- (च) ऐसी किसी जाय या भन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 1-1) या उक्त जिभिनयम, या भन-कर विभिनयम, या भन-कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. कियाने में ब्रिया की जिया;

जतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुसरक कैं. मैं, उक्त अधिरियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, संधात ह  श्रीमती बी० विशालक्ष्माम्मा नं० 2, 4 त्रास, पुराना तरगुपेट, बंगलूर सिटि।

(मन्तरक)

(2) श्री एम० मृतिकृष्णप्पा, हेग्गडेहल्लि, तुबगेरे होबलि, वोडडाबल्लापुरा सालुक।

(म्रन्तरिती)

को बहु ब्यान बारी करके पृत्तीनत सन्यतित से अर्थन से किए। कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त क्यारित के वर्षन के क्यान्य में कोई ही नाक्षण्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्रचना की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी बचीच वाद में इकान्त होती हो, के बीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दुनाराह
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किय के शीतर उपक स्थापर कम्पत्ति में हित्यध्य किसी बन्न व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किस वा सकोते।

स्वक्कोकरणः—इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्दों का, जो उक्छ जिथिनियम के जभ्नाय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, कहीं अर्थ होना को उत्त अध्याय में दिया क्या हैं।

#### नग्रही

(वस्तावेज सं० 2731/84 तारीख 11/84) सम्पत्ति है जिसका सं० 2, 4 कास, पुराना तरगुपेट, बेंगलूर सिटि, में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, बंगलूर

तारीख: 16-4-85

मोहरः

## त्रक्य बाह्र दी , एव , एव , ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 16 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिय नं० 45440/84-85-यतः मुझे, मार० भारहाज

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 259-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित याजार मृख्य 1,00,000/-ए. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० 51 श्रीर 52 है, तथा जो काविश्व रेवण्ण शेट्टि पेट, पापण्ण लेन, बेंगलूर-2 में स्थित है(श्रीर इससे उपावड श्रनुस्वी में श्रीर्पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधितथम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-11-84

को पूर्विक्श संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्द्रिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण कि बित भे बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नावत, अक्ष निधानयम के अभीत कर दोने के जन्मरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्: मरि/या
- (क) एंसी किसी या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

नतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उमत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—-  श्री एन० लक्ष्मीनारायण नं० 10, XVIII कास, कब्बानपेट, बेंगलूर--2

(मन्तरंक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी मूर्ति,नं० 17, XVIII क्षास,कब्बानपेट, बेंगलूर-2

(भन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्य सम्परित के अर्थन के अर्थन के अर्थन के अर्थन के

#### उन्न सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगें।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयंकत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुज्ञा

(बस्तावेज सं० 2061/84 तारीख 26-11-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 51 श्रीर 52, (39/1 श्रीर 39/3), जो कावडि रेवण्ण मोट्टि पेट, पापण्ण लेन, बेंगलूर--2, में स्थित है।

> म्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगसूर

नारीख: 16-4-85

मोहर 🛭

## क्रम् बार्च हो पन स्प

## नामकड विधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के बंधीय सूर्यना

#### तारव प्रकार

## कार्यातम, सहायक जायकर नायुक्त (निर्द्रीयाण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 मप्रैल, 1985

निर्वेश सं० नोटिय नं० 45054/84-85--यतः मुझे, मार० भारहाज,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इस्कों इसको प्रथात् 'उक्ता अधिनियम' कहा नवा हों), की भाव 269-च के मुक्षेष सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करणे का कारज हो कि ल्याबर सम्बद्धि, विस्ता उचित वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० 864 है, तथा जो बिन्नामंगला एक्सटेंणन, [स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11/84

को वृत्तीकत सम्मत्ति के उपित वाचार मृत्य से कम के स्थानान प्रतिकल के तिए अन्तरित की गई और मृक्षे यह विद्यास करने का कप्रदेश है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाचार वृत्य, उत्तक स्थानान प्रतिकल के, एते स्थानान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाना गर्रा प्रतिकल निम्मतिश्वित उद्देश्य से उपस अन्तरण निर्मितिशत गर्मा स्थान स्थ

- (क) जिल्लारण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्दारक के दावित्व में कमी करने वा उक्क वचने में बृविधा के रिएए, थॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बच्च बारिसवाँ की विन्हें भारतीय शाय-कर विभिनित्तव, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनित्तव, वा बेग-कर अधिनित्त्यम, 1957 (1957 का 27) की प्रबाजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने वे सुविधा को लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिब क्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० सत्यानारायण, केयर श्राफ बी० श्रार० जयाराम श्राफ, नं० 514, XVI क्रास, इंदिरानगर, बेंगलूर-38 . (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० सी० जार्ज,
  2 मैसर्स लीलम्मा जार्ज, नं० 620,
  विद्यामंगला II स्टेज, II कास, इंदिरानगर, बेंगलूर-38
  (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त स्वन्धित के जर्चन के क्रिय

## अक्क कम्परित के वर्षने के संबंध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वितियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारित में 45 विभ के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित-ब्यूथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिक्ति में किए जा स्केंगे।

स्वाचीकरण — इतमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में सिहा नथा है।

### वन्स्ची

(दस्ताविज सं० 2463/84तारीख 11/84) सम्मत्ति है जिनका सं० 864, जो बित्रामंगला एक्सटेंणन, 1स्टेज, इंदिरानगर,बेंगलूर,में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रजन रेंज, वंगलूर

तारीख : 15—4—85 .

माहर

प्रकम बाई . टी. एन , एस . ------

बायकर बीपनियम, 1961 (1961 का 43) की थास 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 मई, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44791/84-85---यतः मुझे, भार० भारद्वाज

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भाउ 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाज़ार जूज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 89-बी है, तथा जो कोटिटालबैल जिलेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इस से उपावद्ध श्रनुस्वी में ग्राम् पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य ' उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, किन्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर्/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा ज्या विभिनियम, या धनकर विचित्रमन, या धनकर विचित्रमन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिएती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

बतः जब, उन्त विभिन्निम की भारा 269-ग के बमुबरन वो, मी, उन्त विभिन्निम की भारा 269-व की उपभाग (1) को वभीन, निम्निकिट कालियनों, स्थान काल (1) श्री रैमान्ड डिसौजा,
 (2) फेलिसि डिसौजा, विजै कायूरकास
 रोड के नजदीक,

मंगलू र

(श्रन्तरक)

(2) श्री उडुपि सुरेन्द्रा, क्लर्क, सेन्द्रल बैक झाफ इंडिया, मंगलूर, स्सिडिंग एटः विजैकावूर कास रोड, मगलर

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अवधि, को भी क्षियों के बादि सो से क्षियों से समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्मित्त में हितबद्र्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त कर्वा और पदों का, जो जक्त अधिनियत्र के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ श्रोगा, जो उस कथ्याय में दिया क्या हैं।

## अनुनुची

(दस्तावेज सं० 1167/84 तारीख 30-10-84) सम्पत्ति है जिसका सं 89-बी, जो कोडिवलबैल विलेज, मंगलुर में स्थित है।

> ग्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 1--5-85

मोहर 🛮

## प्रकल बाद .टी. एवं एस , ल्लान्स-ल्लासका

बायकर मधि नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के स्थीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० 44481/84-85--यतः मुझे, भार० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 11 है, तथा जो सी० जे० डिसोजा रोड में बंगलूर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 10/84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति कि एप से कि निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति कि क्ष एसे कि निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति कि

- (m) अन्तर्भ के हुन किकी जान की बावस, कन्ध अधिनिवृत के व्योग कर योगे के बच्चरक के वादित्य में कभी करने ना अवसे बच्चने में सुहित्या नी लिए; मीडि/बा
- (क) एसी किसी नाम या किसी थम या जन्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसाजनाथ बन्तीरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया नामा नाहिए था, कियाने में सुनिया से निए;

बतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निणिश्वत व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) मिसर्स लुसि डिसोजा, नं० 11, हासपिटल रोड; णियाजीनगर, बेंगलूर

(भ्रन्तरक)

(2) मिसर्स माजारा इसमैल, वैफ आफ इसमाईल वाहिद ग्रीर 7 कुछ नं० 2.6, जयामदृत एक्सटेंशन। लोग, कास बेंगलुर-46

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितमव्य किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिविकत में किए जा सकरेंगे।

स्वकाकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उपन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वृक्ष हैं.!

#### जनस<del>्यी</del>

(दस्तावेज सं० 1930/84 तारीख 10/84) सम्पत्ति है जिसका सं० 11, जो सी० जे० डिसौजा रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधि सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीः भ्रजेन रेंज, बं

नारीख : 3-5-85

मोहर 🛭

प्ररूप बाहा, टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीय स्वना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 मई 1985

ः निर्देण सं० नोटिस नं० 45895/84—85—-यतः मुझे, भ्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बादार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2503 है, तथा जो बनडाकोर II स्टेज एक्सटेंगन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावज श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय जन्तरित । प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्ते निवित्तयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अक्ट नहीं किस। नवा भा वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुनिशा के दिनए;

जतः अब्तः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं कै जनसरक में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-जं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित स्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री.मती कें व्यक्तिता नंव 379, 4 'डि' मैंन, XII कास, वेस्ट आफ नाई रोड, महालक्ष्मीपुरम बेंगलूर-86

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमाला मुकानन्दा नं 88, VI मैन, V1 कास, (भ्रपस्टैर्स) एन श्रार० कालोनी, बेंगलू र-19

- (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त विधितियम, के अध्यान 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिया यदा है।

#### अनुसूची

(बस्तावेज सं० 4124/84 तारीख 10/84) सम्यत्ति है जिसका सं० 2503, जो अनर्ण्करी II स्टेज एक्टॅंगन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर्० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहामक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

सारीखः 3--5--85 मो**डर**ः प्रकप कार्ड्, दी. एम., एस.: = - - ---

नायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्वना

भारत सहकार,

कार्यालय, सहायक जायकर गायुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 मई, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44467/84-85--यतः मुझे, आर० भारक्षाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम सिधकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं 0 14/18(119) है, तथा जो बब् बजार, देवाराज मोहल्ला, मैंसूर में स्थित है (स्रोर इससे उपावड अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10/84

को पूर्वोक्त अपित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्श्यमान प्रतिकल के लिए जनतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूथमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुइ किशी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व मैं कमी करने या उससे बच्चने में दृश्या के सिद्धः और या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन ए अन्य अपिनामी कारे, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, मा धनकर निधिनयम, मा धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियम्हें हों सुविधा के जिए।

कतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मों मों, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को कथीन, निम्मनिवित व्यक्तियों, जनाति ्— (1) श्रीमती मुदुलिंगम्मा श्रिलियाय चेन्नाम्मा नं० 3108/2, I मैन, वादवार्गिर, मैसूरु

(श्रन्तरक)

(2) जैन मेडिकल रिलीफ सोसाईटी , एल–4/2, VIII क्रास, इरविन रोड, मैसूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सियु कार्यवाहियां करता हूं।

जनत युम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धों व्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हिरा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकैंगे।

स्पाकतीकरण — इसमें अयुवत शन्यों और पदों का, को उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### धनुसूची

(दस्तावेज सं० 3180/84 तारीख 10/84) सम्पत्ति है जिसका सं० 14/18 (119), जो बम्बू बजार देवराज मोहला, मैसूर में स्थित है।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (लिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 2-5-85

# प्र**कृष् बाह**्रे.टी..पुन्..पुच् ,---------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . धारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

#### माउत बहुकाड

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश मं० 45764/84-85---यतः मुझे श्रार० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 12 है, तथा जो 1 मेन रोड, सगायपुरम, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय शिवाजी- नगर में राजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन तारीख 22-10-84

को पर्वेक्ति संपत्ति व्हे उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिउद्ध, निम्निनिचित उद्योग्य से उच्त मन्तरण निचित् में वास्तिवक कम से किथा नहीं किया नया है:--

- (कं) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के सभीन कर क्षेत्र के अन्तरक के समित्य में क्ष्मी करने वा उक्त वचने में सुविभः के लिए; और/मा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या नत्य बास्तिनों को चिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम या धनकर ब्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अग, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के , में, भक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--64—136 GI/85

(1) 1. श्री म्रार० कालिमुत्तु,
2. श्री के० राजेंद्रान,
3. श्री के० कुबेंद्रान,
267 (12), मगायपुरम,
1 मेन रोड, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० ए० रजाक, नं० 6, कन्डास्वामि मोदलधार स्ट्रीट, बंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कृष्ट करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तस्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, शही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# अनुषुची

. [दस्तावेज सं० 2995/84 तारीख 22-10-84] सम्पत्ति है जिसका सं० 12, जो 1 मेन रोड, सगायपुरम, बंगलूर, में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी भहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

तारीख: 1-5-1985

माहर:

# प्रकृष बार्ष. ही. एन्. एस. ----

आयकर शिक्षिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन सुचना

#### भारत वस्कार

# कार्यानमः, अहारक भारकर नायुक्त (मिरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर,दिनांक 1 श्वप्रैल 1985

निर्देश सं० 44754/84-85---थतः मुझी,

श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव 68(30), सीव छीव नंव 76 है तथा जो सेंट जानस अर्च रोड बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विश्वत है), रिजस्ट्री उत्ती श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 14-11-84

को पृष्टित सम्मित्त के जिल्ल बाजार मूल्य सं कृत के स्वयंत्रम प्रतिकत्त के लिए जंदरित की नई है बार वृत्ते वह विकास करने का कारण है कि यंपापूर्वित जन्मित का उजित बाबार मून्य, उसके स्वयंत्रा परिचल से, ऐसे स्वयंत्रा प्रतिकत का प्रवाह प्रतिकार से विभिन्न है बार अन्तरक (अन्तरकार्) बार अन्तरिती (अन्तरितिकार से विभिन्न है बार अन्तरक (अन्तरकार्) को बास प्रवाह कि सन्तरितिकार से विभिन्न से बास प्रवाह के सिन्न तय पांचा अवाह कि सम्मिन के बीस एसे अन्तरकार के सिन्न तय पांचा अवाह कि सम्मिन के से विभिन्न के सिन्न के सिन्न के से विभिन्न के सिन्न के से विभिन्न के सिन्न के सिन्न

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की बाब्ब, उपत विभिन्न के सभीन कर दोने के समारक के सायित्य में कमी जादने या उससे अजन में स्विधा के खिए; और/शा
- (क) एची किसी बाब या किसी धन या कन्स कारिएओं को, जिम्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाजा था, खिपाने में सर्विधा के लिए:

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—  (1) दि एस्टेट आफ मिस्स योलान्डा रिटा लफ्रेंहैस (डिसिसड), एक्सिक्युटर्स :-- (1) श्री रियारड पेरैरा,
 (2) श्री ग्रनतोनि डाकोस्टा,

(2) श्रा श्रनतान डाकास्टा नं० 21/12, एम० जी० रोड, बंगलूर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी०ए० मोहमद ग्रालि, नं० 16, लाल मस्जिद, 'II'स्ट्रीट, बंगलूर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति को कर्जन को संबंध में कांग्रे भी शाक्ष्रेप :---

- (ह) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जलिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत स्थान के राजपन में प्रकावन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सबूध किसी बन्च व्यक्ति व्यास वश्वेहस्ताक्षरी में पास निकास में किस या सर्वोत्ते ।

ल्यक्कीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उद्यक्त कीयनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित ही, नहीं वर्ष होगा को उस अध्यास में दिसा भूवा ही ।

## **भनुसूची**

[दस्तावेज सं० 2383/84 तारीख 14-11-84] सम्पत्ति है जिसका सं० 68 (30), सी०डी०नं० 76, जो सेंट जानस चर्च रोड, बंगलुर, में स्थित है ।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

सारीख: 1-4-1985

मोहर :

प्रकल आहे. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर विविधयन, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के बंधीन स्वता

श्रीरत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं०

44563/84-85-- यतः

मुझे,

श्रार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 10 (171) है, तथा जो VIII-बी-मेन रोड, राजामहल विलास एक्सटेंगन, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय गाँधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख 19-10-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विक्यास करने का कारण है कि प्रथान्योंक्त सम्वीत का उपित नाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्ष्य पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्वर्षिय से उन्त अन्तरण कि जिल से बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम एं हुई कियों बाब की मानसा, उक्ट अधिनियम के अधीय कर दोने के अस्तरक के शासित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/बा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन वा अन्य जारितवी को, जिन्हू भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के निया

जतः जज, उजत जिथिनियम की भारा 269-न को जन्मरक में, में, अकत जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को जभीन, निम्नसिकित व्यक्तियों अभीत् यु— (1) श्री म्यानिसह चन्डक, बी-39 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमित पुष्पा डी० गन्गलानि, नं० 58, कोलम रोड, फ्रेजर टौन, बंगलूर-5।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया घुरु करता हूं।

बयत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्य भी बाक्षेप 🐃 🕶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स मब्भ किसी जन्म क्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी से पात निवित में किए का सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

#### अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2230/84 तारीख 19-10-84] सम्पत्ति है जिसका सं० 10(171), जो VIII **बी-मेन** रोड $_{\parallel}$  राजमहल विलास, एक्सटेंगन, बंगलूर में स्थित है।

श्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजं**न रें**ज, बंगलूर

तारीख: 3-6-1985

मोहर ः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायांलय, सहागक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांव: 3 जून 1985

निदेश सं० 44573/84-85 — अतः मुझे, श्रार० भारताज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 853 है, तथा जो IV मेन, I स्टेज, इन्दिरा नगर, बंगलर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 = 116) के अधीन तारींख 10/1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अनरक के वासित्य में कुमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिखित स्यक्तियों, अर्थातः:— (1) श्रीमिति जुलियाना म्यानुयल, नं० 853, V मेंन, इन्दिरा नगर,I स्टेज, बंगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिनयार पटेल और सैबिल पटेल, नं० 853, IV मेन, इन्दिरा नगर, I स्टेज, बंगलूर।

(म्रन्त्रित्)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्नीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

#### वनुष्ची

[दस्तावेज सं० 2095/84 तारीख 10/84]

मम्पत्ति हैं जिसका सं० 853, जो IV मेन, I  $\dot{\epsilon}$ रेज, इन्दिरा नगर, बंगलूर में स्थित है।

न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलर

तारीख: 3-6-1985

मोहर 🛮

प्रकप् बाह्रं टी. एन्. एस. - - - -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलर बेंगलर, दिनाक 13 मई 1985 निदेज मं० 46142/84-85—अप्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का बान्य हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 1832 है, तथा जो बी ज्या के ा दिज, बेंगलर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के अधींन, तारीख 11-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास भरने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मून्तरिती (अन्दिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिविक रूप से किवत नहीं किया यथा है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्ता बिभिनियन के बभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिश्रा के लिए: बौर/या
- (च) एसी किसी लाय था किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था छिपान में महिथा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :--- (1) श्री श्रार० राघवेन्द्रा राच, नं० 202, मैन रोड, यामाराजपेट, बेंगलर-18 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एस० गोपाल कृष्ण सेट्टी,
 नं 0 757, VII कास रोड,
 केंम्पेगौडानगर, बेंगलूर -19

(ग्रन्तिरती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्छ अभिन्यम के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अभ्याय में दिया नेवा हैं।

#### नगत्त्रपी

(दस्तावेज सं० 4052/84 तारीख 11-1-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 1832, जो बनगेंकरी  $^{1}\!I$  स्टेज, बेंगजुर में स्थित है ।

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरें ज, बेंगलुर

तारीख: 13-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यामय, सहाचक आयकर आयुक्त (मिरीक्रक)

म्रर्जन रेंज, बेंग्लूर

बेंगलूर, दिनां छ 3 जून 1985

नोटिस नं० 44667/84-85---ग्रतः मुझे, श्रार० भारतार्भ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धार 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायद सम्पत्ति, जिसका उचित धावार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 39 है, तथा जो डाकोस्टा स्क्वेर, मेंट मेरिस टौन, बंगलूर में स्थित है, (और इस्से डपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के जीवत बाजर मूज्य से कन के इसमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मूज्ये बहु विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित क्लार मूख्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे उस्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बावा गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वागत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उसस् वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में महिला के लिए;

जतः जव, जक्त सिंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जपभारा (1) विकास निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (श्रन्तरक)

(2) श्री जी० एम० फरनान्हेस.

केयर श्राफ खेरेंड, एम० गोवेयस.

नं० 21, लावेल्ले रोड.

बेंगलर ।

(भ्रन्तरिती)

को गई सूचना जारी करके पूजांक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्बक्सहर्मा करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से भिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तृष्यता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकींगे।

स्पन्धिकरणः - इतमे अबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया, है।

#### आप ची

(दस्तावेज सं० 2037/84 तारीख 17-10-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 39 जो डाकोस्टा स्क्वेर, सेंट मेरिश टौन, बेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगसूर

नारी**ख**ः 3-6-1985

मोहर:

# <sup>क</sup> अ**क्ष्यु बाइ**ं, डी. युव. **एव**. क्ष्यु कार्यान्य

# बायकपु वृत्रिवियन, 1961 (196-) का 43) की पार 269-न (1) के नुपीन क्यान

## भारत सहस्रान

कार्यासय, सहायक बायकडु वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्मन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांर 28 मई 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45209/84-85—अतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं आरा एस नं 833-1, टी प्राप्त नं 655-1ए, है, तथा जो प्रन्तावर विलेश, संगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 नवस्वर 1984

को प्रॉक्त संपरित को उचित वाकार मृत्य से कम को क्यमार प्रतिफल को लिए सन्तरित की गई है बौर मृत्रे यह विकास करित का कारण है कि संगण्यों तो सम्पन्ति का उचित बाजार भृत्य उसती क्यमान प्रतिफल का रुच्य उसती क्यमान प्रतिफल का रुच्य उसती क्यमान प्रतिफल का रुच्य उसती क्यामान प्रतिफल का रुच्य उसती क्यामान प्रतिफल का रुच्य प्रतिकृत से बीधक है और अन्तरण (अन्तर्कों) और अन्यिति अन्तर्कित के सिए तथ पाया गया प्रतिक्रम, निम्नितिबिक उद्योग्य के स्थल ब्रुट्य विविक्ष में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की जानता, सक्श जीभिषयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ले किए; कीट्रिश
- (च) शंसी किसी बाब या किसी भून या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 2%) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

ब्हः बन, बक्त विधिनियम की बारा 269-य के अनुबारण में, में, उक्त श्रीभिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रीमित शिवदेवियम्मा और कुछ लोग प्रतिनिधि एम० चन्द्राराजा जैन, बेटकेरी हौल, प्रान्या विलेज ग्राफ ङारकला तालुक, मूडाबिदि पोस्ट, द० ७०।

(धन्तरक)

(2) श्री बीं दरमण्ण नायक, तक्तिरूपान्ता चिलेज और पोस्ट, बेलनगाडि द०व०।

(अन्तरितीं)

करे वह सुचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के वर्णन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पन्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  4.5 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी स्यितित्यों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की संविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्वेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यक्टांकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, थी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1311/84 तारीख 23-11-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० आर० एस० 833-1, टी० एस० नं० 655-1ए, जो अन्तावर विलेज, मेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीख 28-5-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45435,84-85-अतः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख दो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 28 है तथा जी इट्टिंगे अंजनप्पा लेन मैसूर रोड़ बेंगलूर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनिय . 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-84

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है जौर मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के, एसे स्वयमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरित (अंतरित (अंतरित के बाज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसित उक्व य से जिथक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुव किसी जान की नामत, उपत गौजीनमा के अभीन कर दोने ने अन्तरक की यामित्न में कनी करने या उससे वचने में मृधिभा के निष्; भौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा भा था किया जाना अहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए;

कतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीप निम्नोनिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—-  श्रीमती नाजुमुक्तीसा बेगम, नं० 7, नंजेगीडा स्ट्रीट, दोण्डामायलि, बेंगलुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० अब्दुल खादर श्रौर (2) श्रीमती रिक्या बी, नं० 61, श्रंजनप्पा गार्जन, मैसूर रोड़, बेंगसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को जिए कार्यवाहिकां करला हुं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत स्थावर अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः:----इतर्जे त्रयुक्त कर्वो और पवाँ का, जो उक्त जिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

# प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 2712/84 सा० 29~11-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 28, जो इट्टिंगे भ्रंजनप्पा लेन, मैसूर रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 6-6-1985

मोहर :

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासयं, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं नोटिस नं 46078, 84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

नायकर मिर्गिनमम 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके परकात् 'उक्त निर्मितनम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

त्रौर जिसकी सं० 315,14 है, सथा जो के० पी० अग्रहारा होसहित्ल एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्मालय, श्रीरामपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24−1-85 को पूर्वोंक्त संस्पित के उपित बाजार मून्य से कम के रूपमान श्रीतकल के लिए अन्तरित की गर्च है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाकार मून्य उसके इस्यमान श्रीतकल सं, एसे इस्यमान श्रीतकल का पढ़ श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया श्रीतकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जिस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आन् की नामुक, उनके अधिमियम के अधीन कर दोने के अध्यक्त की वाजित्य में कमी करने या उनके बच्चने में चुलिया ही निए; जोड/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन वा नन्य नारिसवाँ की, जिल्हें भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत निधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था. विचान में स्विचण के तिए;

अतः अतः जनस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्क गा, गा, जनस अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निक्नसिवित व्यक्तियों अध्यक्ति :----65---136 GI/85

- 1. श्रीमती लीलादेवी, नं० 17, XV कास, I पलोर, रंगस्वामी टेंपल स्ट्रीट, बेंगलूर सिटी। (अन्तरक)
- 2. श्री एस० गंगदशकुमार, 3405, II स्टेज, कास, 'सिंब्लाक, राजाजिनगर, बेंगलूर-10। (ग्रन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना भारी करके पृत्रोंकत तपील के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुर्वे करता हुं। उक्त तस्पत्ति के वर्षन के तस्वस्थ में कोई वार्शव :---

- (क) इत सूचना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नव्यि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की जविभ, जो भी समीक नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में वे किसी व्यक्ति वृद्यात;
- (क) इव सूचना के राज्यत्र में प्रकावन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्मित में हितबबुक फिली अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाक निवित में किए जा सकति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास गया है।

## **मन्त्र्यी**

(दस्तावेज सं॰ 3452,84 ता॰ 24-1-85) सम्मत्ति है जिसका सं॰ 315/14, जो केंपापुरा अग्रहारा, होसहस्लि एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है।

> **भार**ः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

· तारी**ख**: 13-5-1985

मोहर 🛚

प्ररूप गाई टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के मुनीन सूचना

#### भारत शरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगसूर, दिनांकः 6 जून 1985

निर्देश सं० नो टस नं० 45481/84-85-अतः मुझे, अ.र० भारद्वाज,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात उनत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 1,00,000 के म अधिक है

भीर जिसकी सं० 13 है, तथा जो अरब लेन 'बि स्ट्रीट, Il कास, रिचमंड टाउन, बेंगल्य में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ती अधकारी के कार्यालय, श्राय गागर में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-12-1984

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार सूर्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथणपत्रों कन संपरित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एमें दृष्यभान प्रतिफल सक पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बंदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) मन्तरम ते हुएं कियाँ साम कर्त पासत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को वायित्व मों कमी करने या उससे ब्लाने मों प्रविधा को निष्: सौर/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अस्तिरिती इवास प्रकट नहीं किया गया की या किया आसा खाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अपः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्निल्सित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री जे॰ राम्रक, के॰ नं॰ 23, IV स्ट्रीट, मारकम रोड, अशोकनगर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

 श्री मीर मोहम्मद आलि, नं० 24/1, लियोन।र्ड रोड़, रिचमन्ड टाउन, बेंगलूर--25।

(अन्त। रती)

का बहु सुमना नारी करके पुत्रोंक्त संपत्ति के अनेन के निष्क् कार्यनाहिमा करता हुई।

उसत सम्पति के अर्थन के संबंध में कोएं भी वाक्षण :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावद व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्तिया;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति हो (इतवहंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारां अधोहरताका के पास जिल्ला में किए का सकती।

स्पष्टोक्नरण:--हसमो प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, को उकत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाधिक ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विशा सभा है।

## मनुसूची

(दस्तावेज सं० 2675/84 ता० 10-12-84)
सम्गति है जिसका सं० 13, जो अरब तेन 'बिं०
स्ट्रीट, II कास, रिचमन्ड टाउन, बेंगलूर में स्थित है।
आर० भारदाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 6-6-1985

मोहर 🗸

प्रकृत वार्षः, ठीः, एत्, पुष्, अन्याननात

आयकर बौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन बुचना

#### HITCH MEMIS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 6 जून 1985 निर्देण सं० नीटिस नं० 45750/84-85-अतः मुझे, अ.र० भारहाज,

बायकर शॉर्भानयन, 1961 (1961 का 43) विसे इसकें इसकें प्रकार 'उक्त मधिनियम' कहा गया है, की धाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं। के स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 12 है, तथा जो II सैन रोड़, II ब्लाक जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्य से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयानगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-84

को पत्रों कर सम्परि के अणित नाजार मृत्य ते कम के प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कृदने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्पर्ति का उण्चित नाजार मृत्य, उसके क्यूमान प्रतिफल का पंत्रध्व प्रतिकत से अभिक है जोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के नीच ऐसे अन्तरण के निष्ट तम याम गया औरफल, निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित के अधिक रूप से कायत गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबर, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा क नित्र, और/या
- (वा) श्रो किसी नाम या किसी भन या जन्य नास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनयम, 1922 की 922 की 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर निभिनयम, या भन-कर निभिनयम, 1957 (1957 को 27) की अमाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विभा की निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री औँ० एन० मूर्ति, 643, XI मैन, एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर-38। (अन्तरक)
- 2. श्री गोपालाक्वरणैय्या चेट्टि
  (2) श्री एस० जी० सुरेश कुमार, (3) एस०
  जी० वसंतकुमार, नं० 523, गरुतमन पार्क,
  ईस्ट ऐंड रोड़, बसवनगुडि, बेंगलूर-4।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवोहियां करता हु"।

वस्त संपत्ति को लंजन को संबंध में काइ भी बाक्षय :---

- (फ) इस रूचना में राज्यत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर्के सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, में भीतर पृथा करा व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवायः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदल स्थावर सम्भित्त में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निर्धाल में किए जा सकीय।

स्पर्धि करणः — इसमें प्रयुक्त कर्क्यों कीर पर्यों का, जो अक्क अधिनियम, ऋ अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस क्ष्याय में दिया गया हैं।

(दस्तावेज सं० 3472/84 ता० 29-11-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 12, जो II मैन रोड़, II ब्लाक, जयानगर, बेंगलुर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगेलुर

नारीख: 6--6--1985

मीष्ट्रर 🛭

प्ररूप नार्व<u>ं टौ. एन . एस .. -------</u>

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुभना

भारत सरकार

# कार्यालय, सद्दायक गायकर गायुक्त (निर्दीकर्ण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 जून 1985.

निदेश सं० नोटिस नं० 45486,84-85--अतः मुझे, आर० भारताज.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सिके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अगैर जिसकी सं० 10, है, तथा जो चिड्कादिरप्पा गाईन, सेट नामस टाउन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, कारीख 15-12-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त बन्तरण
निश्चित में अस्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्द बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए;

नतः अनं, उस्त नीधीनयम की धारा 269-ए के नमुखरण ने, मी, उस्त नीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्नीनिधित व्यक्तियों, वर्धात् क्रिक्ट 1. श्री पि० वि० कुप्पुस्वामी नायडू, नं० 607, IV ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर-II।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल हामिद सँट, नं० 107,8, कोलस रोड़, फोजर टाउन, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी काड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिनं की व्यिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त श्रीधिनयम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूषी

(दस्तावेज सं॰ 2771,84 ता॰ 15-12-84) सम्पत्ति है जिसका सं॰ 10, जो चिल्काकर्दिरपा गार्डन, सेंट तामस टाउन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 6-6-1985

मोहरः

प्रकृप, बाई, टॉ. एम, एस, ----

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । आहा 269-द (1) के संभीन सुचना

#### जारत परकार

# कार्यालय, तहायक जायक र जायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, बेंगलर

बेंगलूर, दिनांक 4 जून 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45094/84-85--- प्रतः मुके, भार० भारकाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव सर्वे नंव 271, 272 और 273 है, तथा जो नलवनोक्लु विलेज विराजिये तालुंक, कोष्ठमु में स्थित है, (और इससे ऊपाबद अमुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विराजियेट में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-1984

की प्रतिकत सम्मित के उपि । आजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूके यह विकास करने का कारण है कि यभ प्रवेषित संपत्ति का उपित नाणार मूच्य उसके रूप्यमान प्रतिकान से एसे रूप्यमान प्रतिकान का पंत्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए या काया गया प्रतिकान, मिन्नलिकित उद्योदय से उपत जन्तरण निकित में नास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आग की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में श्रीजधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिल्हें भारतीय आयकार किशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अत: अब उधत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, सभीत !---

- श्री बि॰ कें मेंदणा, नं० 45, है प्याइंट नियर चालुक्या होटल, बेंगलुर-1।
  - (2) श्रीमती ए० बीठ बेलियप्पा, (3) श्रीमती पोल्ल सोमध्या, (4) श्री बीठ एसठ नेजाप्पा, (5) श्री बीठ एसठ चेंगप्पा (6) श्री बीठ एसठ जोयप्पा।

(ग्रन्तरक)

2 श्री एम० डी० कावेरियप्पा, नलवनोक्लु विलेज, श्रम्मात्ति नाड, विराजपट तालुक, कोडगु। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षण :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की सबिध या तत्संबंधी स्पानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पाक्तयों में से किसी स्पाक्त स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविधा में किए वा सकने।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया वस हैं।

# ु**जन्<u>स्</u>ची**

(दस्तावेज सं० 572/84 तां० 29-11-1984) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 271, 272 और 273, जो नलवतीवलु विलेज, विराजपेट तालुक, कोडमु में स्थित हैं।

> अ(र० भीरक्षाज मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, बेंगलूर

नारीख: 4-6-1985

मोहर:

0.

# TEN GIE . E. 177. . The manuscript

# आप्याद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अभीय स्थान

#### सारक सरकार

कार्याखक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्फन रेज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45176/84-85--म्बतः मुझे, भार० भारक्षाज,

भायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269 के के अभीन संशाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1, \$0,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 3702/7/1 है, तथा जो राजाजिनगर 11 स्टेज, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिकारी के नार्यालय, राजाजिनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिकित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिकीन, तारीख 30-11-1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्देशय से उन्तर वंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अधि-पियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधर के निए, गरि/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री एन० श्रार० श्रीवत्सा, नं० 12, चारले ट्रेडिंग कारपोरेशन, लंडी श्राफ गुवा बिल्डिंग, बासको-ड-गामा, गोवा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ६० वसन्ता, नं० 291, संपिये रोड़, मल्ले स्वारम, अंगलूर-3।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यनाहियां करता हूं।

बन्ध सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामीन से 30 दिन की अव्धि, खों भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से क्किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पता है।

# बन्त्जी

(स्तावेज सं० 3876/84 ता० 30-11-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 3702/7/1, जो राजाजिनगर II स्टेज, देंगलूर, में स्थित है।

> म्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्राक्क्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 1-6-1985

मोहर :

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

लायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ध धारा 269--ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्तक) प्रजीत रेज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 जून 1985

र्निदेश सं० नोटिस नं० 45207/84-85-प्रतः मुझे, म्रार० भारक्षाज,

मायकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (ियसे इसमें इसफें प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा एक का को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि उथावर सम्मत्ति, जिसका उवित सामार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव ग्रारव एस 833-1, दिव एसव नंव 655-1 एवं है तथा जो श्रन्तावर विलेज, संगलूर में स्थित हैं (और इससे उपावट ग्रन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिक्षकारी के कार्यालय, संगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षित्वम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षीन, तारीख 23-11-1984

को प्योवत संपत्ति के उत्भित बाजार मृत्य में केम के इवयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का एंग्ड्रे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अस पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिषक रूप में कांशित नहीं किया गया है:----

- (क) सन्तरण सं शुर्व किसी भाग की बावत उकत सिंध-विकास के सभीन कार दोने से अन्तरक के सारित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिक्स क्षेत्रपत
- (क्ष्मी किंग्ली बाब या विसी अन या बेब्ब् आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम सा धन कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ क्ष्मीरिती ब्वास प्रकट नहीं किंवा वया था वा किया जाना वाहिए था स्थिपने में सविधा के विका:

अत अध्, उत्थन अधिनियम की धारा 269-य के अनसरण कों, मैं, ध्वनन अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीम, निम्नीजिखित व्यक्तितमा, अधिक क्र--

 श्रीमती शिव देवि यम्मा और मुख्य कोग, बैं० पि० ए० होतंबर: श्री एम० चंन्य्राराजा जैन, बेटकेरि हाउस, प्रांत्या विलेज, कारकला तालुक, मूडबिहि भोस्ट द० क०।

(ग्रन्तरक)

 श्री इ० आर० मो६६ीन बुन्हि, टिम्बर मर्चेट, आदूर, मंगलूर।

(श्रन्तरिती)

को बह स्वता जारी करके पूर्वोक्त तम्पत्ति के वर्षत के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संस्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाबीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिव वाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्तियों में से किसी स्मिक्त क्वारा;
- (क) इस स्वता को राजपर्व में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर गम्पत्ति ये हिसक्द्रभ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्दों और पदों का, जो कवत जीभिनियम के बध्याय 20-क में परिप्राविष्ठ है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियः गया है।

# बन्दकी

(बस्तावेज सं० 1308/84 तां० 23-11-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० ग्रार० एस० 833-1, टि० एस० नं० 655-1ए०, जो ग्रहावर विलेज, मंगलूर सिटि में स्थित है।

> आर० भारकाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्म (निरीक्षण) ग्रजन रेज, बंगकुर

तारीख: 1-6-1985

मोहर:

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ---

भायकर व्यक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

कंगलूर, दिनांक 5 जून 1985 निदेश सं० नोटिस नं० 45181/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारदाज.

कायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगायम' कहा गवा हैं), की धारा 269-त के स्थीन तक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वितका उचित याचार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिन्ही सं० 61/569 है, तथा जो बाजार स्ट्रीट, मंडवा में स्थित है (और इससे उपायक प्रमुची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मंडवा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-11-84

को पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रम्यज्ञान । तिफाल के लिए अन्त्रित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उणित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकृत से बाँधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए अय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की नामत, उक्त मिंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वामित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (क) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एम० एन० बम्हादेव, सुबागनगर, मन्डवा सिटी।

(भ्रन्तरक)

2 श्री ६म० भवतावरमल, बाजार स्ट्रीट, संडवा सिटी।

(मन्तरिती)

को बढ़ सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए: कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की व्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी गविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में से किए वा तकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बत संची

(दस्तावेज सं० 2848/84 ता० 24-11-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 61/569, जो बाजार स्ट्रीट, मन्डवा, में स्थित है।

> आर० भारकाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झामुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगकुर

तारीख: 5-6-1985

महर्.

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

# गरंद सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्स (निरीक्षण)

अजंन रेंज, बंगलूर बंगलर, दिनोक 25 मई 1985 निदेश सं० नोटिंस नं० 45678,84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

गीर जिसकी संव 10-11 है, तथा जो अन्नास्वामी मोदलवार रोड़, बंगलूर में रियल है (ग्रीट इससे उपाबद अनुसूची में श्रीट पूर्ण रूप से विश्वत है), रिविस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी में कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजिस्ट्रीकर्ताण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख 19-11-1985 की पूर्विक्त सम्मान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने की स्मारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मान का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल है। एनलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में

षास्तविक रूप ∕र्म कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में होती किली जाय की बाबत सबस बणि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्य में कभी करने वा उसमें बचने में स्विधा के लिए-और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हा भारतीय आय-कर आधानयम, 1922 (1922 की 11) या उक्त आधानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अयोजनाथ अन्सीरती ब्वारा अकट नहीं किया भया था किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के लिए;

नाः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसार्य ना, मी, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियाँ, अधातः—— 66.—136 GI/85

- श्रीमती पी० आर० लॉलता, 230, इनफेंटरी रोड, बेंगलरा
  - (2) श्रीमती वरलक्सी बोम्मि ग्रौर (3) पी० अत्र वसन्त, वै पि० -ए० होल्डर: श्रीमती नायम्मा, नं० 139, इनफेंट्रीर रोड्, बेंगलूर-1। (अन्तरक)
- श्रीमंती नागर्माण, (2) एच० आर० वेंकटारम-णेथ्या, नं० 21, अन्नास्वामी मोदलयार रोड़, बेंग्लूर-1।

(अन्तरिती)

**की वह सूचना बारी करके** पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील हो 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से जिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में निग् का सकींग।

स्पब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित इ', बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया का है।

#### वतसर्भी

(दस्तावेज सं० 2871/84 ता० 19-11-84) . सम्पत्ति है जिसका स० 10-11, जो अञ्चास्वामी मोदलयार रोड़, बेंगलुर, में स्थित है।

> आर० भारहाज मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेज, बेंगलर

तारीख: 25-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एत. ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म (1) के नधीन सुम्हा

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 1 जून 1985 निदेश सं० 45464,84-85--अत: मुझे,

ानवरा तण ४,5464,84--65--जतः सुध

आर॰ भारहाज,

बाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित आजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 308, 2 सि 1, आर० एस० नं० 469-2 सि० 1 है तथा जो को डियलबैल विलेज, मंगलूर में स्थित है (म्रीर इसने उपाबद्ध अनुमूची में म्रीर पूर्ण रूप से वंणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृन्य, उसके इप्यमान प्रतिफल से एसे इष्टम्मान प्रतिफल का पंत्रक्ष प्रतिमात से अधिक है कोर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) जल्लरण सं हुई किसी नाय की नावश सक्छ जिथिनियम के जभीन क्षार दोने के अल्लरक की दायित्य में कभी करने वा स्वस्ते दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, /1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए वा, कियाने में सुविभा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ६——  श्री के० गाम्बा अल्वात, विशप्स विकटर रोड, अल्वाबर, मंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री जोसफ सि॰ एम॰ एफ॰ गोड्डिग्यूस, नार्थ कम्पाउंड, ऊखा, मंगलूर।

(अन्तर्रती)

भी वह जुलना वादी करके पुना क्या सम्मात्त के वर्णन के जिल्हा कार्यवाहियां करता हो।

# जन्द सम्पृतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई' भी भा**वोप्**ध∺र

- (क) इस स्वा के राज्यत्र में प्रकावन की तारी व वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की ब्रज्ञीभ, जो भी वनभि बाद में समाप्त हाती हो, से भीतर पूर्वे वह स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों जोर पदी का, जा उक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्ण होगा जो उस अध्याय में दिली क्या है।

#### and the sale

(दस्तावेज सं॰ 1199,84 ता॰ 11/84) सम्पत्ति है जिसका सं॰ टी॰ एस॰,308-2 सि॰ 1, आर॰ एस॰ नं॰ 469-2 सि॰ 1, जो को अवलबैल विलेज, मंगसूर, में स्थित है।

> आर॰ भारक्षाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बेंगलुर,

विनांक : 1-6-1985

मोडर 😢

# प्रकर्मा अपूर्ण हो पुरुष पुरुष - नारान्यका सम्बद्ध

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सुभाना

#### मार्व सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त ([नरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं 45873/84-85--अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

बायकर निर्मास , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात 'उक्त निर्मास कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रांर जिसकी संव 45 है तथा जो बेलवाय, कारकला में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रांर पूर्ण रूप से विजत है), र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकत निम्निसिवित उद्देष्य से उचत अंतरण जिनित् में शिस्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी आप की वायत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

णतः तथ उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अं वधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, वर्षात् :---  (1) श्री जि० करणकरा हेगडे,
 (2) श्री जी० निवनचन्द्रा हेगडे, बेलावाय विलेज, कारकला।

(अन्तरक)

2. श्री कें दिवाकर है। है, सवापेट, स्टेट बैक आफ मैसूर के नजदीक, कारकला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहियां बुद्ध करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप प्र--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्यांत्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त काद्धों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यहा है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं०, 464/84 ता० 14-11-1984) सम्पत्ति हैं जिसका सं० 45, जो बेलावाय, कारकला, में स्थित हैं।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख : 1--6-1985

मोहर 🖫

प्रकेष भारा व टी. पुन् प्रतः "-"-

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 1 जून 1985

निदेश मं० नोटिस सं० 45521,84-85-अतः मुझे, भार० भारद्वाज.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विश्वास 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० 89/1 जे० हैं, तथा जो केलरकलाबेंट्टु बिलेज, उडुपि त.लुक में स्थित हैं (श्रीर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुपि में रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य अबचे दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रक्ष प्रतिपत्त की स्वीप है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाया प्राप्तिफल निम्निलिखत उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कियत नही किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी माय की बावत, जबत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थव या जन्क वास्तिजां का जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सविधा चे लिए।

भतः वन, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के जनसरम में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित स्युक्तियों, अभृत :---

- 1. श्री जि॰ सुरेश कुमार, असिस्टेंट मैनेजर, सिङ्किट बैंक, पनूर (तेल्लियोर), कन्नानोर डिस्ट्रिकट। (अन्तरक)
- श्री जोसफ़ैन बोत्तेलो, नेजूर टांसे ईस्ट विलेज, कहिल्यानपर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वित सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यगाहियां करता हां।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षोप :---

- (क) इस सूचना के एवएव में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की बबीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के युअपन में प्रकाशन की तारीस शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्यों और पद्यों का, जी उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. शही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

अमृसुची

(दस्ताविज सं० 1388/84 ता० 30~11~84) सम्पत्ति है जिसका सं० एस० 89/1 जे०, जो केलार-कल बेट्ट विलेज, उड्पि वालुक, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज क्विक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्प (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 1-6-1985

मोहर :

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के जभीन सुचना

#### मारत परकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगल्ए, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं नोटिस नं 45105,84-85---अतः मुझं, अर भारताज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ. के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव आरव सव नंव 220-- , एव दिव एसव नंव 274-एव है तथा जो बेनटूर वार्ड, मंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विश्त है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 22-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उच्चित्र बाजार मृज्य से कम के स्वयमान प्रोत्तान को सिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापृष्ठीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सो, एसे स्वयमान प्रतिफल का अपन्त प्रतिफल का अपन्त प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) कोर अंतरित (अतिरितियाँ) के बीच एसे अंतरण को निष्य तम पाया गया प्रतिकात के निष्य तिस्ति संवास्तिवार उद्योप से उच्च अन्तरण सिचित में वास्तिवार क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) ब्रह्मरण में हुई किसी बाय की बावल, उल्ह बाधिनियम के अधीन कर दोने के ब्रन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को तिए; बोट/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कर्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा वे शिष्

वतः वय, उत्तत विधिनयम की धारा 269-ग को वन्सरक वा, वा उत्तत विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) को प्रथीन, निम्निविचित्र व्यक्तियों, वधारा क्रि उ:क्टर के० जवाराम कामत, पि० ए० होल्डर:
 श्री बी० आर० पे, गोकुलम, मंगलूर।

(अन्तरकः)

2. श्री पीठ बीठ पेनाय, (2) एन० बीठ पेनाय, प्लांटर्स लेन, मंगुनूर। (अन्सरिती)

का वह सुवना वारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

जक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्ष्में :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारी;
- (अ) इस अञ्चल के गजपत्र में प्रकाशन को आरीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्लाक्टीकरण:---- इसमें स्यूक्त शब्दों और नदीं का, जो समक मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्यय में जिया गया ही।

#### अमृस्ची

(दस्तावेज सं० 1293/84 ता० 22-11-1985)

सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 220-ए० टि० एस० नं० 274- ए० जो बेनद्र वार्ड, मंगलूर में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 1-6-1985

धांद्वर 🖫

# प्रकप साई . ही . एत . एस . ------

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45206/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

मौर जिसकी सं अंदि एसं नं 833-1, टी एसं नं 655-1ए, है तथा जो अन्तावर विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपांबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख 23-11-1984

को पूर्णोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पंदह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक इप से कृथित महीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के झधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा औ सिए,

कतः अब, उक्त किंपिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उपत किंपियम की धारा 269-प की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिसिस क्यिनितयों, क्योंत् :---

 श्रीमती शिवादेवि यम्मा श्रीर कुछ लोग, बै० जी० पी० ए०: श्री एम० चंद्राराजा जैनं, बेटकेरि हाउस, प्रांन्या विलेज ऑफ कारकला तालुक, मूडबिद्रि पोस्ट द० क०।

(अन्तरक)

2. जे० रिवन्द्रा, रत्ना विहार, जे प्यिनामोगरू, विलेख मंगसूर-2।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर इक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय '20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्स्चीं**

(दस्तावेज सं० 1307/84 ता० 23-11-84) सम्पत्ति हैं जिसकी सं० अ:र० एस० 833-1, टी० एस० न० 655-1ए०, जो अन्तावर विलेज, मंगलूर तालुक, में स्थित हैं।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 28-5-1985

मोहरः

प्रकप बाइ .टी. एन. एस . -----

नायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० 45212/84-85—अतः, मुझे, शार० भारद्वाज बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के सभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का अवश्य हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० आर०एस०नं० 833-1, 834, दि० एस० नं० 655-1ए स्रोर 654 है, तथा जो अलावर विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित हैं (स्रोर इस से उपाबद्ध अनुसूची के में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 23-11-

काँ पूर्वीकत संपरित के स्थित बाबार मून्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं बार मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीकत सम्परित का उचित बाजार पृथ्य, उसके दश्यमान प्रतिकास हे एसे दश्यमान प्रतिकास के जन्मह प्रतिकात से अधिक हे बार बंतरक (बंतरकार) बार बंतरिती किंतरितियाँ) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-जन, निम्नसिवित द्वार पे उक्त बतरण जिल्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भन या अस्य आस्टियों को, जिन्हें भारतीय वायकार विभिन्नियम 1922 की 11) वा उकत विभिन्नियम, गा धन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय बंदा या या किया जाना वाहिए था, जिनाने में राजिया के सिए;

अतः अस्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शिवदेवियम्मा श्रीर कुछ लोग, प्रतिनिधि:—श्री एम० चन्द्राराजा जैन, बेटकेरी हौस, प्रांत्या विलेज, कारकला तालुक, मूर्डबिद्रि पोस्ट, द० के०।

(अस्तरक)

(2) डाक्टर टी॰ सुकुमार शेट्टी, 'सुप्रवाना', लोवर बेनदोर, मंगल्र-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कामेबाहिया गार करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की हारी से 45 दिन की अविध मा तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्वान की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वी कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निवित में किए जा सकरें।

स्वव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, को उक्स अधिमित्रम् के सभ्याय 20-क में परिशासित हूँ, यही वर्ष होगा को उन्ह मध्याय में दिया गवा हैं।

## अनुसूची

(बस्तावेज सं० 1317/84, तारीख 23-11-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० आ२० एस०-833-1, 834, टि० एस० नं० 655-1ए० ग्रीटर 654, जो अन्तावर विलेज, मंगलूर सालुक, में स्थित है।

> आर० भारकाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

सारीख: 28-5-1985

मोहर:

प्रकल साहे, टो. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### . भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 1 जून 1985

निदेण सं० 44731,84-85--अतः मुझे, आर० भारताज,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'टक्त अधिनियम' ऋहा गवा हु"), की धारा 269- ब के मभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी सं० धार० एस० 469-2सी०1, टी० एन० नं० 308-2मी01 है, तथा जो कोडियबलबलि विलज, मंगलूर तानुकमें स्थित है (भ्रोर इस से उपन्बद्ध अनुसूची में भ्रोर पर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन र्त.रीख C-11-1984 I मंगलुर

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास फरत का कारण है कि यथाप्जीकत सम्परित का उचित राजार गुला, उसके रायमान प्रतिकल में, एस रायमान प्रतिफान का क्रम्बह् प्रतिशत से मिथक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निरं वब शया गरा। प्रतिफल, निम्नलिधित उद्वेषय से उक्त मन्तरण मिखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है ≉---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की वावत, विधितिस्य के स्थीन कर येथे से मनारक के वाधित्य में कमी करने या नसल क्याने में स्विधा के विष्: बीच/मा
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों की. जिन्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा 🔹 सिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के कन्सरण के, के उसत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) ले अधीन निस्तिचिक्त वावित्वा, क्यांत इ--

(1) श्री मनवेंन्द्रान । य एस० गेट्टी, बैं० जी०पी०ए० होल्डर : श्री के०एस० पोट्टी, को डियल बैल, मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० शोबा कोलेयन मेनडोंन्का, बै० पी०ए० होत्डर: श्रीमती सलैन नजरन, ए०आर० डिसौजा लैन, बेनदोर, मंगलूर-2।

(अन्तिरिती)

को नह सूचना चारी कारके धर्मीक्स संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

बक्त सम्परित को नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जिक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

(दस्तावेज मं॰ 1197,84, मारीख 6-11-1984) रागम्ती है जिसका सं० आर० एव० 46093 मि 1, टी० ए 10 नं 308-2 मि 1, जो को डियन मैन विनेज, भूमंगलूर सिटि, में स्थित है।

> आर० भारताज 🖁 मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगजर

सारीख: 1-5-1985 ं

मोहर 🛊

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन मुजना

#### भारत सरकार

कार्यासय : महायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45093/84-85--अतः मुझे, आर०भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 890/ए है, तथा [1 जो स्टेंज, सिद्धारता लेग्रीट, मैसूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिशारी के कार्यालय मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नयभ्बर 1984

को पृंबोंक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मृल्य से कम की दब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वर्ष और मृभ्दे यह विद्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रथमान प्रतिफल सी, एसे क्रथमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कार्यित महा किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या जिली धन या जन्य आस्तियों कार, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया धार्म वाहिए जा, जिनाने में सुविधा के लिक्ट

जतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग को अलसरण में, मैं. उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---67—136 GI/85 (1) श्री श्रीवर भट्ट, भागस्त : मेसर्स श्री कृष्ण फैनानस कारपोरेशन, न्यू सय्याजि राव रोड़, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजागोपाल, आडिटर और टाक्स कनसलटेंट, नं० 1491, श्रीरामपेट, मैसूर।

(अन्तिरिती)

का यह सूचना कारी करकें पृथीकत सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाही करता हैं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्व्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्पथ्डीकारणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनिकत के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस कर्याम में दिया नवाहै।

## जन्स्यी

(बस्तावोज सं० 3918/84, तारीख नवम्बर 1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 890/ए, जो II स्टेज, सिद्धारता लेग्रीट, मैसूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 1-6-1985

मोहर :

# ' प्रकार चार्च'.डी.**ए५.एड** ्-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे अंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45197/85-84-अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

नायकर लिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसमें प्रेंचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के संधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छीचत बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 498/बी, टी० एस० नं० 93/बी है तथा जो अन्तावर विलेज , मंगलूर सिटि में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन तारीख 27-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान पतिकास के सिए अन्तरित की मई है और मृक्ष यह निष्वाध करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार कुन्य से लिए का तिष्क का स्थाप करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार कुन्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास का लिए में विषक का कारण है किए सब पावा प्रतिकास से जिल्हा की किए सब पावा परिकास, निम्नसिवत उद्विश्व से उक्त अन्तरण जिल्हा में कार्या प्रतिकास, निम्नसिवत उद्विश्व से उक्त अन्तरण जिल्हा में कार्या कराइक स्थाप का कारण जिल्हा कर से कार्या विषक स्थाप कार्या प्रतिकास, निम्नसिवत उद्विश्व से उक्त अन्तरण जिल्हा का कारण जिल्हा का कारण जिल्हा कारण जिल्हा का कारण जिल्हा का कारण जिल्हा का कारण जिल्हा कारण जिल्हा कारण जिल्हा कारण जिल्हा कारण जिल्हा कारण जिल्हा का कारण जिल्हा कारण

- (क) वन्तरण से हुई जिल्ली बाव को बाबत अक्त बीध-नियम के अधीन कर बोने के बन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने या उन्नस बचने में त्रिवधा के लिए बार/या
- (ण) एसी किसी आग या किसी अन का अन्य अनिस्तर्था की, जिन्हें आरसीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्तर अधिनियम, या पत- कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) अं प्रयोजनार्थ जन्तीरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविभा के लिए;

अत: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उपल अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के जधीन, निम्नीनिविध व्यक्तियों, बचाँत है--- (1) श्री ए० विठ्ठल राव, होंगें बाजार, बोलार, मंगलूर ।

· (अन्तरक)

(2) श्रीमती राजिवि एस० पुत्राम, बोलार, फेरिर रोड, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के रि कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की छारीय है 45 दिन की अवधि या तत्कानमधी स्वित्यों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में तनापत होती हो, के भीतर प्रवेचत स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा,
- (क) इत तुमना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पांच दिश्चित में किए वा सकोंने।

स्वजीवरणः ---- इसमें प्रयूचत शक्यों मीर पद्यों का, जो अवस अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गक्षा है।

#### नग्रुची

(वस्तावेज सं० 964/84 तारीख 27-11-84) सम्पति है जिसकी सं० आर० एस० 498/बी, टी० एस नं० 93/बी जो अन्तावर विलेज, मंगलूर सिटि में स्थित है।

> आर० भारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिमांक: 1-6-1985

मोहर 🤒

अक्स बाइ . हर्ड . एस . . --------

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वे नभीन वृत्रना

#### भारत परकार

# कार्यात्रम, सहायक शामकार नामुक्त (निहाँकान)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 जूने 1985

्रामियेश सं नोटिस नं 4511.1/84-85-अतः मुझे, औरि भारद्वाज.

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें परकात् 'उनत निधिनियम' कहा नवा ही, की वाद 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित नाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 95/बी है तथा जो सरस्वातिपुरम मैसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधन अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) - रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाचार मूच्य से कंत्र के सममान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है जार मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूच्य उसके सम्मतान प्रतिफल से, ऐसे स्वयंत्र प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अंतरितियार्ते) के बीच ऐसे अंतरण के निए तम पामा गया प्रतिकृत, निम्नतिवित उद्वेश्य से उक्त जम्मरण निवित्त में बास्तविक क्य से कायत नहीं किया क्या है है—

- पूँकों सम्प्राप्त से हुई किसी शाम की नावत, उन्धं सीमीनसम के सभीन कह दोने के सम्पर्क के सामित्व में कनी कहने ना उत्तते नचने में सुनिधा के सिए; सीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी थन वा बन्य वास्तिक. को चिन्हें भारतीय वासकार विभिन्नमं, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिन्नमं, मा धन-कर विभिन्नमं, 1957 (1957 का 27) के ब्रोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं निजा नवा था या किया वाना चाहिए था, स्क्रियाने में स्विधा के जिए;

ततः त्रव, उत्रत वीधीनयम की धारा 269-व के वनुसरण वें, में उत्तर वीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निक्तिविक व्यक्तियों, वर्षीक् ह—- (1) श्री एम० दुर्गेशा, नं० 95वी, II क्लास 9 मैन सरस्वातिपुरम, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० टी० वेंकटागोडा, क्यालनाहिल्ल पंडाबपुरा तासुक, मैसूर डिस्टिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्चन के सिए कार्य-नाहिनां करता हुं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र.~-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की बर्वीण मा सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वों कर स्थानिक यो में से किसी स्थवित कुवादा;
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की सारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनद्भ किसी बन्य स्थानत द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जा उस अभ्याय में विद्या गया है।

#### अग्लुकी

(बस्तावेज सं० 3973/84 तारीख 15-11-84)

सम्पति है जिसकी सं० 95/बी, जो सरस्वातिपुरम, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

ं **दिनां**क : 1-6-1985 ं

मोहर 🗯

# इस्ल भार टी. एन . इस . ------

# कायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुवना

#### पारत रहस्का

# कार्याजय, सहायक जायकर शायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 जूम 1985

निदेश सं० नोटिस सं० 45173/84-85<del>- अ</del>तः मुझे आर० भारद्वाज,

नामकार अभिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का ब्राल्ण हैं कि स्थावर संपत्ति, विस्ता सक्ति बातार प्रका 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 3702/7/1 है तथा जो [1 स्टेज, राजाजीनगर् बंगलूर में स्थित है (ग्रीण इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उराजाजि नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम नवस्बई 1984

को पूर्वोकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान शिक्षफ के लिए अन्तरित की गई है और मूर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यभाष्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल में, एमें इस्प्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नानत, उक्त का बिशियन के निमेत कर देने के नृत्यरक में दाविस्म में कभी करने या उससे वचने में सुविधा ने निम्
  - (का) श्रेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बारिस्त्यों की जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या भन-कर बिधिनयम, 1957 , (1957 का 27) के प्रयोजनाई अस्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में इंडिया के बिद्ध;

अतः अत्र, उन्त त विभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) क अधीन निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्री एम० आर० श्रीवस्था नं 12 पारले ट्रेडिंग कारपीरेशम, वासकोडीगामा, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० ए० नागलक्ष्मी नं० 503/48, VI मेन रोड, सुन्नामण्यामगर, बंगलर-21।

(अन्तरिती)

को बहु शूचना चारी करके पृत्रों कर सम्मृतिस के वर्षण के किए कार्यमाहियां शुरू करता हूं।

# 

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, श्री भी सर्वाध बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के शस सिबित में किए जा सकेंबे

प्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त सुन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, यही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## पनुसूची

(दस्तावेज सं० 3872/84 नवम्बर 84 सम्पति है जिसकी सं० 3702/71 जो II स्टेज, राज्याज-मगर, बंगलूर में स्थित है।

> आर० भारक्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

म†का : 1-6-1985

मोहर 🕫

प्रस्य बाह्र . टी. एन. एवं.----

नायकर अधिमिनम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकारू

कार्यालय, सहायक अधकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्य, दिनांक 1 जून 1985

निवेश सं० नोटिस नं० 45214/84-85—अतः मुझे, आर० भारदाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

घाँग जिह की संव आगव एसव नंव 833-1 टीव एसव नव 655-1 ए है तथा जो अन्तावर विलेज मंगलूर सिटि में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्री- वर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-11-1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई अर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योक से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप में किथल नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वायत, उकत निध-शोधनियंश के नधीन कर दन के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; जीड्/वा
- (स) एसी किसी भाष या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपभारा (1) दे वधीन, निम्निविषक व्यक्तिका क्यांक्रिक (1) श्रीमती शिवादेवियम्मा श्रीर कुछ लोग बै एजेंट श्री एम० चन्द्राराजा जैन, जैन हाउस, अन्तावर, मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) 1 बी० विश्वामाथ आलवा बोलार, मंगसूर, 2. श्री एम० रागवा, वास लेन, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को वह सुभना झारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के मर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजवन में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 विन की जबिभ, जो मी अविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित स्थानतामें में से किसी स्थितत द्वारा;
- (च) इस स्वान के राजवन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिशबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अमाह शाक्षिण के पास मिश्रिक में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदी का., जो उपत बीधनियम के अध्याय 20-क म परिभाषिक क्षी, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### नगरा की

(दस्तावेज सं० 1319/84 तारीख 23-11-1984) सम्पति है जिसकी सं० आग० एस० 833-1, टी० एस० नं० 655-1ए,जो अन्तावर विलेज, मंगलूर सिटि में स्थित है।

> आर० भार**हाज** सक्षम प्राधिका<sup>ल्ल</sup> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष अर्जम रेंज, बंग

दिनांक : 1-6-1985

मोहर 🚜

# प्रकृष बाहु . ही . एन . एस . ------

बायक्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कानीवय, बद्धायक नायकार नायुक्त (निर्दाक्तिक)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनां ज 1 जूम 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45205/84-85 अतः मुझे, आर्० भारक्षाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पर्वात् जिक्त अधिनियम कहा गया ही), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी औ, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं आर एस० 833-1, टी० एस० नं०, 655-1ए है तथा जो अन्ताघर विलेज मंगलूर सिटि में स्थित है और इसी उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-11-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार गृत्य है कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से क्षित महीं किया गया हैं:---

- (क) जलारण ने हाइ किसी नाम की शनता, उपध निधित्वम की संधीत कहा बोने के समाहक की सामिश्य में कनी कहने या उसरो अपने में स्विधाः के निहा और/या
- (क) एंसी किसी शाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उनत विधिनियम कौ धारा 269-स के जनुसरण को, को, उनत विधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के बचीन निम्नतिचित व्यक्तियों , अर्थात् ि—

(1) श्रीमंती शिवादेवियम्मा भ्रौर कुछ लोग बैंपी० ए० होल्डर, श्री एम० चन्द्राराजा जैम बैटकेरि हाउस, प्रान्तया विलेज, कारकला तालुक, मूडबिद्रि, पोस्ट, द० क०।

(अन्तरकं)

(2) श्री ६० आरं० मोहम्मद कुनहि, टिम्बर मरचेन्ट, आंदूर, मंगलूर।

(अन्तरिती)

# का वह स्थान नारी करके पूर्वाक्स सम्मरित के व्यक्त के किए

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति,
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीटर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के वास निविक्त में किए जा सकेंगे।

## अमृस्ची

(दस्तावेज सं० 1306/84 विनांक 23-11-1984) सम्पति है जिसकी सं० अरर० एस० नं० 833-1, टी० एस० नं० 655-1ए जो अन्तावर विलेज, मंगलूर सिटि में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक : 1-6-1985

मोहर 😃

## ् अक्ष्य वाष्ट्रं हो। एवं युश्चः -------

बार्यका कॉपिन्डाम, १९६१ (1961 का 43) की बारा 260-स (१) के संपीत सुपना

#### भारत बरकाल

# कार्याक्य, बहाबक कापका नामकत (निर्पाक्त)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० श्राई ए०सीं०एक्यू०/3/18/85•86— श्रतः मझे, एम० सीं० जोशीं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की गृह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूख्य 1.20,000/- रह. से अधिक हुँ

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 14, जिसका श्राधा भाग है, जो घतोली नागपुर में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगते है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के नार्यालय, नागपुर (डाकूमेंट संव 6406/84) में भारतीय रिजस्ट्री एरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के श्रधीन 19-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचितित उद्वेष्य से उचित बन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उप्त मिश्वियम की अभीन कर दोने के अन्तरक फे बायित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एंसी किसी जाय या किसी भन या अत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर किसीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया प्रमा था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बत:, क्रम, उक्त किथिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षांतु :---  श्रीमिति श्रीरज बेन पारेखाः चलेकार बिल्डिंग मी०ए० रोड, नागपुर।

(ग्रन्तरकः)

(2) मे० गजराज बिल्डसं, 334 बी राणी लक्ष्मीनगर, नागपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह श्रृथना काशो कारके पूर्वोक्स संपत्ति का अर्थन की निष् कावनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की शामीस से 30 दिन की अविध, को भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगें।

स्पव्योकपुण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उन्हें जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा मना है।

#### अनुसूची ,

नार्दन पोरणन प्लाट जियका श्राधा भाग, जो कि प्लाट नं 14, और उस पर का पुराना बोध सम जो बतोली नागपुर में, स्थित है प्लाट एरिया 4750 का है श्रतः पुराना बोधकाम 2000 स्केव० फीट का है।

> एम सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, नागपुर

तारीख 8-5-1985 मोहर:

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 21st May, 1985

No. A.35014|1|84-Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated the 18th February, 1985, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Karan Singh, Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Accounts Officer in the Commission's office on ad-hoc basis for the further period from 1-5-1985 to 15-6-1985 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri Karan Singh as Accounts Officer will be on deputation terms and his pay will be regulated as per instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.1(11)E. III(B)-75 dated 7-11-1975.

VIJAY BHALLA, Section Officer (Admn II) Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

Now Delhi, The 11th June, 1985

N. A-31016/14/80/AD. I (DPC) Dy. SP.—In exercise of the powers conferredby Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Central and Appeal) Rules, 1965, Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishments, hereby substantively appoints the following Deputationist Dy. SP in the CBI as Dy. SP W.e.f. 27-3-1984.

Sl. No,	Name and date of birth	Date of appointment as deputationist Dy. SP in CBI	State Police/ Department from which on deputa- tion with present rank	Present place of posting in the CBI		
	2	3	4	5		
1.	Sh. B. M. Patil	19-2-1970 Maharashtra				
	5-12-1927		Dy. S. P.	Bombay.		

2. Director, CBI, in terms of powers vested in him vide MHA OM No. F. 44/1/59-Estt. (A) dated 15th April, 1959. exempted the aforesaid DY. SP to undergo the period of probation.

#### The 13th June 1985

No. A-19021|5|81-AD.V.—The services of Shri S. K. Sharma, IPS (Rajasthan-SPS) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Jaipur Branch on repatriation are placed at the disposal of Government of Rajasthan with effect from the afternoom of 3rd June, 1985.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 12th June 1985

No. E-16014(2)]1]85-Pers.I.—On appointment on deputation Shri B. S. Garcha. Deputy Commandant of BSF,

assumed charge of the post of Commandant CISF Unit KSTPP Korba with effect from the forenoon of 17th May

Sd. ILLEGIBLI P. K. RAMACHANDRAN

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL AUDIT (I) MAHARASHTRA

Bombay 20. the 9th May 1985

N. Admn. I/Audit/Genl/AAO/2(1)/2.— The Accountant General (Audit) 1, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Assistant Audit Officers (Group-B-Gazetted) with effect from the dies me tioned against their names, until further orders:

S1. No.	Name .	Date of appointment as A.A.O.	Office to which posted
	2	3	4
1.	Shri G. H. Pathan	8-5-1985 (F.N.)	D. A. (C), Bombay
2.	Shri C. R. Sivadasan	18-4-1985 (F.N.)	do-
3.	Smt. R. Bhagyalaxmi	18-4-1985 (F.N.)	do-
4.	Shri D. V. Sule	16-5-1985. A (F.N.)	.G. (AU), I, Bombay

P. K.RAMACHANDRAN Sr. Dy. Accountant General/Admn

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) KERALA

Trivandrum, the 30th May 4985

No. Estt.A.V|9-86|Vol.II|60.—The Accountant Genl. (A&E) Kerala is pleased to appoint Shri S. Chandrasekharan Nair (No. 1). Section Officer to officiate as Accounts Officer with effect from 22-3-85 FN until further orders.

The appointment is provisional and subject to further orders appointment is provisional and subject to further orders.

The appointment is provisional and subject to further orders as may be issued by the Hon'ble High Court of Kerala in Civil Miscellaneous Petition No. 1749|84-K in O.P., No. 750|84 K.

S. GOPALAKRISHNAN Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

## MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPGETS

New Delhi-110011, the 10th June 1985

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 1|16|83-Admn.(G)|2988.—The President is pleased to appoint Shrimati P. Swaminathan, (CSS SG SL 1983) to officiate in the Selection Grade of the CSS and as Jt. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the

Jt. Chitf Controller of Imports & Exports, Bombay on ad-hoc basis for a further period of 3 months wef 21st May, 1985.

S. I. TRIPATHI
Chief Controller of Imports & Exports

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE ECONOMIC ADVISER

New Delhi, the 7th June 1985

No. A-32013(1)|81-Ec.Ad.—The President is pleased to appoint Shri Ram Kirpal Meena, a Grade IV Officer of the Initian Economic Service as Research Officer in the Office of the Economic Adviser, Ministry of Industry & Company Affairs with effect from the forenoon of 7th May, 1985.

MANMOHAN SINGH Additional Economic Adviser

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 7th June 1985

No. A-19018(109)|73-Admn(G).—Consequent on his appointment as Scientist|Engineer 'SE' in the Department of Electronics, New Delhi, Shri VKR Prabhu, relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Electronics) in the Office of the DC (SSI). New Delhi, on the forenoon of 17th May 1985.

#### The 17th June 1985

No. 12(684)71-Admn(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Fouzdar, Assistant Director (Gr. I) (General Administration Division) in the Office of the DC (SI), New Delhi as Deputy Director (General Administrative Division) in the same office on Ad hoc basis for a period from 14-5-85 to 29-6-85 via Shri S. K. Purkayastha, Dy. Director (GAD) proceeded on leave w.e.f. the forenoon of 14th May, 1985.

C. C. ROY Deputy Director (ADMN)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A6)

New Delhi-110 001, the 21st May 1985

No. A.17011|75-A.6.—The President is pleased to appoint Shri H. N. Chakravorty, Assistant Inspecting Official (Textiles) to officiate as Inspecting Officer (Textile) (Grade) III of Indian Inspection Service) (Textile Branch) on ad hoc basis for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

2. Shri H. N. Chakravorty relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Textiles) on the forenoon of 25th April 1985 and has assumed charge of the post of Inspecting Officer (Textiles) Bombay Inspection Circle, Bombay on the same date.

S. L. KAPOOR Dy. Director (Admn.)

# MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 12th June 1985

No. EI-12(64) 84(.).—On attaining the age of superannuation, Shri S. P. Chakraborty, Assistant Commissioner of Payments has relinquished the charge of the post with effect from 31-5-1985 (Afternoon).

S. K. SINHA Deputy Iron & Steel Controller (KHAN VIBIIAG)

# GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 30th May 1985

No. 5449B|A-19012(1-TNR)|83|19A.—Shri T. Nageswara Rao is appointed as an Assistant Geological in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the Forenoon of the 15-2-1985 until further orders.

#### The 4th June 1985

No. 5687B|A-19012(1-RKS|81|19A.—Shri Rajesh Kumar Sanwal, Assistant Geologist, Geological Survey of India has been released from service in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 30th June, 1983 for joining the post of Assistant Geologist in the P.W.D. Research Institute, U.P., Lucknow on lien for a period of 2 years.

#### The 5th June 1985

No. 5711B|A-19012(1-AS)|84-19A.—Miss Amiya Sarkar. Senior Technical Assistant (Geologist) Geological Survey of India is appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th March, 1985 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India.

# DEPARTMENT OF CULTURE ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 14th June 1985

#### (ARCHAEOLOGY)

No. 11|3|85-M.—In exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I. M. C. Joshi, Director (Exploration) hereby direct that no fee shall be charged for entry to monuments at Rajgiri Hill Fort, Gingee, South Arcot District, Tamil Nadu for a period of 10 days w.e.f. 29th April, 1985 to 8th May, 1985 on account of annual festival of Devi Kamalakanni Amman.

M. C. JOSHI Director (Exploration)

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 12th June 1985

No. A. 12026/1/84-ME.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. P. Ahir, to the post of Accounts Officer at Lady Hardinge Medical College and S. K. Hospital, New Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 17th May, 1985 and until further orders.

P. K. GHAI ,Deputy Director Administration (C&B)

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 6th June 1985

No. DPS|41|12|85-Adm|1463.—The Director, Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic Energy appoints Shri Virender Kumar, a permanent Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 8-4-85 (FN) to 10-5-85 (AN) in the same Directorate Vice Shri J. P. Sharina, Assistant Accounts Officer granted leave.

#### The 7th June 1985

No. DPS|41|15|85-Adm.|1469.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri E. Govindan Nair, A permanent Jr. Storekeeper and Officiate as a Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 4-1-1985 (FN) to 26-4-85. (AN) in the same Directorate Vice Shri Arabinda Panda, ASO (Indents), AMD Hyderabad granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 9th May 1985

#### ORDER

No. NFC|PA.V|2606|4175|2015—WHEREAS it was alleged that "Shri Ch. Narahari Rao while employed as Helper A. ZEF, NFC has been remaining absent from duty unauthorisedly (without sanction of leave) from 25-6-84 onwards and thereby commpitted an act of misconduct in terms of Rule 3(1) (ii) and 3(1) (iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964":

AND WHEREAS the said Shri Narahari Rao was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide Memo No. NFC PA V|2606|4175|1482 dated 9-11-84.

AND WHEREAS the memorandum sent to the said Shri Narahari Rao by Regd. post to his residential address at H. N. 12-8-275/6/4, Mettuguda, Secunderabad-500 017 has come back, undelivered with the postal remark continue party 7 days absent hence R sender;

AND WHFREAS a copy of the memorandum was sent to the said Shri Narahari Rao under certificate of posting to his residential address at H. No. 12-8-275 6 4, Mettuguda, Seconderabad-500 017:

AND WHEREAS the said Shri Narahari Rao did not submit his written statement of defence at all;

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. 'NFC|PA.V|2606|4175|1762 dated 4-2-85;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 11:4-85 holding that the charge levelled against Shri Narabari Rao as proved beyond reasonable doubt;

AND WHEREAS the undersigned on carefully going through the records of the case including the inquiry report dated 11-4-85 (copy enclosed) holds the charge as proved and has come to the conclusion that Shri Narahari Rao is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service may be imposed on the said Shri Narahari Rao;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) to sub-rule (2) of Rule 12 of CCS (CC&A) Rules, 1965 hereby removes the said Shri Narahari Rao, Helper A, ZFP, NFC from service with immediate effect.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

Encl: a. a. Shri Ch. Narahari Rao 12-8-257|6|4, Mettuguda Secunderabad-500 017.

# ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 14th June 1985

No. AMD-4/1/85-Rectt.Vol IV.—Director. Atomic Mineral Division. Department of Atomic Energy hereby appoints

Shri B. K. Sinha, a permanent Overman and Officiating Foreman 'A', Atomic Minerals Division as Scientific Officer Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1985 until further orders.

No. AMD-16|9|85 Rectt—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. M. Kaushik, a permanent Assistant, AMD to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad hoc basis with effect from the forenoon of May 27, 1985 to June 28, 1985 vice Shri K. A. Pillai, Assistant Personnel Officer, granted leave.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

# MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi 3, the 12th June 1985

No. E(I) 05954.—Director General of Meteorology regrets to notify the death on 17-5-1985 of Shri J. R. Baneriee, an officer of Indian Meteorological Service Group 'B' Gazetted, posted as Assistant Meteorologist in the office of Director, Agrimet, Pune.

K. MUKHERJEE

Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th June 1985

No. A.32014 184-EA.—The Director General is pleased to appoint Sh. B. C. Manghara, adhoc Asstt. Aerodrome Officer to the same grade on a regular basis w.e.f. 1-6-85.

Sh. B. C. Manghara is posted at Bombay Airport, Bombay.

M. BHATTACHARTEL
Asstt. Director of Administration
for Directoh General of Civil Axiation

## New Delhi, the 29th May 1985

No. A. 31014/1/85 EC.(·)—The Director General of Civil aviation is pleased to appoint the collowing officers in the grade of Assistant Communication Officer in a substantive capacity in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the date indicated against each:

Sl. No.	Name						- a	Date when appointed in substantive capacity	
1			2					3	
. 5	S/Shri		,					······································	
1.	L. S. Govila .		′		•			24-1-1984	
2.	D. K. Chowdhury					٠	;	24-1-1984	
3.	V. I. Ramamurthy							24-1-1984	
4.	P. R. Ganguly.					٠.		24-1-1984	
5.	R. S. Bhagirath							24-1-1984	
6.	S. K. Pal :					٠.		24-1-1984	
7.	J. C. Day Sarkar				:			24-1-1984	
8.	S. L. Sardana .	. •						24-1-1984	
9.	S. R. Despande	٠.		,				24-1-1984	
10.	Gaj Ram Singh				_ •			24-1-1984	

1.	2				3
11,	R. S. Nagar	 			24-1-1984
12.	D. N. Sune		,		24-1-1984
13.	R. K. Modak				24-1-1984
14.	S. M. Kulkarni				24-1-1984
15,	S. S. N. Murthy	, .			23-4-1984
16,	B. C. Ghosh	,			23-4-1984
17.	Tirath Singh Rekhi				23-4-1984
18.	R. Govindarajalu			,	23-4-1984
19.	Sukumar Chanda			,	23-4-1984
20.	K. S. Murthy				23-4-1984
21.	S. K. Chatteriec				23-4-1984
22.	R. T. Singh .				3-5-1984

J. C. GARG

Dy. Director of Administration

## New Delhi, the 6th June 1985

No. A.31014 [1]83-F.C(.).—In partial modification of this office Notification of even number dated the 5th Feb., 1985, the name of the official at Sl. No. 53 may be read as "Shri Sirinderjit Singh" instead of "Shri S. S. Kang".

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 13th June 1985

No. A.19012/1101/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Suresh Kumar Mutreja, Design Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB 35-880-40-1000-10-40-1200 with effect from the forenoon of 18-5-1985 until turther orders.

The abovementioned officer will be on probation in the grade of EAD AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

No. A-19012|1105|85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Arjun Singh, Design Assistant to the grade of Extra Asstt, Director|Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 20-5-1985.

2. The abovementioned officer will be on probation in the grade of EAD|AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

No. A-19012/1106/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-8), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Satyendra Kumar Chaturvedi, Design Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale or Rs. 650-30-740-35-810 EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 18-5-1985 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

## The 17th June 1985

No. A-19012|1079|85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion of Committee (Group-B),

Chairman, Central Water Commission appoints Shri Prabir Kumar Burman, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director: Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-12B-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 8-3-1985 until further orders.

2. The anovementioned officer will be on probation in the grade of EAD(AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. Central Water Commission

#### CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

# Pune-24,the 13th June 1985

No. 606/194/85-Admn.—Consequent on his Selection by the Union Public Service Commission, New Delhi, the Director, Central Water and Power Research Station, Khadskwasla, Pune-411/024 hereby appoints Shri Mudhamalle Manikya Rao to the post of Assistant Documentation Officer on a pay of Rs. 740/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35\_880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 3rd June 1985.

Shri M. M. Rao will be on probation for a period of two years with theet from 3-6-1985.

B. G. PATWARDHAN Administrative Officer for Director

## NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 13th June 1985

No. G-65/S.O.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri Balla Vijay Raju a Scientific Assistant (Electrical) National Test House, Madras as Scientific Officer (Electrical) in the National Test House, Madras Branch Office, Madras with effect from 24-4-1985 (A|N) on a temporary basis until further orders.

J. M. BHATTACHARJEE Deputy Director ((Administration) for Director General

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Lakshmi Gypsum Products Ltd

# Madras-600 006, the 7th June 1985

No. DN|4926|560|85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 ( ) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereo' the name of Lakshmi Gypsum Products Ltd., unless cause i shown to the contrary, will be struck off the Register anthe said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of The Burma Timber Trust Private Ltd.

Madras-600 006, the 7th June 1985

No. DN|203|560|85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 ( ) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Burma Timber Trust Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of The Madras Sports Private Ltd.

Madras-600 006, the 7th June 1985

No. DN | 1442 | 560 | 85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 ( ) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Madras Sports Private Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE Asst. Registrar of Companies Tamil Nadu In the matter of the Companies Act, 1956 and of M\S R. G. Rubber & Fans Private Limited.

Jalandhar City-144003, the 12th June 1985

No. C|STAT|560|3983|2631.— Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three mouths from the date hereof the name of M|S R. G. Rubber & Fans Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of the MS.

Singla Cements India Private Limited.

Jalandhar-144003, the 12th June 1985

No. G|STAT|560|5027|2629.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Singla Cements India Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies, Punjab, Himachal Prades & Chandigarh

(1) Smt. Dhirajben Parekh, Klalokar Ruilding, CARD, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Gajraj Builders, 334, B. Rani Laxminagar, Nagpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 8th May 1985

No. IAC|ACQ|3|18|85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

as the portion of plot No. 14 situated at Dhantoli, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of Income-tax Act, section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Nagpur on 19-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - engler;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27, of 1957))

THE SCHEDULE

Northern half portion of Plot No. 14 admeasuring 4750 sq. ft. with old structure standing thereon about 2000 sq. ft. situated at Dhantoli, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range,
Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 24800 of the salu Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985

(1) Dr. T. N. Valajkar, Department of Sociology, Poona University, Pune,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jyotsna Subhash, Mahreed Pattewar Colony, Latur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 5th June 1985

Ref. No. IAC|ACQ|8|19|85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding its. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1-A of the building known as Kanchanben of Kanchan Co-operative Housing Society Ltd., situated in Description.

Dharampeth, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of Income-tax Act, 196t in this Office on 30-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1-A of the building known as Kanchanben of Kanchan Co-operative Housing Society Ltd. situated in Dharampeth, Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 28th February 1985

Ref. No. AC-107]R-II]Cal]84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

10/1/F, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 20-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Greenwich Holdings (P) Ltd. of 160/C, Chittaranjan Avenue, Calcutta-700007.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Shankar Agarwal of No. 9, Ducres Lane, Suit No. 17, 2nd floor, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hospianation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Flat No. 2A, measuring 2450 sft. situated at 10/1/E, Diamond Harbour Road, P.S. Alipore, Calcutta-27, Registered before the Competent Authority on 20-10-1184 vide Sl. No. 30 of 1984-85.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 28-2-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri K. C. Narayana Menon, Chittezhathu, Iyyattil House, Iyyattil Lane, Ernakulam, Cochin.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Roy Mathew, Nadukudiyil House, Kothamangalam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

"NARAYANI NILAYAM"

WARRIAM ROAD,

COCCHIN-662016

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Cochin-662016, the 30th May 1985

Ref. No. L.C. 748/85-86.—Whereas, I, MRS. S. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred undtr the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as siven in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

6.250 cents of land with building in Sy. No. 711/1 & 2 of Ernakulam Village, registered at SRO Ernakulam vide Document No. 3219 dated 5-10-1984.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purpless of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) e rihe said Act, or the Wealth-tax. Act. 1937 (27 of 1957);

MRS. S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the lame of this notice timilar sub-specifica (1) of Section 269°D of the said Act, to the fallowing persons namely:—

Date: 30-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Madhavankutty, Iyyattil House, Iyyattil Road, Ernakulam.

(Transferor)

- 1 1 1 1 1 T

(2) Sri K. C. Narayana Menon, fyyattil House. Iyyattil Lane, Chittoor Read, Ernakulam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
"NARAYANINILAYAM"
WARRIAM ROAD,
COCHIN-662 016

Cochin-662016, the 1st June 1985

Ref. No. L.C. 749/85-86.—Whereas, I, MRS. S. CHAUDHURI, a being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'azid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernalulam on 18-10 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

6--136Gf[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein and defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

54 cents of land in Sy. No. 535|13 of Ernakulam village, registered in SRO, Ernakulam vide Document No. 3276, dt. 18-10-84.

MRS. S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
"NARAYANINILAYAM"
WARRIAM ROAD,
COCHIN-662016

Cochin-662 016, the 1st June 1985

Ref. No. L.C. 750|85-86.—Whereas, I, MRS. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. as per schedule situated at Calicut Town, (and more fully described in the Schedule annexed herete). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 24-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evacion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Mathew Paul,
  - 2. Shri Francis &
    - Smt. Annamma, Partners of M|s. Calicut Leather Martis.
       M, Street, Calicut.

(Transferor)

(2) Shri C. H. Hamza S/o Chamela Kinderi Kuttiali, Kureka Desom, Valiyor Amsom, Tirur Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said into 37 able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions and less are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

3-2/12 cents of land and 5 shop rooms in R.S. No. 6-8--170 of Kozhikode Town registered in SRO, Kozhikode vide Document No. 951 dated 24-10-1984.

MRS. S. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Prinklulam

Date: 1-6 1985

Séal :

### NOTICE UNDER SECTION 26DD(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
"NARAY ANINILAYAM"
WARIAM ROAD,
COCHIN-662016

Cochin-662 016, the 1st June 1985

Ref. No. L.C. 751|85-86.—Whereas, I, MRS. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000] and bearing No. as per schedule situated at Kothamangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kothamangalam on 8-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the eapparent consideration therefor by more than

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

menafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tirk Act, 1957 (27 of 1957);

No. incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Meeran, Mannamkuzhi House, Kothamangalam.

(Transferor)

(2) Shri C. K. Jose, Chakiat Financing Company, Kothamungalam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

20 cents of land with a cinema theatre in Sy. No. 759/10/1 of Kothamangalam Village, registered in SRO, Kothamangalam vide Document No. 4653 dated 8-10-1984.

MRS. S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 28th May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|399|84-85.—Whereas, I, ANII. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. Factory Building at Plot No. D/74, MIDC, Satpur, Nasik-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Peona on Oct, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Universal Industries & Trade Corporation, Hari Bhavan, 64 Peddar Road, Bombay-26.

(Transferor)

 Indian Steel & Allied Industries, 1213, Maker Chamber V, 221, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Factory Building at Plot No. D/74, MIDC, Satpur, Nasik-7. (Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under No. 399[84-85, Oct. 84).

ANIL KAMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Date : 28 5-85

Soal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION: RANGE, PUNE

Pune, the 28th May 1985

Rtf. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6631|84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 106, at Tara Baug, Plot No. 285 (Part),
Koregaon Road, Pune-1 situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Puge in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if profiler with the object of—

- i. facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Westite-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mehta & Co. 22 Apollo Street, Fort, Bombay.

(Transferor)

(2) Sti M. H. Liomadia Rikhav Trust, Wadala, Bombay, 4th Floor, 21/1, R. A. Kidvai Road, Wadalia, Bombay-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 106, at Tara Baug, Plot No. 285 (Part), Koregaon Road, Punc-1.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the 1.A.C. Acquisition Range, Pune, under No. 6631[84-85 dated Oct. 84).

ANIL KAMARCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 28-5-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7453|84-85.---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 2, in Savali Apartment Flat No. 71, Sr. No. 121, 122, Rambaug Colony, Kothrud, Pune-29 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Olines of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune in Oct. 1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

(1) M/s. Rekson Enterprise, 361/62, Budhwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Sri Shantilal Devaji Chaudhari, 427, New Mangalwar Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nearly in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of votice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immortable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 2 in Savali Apartment Flat No. 71, Sr. No. 121, 122, Ram baug Colony, Kothrud, Pune-29. (Carpet Area—515 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 7453/84-85 Nov. 1984).

ANIL KAMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Date: 28-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th May 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|91)1|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 8, 1st Floor, Manjula Co-oncrative Housing Society Ghanshyam Gupte Road, Domibli (West), situated at

Dombisli (W)

hand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune in Oct. 1984

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) M/s. Kirshna Builders, 3rd Floor, Haresh Niwas, Maniklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

(Transferee)

Mr. Sakharam Vihal Lad and Others,
 Vaishali Jaihind Colony, Gupte Road,
 Vishuu Nagai Dombivli (W).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, First Floor, Manjula Co-operative Housing Society (Proposed) Ghanshyam Gupta Road, Dombivli (W) (Free Hold).

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune under No. 9111 82 85 Oct. 1984).

- \*(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or 2.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192. (11 of 1922) or the said Act. or the. Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

ANIL KAMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 18-5-1985

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th May 1985

Ref. No. JAC ACO CA 5 37 EE 7135, 84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Compatent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovab property Having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Plot No. 7, S. No. 584. Salisbury Park. Mouje Gulte-kadi, Haveli, Dist. Pune (admeasuring about 11505 sq.ft. situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been to see on the Registration Act, 1908 (16 of 1908). In the third of the Registering Officer at IAC. We have the in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealthstee Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Birbal So Naubat Rai Mohindar, 1-A, Ramanasad Building, Daysett Road, Bombay-7. (Transferor)
- (2) Signi Fajendra Shiyajirao Dhere and Others 36/3, Mita Co.op. Hsg. Society Ltd. S. S. Road, Pune 37.

(Transferee)

. Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# .THE SCHEDULE

Plot No. 7, S. No. 584, Salisbury Park, Mouje Munjeri, Gultekadei, Haveli, Dist. Pune.

Admedsuring about 11505 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the LA.C. Acquisition Range, Pune under No. 715584-85 in the month of Oct. 1984.).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspection Assistant Compissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 18-5-1985

# FORM ITN6---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mis. Gharkul Builders 1535, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Regina Sports Indusries (P) Ltd. S-W|52|M.I.D.C., Bhosari, [Pune-26.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th May 1985

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|6878|84-85.--Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 5 at C.T.S. No. 1533, Sadashiv Peth, Tilak
Rd. Pune-30 situated at Pune

Additional control of the Schedule annexed hereto)

Rd, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1AC. Acq. Range, Punc in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5 at C.T.S. No. 1533 Sadashiv Peth, Tilak Rd, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale is registered in he Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, Under No. 37EE|6878|84-85 in the month of Oct. 1984).\*

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

70-136 GI|85

Date: 13-5-1985

(1) Mrs. Kamal Pandurang Jog, 122|1, Erandawana, Balwant Ashram Pune-4.

(Transferor)

(2) M/s. Gharkul Builders, 1535, Sadashiv Peth, Tilak Road, Pune-30. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th May 1985

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|12281|84-85.—Whiteas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 37, S. No. 26 Vill Kothrud, of Dahanukar Colony, Pune-29, situated at Pune-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this name in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ass, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) Isolitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Plot No. 37, S. No. 26, Vill Kothrud of Dahanukar Colony, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 37EE[12281]84-85 dt. Mar. 1985),

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesalad property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th May 1985

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|6326|84-85.-Whereas, I

Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 14-A. 4th Floor, 1494, Sadashiv Peth, Pune

situated at Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Punc on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

- (1) Akshay Construction Co. 1-2 'C' Shenti Bhavan Dr. R. P. Road, Rombay-80.
- (2) Mrs. Hema Vasant Datar, 478, Narayan Peth, Pune.

(Transferor) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14-A, 4th Floor, 1494, Sadashiv Peth, Punc.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 6326|84-85 in the month of Sep. 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons.

namely:--

Date: 13-5-1985

(1) Ravindra Joshi & Co. 425|25, T.M.V. Colony, Pune-37.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri. N. V. Torashkar, 7, Yeshwant Nagar, Ganeshkhind, Pune-7.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th May 1985

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|10325|84-85.—Whereas, I ANIL KUMAK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1964) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. Flat No. 5, Ilind Floor, Angels-84, Apartments, Plot No, 6 Part' S. No. 30, Rollivud, Pune-29, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Pune in Feb. 35 for at apparent consideration which is less than the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, Second Floor, Angels 84, Apartments, Plot No. 6 (Part 1) B, . No. 30, Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale is registered tered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 37EE 10325 84-85 dt., Feb. 85).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely:—

Date: 14-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10573|84-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

no. Plot No. 132 Dahanukaf Colony, S. No. 26, Kothrud, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune on Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have research to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Mrs. Lilian John Noguer, Ronnie Villa, Kantwadi Scheme, Bandra, Bombay-50.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjeev Bhalchandra Marathe and Others. Plot No. 27A, Hanuman Pagar Pune-411016. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Caze to or a period of 30 days from the service of noteice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section, 269D of the said Act to the following persons, namely:--

#### THE SCHEDULE

Plot No. 132, Dahanukar Colony, S. No. 26, Village Kothrud, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under No. 10573 84-85 dt. Feb. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 14-5-1985

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th May 1985

Ref. No. IAC, ACQ|CA-5|37EE|7125|84-85,---Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. CTS. No. 960/28 F.P. No. 1005 A/B, TPS I, Navi Peth, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune on Oct. 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andiur
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Avinash Balkrishna Dikshit and Others. 280, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mis. Leela Constructions (P) Ltd. 836, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- · (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

C.T.S. No. 96D|28 F.P. No. 1005 A|B T.P.S.I, Navi Peth, Pune. (admeasuring 7260 sft.)

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under his No. 7125|84-85 dt. Oct. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aid property by the issue of this notice under sub1 (1) of Section 269D of the said Act, to the followrsons, namely :---

Date: 14-5-1985

(1) Ms. B. P. Construction, 34, Budhwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sudhakar Prabhakar Gholap 6229 B. Mangalwar Peth, Kolbupur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th May 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE[6378]84-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 3' being constructed at C.T.S. No. 49 1, Plot No. 14, Parvati, Pune, situated at Pune (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune on Sept. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 being constructed at CTS. No. 49/1, Plot No. 14, Parvati, Pune. (450 sq. mts.)

(Property as described in the agreement to sale is registered in he office of the I.A.C. Acquisiton Range, Pune under No. 37EE|6378|84-85 in the month of Sept. 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:——

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th May 1985

Ref. No. IAC| ACQ|CA-5|37EE|7394|84-85.—Wheeras, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the accome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 'A Apartment on 1st Floor in proposed Bldg. at C.S. No. 3576 B Dr. Vasantrac Patil Path, off Aurdh Road, Kirkee, Pune-3 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at at IAC. Acq. Range, Pune on Nov. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Kailash Builders, 47/51, Essaji Street, Bombay-3.

(Transferor)

(2) Sri. P. Ramchandran & Others, Clo The Indian Card Clothing Co. Ltd. Bombay Pune Rd., Pimpri, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

'A' Apartment on 1st Floor in proposed bldg at C.S. No. 3576 B, Dr. Vasantrao Patil Path, Off Aundh Road, Khirkee.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 7394 84-85 in the month of Sept. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poonla

Date: 15-5-1985

(1) Sri Valiram Asandas Jashwani, M. G. Roud, Panvel, Dist. Raigad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. M. Rajput Clo V. A. Jadhwani, M. G. Road, Panvel, Dist. Rajgad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC. ACQ[CA-5|37C|969[84-85.--Whereas, I ANTL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Final Plot No. 216-1-A, First Floor and Eastern block on Second floor admeasuring 1632 sq. ft., Second floor admeasuring 1632 sq ft.,

situated at Panvel (and more fully described in the Schedule annexed herete),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Final Plot No. 216-1-A, First Floor Block on Second floor admeasuring 1632 sft.

(Property as described in the agreement to sale, registered in the office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under document No. 37-C|969|84-85 dt. Dec. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poone

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985 "

Seal:

71-136 G[|85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Elmot Engineering Co. Pvt. Ltd. 118, Anthony Street, Santacruz (East) Bombay.

(Transferor)

(2) Elmot Commutator motors Pvt. Ltd. 118, Anthony Street, Santacruz (East) Bombay.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pupe, the 8th May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-G|950|84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR

of the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot of land at Village

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Plot of land at Village Valiv, Tal. Bassin Dist. Thane bearing plot No. A, Survey No. 62, H. No. 1]A, admeasuring 21000 sq. yards situated at Village Valiv (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, IAC. Acq. Range, Pune on Nov. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Net, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made ni writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land at Village Valiv, Taluka Bassin Dist. Thane, bearing Plot No. A Survey No. 62, H. No. 1|A, admeasuring 21000 sq. yards.

(Property as described in the agreement to sale, registered in the office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under document No. 37-G|950|84-85, dated Nov. 84).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona-

Date: 8-5-1984

#### FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 8th May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-G|975|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority ander Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot of land at Mouje Valiv, Tal. Bassein, Dist. Thane, S. No. 31, Hissa No. 3 (Part). 6413 Sq. Yards situated at Valiv Dist. Thene

(and more fully described in the Schedule asserted herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acg. Range, Pune on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfe and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Elmot Engineering Co. Pvt. Ltd. 118, St. Anthoney Street, Santacruz (E), Bombay-55.

(Transferor)

(2) Elmot Commutator Motor Pvt. Ltd. 118, St. Anthoney Street, Santacruz (E), Bombay-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nótice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of Land at Mouja Valiv, Tal. Bassein, Dist. Thana, S. No. 31 Hissa No. 3 (Part) Admensuring 6413 Sq. Yards.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C./ Acq. Range, Pune under No. 37-G|975|84-85, dated December, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5[37-G|1011]84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. No. 34, Hissa No. 13, Katrap, Admeasuring 3630 sq. yds. situated at Katrap, Tal. Ulhesnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune on Jan. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conseedment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section i(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Sadashiv Rama Patil, Katrap, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane. (Transferor)
- (2) M/s, Sai Samartha Co-op. Hsg. Society, Partners: Sri Sahsikant L. Mohakal (Chairman) and others. Katrap Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 34, Hissa No. 13, Katrap, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane.
(Admeasuring 3630 sq. yds.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under No. 37-G[1011]84-85 dated Jan. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 8-5-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME: TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th May 1985

Rof. No. IAC ACQ|CA-5|37-G|974|84-85.-Whereas, 1, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Plot of land at Valiv Tal. Bassein, Dist. Thane admeasuring 8397 sq. yards S. No. 62, Hissa No. 1|A, together with Valiv, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the feel and the officer of the aforaging property, and I have

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration sideration and that the consideration for such transfer as agreed to atween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Elmot Direct Carrent Man Pvt. Ltd. 118, Anthony Steet, Santacruz (E), Bombay. (Transferor)
- (2) Elmot Commutator Motors Pvt. Ltd. 118, St. Anthony Street, Santacruz (E), Bombay-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

#### THE SCHEDULE

Plot of land at Valiv Village, Tal. Bassein, Dist. Thane admeasuring 8397 sq. yds. bearing S. No. 62, Hissa No. 1/A, together with 1 Building.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under 37-G|974|84-85 dated Dec. 84).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 8-5-1984

#### FORM ITNS----

(1) Sri Yusuf Usman Rangari, 315, Ghorpade Peth, Pune-2.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Shaikh Isak Shaikh Gafoor, 408|6, Gultekadi Road, Pune-37.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th May 1985

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37EE|Pune|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. C.T.S. No. 315|316,

Ghorpade Peth, Pune-2 situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

CTS. No. 315|316, Ghorpade Peth, Pune (Admeasuring 2685 yards).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6632 84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 8-5-1984 Seal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th May 1985

Ref. No. IAC Acq.|CA-5|37EE|526|85-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000| and bearing No. S. No. 40, Plot No. 3. Erandavana, Pune-4 situated at Pune

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune on May 85

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ramesh Ganesh Paranjane, 40|2. Erandayana. Punc-4.

(Transferor)

(2) M|s. Kulkarni & Kulkarni, 2153, Sadashiv Peth, Vijaynagar Colony, Pune-30.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 40, Plot No. 3, Erandavana, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Punc under document, No. 526 85-86 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 9-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6357|84-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR
being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bering No. 'Show Room No. 3, Ground Floor, in Bldg. Called "Bhakti' Apartment, 402, Ghorpade Peth, Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range, Pune on Sept. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Makwana Const. Co. (0) Trupt; Apartment, 241|1, Rasta Peth, Pune-411 011. (Transferor)
- (2) Parmar Kataria Associates, 525|26, Mahatma Phula Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Show Room No. 3, Ground Floor, in Bldg. Called 'Bhakti Apartment, 402, Ghorpade Peth, Pune. (Area of show room 3073 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6357 84-85 in the month of Sept. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 7-5-1985

(1) M/s. Delux Builders, 120, Raviwar Peth, Punc-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE # Pune, the 13th May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6359|84-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Incom:-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 795, Bhandarkar Institute Road, Pune-4

situated at Pline

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range Pune on Sept, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Sanjay Chintaman Kulkarni and Others 199, Smruti Co.op. Hsg. Society, Gopi Tank Road, Gr. Floor, Block No. 2-C, Mahim Bombay-400 016. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforcsaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Ownership Flat, 795, Bhandarkar Institute Road, Pune-4. (Property as described in the agreement to sale registered in the office IAC Acquisition Range, Pune under document No. 6359 84-85 in the month of Sept. 84).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting, swatant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, samely:— 72-136 GI|85

Date: 13-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|15959|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 3 located at Shailesh Industrial Fistate No. 1, Plot No. 15-16, Vasai, Dist. Thane, situated at Vasai (E). Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Punc in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

listeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the redderion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C or the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Shree Constructions 106, K.T. Chamber, Vasai (W), Dist. Thanc. (Transferor)
- (2) Mls. Nikky Pla Engineering Pvt. Ltd. Bl7, Queen's Corner 3rd Fl. Sitaldevi, Temple Road, Mahim (W), Bombay-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 3, located at Shallesh Industrial Estate No. 1, Plot No. 15-16, Vasai (E), Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under Document No. 15959 84-85 in the month of May, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 13-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Kulkarnî & Kulkarnî, 2153 Sadashiv Peth, Vijayanagar Colony, Pune-30.

(Transferor)

(2) Sh. Shrikant Yashwant Deole, "Raut Baug" Dhankawadi Gao Road, Opp, Gulab Nagar, Pune-37.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|OT|415|1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 2, on ground floor, S. No. 82|1B|4 Parvati, Punc-9.

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqu. Range, Pune in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I litreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sufit immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on Ground floor S. No. 82 1B 4 Parvati, Pune-

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 415|1984-85 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona-

Date : 3-5-1985

Seal ::

(1) Smt. C. P. Joshi, 188 2 Shaniwar Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) M|s. Ashvini Construction, Prop. Sh. Subhash Bhaskar Wadaye, S. No. 52, Kothrud, Punc-29.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6741|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. No. 121 & 122, Plot No. 87, Kothrud, Pune-29 situated at Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Punc in Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

S. No. 121 & 122, Plot No. 87, Kothrud, Pune-29. (Area——).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6741/1984-85 in the month of Sept. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6418|84-85,---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Ownership Shop No. 2 on G.F. having carpet art @ 260 sft. and Mazinin floor area @ 120 sft. at 1552 Sadashiv Peth. Punc-30

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under thhe Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune in Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

- Mis. D. A. Kelkar & Associates, 1478 Sadashiv Peth, Tilak Road, Punc-30. (Transferor)
- (2) Shri Ramchandra Anant Ghalsasi, 80 Sangam Society, Bibwewadi, Punc-37. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ownership Shop No. 2 on G.F. having carpet area @ 260 sft. and Mazinin floor area @ 120 sft. at 1552 Sadashiv Peth. Pune-30.

(Property as described in the agreement to cale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6418 1984-85 in the month of Sept. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 3-5-1985

### MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37FE,6499|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 11, Prabhav Co-operative Society, Salisbury Park, Pune-1

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1984

for an apparent consideration which is less thann the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

(1) Mrs. Nirmalabai J. Lulla, Flat No. 11, Prabhav Co-operative Society, 469 A Salisbury Park, Punc-1.

(Transferor)

(2) Shri Gyanchand Jethanand Lulla. Flat No. 11, Prabhav Co-operative Society, 469-A Salisbury Park, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immor able property within 45 days from the tlate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11. Prabbay Co-operative Society, Salisbury Park, Pune-1.

(Area ——)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 6499[84-85 in the mouth of Sept. 1984].

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Fune, the 6th May 1985

Ref. No. IACIACOICA-5|37EE|10438|84-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2 on the second floor in 'A' Bldg, at Final Plot No. 137 Hajuri Dutgah Rd., Thane (W), situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqu. Range, Pune in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s: Anupam Enterprises. 24/A, Khaitau Buikling, Ist floor, 8, Marine, Street, Fort Bombay-23.

(Transferor)

(2) Mr. Narottam Desiaj Chopra & Others, Al4, Jeevan Co-op. Housing Society, Ravi Industry, Thane (West).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the second floor in 'A' building, at Final Plot No. 137 Hajuri Dargah Rd., Thane (W).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10438 84-85 dt. Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 6-5-1985

(1) Vastushilp. 'Vidya', 93|2A, Eraudavana, Pune-4.

(Transferor)

(2) Smt. Aruna Avinash Gandhi, Kamalaprabha Apts., Block No. 2, Adinath Society Punc-37.

(Transferee)

Notice under section 269D(1) of the income-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5[37EE]:2620[84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/-, and bearing No.

Flat No. 8 on floor area wilts on the North side of Geetali Bldg, at 768 9 -1 16, P. Y. C. Colony, Shivajinagar, Pune-4 situated at 2 une

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acg. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this detice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8 on floor area stilts on the north side of Geetali Bldg. at 768 9 + 16, P. Y. C. Colony, Shivajinagar, Pune-4. Carpet Area—111.48 sq. mtrs.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12620 84-85 dt. May, 35).

ANIL KUMAR
Competent, Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aftersail recent to the issue of this notice hereby under since on the of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1985

#### FORM ITNE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|ACO|CA-5|37EE|10,762|84-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

Flat No. 5 in proposed Sri. Apartments, CTS, 1097/2, F.P. No. 478/2, Sub Plot No. 3 adjacent to Model Colony, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

lass been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 85 for an apparent consideration which is less than the rust market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any moorne or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely .-

(1) Sri Narendra Girdhar Sarkar, 58, Krishinagar, Nasik-422, 905.

(Transferor)

(2) Mr. Palant Raju Palepu, Clo Sri P. S. Prakash, 363|5, Samadhan Bldg. Shivajinngar Punc-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

\*IXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5 in proposed Sri Apartments, CTS No. 1097/2, F. P. No. 478/2, Sub Plot No. 3 Adjacent to Model Colony, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 10762|84-35 dt. Jan. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 6-5-1985

Seal:

73-136 GIJ85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **PUNE** 

Pune, the 6th May 1985

Ref. No. IACIACQ|CA-5|37EE|12561|84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 41, Bldg. No. B-L, 2nd Floor, Agarsain S. Griha
Nirman Mandal Ltd., 8, Koregaon Park, Punc-4

situated at Punc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Chandrabhan Sidhraj Agarwal, Now Bazar, Kirkee, Pune-3.

(Transferor)

(2) Shri Tillokchand Gaianchand Aggarwal. Flat No. 41, Bldg. No. B-1, 2nd Floor, Agarsain S. Griha Nirman Mandal Ltd. 8, Koregaon Park, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 41, Bldg. No. B-I, 2nd Floor, Agarsain S. Griha Nirman Mandal Ltd., 8, Koregaon Park, Punc-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 12561 84-85 dt. April, 1985)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I tereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|6850|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16 on 4th Floor, in backside Bldg., "A, at CTS. No. 1144, Sadashiv Peth, Near Perugate Police Chowky, Pune-30, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqn. Range, in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in purusuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shashikant M. Gathani, Partner M|s. Gathani Enterprise, 612-B|1, Nanapeth, Punc.

(Transferor)

(2) Shri Vithal Rambahu Thorve, At Post : Shiroli, Budruk, Taluka Junnar, Dist. Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as five defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that the chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10 on 4th floor, in backside Bldg. 'A' at CTS No. 1144, Sadashiv Peth, Near Perugate Police Chowky, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6850|84-85, Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax
Acquisition Range,
Poons

Date: 6-5-1985

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|12697|84-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
S. No. 121+122, Plot No. 28, of Village Kothrud,
admeasuring 1215 Sq. Mtrs. situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C. Acqn. Range, Pune in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
tham fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gajanan Purushottam Ranade, 320, Shaniwar Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) M/s. Pal Associates, a Partnership Firm having its office at 1133/5, Nirankar, F. C. Road, Pune-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 121+122, Plot No. 28, of Village Kothrud, admeasuring 1215 Sq. Mtrs.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12697 84-85 in the month of May, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|15758|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'asid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 5 & 6 Virar Gram Panchayat, Virar, Tal. Vasai (Thanc) situated at Vasai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acg. Range, Pune on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the foll 1-g persons, namely:—

- (1) M/s. Ekta Builder through partner, Shri Moti Lilaram Bhavanani and 3 others. 39[2, Sea Side Hotel, Juhu Beach, Bombay-47. (Transferor)
- (2) Kamanwala Housing Development Finance Company Limited, 1518, Maker Chamber V. Nariman Point, Bombay-21. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5 & 6 Virar Gram Panchayat, Virar, Vasal (Thane).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15758 84-85 dt. May, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 6-5-1985

#### FORM ITNS.

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd. 302, Dalamal House, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Lalitkumar C. Gandhi, 14, Vishal Shopping Centre, M. V. Road, Andheri (East), Bombay-400 069, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

### ACQUISITION RANGE

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Pune, the 6th May 1985

EXPLANATION :- The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ne siven in that Chapter.

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|15300|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Plot No. 16 (with plinth and two ACC Slabs constructed)
Sector 17 Vashi, New Bombay

situated at Vashi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

> Plot No. 16 (with plinth and Two RCC slabs constructed) Sector 17 DBC, Vashi, New Bombay, Size of Plot 1850 sq. metres.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15300 84-85 in the month of April, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Роопа

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namply :--

Date: 6-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|37-EE|10/84|635.---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing No.

and bearing No.

1, Rajindra Place, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C., ACQ-III, New Delhi
in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Neha Deep Constructions, 1, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander Khurana, 10/15, Old Rajinder Nagar, New Delhi-60.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein and expressions are an expression and expressions are also and expression are also and expression and expression and expression are also and expression and expression and expression are also an expression and expression an

#### THE SCHEDULE

Air-Conditioned space No. IInd floor in the building under construction at 1, Rajendra Place, New Delhi. Area 150 sft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 7-5-1985

FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|73-EE|10-84|636,—

Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

UGS-6, in Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C., ACQ-III, New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any increase arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Shri Sunil Batra, A-432, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri. Praveen Kumar & Mrs. Pushp Lata, CC-31B, G-8; Area, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

UGS-6 in 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area 43 sft,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|37-EE|10-84|637,—SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

anje property having a fair market value exceeding Ra, 1,00,000/- and bearing No. 405-B, Jaina Tower Distt, Centre, situated at Janak Puri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C., ACQ-III, New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1: of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Jaina Properties Pvt. Ltd., Adinath Super Buzar, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander, Slo. Shri Sunder Dass, A-109, Ganesh Nagar, P. Q. Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

405-B, Jaina Tower Distt. Centre. Ianak Puri, New Delhi, Area 170 oft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Appecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 6-5-1985

(1) M[s. SVS Investment BF 7]92, Deepali, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT 1261 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hernam Products, India, A-15/27, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. JAC|Acq.III|37EE|10-84|638.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market varue exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Basement No. 4, 21, Yusaf Sarai Comm. Centre, situated at

New Delhi.

and/or

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sortesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Basement No. 4, 21 Yusaf Sarai, Comm. Centre, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel,
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date 6-5-1985 Seal : FORM ITNS

(1) L. Kedar Nath & Sh. O. P. Soni. C-14, Green Park, New Delhi.

·('Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Radhey Shyam Mendiratta, & Smt. Achla Mendiratta, R|o 48|1, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1985

Ref. No. IAC|Acq.HI|37EE|10-84|639,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as th 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 3, 19 Kirti Mahal, Rajindera Place, situated at New

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evadon of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 3, 19, Kirti Mahal Rajindra Place, New Delhi Area 564 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel,
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delbi.

Date: 23-5-1985

 M|s. Natraj Woollen Mills (P) Ltd., C-78, Anand Niketan, New Delhi.

> Co Khemka Instruments (P) Ltd., Shekespear Court, Shekespear Sarani,

(2) Mrs. Sangita Khemka

Calcutta. .

Wo Pradeep Khemka

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

\_\_\_\_

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-84|640.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
No. 613 at 9, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income tax Act 1961 (43 of

No. 613 at 9, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any incomel or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intilate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 613, at 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Under construction Area 362 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel,
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 17-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-84|641.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

or as the said Act ) have reason to believe that the mimovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 1,00,000|- and bearing No. K-84 Green Park, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.I.H. New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said -Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Karlash Nath & Associates, 18, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Rohit Jaiswal & Mrs. Amrit Jaiswal Y-210, Saket, New Delhi-17.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A shop admeasuring 275 sq. ft. on the ground floor in proposed commercial building at K-84, Green Park, New Delhi. (Under construction now).

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel,
4|14-A, Asaf Ali Road
New Delhi...

Date: 6-5-1985

#### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-84|642.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 261) (heteroafter refused to as the 'said Act'), have reason o believe that i.e. immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000).

Shop No. 150 on F-F in Bldg. No. 9, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Oelhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or shock ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind an Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) M|s./S. A. Trade Power (P) Ltd., 109/Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 150 on First Floor in Bldg, No. 9, Philair Channel Place, New Delhi Approx. 147 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel, 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 9-5-1985

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-84|643.—Whereis, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-and bearing

Shop No. 115-B, 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evision of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mild Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Priti Kohli, A-259, Defence Colony, New Dethi,

(Transferor)

(2) Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 115-B, on First Floor in Bldg. No. 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi Approx Area 142 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
AGGARWAL BHAWAN
Near Broadway Hotel,
4 [14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Km. Sangeeta Arora,
 Dio S. P. Arora,
 D-I/10. Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq|III|37EE|10-84|644.-Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Basement No. 5, 8, Rajindra Place, situated at New Dolhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LACOUR New Police. 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-aection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Shri D. Kedar Noth & Sh. O. P. Soni, C-14, Green Park, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Basement No. 5, Deep Shikha Building 8, Rajindera Place, New Dolhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date: 7-5-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-84|645.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 16|2646 to 2649 Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in he Office of the I.A.C., ACQ.III, New Delhi on Cotober 1994 October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

75-136 GI 85

Mls. Sanjay & Gaurav Associates P. Ltd., 2481/3, Buadon Pura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Ravi Kant Sood, Shrudi Kant Sood, Varun Sood Clo Sharma Arora & Co. Chartered Accountant, BA-5, Statee, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### \_\_IE SCHEDULE

Shop admeasuring 220 sq. ft. on ground floor, 16|2646 to 2649 Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-84|646.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. UGS-8, 3, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi

UGS-8, 3, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on

October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect for any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Master Ajay Chhabra & Master Sandeep Chhabra U|G of Sh. S. K. Chhabra, E-53, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

(2) Raj Gopal Sikka & Mr. Sunil Sikka 372, Model Town, Sonepat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

UGS-8 in 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 78 sq.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 7-5-1985

 Baby Sonia U|G of Sh. Giriraj Gupta, B4A|9, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Suman Malhotra& Mr. Rakesh Malhotra,23B, Sujan Singh Park, Sonepat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-84|647.—Whereas; I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. UGS-7, 3 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and reason fully described in the Schedule approved beauty).

UGS-7, 3 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. UGS-7. in 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 43 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: .7-5-1985 Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC.Acq.III|37EE|10-84|648.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. UG-8, Jaina Tower, Janak Puri, situated at New Delhi.

UG-8, Jaina Tower, Janak Puri, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than iffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitzing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anti-for.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jaina Properties (P) Ltd., Adinathshree House, Opp. Supe Brazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

.(2) Mrs. S. Chaudhary Gahlaut Wo Ajit Singh Gahlaut, B-3|B|80-B, Janak Purl, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

UG-8, Jaina Tower, Distt. Centre, Janak Puri, New Delhi. Area 80 sft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 7-5-1985

 Mr. G. C. Narang, Mrs. Kiran Bery, B-17, Friends Colony, West, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anipta Narang, B-17, Friends Colony, West, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-84|649.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and 201, 5 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on Cotaber 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 201, 2nd floor, 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 7-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Bhanot Properties & Industries Limited, 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

 Mis. Wadhwa International, A-331, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|10-84|650.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, situated at New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. R. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III New Delhi on October, 1984.

1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said prometty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office space having approx. super area 308 sq. ft. in the 1st floor of Building to be constructed on Plot Uo. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
4|14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION R NGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|10-84|651.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 109, Plot No. 19, Yusaf Sarai, Community Complex, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the 1.A.C. ACQ.III New Delhi on October, 1984 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Bombay Builders India (P) Ltd., 18, Malcha Marg. Commercial Complex, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. P. G. D. S. Associates Pvt., K-32, South Extention Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expeires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 109, 1st floor, in Oriental Apartments Plot No. 19, Yusaf Sarai, Community Centre, New Delhi-16. Area 519 06

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|10-84|653.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No. B-17, 'ALPS' at 2-A, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the LT. Act, 1961 (43 of 1961)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act., 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III New Delhi on October, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Malhotra, D-13|B, Rajpuri Garden, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquialtion of the said protecty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown space No. B-17, admeasuring 566 sft. in basement of proposed commercial complex ALPS at 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date 7-5-1985 Seal:

# NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC Acq-III 37EE 10-84 654.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing
No. G-4, A|2, Milan Comm. Complex, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on October 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—76—136 GI|85

(1) Shivlok Properties, Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Kumar Chawla, Slo Sh. C. L. Chawla, Rlo 1|15, New Moti Nagar,

(Transferee)

New Delhi.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

G-4, Ground floor, Shivlok House, A|2, Milan Comm. Complex, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Acquisition Range-III Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal Bhawan 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. 1AC|Acq-III|37-EE|10-84|655.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. G-5A Ground floor, A|2, Milan Commercial Complex, situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on October 1984. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the gransferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shivlok Properties, Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Bahl, Slo Late Sh. Kundan Lal, Rlo 60|7, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

G-5A, Ground floor, Shivlok House, A|2, Milan Comm. Complex, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
4 | 14-A; Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 6-5-1985

#### FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37-EE|10-84|656,---Whereas, I, SUNIL CHOPKA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. I-6, Shivlok House A-2, Milan Commercial Complex, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on October 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shivlok Properties, Adinath Shree House, Opp. Super Bazzı, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Jatin Sapra & Master Vincet Sapra, U|G, Mrs. Neclam Sapra, N-24, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferes)

bjections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I-6, Shivlok House, A|2, Milan Commercial Complex, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
4]14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 6-5-1985

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37-EE|10-84|657.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!—and bearing No. A|2|I-II, Shivlok House Milan Cinema Commercial

Complex situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on October

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,, namely :--

(1) Shivlok Properties, Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Satya Pal Batra So Sh. H. L. Batra, 17-B 18, Original Road, Dev Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A|2|I-11, Shivlok House Milan Cinema Commercial Complex, New Delhi. Super area 380 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 6-5-1985

THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (47 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37-EE|10-84|658.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herainafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 101, Milan Commercial Complex situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shivlok Properties, Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rajesh R. Jagtiani Slo Mr. R. T. Jagtiani & Mr R. T. Jagtiani Slo Sh. Thakur Dass Jagtiani, 38/16, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 101, 1st floor, Shivlok House, D1|D2, Building, Milan Commercial Complex, New Delhi. Area 400 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|10-84|660.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 1, Kaushalya Park situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Zakaria Shahid Impex (P) Ltd., Zakaria House, Moradabad-244001.

(Transferor)

 Master Mohd. Zafar Nadeem, E[37, Kalindl, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

App. 2/2 sq ft. ground floor No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 7-5-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|10-84|661.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. R-10, 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi, situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Shri Narender Kumar Gupta Sjo Lala Ratan Lal, N-99, Greater Kailash, New Delhi-48.

(Transferor)

Smt. Madhur Das
 Wio Shri Ranbir Saran Das,
 Miss Trisna Das and
 Master Veer Saran Das,
 Daughter and Sio Sh. Ranbir Saran Das,
 C-40; Greater Kailash-I,
 New Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

R-10, 3-Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ·

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37FE|10-84|663.—Whereas, 1,

SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. 617-A, 9, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partics has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitation the concentment of any facome or any measure or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre forthe purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kamlesh Kumar, Flat No. 6, Lady Harding Campos, Bangla Sahib Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Col. R. C. Virmani, 2. Sh. Veena Virmani, 3. Col. B. Virmani, 4. Sh. Aruna Virmani, 10-A. Nizzammuddin West, Delhi-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be sende in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anidical immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Buppanation:—The terms and expressions used hereins as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Commercial Flat No. 617-A, building No. 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66, Area 352.5 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 7-5-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

[IAC|Acq.III|37-EE|10-84|664,--Whereas, I, Ref. No. IACA SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have reason to believe that the impor-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 601, 8. Rajindra Place, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in October,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely:-77 -136 GI[85

(1) Mls. Friends Aotomobiles (Sole Proprietor Sh. J. P. Gupta Slo late Sh. O. P. Gupta, R|o 7-12. Past Patel Nagar, New Delhi-3). + 601. Deep Shikha, 8, Rajindra Place. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mls. Mayur International 602, Deep Shikha, 8, Rajindra Place, New Delhi-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Flat No. 601, on 6th floor in Deep Shikha Building 8, Rajindra Place. New Delhi-8. Area 552, sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 6-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Raman Anand, Wlo Shri Ashok Anand, Rlo D-289, Defence Colony, New Delhi, through her attorney Sh. M. R. Sehgal.

(Transferor)

(2) Sh. Mahesh Bhuttan, 1474. Suiwalan, Daryagani, New Delhi-2.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE, 4(14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th June 1985

Ref. No. 1AC|Acq.I|SR-III|10-84|551.--Whereas, I, R. P. RAJESH, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property No. M|29, approx 250 sq. yds.

Rs. 1,00,000|- and bearing Property No. M|29 approx 250 sq. yds. situated at Greater Kailash, New Delhi (Second Elect)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October 1984

New Denn in October 1964 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

#### THE SCHEDULE

Second Floor of Property No. M|29, approx 250 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|552,--Whereas, I, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the referred immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Property No. 44 mg. 211 sq. yds. situated at Church Road, Bhogal, Jangpura, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more then fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (1) Sh. Pokhar Dass Slo Sh. Kotu Ram, Rlo 20163, Puajabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Kumar Slo Sh. Hari Shankar, Rlo T-87, Bhogal Road, Jangpura, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property bearing No. 44, measuring 211 sq. yds. Kh. No. 599, situated at Church Road, Bhogal, Jangpura, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-6-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIH

New Delhi, the 11th June 1985

Ref. No. 1AC|Acq-1|SR-111|10-84|553.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Isome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Agr. land mg. 19 Bighas and 2 Biswas situated at village Bijwasan. Teh. Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) S|Shri Ran Singh, Karan Singh and Balwan Singh S|o Sh. Mam Chand, R|o Village Bijwasan, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi or its nominee.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 19 bighas and 2 biswas comprised in Rectangle No. 45, Kila Nos. 21 (3-12), 22 (4-09), Rect. No. 46, Kila No. 25 (2-16), Rect. No. 77, Kila No. 1 (2-12), 2 (4-07) Rect. No. 76 Kila No. 5 (0-16) Rect. No. 45 Kila No. 26 (0-10), situated in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Oclhi

Date: 11-6-1985

FORM I'TNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

 Mrs. Savitri Devi Kohli, Wlo Sh. Kailash Chander Kohli, Rlo C-226, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Mrs. Kanta Vashisht Wo Sh. Dharam Pal Vashisht Ro Nabha House, Bengali Market, New Delhi.

(Transferce)

ACQUISITION RANGE-I, λGGARWAL HOUSE, 4]14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1935

Ref. No. IAC/Acq.1|SR-III<sub>1</sub>10-84<sub>1</sub>554.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 1,00,000]- and bearing Property No. C-226, mg. 300 sq yds. Greater Kailash-l, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-226, measuring 300 sq. yds. Greater kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggawal House,
4/14A Asuf Ali Road, New Delhi

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.f|SR-III|10-84|555.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Agr. land mg 3 Bighas and 19 Biswas situated at village Bijwisan. Teh. Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-I.

(Transferor)

(2) Sh. Kulwant Singh Sobti Slo Sh. Harbans Singh Sobti Clo Sh. S. S. Jolly, J-3<sup>199</sup>, Rajourie Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 Bighas and 19, Biswas comprised in Rectangle No. 45i4 (3-01) and Kh. No. 180 min (0.18) situated at village Bijwasan Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Aggarwal House,
4/14A Assf Ali Road, New Delhi

Date : 13-6-1985

SeaI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|556,-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Agr. land mg. 7 Bighas and 10 Biswas

situated at Village Bijwasan, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October 1984

New Delhi in October 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) Sh. Kehri, Jai Lal and Pyare Lal Ssjo Sh. Shera, Ro Village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M[s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expeires later;
- (b) by any other person interested in the said immovzble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 7 Bighas and 10 biswas, comprised in Rectangle No. 77, Kila Nos. 11 (3-18), 12 (1-16), 19 (1-16), situated at village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggerwal House, 414A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 13-6-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq I|SR III|10-34|557.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 227, Block No. 'M' Greater Kailash-II, situated at New Delhi-48, measuring 400 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have

New Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any roneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Wg. Cdr. S. S. Gyani (Retd.) C-295, Defence Colony, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Savita Sarin, Master Amit Sarin, Mr. Anil Sarin, Mr. Sandeep Sarin, M-22. Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 227, Block No. 'M' Greater Kailash-II. New Delhi, measuring 400 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Importing Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4 | 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 13-6-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4]14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|558.-

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000l- and bearing Property No. E-315, Greater Kailash-II, mg. 249 sq. 'yds.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax > Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore. in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--78-136 GI|85

- (1) Mrs. Raj Kumari Bhatia w o Sb. N. K. Bhatia, P. K. Bhatia, Anil Bhatia and Sunil Bhatia all sslo Sh. B. R. Bhatia, W-41, Greater Kailash-I, New Delhi, through Smt. Raj Kumari Bhatia (Honey). (Transferor)
- (2) M/s Deeksha Holdings (P) Ltd., 1-D, Sagar Apartments, 6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. E-315, Greater Kailash-I, New Delhi-48, measuring 249 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Aggarwal House, 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date · 11-6-1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|559.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Isoroianster referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immavable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Re. 1,00,000|- and bearing No.

3 Bed Room Flat bearing No. C-28, in the Multistoreved bldg know as kailash Apartments, situated at Lala Lajpat Rai Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mrs. Sheela Harkishan Singh, C-29, Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Indu Agrawal & Mst. Manu Agrawal (Minor), D-6, Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

3 Bed Room Flat bearing No. C-28, in the multistoreyed building known as 'Kailash Apartments' Lala Lajpat Rai Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 11th Kine 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|560.— Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1 00,000|- and bearing Unit No. 'C' part of Property, No. B-61, Greater Kailash-II

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or neg maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Vishwa Mitter Anand s o Mehar Chand Anand, r o C-128, East of Kailash. New Delhi

(Transferor)

(2) Dr. Vijay K. Singhal s|o Gordhan Das Singhal, r|o 157, Warren Avenue, Boston Mass ISA, through attorney Dr. Ajay K. Singhal, r|o E-61, G. K. II, New Delhi.

Company of the second s

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Unit No. 'C' part of Property No. E-61, Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 11-6-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq,I|SR-III|10-84|561.-Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Unit No. 'B' of Property No. E-61, Greater Kailash-II, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such reaster as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Vishwa Mitter Anand s o Mehar Chand Anand, r o C-128, East of Kailash. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. NP Basic Drugs and Pharmaceuticals,
Plot No. A-322, Roadl No. 21, Wagle Industrial
Estate, Thene and office at 1003, Reheia Centre,
Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No, 'B' of property No. E-61, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 245 sq. vds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|562,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Property hearing No. 1/10, Jangpura 'A' 2.1/2 storey situated at G.B.P. New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice was section (1) of Section 269D of the said Act to wing persons namely:—

 Smt. Padma Devi wlo Sh. P. C. Batra, Rlo G-16, South Extn. Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Jai Prakash Gupta slo Late Sh. Chottan Lal Gupta, Rlo A-1, Mathura Road, Jangpura, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1|10, Jangpura 'A' 2.1|2 storey, Govi. built property, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 14-A, Assaf Ali Road,
New Delhi

Date . 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1985

Ref. No. 1AC|Acq.1|SR-111|10-84|563.-Whereas, I, R. P. RAJESH, Whereas, I, R. P. RAJESH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. S-174, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 300 sq. yds. shunted at New Delhi (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer and or
- (A) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Om Parkash Gulati. so Sh. Nihar Chand Gulati, Ro W-79A, Greater Kailash-I: New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. D. S. Builders, through its partner Dharam Singh Rlo A-2|140, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. S-17A, Greater Kailash-II, New Delhi-48, measuring 300 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, ·New Dolhi

Date: 11 6-1985

#### FORM ITNE

(1) S|Shri Gurvinder Singh Khurana & Davinder Singh Khurana, Rlo E-21A, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ebrahim Hamed Ali Alkazi. Rlo 43, Kailash Apartments, East Wing, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|10-84|564:-Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Rs. 1,00,000]- and bearing No.

F.F. & Barsati Floor & portions of Basement of bldg. situated at No. S-431, G.K. II, N. Delhi with 60% share in a plot of land mg. 294 sq. yds.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair unarest value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of to.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-, c

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

## THE SCHEDULE

First Floor Bar sati Floor & portions of basement building No. S-431 Greater Kailash-II, New Delhi, with 60% share in a plot of land measuring 294 sq. vds. (244.02) sq. mt.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 414-A. Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 13-6-1985

Seai :

#### PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|10-84|565,—Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Agr. land mg., 30 Bighas and 7 Biswas situated in Village

Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion at the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andler ~
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which coght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persume. namely :--

(1) Sh. Ram Chander slo Sh. Mir Singh, Rlo Village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. C. Lyall & Col. (Const.) (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1|3rd share of agricultural land admeasuring 30 Bighas 7 Biswas comprised in Rect. No. 77 Kila Nos. 3(4-16), 4(4-16), 8(4-16), 13(4-16) 12E (3-0), 14E(1-04) 18|19, North (1-0), 7(4-16), Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 4|14-A, Asaf Ali Road, New Dolhi

Date: 13-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|566.— Whetcas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. 1|3rd share of Agr. land mg. 30 bighas and 7 biswas situated at village Bijwasan. New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- •b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the aconsistion of the aforesaid property by the issue of this notice under ensection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——79—136GI 85

(1) Sh. Matu Ram s|o Sh. Mir Singh, r|o village Bijwasan, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. C. Lýall & Co. (Const.) Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1[3rd share of agricultural land admeasuring 30 Bighas 7 Biswas comprised in Rect. No. 77 Kila Nos. 3(4-16), 4(4-16), 7(4-16), 8(4-16), 13(4-16), 14E(1-04), 18[19] North (1-0) and 177(1-03), 12E(3-0) situated in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 13-6-1985

Scal:

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### DIFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### STONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|567.--

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be exceeding Re 100 0001. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

and bearing 140.

1|3rd share of Agr. land mg. 30 bighas and 7 biswas situated at Village Bijwasan. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annual hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than sati exceeds the apparent consideration therefor by more than inference or cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (37 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Balwan Singh minor through his mother Smt. Chand Kaur N|G. wd|o Late Sh. Mir Singh, r|o Village Bliwasan, New Delhi.

(2) M|s. C. Lyall & Co. (Const.) Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as alvest in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1|3rd share of agricultural land admeasuring 30 Bighas and 7 Biswas comprised in Rect. No. 11 Kille Nos. 3(4-16), 4(4-16), 7(4-16), 8(4-16), 13(4-16), 12E(3-0) E(1-04), 18|19 North (1-0) and 177(1-03) situated in Village Bijwasan, New Delhi.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Aggarwal House. 4|14-A, Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 13-6-1985

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 13th June 1985

Kef. No. IAC|Acq.I|SR-HI|10-84|569,--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

and bearing

No. A-568, mg. 255 sq. ft. charged .50|50 to G.F. and F.F. situated at Kalkaji, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in October 1984 at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is 1668 than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties had not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) lacilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; undior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Des Raj slo Sh. Dula Ram, A-568, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Haibans Bahadur Mathur, s o Sh. Jagdish Bahadur Mathur, r o H-16 I, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. A-568, measuring 255 sq. ft. charged 50|50 toG.F. and F.F. situated in Kalkaji, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Aggarwal House, 4|14-A, Asaf As Road, New Delhi

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.J|SR-III|10-84|570-A,---

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|— and bearing No.

Agr. land situated in village Gadaipur, Teh. Meh. situated at New Delhi, mg. 14 bighas and 8 Biswas (and more fully described in the scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri M. K. Jain so of Fatch Chand Jain and Sh. D. R. Gupta s|o Sh. Balwant Rai, N-155, Pauchsheela Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Agarwal slo Ramesh Chand Agarwal, rlo 1C, Lucknow Road, Mall Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazone.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 bighas and 8 biswas Khasra No. 436(4-16), 452(4-16), 461(4-16), with farm house, tubewell, boundary wal alnd other fittings and fixtures, village Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date . 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

· New Delhi, the 10th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|571.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Property No. H-1, N.D.S.E. Part-1(F.F.) out of 2½ storey
sold 1st Floor, mg. 199.3 sq. yds situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasonto believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability Out the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. A. Sundaram, E-5, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(2) Mls. South Delhi Poly Clinic, through Sh. Kaj Jasra Partner, H.I., N.D.S.E. I(First Floor), New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. H-I, N.D.S.E. Part-I (First Floor), New Delhi, mg. 199.3 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquision Range-1,
Aggarwal House,
4 14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 10-6-1985

Scal:

#### FORM ITNE-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Chitra Sen, 11, Lake Avenue, Calcutta-700 026.

(Transferor)

(2) Mr. Sat Dev Singh along with Mrs. Parkash Singh, Mr. Jaidev Singh and Master Karan Singh, all r|o 4|1, Mayubhanj Road, Calcutta-700 023.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|573-A.— Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing

Residential house together with land mg. about 400 sq. vds. being premises No. C-2/7, Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which lought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 209C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if aarly, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential house together with land measuring about 400 sq. yds. (334.45) sq. meters, being premises No. C-2/7, Vasant Vihar, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Aggarwal House 4/14-A, Asat Ali Road New, Delhi

Date 3 13-6-1985 Scal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4[14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|574.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. I,00,000|- and bearing No.
Agr. land mg. 25 bighas and 13 biswas situated in village
Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more—than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or '

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mir Singh and Narain Singh so Jai Lul, Rlo village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Matu. Ram, Shri Ram Chander and Balwan ss o Shri Mir Singh, R o Village Bijwasan, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 bighas and 13 biswas M. No. 69, Killa No. 23(4-5) M. No. 92, Killa No. 3(5-8), 8(2-16), 12(4-8), 9(4-16), 2 min (2-16), 27(0-4), 11(1-0), village Bijwashn, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Aggarwal House 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|576.-Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having

Rs. 1,00,000]- and bearing Property bearing Plot No. 642, Block 'D' in the F.P.D.P. Colony, mg. 160 sq. vds. New Delhi, now known D-642. Chitranjan Park, N. D.

(and more fully described in the Schoduled annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparem consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bimal Kumar Sen slo Late Sh. S. C. Sen, Clo Rattan Dass, 1-1780, Chittranjan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Majumdar wo Sh. Amal Kumar Majumdar, rlo K-2038, Chittaranjan Park, New Delhi.

(Transfèree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigns

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 642, Block 'D' in the E.P.D.P. Colony, measuring 160 sq. yds. New Delhi and now the property is known as D-642, Chittranjan Park, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4|14-A. Asaf Ali Road, Now Delhi

Date: 11-6-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1985

Ref. No. IAC Acq. I SR-III 10-84 577.— Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Entire First Floor of Property No. S-439, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 231 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—80—136GI[85]

 Mrs. Swaroop Kaur wlo Harbans Singh Baxi, rlo 131, Palika Bazar, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. Dany Dairy & Food Engineering Pvt. Ltd., Dehradun Road, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Entire First Floor of Property bearing No. S-439, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 231 sq. vds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income tax
Acquisition Basecol.
Aggarwal House,
4114-A Assis Ali Poud,
New Delhi

Date: 11-6-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84|584,—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No. B, F.F. mg. 1600 sq. ft. part of Property No. situated at E-24, Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi in October 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Anuradha Aggarwal d|o S. P. Aggarwal, R|o E-482. Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. M. Bhasin slo late H. R. Bhasin and Pawan Bhasin (Minor) slo S. M. Bhasin, B-4[36, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. B, First Floor, measuring 1600 sq. ft. part of property No. E-24, Greater Kailash-II, New Delhl.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwel House,
4]14-A, Asaf Ali Road.
New Delhi

Date: 18-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL-ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-84-587-A.--Whereas I, R. P. RAJESH,

whereas I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Property No. B-8/10, mg. 630 sq. yds. in the Govt. Sarvants Cooperative House Bldg. Society, Vasant Vinar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Ociober 1984

at New Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Acc, to the following section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri S. P. Sen Varma, soo late Sh. A. L. Sen Varma and Mrs. Arati Sen Varma wlo Mr. S. P. Sen Varma, 1-1780, Chittaranjan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. V. Krishnamurthy so Mr. R. Venkatraman and Mrs. Rajam Krishnamurthy, A-12, Pandara Road, New Delhi.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. B-8|10, measuring 630 sq. yds. in the Govt. Servants Cooperative House Building Society, Vasant Vihar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 4 14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Data: 13-6-1985

ವರ್ಷ<del>ಕ್ಕ</del> ಗಾರ್ಟಿಕ

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th June 1985

Ret. No. IAC Acq.I SR-HI 12-84 614-A,-

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Property No. 5 Block B-6, mg, 410 sq. yds. situated at Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreal to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Sona H. Jagtiani wlo Hashy N. Jagtiani, 7, Starsway Co-operative Housing Society Bldg No. 1, Starsway Co-operative Housing Society Lin, 1, Behind Asha Colony, Juhu Road, Bombay, through Sh. R. L. Kukreja, 8A.DDA Flats (MIG) Rajourt Garden, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Radha Bhatia wlo Vijay Bhatia, rlo Bird Travels (P) Ltd., E-9, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Property No. 5, Block B.6, measuring 410 sq. yds. Vasant Vihar, New Delhi

> R. P. RAJESH Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 414-A, Asaf Ali Road,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Data: 14-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sri G. Padma Rao, Contractor, 1-8-702[81]1 Behind Shankar Mutt, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sint. K. R. Kalpana Jyothi, Wo K. Raja Mallaiah, 17-1-15 A, Santoshnagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 118/85-86.—whereas, I, M, JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. House situted at Santoshnagar Colony, Hyderahad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been terms former under the Registration Act 1908 (16 of

No. House situted at Santoshnagar Colony, Hyderahad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property bearing No. 17-1-15|A situated at Santoshnagar Colony. Hyderabad, registered with SRO's Office, Azampur, Hyderabad, vide document No. 20|85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-6-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 119|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

House situated at Vikashnagar Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. A. Kanth Wlo A Veera Reddy, 4-9, Vikushnagar, Gaddiannarum, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Satyanarayana, 4-9, Vikashnagar, Gaddiannaram, D.S. Nagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property bearing No. 4-9 situated at Vikashnagar, Gaddiannaram, Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad-East, vide document No. 12148 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1981)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

'Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 120|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

House situated at Saifabad Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this refice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

 Mrs. Arisunisa W|o Mirza Saleem Baig, Maltepally. Hyderahad.

(Transferor)

(2) Mrs. A. Mandhana Wlo Shri B. Mondharm and others, 6-1-69[5]A. Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shull have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 6-1-69|5|A situated at Saifabad, Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad, vide document No. 5431|84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 121|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. House situated at Teo Char Col., Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahabubhagar in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration between the consideration that the consideration between the consideration to the residual to the consideration between the consideration to the consideration between the consideration that the consideration between the consideration that the consideration

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Amcena Begum Wo M. A. Gaffar, Muthagadda, Mahabubnagar, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Sri Zaherbin Mohd. Bin Abdullah Bin Zakhir, 8-3-41 hear reachers Colony, Mahabubnagar, (Clo The Manager, Al Lodge, Mahabubnagar), (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property bearing No. 8-3-41 situated at reachers colony, Mahabubnagar, registered with SRO's Office, Mahabubnagar, vide document No. 2946 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 122|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00|- and bearing No.

House situated at Santoshuagar Colony, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—
81—136 GI|85

- (1) Mr. Huffazar Ali Khan & Other, 8-2-608, Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mr. Abdullah Salim, 22-1-348, Kokai Talli, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 8-2-608|48 situated at Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad, vide document No. 5565|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-6-1985

FORM ITNS

(1) Shri M. A. Parthasaiathy, Flat No. 12, Rijhamal Mansion, 9-1-29|2, S. P. Road, Secunderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th June 1985

Ref. No. 123|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (Acresmeter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introductable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000] and bearing No. Flat situated at Balanagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in October 1984 for an apparent consideration which is ten than the sec-

at Marredpally in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly reason in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) fasilitating the conceanment of any income or any names or other seems which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(2) Shri Vijaykant Ray, Rlo Gandhinagar, Balanagar, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expices later;
- (b) by any other person incrested in the said immov-sole property, within 45 days from the date of the imblication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning at given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12 in Rijhamal Mansion, Secunderabad, registered with SRO's Office, Marredpally, Secunderbad, vide document No. 2796|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqueiction of the afarcasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-6-1985

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD. (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 124|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. House situated at Masab Tank, Hyderabad, (and move fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

... itating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, n respect of any income arising from the transfer; ad/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mohd. Shafeuddin Slo Md. Mohiuddin, 10-1-17|A|C Shamraonagar, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Sabeha Sultana Wo Gulam Iftikar Ahmed, 20-2-479, Johargalli, Hussaini Alam, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 10-1-17 |A|C at Shamraonagar, Masab Tank, Hyderabad, registered with SRO's Office, Khairatabad, Hyderabad, vide document No. 2188 |84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-6-1985

Seai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 125|85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Plot situated at Banjara Hills Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri N. C. Narsa Reddy, PRO.; A.P. Industrial Development Corporation, Parishram Bhavan, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Prashanti Hospital (P) Ltd., Rep. by Mr. G. R. Bhaskar, M|D, 95, Shanthinagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open Plot of land bearing No. 10 in MCH No. 6-3-248, Road No. 1, Benjara Hills, Hyderabad, vide document No. 4622 84, registered with SRO's Office, Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 5-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1361)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th June 1985

Ref. No. RAC. 126|85-86—Whereas, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 2691 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Zainab Khatoon, GPA Sri Ali Khaja, Banjara Castel Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. K. Subbayya, H. No. 3-6-683, Street No. 10, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 on 3rd Floor, at M. No. 3-6-782, Himayat-nagat, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 784|84 in the month of October, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Late: 12-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 127|85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Flat situated at Red Hills, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object, of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue. If this notice under subrection (1) of Section 269D of the git Act to the following persons, namely :-

(1) M|s Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Md. Ayesha Mannani, 5-9-91912, Gunloundry, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407 in MCH No. 11-4-656|1, Red Hills, rayucrabad registered with SRO's Office, Khairatabad, Hyderabad vide document No. 2379/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydernbad (A. P.)

Date: 5-6-198 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, '961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 128|85-86—Whereas, T.M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No., Flat situated at Masab Tank, Hyderabad

Flat situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has any been truly stated in the said instrument of the said instrument of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in many terms arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K.R.Talwar & Others, Meenakshi Towers, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)

(2) The Trustees of Sahebfadiorlia Kuismen's Trust, Flat No. 1, Gonconda Apartments, 10-4-41, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as private in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Golconda Apartments, 10-4-41, Masa Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad, document No. 5468|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dae: 5-6-1985 .

Scal :

. ----

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th June 1985

Ref. No. 129|85-86.—Whereas, t. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat situated at Sec'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income to Acc. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Meghana Constructions, 220/A, Triveni, Marredpally. Secunderabad.

..... \_1 ... - .----

(Transferor)

(2) Mrs. Lakshni Chendra Wo Bharath Chandra, 26A, S.P. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections. If any, to the acquisition of the said property was he made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons why is ver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the multication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6 in first floor situated in M/s. Meghan a Constructions, 225 A. Trivoni, Maredpully, Secunderabad, registered with SROs Office, Marredpally, Secunderabad, vide document No. 2653184.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 7-6-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th June 1985

Ref. No. 130/85-86.-Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop, situated at M.G. Rd, Secunderabad (and more fully lescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limblity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---82-136 GI|85

(1) S. M. Modi Commercial Complex, Rep. by Sri Satish Modi, Saritha Apartments, Banjara Hills. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sharad Chincoukar, 4-2-223 1, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10 in Modi Commercial Complex, 5-4-187/5, Karbala Maidan, M. G. Road, Secunderabad, registered with SROs Office, Secunderabad, vide document No. 499/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-6-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

#### Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 131|85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value, exceeding Rs.

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value, exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat, situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairatabad in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Mukund Lal Agarwal, 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad (Bhagyanagar Constrn. Co.), Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri A. Sudhir Bhaskar, Slo A. S. Sastry, Flat No. 506, 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same not sing as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 506 in 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad, registered with SRO's Office, Khairatabad, vide document No. 2380 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 132 85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

I lat situated at Basheerbugh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1984

at Hyderabad on October, 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the suparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) fluilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mis. Commercial Flats Bldg., Corpn., A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Zohairuddin & Others, Flat No. 1105, Deccan Towers, Bashcerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403 in 4th Floor, Concorde Apartments, Khairatabad, Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad, vide document No. 5562 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'T COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 133 85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the freome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

Flat, situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. V. Chudamani w|o K. Rajendra Rao, Quarter No. 393 Sri Harikota, Nellore Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ass, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 107 in Arun Apartments, 11-5-348 to 552, Red Hills, Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad, vide document No. 5313 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-6-1985

Scal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 134/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat situated at Arun Apts, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to beleive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M|s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri T. Pardha Saradhi, 34-A, Kalpana Area, Bhuvaneswar, Orissa.

(Fransferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 510 in Arun Apartments, 11-5-348 to 352, Red Hills, Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad, vide document No. 5197/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-6-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (Transferor)

(2) Mr. I. C. Sharma, 3-6-189, Hyderguda, Hyerabad.

Hyderabad.

(1) M|s. Landmark Builders, 6-2-30, Khairatabad,

(Transferoc)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Rcf. No. 135/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat situated at Somaj guda, Hyderubad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Registering Officer at Hyderabad on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said propagate may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis we defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Apartment No. 103 in premises No. 6-3-986 to 996 Kapadia lane, Somajiguda, Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad, vide document No. 4986|84.

M. IEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydernbad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following. percons, namely :-

Date: 5-6-1985

 Ms. Land mark Builders, 6-2-930, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 136|85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Flat situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Flat situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Col. P. W. Curtis & Mrs. K. A. Curtis, 3-5-804|3, Raj Reddy Marg, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Appartment No. 102 on first floor and Garriage No. 7 in 6-3-986 to 996, Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad, registered with SRO's Office, Khairatabad, Hyderabad, vide document No. 5332/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 138|85-86.—Whereas, I, 'M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

Flat situated at Somajiguda, Hyedarabd (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Oct, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
\$3—136 GI 85

(1) M/s. Landmark Builders, 6-2-930, Khairatabad, Hyderabad-500 004.

(Transferor)

 Mr. K. S. H. Rao, Flat No. 15, Paul Mansions,
 Bishop Yefroy Road,
 Calcutta-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of a period of the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 3rd Floor and Garrage No. 14, at 6-3-986 to 996 Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad registered with SRO's Office, Hyderabad, vide document No. 5135|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-6-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 139 85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000- and bearing
Flat situated at Crescent Towers, Hyderabad
(and more; fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the
Competent Authority
at Hyderabad in 10 84.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by snore than inference per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) indilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (12 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) M|s. Crescent Towers, Masab Tank, Hyderabad.

THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

(Transferor)

(2) Smt. Zahida Begum,
 Flat No. 603 C, Crescent Towers,
 Masab Tank,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons;
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603 C in Crescent Towers, Masab Tank, Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad, vide document No. 5011/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-6-1985

Seal ;

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th June 1985

Ref. No. 140/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land situated at Kakinada

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada in 10|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer are correct to hat the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri D. Janakirama Raju, Prop. L Janakirama Finance Corporation, Opp: S. R. M. T., Main Road, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri T. Surendranadh Benarjee, Retd. Executive Engineer, 2-23-11, Sarada Street, Srinagar, Kakinada, E. G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1294 sq. yds. situated at Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 9931;84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1985

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5706.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

H. No. 64 situated at Radio colony (Gandhi park), Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority

at Indore in October, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Shrivallabh
 Sho Shri Badri Prasad Shrivastava,
 33|37, Tulsi Nagar,
 Bhopal.

(2) Smt. Anju Shah Wlo Shri Mahendrachamsi, Guardian Ashok Kumar Slo Sh. Atulkumar, 80, Radio colony,

Indore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the \_respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 64, is situated at Radio colony (Gandhi park), Indore.

V. K. BARANWAT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills

Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 29-4-1985

FORM NO. LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC Acqn | Bpl | 5707.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Plot No. 21 & House thereon situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority . at Indore in October, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the somideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, o he following persons, namely:—

 M|s. Mansukhani Constructions, R|o 20, Hathipala Road, Indore. Thro' Partners—Jagdish S|o Shri Jamnalalji Mansukhani.

(Transferor)

(2) Shri Liyakat Slo Shri A. A. Arif, Rlo Bank colony, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Plot No. 21 & Building thereon situated at Indore Vikas, Pradhikaran scheme No. 44, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Importing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 7-5-1985

#### FORM LT.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE RHOPAI.

Bhopal M.P., the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5708.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having.

a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 35 situated at Janki Nagar Extension No. 1, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Indore on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concontment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Gopi Vallabh Slo Shri Mohanlal Soni, Rlo 24/6, Parsi Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Taradevi So Shri Shankerlal Goyal, Rio 37/8, Murai Mohalla, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 35, is situated at Janki Nagar Extension No. 1, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

Date: 7-5-1985

Scal:

*F*)

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC Acqui Bpl. 5709.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reuson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Kh. No. 179, Plot No. 1 (Part thereof) situated at Palda, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Officer at Indore in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer
- .(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

(1) Shri Harishchandra Slo Shri Tikamchandra Agrawal, 2. Shri Tikamchand So Shri Suvalalji Agrawal, Ro 109, Murai Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2 M/s. Uttam Dal Mill, Sajan Nagar (Chitavad Road), Indore Thro' Partner Uttamchand Slo. Shri Jabarchandji Kothari and Others, Rlo Sajjan Nagar, H. No. 159, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kh. No. 179, Plot No. 1 (Part thereof) is situated at Palda, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal M.P., the 7th May 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5710.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Plot No. 66 situated at Agrawal Nagar (Old land), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at at Indore in October, 1984.

at more in October, 1904.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Radheyshyam Slo Shri Girdharilalji, Rlo Shehnagar, Scheme No. 47, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Omprakash Slo Shri Hamumandas Khandelwal, Rlo 7, Gora Kund, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 66 is situated at Agrawal Nagar (Old Land), Indore.

V. K. BARANWAL .

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 7-5-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal M.P., the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5711.—Whereas,I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

Flat (Portion No. 6), Ground floor scheme No. 31 Plot No. 31 situated at Snah Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at at Indore in October, 1984.

at Indore in October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persout, namely :-84-136GI/85

(1) Smt. Promlata Agal Wlo Shri Sagarmal Agal, 2. Shri Pankaj Agal So Shri Sagarmal Agai 80, Janki Nagar (Main), Indore.

(Transferor)

(2) Shri Suraimal Bandi Slo Shri Sajjanlal Bandi 12, Rajgarh Kothi, Indore. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat (Portion No. 6), Ground floor, Scheme No. 31, Plot No. 31 situated at Sneh Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 29-4-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5712.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 7 situated at Ishwari Apartment, Sindhu Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

at Indore in October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers sEd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons namely :-

(1) Shri Harnamdas S|o Shri Narayandusji Bhatia, R|o 13|3, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Vinay Kumar Slo Shri Chandmalji Mehta, Rlo 33|1, Nihalpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

4

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7 is situated at Ishwari Apartment, Sindhu Nagar, Indore.

> V. K. BARANWAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 7-5-1985

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5713.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. House No. 47 situated at Chitavad, Anand Nagar, Indore.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Indore in October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any muneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Madanlal Adhar Narain, 70, Saika Compound, Sradhanand Marg, Indore SAI-KA.

(Transferor)

(2) Sampatkumar Ramchandra, Maheshwari, 85, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were period according to the contract of whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

House No. 47 is situated at Chitavad, Anand Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Rhopal

Date: 29-4-1985

Scal:

#### FORM ITNE-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5714.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Sestion 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1.00,000/- and bearing No.

as the 'said Act'), have reason to believe this the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 72. Shop No. 5 (Shop on ground floor) situated at Maharani Road, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in October 1984

Indore in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transftr, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chand Morwani Slo Shri Govindramii Morwani Rlo H. I. G. colony, Indote.

(Transferor)

(2) Shri Chand Wadhwani Slo Shri Dharamdas Wadhwani, Rlo 19, Katju colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motion in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

House No. 72, Shop No. 5 (Shop on ground floor) is situated at Maharani Road, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No IAC<sub>1</sub>Acqn, Bpl 5715.—Where is, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

House bearing Mun. No. 91 situated at Radha Nagar colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer servingreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which there not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Motilal Slo Shri Champalalji Jain, Rlo 91, Radha Nagar colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Nandan So Shri Daulalji Dhoot, Ro 20, Hukumchand Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said ecoperty may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 91 is situated at Radha Nagar colony,

V. K. BARANWAL Composent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985 Seal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5716.—Whereus, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Plot No. 66

stuated at Bhagwandin Nagar, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conctalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Maganlal, So Nathu Prasad Hardia, 82, Bhagwandin Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri inipaldus S<sub>1</sub>o Flowhandji Hinduja 167, Palsikar colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 66 is situated at Bhagwandin Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL` Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax, Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, persons, namely: ---

Date: 7-5-1985 Sect :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl | 5717 .-- Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inimovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House No. 415

situated at Jai Bajrang Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on October, 1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dinesh Kumar So Sheshrao Mandavgade, 118, Nanda Nagar Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gopinath So Kodiba Gavde Bansi Press Ki Chal No.14, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 415 is situated at Jai Bajrang Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Bui'ding Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqa|Bpl.|5718 -Whereas. I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable that the immovable to the content of th property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 10. situated at Ahilyamata colony, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on October, 1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the dability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Shantilal So Sewaramji Jain Rlo Badnagar, Dist. Ujjain.

(Transferor)

(2) 1. Shri Raoji Bhai S|c Gorjibhai 2. Ramesh Bhai, Shri Harsadbhai, Shri Karikishan So Raoji Bhai, 12|2, Snehlatagani, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 10 is situated at Ahilyamata colony, Indore.

v. K. baranwal Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985

#### FORM LT.N.S.~

### NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC Acqu Bpl. 5719.—Whereas, I,

Ref. No. IAC|Acqq|Bpl.|5719,—Wherens, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 249B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Bungalow No. 54

situated at Neemuch Cantt., Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Neemuch on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, ta respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

85—136GI/85

(1) Smt. Mankunwar Bai alias Manbai Wo Shrikishanji Bansal Bungalow No. 54, Molaram Ka Hata, Neemuch Cantt., Dist. Mandsaur.

(Transferor)

(2) Shri Sudhakar Slo late Shri Datmtreyji Balbakar Sholapur, Dist. Sholapur, Maharashtra, Bungalow No. 54, Molaram Ka Hata, Neemuch Cantt., Neemuch. (Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow No. 54, situated at Molaram Ka Hata, Neemuch Cantt., Neemoch.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl.|5720.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Plot No. 12

situated at New Palasia, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1984

for an apparent consideration which is cless than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concenteness of any income or any noners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons.

(1) Smt. Kalavati Bai Wo Shri Lilaramji Hemnani Chetana Building, Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kishanchand
Slo Dharamdasji
Rlo 6. Jairampur colony,
Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 is situated at New Palasia, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMIL-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|572! - Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
House No. 9|1
situated at Saket Nagar, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of majafer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys on other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (1.1 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kunwar Lal Singh Sjo Doulatsingh Rlo Suner, Dist Ihalavad, Rajasthan Thro Genl. power of attorney Sh. Chandsingh Slo Doulatsingh, Madhuban colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Pradecp Jain Slo Ratanial Rlo 270, Saket Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pers. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No. 9|1 is situated at Saket Nagar, Indore.

7. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl.5722.—Whereas, I. V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 129 & House built thereon situated at Bairathi colony No. 2, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the itoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Pahlaj Ram Slo Tejumalji H. No. 444, Sadhu Waswani Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Gyani bhai Wlo Hiranandji Rlo H. No. 224, Indrapuri colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said projective may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 129 and house built thereon is situated at Bal-ratti colony No. 2, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Rajkumar S|o Tejumalji
 H. No. 444, Sadhu Waswani Nagar, Indore.

(Transferor)

Smt. Gyani Bai
 W|o Shri Hiranandji
 R|o 224, Indrapuri colony,
 Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|5723.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plot No. 129 & House built thereon

situated at Barrathi colony No. 2, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-ar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Plot No. 129 & the house built thereon is situated at Bairathi colony No. 2, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 7-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bol|5724.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 266 (Part thereof) squated at Saket Nagar colony, Indore (Khajrana) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jadore on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Saraswatibal Gorbole
 Wo Dattatreya Gorbole,
 E-78, LIG colony
 Smt. Pramila
 Wo Manohar Nam Joshi
 4, HIG colony thro' Genl. cower of attorney
 Smt. Nirmal
 Wo Kallashchandra Gangrade,
 4, HIG colony,
 Indore.

(2) Shri Surya Prakash & Shri Chandra Prakash Slo Shri Ramnarain Dubey,

120, Neelkant colony, Indore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No 260 is situated at Saket Nagar colony, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills. Bhopal

Date : 7-5-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5725.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fall market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 11-E.

situated at Radam Kothi colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Ac, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have ceason to believe that the fair market value of the property an afopsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Virendra Bahadur Singh Slo Brij Biharisingh Chouhan Thro' Genl. Power of attorney Smt. Draupati Wlo Virendra Bahadur Singh Chouhan, 23, Jai Builders colony, Indore.

(Transferor)

Shri Nathu Prasad
 Madhura Prasad Bajpai,
 Dairy compound, Manoramganj,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 11-E is situated at Ratlam kothi, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5726.-Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Plot No. 37 (Part thereof) situated at Shrinagar Extension

colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore, on October, 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as adoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-seetion (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:-

(1) Smt. Sushilabai

D|o. Shri Mannalaiji Gupta,

W|o. Shantilalji

Rlo. 28, Bhagatsingh Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri B. L. Garg, R. O. A-65, M. I. G. colony, Indore. R. O. A-65, M. I. G. colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underslaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service continue on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 37 (Part thereof) is situated at Shrinagar Extension Colony, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 7-5-1985

Scal 1

(1) Shri Budha So. Ghisaji Mali, Vill. Bagdun, Teh. & Dist. Dhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.
BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5728,—Whereas, I. V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land Survey No. 251 situated at Vill. Bagdun, Teh. & Dist. Dhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dhar, on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Dineshchandra,
 Slo. Rameshchandra Khandelwal,
 1, Such Nagar, Main Road,
 Navlakha, Indore.
 Prop. of Mls. Khandelwal Glass Industries.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 251 is situated at Village Bagdun, Teh. & Dist, Dhar.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

89—136GT/85

Date: 7-5-1985

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th May 1985

Ref. No. 1AC Acqn. Bpl. 5729.—
Whereas, I, V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
Plot No. 218/4, block No. 14 and the Housing built thereon. situated at Lohar Mandi, Burhanpur Ward, Burnanpur, (and more fully described in the Schedule annexed here) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur on October, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in cursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Nafiz Sahid, Wo, Abdul Hussain Sahid Daudi Bohra, Kaji Haweli Ward. Daudpura.

(Transferor)

Sint. Aminabi,
 Wlo. Mohd. Ismail Femi,
 Kherati Bazar, Burhanpur.

·(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Plot No. 218|4 (Block No. 14) and the house built there on is situated at Lohar Mandi, Burhanpur Ward, Burhanpur.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985

#### FORM NO. I.T.N.S .----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5730.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000}and bearing No.

Part of House bearing No. 213 situated at Jagjivanram Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) lacditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Ram Prasad. Slo. Ghasiram Jagjiyanram Nagar, Indore Thro Genl. power of attorncy Shri Ram So. Kunwarji Grower, Devi Ahilya Mata Marg, (Transferor)

(2) Shri Brij Bhushan Kadiya, So. Sukhlalji Kadiya Rlo. 213, Jagjivanram Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 213 is situated at Jagjiwanram Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills.

Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 7-5-1985

Scal:

Shri Babulal Slo Ramkaranji Kachwah,
 26/2, Chipa Bakhel, Indore,

(Transferor)

(2) Shri Yogendra Kumar Sjo Manilalji Jain, Imali Bazar, H. No. 157, Indore.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE UNCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5731.—Whereas, I, Whereas, J, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing.

No. Plot No. 346 & Building thereon situated at Usha Nagat, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore, on October, 1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer has agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

House built on plot No. 346 is situated at Usha Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Now Act, I aforesa. section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 7-5-1985

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME FAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhoral, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|BpJ.|5732, $\rightarrow$ -Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing House No. 17, situated at Jail Road, Street No. 1, Indore tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Subhash Haribhan Puranik, Jail Road, Indore Present address: Nunda Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Devendra Kumar Jain, 86, M. G. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J'APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 17 is situated at Jail Road, Street No. 1, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building,
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Sheela C. Narona, 10, Ranade Compound, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn.[Bpl.]5733.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authrity under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Plot No. 118,

situated at Aroop Nagar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)... has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Shri Satish Kumar sjo Satyapal Gupta,
 2. Smt. Sangila wjo Satishkumar Gupta,
 rjo 4|5 North Rajmohalla
 Indore.

(Transferee /

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officer Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 118 is situated at Anoop Nagar Colony, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Income-Tax Building,
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5749.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovably property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House No. 59 (New No. 6) situated at Race Course Road, Indore

situated at Race Course Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Madanlal slo Sukelalji Garg, 6, Race Course Road, Indore.

(Transferor)

(2) Dr. Maheshchand slo Shri II: ilashchand Agarwal, 6/7, Race Course Road, Indore.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 59 (New No. 6) is situated at Race Course Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioer of Income-tax,
Acquisition Range
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5 1935

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC Acqu. Bpl. 5772.—Whereas I, V. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/, and bearing
Land Survey No. 394 1 (Halka No. 24), situated at Ratlam,

situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Ratlam on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nauuram so Narainji Mali, rlo Juni Kalal Seri, Ratlam.

(Transferor)

(2) Sarkari Karmachari Grih Nirman Sahakari Samiti Maryadit, Ratlam Thro' President, Shri Kishore Singh so Vijay Singh Dodiya, rlo 14, Badi Sitalamata Ki Gali,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Survey No. 304 1 (Halka No. 24) is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-4-1985

Soal:

### PORM ILM2~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5773.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Land Survey No. 394]1, H. No. 24,

situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easots which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
87—136C1102 87—136GI|85

(1) Shri Nanuram so Shri Narainji Mali, r o Juni Kalalseri, Ratlam.

(Transferor)

(2) Abhibhashak Grih Nirman Samiti, Thro' President Shri Lalchand Ubi s o Mansharamji, r o New Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Survey No. 394 (Halka No. 24) is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Income-Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 29-4-1985

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1985

No. IAC|Acqn|Bpl|5775.—Whereas BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land Kh. No. 347|1|2, 349|2,
situated at Vill. Bavadiya Kalan, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) 1. Shri Jeetmal, 2. Nand Kishoreji, 3. Ramnarayan, so Hazarilal, rlo Bavadiyakalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopel.

(Transferor)

(2) Holi Cross Sahkarita Grih Nirman Samiti Maryadit, Bhopal Thro' President Mandathil Itty Itty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Lakh Kh. No. 347|1|2, 349|2 is situated at Vill. Bavdiya kalan, Teh. Huzur, Distt. Shopal. This is the immovable which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> v. k. baranwal Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Income-Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 13-5-1985

# FORM ITNS-

(1) Sri R. Jana, No. 34, Car St., Triplicane, Madras-5. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri B. Arul Raj and B. Joseph Raj, Kallambedu, Kannur (post), Pannur (via), Chingleput (Dist.), Pin.602 108.

whichever period expires later;

### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immov.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act

THE SCHEDULE

Land and Building: S. No. 514 (Part) in Thiruvottiyur,

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on, the respective persons

Madras-600 006, the 30th May 1985

Ref. No. 26/Oct.84/R.II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 514 (Part) Thiruvottiyur situated at Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thiruvottiyur/Doc. No. 3241/84

on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- Madras. Thiruvottiyur/Doc. No. 3241/84,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely -

Date: 30-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th May 1985

Ref. No. 33/Oct.84/R.II.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. 140, Thiruvanmiyur, S. No. 162/9, situated at Thiruvanmiyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on October 1984

transfer with the object of :-

on October 1964

at Saidapet Dec. No. 998,999 84

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as aforesaid property. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Muthulaksmi, Velammal, Parvathi, Ganapathy, Saraswathy, Paramaguru, Venkatasubramanian, No. 17, T. M. Maistry St., Madras 41. (Transferor)
- (2) Smt. M. Sudha, 42/4, West Avenue, Kamaraj Nagar, Madras-41. (2) Smt. M. Radha, 13, Guindy Road, Adyar, Madras-20. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 162/9, and 140, Thiruvanmiyur, Madras. Saidapet/Doc. No. 998 and 999/84.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 30-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th May 1985

Ref. No. 75/Oct.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Wet Land at Thiruppapuliyur, situated at Cuddalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Cuddalore/Doc. No. 1703/84

on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Sri R. Subramanian, 5/0 Raghavan, Mariamman Koil St., Bhoomiar pettai, Pondicherry.

(Transferor)

(2) Sri K. Belchandar, s|o R. Kandasamy Nadar, No. 86, Sankaranaidu theru, Thiruppapuliyur Town, S.A. Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wet lands at Thirupapuliyur, Cuddalore. Cuddalore/Doc. No. 1703/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 30-5-85

# FORM ITNS----

 Sri Bangaramma Damodaran, 532, IV Block, Koramayala, Bangalore-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mamta Appa Rao, 59, C. P. Ramasamy Road, Madras-18.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th May 1985

Ref. No. 166/Oct.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,1000/- and bearing No. 2, Chamiers Road, Madras-28, situated at D. No. 3901 33, Plot No. 9, Now Archbishop Mathias Avenue,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 1023/84

on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building: No. 3901/33, Plot No. 9, Door No. 2, Chamiers Road, Madras-28.

Madras Central/Doc. No. 1023/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-5-85

Scal:

:== -:- - -

FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th May 1985

Ref. No. 173/Oct.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 15, 8th cross St., Sastri Nagar, situated at Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Adyar/Doc. 2955/84 on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe t at the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the seduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any imports or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely:—

(1) Mr. Badrinath, S|o Late Pandit Jang Bahadur Chaturvedi, No. 15, 8th Cross St., Sastri Nagar, Madras-20. (Transferor)

1. Mr. B. Sudhir Raj, s/o G. Bangar Raj, 2. Mrs. Gita Raj, w/o Mr. B. Sudhir Raj, 12, Ganapathy Colony, Alwarpet, Madras-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building Door No. 15, 8th Cross St., Sastri Nagar, Madras-20. Adyar/Doc. No. 2955/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date . 30-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th May 1985

Ref. No. 194/Oct.84/R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Jumbulingam Road, Mylapore, Madras-4 situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 1416/84 on October 1984

on October 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Thuluvath Hotels Pvt. Ltd., Director Mrs. Annie Juse, represented by Mr. Jose Antony Thuluvath, Thuluvath Naloor, Cochin-17.

(Transferor)

(2) Sri P. R. Nagappan, N. Valliammai, No. AJ. 82, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 1, Jumbulingam Road, Mylapore, Madrag-4. Mylapore/1416/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons massely :--

Date: 30-5-1985

FORM ITNS \_\_\_

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 30th May 1985

Ref. No. 195 Oct. 84 R. II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Ro. 2, Judge Jumbulingam Road, situated at Mylapore, Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 1417 84 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
88—136GI|85

(1) Sri Jose Antony Thuluvath, No. 1, Judge Jumbulingam Road, Madras-4. (Transferor)

(1) Smt. N. Valliammai and P. R. Nagappan, No. AJ. 82) Anna Nagar, Madras-40. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesame persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# HE SCHEDULE

Vacant land at No. 2, Judge Jumbulingam Road, Mylapore, Madras-4. Mylapore Doc. No. 1417 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 30-5-85

(1)- Sri K. Raghupathy, 20, Bawa Road, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 1. Sri N. Muthu,
 2. Sri N. K. N. Nagappa Che tiar both at Viswanathapuram Village,
 Ramachandrapuram Post,
 Pudukkottai Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 30th May 1985

Ref. No. 248 Oct. 84 R. II.—Whereas, I
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. 20 Mowbrays Road, 2nd I ane, Alwarpet, situated at
Madras-18.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Mylapore Doc. No. 1396 84 on October 1984
tor an apparent consideration which is less than, the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market alue of the property as aforethan lifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truely stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 20, Bawa Road, or Mowbiavs Road, 2nd Lane, Alwarpet, Madras-18.

Mylapore Doc. No. 1396 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, mererore, us pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 30-3-85

<u>,\_\_\_\_ - ----\_\_ - ----</u>

# FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISI! ION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 30th May 1985

Ref. No. 267[Oct. 84]R. II.-Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 54D, New No. 79, Velachery Road, situated at Velachery.

Madras-32

with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet Doc. No. 1012/84 on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri R. Vijaykumar, Smt. Manjula Vijayakumar, No. 1, 1st Cross St., Lake area, Madras 34.

(Transferor)

(2) Smt. H. Geetha, No. 65, Cenetoph 1st St., Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sain property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said in meable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 3 grounds 1950 sq. ft. and out house thereon bearing old Door No. 540, New No. 79, Velachery Road, Velachery, Madras-32.

Saidapet Doc. No. 1012/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ Madras-600 006

Date . 30-5-85

Scal :

(1) M|s. R. V. K. Holdings Rep. by its Managing partner Sri R. Vijayakumar, No. 79, Velachery Road, Velachery, Madras-32. (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Surekha, No. 46, Giri Read, T. Nagar, Madras-17. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforessid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable

property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Madras, the 30th May 1985

Ref. No. 268[Oct. 84]R, 11,-Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No. T.S. No. 3, Block No. 15, Velachery Road, situated at Vela-

chery, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet Doc. No. 1010 84 on Oct 1984

for an apparent consideration which is less than the fair mearket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/em

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957\((27 of /1957));

Land: 3 grounds 2100 sq. ft. in Velachery Road, Velachery, Madras-32. T. S. No. 3, Block No. 15, Saidapet Doc. No. 1010 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras the 1st June 1985

Ref. No. 1 Oct. 84 R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000i- and bearing No.

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Block 85, T.S. No. 212[3, situated at Kodambakkam Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. No. 2717[84 on October 1984]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have rason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. S. Mani, 11, Thadi Ratnam St., Madras-15.

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Devi and others, 49, Brindavan St., Madras-33.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building: 11 Thadi Ratnam St., Kar West Jones Road, Saidapet, Madras, 15.
Kodambakkam Doc. No. 2712 84.

MRS. M. SAMUI:
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri N. Viswanathan, No. 3, Madha Church St., Mandavelipakkam, Madras-28.

No. 143, Rasappa Chetty St., Madras-3.

(2) M<sub>f</sub>s. P K. Vaduvammal,

(Transferor)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st Julie 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said promerty may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. 19 Oct. 84 R. II.-Whereas, 1

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 18 (Oid No. 14B), New Tank St. situated at Nungambakkas, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Thoursnellights Doc. No. 455 84 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property se aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 18, (Old No. 14B) Tank St. Nangambakkam, Madras.

Thouandlights Doc. No. 455 84,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1985

Seaf:

FORM NO. LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st June 1985

Ref. No. 35|Oct. 84|R. 11.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUE1, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No.

Old No. 540, Valachery Road, Velachery, situated at Madras-32 in Old S. No. 78, New T.S. No. 3, Block 15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Saidspet Doc. No. 1009 84 on October 1984 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sri R. Vijaykumar and Smt. Manjula-Vijayakumar, No. 1st Cross St., Lake Area, Madras-34.

(Transferor)

(2) M|s. Leo Enterprises, Rep. by Smt. K. Suckha, Managing Partner, No. 46, Giri Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building No. 79, Velachery Road, Velachery, Madras-32.

Saidapet Doc. No. 1009 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st June 1985

Ref. No. 37 Oct. 84 R. II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Old S. No. 78, T. S. No. 3, Block No. 15, situated at Velachery Road, Velachery, Saidapet (and more fully describe in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet Doc. No. 1011 84 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the opposite consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not trees or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) M/s. R. V. K. Holdings, No. 79, Velachery Road, Velachery, Madras-32.

(Transferor)

(2) Smt. J. Radhabayamma, 46, Giri Road, T Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land At; T.S. No. 3, Velachery Road, Velachery, Madras. Saidapet Doc. No. 1011 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 200 D(1) OF THE

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN\* COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADP.AS-600 006

Madras-600 006, the 1st June 1985

167 Oct. 84 R. H.-Whereas, I, Ref. No. Mrs. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 3901/8, New No. 5(Old 1-A) Adyar Boat Club

Road, Adyar, situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1020 84

on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-89-136GI|85

(1) Ms. India Forge & Drop Stampings Ltd., 103-A, Abhiramaparam, 4th St., Madras-18.

(Transferor)

(2) M|s. Trident Axles Pvt. Ltd., G-10, Maharani Bagh, New Delhi-110 065.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give: in that Chapter.

# THE SCHEDULE !

Land and Building: Second Avenue Boat Club Road, R. S. No. 3901|8, Door No. 5 (Old No. 1-A) Adyar Boat Club Road, Madras.
Madras Central Doc. No. 1020 84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-6-1985

Scal:

(1) M/s. India Forge & Drop Stampings Ltd., 103-A, Abhiramapuram, 4th St., Madras-18.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mls. Kunal Forge Co. Ltd., 201, Sector 9, Chandigarh,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st June 1985

Ref. No. 168 Oct. 84 R. II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Land and Building: R. S. No. 3901/8,
No. 5 (Old No. 1-A) Adyar Boat Club
Road, Adyar situated at Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1019 84

on October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of muster with the object of :--

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from. the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to gay tax under the said Act, in respect of any income, arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 5, New No. 1-A, Adyar Boat Club Road, Adyar, Madras.

Madras Central Doc. No. 1019]84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 1-6-1985

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st June 1985

Ref. No. 170 Oct. 84 R. II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 85 A. R.S. No. 1407 B. Vanniya Teynampet, situated at Mount Road, Maddras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1008 84 on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaden of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri R. Parvathavardhini Natarajan, Sri T. V. Natarajan, No. 4, Mowbrays Road, First Cross St., Sriram Nagar, Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri M. Thirunavukkarasu, Mrs. T. Karniyakha Ranie, No. 6, First Link St., CIT Colony, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant Land Door No. 85[A, R.S. No. 1407] IB, Vanniya Madras Central Doc. No. 1008[84, Teynampet, Mount Road, Madras.

Mrs. M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 1-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st June 1985

Ref. No. 175|Oct. 84|R. II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL,

Thing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 1.00.000 and bearing No. S. No. 141. Sholinganallur Village, sitrand, at Saidonet Taluk, Chingleput Dist. (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto),

(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar Doc. No. 2711 84 on October 1984

on October 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ms. Blue Lagoon Models and Properties Pvt. Ltd., Director;
 R.V.G.K. Rao,
 Gandhi Mandap Road,
 Kotturpuram, Madras-85.

(Transferor)

(2) Sri M. Saravanam,2, Dr. Radhakrishnan Road, I Lane,Mylapore, Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land in New R.S. No. 1/1F, Sholingar Village, Saidapet, Taluk, Chingleput dist.

Adyar Doc. No. 2711/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st May 1985

Ref. No. 176|Oct. 84|R.II.—Whereas, I, R.S. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

No. 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar situated at Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 2754/84 on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Mrs. Sembagalakshmi Ammal, M M N( New Delhi.
- (2) Mrs. P. P. Kamakshi Ammal, No. 19, II Main Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar, Madras-2 Adyar/Doc. No. 2754/84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600006

Date: 31-5-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st May 1985

Ref. No. 176|Oct. 84|R.H.--Whereas, 1, MRS. M. SAMUE1,

being the Competent Anthority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 48 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 9, 2nd Main Roak Grandhi Nagar situated at Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 2752,84 on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the caid instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the pransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby income proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Sembagalakshmi Ammal, Mr. K. Narasimhan, Mr. K. Jayachandran, No. AB-4, Purana Quila Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. P. P. Kamakshi Anmal, No. 19, II Main Road, Madras-28,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig, as are defined in Chapter XXA of the said fiet, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Flat: 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar, Madras-20. Adyar|Doc. No. 2752|84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600006

Date: 31-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Sembagalakshmi Ammal, Mr. k. Naiasimhan, Mr. K. Jayachandran, No. AB-4, Purana Quila Road, New Delhi.

(2) Smt. S. Dhakshayani Chandilya,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

No. 61, 4th Trust Cross St., Madras-28

(Transferee)

Madras-600006, the 31st May 1985

MADRAS-600006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. 176|Oct.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar situated at Madras-20

No. 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar situated at Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Adyar|Doc. No. 2751|84 on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---transfer with the object of !---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat: 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar, Medras-20. Adyar Doc. No. 2756|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st May 1985

Ref. No. 176|Oct.84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Autority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (As of 1974) (acceptanted to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-1 and bearing No. 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar situated at Madras-20

No. 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar situated at Madras-20 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Adyar Doc. No. 2755 84 on October, 1984

Adyar Doc. No. 2755 84 on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid orderty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Sembagalakshmi Ammal, Mr. K. Narasimhan, Mr. K. Jayachandran, No. AB-4, Purana Quila Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. C. R. Padmanabhan, No. 7, 27th Street, 7th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said projectly may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat: 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar, Mauras-2u. Adyar Doc. No. 2755 84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Date: 31-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Sembagalakshmi Ammal, Mr. K. Narasimhan, Mr. K. Jayachandran No. AB-4, Purana Quila Road, New Delhi,

(Transferor)

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st May 1985

Ref. No. 176 Oct.84 R.H.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar situated at Madras-20 (und more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Adyar Doc. No. 2753 84 on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Madras-34.

(2) Mr. K. Jayaranam, No. 20, I Cross Street, Lake Ara,

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income usising from the transfer;

THE SCHED

Flat: 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar, Madras 20. Adyar Doc. No. 2753 84

(b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--90→-136 GT/85

Date: 31-5-1985

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Mr. K. Narasimhan, Mr. K. Jayachandran, No. AB-4, Purana Quila Road, New Delhi.

(1) Mrs. Sembagalakshmi Ammal,

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006 the 31st May 1985

Ref. No. 176 Oct.84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. No. 9, 2nd Main Road, Gandhi Nagar situated at Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Adyar Doc. No. 2751 84 in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) fac, taking the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and or

(b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which hs which ought to be disclosed by the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Ramani Ramakrishnan, 20, Thirumurthy Street, Madras-17.

Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public catlon of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as givet
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gandhi Nagar, Madras-20. Adyar|Doc. No. 2751|84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600006

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st June 1985

Ref. No. 177|Oct.84|R.II.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section

269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 50, Door No. 10, B, Venkalaratnam

situated at Nagar, Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 2787/84 on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Plot No. 50, Door No. 18, No. B, Venkatarathnam Nagar, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

Sri T. Srinivosan,
 Banu Coop. Housing Society Ltd.,
 Banu Nagar, Maharashtra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property easy be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

# THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 50 Door No. 10 B. Venkataratnam Nagar, Madras-20.

Adyar/Doc. No. 2767/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600006

Date: 31-5-1985

, Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# HE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, OFFICE OF THE INSPECTING MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st June 1985

Ref. No. 200 Otc. 84|R.II.-Whereas, J, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 36, Dr. Radhakrishnan Salai, situated at Mlyapore,

Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapor/Doc. No. 1469/84 on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Kanakarathnammal, Sri T. V. Cheilappa, Smt. Bina Ramanujam, Smt. Depika Vijaykumar, Smt. Sangeetha Sanjeevi Raman, No. 36, Dr. Radhakrishnan Salai, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri T. Balakrishnan, No. 66, Abhiramapuram, IV Street, Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 36, Dr. Radhakrishnan Salai, Mylapore, Madras-4.

Mylapore/Doc. No. 1469/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600006

Date: 1-6-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri D. V. Ahmed Mecranachi, 47, Muthumani Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri J. M. Amanulla, 890, S.A. Colony, Madras-39,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st June 1985

Ref. No. 252|Oct.84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-| and bearing No. 62. Bazaar Road, Madras-4 situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore|Doc. No. 1365|84 on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the eard property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defised in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building: 62, Bazaar Road, Madras-4. Mylapore/Document No. 1365/84

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 or 1957);

MRS. M. SAMUEI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1985

Scal:

# FORM ITNE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING AMUSTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st June 1985

Ref. No. 232|Oct.84|R.H.—Whereas, 1,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (herehafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing
No. 20, Balamuthu Street, Madras-2 situated at Madras-2
SRO Madras North|Doc. No. 2958|84
(and more fully described in the Schedulc annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SRO Madras North|Doc. No. 2958/84 on October 1984
for an apparen. consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly etated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Sofia Bee, No. 12, Muktharunissa Begum Street, Anna Salai, Madras-2.

(2) Sri M. Usman, No. 100, Showkath Ali Street, Pudur, Elayangudy, Ramnad Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the sa may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a 45 days from the date of publication of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI

Land and building: Door No. 20, Balamuthu Madras-2,

Madras North/Doc. No. 2958/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1985

the object of :--

# FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-U,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st June 1985

Ref. No. 233 Oct.84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 5, Plot No. 16, Mowbray's First Cross Street, situated at Sri Ram Nagar, Alwarpet, Madras-18 (and more fully described in the schedule annexed herato), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 2974/84 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ifability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. V. S. Mallika, No. 5, 1st Cross Street, Kasthurbai Nagar, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Sri Sadashiya Bhatt, <sup>1</sup> 302, Anna Salai, Teynampet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land: Door No. 5, Plot No. 16, Mowbiay's First Cross Street, Sri Ram Nagar, Alwarpet, Madras-18. Madras North/Doc. No. 2974/85

MRS. M., SAMUEL
Competent Authority
Largeoting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang. U
MADRAS-600006

Date: 1-6-1985

Seal

(1) Sri S.M.K. Mohamed Ali Jinnah, Sri S.M.K. Shoukath Ali, No. 16, Mohamed Hussain St. Royapettah, Madras-14.

No. 458, Pantheon Road, Egmore,

(2) Miss Sudha,

Madras-8.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st June 1985

Ref. No. 234|Oct|84.R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

D. No. 22/1, Jani Jahan Khan Road, situated at

Royapettah, Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Noningeoc. No. 2978 84 on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have retton to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bxplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; क्ष्यते /कर

Land and building: O.D. No. 36, privately numbered as Door No. 22/1, Jani Jahan Khan Road, Royapettah, Madras-

Madras North/Doc. No. 2978/84

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 1-6-1985

Scal

FORM ITNS----

(1) Sri S. Chandra Bose and three others, No. Paramasive Chetty St., Madras-2. (Transferor)

(2) M|s. Unike Industries, By Proprietor Manoharlal, 413, Mint St., Madras-3.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st June 1985

Ref. No. 240 Oct. 84 R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of one Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 1/1, Parthasarathy Naidu St., situated at Parambur Barracks, Madras, 12, O.S. No. 101 R.S. No. 1764/14, Vepery (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Madras North/Doc No. 2867/84 in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and Factory Shed: 1/1, Parthasarathy Naidu, St., Parambur Barracks, Madras-12, O.S. No. 101, R.S. No. 1764/14 Vepery.

Madras North/Doc. No. 2867/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 869°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—
91—136GI[85]

Date: 1-6-1985 Seal:

 A. H. Abdus Shakaar Shaheeb & Others, No. 5, Purakannu Shaib Street, Vellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. S. Nazeer Ahamed, No. 23, Kariachary Street, Vellore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 3|Oct.|84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing situated at Pararkanu St., No. 14, North Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registering Officer at S.R. Vellore (Doc. No. 3383|84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

r any ct, in

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property at No. 14, Purarkanu St., North Vellore. S. R. Vellore. Doc. No. 3383|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsensons, namely:—

Date: 22-5-1985.

#### 'FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 5|Oct.|84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 236 1 situated at Kondattam village, Vellore Taluk. N.A. District (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at J.S.R.I., Vellore, Doc No. 3668|84 on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; undior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri G. Subramani, Slo A. Govindaraja Mudaliar, Masilamani St., Vellore.

(Transferor)

(2) Shri R. Ramasamy, Stanes & Co., Ltd., Regional Manager.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Kondattam village, Vellore Taluk. S.R. J.S.R.I. Vellore. Doc. No. 3668|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 22-5-1985.

Scal:

(1) Shri G. Subramaniam, Slo Govindaraja Mudaliar, Vellore.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 6 Oct. 84. -- Whereas, I, MRS. M. SAMUEI being the Competent Authority under Section, 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,00 - and bearing S. No. 23611, 2, 3, 4 situated at Keeranurvattam village, Vellore Taluk, North Arcot District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at JSR. I, Vellore (Doc. No. 3609 84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri R. P. Ratnasamy, Clo Stanes Tyre and Rubber Products Private Ltd., Coimbatore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 31 days from the service of notice on the respectiv persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

?roperty at Keerannurvattam village, Vellore Tk., North Arcot District.

S.R. J.S.R.I., Vellore, Doc. No. 3609|84.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

ete: 22-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 11|Oct.|84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. situated at Ambur village, Vaniyambadi Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registration Officer at S.R. Ambur (Doc. No. 2325|84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Hamimunn.sa Beham, Wo. P. L. Anwarpahasan,
 Kaniyambadi Abdul Wahad Street, Vaniyambadi.

(Transferor)

(2) Shri P. G. Manohar Naidu, Slo P. K. Govindasamy Naidu, 27, Kaniyambadi Abdul Wahab Street, Kudiyatham.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Ambur village, Vaniyambadi Taluk. S.R. Ambur. Doc. No. 2325/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il, Madras-600 006

Date: 22-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 13 Oct. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. T.S. No. 237 situated at Shanthi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Vaniambadi (Doc. No. 2399 84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Balakrishnan, Slo Gopalakrishnan, M1, New Town, Gandhi Nagar, Vaniyambadi.

(Transferor)

 Shri P. Mohan Doss, So Perumal Kollatheru, Govindapuram, 446, Vaniyambadi Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Property at Gandhinagar, Vaniyambadi, T.S. No. 287. S.R. Vaniyambadi. Doc. No. 2399|84.

MRS. M., SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 22-5-1985.

(1) Shri P. N. Makpul, Old Pettai. Krishnagiri.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri A. L. Abdul Razid, So A. Obdul Latip, Palcaut, Dharmpuri District.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 16|Oct.|84.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, Ref. No. 16/Oct. 84.—whereas, t. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Au.hority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Municipal Door No. 7/179B situated at Netaji Road, Krishna-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at J.S.R.II, Krishnagiri (Doc No. P.88 84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesain exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X of the said Act, shall have the same aning as given EXPLANATION in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Krishnagirl village, D. No. 7|179B. J.S.R.H, Krishnagiri. Doc. No. P.88 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 18|Oct.|84.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Survey No. 42|3, 4 situated at Nalikkalpatti village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Dadagapatty (Doc. No. 2828|84, 2829|84 & 2830|84|84) in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ∎nd /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri P. V. P. N. Baskaran, Soo P. V. P. Nagarali Chettiar, 205, Ambalavanaswamy Koil Street, Kugai Salem-6 and others.

(Transferor)

(2) Shri P. Valyali Pillai, So Perumal Pillai, 52|B2, Sanniyasl Kundu Road, Ichipalayam, Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as sives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Nillakalpatti village. S. No. 42|3, 42|4, 42|2. S.R. Dadagapatty. Doc. No. 2828, 2829, 2930|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely .-

Date: 22-5-1985.

4 - FEB. 1804 - 1004 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 1

\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 19 Oct. 84—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the level Act). the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Survey No. 136]2 situated at Panamarathupatti vil Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tadagapatti (Doc. No. 2854|84) in October 1984 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with she object of:— (1) Smt. Pavayee Selvi. W/o K. R. Ganesan, Sinnamuthalaipatti; Namakkal Taluk, and Smt. Angammal Saraswathy, Wlo M. Ayyachamy, Sunnamuthalaipatty, Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Soundarajan, So Karuppanna Gounder, Panamarathupalty.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sames of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

Land at Panamarathupatty village, Salem Taluk. S.R. Tadagapatty. Doc. No. 2854 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons namely :--92---136GI 85

Date: 22-5-1985.

FORM ITNS ---

(1) Shri P. Sivanantham and others, Pandamangalam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri V. Thangavel, Slo Vaiyapuri Pillai, Pandamangalam Village.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 21/Oct. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Survey No. 64 situated at Agraharam village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Velur (Salem) (Doc. No. 1444 & 1445/84) in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero; to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any inc. (b) or any moneys or other assets which have not much or which ought to be disclosed by the trans rece for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (ii of 1922) or the soid Act or the West has Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the aervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Agraharam village, Valur Sub-div, Namakkal Div, S.R. Velur (Salem). Doc. No. 1444|84 & 1445|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said vet. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-5-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Rcf. No. 22[Oct.|84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

S. No. 264 situated at Komarapalayam village, Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Velur (Salem), Doc. No. 1501/84 in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Ramasamy Gaunder and others, East Perumampalayam, East Sathampur village, Namakkal, Salem District,

(Transferor)

(2) Shri Sinnappa Gaunder and others Olappalayam, Punjai Edayar Kilmugam village, Namakkal Taluk, Salem District.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Komarapalayam village, Survey No. 264. S.R. Velur (Salem). Doc. No. 1501/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Da e = 22-5-1985 Sc. . :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri V. Govindaraj and others, Pandamankalam village.

(Transferor)

 Shri L. Periasamy, S|o Lingappa Gounder, Vellakoil village, Periar District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 23[Oct.|84.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43-6) 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmoveable property having a fair market exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing No. Survey No. 287[2] situated at Pandamangalam village, (and more fully descried in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16-of 1908) in the office of the Registration Act 1908, (16-of 1908) in the office of the Registration which in less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land at Padamangalam village Vellore, S. No. 287/2, S.R. Vellore (Salem). Doc. No. 1514/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing pursues, namely:—

Date: 22-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 24|Oct.|84.—Whereas, I, MRS. M, SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/Rs. 1,00,000/Rs. 1,0

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I tereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Natesan, Sio Kobundapaiyan, Palaniappa Gounder, Kannipalayam.

(Transferor)

Shri S Vainuri,
 S|o Subramaniamuthu Raja,
 Mohanoor,

(Transferec)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

i MPLATATION - The terms and expressions used herein 'ns are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Konthalam village, Vellore Sub-Div., Namakkal Division.
Survey No. 6 S.R. Velur (Salem), Doc No. 1518/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-690 006

Dato: 22-5-1985.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196! (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 28|Oct.|84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. T.S. No. 51 situated at Ward B, Block 18, Omalur Road East, Periyeri village, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registering Officer at J.S.R.I, Salem, (Doc. No. 2326|84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

 Shri S. Ramamurthy Chettiar and others, Kariyandi village, Ramakrishnapuram Panchayat, Nanguneri Taluk, Tirunelveli District.

(Transferor)

(2) Shrì V. Siyaramasubramaniam, S|o M. Varatharaja Pillai, Theivanayagam Pillai Street, Sevvalpet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said acr, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building at Ward B, Block 18, T.S. No. 51, Periyeri village, Salem Town.
J.S.R.I, Salem. Doc. No. 2326|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras-600 006

frow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 22-5-1985.

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 30[Oct]84.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUFL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
S. No. 210 2 situated at Komarasamypatti village, Sales

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908; in the office of the Registering Officer

J.S.R.I., Salem (Doc. No. 2399|84) in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as alternation exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Kandasamy, So Palanichamy Palavaran, Ammakuthikadu, Sinna Tirupathy. Konzarasamy patti, Salem.

(Transferor)

(2) Shri C. Varathan. Slo Sinna Gunder. 152, Railway Line North, Ponnammapet, SALEM-1.

(Transferee)

Objection3, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovance property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Komarasamypatti village, Salem Taluk, J.S.R.I. Salem, Doc. No. 2399[84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Madras-600 006

Date: 22-5-1985

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref No. 31 Oct. 84.—Whereas, I,

MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

situated at Pothanur village, Vellore, Namakkal No.

Taluk,

(and more fully descried in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vellur (Salem) Doc. No. 1523 84,

in October 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intinte proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pecsons, namely :--

(1) Shri A. Gandhi, C|o Arumuga Gounder, Vengamedu, POTHANUR.

(Transferor)

(2) Shri K. P. Rangarasan, Soo M. K. Ponnusamy Chettiar, Incttian Street, /elloro P.O. ALEM.

(Tránsferec)

Objectious, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at Pothanur village, Vellore, Namakkal, S.R. Vellur (Salem) Doc. No. 1523|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 22-5-1985

NAME AND A COLUMN TO PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF

### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 32|Oct!|84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
S. No. 169|6 situated at Pallapatti village, Salem Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at J.S.R. III. Salem (Doc. No. 1064|84), in October 1984.

for an apparent \*consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reductive or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followign persons, namely:—

93—136GI|85

 Shri A. Kaliappan and others, Suramangalam Main Road, Near-Jawahar Mill, Pallapatti village, Salem Town.

(Transferor)

(2) Smt. A. P. Vasanthakumari,
Wlo. K Gopalakrishnan,
Door No. 20, Komarasamipatti Natesu rumumani
Olony,
lem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Pallapatti Village, Salem Town, S. No. 169/7.

J.S.R.III, Salem, Doc. No. 1064|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 22-5-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 33|Oct.|84.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, .

of transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100 0001- and hearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing S. No. 169/3 situated at Pallapatti village, Salem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. III, Salem (Doc. No. 1065-84) in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. Kaliappan, and others, Suramangalam Main Road, Near Jawahar Mill, Pallapatti village, Salem Town.

(Transferor)

Shri K. Gopalakrishnan,
 P. Narayanan,
 Door No. 14, New Saratha Vilas,
 Kottai Main Road,
 Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said \*mmmable property, within 45 days from the date of t publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Pallapatti village, Salem Taluk, S. No. 169[3.

J.S.R.III, Salem. Doc. No. 1065|84.

MRS. M. SAMUER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Igrome-tax Acquisition Renge-I. Madras-600 005

Date: 22-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 40 Oct. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.06.000 and bearing No.

Survey No. 18505 situated at Tadagapatti Village; Salem

has been transferred under the Registration. Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. Salem East (Doc. No. 2526|84) on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason wo believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (2) facilitating the regimenon or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Muthammal. Wo Sinnappu, Putta Nagendra Street, Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri N. Siyalingam. Slo Nagappa Mudahar. Vaiyaguri Midali St., Ammapettai, Salem Town.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the 'date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given o that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Tadagapatti village, Salem Taluk, S. No. 185/5. S.R. Salem East., Doc. No. 2526|84.

> MRS.`M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 22-5-1985

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 65 Oct. 84. Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. R. S. No. 194 situated at Door No. 1, Thiruveethi Ammal Koil St., Kilpauk, Madras-10 (and more fully descried in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doc. No. 1090/84) in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian Income-tax Act, 1922

and/or

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Thiru Aditya Agarwal, Slo Jayagovind Hari Shanker, 74, Perumal Mudali Street, George Town, MADRAS-1.

(Transferor)

(2) Smt. M. Devi, W|o K. Mokundan and 2. Thriu K. Vasudevan, Slo K. Karathotty, No. 2, Thiruveethi Ammal Koil St., Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Othelal Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that I hapter

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 1, Thiruveethi Ammai Koll St., Kilpauk, Madras-10, R.S. No. 194. S. R. Periamet, Doc. No. 1000|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 22-5-1985 Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I, MADRAS-600 006

Ref. No. 86 Oct. 84.—Whereas, I, MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. situated at Barracks Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (Doc. No. 493/84 n October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cornder with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lie of the transferor to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the transfer; 4.30 /431

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri S. A. Mohamed Ayumatullah Sahib and others. No. 5, Kottaigarden 10th Lane, MADRAS-21.

(Transferor)

(2) Mrs. S. Kalavathi, Wlo Somasundaram, 52, Broadway. Broadway, MADRAS-21.

(Transfer**ee**)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at No. 59, Portuguese church street, and Door No. 1, Barracks lane, Madras.

S.R. Sowcarpet, Doc. No. 493|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L Madras-600 006

Date + 22-5-1985 /

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

transfer with the object of-

R.S. No. 137 Part situated at Villivakkum village, Madras-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 3536/84)) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to ргорегьу ав алогенью exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the impuliof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any memoys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein by are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in het Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Plot No. 1230, R.S. No. 137 part Villi akkam village Madras-40, S.R. Anna Nagar, Doc. No. 3536|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range ! Madros-(00 00).

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 92 Oct | 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. S. No. 11566 situated at Door No. 3, Sunkurama Chetti St., Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North (Doc. No. 2855|84 on October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration which the consideration that the consideration that the consideration for the consideration for the consideration that the consideration for the con and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 'and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Archbiship of Madras, Mislatore, represented by his Attorney Rev. J.P.D. Souza, Vicibishop's House 21, Santhome High Road, Madras-4.

(2) Mrs. Parijatham Nagaraj, 5, Taylors Road, Kilpauk, Madras-600 010. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at No. 3, Sunkurama Chetti Street, Madras. J.S.R.I., Madras North. (Doc. No. 2855|84).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 22-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 103 Oct 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.

R.S. No. 137 Part situated at Villivakkam village, Madras-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 3536[84]) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been training stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri H Thomas Koshy Şlo T. C. Koshy, No. 90, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

mt. Bimlavathi, Ýlo. Sh.; Rantsaran, Llot No. 2677, 12th Main Road, Anna N.tgar West, MADRAS 49

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Plot No. 1230, R.S. No. 137|part Villivakkam village Madras-40, S.R. Anna Nagar, Doc. No. 3536|84.

MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 22-5-1985

Seal

#### FORM NO. ITNS

NOTICE (FIDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 53 Oct 84.—Whereas, I. MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 122 etc. situated at Lathivadi village, Velagoundenpatti, Namakkal Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at velagoundanpatti (Doc. No. 719 84) on October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) flacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Veerappa Gounder, Slo. Nalliya Gounder and Shri Raju, Silambagounda Palayam, Lathiyadi village, Thiruchengodu Taluk.

(Transferor)

Shri Loganathan,
 Sjo. Marappa Gounder,
 Salayoor,
 Lathivad; Village,
 Thiruchengodu Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Lathivadi village. Velagoundenpatti, Namakkal Distt. S. No. 122 1 & 121 1, 2, 4 & 6. S. R. Velagoundanpatti. Doc. No. 719 84.

MRS, M. SAMUEL-Competent Authority Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Madras-600 006

Date: 22-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 54 Oct 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing S. No. 18 1 situated at Athiyoor village, Erkaud Taluk, Salem District. (and more fully described in the Schedule annexed harete), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Yercaud (Doc. No. 283|84), in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nimely :--94-136 GI/85

(1) Smt. P. Nirmala, Wo Perumal Pillai, 20, Sahade SALEM-7. Sahadevapuram,

(Transferor)

(2) Shri S. R. Asaithambi, So. Rengasamy, Baskar,
"Jem Granites",
Head Office, Kathitral Road, MADRAS-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45-days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Athiyoor village, Yercaud Taluk, Salem Dist. S. No. 18|1. S. R. Yercaud. Doc. No. 283|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 22-5-1985 Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st May 1985

Ref. No. 63 Oct 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/not bearing
No. Door No. 19, Old D. No. 85 situated at Pedariar Koil
Street, (V.O.C. Nagar), G.T. Madras-1.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (Doc. No. 482/84) in October 1984.

S.R. Sowcarpet (Doc. No. 482|84) in October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helicve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the vonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. L. Kamallammal and others, No. 19, Pedariar Koil Street, MADRAS-1

(Transferor)

(2) Shrt V. Jayaraman, Sjo Varadharajalu Naidu, 100. Pedariar Koil Street, MADRAS-1.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 19, Old Door No. 85, Pedar, ar Koil Street, (V.O.C.O. Nagar), G.T. Madras-1. S.R. Sowcarpet. Doc. No. 482|84,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sake Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following реглохи, пальсіу : --

Date: 21-5-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madas-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 48|Oct|84.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Survey No. 13|1 samated at Pillanaliur village.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Rasipuram (Doc. No. 190<sub>1</sub>84) in October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shti Pull'yappa Gounder and others, Pillanallur village, Rasipuram Taluk.

(Transferor)

(2) Shri A. Swamynathan. So Athiyappa Gounder, Pillanallur village, Rasipuram Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Villanallur village, Resipuram Taluk, S. No. 13/1 etc. S. R. Rasipuram. Doc. No. 190/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Date : 22-5-1985

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 50|Oct|84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 244|1 etc. situated at Pattanam village; Rasipuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rasipurum (Doc. No. 1925|84) in October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesmid fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri P. T. Muthu and others, Pattanum P.O., Rasipuram.

(Transferor)

(2) 1. Shri V. Ganapathy,
2. Ilango and
3. Rajendran,
Slo. Vadivel Gounder,
Pattanam P.O.,
Rasipurom.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Puttanam village, Rasipuram. S. No. 244|1 etc S. R. Rasipuram. Doc. No. 1925|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madrad-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smit. Veerayce and others, Thenga palayam, Rasipuram Taluk.

(Transferor)

(2) Shri K. Sengottu Velu, Secretary, Gandhi Kalvi Nilayam. Thengalpalayam village, Rasipuram Taluk,

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

. Ref. No. 51 Oct 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing No.
Survey No. 32|2 situated at Thengalpalayam village, Rasi-

puram Taluk,

puram Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Rasipuram (Doc. No. 1930/84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at Thengolpalayam village, Rasipuram Taluk, S. R. Rasipuram. (Doc. No. 1930/84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 22-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 52|Oct|84.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and beaving No Survey No. 180|2 situated at Minnakkal Agraharam village, Mallasamudram, Salem Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Revistration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Mailusamudram (Doc. No. 1318/84) on October 1984. tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tinusfer with the object of:-

(1) Smt. Seerangayammal and others, Minnakkal Agraharam village, Rasipuram Taluk, Salem District.

(Transferor)

(2) Shri Shunmugham, Slo, Kuppusamy Gounder, Minnakkal Agraharam village, Rasipuram Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

# (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Minnakkal Agraharam village, Namakkal, Salam Dist, S. No. 180/2. S.R. Mallasamudram. Doc. No. 1318/84.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-5-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri C. Muthusamy, Slo. Sinna Gounder, and 2. Shri M. Palanichamy, Mandagampalayam, Kumaramangalam village, Thiruchengodu Taluk.

(Transferor)

(2) Shrii Kandaswamy and others, Nallipalayam villge. Pudupalayanı,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 43 Oct 84.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Survey No. 92, situated at Kumaramangalam village, Thiruchengodu, Namakkal, (and mura fully described in the Schedule appoyed harmto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Thiruchengodu (Doc. No. 2363/84) in October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfe

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

#### THE SCHEDULE

Land at Kumaramangalam village, Thiruchengodu, Namakkal. S.R. Thiruchengodu. Doc. No. 2336/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madrays-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-5-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 106|Oct|84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred thas the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

S. No. 489, 499 situated at Namakkal Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

and bearing No.

S. No. 489, 499 situated at Namakkal Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Namakkal. Doc. No. 132684 on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than inference cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 Smt. M. P. Annapurna Ammal, Wlo. Dr. M. Pramanathan, Namakkal Town, Gandhi Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Ilangovan, Slo. Rakkiyak Gounder, Namakkal Town, Cherukkalai Village, Pudupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Namakkal village, Namakkal Taluk, S.R. J.S.R.I., Namakkal, Doc. No. 1326|84.

MRS, M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Madras-600 006

Date: 22-5-1985

Scal:

# FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 107 Oct 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authrity under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Survey No. 235|2 situated at Seeveor village, Kudiyatham taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Kudiyatham (Doc. No. 4330 84) on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Acx. or the Wealth-tox Act. 1957
- Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, (hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
  95-136 GI|85

(1) Shri T. G. Chockalingam, So. Govinda Chetty, GUDIYATHAM.

(2) Smt. V. Kuppulakshmi, W'o. Venugopal Chetty. GUDIYATHAM. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Seevoor village, Gudiyatham Taluk. S.R.O. Gudiyatham, Doc. No. 4330/84,

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 22-5-1985

#### FORM LTNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd May 1985

Ref. No. 108|Oct|84.—Whereas, t. MRS. M. SAMUEL, being the Compstent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'? have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No —— situated at Kudiyatham Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R. Gudiyatham (Doc. No. 4358|84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pea cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the succion or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any importe arising from the manufor
- (b) facilitating the wavecalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following colsons, namely:—

 Shri M. Pandurenga Naidu Pariyas and others, Bangalore, Karnataka State.

(Transferor)

(2) Shri M. Lonisanthi Join, Slo. Mohanlal Jain, Kudiyatham Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (v) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Kudiyatham Town, Door No. 276|647. S.R. Gudiyatham. Doc. No. 4358|84.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 22-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th April 1985

Ref. No. 4|Oct|84. —Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. situated at Kamakshipuram, Bagayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LS.R.I., Velore (Doc. No. 3682/84) on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

 (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
 under

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Miss A. Jacob, D|o. Late P. J. Jacob, Poothicoti, Kamakshipuram, Bagayam, Vellore.

(Transferou)

(2) Mrs. Sareena Thomas Mathew, Wlo. E. Thomas Mathew, 3119 Albermerle Road, Linden Hill Village, Wilmington, Delaware 19808, U.S.A. Slo. Sri P.M. Joseph, Soroyil, Chengannur, Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Kamakshipuram, Bagayam. J.S.R.I., Vellore. Doc No. 3682/84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 25-4-1985.

· Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1985

Ref. No. 8[Oct]84.-Whereas, I, PREMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Nol situated at Idayanchathu village, Vellore Taluk

No situated at Idayanchathu village, Vellore Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Vellore (Doc. No. 3730 84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Incone-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri V. M. Karunanithi, 2. R. Selvamani, Slo. S.V.A.M. Rathna Mudaliar, 3. Muguntna Mudali Street, Velapadi, Vellore.

(Transferor)

(2) Shri C. Jeganathan, Slo. C. M. Suthanantha Mudaliar, 13|2, Hostal Road, Vellore. Dr. T. Balaji, Slo. T. Seenivasalu Naidu, 67, Venkatasamy Road, R. S. Puram, Koimbatore.

(Transfere:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 35 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -- The tents and expressions used herein as be steffeed in Chapter XXA of the said Act, shall have the sume meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Idayanchathu Village, Vellore Taluk. J.S.R.L. Vellore. Doc. No. 3730[84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-4-1985.

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th April 1985

Ref. No. 10|Oct|84.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing

situated at South Vellore in Vellore Town, North No.

Arcot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R.I. Vellore (Doc. No. 3800/84) on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri M. Murthi, Slo. M. Muniasami Achari, 289, Main Bazar, Saidapet, Vellore.

(Transferor)

(2) Mls. Mangalam Chit Funds, By managing partner Shri K. Raju, 161 2, Chunnambukara Street, Vellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saki Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at South Vellore in Vellore Town. North Arcot. J.S.R.I., Vellore, Doc. No. 3800|84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras-600 006

Date: 26-4-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1985

Ref. No. 38|Oct|84.—Wherens, I. PREMA MALJNI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-] and bearing No. T.S. 924 situated at Ammapettai village, Salem

Rs. 1,00,000-] and bearing
No. T.S. 924 situated at Ammapettai village, Salem
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer
at Salem East (Doc. No. 2551 84) on October 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesad property and I have register

ar sherical thoc. No. 237104) on October 1954
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesad property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property is
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tlability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri G. M. Gurunathan and others, Authur Taluk, Kothampadi village.

(Transferor)

Shri Ramalingam,
 Slo. Kuppanna Gaunder,
 Kanthapa Gaunder,
 Slo. Palani Gaunder,
 Settikattu Valavu, Ammapettai,
 Salem-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Ammapettai village, Salem. S.R. Salem East. Doc. No. 2551|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-4-1985.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1985

Ref. No. 39|Oct|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, leaving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing

No. Survey No. 361|5 situated at Ammapettal village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Salem Fast (Doc. No. 2552|84) on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer withethe object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri G. M. Gurunathan and others, Kattuvaluvu, Authur Main Road, Ammapettai, Salem.

(Transferor)

 Shri K. Ramalingam & P. Kandappa Gounder, Chettikkattu Valavu, Ammapet, Salern-3.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

I and at Ammapet village, Salem, S.R. Salem East, Doc. No. 2552|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-f
Madras-600 006

Date: 16-4-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Narayana Chettiar, So. Subbaraya Chettiar, 57A, Chetty Street, Thiruchengodu.

(Transleror)

(2) Smt. K. Parvathy, Wlo. C. Sengodan, 48, Kailasampalayam, Door No. 13, Kailasampalayam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1985

Ref. No. 42/Oct/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. Survey No. 20 simuted at Thiruchengodu vilage, Namak-

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax number the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any monors or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the problemation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Thiruchengodu village, Namakkal S.R. Tiruchengodu. Doc. No. 2514|84.

PRFMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 16-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd May 1985

No. 46|Oct|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 26913 of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to belive that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Survey 16, situated at 85R, Komarapalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 1893|84) in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri G. S. Loganathan and six others, Kurusamypalayam, Pillanallur village, Rasipuram Taluk

(Transferor)

(2) Smt. P. Athayee, wo S. Seerangan, 85R, Komarapalayam, Rasipuram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Komarapalayam village. Survey No. 16. S.R. Rasipuram. Doc. No. 1893 84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—74—136 GI|85

Date: 3-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 64|Oct|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000}- and bearing No.

23, situated at Erulappan Street, Madras-1
Sowcarpet (Doc. No. 486|84)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 486|84)

at Sowcarpet (Doc. No. 486|84) in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ramakrishna Math. Rep. by Authorised Agent Swami Tapasayananda, Registered Office at & P.O. Belur, Howrah, District. West Bengal and Branch office at Mylapore. Madras-4. (Transferor)

(2) Shri Hastimull Chowdhury, and four others, No. 4, Ramanan Street, Madras-79.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at No. 23, Erulappan Street, Madras-1. S.R. Sowcarpet. Doc. No. 486|84.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ns, namely:---

Date: 29-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

No. 82|Oct|84.—Whereas I, PREMA VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Testing Rs. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated at No. 17. Paramy Chair Carrier Testing Rs. No. 9559, situated Actrier Testing Rs. No. 9559, situated Rs. No. 9559, si

situated at No. 17, Bommu Chetty Street, Park Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (Doc. No. 500|84)

in October 194

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Agt, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. Mrs. Ponnammal, P. C. Mohanalingam and
 P. C. Mohanarangam,
 Bommu Chetty Street, Park Town, Madras-3.

(Transferor)

(2) Mrs. G. Vijayalakshmi, 4, Bommu Chetty Street, Park Town, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 17, Bommu Chetty Street, Park Town, Madras-3. S.R.O. Sowcarpet. Doc. No. 500|84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 27-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

No. 84|Oct|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. R.S. No. 2171 etc. situated at 23, Gorge Town, Shanmugarayan Street,

Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sowcarpet (Doc. No. 512 84)

on October 1984

on October 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. R. Jothimani, wo P. Ramraj, 2. P. Ramraj, 23, Shanmugarayan Street, Madras-1,

(Transferor)

(2) Mrs. D. Kasturi,wo G. Devarajan,128. Varadhamuthiappan Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at 3, Shanmugarayan Street, Madras-1. S.R. Sowcarpet, Doc. No. P. 10|84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

85 Oct 84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. R.S. No. 10432, situated at Door No. 27, Devaraja Mudaly

Street, Park Town, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 512[84) in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferce for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the said property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely :--

(1) Baby alias Sivakamiammal and four others, No. 2, 16th Central Cross Street, Bharathi Nagar,

The state of the s

(Transferor)

(2) Shri P. L. E. N. Mohamed Abdul Khader, and three others,

No. 5, Bangaramman Street,

(Transferee)

Park Town, Madras-3.

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 27, Devaraja Mudaly Street, Park Town, Madras-3, S. R. O. Sowcarpet. (Doc. No. 512|84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-4-1985

(1) Shri M. L. Devaraj, 30, East Park Road, Madras-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 99|Oct|84,-Whereas I, PREMA MALINI

VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/an bearing No. 207/17, 207/21, situated at Thirumangalam vilalge

Anna Nagar (Doc. No. 3598[84)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3598|84) in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Dr. G. Venugopal, 42, 43, Mangapally Naicken St., Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Thirumangalam village No. 207|17, 207|21.

S.R. Anna Nagar.

Doc. No. 3598|84.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 27-4-1985

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1985

No. 100 Oct 84.—Whereas I, PREMA MALINI Rcf. VASAN, VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Door No. Al 78, eithered at Manualtania Village. Annual Nagara situated at Naduvakkarai Village, Anna Nagar, (and more fully descried in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Anna Nagar (Doc. No. 3590|84) in October 1984 for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sfores: ad property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

(1) Smt. R. Mohanambal, wo Thiru K. Ramamurthy, 17, Kanda Pillai Street, Aminjikarai, Madras-30.

(Transfet

 (2) Mrs. Khudsia Haq,
 w|o Dr. M. Mazharul Haq,
 No. 94, South West Boag Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Door No. A1 78, Naduvakkurichi village, Anna Nagar.

S.R. Anna Nagar.

Doc. No. 3590184.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 9-4-1985

## FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1985

No. 105|Oct|85.-Whereas I, PREMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Survey No. 159, situated at Thirumalagiri village, Namakkal

1, 12 11 196121

S.R. Sendamangalam (Doc. No. 1431/84) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at S.R. Sendamangalam (Doc. No. 1431|84)

in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said transfer with the sai instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Paramasivam, s|o Alagapudiyar, Kalappanaickenpatti.

(Transferor)

(2) Shri N. Duraisamy, 9|0 Nainapudaiyar, 54B|V.O.C. Street, Chidambaram, South Arcot Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Thirumalagiri village, Namakkal Taluk. Doc. No. 1431|84. S.R. Sendamangalam,

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 16-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 135|Oct. 84|R.II.—Whereas, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Land at Thiruppur, Udumalpet situated at Udamalputtai

Udumalpettai 2265 84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Udumelpatti.

in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have recom to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

\(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferso for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in purusance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

97—136GI|85

(1) Sri T. S. Sridharan, s|o Sri Sampathkumaran, 18, Kaburkhan Veedhi, Udumalaipettai.

(Transferor)

(2) Sri Mayilsami, s/o Rangasamy Chettiar, Kalipuram, Vettrilaipalayam, Post. Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same messing as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Udumalaipettai, Thiruppur. Udumalaipettai. Doc. No. 2265 84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 134|Oct. 84|R. II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Udumalaipettai situated at Kottamangalam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalaipettai|Doc. No. 2460|84 in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Vijayammal, wo Late Vengadasamy Naicker, Muruggapatti, Kottamangalam.

(Transferor)

(2) Sri V. Raju Naidu, s|o Velayudhasamy Naidu, Virugalpatti, Pudur, Virugalpatti Village, For The Mernakshi Vilas Co. Pvt. Ltd., Director.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Kottamangalam Village.

Udumalaipettai 'Vattam.

Udumalaipettai|Doc. No. 2460|84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 125|Oct. 84|R. II.—TWhereas I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 49, 'D' Building, Evershine Apartment Door No. 11 13, Ansari St.,

situated at Ramnagar, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatoge Doc. No. 4331 84, for an apparent consideration which is less than the fair

Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the unit Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri K. Ramakrishnan, son of Late C. G. Krishnamurthy Iyer, No. 15 11-D, 6th Cross, Bharathi Park Road,

(Transferor)

(2) Sri C. G. V. Krishnan, so Shri C. G. Venkataraman, No. 9, Ansari St., Ramnagar, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HEMANATION: -The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 11|13, Ansari St., Ramnagar Coimbatore.

Coimbatore Doc. No. 4331 84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th June 1985

Ref. No. 154|Oct.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing R.S. No. 2531/Property as specified in schedule to Doc. No. 1317/84

1317/84

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor/Doc. No. 1317/84 on October, 1984

on October, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri K. Ranganayaki Ammal, W/o K. V. Srinivasan, 8, Bazullah Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Dr. R. Javakumar. Son of Janab, S. A. Rahim, No. 4, Jawaharlal Nagar, Karneeswarar Koil Street, 1st Lane, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the alquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o ra period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as specified in scedule to Doc. No. 1317/84. Coonoor.

> MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th June 1985

Ref. No. 202]Oct.84[R.II.—Whereas, I,

Ref. No. 202/Oct.84 R.H.—whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Nerinjipettai Village S. No. 282/1, and 283/2A, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 4064/84 on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Mysore Diocesan Society At Bishop's House, Church Road, Mysore-1, Power Agent Rev, Fr. D. Noranha.

(Transferor)

(2) Sri M. V. Prasad S/o M. Seetharamaiah, 76, New Fairlands, Salem-16. 2. Sri K. Sundaram S/o M. Karuppuna Gounder, 69, Ramnagar, Komarasamy Patti, Salem-7.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Nerinjipettai Village, S. No. 282/1, 283/2A, Bahvani Taluk. Erode/Doc, No. 4064/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 5-6-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 3rd June 1985

Ref. No. 116[Oct.84]R.II.—Wherens, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing Cheezhurani situated at R.S. Puram, Coimbatore

Cheezhurani situated at R.S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 4587/84 on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been OL which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely :-

Smt. C. Padmavathy, W/o K. V. Chinnathambi, Gumittipathi, 'Thirumalayampalayam, Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) Sri G. Sridharan S/o R. S. Gopalchettiar, 420, Vaisiyal Street, Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE \* SCHEDULE

Property as specified in schedule to Document No. 4587/. 84. Coimbatore.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 3-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 3rd June 1985

Ref. No. 121 Oct.84 R.II.—Whereas, I,

MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Thelungupalayam Village situated at G.S. No. 74/2 and

77/2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 3598/84 on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for, such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

(1) Sri T. K. Subramaniam S/o Subramaniam Iyer, Robertson Road, Coimbatore Town.

(Transferor)

(2) Smt. M. Dhahira Banu W/o N. Abdulla, 21, G.R.D. Lay out, Robertson Road, Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building—G.S. No. 74/2 and 77/2 Telungupalayam Village.

Coimbatore/Doc. No. 3598/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting A sistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 3-6 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 3rd June 1985

Ref. No. 128|Oct.84|R.II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

R.S. Puram situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 4457/84

on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (1) Smt. V. Sakuntala Bai W/o Late Dr. V. Krishna Rao. No. 24, Thiruvalluvar Koil Street,, Mylapore, Madras-4.

2. Smt. K. Saraswathi Bai,
W/o N. Kailasanathan,
No. 24, Thiruvalluvar Koil Street,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri Mangilal Jain S/o Lakshmichand, 202, Rangai Gowder Street, Coimbatore. 2. Sri Arunkumar S/o Bhawarlal Ranka, 808, Rangai Gowder Street, Coimbatore. 3. Sri Prakashchandra S/o Sri Gambirmal Bafna, 132, Rangai Gowder Street, Coimbatore. 4. Sri Sripal S/o Champalal, 132, Rangai Gowder Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Door No. 80, New Door No. 133, Old T.S. No. 8/403/8, New T.S. No. 227/8 Land and building: At R. S. Puram, Coimbatore. And Building Coimbatore/Doc. No. 4457/84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 3-6-1985

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 3rd June 1985

Ref. No. 152 Oct.84 R.II. Whereas, I. MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the sa the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

16.75 acres of land in D. S. No. 121B/1A 50 situated at in R.S. No. 1152 and 1153/4) of Gudalur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudalur (Nilgiris) Doc. No. 2599/84

on October, 1984

on October, 1984
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as perced to and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-98-136GI)85

(1) Sri P.A. Menon, S/o Kesavan Nair, Kripa Estate, Gudalur, The Nulgiris.

(Transferor)

(2) The Chairman, Coffee Board, No. I, Dr. Ambedkar Veedhi, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

16.75 Acres of land in O.S. No. 121B/1A (13.38 acres in R.S. No. 1152 & 3.37 acres in R.S. No. 1153/1), Gudalur Village with all standing trees, fences crops etc. Gudalur (Nilgiris) Doc. No. 2599/84

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 3-6-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 3rd June 1985

Ref. No. 153|Oc.84|R,II.-Whereas, I,

MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iramovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Honiton House, R.S. Nos. 415 and 416 situated at Coonoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor/Doc. No. 1313/84

on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following retrons, namely :--

(1) Sri Kavusnusserwanji Patel Frenie Kavus Patel. Fairlight, Porter Avenue, Cooncor.

(Transferor)

(2) M/s. Amalgamated Coal Fields Ltd., Hongkong House, 31, Dalhousie Square, Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: R.S. Nos. 248, 415 and 416 of Coonoor Town, Honiton House, Cooncor.

Coonoor/Doc. No. 1313/84

MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 3-6-1985

\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th June 1985 '

Ref. No. 163|Oct.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvement beginning to be set to be se exceeding movable property, having a fair market value Rs 1,00,000]- and

Periya Negamun Village, Negamum, situated at Pollachi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Negamum/Doc. No. 529/84 on October, 1984

on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income ro any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said set, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Subbathal W/o Sri Chinnappa Gounder, Rangampudur, Periya negamum, Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri R. C. ThangavelS/o Chinnappa Gounder,Smt. Valliammal W/o R. C. Thangavel, Rangampudur, Periya negamum, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: Negamum, Pollachi, Thiruppur. Negamum/Doc. No. 529/84.

> MRS. M. SAMUFI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 5.6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th June 1985

Ref. No. 7 Oct.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immoyable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing.

Old No. 40, New No. 7, Second Cross Street, United India Colony situated at Kodambakkam Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. No. 2869/84 on October, 1984

for an apparent consideration which is less tehan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Baskar, 14, Giri Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

[2] 图

Smt. Sadakumari,
 Vellalar Street, Kodambakkam,
 Madras-24.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building Old No. 40, New No. 7 Second Cross Street, United India Colony, Kodambakkam Village, Madras-24.

(Kodambakkam Doc. No. 2869[84).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras 600 006.

Date : 5-6-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th June 1985

Ref. No. 14|Oct.84.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority u being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000]- and bearing D. No. 5, Old No. 24, Trustpuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Positive time.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 2941/84)

on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1( Smt. S. Umadevi, 5, 5th Cross Street, Trustpuram, Madras-24.

(2) Sri S. P. Palaniappan, 43. 5th Cross Street, Trustpurana, Madras-24.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Trustpuram Kodambakkam Madras-(Kodambakkam-Doc. No. 2941/84)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 6-6-1985 . -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th June 1985

Ref. No. 15|Oct.84.—Whtreas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Pudur Ashok Nagar situated at Madras-83 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 2942/84)

on October, 1984

for an aparent consideration which is les sthan the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri R. Mahadevan, 3, Bank of India Colony, Scheme II, Kodambakkam Pudur. Ashoknagar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Mrs. Jaya Parthasarathy, Bank of India Colony, Scheme II, Kodambakkam Pudur, Ashoknagar, Madras-83.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDILE

Land and building at Kodambakkam Pudur, Ashok Naga Madras83.

Kodambakkam (Doc. No. 2942/84)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1985

# FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th June 1985

Ref. No. 22 Oct.84 (R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. No. 80, Nungambakkam High Road, situated at Madras-34 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Thousandlights/Doc. No. 460, 461, 462/84 on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any membrys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Poonam Enterprises, 834 Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Gopi Naraindas Raghuveer W/o Mr. Naraindas
Mrs. Shahu R. Raghawani
W/o Mr. N. Rajkumar, Raghwani
Mrs. Poonam K. Rughwani
W/o Mr. Kishore N. Rugwani,
10, Vasu Street,
Madras-10.
Mr. N. S. Alavandar
S/o Late N. R. Sadagopan,
80, Nungambakkam High Road,
Madras-34.
Mrs. Lalitha Gopalakrishnan,
C/o Mr. P. S. Mani,
No. 2, Seshadri Road,
Madras-18.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the nadousigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat: No. 80, Nungambakkam High Road, Madras-34. Thousand lights Doc. No. 460, 461, 462 84.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-600006

Date: 6-6-1985

Stal:

 Mrs. Isis Louis White No. 8, Shunmugha Mudaliar Road, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(2) Mrs. Joyce Mitchel No. 8, Damodaramurthy Road Madras-10.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 42|Oct '84.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. 8, Shanmugha Mudaliar Road, Madras situated at Madrus (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 1885)84) on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at No. 8 Shanmugha Mudaliar Road, Madras-10. Purasawall um - Doc. No. 1885 84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-6-1985

FORM ITNS-----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 43 Oct'84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 16, Daisy Colony, Perambur High Road, Perambur situated at Madras-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. 1833 184 on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Wo Dr. V. Jagannathan. 27, Haris Road, Pudapet, Madras-2. (Transferor)

(1) Mrs. Jayalakshmi Jagannathan,

(2) Mrs. Sahmeem Salem, Wlo S. A. Abdul Salem 29, Hajee Shaik Hussain Street, Royapettah, Madras-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at 16, Daisy Colony Perambur High 1 ad, Madras-11. (Purasawalkam--Doc, No. 1833;84).

M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-ll, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
99—136 GI[85]

Date ; 6-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RÁNGE-II, MADRAS

Madras-600 006 the 6th June 1985

Ref. No. 86|Oct '84.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing R. S. No. 138[1]

situated at Pillachavadi Rev. Village Chinnakalapet Pondi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more runty described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Olugarai (DOC No. 2352/84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M|s. Stinathji Agencies Chinnakalapet, Pondicherry.
- (Transferor) (2) Pondicherry Packers and Printers Pvt. Ltd. Chinnakalapet, Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Pillachavadi Rev. Village Pondicherry (Olugarai 2352|84)

> M, SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 6-6-1985

Seal .:

(1) Mrs. Sarah Williams, woo D. J. Williams Doctors Garden, Avanashi Road, Coimbatore. (Transferor)

(2) Sii L. Moolchand, and L. Ratanchand, Variety Hall, Main Bazar, Ootacamund.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 115 Oct. 84 R.U.-Whereas, I, MRS. M. being the Competent Authority under section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Door No. 915-16, Doctors Gardon, Property as, specified in Schedule to Doc. 145. 4574|84 situated at Magusamy Gordon St. situated at Munusamy Carden St. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registrating Officer at Coimbatore|Doc. No. 4547|84 on Oct. 1984 at Combatore Doc. No. 4547 84 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wildtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property as specified in Schedule to Doc. No. 4574|84. Coimbatore Doc. No. 4547 84.

> M. SAMUEL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

None, therefore, in parameter of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 6-6-1285

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 119 Oct. 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000 and bearing

No. Property as specified in Schedule to Doc No. 3785, 3786, 3787 and 3788|84 (and more fully described in the Schedule annexed heroto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 3785, 3786, 3787, 3788 84 on

October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) faillitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following norsome, namely '---

- (1) Sri Ramalingam, and sons, Ranganathan, Rayi Meignanasundaravadivel, Minor Sundararamamur-thy and others, Chinnathadagum, Coimbatore. Sri C. M. Natarajan, and sons, Chinnathadagam, Coimbatore, Smt Annapoorani. Wo Late Narayanasamy, and sons, Chinnathadagam, Coimbatore, Sri R. Chindiasckatan, slo Ramachanadran, Rangacabin Road, Ramauathapuram, Coimbatore. (Transferor)
- (2) Sri D. Jagadees, slo Durasamy, Ravindranath Lay Out, Puduchithraputhran Road, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: Chinnathadagam, Coimbatore, Coimbatore Doc. No. 3785, 3786, 3787, 3788|84.

> M: SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date : 6-6-1985

#### FORM I.T.N.S .---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 122|Oct.84.--Whereas,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Rajaveethi Kurnirauthur Village situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Coimbatore (Doc. No. 3603, 3604, 3605|84) on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expected, the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) at Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sri R. Sundravelo and Sri R. Sivagami 14 26 Sundakamurthur Main Road, Kuniyamuthur Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri I. Alwin, 36, Sundraresa Lay out Irichi Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land at Kuniyamuthur village Comibatore, (Coimbatore Doc. Nos 3603, 3604 and 3605[84].

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 6 6-1985

#### FORM I.T.N.S.-

((1) Sri A. Palaniappan and others
139 Satyamangalam Road, Ganodhipuram
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri N. Pushpavalli 7/34 Beach Road, Coimbutore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 123 Oc. 84.—Whereus, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
No. T.S. No. 1|488 & 489 sinated at Coimbatore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1960 (16
of 1908) in the office of Registering Officer
at Coimbatore (Doc. No. 4323|84 on Oct. 1984

at Coimbatore (Doe, No. 4323|84 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(a) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building Avanashi Road, Coimbatore (Coimbatore Doc. No. 4323[84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

**D**ate: **6-6**-8*3* 

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 30 Oct. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

and bearing.
No. T.S. No. 443/1/11/1 situated at Avinashi Road. Through Town (and more fully described in the Registration Act. 1960 (16 of 1908) in the office of Registration Officer at Tiruppur Doc. No. 1934/84 on Oct 1984 has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor ty more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. Ramasamy Grounder Murugapalayata, Triuppur Town.

(Transferor)

(2) Sri M. Viswanathan, Manna Village, Hotlamthottam. Triubur Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at! Kottipalayam (Triuppur-Doc. No. 1934/84)

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-85

(1) Sri M. Viswanathan Slo Muruganathachettiar, 88 Kamaraj Road, Tiruppur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Subramanian, Thenampalayam Extension Tiruppur.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 131|Oct. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. T.S. No. 445|11|4

situated at Palladam T. K. Nallur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Tiruppur (DOC. No. 1650|84) on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notict under subsction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice. on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building T. S. No. 445[11]1[4 No. Palladam T.K. Nallur village (Tiruppur DOC. No. 1650[84)

MRS. M. SAMUEI.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 6-6-85 Seal:

Scal ;

(1) Sri C. Ramaswamy, 4A]182, NGGO Colony, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri V. Palanisamy, 9|19, Narasimhanaickonpalayam, Coimbatore-641 031,

(Transferee)

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 138|Oct. 84|R.H.—Whereas, f. MRS. M.

penne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

situated at Kurudambalayam-Coimbatore (and more fully decribed in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Perianaickenpulcyam/Doc. No. 2191/84 on October 1984

or 1908) in the office of Registering Officer at Perianaickenpul yam Doc. No. 219184 on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official exactis.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 182, NGGO Colony, Kurudambalayam Coimbatore-641 024. Perianaickenpalayam|Doc. No. 2191|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following retroit namely:

100—136 G[85]

Date: 6-6-85

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. F. 139 Oct '84.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL Ref. No. F. 139|Oct '84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing situated at Karudampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Ollicer at Perianaickenpalayam Doc. No. 2204|2205|2206|84) on October 1984

October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforerefleve that the fair market value of the property as alore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri John C. Samuvel 53, Residency Road, Bangalore 25.

(Transferor)

(2) Dr. Surendranavgiri, Navgiri, Greece, Mount Road, Nagapuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Kurudampalayam, Coimbatore T.K. (Gandhipuram Doc. No. 2204, 2205/2206/84.

> MRS. M. SAMUET Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 6-6-85

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 143 Oct. 84.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
No. T. S. No. 11|1074 situated at Gandhipuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Gandhipuram (Doc No. 3519/84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that, the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 96-126GI|85

- (1) Srt S. Frances 234, 101, Street, Gandhipuram Coimbatore, presendation Convent High School Soosaiammal, presendation Convent H Hostel YMC Road, Coimbatore Town. (Transferor)
- (2) Sii S. Duraisamy and mother, 239 1st Street, Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building T.S. No. 11/1074 Gandhipuram CBF Town (Gandhipuram DOC, No. 3519/84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006.

Date: 6-6-1985 ∡Scal:

(1) Sri T. V. Chacko 40, 2nd Street, Tatabad, Coimbatore-12. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Pista Devi Iha Tharia 24|125, A. K. Ramadass Ramalinga layout, Coimbatore.

## GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1985

Ref. No. 145 Oct. 84.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing SF No. 375, 394, 395 T. No. 146 situated at Sanganur Village (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 3587 84) on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if easy, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

# THE SCHEDULE

Land and building in Sanganur Village Ramalinga Nagar 18th layout.
Gandhipuram—Doc. No. 3587/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. SAMUELI Competent Authority secting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras the 6th June 1985

Ref. No. 146|Oct. 84.-Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. -1,00,000 and bearing No.

1. S. No. 11/209

situated at Sanganur Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 3802|84) on Oct 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration tad that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri K. Anantha Raj and others A. K. Nagar, Narayana Road, Coimbatore Town. (Transferor)

(2) Smt. P. K. Swarnalatha, 63. Satyamurthy Road, Ram Nagar, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as ears defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Sanganur Coimbatore Town. (Gandhipuram—Doc. No. 3802|84).

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date : 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1985

Ref. No. 150|Oct. 84 - Whereas I,

MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
R. S. No. 4137/4 situated at Nilgiri
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Uthagai (Doc. No. 857 (2 Nos.)
on Oct. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferses for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Leela Anand 166F 3 New NCMS Godwon.

(Transferor)

(2) Sri H. Ramakrishnan and another Arvapatty, Melur (PO) The Nilgiris.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land property as specified in Schedule to Doc. No. 857 84 Uthagai Doc. No. 857 (2 Nos.)

> M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax Acquisition Range-II, Madrus

Date : 6-6-1985

Soal:

(1) Sri S. KoJandapani, Ayananr village, Tituvellore.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Padmanarayanan and D. Varalakshmi Kanniyammal Koil Street, Shenoy Nagar, Madras.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF PAULS

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1985

Ref. No. 159|Oct. 84.--Whereas I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Rs. 1,00,000 and bearing No. Ayanur village situated at Tiruvellore

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruvellore (Doc. No. 2836, 2837 and 2839/84 on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeraid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion or the Habitary of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Ayanur, Tiruvellore Doc. No. 2836, 2837 and 2839184.

> M, SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following parally: ing persons, namely:-

Date : 6-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1985

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. 169 Oct.84,-Whereas, I,

Ref. No. 169 Oct.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and bearing No. 9, Kanakasrinagar, pp. of St. George cothedral Road, Madras-6 ituated at Madras and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 1013 84) on Oct. 1984

on Oct. 1984

or an apparent consideration which is less than the fair or an apparent consideration which is less than the thir narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the aught to be disclosed by the transferce for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sri A. M. Krishnamurthy and another 1|C, 6th cross street, Rajalakshmi Nagar, Velacherry Madras-42.
- (Transferor) (2) Lalith Sharma. partner of Manoj Prakashn a registered firm 158, Pantheon Road, Egmore Madras-8. (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning or given he that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building New No. 9, Kanakasrinagar Street, George Cathedral Road, Madres-6 (Madras Central-Doc. No. 1013 84),

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Dated: 6-6-85

## FORM I.T.N.S .---

(1) Sri S. Ramachandran 47, Tirunavukkarasu Street, Alagappa Nagar, Madurai,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. Ramachandran, 13. Third Main Road, Nanganallur, Madras.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1985

Ref. No. 180 Oct. 84.-Whereas, J. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 13, IIIrd Main Road, Nanganallur Madras-61 situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alandur (Doc. No. 3404|84) on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building bearing No. 13, IsIrd Main Road, Nanganallur Madras-61. (Alandur—3404|84).

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Dated: 6-6-85

Scal:

101-136 GI|85

(1) Smt. Jaya Ammal and Sri Ganesan Condement, Poonamallee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1984

Ref. No. 184|Oct.84.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Pulliammadu situated at Madras (and more fully described in the Schedule aspected betwee)

(and more fully described in the Schedule saneted hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poonamallee (Doc. No. 6001/84) on Oct, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1982 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957):

(2) Sri K. Jayaprakash 66, Seitha Amma Street, Alwarpet, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any et the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Apply, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Numbal—Puliyampedu (Poonamallee Doc. No. 6001/84).

M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-6-85

(1) Smt. Kannammal, wo Kandasamygounder, 3, Pumping Station Road, Erode.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pechammal Wo R. M. Kaliapra Chettiar Chennimalai Road, Erode.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1984

Ref. No. 205|Oct.|84|R.II.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. ERODE situated at ERODE

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16. of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode Doc. No. 4026 84

on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Ward 4, T.S. No. 9/2, Erode, Erode Doc. No. 4026 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Pate: 6-6-85 to al 🖫

# FORM ITNE

(1) Sandiaganvil Lane, 132 M. G. Road, Pondicherry,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Adimurthy and another 105 4th Street, Nehrunagar Karaikkal Pondicherry.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1984

Ref. No. 210 Oct. 84.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 132, Mahatma Gandhi Road, situated at Pondicherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 2453|84) on Oct. 1984

for an apparent consideration which is jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Pondicherry (Pondicherry DOC, No. 2453|84).

M. SAMUEL.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-85

# FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1984

Ref. No. 211|Oct.84|R.II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. PUDU VAIKALATHEES-WARAN KOIL ST., situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908, (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry Doc. No. 2534|84

on Oct. 84 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income are any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 / (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri ERUDAYATHITHIYE ALEXANDER

SAVERIAS
2. Joseph Abel Amalasaverias and others,
73, Bedco Kanagaraya Mudaliar Veedhi,
Pondicherry.

(Transferor)

(2) Smt. Sorubarani, 51, Muthumariamman, Koil St., Pondicherry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 2534]84. PONDY. Doc. No. 2534]84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 6-6-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1984

Ref. No. 212 Oct.84.—Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Land and building UZHAVARKARAI

situated at Kommuyansaram Village, NARIMEDU, . KAMARAJNAGAR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at PONDY. Doc. No. 2533 84

on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Sri Arunagiri, 107, V.O.C. St., Kamaraj Nagar, Puduvai-11.

(Transferor)

(2) Sri Kothandaramaudayar, Thennagaram Village, Vanoor Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforciald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING: Kemaraj Nagar, NARIMEDU. Kommuyan Saram Village, UZHAVARKARAI. PondylDoc, No. 2533[84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following personne namedy: ing persons, namely :-

Date: 6-6-85

Scal :

#### (1) Sri S. P. Anthonisamy, Pookkara Street, Thanjayur.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) M|s. Hotel Parisutham P. Ltd., 1|2764 Pookara Marys Street, Thaniavur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras, the 6th June 1984

Ref. No. F. No. 222 Oct. 84.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. T.S. No. 55 in Block 7 Ward 5

situated at Canel North Bunk Road, Thanjavur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahanabuchavadi (Doc. No. 2799 84

on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persents. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Vacant land T.S. No. 55 in block 7 ward 5 in G.A. Canal North Bank Road in Thanjavur. Mahanabuchavadi Doc. No. 2410|84.

> M. SAMUEL Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mis Act, I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under absection (1) of Section 269D of the said Act, to the foliaring persons, namely ;---

Date: 6-6-85

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 225|Oct'84.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Nos. 4, 5, 6, 8, 13 & 14 situated at Uritlapakkam Village. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tambaram (Doc. No. 6758|84) in October, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the choresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for rhe purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. G. L. Sharma, 39, Mulla Sahib Street, Madras-3, Mr. Natwarlal and Mr. Lakshmi Narayanan Sharma, 8', Vinayaga Maistry Street, Madras-3.

(Transferor)

(2) Mr. T. A. Thyagarajan, 17, V. C. Garden Hnd Street, Madras-28.

(Transferce)

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used neroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE **SCHEDULE**

Plot Nos. 4, 5, 6, 8, 13 & 14, 162, Uritlapakkam Village, (Tambaram—6758|84).

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Date : 6-6-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. K. Shyamalamba, 226, Sydenhams Road, Appa Rao Garde, Choolai. Madras-12.

(Transferor)

(2) Mrs. V. Radha, 25, Sri C. V. Raman Road, Alwarper, Madras-18,

(Transferec)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 244 Oct. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

and bearing No.

Property as specified in schedule in DOC, No. 996[84] (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (DOC. No. 996|84 in October, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration the property as a foresaid exceeds the apparent consideration the property as a foresaid exceeds the apparent consideration that the property are a property as a foresaid exceeds the apparent consideration that the property are a property as a foresaid exceeds the property and the property as a foresaid exceeds the property and the property as a foresaid exceeds the property and the property as a foresaid exceeds the property as a foresaid exceeds the property and the property as a foresaid exceeds the said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of Transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule in DOC. No. 996|84. (Madras Central).

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or ear moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

102-136 GI|85

Date: 6-6-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 256|Oct.'84.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.
1.00,000|- and bearing No.
No. 7, New No. 10A Soundararajan Street, D. Nagar situated
a Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Competent Authority at
T. Nagar (Doc. No. 1323|84) in October, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforeasid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri S. S. Kripakaran,
 So Shri S. S. Sthalasayes,
 Habibullah Road,
 Nagar,
 Madras-17.

('Fransferor)

Sri K. V. Subramanian,
 Ranganathan street,
 Nagar,
 Madras-17.
 Smt. K. Gomathay,
 Pinchala Subramanian Street,
 Nagar,
 Madras-17,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building bearing Old No. 7, New No. 10A Soundarajan Street T. Nagar Madras-17. (T. Nagar Doc No. 1323 84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 12|Oct.84|R-II.—Whereas, J, MRS. M. SAMUEL,

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 2, in Plot No. 1209, DGOR No. 23, situated at Dr. situate at Di. Natesan Road, Ashok Nagar, Madras. 83 T. S. No. 309

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. No. 2937 84 in October, 1984.

at KodambakkamilDoc. No. 2937/84 in October, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the property and the parties of transfer with the object of transfer with the object of the property and the parties of transfer with the object of the property and the property are property as a property of the pro

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the convealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri M. Chandrashasan, No. 23, Dr. Natesan Road, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Sri C. Illangovan, "Sri Rama Bhavan," 65, Alwarpat, St., Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :-

- (a) by any of the aferenic persons within a period at 45 Mays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period emptres inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, In Plot No. 1209 door No. 23, Dr. Natesan Road, Ashok Nagar, Madras-83. (Kodambakkam Doc. No. 2937[84].

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 18|Oct.84|R-II.—Wheeras, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

R. S. No. 58[41, 5th.St. 14, Rutland Gate situated at Nungambakkam Village.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousand lights (Doc. No. 454 84 in October, 1984).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which oright to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri G, E. Solomon and Mrs. Solly Solomon, Gereman, Brox Borne, England.

(Transferor)

(2) Mrs. Malathy Sadanand, Ajanti Sadanand, Mrs. Anna Mathan, Nandini Mathan, Nirupa Mahan 195, Hubibullah Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: R. S. No. 58|41, 14 Rutland Gate, 5th St., Nungambakkam Village. Thousand lights| Doc. No. 454|84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeMadras-600 006

Date : 5-6-1985 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 21 Oct.84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 1, Sterling Road, Madras-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousand lights Doc. No. 459 34, 463 84 in October, 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Sterling Enterprises. 834, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

(2) Shri A. Mohamed Mahroof So Ahmed Abdul Cader, Shi M. S. Manzook Slo Shri L. M. Sadak Thamby, Sri M. J. Abdul Hafeel
Slo Shri M. A. M. Jamal Mohd.,
285, Thakurdwar Road,
Md. Ali Rogay Apartments,
Bombay-400 004. Sri N. B. Narang (2) Shobha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said ACL shall have the same meaning as given in that Chapter.

,(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Flat Door No. 1, Sterling Road, Madras-34. Thousandlights . Doc. No. 459|84, 463|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date :5-6-1985 Seal :

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 23|Oct.84|R.II.-Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 560 sq. ft. Door No. 609, S. No. 48/7 situated at Anna Salai, Madras-34, Nungambakkam village. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Thousand lights [Doc. No. 465]84 in October, 1984. For an apparent consideration which is less than the fish market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trans sed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the sa respect of any income arising and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); (1) Mrs. Indrani Kalra, rep. by her agent Mrs. Vecna Singh, No. 5, VIII Cross St., Shastrinagar, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Dr. Malick Md. Alcem, 6. Bharathi Dasan St., Neelamangai Nagar, Madras-88.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sime mouning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 1/76, undivided share of land in 4 grounds and 400 sq. ft. situate in Nungambakkam Village, Anna Salai, Madras-34 and flat in Basement 560 sq. ft. bearing door No. 609 S. No. 48/7. Thousand lights Doc. No. 465/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for thee acquisition of the eafforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1985

#### FORM LT.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 38|Oct.84|R.H.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Artisan Plot No. 1721 admeasuring 880 sq. ft, with a house thereon admeasuring 929 sq. ft. allotted by TNH Roard.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. 1751 84 in October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linkship of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. Venkatamuni, AP. 1721, 14th West Cross Road, Mahakavi Bharathi Nagar, Madras-39.

(Transferor)

2) Sri M. Subramaniam, Sulochana Devi, No. 69, Angalamman koil St., Choolai, Madras-112.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: Property as specified in schedule to doc. No. 1751|84. Purasawalkam|Doc. No. 1751|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following DOTSONS BROKENOW :---

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-IJ MADRAS-600,006

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 73 Oct. 84 R.H.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No. Villianur situated at Pondy.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Villianur Doc. No. 959 84 in October, 1984

for an apparent consideration which is less uan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more believe that the fair market value of the property as the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:— (1) Sri S. Alexander. 51, Ranga Pillai, Pondichery.

(2) Sri S. Narayanan, Sri K. Swaram, N. S. C. Bose Road, Madras-1.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and empression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: at Villianur R. S. No. 127/3, Pondv. Doc. No. 959] 84 Villianur.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-6 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 118 Dct.84 R.H.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason' to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.0001- and bearing No.

Land at Thelungupalayam village situated at Thelungupa-

layam Village.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registerine Officer at Combatore Doc No. 3699[84 in October, 1984] for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Smt. K. T. Kalyani, Wo N. Thangavelu, 2|87, Subramaniapuram, Thadagam Road, Colmbatore.

(Transferor)

(2) Smt. N. Hemavathi, Wo Dr. K. Natarajan, 16 114, Lingappa Chetty St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underslaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

103-136 GI|85

THE SCHEDULE

Land at Thelungupalayam village. Coimbatore Doc. No.

MRS. M. SAMUEL Competent Auhtority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Dato: 5-6:1985

3699184.

# FORM LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 124|Oct.84|R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Thilakar St., 8|5 T. S. No. 8|5 situated at R. S. Puram, Coimbatore Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Coimbatore|Doc. No. 4324|84 in October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair

1908) in the office of the Registerium Officer at Coimbatore Doc. No. 4324/84 in October, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Sri G. N. Rajagopalan
 Late G. N. Rengaswami Ayyangar,
 Thilakar St.,
 R. S. Puram,
 Coimbatore.

(Transferor)

 Sri A. R. Lakshmanachettiar, Slo Late Arunachalam Chettiar, N. Kasthurbai St., ndanur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Galiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: T. S. No. 8|5, Thilakar St., R. S. Puram, Coimbatore town. Coimbatore Doc. No. 4324|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 5-6-1985

Scal:

# FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Karunaiammal Wio Kalianna Chettiar. Chikkannachettiar St., Thiruppur.

(2) 1. Sri R. Saudappan Slo Shri Rangasamy Chettiar,

Valipalayam Extension,

Thiruppur.

(Transferor)

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 129|Oct.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1461 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

T. S. No. 356/6/5, Chikkanna Chettiar St., situated at Door

No. 3, Thiruppur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. No. 1736 84 and 1737 84 in October, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Thiruppur.
2. Sri V. N. Dhandapani
So. Shri S. P. Nachimuthu Chettiar,

Valipalayam Extension,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 3A, T. S. No. 236[6]5, Chikkanna Chettiar St., Thiruppur. Tiruppur[Doc. No. 1736] 84.

MRS. M. S.
Competent A
Inspecting Assistant Commissioner of Inc
Acquisition
Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 151|Oct.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 4937/2 and 4936/1, Door Nos. 425 & 425A Asstt. Nos. 7295 and 7295A situated at Ward No. 27, Ootacamund (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at 831/84 & \$32/84 on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Sri Victoria Balakrishnan,
 2. Sri Balakrishnan Pan,
 Dorothea Villa, Lovedale, Nilgiris.

(Transferor)

(2) Sri Thomas M. Thomas and Mrs. Thankam Thomas, Minor Sapna Thomas Minor Sushma Thomas Dlo. Thomas M. Thomas, Thankam Thomas, Wlo. Thomas M. Thomas, Minor Sonia Thomas Dlo Thomas M. Thomas, 7th Mile Hosur Road, Madivala Post, Bangalore-68.

[Transferee]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: and building 2|16 cents in S. No. 4937|2 and 22-6|16 cents in S. No. 4936|1 of Ootacamund with building Duor Nos. 425 and 425 A, Ward No. 27, Asstt. Nos. 7295 and 7295A.

Uthagamandalam|Doc. No. 828|84, 829|84, 830|84, 831|84, 832|84

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 5-6-1985

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 155|Oct.84.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

R. S. No. 1044 2A situated at Quail Hill. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor Doc. No. 1332/84 on Oct. 1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than forces are consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sri P. S. Narayanan and Mrs. Janaki Narayanan, 'Navjyoti', Quail Hill, Coonoor. (Transferor)
- (2) Sri Puthya Kottal Hashim, Pallicoon Bungalow, Tellicherry, Kerala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: at Quail Hill R. S. No. Coongor, Doc. No. 1332[84,

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras<sub>7</sub>600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 161 Oct. 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing No. Pongaloor Village, Avijasi Taluk, situated at Annur sub district.

(and more fully described in the Schedule ennexed hereto), have been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annur (Coimbatche Doc. No. 1476 [84) on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or coasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilit
ficine;
which
the m
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri A. Duraisamy Naidu slo Ayya, pa Naidu, Sounderarajan slo A. Duraisamy Naidu, Smt. Saradamani dlo A. Duraisamy Naidu, Pongaloor, Pappanaickenpalayam.

(Transferor)

(2) Sri P. V. Knadasami s o K. Viswanathan Shri P. V. Radhakrishnam, Bharathiar Road, Pappanaicken Palayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same a coming as often in the Chapter.

# SCHEDULE

e, Avinasi Taluk Annoor Sua Doc. No. 1476/84).

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Now, therefore, in pursance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269°D of the said Act, to the following pers. Is amely:—

Date: 5-6-1985

Control of the Contro

#### FORM CINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 165 Oct. 84 R.H. - Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 196!) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing T. S. No 84, Block No. 29, stiuated at Nungambakkam, Pullyur Village, Egmore, fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central, Doc. No. 1033|84 on Oct. 1984. for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforegaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the sald instrument of

ganafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers 20d / 40
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the avoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1 Mrs. Rukhia Bai and others. Power Agent and Ismail.

(Transferor)

(2) Sri M. Palani, No. 28-A, Zuckira Colony, Main Road, Kodambakkam, Madras-94.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: Puliyur Village, Egmore, Nungambakkam, Taluk T. S. No. 84, Block No. 29, Madras Central Doc. No. 1033/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay. Madras-600 006.

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-II MADRA: 600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 203 Oct. 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000|- and bearing New S. No. 262|1A, Nerinjipettai Village, situated at Bhayani Taluk.

transfer with the object of :---

tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode Doc. No. 4563 84 on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the We-lth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:-

(1) The Mysore Diocosm Society, Represented by Agent, Rev. Fr. D. Noranha, Bishop House, Church Read, Mysore-1.

(Transferor)

- (2) Sri E. M. Kandasamy, Slo E S. Mariappa Gounder, Nerinjipettai Post,
  - 2. Sri K. Rajagopal Slo S. Komarappa Gr. at Chinnapallam, Nerinjipettai post,

3. Sri K. Kandasamy,

Slo S. Komarappa Gr., at Chinnapallam,

4. Sri N. Natarajan Slo Nachimuthu Cr. at Chinnapallam,

(Transfedee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land:—Norinjipettai village, New S. No. 262/1A, Bhavam Taluk Erode/Doc. No. 4063/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 5-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 255|Oct.84|R.II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 1735[84]

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at T. Nagar | Doc. No. 1335 | 84 on October 1984 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

104-136 GI|85

(1) Mr. K. Kannayairam, So Krishnasamy Iyer, No. 2, Pushpavathiamma St., West Mambalam,

(Transferor)

 Smt. M. Jayalakshmi,
 Wo P. Ethirajulu Naidu,
 No. 37, Lake View Road, West Mambalam, Madras-33.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 1335|84. T. Nagar Doc. No. 1335 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 5-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA ' OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 257|Oct.84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. 22 Noelakanta Mehto St. Plut No. 37 situated at Old

No. 22, Neelakanta Mehta St., Plot No. 37 situated at Old Block No. 13, New Block No. 142, R. S. No. 119]1 & 128]1, T. S. No. 6606.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagai Doc. No. 1316|84 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sri P. N. Murali Krishna, 144, IV Ayenue, Besant Nagar, Madras-90.

(Transferor)

(2) Mr. Gokulchand Lalwani, Mrs. Kirankumari 12, Balaji Avenue, T. Nagur, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazett; or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: No. 22, Neclakanta Mehta St., Plot No. 37 Old Block No. 13, New Block No. 142, R. S. No. 119|1 & 128|I, T. S. No. 6606 (Part).
T. Nagar|Doc No. 1316|84.

M. SAMUEL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Runge-IT Madras-600 006.

Date: 5-6-1985

Seal .

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 258|Ott.84|R.H.—Whereas, I. MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 64, Survey No. 626 situated at T. Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1288|84 on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sri S, Soundara Pandian, Managing Director Mls. Dwarakas Chit Funds Private Ltd., 242-B, Ramanathapuram Road, Madurai. (Transferor)
- (2) Sri S. P. Balasubramaniam, 20, Purushothama Mudaliar Road, Lake Area Nungambakkam, Madras-34. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on 'the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: Plot: Plot No. 64 Survey No. 626, Extent 2 grounds and 1200 sq. ft. property as specified in schedule to Doc. No. 1288|84 T. Nagar.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 5-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-38 the 18th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3691.Acq.23 [1 | 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B-221—2nd Floor—Taxsheela Socy, Nr. Girnar Cinema Paiket

Cinema, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-10-1984.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefore by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manjulaben Chandulal by Owner of Attorney Holder— Shri Indulal Parshottamohai Dadhanpara Dera Sheri—Mandvi Chowk—Rajkot, (Transferor)

(2) Mahendrakumar Vrandavanohai Mehta Flat No. B-221—Taxasheela Socy, Opp. Girnar Cinema—Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-221—Taxa Sheela Socy. Nr. Girnar Cinema—Rajkot—2nd Floor Adm. 1250 sq. ft.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 18-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3692.Acq.23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000 - and bearing
No. Land Adm. 8194 sq. Mtrs. + well etc. at village Kangasiyal Tal. Lodhika Dist. Rajkot.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 29-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- no) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sureshchandra Revashankar Bhatt— Jayant Nivas—Nr. Chaudhry High School Rajkot.
   Hiteshkumar Mansukhlal Bagda Maruti Shopping Centre—Jan Kalyan Socy. Rajkot. (Transferor)
- (2) Vithalbhai Savjibhai Patel—
  Managing Partner of
  Mls. Goodwill Consumer Products—
  60—Kotecha Nagar—Kalawad Rod.—Rajkot
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at village Kangasiyalli S No. 47|1 Adm. 8194 sq. mtr. with well & one small Room Tal. Ladhika Dist. Rajkot. R. No. 3551 Dt. 29-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 23-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGÉ-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3693.Acq.23 I 85.86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Land at village Madhapar sim S. No. 1177 1178 Adm.

2A-05G.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Morbi on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweer the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, asmely:-

- (1) Jayantilal Narbheeram Parekh by P. A. H. Shri Chandrakishor Narbheram Parekh Nr. Bank of Baroda-Main Bazar, Morbi. (Transferor)
- (2) Dhirajlal Maganlal Seta & Ors. Main Bazar, Morbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period will 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDU

Land at Vejalpur Madhapar sim S. No. 117/1178 Adm. AR 5G (Tal. Morbi) R. No. 2957 Dt: 1-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 23-5-1985

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FEGOR HANDLOON HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad-380 009, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3694 Acq.23[1]85-86. -Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000[- and bearing No.

Land Adm. 630 sq. yd F Constn. at Wd. No. 7 sheet No. 233
—Gondal Rd. Rajkot.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income tax. Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dilip Mohanlal L. R. of late Mohanlal Jeramohai Amart Cal Dabyatha, L. R. of Late Danyulal Jerambhai Dayalji Jerambhai All by P. of A. H. Shri Neghjiohai Hemrajbhai Khareoha, 1/7 Laxmi Wadi—Rajkot.

(Transferor)

(2) Savitaben Viajlal Rudhani Prafulkumar Viajlal Rudhani, 'Viaj Nikuni' Opp. S. T. Stand... Veraval—Saurashtra.

(Transferee)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be unde in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

### THE SCHEDULE

Land Adm 630 sq. yd.+Constn. at Gondal Rd. Rajkot Wd. 7 Sheet 233 Kekh 9 & 46 R. No. 6493 Dt. 19-10-84.

G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 23-5-1985

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 369.5 Acq. 23 [18.5 86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fail market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 1 Land adm. 630 sq. yd.+Constn. at Wd. 7 Sheet No. 233 Gondal Rd. Rajkot. (and more fully described in the Schedule antexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 19-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Dilip Mohanlal Gajjar
   R. of late Mohanlal Jerambhai
   Amratlal Dahyalal L. R. of late Dahyalal Jerambhai
   Dayalji Jerambhai
   All by P. A. Holder
   Shri Nagjibhai Hemrajbhai Kharecha
   17-Laxmi Wadi, Rajkot
- (2) Girish Vrajlal Rudhani
  Ashok Vrajlal Rudhani
  "Vraj Nikunj"
  Opp : S. T. Stand, Veraval
  Saurashtra.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land adm. 630 sq. yd. -- constn. upto plinth Wd. 7 Sheet No. 233 Gondal Rd. Rajkot R. No. 6492 Dt. 19-10-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 23-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3696 Acq. 23 I 85-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the hamovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00.000 and bearing No. Flat No. 1B—Kotecha Towers Ramkrushna Nagar-9, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 18-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect we were such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

105—136 GI[85]

(1) Mahesh kumar Kurjibhai Kotecha Flat No. 7 Kotecha Towers, Ramkrushna Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2 Ashokkumar Ravjibhai Patel Flat No. 1B—Kotecha Towers, Ramkrishna Nagar-9 Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1B Kotecha Towers—Adm. 1606 sq. ft. Ram Krishna Nagar Rajkot—R. No. 6423 Dt. 18-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Date: 23-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, 'ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3697 Acq. 23 [1] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!- and bearing No. Flat No. 2B Kotecha Towers Ram Krushna Nagar, Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 13-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have register.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

rlow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following DOPPORIT, namely :--

(1) Mahesh kumar Kurjibhai Kotecha Flat No. 7 Kotecha Towers Krushna Nagar-9 Rajkot.

(Transferor)

(2) Ratilal Chhaganlal Patel Flat No. 2B Kotecha Fowers---Rum Krushna Nagar-9, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2B-Kotecha Towers-Adm. 1606 sq. ft. Ram-krushna Nagar, Rajkot R. No. 6422 Dt. 18-10-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 23-5-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3698|Acq. 23|1|85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 5B Kotecha Towers -- Ram Krushna Nagar, Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Rajkot on 18-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :---

(1) Mahesh kumar Kurjibhai Kotecha Flat No. 7 Kotecha Towers Ramkrushna Nagar-9, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shi Ashwani Trambaklal Sanghvi Smt. Shoba Ashwin Sanghvi Flat No. 5B—Kotecha Towers Ram Krushna Nagar-9 Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period et 30 days from the service of sotice on the respective persons who have rearried expired later. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5B-Kotecha Towers, Ram Krushna Nagar, Rajkot Adm. 178 sq. yd. (1606 sq. ft) R. No. 1421 Dt. 18-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 23-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3699 Acq. 23 1 85-86. - Whereas, I,

Ref. No. P. R. No. 3999/Acq. 23/1/63-60.—whiteas, 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 6B—Kotecha Towers Ram Krushna Nagar, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 18-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Mahesh kumar Kurjibhai Kotecha Flat No. 7—Kotecha Towers Ramkreshna Nagar, Sheri No. 9 Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Jiviben Kanjibhai Gobil Flat No. 6-B-Kotecha Towers Ram Krushna Nagar, Sheri No. 9 Rajkot,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6B-Adm. 1606 sq. ft. at Kotecha Towers, Ram-Krishna Nagar, Sheri No. 9, Rajkot R. No. 6420 Dt. 18-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 23-5-1985

### FORM LTN.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AUMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3700 Acq. 23 [1] 85-86,-Whereas, I,

Ref. 190. P. R. 190. 3/40/1/Cq. 25/1/05-00,—whereas, 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No. H. P. at Karanpara Sheri No. 34|36 Land 585 sq. yd. +

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Rajkot on 9-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Narmadaben Parshottamdas Mistry Vraj Bhuvan, Canal Rd., Rajkot.

(Transferor)

(2) Dipak Shashikauthhai Mehta Shital Shashikaurhhai Mehta Sheri No. 36|36-Karanpara Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot Karanpara-Sheri No. 34|36 Land Adm. 585 sq. yd. + Bldg. R. No. 6199 Dt. 9-10-84,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 23-5-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3701 Acq. 23 [1 85-86,--Whereas, I, PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Bldg, at Rajkot old S. No. 660 at Nr. Gandhi Vidalaya & Bhabha Guest House

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which eught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(1) Shri Natwarlal D. Mankad, 4|20 Vijay Nagar, Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Citizens Co-op. Bank Ltd., Jawahar Road, Jubilee Chowk, Raikot-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a publical of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bldg. at Rajkot old S. No. 660 Land adm. 355 sq yd.+ Bldg. Nr. Gandhi High School & Bhabha Guest House R. No. 6049 Dt. 1-10-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 23-5-1985 , \_

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P.R.No.3702|Acq.23|I|85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

H.P. at Rajkot, Gujari Bazar, 1/10 Diwaupara, Adm. 100:42

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 1-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the openideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

- (a) incilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Dhankuuvarben Jagjivanbhai, Shri Dhirajlal Jagjivanbhai, Sheri No. 38, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Vinukant Mohanlal Boriya, Navinchandra M. Boriya, Jentilal M. Boriya, 'Ram Bhuvan' Sheri No. 36, Prahlad Plot, Rajkot.
- (3) Prafulbhai Muljibhai Chauhan & Ors. (38).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be sends in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot Gujari Bazar, 1|10 Diwanpara Adm. 100.42 sq. mtr. R. No. 6056 Dt. 1-10-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 23-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT \*COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3703 Acq. 23 I 85-86. Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereitafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

H. P. at Wankaner City of Dist. Rajkot C. S. No. 1899 Land adm. 400 sq. mtr. 

Bldg. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

of 1908) in the office of the registering officer at Wankaner on 12-10-84

Wankaner on 12-10-84
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; ----and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely 1(1) Laljibhai Jadavjibhai Patel Clo Mahendra Export Industries Bhakti Nagar Station Plot Tagor Marg-Rajkot 2.

(Transferor)

(2) Dilipkumar Vrailal Sanghavi Satishkumar Vrailal Saughvi Arogya Nagar -Wankaner Dist : Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property-i may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House Property at Wankaner Dist: Rajkot on land adm 400 sq. mtr. C. S. No. 1899 Sheet No. 28 R. No. 1471 Dt. 12-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 23-5-1985

THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMEN'T OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, \HIMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3704 Acqn. 23 I 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and rearing No. Flat No. 1001 on 10th Floor in the Bidg. Crescent 'B' at Wd. No. 15-Rajkot Race Course Rd.—Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1708 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 22-10-84

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. J. S. Corporation 48—Indira Narayon Road Santacruz (West) Bombay154.

(Transferoi)

(2) M|s. Chetan Transport Company C|o Rajiv Madhavibhai Odedara—Bhojeshwar Plot Porbandar-360 575.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in uset Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 1001 on 10th Floor (Crescent-B) Bldg. at Rajkot Wd. No. 15 Race Course Rd. Rajkot Adm. 1125 sq. ft. 37EE filed on 22-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 23-5-1985

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, MMFDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3705|Acq. 23|1|85-86.--Whereas, I,

G. R. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. 1002 on 10th Floor 'Crescent-B' Bldg. Race Course Rd. Raikot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 22-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arking from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M|s. J. S. Corporation 48—Indra Narayan Road Santacruz (West) Bombay-54.

(Transferor)

(2) Smt. Kokila, Dhirajlal Thakrar, 562-Taxashila Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1001 on 10th Floor Crescent 'B' Bldg. Race Course Rd. Rajkot Adm. 1450 sq. ft. Form No. 37EE filed on 22-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 23-5 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 20th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3706|Acq. 23|1|85-86,---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. T.P.S. 21 F. P. 247 Devpath Co-op Socv. Flat B-8.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
A'bad on 13-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be displaced by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- Smt. Kalvatidevi Premchand Goyal B-8 Chandragupta Apartment Behind Sahjanand College..-Ambawadi Ahmedabad.
- (2) Shardadevi Rulichand Agrawal Clo Atul Fabrics Mill 212--New Cloth Market Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of this aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat T.P.S. 21 F.P. 24—Devpath Co.op. Socy. R. No. 14601 Dt. 13-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 20-5-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-1 AHME7DABAD-380 009 HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3707 Acq. 23|I|85-86.-Whoreas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat-Dariapur-Kazipur Aptt. Flat B-17 Shahibag-A'bad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 18-10-1984

A bad on 18-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. Tijoben Bhimraj Hemta B|7 - Rushika Aptt, Shahibag - A'bad-4.

(Transferor)

(2) Dhevarchand Chaganraj - HUF B|7 Rushiak Aptt. Shahibag Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period-off, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat at Dariapur - Kazipur TPS. 8 F. P. 49/1 at Rushika Aptt. Flat B-7 Shahibag - A'bad R. No. 14921 Dt: 18-10-84.

> G. K. PANDAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Handloom House Ashram Road Ahmedabad-380 009

Date: 20-5-1985

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD-380 009 HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3708 Acq. 23 1 85-86.— Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat at Dariapur Kazipur T.P.S 8 F.P. 48-49 Flat G|F|1 Rushika Aptts. Shahibag - A'bad-4.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

A'bad. on 3-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the mail Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gomtidevi Shyam Sunder Agrawal Clo. G[F]1, Rushika Aptt. Shahibag - A'bad.-4

(Transferor)

(2) Vimladevi Prakashmal Flat No. G. F. 1 Rushika Aptt. Shahibag - A'bad.-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat at Dariapur - Kazipur TPS, F.P. 48-49 Flat  $G[F]1\ R$ , No. 14210 Dt: 3-10-84,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Handloom House
Ashram Road
Ahmedabad-380 009

Date : 20-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD-380 009 HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3709 Acq. 23[I]85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000]- and bearing No.

Shop at Shaikhpur - Khanpur - F. P. 101 Sub Plot 1 at Shop No. 22 - Harsidha Chamber Ashram Rd, A'bad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at A'bad. on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration are the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration the consideration that the consider ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Bilasray Ramkishandas 2-Amrish Socy. - Ranip Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Gitaben Shankarlal Nanavati J115, Talia's Pole opp; Rangla Sheri Sarangpur - Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Shop at Shaikhpur - Khanpur, TPS, 3 F. P. 101 Shop No. 22, Harsidha-Chamber, Ashram Road, R. No. 14237 Dt. 3-10-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Handloom House Ashram Road Ahmedabad-380 009

Date: 20-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3710-Acq. 23|1|85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000l- and hearing No.

Rs. 1,00,000 and bearing No. Land at Bopal seem S. No. 275-5 Block No. 363 Anand-

krupa Co. op. Socy. situated at

٠.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

A'bad on 16-10-1984, for an apparent consideration which is less than fair the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Manilal Chhoganlal Patel, Village, Bhopal - Tal. Daskroi Dist : A'bad.

(Transferor)

(2) Anand Krupa Co. op. Socy. Clo. Shri Atmaram Kalidas Patel, Aniruddh Co. op. Socy. Kiranpark - Wadaj. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Bopal seem S. No. 275-5 Block No. 363, R. No. R. No. 14776 Dt: 16-10-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad-380 009

Date: 20-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009** 

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3711 Acq. 23[1]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Rajpur Hirpur - seem S. No. 100 Sub Plot No. 27-Property

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

A'bad on 3-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dahyabhai Dosajibhai Mehta, 9 Parijat Socy. Nr. Jain Marchant Socy. Anand Nagar - Paldi - A'bad.-7.

(Transferor)

- (2) 1. Laxmichand Ramdas Lulla
  - 2. Kishandas. L. Lulla
  - 3. Govindbhai L. Lulla
  - 4. Maltiben Kishandas Lulla Netaji Nagar, Megani Nagar Ahmedabad.

Office 2nd Floor-Manek Chowk-A'bad.-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Rajpur Hirpur seem S. No. 100 Sbu Plot.27.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad-380 009

Date: 20-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3712 Acq. 23|1|85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Property at Wadaj T.P.S. 28 F.P. 13|4|1 at Tarak Kunj Socy. Navawadaj - A'bad.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 18-10-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsald property and have reason to believe that the fair market value of the property and have exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the eissue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:——
107—136GI35

(1) Joitiben Harilal Prajapati, P. O. Dhamasana, Tal. Kalol Dist. Mehsana (.N G.)

(Transferor)

(2) Somabhai Maganlal Prajapati, 29, Tarakkuni Socy., Nava Vadaj, Ahmedabal-13.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at Wadaj T. S. 28 S. No. 312|A|1 F. P. 13|4|1 S. No. 29, R. No. 14902 Dt. 18-10-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad-380 009

Date: 20-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3713 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat at Kochrab seem Janshanti Flat B-4 A'bad. situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfereed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at A'bad, on 12-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Sarojben Babubhai Shan 'Sapan' - Darshan Socy. Nr. Sardar Patel Stadium, Navrangpura - A'bad.-9.

(Transferor)

(2) Dr. Urmishbhai. H. Chudgar Nimishbhai. H. Chudgar C|1, Janshanti Flat Pritamnagar 1st Dhal, Ellisbridge - Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat at Kochrab scem Janshanti Flat B-H, R, No. 14591 Dt: 12-10-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 20-5-1985

Şeal ı

(Transferee)

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1985

Ref. No. P.R. No. 37.14 Acq.23 [1] 85-86.--

Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Raipur Hirpur TPS. 4 F. P. 54 Dwarkesh Aptt. Mani-

nagar Flat No. 1, Ahmedabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ahemadabad on 8-10-1984

ten an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforensid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely :--

(1) 1. Satrughna Peshumal Khetwani, 2. Kavita Satrudhan Khetwani, 10, Gutukripa Electricals, Kalyan Chambers, Shop No. 2 New Gate Rd., Khadia, Ahemadabad. (Transferor)

(2) 1. Brijial Gokaldas Lalchandani, 2. Poonam B. Lalchandani. 1. Dwarkesh Aptt. Nr. Sardar Patel Hospital Ram Baug - Maninagar - A'bad.-8.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at Flat TPS, 4 FP 54-55 Dwarkesh Aptt. Maniuagar—A bad R. No. 14296 Dt : 8-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009

Scal:

Date: 20-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3715 Acq.23|I|85-86.— Whereas, J. G. K. FANDYA.

Whereas, I, G. K. FANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

Flat T. P.S. 4 - Anand Aprt, - Bhairavnath Rd. Maninagar, situated at Maninagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

A'bad, on 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jamnadevi, Fatumal Phulwani 36 - M. I. G. Colony - New Shan Ganj - Agra (U.P.) (Transferor)
- (2) Shri Ratanc and Naumal Chimnanl, Ashok Mansion Kalupur Kothi Rang Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sérvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 4 F. P. 50 Anand Aptt. Bhairavnath Rd. Maninagar R. No. 15293 Dt: 22-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tam
Acquisition Range-I
Ahmodabad-380 009

Date : 20-5-1985

### FORM TINS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASURAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3716 Acq. 23]I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. T.P.S. 3 FP 2—211 Sub Plot No. 8 Sadhana Socy. Stadium Road Navrangpura, A'bad.

(and more fully described in the Sch dule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

A'bad on 15-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such manafer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

(1) Ishwarbhai Nagindas Patva B. No. 25, Chandroday Socy. Stadium Rd. Ahmedabad-14.

(Transferor)

 Jayshreeben Navinbha; Soni B. No. 8-Sadhana Socy., Stadium Rd. Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TPS. 3 FP 210+211 S. P. No. 8 at Sadhana Socy. A'bad.-14.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Impacting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad-380 009

Date: 10-5-1985

 Pratapehand Balabhai Desai A-41 Karmachari Nagar Socy, Ghatlodia Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Gulshankumar Sardarilal47 New Cloth MarketO/S Raipur Gate Ahmedabad,

(Transferee,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1985

Ret. No. P.R. No. 3717 Acq. 23|1|85-86,— Wherein, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Sala Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Ghatlodia Seem S. No. 16 Karmachari Nagar Co. op. Socy. No. A-41 situated at Abad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 10-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this stotics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ghatlodia Seem S. No. 16 Karmachari Nagar Co. op. Socy. Block A|41 A'bad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad-380 009

Date: 21-5-1985

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3718 Acq. 23|I|85-86.—
Whereas, I, G. K. PANDYA.
being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

H. P. at Innarath M. G. Rd. Lind Adm. 687+Bldg. thereon

H. P. at Junagadh M. G. Rd. Land Adm. 687+Bldg. thereon

situated at Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Junagadh on 12-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property. and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Hargovind Rugnath Raja Karta of HUF Raja oil Mills-88 - Usuf Maherali Rd. Bombay-9 Chitranjan Rugnath Raja Panch Hatadi Junagadh.
- (2) The Junagadh Vibhagiya Nagrik Sahkari Bank Ltd. Jawahar Road, Junagadh.

(3) Partly tenanted by 5 tenants Shri Chandrakant Nagjibhai & Ors. Vanzari Chowk M. G. Rd. Junagadh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. P. at Junagadh on M. G. Road & besides Power House land adm. 687 s. mtr+Bldz. thereon No. 75|96,23|82|11|85 & 153|96 L. No. 973|12-10-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Handloom House Ashram Road Ahmedabad-380 009

Date: 23-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> > Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3719 Acq. 23 I 85-86,—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. HP shop at Choksi Bazar—Chokshi Bazar—Junagadh

situated at Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the Fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ, hat the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

(a) favilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Chandrakant Jethalal Parekh-Sureshchandra Jethalal Parekh CoParekh Jethalal Raichand-Chokshi Bazar—Junagadh.

(Transferor)

(2) The Junagadh Co-op. Bank Ltd. Shroff Bazar, Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop at Chokshi Bazar Nr. Mandvi Chowk Sanad No. 291|95 adm. 57 sq. mtr. R. No. 2228|20-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

Date: 23-5-1985

FORM ITNS - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM, HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3720 Acq. 23 [185-86.-Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'im movable property having a fair market value exceeding  $R_S$ , 1,00(000 and bearing

N.A. Land at village Palasava Tal. Junagadh S. No. 48 Adm.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 5-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

108—136G1[85] (1) Shri Gokaldas Samabhai Chavallya at Village Talasava Tal, Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Giring Cement & Chemicals Pvt. Ltd. Director Govindlal N. Parmar, 6th Floor—Breach Chandy Aptt. Bhulabhai Desai Road-Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

N.A. Land at Village Pasasava S. No. 48 paiki Adm. 5A 16G fal. Junagadh) R. No. 2055 Dt. 5-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Ahmedabad

Date: 23-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3721 Acq. 23[I]85-86.—Whreas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of and Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land at Plan No. 2 Jampuri Fstate Opp. Pratap Vias Palace, Jamnagar City S. No. 1[G]4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jamnagar on filed on 21-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dolaria P. Premani Clo Dolaria Premani & Co. Grain Market—Jamnagar.

(Transferor)

(2) Priti Enterprises, Valnkatesh Chamber—3rd Floor, Room No. 12—Prescot Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice—in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Flat No. 2 Jampuri Estate S. No. 1|G|4 Jamnagar 37EE filed on 21-9-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3722 Acq. 23/1/85-86,---Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

Land at Krushnanagar Plot —1790A Sardarnagar—Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 5-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Popatlal Nanchand Shah Clo Laxmi Cycle Co. Variety Hall—Coimbtur.

(Transferor)

(2) Shri Amarchand P. Manglani Pinki Co. op. Socy. Plot No. 1/90A Sardarnagar—Bhavnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Plot No. 1790A—Bhavnagar Sardarnagar R. No. 3366 Dt. 5-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

AHMEDABAD-380 009. ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P.R. No. 3723 Acq. 23/1/85-86.-Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Property as Plot No. 42-B<sub>1</sub>1 Baghawadi Rd.—Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 1-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Rameshchandra Somchand Shah
 2. Kusumben C. Vora
 3. Smt. Jyotiben Chimanlal Dave—

Aditya Flat, Waghawadi Rd. Bhavnagar. (Transferor)

(2) Hansaben Manilal-Baxi-Plot No. 42-B|1 Behind Waghawadi Rd. Bhavnagar-364 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expensions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Explanation:—The terms and expensions Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at Plot No. 42-B|1 Waghawadi Rd.—Bhavnagar R. No. 3341 Dt: 1-10-84,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Luvar Gordhan'dhai Narshibhai Nr. Rly. Station—Sihor— Dist: Bhavnagar.

(Transferor)

Navnitray Anantray Mehta
 Jitendra Jagganath Mehta
 Clo 7/9—Samsher Street—
 J. Trading Co.—
 Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P.R. No. 3724 Acq. 23/1/85-86.--Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Agri, land at Sihor Seem S. No. 110/1 & 2 111 at Sihor Dist. Bhavnagar

fand more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Net 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at. Sihor on 11-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persous, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land at Sihor seem S. No. 110|1, 2 & 111, R. No. 1560 Dt; 11-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-5-1985

# FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Jethalal Kalidas Doshi-Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Chairman Secretary Anjali Co.-op. Socy. Block No. 14—Vithalwadi Hsg. Socy. Bhavnagar.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3725 Acq. 23|I|85-86,—Whereas, I

Ref. No. P. R. No. 3725 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 2558—Hill Drive Road, situated at Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trusterred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhavnagar on 7-3-84 37G Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purples of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at Plot No. 2558. Hill Drive Rd. Bhavnagar R. No. 703 Dt: 6-3-84 37E Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

ctow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 23-5-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad the 20th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3726 Acq. 23[I]85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Property T.P.S. 22 F.P. No. 136—Panama Co.-op. Socy. Plot-4 Padli A'bad-7 situated at Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 13-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomp-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ganpatram Somashwar Pandya Power of Attorney—Shri Padhuman Someshwar Pandyn 9—Jay Bhand Socy.—Paldi—A'bad. (Transferor)
- (2) Smt. Amitben Mukeshbhai Shah 4—Panama Socy. No. 1 Paldi A'bad-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Paldi TPS. 22 FP 136—Panama Socy. Paldi A'bad R. No. 14612 Dt. 13-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-3-85

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No. 3727 Acq. 23|1|85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair marke value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Office at TPS 3 Shaikhpur-Khanpur FP 161 Sub Plot 5 at Dhanlaxmi Chamber, Opp: Gujarat Vidyəpith—Ashram Road, A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

A'bad on 3-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dhanlaxmiben Laxmondas Patel-Krishna Nivas—Opp : Gujarat Vidyapith Navizngpura—Ashram Road, A'bad.

(Transferor) (2) Laxminarayan Nathalal Guota Charity Trust-9—Postima Socy. Navrangpura--Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office at 1st Floor T.P.S. 3 F.P. 161 1 at 'Dhan Laxmi Chamber' Ashram Road, A'bad,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 21-5-85

# 

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380,009.

Ahmedabad, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No. 3728 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing TPS. 1 FP 78 Uma Park Socy. B. No. 6—A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 18-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and to
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, a pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——
109—136GI[35]

(1) Smt. Ushaben Harishchandra Patel— Ambar Socy—Opp: Kameshwar High School, Satellite Rd. A'bad.

(Transferor)

Kaushalyaben S. Gurnani
 Surendra S. Gurnani
 Bhairavnath Rd.—Maninagar—A'bad-8.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 78—Uma Park Co-op. Socy. Jamalpur TPS, 1 R. No. 14986 Dt : 18-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-5-85

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 24th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3729 Acq. 23 I 85-86,-Whereas, I G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Agri. land at Bodakdev seem—S. No. 18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 29-9-84 37G Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax nuder the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Sectron 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Fataji Zuzarji 2. Manaji Zuzarji
  - 3. Chhotaji Zuzarji
  - 4. Popatji Bakarji Bodakdev-Tal. Daskroi Dist : A'bad. (Transferor)

(2) Deviprasad Mahadev Prasad Tibrawala New Gujarat Cotton Mills Compound Naroda Road, A'bad-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land at Village, Bodakdev seem S. No. 18.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-5-85 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 24th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3730 Acq. 23[I]85-86,—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair Rs. 1,00,000 and bearing No. market value exceeding

Dariapur-Kazipur TPS. 8 Sub Plot 49A

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 18-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Urvashiben Chinubhai Power of Attorney-Shri Rajiv Chinubhai Shahibag, Ahmedabad-4.
  - 2. Prabhaben Chinubhai-Shahibag-A'bad. (Transferor)

(2) The Secretary, Ranakpur Co.-op. Socy.
Behind Police Ling—Shahibag—Ahmedabad-4. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Land at TPS, 8 FP 49 Dariapur-Kazipur seem R. No. 1497 & 14983 Dt : 18-10-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 24th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3731 Acq. 23|I|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Avt. 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Land TPS. 28 F.P. 338 Sub Plot 4—Ahmedabad

Land TPS. 28 F.P. 338 Sub Plot 4—Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 6-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Amvalal Harilal Patel,
 283, Gheekanta-Navtad's Pole Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Shri Parmanand Manilal Shan,
 Chairman, Vrajesh Aplt. Owners Asson.
 53, Panchshil Socy. Usmanpura, Ahmedabad.
 Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open plot TPS, 28 FP 338 S. No. 492 S.P. 4 R. No. 6536 Dt. 8-10-84,

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 24-5-85

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380.009.

Ahmedabad-380 009, the 24th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3732 Acq. 23|1|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 56 Nutan Gujarat Co-op. Shops & Warehousing Socy. Rajpur-Hirpur TPS. 2 F.P. 44-45 Ahmedabad (and move fully described in the Sebadule appropriate barate)

Socy. Rajpur-Hirpur TPS. 2 F.P. 44-45 Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 12-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Chandanmal Rajendrakumar HUF Karta-Chandanmal Dugad— 4-5 Noormal Lohialane, Calcutta.

Transferor(s)

(2) M|s Kamleshkumar Palkeshkumar— Shop No. 56—Nutan Gujarat Co-op. Shops & Warehousing Socy. O|S Raipur Gate— Ahmedabad-2.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Rajpur Hirpur TPS, 2 F.P. 44-45 Shop No. 56 R. No. 14552 Dt. 12-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date : 24-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 24th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3733 Acq. 23|1|85-86.— Whereas, I. G. K. PANDYA,

whereas, I, G. K. PANDIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable recovery having a fair market value exceeding Re. 100,000/c. property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/and bearing

Rajpur Hirpur TPS. 4 F.P. 60 Sub Plot 8-A Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 15-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dineshchandra Mahendrarai Nanavati Nr. Krishnabag—Maninagar—Ahmedabad-8.

Transferor(s)

(2) Shri Dayalji Chatrabhuj Mistry, 26, Chokshi Park, lsanpur, Maninagar, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land TPS. 4 F.P. 60 Sub Plot 8 paiki 8A Rajpur Hirpur seem R. No. 14661 Dt: 15-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---

Date: 24-5-85

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER **OF INCOME-TAX** ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 24th May 1985

Ref. No. P.R. No. Acq. 23|I|85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000; and bearing No.
Rajpur-Hirpur TPS. 2 FP 90A&B Hissa-3, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the reunifer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Veljibhai Ramjibhai Mistry, 27, Vishva Nagar Socy. Isanpur Road, Tolnaka, Danilimda, Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) 1. Mahendrakumar Somabhai Patel Subhashkumar Somabhai Patel, 4, Dharmayug Colony,

Kankaria, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at TPS, 2 F.P. 90A&B Hissa No. 3 paiki 3A R. No. 1465 Dt. 15-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-5-85

NQTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3735 Acq. 23|I|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Office at 1st Floor—Dhanlaxmi Chamber N1. Gujarat Vidya-Pith Ashram Road, Ahmedabad T.P.S. 3 F.O. 161|2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 4-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dhanlaxmiben Laxmandas Patel, Krishna Nivas Nr. Gujarat Vidyapith, Ashram Road, Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Ilaben Rameshbhai Patel Clo Vrandavan Park, Nr. Meghalaya Flat Sardar Patel Colony Road, Ahmedabad.

Transferec(s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office TPS. 3 F.P. 161|1 Dhanlaxmi Chamber 1st Floor, B|2 R, No. 14191 Dt: 4-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3736 Acq. 23|I|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office B.1 Shaikhpur-Khanpur seem Dhanlaxmi Chamber Nr. Gujarat Vidyapith TPS. 3 F.P. 161 1 Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 3-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--110-136GI]85

(1) Dhanlaximben Laxmandas Patel Krishna Nivas Nr Gujarat Vidyapith Ahmedabad-9

Transferor(s)

(2) 1. Vinodbhai Bechandas Patel, Hansaben Ghanshyambhai Patel
 Yoginiben Manubhai Patel,

Clo T. 35 Shantinagar Usmanpura, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property av be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetie.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office B 1 -- Dhanlaxmi Chamber Nr. Gujarat Vidyapith TPS. 3 FP 161|1 R. No. 14180 Dt. 3-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 25-5-85

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3737 Acq. 23|I|85-86.— Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and beating 1-0.
Flat TPS, 4 FP 54-55 Narayanmani Aptt. Manina exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Ahmedabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Ahmedabad on 4-6-84-37G Oct 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
  11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tay Act, 1957 (27 of 1957);

 Pritiben Dashrathlal Shah
 Falguniben Ghanshyambhai Shah Krushnakunj—Kashmira Socy.
 T. Road, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

 1. Smt, Kavitaben S. Khetwani
 2. Santrudhan Pesumal Khetwani Flat No. 1, Narayanmani Aptt. Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat TPS. 4 FP 54-55 Maninagar, Narayanmani Aptt. R. No. 8229.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25~5-85 Seal:

Эсиг

A | 3 Lorana Aptt. Ambawadi,

(1) Gaurangbhai Avinashbhai Vyas,

Ahmedabad-15.

#### FORM I.T.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Radhaben Radheshyam Pansari, 298, New Cloth Market, Os Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transfere

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3738 Acq. 23|1|85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and beraing No. Property at 16 Anand Nagar Coop. Socy Paldi Sharkhej Rd.

Ahmedabad-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 12-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-text Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 da from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo able property within 45 days from the date of t publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Paldi 16 Anandnagar Coop. Socy, Sarkhej Rd. R. No. 14579 Dt. 12-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-5-85

FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3739 Acq. 23|1|85-86.— Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Vasana seem S. No. 306 TPS. 26—F.P. 192 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the twansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Jiviben Parshottamdas Dahyabhai Patel & Ors. Vasana Post Anandnagar, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Panjari Coop. Socy. Ltd., Chairman, Deepakkumar Parshottam Rathod Bansidhar Socy. Behind Jawahar Nagar, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

KPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Vasana seem S. No. 302 TPS, 26 PP 192 R. No. 15005 Dt. 18-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-5-85

FORM I.T.N.S.---

(1) Arvindkumar Chunilal Shah, 16, Subhash Nagar, Shahibag, Ahmédabad-4.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhagvatidevi Mahavirprasad Jair i, Flat F|S|F.3 Chirag Coop. Socy. Rushika Aptt. Shahibag, Ahmedabad. 4.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3740 Acq. 23|I|85-86.— Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat Dariapur-Kazipur TPS. 8 FP 49 1 Chirag Coop. Socy.

Shahibag, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 10-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or to period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in this said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression med herein as are defined in Chapter Y XA of the said Act, shall have the same mer aming as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or anyomoneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922: (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat TPS. 8 F.P. 49|1 at Chirag Coop. Socy. R. No. 15558 Dt. 10-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore is pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-5-85

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UN'DER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1"AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mls Shanti Builders-Ring Road, Surat.

(2) Shri Shyam Sunder Bajaj & Ors. Hathi Chawk, Nagpur.

(Transferor) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3521 Acg. 23 [II]85-86.—

whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the impact to a said a sai movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Office No. 539 at Ajanta Shopping & Textile Arcade Ring Road, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted

in the office of the

undersigned in Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suld instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-85

FORM I.T.N.S.-

nanti Builders, Road,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Clo Bright Star Silk Industries, 333, Badamwadi, Group, Kalbadevi Road, Bombay-400 002.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3522 Acq. 23|11|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Office No. 344 at Ajanta Shopping & Textile Arcade Ring Road. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Form No. 37EE is submitted.

in the office of the

undersigned in Aug. 84

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 8-5-85

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3523 Acq.23|II|85-86.—Whereas. I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the In'tome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding P.s. 1,00,000|- and bearing No. Office No. 334 at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Rd.—Surat (and more fully described in Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (17 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

Shri Bhayarlal Keshrichand,
 Clo Supreme India Synthetic,
 105, Good Luck Market, Ring Road,
 Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985

Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Hariram K. Mistry, 18—Shastri Nagar Socy., Sardar Baug, Bardoli.

(1) M s Shanti Builders,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3524 Acq. 23 II\85-86.—
Whereas, I. G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000- and bearing
Office No. 236

at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Rd.—Sugat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
111—136CI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahntedabad

Date: 8-5-1985

#### FORM ITNS ---

# NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Suman Silk Mills Pvt, Ltd. Plot No. 2409, G.I.D.C.—Sachin Dist., Surat

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1985

Rel. No. P.R. No. 3525 Acq. 23/II/85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaue exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office No. 723 at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring RJ.—Surat Form No. 37EF is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the Fair Market Value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nestee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range-H,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date : 8-5-1985 Seal :

### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3526 Acq. 23 III 85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here that the immovable property having a fair market value excepting property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

Office No. 627
at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Rd.—Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Mis Shanti Builders. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpaben T. Garodia, E.4|7 Sunder Nagar—S, V. Road, Malad—West—Bombay-400 064.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

> G. K. PANDYA, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedaba**d**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-II,

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3527 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Office No. 642

at Ajanta Shopping & Textile Areade—Ring Rd.—Surat Form No 37EE is submitted in the office of the underlined in Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the constalment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishor Sharda Clo Sattya Narayan Sharda, Baherampura—Ka Samna, Nagour (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Dato: 8-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3528 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0001- and bearing No.
Pedhi (Office) No. 1301
at Bombay Market—Umarwada—Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitizing the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ewhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Champak Textiles Pvt, Ltd., Bank Bldg. No. 2. Bombay Market, Umarwada, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IL. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date.: 7-5-1985

A CONTRACT CONTRACTOR TO THE STATE OF THE ST

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedaoad-380 009, the 7th May 1985

Rec. No. P.R. No. 3529 Acq. 23 II 85-86.—
Who can I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the accometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the sold Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exending Ro. 1.00.000- and bearing No.
Pedf (Office) No. 1308
as Bombay Market—Umarwada—Surat
Fold No. 37EE is submitted in the office of the undersigned
in Aug. 84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than lifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattics has not been truly stated in the said instrumont of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy., Umarwada, Surat

(Transferor)

(2) Jagjit Cotton Textiles Mills Ltd. H o Thapar House, 124—Janpath—New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 7-5-1985 Seal:

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1985

· Ref. No. P.R. No. 3530 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Pedhi (Office No. 1307

at Bombay Market—Umarwada—Surat

Form No 37EE is submitted in the office of the undersigned

in Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the ansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Bonibay Market Act Silk Co.-op. Socy. Umarwada, Surat.

(Transfe or )

(2) Mls Jactifit Cotton Textiles Mills Itd. Ho Thapar House, 124. Janpath, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H. Ahmedabad

Date: 7-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3531 Acq. 23|IJ|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Pedni (Office) No. 1107

at Bombay Market—Umarwada -Sarat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy., Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) Madanlal Garg, Co Millap Textile Mills, Balotra (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a poride of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy., Umarwada, Surat.

(Transferor)

 (2) M/s Amel Corporation,
 Prop : Shri M, R. Shah,
 23, 1st Old Hanuman Cross Lane, Ist Floor, Narayan Niwas, Kalbadevi, Bombay,

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3532 Acg. 23 H 85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinreferred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Pedhi (Office) No. 708

at Bombay Market—Umarwada—Surat Form No. 37PE is submitted in the office of the undersigned

in Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the erduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, withinforty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

> G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-112-136 GI/85

Date: 7-5-1985

#### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3533 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|—and bearing Pedhi No. 206 at Bombay Market—Umarwada—Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bombay Market Art Silk Co.op. Socy., Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Navinchandra Shantilal Dalal, Variavi Bhagol, Nr. Boat Biunlow, Surat.

(Trapsferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Sarat. The Form No. 37-EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date: 7-5-1985

Sent:

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M|s Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

 (2) Shri Yogeshkumar Amratlal Bodiwala, 10/1998, Hanuman Pole, Soni Falia, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AIHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 380 009, the 9th May 1985

Rel. No. P.R. No. 3534 Acq. 23|H|85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Office No. 435

at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Rd.—Surat and

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned to Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37-EE is submitted in the office the undersigned in August. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Read,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3535 Acq. 23 II 85-86.—
Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Office No. 335 at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Rd.—Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Shanti Builders, Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) Bharatchandra Amichand Shah, Shekhadi Lane No. 1, 2nd Floor, Vithal Wadi, Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road.
Ahmedabad

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3536|Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  $R_8$ , 1,00,000 and bearing

Office No. 619

at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Rd.—Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the faoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Shanti Builders,
Ajanta/Shopping & Textile Arcade,
Ring Road,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Chimanlal Divanchand Jhanbh, Clo. Punjab Vastra Bhandar, Whole sale Cloth Market, Gandhi Baug, Nagour.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHIDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G, K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date : 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND 1-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3537 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Office No. 401 Fourth Floor

NS. 1,00,000- and bearing
Office No. 401 Fourth Floor
at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Rd. Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned
in Aug. 84
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mis Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M|s Jugalkishor Maheshvari, J|384 Dhabalkarwadi, Room No. 73, Kalbadevi Road, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. (The document) Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il.
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date: 9-5-1985

(1) M|s.Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR. HANDLOGM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3538 Acq. 23|II|85-86.Wheras, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 519 at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Road Surat and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income we any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ramanlal Takandas Narang, C/o R. Kumar Silk Mills, B/3347, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 9-5-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF NCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-390009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3539 Acq.23[JI]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 632 at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Road Surat and

Road Surat and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

 M/s. Robert Resources Ltd. 94-B, Mittal Tower, 210, Nariman Point, Bombay-400021,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 9-5-1985

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3540 Acq.23[II]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Art, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 1-A 1st floor at

'Anjani Towers'—Athwa Lines—Surat Form No. 37EE is submitted in the office of he undersigned

in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: Now therefore, a pursuance of Section 269C of the said 113--136 GI/85

(1) Jewellers Apartment Cooperative Housing Society, C/o 1 Swati Apartment Timaliawad, Nanpura—Surat.

(Transferor)

(2) Shri Sanatkumar Chandravadan Sheth, Vakharia Compound, Opp. Lal Bunglow—Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said anniovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-5-1985

#### FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3541 Acq.23[II]85-86.-Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 6-C at 'Anjani Towers' Athwa Lines-Parle Point-Surat

Form No. 37EE is submitted in the office of he undersigned in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; end or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Jewellar Apartment Cooperative Housing Society Ltd., Clo Swati Apartment Timaliawad, Nanpura-Surat.

(Transferor)

(2) Shri Dhirajkumar Chandulal Shah, Arpan Apartment, Opp. Man Mandir Apartment, Timaliavad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistiion Range-II Ahmedabad

Date: 9-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3542 Acq.23|Π|85-86.—Whertas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,000l- and bearing Flat No. 2-C at 'Anjani Towet'

Near Parle Point—Athwa Lines—Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

- (1) Jewellers Apartment Co-op. Housing Socy. Ltd., C/o 1, Swati Apartment—Timaliawad, Nanpura—Surat.
- (Transferor) (2) Shri Bhaktavarmal Lalbhai Mehta, Clo. Cr. N. B. Mchta Mahavir Health Camps, Timaliawad, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ad 45 days from the date of publication of this e in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period atpires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat (the document) Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-5-1985

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3543 Acq.23 [II] 85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 4-A IVth Floor, 'Anjani Towers',

Near Parle Point-Athwa Lines-Surat

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Jewellers Apartment Co-op. Housing Socy. Ltd., Co 1, Swati Apartment—Timaliavad, Nanpura—Surat.

(Transferor)

(2) Shri Subhashchandra Premchand Mody, Arpan Apartment, Opp. Man Mandir Apartment, Timaliavad—Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-5-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Ravi Enterprises, 1st Floor—Rajeshwar Apartment, Nanpura—Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Trupati Enterprises, C/O A-3-Himani Apartment, Surat.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, IND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3544 Acq. 23 II 85-86.—Whereas, 1. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 4-B at Ravi Chhaya Apartment,

Athwa Lines—Surat Form No. 37EE is submitted in the office of he undersigned in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EF is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAB \D-390009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3544|Acq.23|II|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|

and bearing No. Flat No. 9/10A at Ravi Chhaya Apartment

Opp. Koudes Convent School,

Athwa Lines—Surat

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, ACL 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) M/s. Ravi Enterprises, 1st Floor-Rajeshwar Apartment, Nanpura-Timaliiavad-Surat,

(Transferor)

(2) M/s. Hanuman Silk Mills, Clo A-3 Himani Apartment, Majura Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said novable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ate defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 9-5-1985

GÄ.

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3546 Acq. 23 [11] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 9/10B at Ravi Chhaya Apartment,

Athwa Lines-Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to perween the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s, Rvi Enterprises, 1st Floor-Rajeshwar Apartment, Nanpura—Timaliavad—Surat,

(Transferor)

(2) Shri Subhash R. Agrawal, A-3 Himani Apartment, Majura Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3547|Acq.23|II|85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of th. Income-tax Act, 1961 [43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 7A at Ravi Chhaya Apartment, Athwa Lines, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the erduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

M/s. Ravi Chhaya Enterprises,
 1st Floor—Rajeshwar Apartment,
 Nanpura—Athugar Street, Dt. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Indrachandra Chaturbhuj Baid C/o Kiran Silk Corporation, Z-2198, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same menning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1985

#### BORN TIME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis. Ravi Enterprises
Ist Floor—Rajeshwar Aptt.
Nanpura
Surat.

(Transferor)

 Shri Roopkumar Assanand Bhatia & Ors. 2nd Floor, friveni Apartments, Nanpura—Timaliawad, Sucat

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3548|Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 8C at Ravi Chhaya Aptt. Athwa Lines—Surat Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of consideration with the chiest of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

114—136 G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONED OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3549 Act. 23 | 11 | 85-86, ---Whereas, 1, G. K. PANDYA... being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 | and bearing No. Flat No. 9 | 10 C at Ravi Chhaya Apti. Opp.: I oudes Convent School--Athwa Lines, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug... 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M|s. Ravi Enterprise
 Ist Floor—Rajeshwar Aptt.
 Nanpura
 Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mahendiakumar C. Chaudhary & Ors. A-3 Himani Aptts, Majura Gate Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3550 Acq. 23 II 85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 4C at Ravi Chhaya Aptt

Opp: Loudes Convent School—Athwa Lines, Surat Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in Aug., 84

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saudaforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely:—

(1) Mis. Ravi Euterprises
Ist Floor - Raieshwar Aptt.
Nanpura
Athugar Street, Timaliavad, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Ashok Textiles Industries (Partnership firm) one of the partner Shri Sushilbhai Ghansiram Agarwal, 261—New Cloth Market Ahmedabad 2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3551 Acq.23 [II] 85-86. - Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 3A at Ravi Chhaya Aptt.

Opp: Louds Convent School—Athwa Lines, Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the under-

signed in Aug., 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Ravi Chhaya Enterprises Ist Floor-Rajeshwar Aptt, Nanpura Athugar Street, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Bhupendrabhai Chhaganlal Chokshi & Ors. B-17, Dalichand Nagar Aptt. Opp: Athwa Gate Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date-of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Aug. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Alimedabad

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISI' TON RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No. 3552 Acq.23 III 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Nanpura Dr. Manckji Street,

1|1230 paiki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, 'o the following persons, namely :-

(1) Dolat Banu Jahangirja Dandas & Ors, Nanpura nr. Civil Court,

(Transferor)

(2) Sushiloben Chunilal Chapatwala Nanpura—Tamaliavad, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3909 dated 5-10-84.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 21-5-1985

Seni :

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE \ ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No: 3553 Acq.23|II|85-86.--Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authoritt under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Athwa Lines & Umara T.P.S. No. 5 F.P. No. 78 paiki plot No. 20 and Plot No. 19. (and more fully described in the Schedule annexed heroto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for thepurposes of the Indian Income-tax Act Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dilipkumar Sobhagmal Mehta Dipmangal Socy. God-dod Rd. Surat. Sonal Dilipkumai Mehta.

(Transferor)

(2) Trimurti Aptt. Owners Association President-Ramdev Kusheswar Mandal & Ors., Udhana,

\* (Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, chever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EggLanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The documents are regd. at S. R. Surat vide No. 8791 and 8792 Dt. 16-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mis. Singapuri Silk Mills Partner—Munital Nagindas Chevali-Sheri, Begautpura, Surat.

(Transferor)

(2) Kaushaladevi Ishkumar Nandvali, 24, Kolyark Nagar, Socy, Rander Road, Surat.

(Transferee)

CE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISTION HANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No. 3534 Acq.23[II]85-86. - Winereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Shop No. Z-2170 at Surat Textile Market, Ring Rd., Surat

Shop No. Z-2170 at Surat Textile Market, Ring Rd., Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offletr at Surat on 19-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to paying under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 8198 Dt. 19-10-84,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in the said Act. I hereby initiate the seedings for the acquisition of the aforesaid property of the figure of this notice under subsection (1) of Section 2.2. If the said Act, to the following persons, namely:

Date: 21-5-1985.

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION/RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No. 3555 Acq.23 [II]85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Shop No. J-3059 at Surat Textile Market Ring Rd., Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Surat on 12-10-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) Incilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Age in respect of any income arising from the transferand for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Samthiben Jivram Patel, Zampa Bazar, Surat.

(Transferor)

(2) Guru Teg Bahadur Textile Totaram Chokharam Juneja & Ors. Ram Nagar, Rander, Surat.

(Frankorce)

Objections, if any, to the acquisition of the sais property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE YESCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market Ring Rd. Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 9116 Dt. 12-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tage.
>
> Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 21-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No. 3556 Acq.23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 0001, and hearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Shop No. C. 1295 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Regstering Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Surat on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other agests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) M. Mahuvagara & Co., Sishwarlal Nagindas, Gopipura, Moti Chhipvad, Surat.

(Transferor)

(2) Balaji Silk Mill, Parnter, Lalitkumar Chandiram Bajaj, Opp. L. B. Talkies, Bhatar Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication o fthe notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as gvien in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 9221 Dt. 16-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 21-5-1985

FORM LTNS .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3557 Acq.23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing Shop No. Z-1164 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surant on 17-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Pujarilal Radhakisan & Co. & Ors., H-247, Ashok Vihar, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Vindokumar Fulchand Agrawal & Ors., at Putali Post, Chovisi Bldg., Khandgar Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is reg at S. R. Surat vide No. 9249 Dt. 17-10-84.

G. K. PANDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 22-5-1985

ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009; the 22nd May 1985

Ref. No. P. R. No. 3558 Acq.23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing S. No. 28, 2 paiki TPS No. FP No. 215, Navagam. Surat (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) faceilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Champaklal Vallabhbhai Patel, Behind Railway Police Line, Khand Bazar, Navagam, Varachha Road, Surat,

(Transferor)

(2) Shamjibhai Kalidas Patel, Lambe Hanuman Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- ta) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 8463 Dt. 19-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-5-1985

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER' SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009.

Ahmedabad, the 22nd May 1985

Ref. No. P.R. No. 3559 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000|- bearing No. Tika No. 11|1 S. No. 9 paiki

48 & 49, Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at Navsari on 22-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rekhaben Mahendra Desai & Ors. at Krishna Nivas Tithal Road, Navsari.

(Transferor)

(2) Amratlal Moghabhai Desai— Chairman of Vaibhav Aptt, Co.op, Hsg. Socy, at Nagarwad—Navsaii.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Navsari. The document is regd, at S, R, Navsari vide No. 2510 dated 22-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date s: 22-541985 Seal :

NOVICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd May 1985

Ref. No. P.R. No. 3560 Acq. 23|II|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 1,00,000]- and bearing R.S. No. 622 & 636 paiki Tika No. 49, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 22-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said distrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pemons, namely:--

(1) Aspi Rustomji Mulla---Rustam Vadi-Navsari.

(Transferor)

(2) Pravinchandra Dahyabhai & Ors. at Budhia Bldg .-Navsari.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Navsari. The documer regd. at S. R. Navsari vide No. 2520 dated 20-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-5-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION R. N.C.I.-II.
2ND FEOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd May 1985

Ref. No. P.R. No. 3561 Acq. 23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said' Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/-- and bearing No. TPS No. 3 F.P. 52A situated at Shanti Nikeran Co.op. Hsg. Socy. (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of archeome or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, unmely:-

(1) Gulabbhai Khandubhai Desai 28. Shanti Niketan Socy., Vadtal Devdi Rd., Surat.

(Transferor)

(2) Ishwarlal Ratanji Patel, 52, Shanti Niketan Socy., Vadtal Devdi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Navsari. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 9513 dated 22-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-5-1985 C Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Pratima Pravinchandra Shahat Dip Mangal Co.op, Hsg. Socy, Athwa Lines-Surat.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd May 1985

(2) Trimurti Aptt, Owners Association-President-Ramkumar Kusheshwar Mandal Udhana. Secretary Kishor I, Desali—Kadampali Rd. Nanpura—Surat.

(Transferee)

Ref. No. P.R. No. 3562 Acq. 23[H]85-86,--Whereas, I,

G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Athwa lines old S. No. 105 and 204 paiki

Plot No. 18

situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 16-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; ...
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the soid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat, The document is regd. at S.R. Surat vide No. 9222 Dated 16-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd May 1985

Ref. No. P.R. No. 3563 Acq. 23 [1] 85-86,---Whereas, I, K, PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 102 at Chandavan Aptt. Wd. No. 2—Nondh No. 1933 Nr. Kajura Gate

Situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); .

"New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Arihant Corporation 101-Radhi-Sidhi Aptt. Opp: Guiarat Mitra Press-Soni Falia-Surat.

(Transferor)

(1) Shri Jatin Hasmukhlal 3 229-Pipardi Sheri Salabutpura—Suret.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat, The document is regd, at S.R. Surat vide No. 8633 dated 19-10-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-5-85

the state of the s

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE **TNCOME-TAX-ACT, 1961 (43 OF 1961)**

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd May 1985

Ref. No. P.R. No. 3564 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

hs, 100,000 hearing No. Umara Jakat Naka
The Sarjan Socy, Bungalow No. 160—
situated at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the consideration because the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ent/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-116-136 GI/85

(1) Sumitraben Hasmukhlal Patel Mahidharpura Dalia Sheri Surat.

(Transferor)

(2) Hemnben Hemantkumar Patel Bungalow No. 160-The Sorjan Socy, Behind Umara Jakat Naka

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vice No. 6076-Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, АНМЕДАВАД-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Ward No. 11 Nondh No. 2130 & 2431, Mugalisara, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Surat on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the West'h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Vilì Adalji Katpitia & Ors. At Mugali Sara, Surat.

(Transferor)

(2) Nanuavat Rani Talav Urban Co-op. Credit Socy., Chairman Jagdishchandra H. Raval Hughal Sara, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vde No. 9112 dated 12-10-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 22-5-85

#### FORM TINS

(1) Dipak Niranjanlal and Ors. Meghdoot Socy. Athwa Lines Surat.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Ratanial Kirpandas Pachigar & Ors. Clo L.2063 Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

Transferce(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1985

Ref. No. P.R. No. 3566 Acq. 23|11|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. L.2063 at Surat Textile Market—Ring Rd. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 11-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyal or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 9276 Dt. 18-10-84. Ahmedabad

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 22-5-85 **Seal**:

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

22814

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1985

Ref. No. P.R. No. 3567 Mcg. 23/11/85-86.-Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Shop No. A 2335 at Surat Textile Market Ring Rd. Surat on 19-10-84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 19-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:-

(1) M/s. Jasvantlal & Bros. with partners-Salabatpura-Tadavalisheri Surat.

Transferor(s)

, (2) Susma Anilkumar Mahaja & Ors. 74 Reshamwala Market Ring Road,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The domment is regd. at S.R. Surat vide No. 9324 Dt. 19-10-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-5-85

(1) Dolatkumar Jahangirji Dandash & Ors. Nanpura Nr. Civil Court, Surat.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kantilal Harkishandus Gandhi, Dilip Kantilal Gandhi, Nanpura Timaliavad Surat.

Transferce(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd May 1985

Ref. No. P.R. No. 2568 Acq. 23|II|85-86.—
Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to
us the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding
ls. 1,00,000[- and bearing
Vard No. 1 Nondh No. 1230 paiki, Surat
'and more fully described in the Schedule approved haveton

Nard No. 1 Nondh No. 1230 paiki, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer

it Surat on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The 'terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 8910 Dt. 5-10-84.

G. K. PANDY/
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 23-5-85

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3569 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing

No. Room No.

Land at Charotar Socy Akota Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 et 1927).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Makanbhai Tulsibhai Bhakta, Power of Attorney Holder—in favour of Prafulbhai Chhotabhai Patel, Asundar Tal. Navsari.

Transferor(s)

(2) Shri Deepakkumar Jeshinglal Shah Managing Director of Avani Petrochem Pvt. Ltd. Nr. Kirti Tower—Baroda. Plot No. 12—Charotar Socy. Akota—Baroda.

Transferce(s)

.; h

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A sale deed has been road, by S.R. Baroda for an amt, of Rs. 162844 in respect of land of Charotar Socy. Akota Baroda the measurement of land is 685 sq. mtr.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 10-5-85

(1) Shri Pokhraj Ladhuram—HUF New Bazar—Baroda.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantilal Chhotalal Amin Chief Promotor of Proposed Gokulnagar Coop. Hsg. Socy. 57, Jyoti Park Socy. Karelibag, Baroda,

Transferce(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-TIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3570 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.

Land with construction upto plinth level
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Baroda on October 1984

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er;

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 5,37,416.80 in respect of land with construction upto plinth level adm. 1381 sq. mtr. of Salad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedaba.I

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-85

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3571 Acq. 23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Land with construction upto plinth level, (and more fully descried in the schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on October, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922' (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jatinkumar M. Shah, Partner of Shriji Enterprise, Vyara Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Manharlal Nagindas Shah, President of Khushnuma Co.op, Hsg. Socy, Opp. Kasturinagar Majalpur Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amount of Rs. 2.81,860 in respect of land with construction upto plinth level at Subhanpura Baroda adm. 3924 sq. ft.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-5-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Ratubhai Dahyabhai Parikh, Partner of Mls. Parikh Association, Mamani Pole, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Vinodchandra Harilal, Umar Transport, Mahavir Industrial Estate, · Shed No. 3, Raopura, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3572-Acq.23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Shed at Raopura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on October, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficent per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said proposes may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amount of Rs. 2,60,000]- in respect of shed at Raopura, Baroda adm. 106.88 sq. mtr. area of 157.49 sq. mtr.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :— 117—136 GI/85

Date: 10-5-1985

#### FORM 1.T.N.S.-

(1) Kamlaben Narendrabhai Pandya, Zagadia, Dist. Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Dr. Jitendra Champakbhai Gandhi, Mahajan Gali, Raopura, Baroda.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1985

Ref. No. P.R. No. 3573-Acq.23 | 11 | 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a few market well as a recording to the context of the said act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Land at Akota, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 16th October, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pure set of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has Been regd, by S.R. Baroda for an amount of Rs. 1,71,976]- in respect, of land adm. 570 sq. mtr. at Akota, Baroda.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely:--

Date: 21-5-1985

#### FORM ITNE

 Shri Pokhraj Ladhuram-HUF, throughouts Karta, Nava Bazar, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayeshbhai Bhogilal Patel, Chief Promotor of proposed, Gokulnagar Co.op, Hsg. Socy, Vibhag No. 2, 14, Vallabhnagar Society, Karelibag, Baroda.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1985

Ref. No. P.R. No. 3574-Acq.23|II|85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing

No. Land with construction upto plinth level at Savad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 289AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 1908 in the office of the registering officer at Baroda on October, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(4) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1422 (11 of 1922) or the said Act, or the Waslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

104-126GI|85

Objections, it say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amount of Rs. 5,26,625,20 in respect of land with construction upto plinth area at Savad Karelibag, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taAcquisition Range-II. Ahmedaba:

Date : 21-5-1985 Seal :

(1) Shri Vijaybhai Parshotamdas Patel, Gate Falia, Nagarwada, Baroda.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bipinbhai Ganshyambhai Patel, President of Sai Mandir Aptt.
8-A Jyoti Park Co.op. Hsg. Socy. Karelibag, Baroda.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3575-Acq.23 | II | 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land at Nagarwada, upto plinth level, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on October, 1984, for an apparent, consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amount of Rs. 4,09,298 in respect of land with construction upto plinth level at Nagarwada Baroda the measurement of land is 1484 sq. mtr.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1985

Ref. No. P.R. No. 3576-Acq.23|II|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Bldg. at Subhanpura. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on October, 1984,

Baroda on October, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secing persons, namely ;--

- (1) Shri Krupeshbhai Narharibhai Patel, authorised by Shri Surendrabhai Narharibhai Patel, Partner of Niharika Associates, 15, Parishram Society Subhanpura, Baroda. (Transferor)
- (2) Shri Arvindbhai Fakirbha; Patel, 'Avak', Race Course, Subhanpura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amount of Rs. 3,11,000- in respect of Bldg, at Subhannura, Baroda.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 21-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLÒOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1985

Ref. No. P.R. No. 3577 Acq-23/II/85-86.--Whereas, I, '. K. PANDYA,

bein we the Competent Authority under Section 269B of the Inco. we-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propert whying a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,06 \000|- and bearing

No. Prop erty at Akota, fully described in the Schedule annexed hereto), has been tra usferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda on October, 1984 at Baroda on for an apparer the aforesaid property and I have reason to believe that the first consideration therefore her saforesaid property as aforesaid the consideration therefore her saforesaid exceeds the appar iffteen per cent of consideration for su parties has not been the such apparent consideration and that the truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the radiction or evasion of the liability of the transferor to pay 'tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the adquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Shri Rameshbhai Khemchanddas Shah, Clo. Dr. Harish Harshad, Plot No. 455, Shri Nagar Society,. Akota, Baroda.

(Transferor)

(2) Dr. Harish Harshadrai, Plot No. 455, Shrinagar Society, Akota, Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amount of Rs. 2,10,0 in respect of land adm. 475 sq. mtr. at Shrinagar Soc Akota Baroda.

> (t. K. PANI Competent Auth Inspecting Assistant Commissioner of Incom-Acquisition Range-II, Ahmeda...

Date: 21-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No. 3578 Acq 23 III 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land at Mahemdabad

bearing S. No. 31. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfereed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Mehmadabad on 20 10-84

Mehmadabad on 20 10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilititatin gthe reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely :---

(1) Shri Ganibhai Rasulbhai Motibhai Chelaram Bunglow No. 47, Navjivan Socy. Station Road, Mehmadabad. Dist. Kaira.

(Transferor)

- (2) 1. Chhatumal Ladharam & Sujandas Vatandas N varrai B Panchkuya.
  - 2. Clo Ganibl Bunglow 1 Mehmadab:

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the underwigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale decd has been regd, by S. R. Mehmedabad for an amt, of Rs. 3,00,000|- in respect of land adm. 3A 33G bearing S. No. 31 of Mehmadabad. The land is N. A.

\_. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 21-5-1985 ıl :

#### FORM ITNS-----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

#### Ahmedabad, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No. 3579|Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land at Mehsana

persons, namely ;-

S. No. 1886

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred woder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Mehsana on 23-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri Ravaji Godudii Thakor at Vakhaji Navaji Thakor & Ors. Mehsana—Dist : Mehsana.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Prahladbhai Parsholtamdas Patel Chief Promoter of Shivajinagar Co. op. Hsg. Socy., Panchot—Tal. Mehsana—Dist: Mehsana.
  - Shri Manubhai Cheldas Patel Chief Promoter of Mehsana Nagar Co. op. H. Socy, Station, Road, Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

A sale deeds have been regd. for an amt. of Rs. 2,19,466-by S. R. Mehsana in respect of land adm. 7498.81 sq. mtr. of S. N.o 1886 of Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 21-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

#### Ahmedabad, the 21st May 1985

Ref. No. P. R. No. 3580 Acq.23 [1] 85-86,-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Land of S. No. No. 792, 793, 788 village Indrad Tal. Kadi Dist: Mchsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kadi on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-118-136 GI/85

- (1) 1. Rabari Lallubhai Prabhatbhai
  - 2. Bhagubhai Prahatbhai Chadasama Tal. Kadi, Dist. Mehsana.
  - 3. Prabhatbhai Somabhai Chadasama Iul. Kadi, Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Dilip, C. Chandan Director of Chandan Tubes Metals Pvt. Ltd. Ahmedabad Mehsana High Way Rd. Village: Indrad Nr. G.I.D.C. Chhat al Tal. Kadi Dist: Mehsana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deeds have been regd. by S. R. Kadi for an amt. of Rs. 3,58,134.87 in respect of land adm. 44154.17 sq. mtr. of S. No. 792, 793, 788 of village Indrad.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 21-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### /ERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd May 1985

Ref., No. P. R., No. 3581|Acq. 23|II|85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

bing the Competent Authority under Section 269B of the Encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land Gandhinagar situated at Sector No. 19

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Form No. 37FE on Aug. 84

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Apar Private Ltd, Makur Chambers III Ist Floor Jamnulal Baja; Marg, bay-400 021.

(Transferor)

(2) Mr. Apurva Jayantilal Parekh 15—Shashidhar Dr. Rajabali Patel Road Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agreement has been made for which from No. 37EE has been received on 18-8-84. The agreement consideration of agreement is Rs. 3,29,100 in respect of land at Sector No. 19. Gandhinagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 23-5 1985

Scal :

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3582 Acq.23 II 85-86,-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Kadi

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 27-10-84

at Kadi on 27-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--

(1) Shri Haribhai Chhaganbhai Chairman of Karmachari Co. op. Hsg. Socy. Kadi Krushnagar Socy. No. 2 Visal Pura Tal. Kudi Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Bhudharbhai Shankarbhai Patel Partner of Ramkrushna Oil Industries Visal Pura Tal. Kadi Dist: Mehsana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S. R. Kadi for an amt. of Rs. 1,11,351 - in respect of land adm. 4281 sq. mtr. of Kadi Kasba.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 25-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th March 1985

C. R. No. D[R-23]84-85]37EE CR No. 62[Acq|B.-Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. 2
situated at Vasco-da-Gama (Goa)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:— (1) Mls. Cee Jay Builders, Near Dempo House, Panaji—Goa.

(Transferor)

(2) Mls. Shripad G Arasekar, House No. 352, Verna, Salcete—Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|23|Oct. 84 Dated 26-10-198).

Shop No. 2 on Gr. floor in the building to be constructed on property Chalta No. 232 of PT Sheet No. 103 at Swatantra Path adjacent to Damodar Bldg. Vasco-da-Gama, Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range Bangalore

Date: 12-3-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 9th January 1985

C. R. No. 62|No.D|R-16|84-85|37HE.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

S. No. 94|2

situated at Salvador do Mundo-Bardez Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rev. Fr. Claudio Francisco Saldanha & 13 others, Clo Adv. M. S. Thaly 305 Govinda Bldg. Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Smt. Priscilla Carolina Saldanha & Sri Eustace Francis Avelino Saldanha, Rjo Salvador do Mundo-Bardez—Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chupter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|20|Oct. 84 Dated 26,10-84) Property known as "Aforament Sociolea Upreachem Gallum" S. No. 94|2, Salvador do Mundo—Bardez—Goa,

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 23rd January 1985

C. R. No. 62|No. D|R-124|84-85|37EE.-C. R. No. 62[No. D]R-124[84-85]37EE.—
Whereas, I, R. BHARADWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop G-4.

situated at Laxmi Apartments, Tisk, Ponda, Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Bangalore on 23-1-1985 Bangalore on 23-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

- (1) M]s. V. Naik & Associates, 393, Comba, Margao Goa-403 601.
  - (Transferor)
- (2) Mr. Douglas Coelho, 98, Marryland, Flat 8, TPS, III, Banda, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|65|Dec. 84 Dated 5-12-84). Shop No. G-4 in "Laxmi Apartments" at Tisk, Ponda-

> R. BHARADWAJ Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 23-1-1985

Scal:

Gos.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st Ferbary 1985

C. R. No. 62|No. D|R-184|84-85|37EE|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARADWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 15700 at pages 185 of the Book B-41 situated at Morpirla Village, Quepem Taluq (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27)

(1) Ana Melania Bertila Pereira Colaco through her attorneys, Flory Colaco, and Orfino Colaco R|o Velim, Saloete Goa.

(Transferor)

(2) Bombo Fondu Velipo and others of Morpirla-Fatorpa, Quepem Taluka—Goa.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a of forty-five days from the date of publication of in the official Gazetta of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|108|Jan. 85 Dated 8-1-85) "Gormanda Xeta Bata" or "Gorbata" situated at Morpirla Village, Quepem Taluq-Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the Issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

Date: 21-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th March 1985

C. R. No. 62|No. D|R-176|84-85|37|EE|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Revenue Roll under No 730 cituated at Benaulim Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Bangalore on 8-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and or
- .b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Maria Guilhermina Teresa Rebello,
 H. No. 678, Borda, Margao (opp : Dist. Cout) 403 501.

(Tra

(2) Mrs. B. F. Fernandes, Dubai, Through Power of Attorney Vicente Manuel Rodrigues, Acson, Benaulim, Salcete—Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|102|Jan. 85 Dated 8-1-85)

12000 sqm. agricultural property at Benaulim Village known as "PARVODDEM"—Land Registry Office Salcete No. 410 at Folio 7 of Book B-2 (new)—Revenue Rool under No. 730.

R. BHARADW A. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 14-3-1985

Seal ;

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd April 1985

C. R. No. 62|46290|84-85|ACQ|B .--Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Site No. 3 and 4 situated at Channanadinne, Tumkur.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur under Document No. 4169/84-85 dt. 19-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persone namely:-119-136 GI/85

. (

(1) Mr. C. Asnath Nagaraj Mr. C. Sathyanarayana Setty. Someshwarapurum, Tumkur.

(Transferor) '

Mrs. M. B. Padma.
 Wlo Mr. N. C. Bhaskar,
 Contractor, Jagalur, Chitradurga Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4169|84-85 Dated 19-1-85). Site No. 3 and 4 in Channanadinne, Tumkur admeasuring about 280 sq. ft.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 2-4-1985

#### FORM TINS

Nagaraj tha Laxamme.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### MENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd April 1985

C. R. No. 62|46291|84-85|ACQ|B.—
Whereas, I. R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Survey No. 1 and 2
situated at Channanadinne, Tumkur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Office at
Tumkur under Document No. 4168|34-85 Dt. 10-1-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, is say, to the acquisition of the s may be made in writing to the undersigned:----

(2) Mrs. M. B. Padma Wo Mr. M. C. Bhaskar, Co

Jagalur, Chitradurga Dist.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day the service of notice persons, whichever period expires
- (b) in the said immovnote property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the in that Chapter.

#### THE SCHEDI

(Registered Document No. 4168/84-85 Dated

Sile No. 2 in Survey No. 1 and 2 in Channanadine Tumkur admeasuring about 280 sq. ft,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46292|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Survey No. 26—27 situated at Channanadinne. Tumkur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the registering officer at Tumkur under Pocument No. 2765 84-85 Dt. 15-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the not been truly stated in the said instrument of particle the object of :transfi

(1) Mr. C. S. Chandrashekar So Dr. C. Sathyanarayana Tumkur.

(Transferor)

(2) Mr.s H. M. Parvethamma, Do H. K. Mallanna, Tumkur. Hospet Village Koratager Taluk Tumkur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official-Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said all have the same meaning as given Chapter.

#### HE SCHEDULE

he transferor to pay tax under the said Act, in pt of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

italing the reduction or evasion of the liability

[Registered Document No. 2765|84-85 dated 15-10-84] Sito in Survey No. 26—27 situated at Channanadinne, Tumkur admeasuring about 1350 sq. ft.

R. E npeter Inspecting Assistant Commissioner of \_ Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following namedy: рогнови, павосту :--

Date :2-4-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd April 1985 C. R. No. 62|46293|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property having a fair market value exceeding 3. 1,00,000- and bearing

Site No. 188, 189 & 190 situated at Chennanadinne

Tumkur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Tumkur under document No. 3688 84-85 on 13-12-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mr. C. Aswath Nagaraj and Mr. C. Sathyanarayana Shetty.

(Transferor)

(2) Mrs. Jeelem Shariff Dlo Mohb Ghour. Alenahalli, Sampura Hobli, Nelamangala Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3688|84-85 dt. 13-1 Site No. 188, 189 and 190 at Channanadinne, al about 987 sq. ft. Tumkur.

R. BHARDWAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-4-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th May 1985

Notice No. 933|85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Conpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. G-1 situated at Taleigao. Santa Cruz, Panaji, Goa.
(and more fully described in the Schedule nanexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Panaji under document No. 816 dt. 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

respect of any income' arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section of Section 269D of the said Act, to the following as namely:—

- Shri Vasant Tukaram Harmalkar
   Smt. Champavathi Vasant Harmalkar
   Altinho, Panaji Goa.
- (2) Shri Anant R. Kamat, r|o Ravindra Building G-1, Ground floor, St. Inez, Panaji Goa.

(Transferee)

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 816 dated 12-10-1984]

The building situated at Taleigao, Santa Cruz Panaji and known as Ravindra Apartments admeasuring 80.29 sq. mtrs.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
specting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-5-1985.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th May 1985

C.R. No. 62|Notice No. 934|85-86|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Land revenue office No. 13, 14 and 15 situated at Amona

village, Bicholim, Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Bicholim under document No. 512|dt. 21-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :---

(1) 1. Mr. Shamba Raulu Sinai Amoncar Mrs, Ramabai Raulu Sinai Amoncar, both resident of Bandarvaddo, Amona,

(Transferor)

(2) Mls. Sesa Goa Limited. Altinho: Panajim Goa.

Bicholim taluk, Goa.

Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCEHDULE

[Registered Document No. 512 dated 21-12-1984]

All that portion of land situated at Amona village, Taluka, Bicholim, Dist. Goa under land Revenue office No. 13, 14 and 15 admeasuring 30, 100 square metres.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-5-1"

(1) I. Mrs. Jankie Ramchandra Phadte Mr. Govind Ramachandra Phadte
 Mrs. Radha Govind Phadte,
 Mr. Krishna Ramchandra Phadte,

Rlo Altinho Panajim Goa.

(2) Sesa Goa Limited

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Baugalore-560 001, the 13th May 1985

.s. 62|Notice No. 935|85-86|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. Plot No. A and B situated at Amona village,

Sub-district of Bicholim, District Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the registering officer at Bicholim, Goa, under document No. 37 dt. 10-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; कार्य / क
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

all resident of Amona village, Goa.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later; ...
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

PUPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEL

[Registered Document No. 37 dated 10-1-1985].

All that property situated at Amona village Sub-district of Bicholim Goa District measuring as under:
Plot No. A—27,329 sq. mets.
Plot No. B—9700 sq. mets.

к. внARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th May 1985

C.R. No. 62|Notice No. 936|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing
R. S. Block Np. 162|1, 162|2 & 163|3 situated at Navalur village, Hubli Dharwad road, Dharwad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Dharwad under document No. 1426 dt. 28-1-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. C. A. Phalanikar, Clo Mysore Kirloskar Ltd., Yantrapur, Harihar.

(Transferor)

(2) M|s. Suvench Estate Private Ltd., Dharwad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1426 dated 28-1-1985]

Open land and building situated at Navatur village Dharwad-Hubli road. Dharwad measuring as under:

Non-agricultural land 30 gunthas, and building 5150 sq. ft.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-5-1985.

Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th May 1985

C.R. No. 62 Notice No. 937 85-85 ACQ B.—Whereas, I, Re BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Sy. No. 38 situated at Archalli village Tal; Belur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is regulated under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay at Belur under document No. 818 dt. 28-1-1985 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor b more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent a agreed to between the

partis has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri G. Gurudattarao S|o Shankar Rao, r|o Forest road, Hassan.
- (2) Shri H. R. Ramesh Slo H. M. Rudrashetty, Halebelur post: Sakaleshpur, Hassan District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 818 dated 28-1-1985]
Agricultural land situated at Arehall village Taluka Belur measuring 12 acres of land.

BHARADWAI
compttent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-5-19 Seal:

 Shri G. B. Ramakrishna, 749, XII Cross, III Stage, Gokulam, Mysore.

(2) Shri G. S. Tontadarya, 346, VI Main, Gokulam III Stage, V. V. Mohalla, Mysore.

(Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangaline-560 001, the 16th April 1985

C. R. No. 62|45700|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the theometrax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

No. 749, situated at XII Cross, III stage, Gokulam, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Mysore on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer: and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the basic of this notice under subsection (1) of Section 2030 of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Charactes.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDUL

[Registered document No. 4716]84-85 dated Dec. Property bearing No. 749, XII Cross, III Stage, Gokulam, Mysore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-4-1985

19

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT C......SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 20th April 1985

C. R. No. 62]45684[84-85]ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and hearing

No. 70]1, situated at M. M. Road, Fraser Town, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Shivajinagar on 17-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factkinning the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Rabiabai Badshah, 70|1, M. M. Road, Fraser Town, Bangalore.

(Transferor)

 Mis. Grace Cecelia Mathias, No. 36, Ahmed Sait Road, Fraser Town, B'lore-5

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used netern as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2793]84-85 dated 17-12-84] Property No. 70[1, M. M. Road, Fraser Town, B'lore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-4-1985.

#### IM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INC TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th April 1985

C. R. No. 62|45693|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARADWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 370, situated at II Main Road, Domlur Layout (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority Bangalore.

at Shivajinagar on 27-12-1984 for an apparent consideration the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

of the transferor to pay tax under the said 'Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

(1) Shri B. K. Rama Rao, "Bethel", 370, II Main Road, Domlur Layout, B'lore.

(Transferor)

(2) Kaniyalhara Alexander Ninan, & (2) Mrs. Annamuna Ninan, Qatar.

(Transf

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- d persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2903]84-85 dated 27-12-84]

Property bearing No. 370: II Main Road, Domlur Layout, Bangalore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-4-1985

(1) Shri T. S. Chandrasekar, 41, IX B Main, W. C. Rd., Rajajinagar, B'lore-10.

(Transferor)

(2) Shri T. Shaunugam & Smt. Malliga, No. 105, "Shauthi", VI Main, III Layout, Benson Town, Bangalore.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 23rd April 1985

C. R. No. 62|46167|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, \*

R. BHARADWAJ, • being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and No. 73, situated at W.C.R.—II Stage, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Rajajinagar on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property lay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4774|84-85 dated 20-12-84] Property No. 73, W.C.R.—II Stage, Bangalore.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following eersons, namely :---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalroc-560 001, the 6th Aprill 1985

C. R. No. 62/45683/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 14(1 floor), situated at Rest House Apartments,

Rest House Road Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Shivajinagar on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen percent of such apparent consideration and that the wasideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri N. M. Jrani, -No. 14, ELCID, 13, Ridge Road, Bombay,

(Transferor)

(2) Mrs. Helen Meyers, Mr. Cotin Lenos, Clo Flat No. 14, Rest House, Apartments, 14, Rest House Road, B'lore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other p immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2782|84-85 dated De-Flat No. 14 (I floor), Rest House Apartments, Rest House Road, Bangalore.

> R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bungalore

Date: 6-4-85.

FORM, ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Shrimathi Chandramma, No. 3, XI Cross, Cubboupet, Blore.

Old Thaluk Kachery, Cross, Blore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd April 1985

. No. C.R. No. 62/45444/84-85/ACQ/B.--Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 12, situated at III Cross, cubboupet, Blore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhingar on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a), facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or uther assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Shri M. Narasimha Murthy, No. 2, Tulasithota,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said sammerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2457/84-85 turns , 2, 2017) Property No. 12, III Cross Road Cubboupet, Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-4-1985

a - parameter Live - - -

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001 the 26th April 1985

Ref. No. C.R. Ni. 62|45807|84-85|ACQ|B;---Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. S. 107, situated at Moodushedde village M'lore Tq. has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) B. Gulabi Bai, 2. Indira S. Pai, 3. Sharada S. K. 4. B. Bhtskara Acharya, 5. B. Shankara A. 6. B. Sumana Acharya, 7. B. Venugopał

ding at Maunagudda, M'lore.

(Transferor)

(2) Mrs. Sumathi Shetty, at Shetty Nivas, Bondel, M'lore.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE-SCHEDULE

Registered Document No. 1551|84-85 dated 11

Property bearing No. S. 107, Moodushedde village, M'lore Tq.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-4-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001 the 26th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45808|84-85|ACQ|B .- Whereas, I, R. BHARDWAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. R.S. No. 88.3

situated at Bajpe village, Mangalore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Mangalore Taluk under document No. 1587/84-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under unbaforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely:—
121—136GI|85

- (1) Shrimathi Chanchalakshu woo Sri H. Ramayya Naik Kurnad Village, Bantwal Taluk, (Transferor)
- (2) Shri Ambrose pereira by P.A. Holder Alfred D'Cunha Gurpur Road, Bajpe-\$74142, Mangalore Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 13 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1587|84-85 dated 15-11-84) All that property bearing No. R.S. No. 88.3 situated at Baipe Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: -26-4-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45646|84-85|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing
No. 1028 (1028-5), situated at IV 'T' Block, 23rd 'B' Main

Road, Jayanagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 5-11-1984

at Jayanagar on 5-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /01
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri T. L. Vasudeva Rao, No. 202|D, Upstairs, VI 'R' Main Road, III block, Jayanagar, B'lore.

(Transferor) (2) Shri Syed Meer Moulana, 2. Syed Murthuza Ameen, 3. Sayed Mohd. Muheen, 4. Syed Masood Matheen, All residing at No. 19, II Cross, Upstairs, New Petnoolpet, Kalasipalayane, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from; the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3097/84-85 dated 5-11-1984) Property bearing No. 1028, (1028-5), IV 'T' Block, 23rd 'B' Main Road, Jayanagar, B'lore,

> R. BHARDWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-4-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 29th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|44540|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 25|65-D.

situated at Lalitha Mahal Road, Nazarbad, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Shrimathi Chonnama Bhanger by P.A. Holder Sri S. Balakrishna Shetty, 119, Rajamahal Vilas Extension, B'lore.

(Transferor)

(2) Sharmeela A. Kaji & Mr. A. H. Kaji, 50, IL Palarzo, Ridge Road, Malabar Hills, Bombay-6. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Regisered Document No. 3688|84-85 dated 29-10-84) Property bearing No. 25|65-D, Nazarabad Mohalla, Lalitha Mahal Road, Mysore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dae: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 29th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|44539|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1 00 000 and bearing

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 25|65-B,

situated at Lalitha Mahal Road, Nazarbad, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908. (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mysore on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Vishwanath Adappa by P.A. holder Sri S. Balakrishna Shetty 119, Rajamahal vilas Extension, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Parmod Kumar Gupta, No. 7/5, Burdwan Road, Alipore, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3687|84-85 dated 29-10-1984)

Property bearing No. 25|65-B, Nazarbad Mohalla, Lalitha Mohal Road, Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ian ill—Sec il -

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 29th April 1985

C.R. No. 62|44491|84-85|ACQ|B.Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fiar market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No. 4 (4—5)

situated at Venkataramana Naik Lane, Gollarpet, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimathi Lakshma & others, No. 4(4-5), Venkataramana Naik Street, Gollarpet, B'lore.

(Transferor)

22855

(2) Radha Enterprises, Partners:—Mr. D. M. Radhakrishnajah & others, No. 14, 15—19, Parameshwara Market, Mamulpet, B'lore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Regisered Document No. 2172|84-85 dated 15-10-84) Property No. 4(4-5), Venkataramana Naik Lane, Gollarpet, Blore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-4-1985

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 29th April 1985

C.R. No. 62|44321|84-85|ACQ|B,—Whereas, I, R, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. 1107,

situated at Sarakki I Stage, I Phase, B'lore South Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Tq. on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. C. Basavaraj, Nandinathpura, Periyapatna Taluk, Mysore State.

(Transferor)

(2) Shrimahi Puttanna, Sarakki Agrahara, Begur Hobi, B'lore Dist:

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said projecty oray be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act whall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4234|84-85 dated 11-10-84) Site No. 1107, Sarakki I Stage, I Phase, B'lore South Taluk.

. RHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

R. No. 62]44826]84-85]ACQ|B.—Whereas, J. R. BHARDWAJ.

to the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing

No. 697,

situated at 17th Main, S. Puram, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on 31-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- i. Jitating the reduction or evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Ast, a respect of any income arising from the transfer; ad/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri D. Puttamadaiah, D. No. 697, 17th Main, Saraswathipuram, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri D. L. Krishna Murthy, Lecturer in Maths., I.D.S.G. College, Chickamagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3722|84-85 dated 31-10-84)
Property bearing No. 697, 17th Main, Saraswathipuram,
Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-4-1985

Scal :

#### ( بـ A 15 مع A المارة المارة المارة المارة ا

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 19th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45042|84-85|ACQ|B.—Wherças, 1, R. BHARDWAJ

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 407, situated at XII Cross, Sadashivanagar, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afofesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the ord Act to the following persons, namely:—

(1) Shri B. S. Thippeswamy, No. 407, Sadashiyanagar, Blore.

(Transferor)

(2) Shri Jayanthilal Rajani, 2. Mrs. Pushpa Rajani, 3. 3. Anup Rajani, 4. Mayur Rajani, at No. 14, TV Cross, Gandhinagar, B'lore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in 'he Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2597|84-85 dated 22-11-8 Property bearing No. 407, XII Cross, Sadashivar Blore,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 DF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 6th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45053|84-85|ACQ|B,--Whereas, IR. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,001- and bearing No. 45|1,

situated at Richmond Road, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
122—136GI|85

- (1) Shri Prem Baveja & Others, No. 49, Miller Road, Benson Road, Blore. (Transferor)
- (2) M/s. Indian Telephone Inds. Ltd., Regd. Office:—No. 16, Museum Road, Blore-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person laterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Regisered Document No. 2425 84-85 dated 19-11-84)
Property No. 45 1, Rihmond Road, Blore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-4-1985

Seal

FURM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 18th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45040|84-85|ACQ|B.--Whereas, I R. BHARDWAJ

R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 2, situated at XV Cross, Killari Rond, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Gandhinagar on 21-11-1984

at Gandhinagar on 21-11-1984 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 A. Narasimhaiah, N. Ashoka, N. Muralidhara N. Ravindra Babu, No. Ramesh, Sri K. A. Ramaswamy, Smt. Rujama, No. 2, XV Cross, Kılari Road, B'lore-2

(Transferor)

(2) Shri Sha Neumalji Babhootmalji, Moolchand No. Jain Bhawarlal No. Jain, Ramesh Kumar N. Jain Hastimal N. Jain & Parasmal N. Jain No. 13, I Floor B.V.K. Ivensar Road, Blore,

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires rater;
- (b) by any other person incrested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2572 84-85 dated 21-,---, Property bearing No. 2(112), XV Cross, Kilari Road, Blore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dae: 18-4-1985

 Shri V. Jayakumar Goel, 1319, XX Cross, II Main, BSK If Stage, Bangalore.

(2) Dr. B. K. Yusuf, P.O. Box-11982,

Dubai, U.A.E.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

- Bangalore-560 001, the 30th April 1985

C.R. No. 62|45674|84-85|ACQ|B.—
Whereas, I. R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
1319, situated at BSK II stage, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Jayanagar on Oct 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2994|84-85 dated Oct, 84] Property No. 1319, BSK II Stage, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-85

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th April 1985

C.R. No. 62|45064|84-85|ACQ|B.--Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
104, situated at Binnamangala II Stage, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Shivajinagar on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely ----

(1) Mrs. N. K. Lalwani, Clo 21|12, M. G. Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Manoharlal Parsram Krishmani, No. 4008, 100 ft. Road, Indiranagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2506]84-85 dated 26-11-84] Property bearing No. 104, Binnamangala II Stage, Banga-

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bangalon.

Date: 6-4-1985.

Scal:

FORM ITNS ----

(1) Mrs. Lucy Rego alias Pinto, residing near Emmekere. Bolar, Mangalore Town

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mohan V. Kamath, (2) Smt. Jyothi M. Kamath, Mannagudda, Mangalore Town.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 >

Bangalore-560 001, the 25th April 1985

Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.
RS. III, TS No. 402/I, situated at Thota Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on November 1984 Mangalore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/cc

'h) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually . -

ections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:---

HE SCHEDULE

[Registered Document No. 1244]84-85 dated Nov. 84] Property bearing R.S. No. III, TS. No. 402]1, Thota Village, Mangalore.

> R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Date: 25-4-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

C.R. No. 62]45777[84-85]ACQ[B.--

C.R. No. 62|45777|84-85|ACQ|B.—
Whereas, I, R. HHARDWAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Incorne-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immoveble property, having a fair market value exceeding
R.s. 1.00.000/- and bearing No.
31, situated at H Cross road Suddagunte Palva, Pattabiramanjaneya Swamy Temple Layout, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has then transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Jayanagar on 4-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shrimathi Geetha Mathew. 31. II Cross Road, Suddagunte Palya, Pattabirananjaneya Swamy Temple Layout, (Transferoi)
- 2) C.M.C. by Sr. Adila having its Generalate at Theikkattykova, Alwaye 683106-Ernakulam Dt., Kerala & presently at Dharmaram College, Bangalore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned:-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3915]84-85 dated 4-12-841 Property No. 31, II Cross Road, Suddagunte Palya, Pattabiramanjaneya Swamy Temple Layout, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-4-85.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

C.R. No. 62|45365|84-85|ACQ|B.—
Whereas, I, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
321|1, situated at Chinmaya Mission Hospital Road, Indiranagar, Bangalore-38
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Officer at
Shivajinagar on 13-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by the more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument

wanter with the object of :-

(%) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be alisclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under unsection (1) of Section 269D of the said Act, to the foliarwing persons, namely;—

 Shrimati Padmini Holla, 322, Chinmaya Mission, Hospital Road, Indiranagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Guyathri A. Bhat, 198, HMT Layout, R.T. No. 98, Bangalore-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2729|84-85 dated 13-12-84] Property No. 321|1, Chinmaya Mission Hospital Road, Indiranagar, Bangelore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 30-4-85.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1985

C.R. 62|45542|84-85|ACQ|B.—
Whereas, I, R. BHARDWAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00.000/- and bearing No.
147 (161), situated at Hosahalli,
(and more fully described in the Schedule appared harmto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sritamputam on December 1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and fet
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby unitiate proceedings for the acquaittion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Pattammal, No. 101, Railway Station Road, Salem, Tamil Nadu.

(Transferor)

Shrimati Beguru Bayyamma,
 Smt. Lakshmamma,
 Kondenahalli Village,
 Chickaballapur Taluk,
 Kolar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3053|84-85 dated Dec., 84] Property bearing No. 147 (161), at Hosahalli, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 4-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th April 1985

C. R. No. 62|45810|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHAKDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herminafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. 50 situated at Iddya Village, M'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

with the Competent Authority under Section 269AB in the office at

Mangalore on 4-12-1984

123—136GI 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer; and/or
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Chandravathi, Girija, Nagesh, Ramesh, Ganesh, Madhavi, Susheela, Satecsh, Shaymala by Sri D. Mohan Rao, Notary, D. K. Mangalore.

(Transferor)

Shrimathi Zahidha, Kukkadi Compound, Binkampady Village, Mangalore Tq.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1729|84-85 dated 4-12-84] Property No. 50, Iddya Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-4-85.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 31st May 1985

C.R. No. 62|R-1'S''CTF'S' STACO|B.—
Whereas, I. R. BIIARDWAL.
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act) have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 701, situated at Somerset Apartments 18 N. G. Road,
Bangalore
(and more fully described in Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registration Cofficer at
Bangalore under Registration No. 1253|84-85 on 12-10-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act is
  respect of any income arising from the transfer
  and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs C. Rego. 47, Church Street, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mrs. Nargez Rox Kothavala,
 Wo Group Capt. R. B. Kothavala,
 701, Somerset Apartments, 'A' Block,
 18, N. G. Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1253]84-85 dated

Flat No. 701, Somarset Apartments, 'A' Block, 18 M. G. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 31-5-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 31st May 1985

C.R. No. 62|R-1459|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 2682 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exercising Rs. 1,00,00|- and bearing

Flat No. 51, situated at Somuarset Apartment, 18 M. G. Road, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore under Registration No. 1258 84-85 on 25-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under the raid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) fucilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. B. Aranha, Bucha Vista Flat No. 92, Foreshore Road, Bombay-400021.

(Transferor)

(2) Mr. Lancerot Reginald D'cunha, 26, Shanthi Road, Shanthinagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The topms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1258|84-85 dated 25-10-841

Flat No. 5. V floor with covered parking space in Block 'A' Somerset Apartments, 18, M. G. Road, Bangalore-560001. Date: 31-5-1985

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-6-1985

#### FORM TINS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th May 1985

C.R. No. 62|R-1474|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Anthonity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the intervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 104, situated at 191, Sankey Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Bangalore under Registration No. 1267 84-85 dt. 26-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Land Development Corporation, 302-A, Queen Corner, → Queens Road, Bangalore-560001.

Transferor(s)

(2) Mr. Ahuja Laxman, Clo Ahuja Electricals, B.V.K. Iyengar Road, Bangalore-53.

Transferee(s)

Objections; if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1267|84-85 dated 26-10-1984]

Flat No. 104 on I floor of Sankey Apartments, on plot no. 191 Sankey Road, Bangalore-560080.

R. BHARDWAI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Land Development Corporation, 302-A, Queens Corner, Queens Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamlabai, 61, I floor, 2nd Cross, Gandhinagar, Bangalore-56 009.

(Transferec)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th May 1985

C.R. No. 62[R-1475]37EE]84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of me Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 8s. i.00,000]- and bearing Fiat No. 202 situated at 191 Sankey Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1268|84-85 on 26-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1268|84-85 dated 26-10-84]

Flat No. 202, II floor of Sankey Apartments on plot No. 191, Sankey Road, Bangalore-560080.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 30-5-1985

 Land Development Corporation, 302-A, Queens Corner, Queens Read, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash B. Talraja,61, I floor, 2nd Cross,Gandhinagar, Bangalore-560009.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th May 1985

C.R. No. 62|R-1476|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, J. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing. Flat No. 203 situated at 191, Sankey Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1269 84-85 on 26-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrangent of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ti. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1269/84-85 dated 26-10-84]

Flat No. 203, II floor Sankey Apartments on plot No. 191, Sankey Road, Bangalore-560080.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 30-5-1985

Seal:

1. . . . . .

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA 54

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Baugalore-560 001, the 30th May 1985

C.R. No. 62|R-1480|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 2 situated at 18 N.G. Road, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office

of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Registration No. 1273 84-85 Dt. 26-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as afor-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—75—126GI[85

(1) Mr. Ajay Malik, 33 Jayamahal Extension V Mam Road, Bangalore-560046.

(Transferor)

(2) Mrs. Kakoli Bhattacharya, Wo Mr. Dipak Bhattacharya, IF. Church Lane, Allahabad-211002

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that' Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1273/84-85 dated 26-10-84).

Flat No. 2 and Car Parking space No. 16 at Somaset Apartments., 'A' Block, 18, Mahatma Gandhi Road, Bangalore-560001.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 40-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1985

C.R. No. 62|R-1456|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000|- and bearing No. 29/1 29/2 situated at Aga Abbas Ali Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Registration No. 1255 84-85 Dt. 12-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Isdian Income-tax Ast. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

(1) Mrs. M. N. Irani, 15, Cawasji Patel Street, Fort, Bombay 400001.

(Transferor)

 Ms. Sachi Clay Ltd.
 Defence Colony, Indiranagar, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamete or a period of 30 days from the curvice of notice on the respective person; whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Doc. No. 1255|84-85 dated 12-10-1984)

Apartment No. 21 in II Floor in Lake View Apartments situated at No. 29/1 & 29/2 Aga Abbas Ali Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-6-1985

ANOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1985

C.R. No 62]R-1465|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1 25 situated at Ulsoor Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Doc. No. 1262 84-85 dt. 25-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which cught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
124—136GI|85

Saraswathi Bai Belani,
 East link Road,
 Cross, Mulleswaram,
 Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. F. M. Karachiwala, 4E Sounders Road, Close Park, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Doc. No. 1262|84-85 dt, 25-10-84) 1|3rd Share in premises No. 1|25 Ulsoor Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Bangalore-560 001

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1985

C.R. No. 62[R-1466[37FE]84-85]ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00.000 and bearing No.

premises No. 3 'situated at Corporation Division No. 6,

Bangalore

Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Registration No. 1263[84-85] dt, 25-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racintaring the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, damely:--

- (1) I. Mr. P. Shanti Lal Jain
  - 2. Mrs. Badambai,
  - 3. Mrs. Sajjan Devi and

4. Mrs. Rajani, by their P.A. Holder Ranjit Kumar Kedia, 3 H. No. 1 Street, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. K. T. Mittu, & Mis. K. M. Neelamma, C/o Mr. K. S. Premchand, No. 5, J. K. Lay out, Cambridge Road, Bangatore-560008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the date of publication of this notice in the Official Carett or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Doc. No. 1263/84-85 dt. 25-10-84) 1/6th share in premises No. 3, H. No. 1 Street in Corporation Division No. 61, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore-560 001

Date: 1-6-1985

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1985

C.R. No. 62|R-1467|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. B-302 situated at site No. 132 Rajmabal Vilas

Extension, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Bangalore under Registration No. 1275A|84-85 dt. 26-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mr. D. S. Gowda, Site No. 132, 615 A Cross, Rajmahal Vilas Extension Bangalore-560006.

2. Mls. Asher and Associates, Block No. 5, 22, Swastik Society, North South Road, No. 2 Juhu Scheme Vile Parel (West) Bohmay-400056.

(Transferor)

(2) Ms. Prasad Productions (P) Ltd. No. 2 Sarangapani Street, Theagaraya Nagar, Madras-600017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Doc. No. 1275 A 84-85 dt. 26-10-84)
Flat No. B-302 II, floor in site No. 132 Rajmahal Vilas Extension Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore-560 001

Date: 1-6-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1985

C.R. No. 62[R-1481[37EE[84-85[ACQ]B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 23 situated at 12 Race Course Road,
Madhaunarayan, Bangalore-560001
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bangalore, under Registration No. 1274/84-85 dt. 26-10-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Kalpataru Apartments Pvt. Ltd. 111, Maker Chamber IV, Nariman Point, Bombay-400021,

(Transferor)

(2) Mr. Hariram Thakker & 296 P. Nariman Street. Sangli Bank Bldg., V floor, Fort, Bombay-400001.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Doc. Regn. No. 1274|84-85 dt. 26-10-84)

Flat No. 23 on II floor and one covered car Park in Kalpataru Building under construction at No. 12 Race Course Road, Madhavnagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore-560 001

Date: 1-6-1985

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th May 1985

C.R. No. 62|44576|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the innactivable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 31/5, situated at Loyola layout, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 22-10-1984

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Agt, 1927 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-fac Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Charles De Sa,
 Mrs. Finid de Sa
 No. 4, Fraurozy Court, 205,
 Marine Drive, Bombay-40.

Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Avis Flavia Fernandez,
2. Mrs. Glovyd Joseph Fernandez,
3. Mrs. Glovy Fernandez
No. 31/5, Loyola layout,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

SXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2113|84-85 dated 22-10-84)
Premises No. 31[5, Loyola layout, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore-560 001

Date: 17-5-85

(1) Smt. Mythilichari, No. 39, II Cross Street, East Sheuoynagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Shri P. V. Narayana, No. 25|12, VI Cross LIC Colony, Bangalore-11.

(Transferee)

### NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th May 1985

C.R. No. 62|45671|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BNARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. 30, situated at Byrasandra Village, Jayanagar II block,

East, Bangalore-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ch

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2941|84-85 dt. 19-10-84) Property No. 30, Byrasandra Village, Jayanagar III block, East, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range Bangalore-560 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion while said act, to the Selfouring. s, nemoly:---

Date: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri C. C. Silva No. 466, XIII Cross Wilson Gardens, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Mls. Bush Books Allen (1) Ltd. St. Thomas Mount, Mahal repd. by its Chairman Mr. P. C., Mathew.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th May 1985

C.R. No. 62|45887|84-85|ACQ|B,--Whereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing No. 83 situated at Chikanagamangala Village, Sarjapura Hobli, Anekal Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anekal on 25-10-1984 for an agnarent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the

trans( with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

|(Registered Document No. 1372|84-85 dated 25-10-84) Property bearing Sy. No. 83, Chikanagamangala Village, Sarjapura Hobli, Anekal Tq., Bangalore Distt.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore-560 001

Date: 17-5-85

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

T L-MITTAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th May 1985

C.R. No. 62|44554|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/and bearing

No. 11 situated at I Cross, Madhavanagar, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 31-10 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

 Shri P. Vadiraja Rao, No. 10. Gangaanicus Railway Purallel Road, Nebru Nagar, Bangalore,

(Transferor)

Shri Pravin Kumar
 Sunil Kumar
 Sslo Shri Shantilal,
 Maranuma Temple Street,
 T. Street Cross,
 Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2362|84-85 dated 31-10-84) Property bearing No. 11, I Cross, Madhavanagar, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore-560 001

Date: 17-5-85

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORT-560 001

Bangaiore-560 001, the 14th May 1985

C.R. No. 62]44229|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section

269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 25 situated at Ratnavilas Road,

Baswanagudi, Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a Baswanagudi on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—125—136GI|85 (1) 1. Shri R. A. Prakash,

 Shri R. Sujatha Padmayothi,
 Shri R. Sunitha Padmasivi No. 4-86, III Cross, L. N. Pawan, Srirampuram, Bangalore-21.

(Transferor)

(2) Shri C. N. Narendra No. 4|A, I Floor, North Public Square Road, Baswanagudi, Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be neede in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2832|84-85 dated, 15-10-84) Property No. 25, Ratenvillas Road, Busavanagudi, B'lore 4.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore-560 001

Date: 14-5-1985

#### FORM TINE

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th May 1985

C.R. No. 62|44483|84-85|ACO|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. 2, situated at Musemu Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a Shivajinagar on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and or
- which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Helene Meyers No. 2 (old 1-A), Museum Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mohan George Abraham, 2. Mrs. Penelope Abraham, Co Mrs. J. C. Edwards, No. 1, King Street, Bangalore.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person (s) in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or

(Registered Document No. 1950|84-85 dated Oct 84) Property bearing No. 2, Museum Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore-560 001

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-/ TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri K. P. Ramesh, No. 2, Muniswamappa Layout, Old Madras Road, Ulsoor, B'lore-8.

(Transferor)

(2) Shrimati K. Padmavathi, No. 14, Muniswamappa layout, Ulsoor, Blore-8.

(Transferee)

### DEFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Dangalore-560 001,6 the 14th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|44485|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, using the Competent-Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding to 2 situated at old Madras Road, Ulsoor, B'lore-8 ituated at Valjy Dist. Thone

and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at hivajinagar on 8-10-1984

or an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in he said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insurerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1955|84-85 dated 8-10-84). Premises bearing No. 2, Old Madras Road, Ulsoor, B'lore-

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Dåte: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|44561|84-85|ACQ|B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding R4, 1,00,000]- and bearing No. 45[3] situated at Race Course Road, Blore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagadish Kumar Bihari, No. 11A|38, Cunningham Road, B'lore.

(Transferor)

(2) M/s MICRO Labs (P) Ltd., No. 76, Old Tharagupet, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2272|84-85 dated 19-10-84) Property No. 45|3, Race Course Road, B'lore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46535|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bareinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 14 situated at chicka kadirappa Garden, St. Thomas Town, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the J.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of LA.C.,

Shivajinagar on 17-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Hamsaveni, No. 233|1, Kadirappa Road, IX Cross, Dodiguuta, Cox Town, B'lore-5.

(Transferor)

(2) Shrimati Sajida Sultana,
 No. 56, Stephens Road,
 Fraser Town,
 B'lore-5.
 (by G.P.A. Holder Sri M. G. Ahmed Sheritt).
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3853|84-85 dated 17-10-1984). Site No. 14, 'Chikkakachirappa Garden, St. Thomas Town, B'lore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46534|84-85|ACQ|B,—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing No. 13 situated at Chikakadirappa Garden, St. Thomas Town, B'lote (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. ACQ. Shivajinagar on 17-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Hamsavens' No. 233]1, Kadirappa Road, IX Cross, Dodigunta, Cox Town, B'lore-5.

(Transferor)

(2) Shri Murad Sheriff,
No. 9, Sheikh Nathad Lane,
Tasker Town, Shivajinagar,
B'lore.
(by G.P.A. holder Sri M. G. Ahmed Shariff).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered No. 3852|84-85 dated 17-10-84). Site No. 13, Chikkakadirappa Garden, St. Thomas Town, B'lore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 21-5-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|44793|84-85|ACQ|B.—
Whereas, I, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]—and bearing
No. 7|5 situated at XII Cross, Malleswaram, B'lore
(and more fully described in the Schedule approved bereto)

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 7|5 situated at XII Cross, Malleswaram, B'lore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajajinuagar on 8-10-1984

Rajajingar on 8-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of:

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K, D, Seshadri, No. 25, "Narayanakrupa", Thiruvengadam Street, Mandavalli, Madras-28.

(Transferor)

(2) Shri N. Ganesh Raju, No. 36, Temple Road, Malleswaram, B'lore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2895[84-85 dated S-10-84), Property No. 7[5, XII Cross, Malleswaram, Blore-3.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge, Bangalore

Date : 21-5-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 259D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|44804|84-85|ACQ|B.—
Whereas, I. R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

and bearing
No. 186 situated at VII Cross, V Main, R.P.C. Layout,
Vijayanagar, B'lore North
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under J. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the LAC. NCQ.
Srirampuram on 5-10-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the roperty as aforesaid believe that the fair market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Sharada Bai, No. 186, I Floor, VII Cross, R.P.C. Layout, Vijayanagar, B'loré.

(Transferor)

(2) Shri Bhasker R. Kotian, 2. Mrs. Asha B. Kotian repd. by Sri Kodial Bail Ishwara, No. 30. Anandangar, Marathahalli Post, B'lore-37,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Pegistered Document No. 2195|84-85 dated 5-10-84). Premises bearing No. 186, VII Cross, V Main, R.I. Main, R.P.C layout, Vijayanagar. Bangalore North.

> R. BHARDWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 22-5-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **SOVERNMENT OF INDIA**

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45092|84-85|ACQ|B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing
No. 65 situated at I Cross, Gurukar Devanna Street, Fort
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
Mohalla, Mysore in the office of the registering officer
Mysore on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

126-136GI|85

 Shrimati B. S. Sharadama, D. No. 65, I Cross, Gurukar Devanna St., Fort Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri M, Lakshminarayana, D, No. 65, 1 Cross, Gurukar Devanna St., Fort Mohalla, Mysore,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3998|84-85 dated 16-11-84). Property No. F.10|1, I Cross, Gurukar Devanna Street, Fort Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri M. Gopala Krishna Rao, No. 45|B, H. B. Samaja Road, Basayanagudi, B'lore-4.

(Transferor)

(2) Mrs, Vedambal Srinivasan, No. 8, 1 Main, Tata Silk Farm, B'lore-4.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45460|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 88 situated at Katharaguppa, Blore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act, 1961 (43 of 1961)

Basavanagudi on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any supercys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning aggiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3133|84-85 dated 12-11-84). Properly bearing No. 88, Kathariguppa, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 7-5-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45187|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000]- and boaring No. 16]3, situated at II Main Road, Maseuahalli, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Srirampuram on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bettern the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in purusuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Shri Maahendra D. Sanghvi,
 No. 1, Uttardhimutt Lane,
 Corner Bldg., Chickpet Cross, II Floor,
 B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimati Achala R. Shetty, No. 99, C.H.S. Layout, Vijayanagar, B'lore-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the mid.

Act, shall have the same meaning as given in that Chipter.

#### THE SCHEDULE

(Regischered Document No. 2742/84-85 dated 26-11-1984)
Property bearing No. 16/3, II Main Road, Marenaballi,
Blore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D |1. OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|44846|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

Gandhinagar on 22-10-1984

No. situated at Muniyappa Lane, Gollarpet,

B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which engit to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shrimati Shamshad Begum, No. 9, Mastau Saheb Lane, Kumbarpet, B'lore-2.

(Transferor)

(2) Shrimati Noorunnisa Begum, No. 11|1, Bore Bank Road, Benson Town, Blore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 2258 84-85 dated 22-10-841. Property bearing No. 1 14 (Half portion), Muniyappa Lane, Gollarpet, B'lore,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taw
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th May 1935

Ref. No. C.R. No. 62|45149|84-85|ACQ|B,--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 31 situated at Geddarahally Village, B'lore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 1908) in the office of the B'lore North Tg. on 30-11-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any Menoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-scetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri S. R. Anautharaman, No. 23, I Floor, West Park Road, Malleswaram. B'lore-3.

(Transferor)

(2) Dr. K. Krishna Raju & Smt. Hemalatha, 804, Cline Street, Pikevalle, Kentucky, U.S.A.. by P. A. Sri K. Lakshmazna Raju.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in t Chieter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3228]84-85 Dated 30-11-84]

Property bearing No. 31 Geddalahally Village, B'lore North Taluk.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Dance

Date: 17-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45044|84-85|ACQ|B-Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 4/1(8), (Northern Side Portion), situated at Cheluva-

dipalya, TCM. Royan Road, Blore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Shivaji Gopal Patel. 275|1, Timber Yard, Mysore Road, B'lore.

('Transferor)

(2) Shri S. A. Padmaraju & 2. S. A. Seetharam, 29|1, Kedara Villa, Govindappa Street, Basavanagudi, Blore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as gives that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2646[84-85 dated 26-11-84].

Property bearing No. 4|1(8), (Northern side portion), Cheluvadipalya, TCM. Royan Road, Blore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th May 1985

C. R. No. 62|45150|84-85|ACQ|B.—
Whereas, I. R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as th 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
30 in S. No. S. No. 12|1 & other,
situated at Geddalahally Village, B'lore North Tq.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Office at
B'lore North Tq. on 30-11-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been cruly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. C. Velapury, No. 23, West Park Road, Malleswaram, B'lore.

(Transferor)

(2) Dr. K. Krishna Raju & Smt. Hemalatha 804, cline Street. Prikevelle, Kentucky, USA regd. by K. Laxmana Raju

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 3226|84-85 Dated 30-11-84].

Property bearing No. 30 in Sy. No. 12<sup>11</sup> & other of Geddalahally Village, B'lore North Taluk.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rane Bangalore

Date: 17-5-1985

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th May 1985

C. R. No. 62|45057|84-85|ACQ|B.— Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. situated at Mati Karjunapa Lane Avenue Road, 1 Cross

B'lore-2.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Candhinagar on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shrimati V. Naujammanami 2.Sri M. Shivakumar,

 Sri M. Nagaraja
 Sri M. Sundar Kumar, No. 3, Mallikarjunappa Lane, Avenue Road, Cross, B'lore City.

(Transferor)

(2) Shii A. Venkatesha prasad No. 294, 36th Cross, VII Main, IV block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2713 84-85 Dated 29-11-84].

Property bearing No. 3, Malli Karjunappa Lane, I Cross Avenue Road, Blore

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rane Bangalore

Date: 17-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd May 1985

C. R. No. 62|44742|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Sy. No. 51 5.

situated at Kunbalgodu Village, Kengeri Hobh, B. S. Tq. (and more fully described in the schedule annexed hereto), hasb een transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at B. S. Taluk on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

127—136GI|85

(1) Shri P. C. Sood, C-74, NDD SF II, New Delhi, repd. by Mr. R. K. Sahgal, No. 2, Richmourd Road, B'lore-25.

(Transferor)

 Ms. Premier Irrigation Equipment Ltd., No. 17/1C, Allipore Road, Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4968|84-85 Dated Nov. 84). Property bearing 3v. No. 51!5, in kunbalgodu Village, Kengeir Hobli, B'lore South Toluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rane
Bangalore

Date: 22-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri G. C. Kenpathimaiah,
 G. C. Mudalagiriyappa,
 G. C. Nagendia,
 Gubbi Iq., Tunkur Dt.,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri P. Krishna Murthy, No. 205, Kshelthrayya road, K. R. Mohalla, Mysore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th May 1985

C. R. No. 62|45787|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No.4|4.

situated at Nachamballi, Mycore 1a, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Mysore Taluk on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 932|84-85 Dated 12-11-84). Site No. 4|4, Nachanahalli, Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 17-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st May 1985

C. R. No. 62|4478|34-85|ACQ|B.--

Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 85.

situated at Karamchand layout of Lingaraj Puram, B'lore

North Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Blore North Tq. on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ins persons, namely

(1) Shrimati Kunjajama Lukose PA Holdor Mr. Cyril Lukose, No. 513, Ramas wamy Mutt Road, IV Cross, J. B. Nagar, B'lore-84.

'(Transferor)

(2) Shri E. T. Pappachen, No. 10<sup>1</sup>1. Henmur Main Road, Lingaroja Puram, B'Iore-84.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be finde in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2665/84-85 Dated 20-10-84). Property bearing No. 35, Karamehand layout of Lingaraj-puram, B'lore North Tq.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shrimati C. Yashoda, Builts Hostel road, Udupi Post, Udupi Town,

(Transferor)

(2) Shri U. Rajaram Acharya, Plot No. A-6: 21, No. 31, Jeevan Anand Apartments, Borlvili West, Bonday City.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th March 1985

C. R. No. 62|45767|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 76,

situated at Badagubettu village, Volakad Ward, Udupi, (and more fully described in the Schedule annexered hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Udupi on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1236|84-85 Dated 12-11-84). Proporty No. 76, Badagabettu Village, Volakad Ward Udupi.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 28-3-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th April 1985

C. R. No. 62|45185|84-85|ACQ|B.—
Whereas, I. R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinater referred
to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
No. 6,

situated at Amariyothy House building Co-op. Society Ltd., K.P. Agrahana, B'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Srirampuram on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati N. Jayanna, No. 686, 47th Cross road, VIII Block, Jayanagar, B'lore-82.

(Transferor)

(2) Shri B. M. Anne Gowda, No. 212, West og Chord road, IV Stage, III Block, B'lore-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2671/84-85 Dated 19-11-84), Property No. 6, Amaiaiyothi House building Co-op. Society private loyout, K. P. Agrahara, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 16-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th April 1985

C. R. No. 62|45677|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 69, situated at Defence Colony, Indiranagar B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Shivajinagar on 9-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and |or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Conl. M. Ramachandra, No. 69, Defence Colony, Indiranagar, B'lore-38.

(Transferor)

(2) Surgeon Rear Admiral, R. R. Nair (Retd.) No. 2995, HAL II Stage, B'lore-38.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2933/84-85 dated 9-11-84). Property No. 69, Defence Colony, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 15-4-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th April 1985

C. R. No. 62|45451|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 3033,

situated at HALMI Stage, BDA limit, Indiranagar, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Shivajinagar on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Srinivasa Bhat, No. 738, II Stage, Indiranagar' B'lore. GPA holder or Mr. C. Munikrishnappa, Doddakanahalli Village, II Stage, Indiranagar, B'lore.

(Transferor)

Dr. M. Prakash Kamath,
 M. Lalitha Kawath,
 Vijaya Clinic, M. M. Road,
 Near Cox Town circle,
 B'lore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning\* as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered document No. 2231/84-85 Dated Nov. 84).

Property No. 3033 in HAL II Stage, BDA Limit, Indiranagar, Blore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 16-4-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

C. R. No. 62]45806[84-85]ACQ[B,---

Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 107. situated at Moodushedde Village, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at M'lore on 13-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac; in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. B. Gulabi Bai, 2. Indira S. Pai,

- 3. Sharda S. Kamath, 4. B. Bhaskara Acharya
  5. B. Shankara Acharya 6. B. Sumana Acharya
- B. Shankara Acharya, 6. B. Sumana Acharya
   B. Venugopal Acharya, at Maunagudda, M'lore.

(Transferor)

 Shri Damodana Janappu Shetty, at Padushedde Village, M'lore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1551/84-85 Dated 13-11-84)., Property No. 107, Moodushedde Village, Mangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rane
Bangalore

Date: 30-4-1985

#### FORM ITNS--

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) Shri R. R. Badgi, No. 12, Vibelt Road, Railway Colony, Hubli.

(Transferor)

(2) Shri Sadappa Aralege, 'No. 690, JX Main Road, IV Cross, R. P. C. Layout, Vijayanagar, B'lore.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th April 1985

C. R. No. 62/45183/84 85/ACO/B.--Whereas, I. R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-No. 19.

No. 19. situated at K. P. Agraham, Blore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the College of the Registering Office at Srivampuram on 15-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2618|34-85 Dated 16-11-84). Property No. 19, K. P. Agrahara, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax - Acquisition Range Bangalore

v, therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely 5 --128--136G1[85]

Date: 16-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd April 1985

C. R. No. 62|45309|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 10 (Plot No. 18), situated at Rajamahal Vilas Extn., B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar on 13-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intifate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Srichand Kishindas,
 Smt. Bindu S. Bhutija,
 No. 19, II cross road,
 Lower Palace orchards, B'lore-3.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Mani, No. 437, XI Main Road, Rajamahal Vilas Extn., B'lore-80.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2758|84-85 Dated 13-11-84]. Site No. 10, Plot No. 18, Rajamahal Vilas Extension Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rane
Bangalore

Date: 2-4-1985 Seal:

(1) Shri B. S. Anantha Swamy Rao, 406 A, VII Main, II Block, Jayanagar, B'lore, 11.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri N. N. Praveen, No. 1685, 15th Main Road, Banashankari II Stage, . B'lore-70.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore 560 001, the 15th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

C. R. No. 62|45735|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 1690, situated at BSK II Stage, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 3393[84-85] Dated 24-11-84] Property bearing No. 1690, Banashankari II Stage, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-4-85

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd May 1203

C. R. No. 62|44332|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Sy. 104, 99[1, 128[1, etc., situated at Erale Volamudi village, Somwarpet Taluk, Kodagu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madikeri on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the trust and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act., I hereby mainte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Bilkhis Luthfur Rahaman,
  - 2. Master Nadeem Shaik,
    - 3. Baby Naghma Shuik, 4. Baby Naseems Shaik,
    - 5. Master Nacem Shaik &
    - 6. Master Nqueem Shuik, No. 63, Longford Court,

Longford Garden, B'lore.

(2) Shri S. M. Udaya Shankar, Rose Land Estate, Valnoor Post, Kodagu.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :---The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given if that

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 757]84-85 Dated 12-10-84]
Property bearing Sy. Nos. 104, 99]1, 128[1, 128]2, 128]3 & 131, 98[1 to 98]3 in Erale Volamudi Village, Somwarpet Taluk, Kodagu.

> R: BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-5-85

#### NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 2nd May 1985

C. R. No. 62|44234|84-85|ACQ|B,--Whereas, I. R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 5|3, situated at Nala Cross Road, Kengal Hanumanthiah

Road, Blore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or -
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shri M. Srikrishna, No. 18, Muniswamappa Lane, Thigalarpet, B'lore. Minor daughters (1) Leelavathi & (2) Madhavi (Transferor)
- (2) Shri P. Palaniswamy, No. 17, I-A Main Road, Sudhamanagar, B'lore-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2738|84-85 Dated 8-10-84) Property bearing No. 5|3, Nala Cross Road, Kengal Hanumanthiah Road, Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-5-85 Seol -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43, OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Banglaore-560 001, the 3rd May 1985

C. R. No. 62|44339|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 99: A (99: A: 17), situated at Mount Joy Exten., I

Main Road, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basawanagudi on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-ins Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

1) 1. Shri C. R. Srinivasa Murthy, 2. C. R. Gopalakrishna,

3. C. R. Sampathkumar, No. 3, II Main Road, N. R. Colony, B'lore-19.

(Transferor)

(2) Shri A. Venugopal Naidu Bin. A. Changamanaidu, No. 103, II Cross, II Block, Sudhamanagar, B'lore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2902[84-85] Dated 20-10-84] Property bearing No. 99[A (99]A]17), Mount Joy Extension, I Main Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-5-85

#### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st May 1985

C. R. No. 62|44472|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. 132, situated at North East of Mahadevapura, Lashkar Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on 8-10-1984

at Mysore on 8-10-1984 (for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evalues of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:

Shri Anusuya,
 132, Udayagiri Layout, II Stage, Lashkar,
 Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Bashith & Another, Rice Merchant, 132, JI Stage, Udayagiri, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3473|84-85 Dated 8-10-84] Property bearing No. 132, North East of Mahadevapura, Lashkar Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961- (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd May 1985

C. R. No. 62|44236|84-85|ACQ|B.—Whereas, 1 R. BHARDWÀI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No., C-8, situated at Jai Bharath Indl. Estate, Blore North

Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Blore North 1q. in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri V. Ashok, 478, VIII Main Road, Hosaballi Extension, B'lore-40.

(Transferor)

(2) Shri Najmuddin & others, by GPA: Mr. Farhad T. Shaupurwala, Hasanally, Shahpurwala, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2854[84-85] Dated Oct. 84] Property bearing No. C-8, Jai Bharath Industrial Estate, B'lore North Taluk.

R. BHARDWAJ Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following partons and the said Act to the following persons, namely :---

Date: 2-5-85

FORM 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 24th April 1985

C. R. No. 62|44570|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and nearing

No. 275, situated at X1 Main Road, II Stage, Binnamangala, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 17-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pareigs has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any-moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferre first the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslith-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

129-136GI|85

 Shri H. Narayana Reddy, No. 116|1, IX Cross, Wilson Garden, B'lore-27.

(Transfer -- \

Shri Qaffar Ameer,
 Shri Amjad Pasha,
 No. 275, XI Main Road,
 II Stage, Binnamangala,
 Indiranagar, B'lore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used libraria as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2058[84-85] Dated 17-10-84] Property No. 275, XI Main Road, II Stage, Binnamangala, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Naveena Begum, 15 Kuppuswamy Naidu Street, Chandani Chowk Road Cross, Blore-51.

(1) Shri H. Venkataraman,

B'lore-5.

151. Jeevanhall, Lox Town,

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

C. R. No. 62|44832|84-85|ACQ|B.-Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. 1, situated at Larar Layout, Richards Town, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ex
- (b) facilitating: the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the (filcial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any-other-person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gurotte.

Explanation:—The terms and expressions used berein; as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2186|84-85 Dated 29-10-84] Property No. 1, Lazar Layout, Richads Town, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 2-5-85

(1) M|s. Vijaya Bank, Body Corporate, Blore. by its Sr. Manager Mr. B. Derauna Rui.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BANGLORE-560 005

Bangalore, the 2nd May 1985

C. R. No. 62|4433|84-85|ACQ|B--Whereas, I R. 'BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Sy. 132/7, situated at Block No. 11, Nadikeri, Kodagu (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mercara on 5-10-1984

tor an apparent consideration which is less than the (air market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri V. N. Babu Naidu & V. N. Suresh Naidu, Rajas Seat, Madikeri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty by be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 740]84-85 Dated 5-10-84] Property bearing Sy. No. 132/7, in Block No. 11, Madikeri, Kodagu.

(b) facilitating the concealment of any income or any tanneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-5-85

Scal

#### FORM ITNS.

 Shri Jacitha D'Soura, Pambur, Moodubelle of Belle Village of Udupi Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1)\*OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) 1. Shri Amedius Mathew Lewis,2. Smt. Ancella Lewis,Thouse East village of Udupi Tq.

(Transferco)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSTRCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd May 1985

C. R. No. 62|44333|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardnafter released to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. 111|2A1, situated at Puttur village of Udupi Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udupi on 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1007/84-85 Dated 10-10-84] Property hearing Sy. No. 111/2A1, in Puttur Village of Udupi Taluk.

R. BHARDWAF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-85

THE SECTION OF THE PARTY OF THE

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mrs. Kaushalya S. Shethy, Kodialbail M,lore.

(Transferor)

(2) Dr. K. Machava Adiga, Seminay View, Kaukanady, M'lore-2.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st May 1985

C. R. No. 62|44786|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. BHARDWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding

poperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS. 382—1, TS. No. 215—1, situated at Kodialbail village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908—16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at M'lore on Oct. 1984

for an apparent 'consideration which is less than' the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 1014]84-85 Dated Oct, 84] Property bearing R.S. No. 382-1, TS No. 215-1 in Kodialbail, M'lore Tg.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-3-85

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th March 1985

R. No. 62|45069|84-85|ACQ|B.-Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 447, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 /16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinngar on .30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri A. Jayaraman, No. 447, HAL II Stage, Indiranagar, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri, C. Maniunath, No. 700, Indiranagar, II Stage B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

[Regitered Document No. 2575]84|85 Dated 30-11-84] Property bearing No. 447, HAL II Stage, Blore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-85 Seal ':

(1) R. Sewaraj, Chamaraj Mohalia, Mysore.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd May 1985

C.R. No. 62/44536/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. 3181 & 19 situated at Lashkar Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at nt Mysore on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than often, per, cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income urising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (2) 1. R. Nanda Kumar, 2. A. C. Prasad, Coonoor, Hassan Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3631/84-85 dated Oct. 1984]. Property bearing No. 3181 & 19, Lashkar Mohalla, Mysore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-5-85

\_\_\_\_\_\_

 Shrimati B. Vishalakshmamma, No. 2, IV Cross, Old Tharagupet, Bangalore City.
 (Transferor)

(2) Shri M. Munnikrishpappa, Heggadahalli, Tubagere Hobuli, Doddaballapur Tq. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Barkalore-560 001, the 16th April 1985

C.R. No. 62|45435|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 2, situated at IV Cross, Old Tharagupet, Bangalore City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908—16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Gandhinagar on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore, able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2731/84-85 dated Nov. 1984]. Property No. 2, IV Cross, Old Thangapet, Bangalore City.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-4-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri N. Laxminarayana, No. 10, XVIII Cross, Cubboupet, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Shrimati Laxmimurthy, No. 17, XVIII Cross, Cubboupet, Bangalore-2.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th April 1985

C. R. No. 62/45440/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. 39/1, 39/3 (51 & 52), situated at Kavadi Revaunashetty
Pet, Papauna Lane, Bangalore-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 116 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Gandhinagar on 26-11-1984

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tradsfer. and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2061|84-85 dated 26-11-84] Property No. 51 & 52 (39/1, 39/3), Kavadi Revauna Shetty Pet, Papauna Lanc, Bangelore-2.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, to personance of Society 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

130-136GI[85

Date: 16-4-85

22924

#### FORM ITNS--

(1) Shi M. Sathyanarayare, C/o B. R. Jayaram of No. 514, 16th Cross, Indiranagar, Bangalore-38. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

4 (2) J. Shri P. C. George, 2. Mrs. Leelama George, No. 620, Binnamaugala II Stage, II Cross, Indiras nagar, Bangalore-38.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th April 1985

C. R. 62/45054/84-85/ACQ/B.—Whereas, T.

R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 864, situated at Binnamaugala Extn. I Stage, Indiranagar,

Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Registering Officer

Shivajinagar on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of Af days from the date of publication of this notice in the Official Coxette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid\_A. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2463/84-85 dated Nov. 84] Property No. 864, Binhamaugala Extension, I Stage, Indira-

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 16-4-85

(1) 1. Shri Raimoud D'Souza, 2. Felci D'Souza, near Bejai Kavoor Cross Road, Mangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1969)

(2) Shri Udupi Surendra, Clerk, Central Bank of India, Mangalore, residing at Bejni Kavoor Cross Road, Mangalore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-1 SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st May 1985

C. k. No. 62/44791/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000l- and bearing No. 89-8, situated at Wodinbail village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the R gistering Officer at Mangalore on 30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to say tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any agoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sale progetty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a j 45 days from the date of publication of ti in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1167/84-85 dated 30-10-84]. Property No. 889-B, Kodialbail village, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta.
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-5-85

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd May 1985

C. R. No. 62/44481/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)—and bearing No. 11, situated at C. J. D'Souza Road, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1902) in the office of the Registering Officer at Shivaninagar in Oct, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax; under the said. Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore is pursuance of Section 289C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this scales under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following the persons, namely:

 Mrs. Lucy De Souza, No. 11, Hospital Road, Shivajinagar, Bangalore,

(Transferor)

(2) Mrs. Azara Ismail, w/o Ismail Wahid & Seven others, No. 26, Jayamahal Extension I Cross, Civil Station, Bangalore-46.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanateum:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1930/84-85 dated Oct. 84]. Property bearing No. 11, C. J. D' Souza Road, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-5-85 Seal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd May 1985

C. R. No. 62|45895|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 2503, situated a Banashankari II Stage Extr., B'lore, (and more rully described in the Schildule annexed hereto), has been transferred under the Irrestration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar in October, 1984

for an apparent consideration which is less thann the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sacrety. Or other such, which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons. samely:

(1) Smt. K. Lalitha, No. 379, IV 'D' Main, XII Cross, West of Chord Road, Mahalaxmipuram, B'lore-86.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Sukananda, No. 88, VI Main, VI Cross, (Upstairs), N. R. Colony, B'lore-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immowable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4124[84-85 dated October, 84] Site No. 2503, Banashankari II Stage Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 3-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GQVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-5600 001, the 2nd May 1985

C. R. No. 62|44467|84-85|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
No. 14 18 (119), situated at Bamboo Bazaar, Devraj

Mohalla, Mysore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under thhe Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Mysore in October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely

 Smt. Muddulingamma @ Chennama, 3108/2, I Main, Yadavagir, Mysore.

(Transferor)

(2) Jain Medical Relief Society, L-4|2, VIII Cross, Irwin Road, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3180]84-85 Dated October, 84] Property bearing No. 14|18 (119), Bamboo Bazaar, Devaraj Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 2-5-1985.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st May 1985

C. R. No. 62|45764|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heretasfier reflected to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 12, situated at I Main Road, Sagayapuram, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaiinagar on 22-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the such intrusement of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mab of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any insume spring from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri R. Kalimuthu, Sri K. Rajendran,
 Sri K. Kubeudran, 267, (12), Sagayapuram, I Main Road, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri K. A. Rarack, No. 6, Kandaswamy, Mudaliar Street, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the negativition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given at Chapter.

#### THE SCHEDULB

[Registered Document No. 2995]84-85 Dated 22-10-841 Property No. 12, I Main Road, Sagayapuram, Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-5-1985.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st April 1985

C. R. No. 62|44754|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 68 (30), CD No. 76 situated at St. John's Church Road,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 14-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) The Estate of Miss. Yolanda Rita Lafrehais (Deed), Executors: (1) Mr. Richard Pereira, 2. Mr. Anthony Dacosta, No. 21 12, M. G. Road,

(Transferor)

(2) Shri B. A. Mohd. Ali, No. 16, Lal Masjid, 'A' Street, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2333]84-85 Dated 14-11-84] Property bearing No. 68 30, C. D. No. 76, St. Joh's Church Road, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

mentana kalamban pertindukan mendapatan bandan mentangkan di terbagai kan berasak di terbagai di terba

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd June 1985.

Ref. No. C. R. No. 62|44563|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 171 (10) situated at VIII-B-Main Road, R. V. Extn., Blore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the posistering officer at Gandhinagar on 19-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the soid instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---131—136GI|85

(1) Shri Man Singh Chandok. B-39, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa D. Gangalani, 58, Coles Road. Frarer Town, B'lore-5,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2230[84-85 Dated 19-10-84] Property bearing No. 10(171), VIII-B-Main Road, Rajama hal Vilas Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 3rd June 1985

C. R. No. 62[44573]84-85[ACQ]B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 853 situated at IV Main, I Stage, Indiranagar, B'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair many of value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) Mrs. Juliana Manuel, No. 853, IV Main, Indiranagar 1 Stage, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Dinyar Patel & another (Cybil patel), No. 853, IV Main, Indiranagar I Stage, B'lore.

(Transferec)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2095]84-85 Dated October, 841 Property bearing No. 853, 1V Main, 1 Stage, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bangalore

Date: 3-6-1985

(1) Shri R. Raghavendra Rao, No. 202, IV Main Road, Chamarajpet, B'lore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. L. Gopalkrishna Setty, No. 757, VII Cyoss Road, Kempegowda Nagar, B'Ire-19.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bangalore-560 001, the 13th May 1985

C. R. No. 62|46142|84-85|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 1832 situated at BSK II Stage, B'olre. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Pagistration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar on 11-1-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolleve that the fair market value of the property as aforesaid excects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lostrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 4052|84-85 Dated 11-J-85j Site No. 1832, BSK II Stage, B'lore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Sabina Mohiyuddin, No. 18, Cunningham Road, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Galdin Michael Fernandes, Clo Bro. M. Goveas, No. 21, Lawelle Road, B'lore.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 3rd June 1985

C. R. No. 62|44567|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

1,00,000; and ocaring
No. 39 situated at Dacosta Sq. St. Mary's Town; B'lore,
(and more described in the Schedule annexed herete),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Shivajinagar on 17-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said hamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same respons as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2037|84-85 Dated 17-10-84] Property bearing No. 39, Dacosta Square, St. Mary's Town, Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985

Sen1:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 28th May 1985

C. R. No. 62|45209|84-85|ACQ|B.-Whereas, J, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. RS. 833-1, TS. No. 655-1A, situated at Attavar Village,

M'lore City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 23-11-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proseedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely — (1) Smt. Shivaderriamma & Others, by PA holders: M. Chandraraja Jain, Betkeri House, Prauthy $_{
m P}$   $^{
m Vi}$ Karkala Taluk, Post Moodbidri, D.K.

(Transferor)

(2) Shri B. Dharmana Naik, Thannirupantha Village & Post, Belthangady, D.K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1311|84-85 Dated 23-11-841 Property bearing RS. No. 833-1, TS. No. 655-1A, Attavar Village, M'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 28-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 006, the 6th June 1985

C. R. No. 62|45435|84-85|ACQ|B.—Whereas, I,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 28 situated at I thige Anjanappa Lane, Mysore Road,

B'lorc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Gandhinagar on 29-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Najmunnisa Begum, No. 7, Nanjegowda St., Doddamavalli, B'lore.

(Transferor)

Shri S. Abdul Khader and
 Smt. Rakeya Bee,
 No. 61, Anjanappa Garden,
 Sysore Road,
 Blore.

(Transferor)

(2) Mamta Appa Rao, 59, C. P. Ramasamy Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 2712[84-85 Dated 29-11-84]
Property No. 28, I thige Anjanappa Lane, Mysore Road
B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-6-1985

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Smt. Lecla Devi, No. 17, XV Cross, I Floor, Rangaswamy, Temple Street, B'lore City.

(Transferee)

(2) Shri Gangadhara kumar, 3405, II Stage, V Cross, 'C' Block, Rajajinagar, B'lore-10.

(Transferor)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th May 1985

C. R. No. 62|46078|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 315/14 situated at Kempapura Agrahara, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Srirampuram on 24-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3452]84-85 Dated 24-1-85] Property No. 315[14, Kempapuта Agrahara, Hosahally Extn., B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

-----

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE B/ NGALORE

Bangalore-560 001, the 6th June 1985

Ref. No. C.R. 45-481 84-85.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
13 situated at Arab Lane B' Street, II Cross Richmoud

Town, Blore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Shivajinagar on 10-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri J. Rawoot, K. No. 23, IV Street, Markham Road, Ashoknagar, B'lore-25.

(Transferce)

(2) Mir Mohd. Ali, No. 24/1, Loonard Road, Richmoud Town, B'lore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proposts may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2675|84-85 Dated 10|12|841 Premises bearing No. 13, Arab Lane 'B' Street, II Cross, Richmoud Town, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competer t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 6-6-1985.

Scal:

ţ

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri J. N. Murthy, 643, XI. Main, HAL II. Stage, Indiranagar, B'lore-38.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

(2) 1. Shri Gopalkrishnaiah Shetty,

2. S. G. Suresh Kuniar

 S. G. Vasanih Kumar, No. 523 Garutman Park, East End Road, Basavanagudi, B'lore-4.

(Transferee)

Bangalore-560 001, the 6th June 1985

Ref. No. C. R. No. 52|45750|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. 12.

situated at II Main Road. II Block, Javanagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed he eto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jayanagur on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
132—136GI|85

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3472|94-85 Dated 29-11-84). Property bearing No. 12, II Main Road, II Block Jayanagar, B'lore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-6-1985

(1) Shri P. V. Kuppuswamy Naidu, No. 607, IV Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Abdul Hamced Sait, No. 107/8, Coles Road, Freser Town, Blore.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th June 1985

Ref. No. C. R. No. 62|45486|84-85|ACQ|B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 10.

situated at Chikka kadirappa Garden, St. Thomas Town,

B'lore.

andlor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinanar on 15-12-1984 for an experient consideration which is less than the fair

for an experent consideration which is less than the fair marks, where of the aforesald experience and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2771/84-85 Dated 15-12-84). Site No. 10, Chikkakadirappa Garden, St., Thomas Town, B'lore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SETION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th June 1985

Ref. No. C. R. No. 52|45094|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Sy. 271, 272 and 273,
situated at Nalavathokhi Villace, Virajpet Tq. Kodagu.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Office at
Virajpet on 29 11 108

Virajpet on 29-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

- (1) 1. Shri B. K. Medappa, at No. 45, High Point,
  - 2. Mrs. I. B. Belliappa, 3. Mrs. Polly Somaiah,
  - Near Chalukya Hotel, Blore-1.
  - B. S. Naujappa,
     B. S. Chengappa,
     B. S. Joyappa

(Transferor)

(2) Shri M. D. Kaneriappa, Nalmathokhu Village, Ammathi Naad, Virajpet, Tq., Kodagu,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 572|84-85 Dated 29-11-84). Property bearing Sy. No. S. 271, 272 & 273, Nalavathokhi

Village, Viraj Pet Taluk, Kodagu.

R. BHARDWAJ Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 4-6-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE EANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1985

Ref. So. C. R. No. 62|45176|84-85|ACQ|B,-

Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing No. 3702/711,

situated at Rajajimagar II Stage, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oilice of the Registering Office at Rajajinagar on 30-11-198‡

Rajajmagar on 30-11-198+ for an appearant consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri N. R. Srivatra, No. 12, Charlie Trading Corpa., Lady of Guya Bldg., Vascodagama, Goa.

(Transferor)

(2) Shrimati E. Vasantha No. 291, Sampige Road, Malleswaram, B'lore-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3376|84-85 Dated 30-11-84). Property bearing No. 3702|7|1, Rajajinagar II Stage,

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-6-1985

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1985

Ref No. C.R. No. 62|4507|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. RS 833-1, T. S. No. 655-1A, situated at Attawar Village, Mlore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at M'lore on 23-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aofresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shrimati Shivadeviamma & Others, By PA holder Mr. M. Chandraraja Jain, Betkeri House, Pranthya Village, Karkala Taluk, Post Moodbidti, D. K.

(Transferor)

(2) Shri E. R. Moideen Kunhi Timber Merchant, Adoor, M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1308|84-85 Dated 23-11-84). Property bearing No. RS. 833-1 TS No. 655-1A, in Attawar Village, Mangalore City.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangaloro

Date: 1-6-1985 Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M. N. Bramhadev, Subhashnagar, Mandya City.

#### (Transferor)

#### (2) M. Bhaktavarmel, Bazar Street, Mandya City.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 5th June 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45181|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
No. 61|569, situated at Bazar Street, Mandya

No. 61/569, situated at Bazar Street, Mandya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandya on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reducteion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2848 84-85 dated 24-11-84) Property bearing No. 6|569, Bazar Street, Mandya.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 25th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45678|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. 10-11, situated at Annaswamy Mudaliar Road, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 19-11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transf and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat; proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he is no feet on the said property by he is no feet on the said acquisition of the aforesaid property by he is no feet on the said acquisition of the said acquisition acquis acquisition acquisition acquisition acquisition acquisition acq aforesaid property by he is ne of this notice of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ucrsons, namely :-

(1) P. R. Lalitha, 239, Infantry 2. Smt. Varalakshmi Bonmy & Road, B'lore.
3. Sm. P. R. Vasutha,—both repd. by their
PA holder Smt. Thayama, No. 139, Infantry Road, B'lore-1.

(Transferor)

(2) Smt. Nagamani,2. Sri H. R. Venkataramaiah,No. 21, Annaswamy Mudaliar Road, Blore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2871|84-85 dated 19-11-84) Premises bearing Nos. 10-11, Annaswamy Mudaliar Road, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-5-1985

The state of the state of the second FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961

#### (2) Shri Joseph C. M. F. Rodribtur, Church Compound, Urva, M'lore.

(1) Shri K. Shamba Alva, Bishop's Victor Road, Athawar, Miore.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st June 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45464|84-85|ACQ|B.-Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority Sunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. RS. 469-2C1, TS, 508-2CI, situated at Kodiatbail Village

M'Lore City

(and n ore fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at M'Lore in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aioresaid property, and I have reason to beleive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document

Property bearing No. TS. 308-2CI, RS. No. 469-2CI, Kodialbail Village, M'lore.

R. BHARDWAJ Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ocusons, namely '--

Date: 1-6-1985

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st June 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45873|84-85|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. and bearing No. 45, Situated at Belavai, Kankala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moodabidri on 14-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any imponse or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

133—136GI|85

 Shri G. Karunakana Hegde, G. Navinchandra Hegde, Belavai Grama, Karkala.

(Transferor)

(2) K. Diwakar Hegde, Sabhapet, Near SBM, Karkala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 464|84-85 dated 14-11-84). Property bearing No. 45, Belavai, Karkala.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: .1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st June 1985

Ref. No. C.R. No. 62[45521[84-85]ACQ]B.—Whereas, I, R., BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 89/11, situated at Kelarkalabettu Village of Udupi Taluk (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri G. Suresh Kumar, Assistant Manager, Syndicate Bank, Panoor (Tellicheny), Caunauore Dist.

(Transferor)

(2) Shri Josephine Bothello, Nejur Touse East, Village, Kalliaupur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persone within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1388|84-85 dated 30-11-84). Property bearing No. S. 89/11, Kelar Kalabettu Village of Udupi Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
lnsceeding Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st June 1985

Rof. No. C.R. No. 62|45104|84-85|ACQ|B.-Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

RS.220-A; TS. 274-A, situated at Bendoor Ward, M'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at M'lore on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- +b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Dr. K. Jayaram Kamath, PA holder Sri B. R. Pai, Gokulam, M'lore.

(Transferor)

(2), P. V. Shenoy, N. V. Shenoy, Planter's Lane, M'Lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1293|84-85dated 22-11-84).

Property bearing RS. No. 220-A, TS. No. 274-A, Bendoor Ward, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 28th May 1985

C.R. No. 62|45206|84-85(ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
No. RS.833-1, TS. No. 655-1A, situated at Attavar Village, M'lore Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at M'lore on 23-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of SectionD of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shivadeviamma & Others, by GPA M. Chandraraja Jain, Betkeri House, Pranthya Village of Karkala Tq., Post Moodabidri, D.K.

(Transferor)

(2) Shri J. Ranindra, Retna Vihar, Jeppinamogru Village, M'lore.-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1307|84-85 dated 23-11-8. Property bearing No. RS. 833-1, TS No. 655-1A, At Village, Mangalore Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-5-1985

#### FORM I.T.N.S .--

 Smt. Shivadeviamma & others, by GPA holder M. Chandraraja Jain, Betkeri House, Pranthan Village of Karkola Toluk, Post Moodbidri, D.K.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. T. Sukumar Shetty, "Suprabath", •1. ower Bendore, M'lore-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 28th May 1985

C.R. No. 62|45212|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

RS. 833-1, 834, TS. No. 655-1A & 654

655-1A & 654

situated at Attavar Village, M'lore Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at M'lore on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1317/84-85 dated 23-11-84).

Property bearing No. RS. 833-1, 834, TS. No. 655-1A & 654, in Attavar Village, M'lore Tq.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

134--13**6GI/85** 

Date: 28-5-1985

Scal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st June 1985

C.R. No. 62|44731|84-85(ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

heing the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000|- and bearing No.
RS. 469-2C1, TS. No. 308/2C1,
situated at Kodialbail Village, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annered hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 6-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of "be transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Manavendranath S. Shetty, By GPA holder— K. S. Shetty, Kodialbail, Mangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Anicitus Shobha Collean Mendoula, By PA holder—
Smt. Celine Narareth,
A. R. D'Souza Lane, Bendore, Mangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1197/84-85 land ated 6-11-84) Property bearing No. RS, 469-2C1, TS. No. 308-2C1, Kodialbail Village, Mangalore City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquailton Range Bangalore

Date: 1-6-1985 Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sridhar Bhatt, Partner: M.s. Sri Krishna Finance Corporation, New Sayaji Rao Road, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri Rajagopal, Auditor & Tax Consultant, 1491, Sreerampet, Mysore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st June 1985

C.R. No. 62|45093|84-85|ACQ|B.-Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinneter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the phinovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and braring
No. 890/A, situated at II Stage, Siddartha layout, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immor able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms nand expressionus used herei as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter .

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nod /or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Docume at No. 3918|84-85 dated Nov. 84] Property No. 890 A Il Stage, Siddartha, layour, Mysore. Mysore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st June 1985

C.R. No. 62|45197,84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding RS. 498/8,TS: No. 53|8, situated at Attavan Village, Mangoloare Cnty (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 27-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 27-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that thee consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri A. Vittal Rai, Hoige Bazaar, Bolar. Mangalore.

(Transferor) .

(2) Smt. Rajivi S. Puthran, Bolar, Ferry Road, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 12st Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No 964]84-85 dated 27-11-1984]
Property bearing No RS, 498[B, TS, 93]B o t Attava Village, Mangalore City.

R. BHARDWA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-ta: Acquisition Rang Bangaloi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I, hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-accion (1) of Section 269D of the said Act, to the following remans. namely:

Date: 1-6-1485

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st June 1985

CR. No. 62|45205||84-85|ACQ!B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing

No. 95/B, situated at Saraswathipuram, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

(1) Shri M. Durgesha, 95|B, H Cross, IX Main. Saraswathipuram. Mysore.

(Transferor)

(2) Shri B. T. Venkatagowla, Kyalanahalli, Pandavapura Taluk, Mysore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property Property bearing No. 95|B, Sarawathipuram, Mysore.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms nand expressionus used herei as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3973/84-85 Dated 15-11-84) property bearing No. 95/, Saraswathipuram, Mysore,

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 1-6-1985 Seal: FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri N. R. Srivatsa, 12, Charlie Trading Corporation, Vascodagama, Goa.

(Transferor)

(2) Smt. C.A. Nagalakshmi, 503/48, VI Main Road, Subramanyanagar, Bangalore-21

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st June 1985

C.R. No. 62|45173|84-85|ACQ|B.-Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, No. 3702/7/1, situated at II Stage, Rajajinagar, Bangalore Rajajinagar on November, 1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; cadior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3872/84-85 Dated Nov 84) Property bearing No 3702/7/1, II Stage, Rajajinagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaloic

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-~

Date: 4-6-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st June 1985

C.R. No. 62|45214|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
RS. 833-4, TS. 655-1A,
situated at Attavar Village, Mangalore City
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 23-11-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion at the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Smt. Shivaderriamma & Others, By Agent-Mr. M. Chandraraj Jain, Jain, House, Attavar,

Manglore-1.

(Transferor)

(2) 1. Shri B. Viswanathan Alva, Bolar. 2. Mr. M. Raghava,

Vas Lane, Mangalore,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1319/84-85 Dated 23-11-84) Property bearing No. RS, 833-1, TS, No. 655-1A of Attavar Village, Mangalore City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Smt. Shivadiamma & Others. By GPA Holder— Mr. M. Chaucharaja Jain, Betkeri House, Pranthya Village, Karkala Taluk, Post Moodbidri,

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BÂNGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st June 1985.

C.R. No. 62;45205[84-85]ACQ[B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

RS.833-1, TS. No. 655-1A, situated at Attavar Village, Mangalore City (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the land market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particular has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri F. R. Mohd. Kunhi, Timber Merchant, Adoor, Mangalore,

(Transferee

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1306/84-85 Dated 2 Property bearing; No. RS. 833-1, TS. No. 655-1A, Dated 23-11-84) Attavar Village, Mangalore City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 4-6-1985

Scal: